Celebrating
40 years of NIFT

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY

Ministry of Textiles, Government of India

A Statutory Institute Governed by the NIFT Act 2006

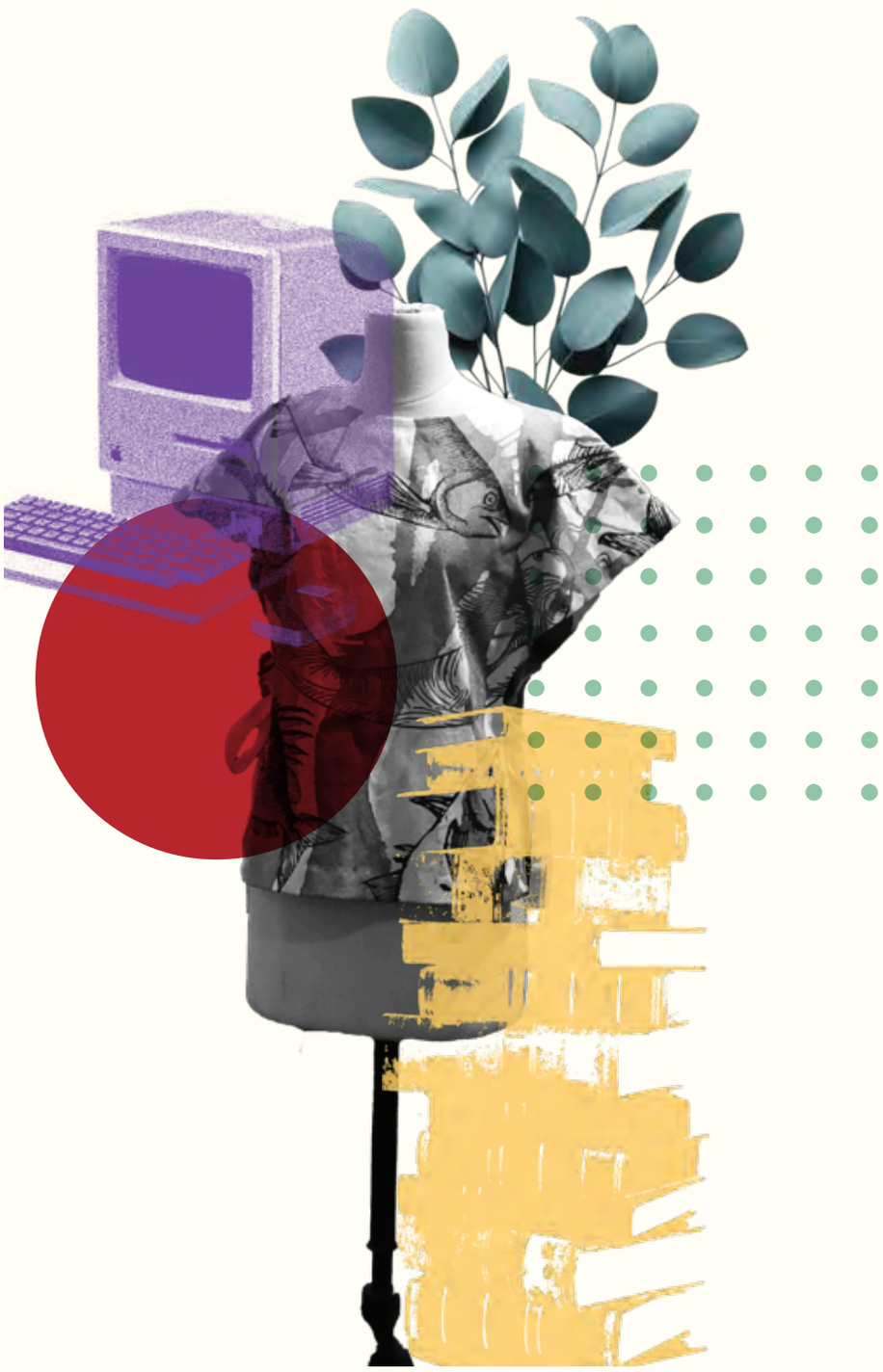

39वीं वार्षिक रिपोर्ट 24-25

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
निफ्ट अधिनियम 2006 द्वारा शासित एक वैधानिक संस्थान
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार
निफ्ट परिसर, हौज़ खास, गुलमोहर पार्क के पास,
नई दिल्ली - 110016

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

39 वीं वार्षिक रिपोर्ट 2024-25

अध्यक्ष का संदेश

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) की वार्षिक रिपोर्ट के लिए यह संदेश प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। फैशन, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान के रूप में, निफ्ट भारत और वैश्विक स्तर पर फैशन उद्योग के भविष्य को आकार देने में एक निर्णायक भूमिका निभा रही है।

पिछले एक वर्ष में, निफ्ट ने गतिशील और सर्वदा विकासशील फैशन परिदृश्य के लिए विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता सहित सहजता से एकीकृत रचनात्मकता और उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में अपनी महानता की पुष्टि की है। निफ्ट देश भर में फैले अपने 19 परिसरों के साथ डिजाइन, प्रबंधन, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और विकास और वैश्विक आउटरीच में पेशेवर शिक्षा और जुड़ाव के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करती है।

संस्थान की नवाचार, स्थिरता और उद्यमिता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता भारत को नैतिक और टिकाऊ प्रथाओं में निहित वैश्विक कपड़ा केंद्र के रूप में स्थापित करने के वस्त्र मंत्रालय के दृष्टिकोण के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। अनुसंधान, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और उद्योग साझेदारी में निफ्ट की पहल अपने शैक्षणिक नींव को मजबूत करने और वैश्विक स्तर पर अपने पदचिह्न का विस्तार करने में लगी है।

मैं पूरे निफ्ट समुदाय नेतृत्व, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को उनके समर्पण, लचीलेपन और उत्कृष्टता की खोज के लिए हार्दिक सराहना करती हूं। उनके सामूहिक प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया है कि संस्थान न केवल आत्मविश्वास के साथ उभरती चुनौतियों का सामना करती है, बल्कि फैशन और वस्त्र पारितंत्र में अग्रणी के रूप में भी फलती-फूलती रहती है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि निफ्ट भविष्य में भी सकारात्मक बदलाव के लिए उत्प्रेरक और प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा और वस्त्र तथा फैशन क्षेत्रों के विकास, नवाचार और परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मैं संस्थान को अपने सभी प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करता हूं और विश्वास करता हूं कि यह आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छूना जारी रखेगा।

श्रीमती नीलम शमी राव, भा.प्र.से.
सचिव (वस्त्र) व अध्यक्ष,
शासक मण्डल -निफ्ट

महानिदेशक का संदेश

मैं अत्यंत गर्व और आशा के साथ राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) की वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रही हूँ। फैशन, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान के रूप में, निफ्ट भारत के फैशन शिक्षा परिदृश्य में उत्कृष्टता, रचनात्मकता और परिवर्तन का आधार बना हुआ है।

इस वर्ष हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। वैश्विक बदलावों और उद्योग विकास के बावजूद, निफ्ट मजबूत एवं अनुकूलनशील बना हुआ है, तथा फैशन नवाचार और शैक्षिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है। देश भर में 19 परिसरों के साथ हमने अत्याधुनिक शिक्षा प्रदान करना जारी रखा है, फैशन इंटीरियर्स जैसे नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, और स्थिरता और भविष्य-केंद्रित शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया है।

फैशन उद्योग गतिशील परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जो स्थिरता, डिजिटल नवाचार और उभरते उपभोक्ता मूल्यों से प्रेरित है। निफ्ट में हम अपने विद्यार्थियों को न केवल इन परिवर्तनों के अनुकूल होने के लिए तैयार कर रहे हैं, बल्कि उनका नेतृत्व करने के लिए भी तैयार कर रहे हैं। हमारा पाठ्यक्रम कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वर्चुअल डिजाइन उपकरण, थ्रीडी प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों को एकीकृत करता है, जो छात्रों को वैश्वीकृत और तकनीकी रूप से उन्नत फैशन पारिस्थितिकी तंत्र में आवश्यक कौशल और सीखने की स्वतन्त्रता प्रदान करता है।

इस वर्ष हमारे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा दिखाया गया नवाचार, साहस और उत्साह वास्तव में सराहनीय रहा है। निफ्ट के हर सदस्य ने हमारे साझा लक्ष्यों में सार्थक योगदान दिया है, और उनके प्रयासों के परिणाम इस रिपोर्ट में विस्तार से बताए गए हैं।

मैं वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, हमारे बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, उद्योग भागीदारों, पूर्व छात्रों और सभी हितधारकों के प्रति उनके निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ। निफ्ट में आपका विश्वास हमें और अधिक बड़े प्रयास करने तथा अधिक साहसी सपने देखने की शक्ति देता है।

भविष्य की ओर देखते हुए, हम नवाचार, स्थिरता और समावेशिता के माध्यम से वैश्विक फैशन रूप को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निफ्ट रचनात्मक अन्वेषण और सहयोगात्मक विकास का केंद्र बना रहेगा, एक ऐसा स्थान जहां ज्ञान, आनंद, दृष्टि और क्रिया एक साथ चलते हैं।

हार्दिक शुभकामनाएं,

सुश्री तनु कश्यप, भा.प्र.से.
महानिदेशक, निफ्ट

निदेशक (वित्त एवं लेखा) का संदेश

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), नई दिल्ली के समेकित वार्षिक लेखा तैयार करना मेरे लिए अत्यंत हर्ष की बात है। मैं प्रधान कार्यालय और निफ्ट परिसरों की अपनी पूरी वित्त और लेखा टीम का बहुत आभारी हूं, जिन्होंने वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद केवल 3 महीने के निर्धारित समय के भीतर परिसरों और प्रधान कार्यालय के वार्षिक खातों को तैयार करने में समर्पण, ईमानदारी के साथ काम किया है और अत्यधिक सावधानी बरती है। इस वर्ष के वार्षिक लेखा तैयार करते समय पिछले वर्ष के सीएसी लेखा परीक्षा की टिप्पणियों को ध्यान में रखा गया है।

निर्धारित प्रारूप में तैयार किये गए वार्षिक लेखा में उल्लेखित निर्देशों का सख्ती से पालन किया गया है। इसमें निफ्ट अधिनियम 2006 के खंड 21 (2) के साथ पठित नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवाओं की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के कार्यालय द्वारा जारी वार्षिक लेखा और अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट भी शामिल है। इन वित्तीय विवरणों में बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, पंचकूला, पटना, रायबरेली, शिलांग, श्रीनगर, दमन और वाराणसी में स्थित निफ्ट के 18 परिसरों के लेखा शामिल हैं।

वार्षिक लेखा निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं, जिसमें उल्लिखित निर्देशों का सख्ती से पालन किया गया है, जिसमें नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवाओं की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के कार्यालय द्वारा जारी वार्षिक लेखा और अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट शामिल है। इन वित्तीय विवरणों में बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, पंचकूला, पटना, रायबरेली, शिलांग, श्रीनगर, दमन और वाराणसी में स्थित निफ्ट के 19 परिसरों के लेखा शामिल हैं।

संस्थान ने वर्ष के दौरान मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के लिए एमओटी टीएसए संकर भुगतान प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया, जिसके लिए निफ्ट सीएनए है।

सीएमए बी. के. पांडेय
निदेशक(वित्त व लेखा)

विषय सूची

01 संगठनात्मक ढाचां निफ्ट के बारे में

02 विभाग सन्नातक एवं सन्नातकोत्तर

5 फाउंडेशन कार्यक्रम
10 फैशन संचार
17 फैशन डिज़ाइन
24 फैशन और लाईफस्टाईल एसेसरीज
30 निटवियर डिज़ाइन
34 लैदर डिज़ाइन
41 वस्त्र डिज़ाइन
44 डिज़ाइन स्पेस
49 फैशन प्रबंधन अध्ययन
56 फैशन प्रौद्योगिकी

03 ईकाइयाँ

60 प्रवेश
62 कैंपस प्लेस्मेंट
64 शिल्प समुदाय विकास
67 सतत शिक्षा एवं डिप्लोमा कार्यक्रम
69 दीक्षांत समारोह
71 कॉपोरेट कम्यूनिकेशन सेल (सीसीसी)
73 उद्यम संसाधन योजना
75 संकाय उन्मुमखीकरण प्रशिक्षण और विकास
77 सूचना प्रौद्योगिकी
78 अंतरराष्ट्रीय और घरेलू संबंध
81 राष्ट्रीय संसाधन केंद्र
82 पीएचडी और अनुसंधान
88 निफ्ट में परियोजनाएं
90 प्रकाशन
91 छात्र विकास गतिविधियाँ

04 निफ्ट परिसर

93 बेंगलुरु
101 भोपाल
107 भुवनेश्वर
114 चेन्नई
121 दमन
124 गांधीनगर
130 हैदराबाद
133 जोधपुर
138 कांगड़ा
142 कन्नूर
150 कोलकाता
154 मुंबई
162 नई दिल्ली
165 पंचकुला
172 पटना
177 रायबरेली
183 शिलांग
188 श्रीनगर
192 वाराणसी

05 निफ्ट लेखा रिपोर्ट

195 लेखा रिपोर्ट

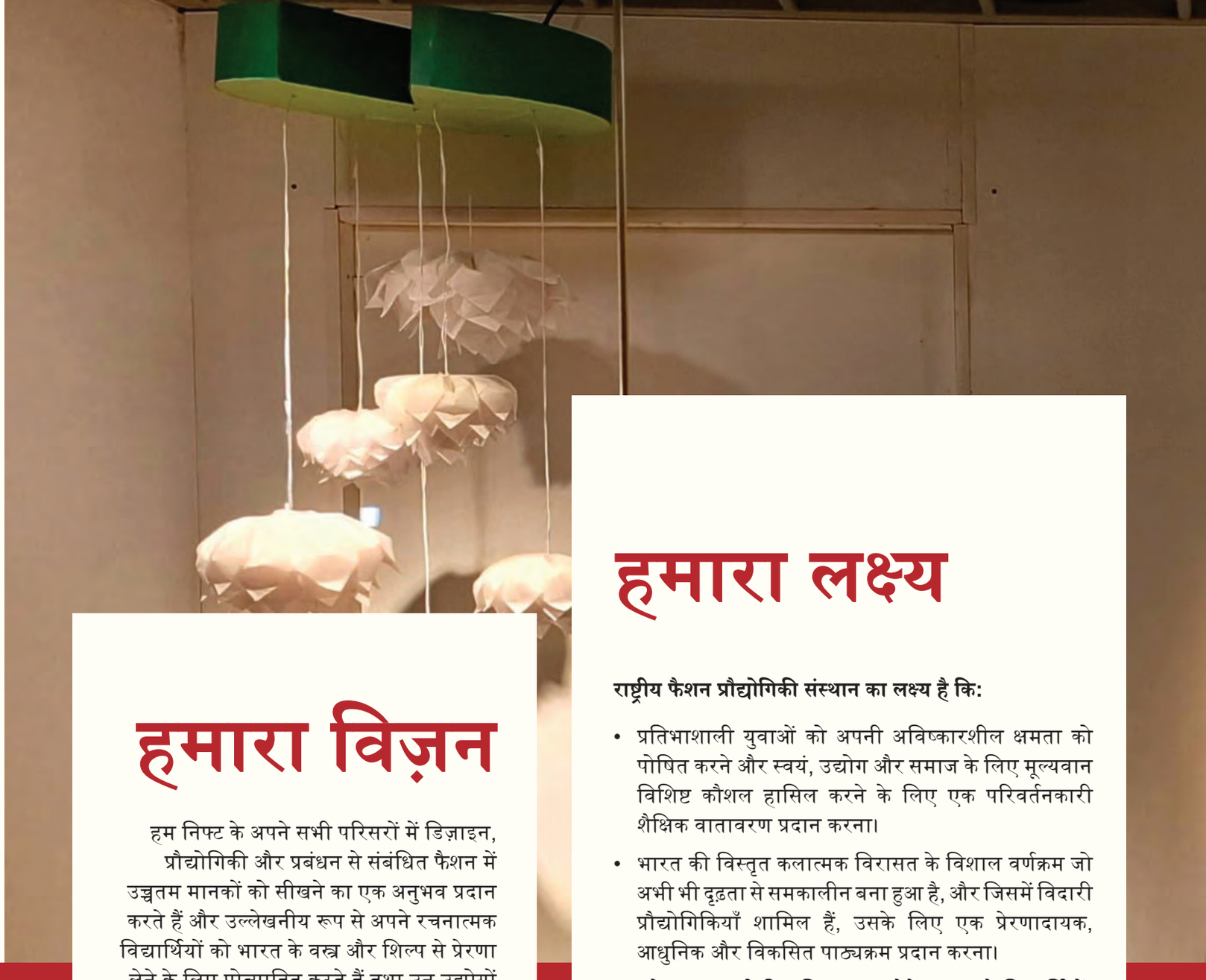

हमारा विज़न

हम निफ्ट के अपने सभी परिसरों में डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन से संबंधित फैशन में उच्चतम मानकों को सीखने का एक अनुभव प्रदान करते हैं और उल्लेखनीय रूप से अपने रचनात्मक विद्यार्थियों को भारत के वस्त्र और शिल्प से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं तथा उन उद्योगों के संदर्भ में हम उभरते वैश्विक रुझानों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन उद्योगों की हम सेवा करते हैं।

हमारा लक्ष्य

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान का लक्ष्य है कि:

- प्रतिभाशाली युवाओं को अपनी अविष्कारशील क्षमता को पोषित करने और स्वयं, उद्योग और समाज के लिए मूल्यवान विशिष्ट कौशल हासिल करने के लिए एक परिवर्तनकारी शैक्षिक वातावरण प्रदान करना।
- भारत की विस्तृत कलात्मक विरासत के विशाल वर्णक्रम जो अभी भी दृढ़ता से समकालीन बना हुआ है, और जिसमें विदारी प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं, उसके लिए एक प्रेरणादायक, आधुनिक और विकसित पाठ्यक्रम प्रदान करना।
- हमेशा साहचर्य की शक्ति पर बल देते हुए अपने विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं भूतपूर्व छात्रों में सांस्कृतिक और व्यक्तिगत विविधता का महत्व बताना तथा उसे उत्सव के रूप में मनाना।
- परिशुद्ध और अत्याधुनिक अनुसंधान के प्रचार के माध्यम से वस्त्र, परिधान, खुदरा और सहायक उद्योग के सभी पहलुओं के लिए डिज़ाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में अभिनव और परियोजना आधारित शिक्षाविदों के प्रचार में एक वैश्विक अग्रणी बनना।
- अपने संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों को शैक्षणिक संस्थानों, फैशन हाउस, स्टार्ट अप हब और अपने कार्यक्रमों के लिए प्रासंगिक निगमों के साथ परस्पर संवाद करने में सक्षम बनना।
- पेशेवर उत्कृष्टता और व्यक्तिगत निष्ठा के मानकों को सटीक करने के लिए प्रतिबद्ध स्नातकों को आगे लाना।

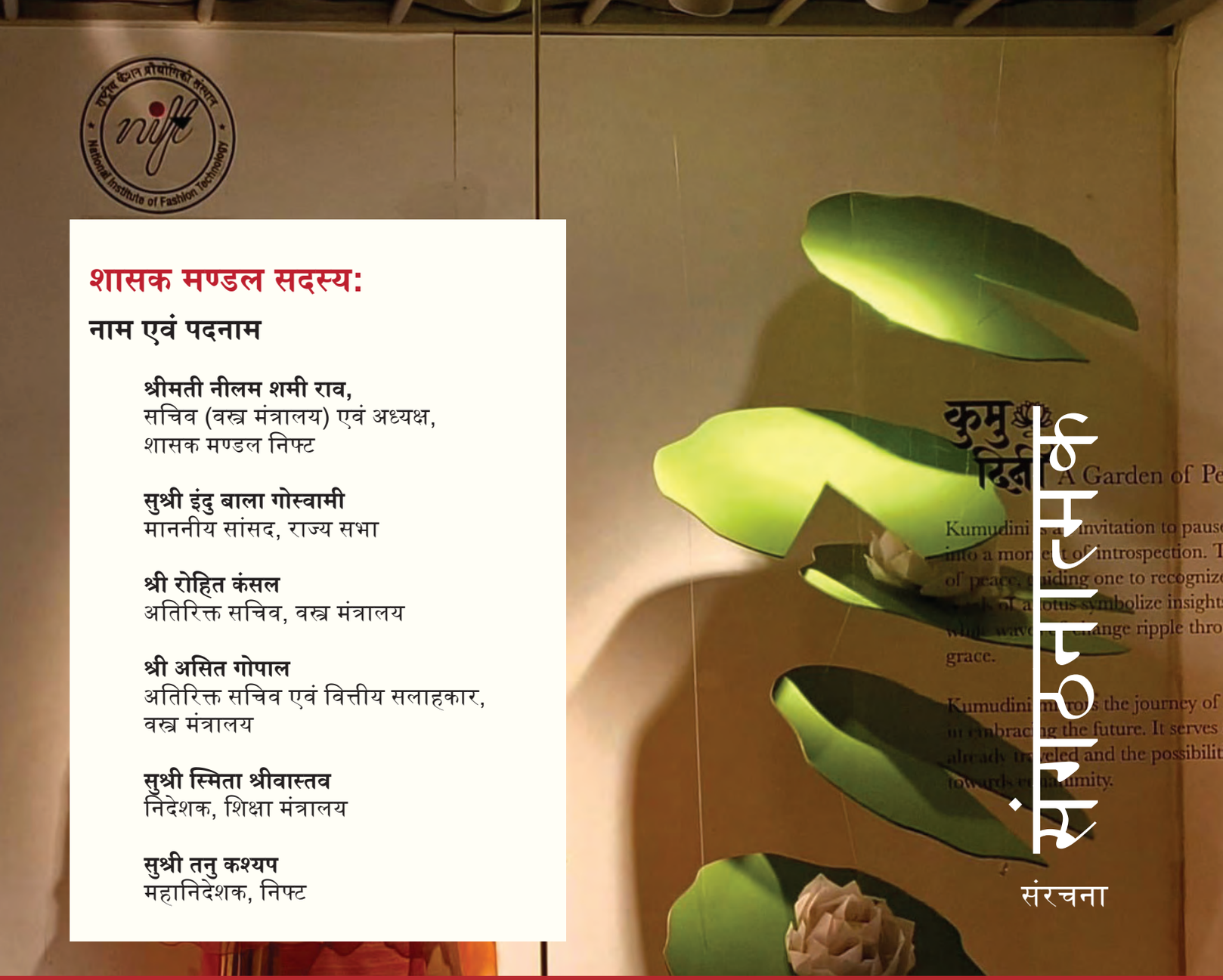

शासक मण्डल सदस्य:

नाम एवं पदनाम

श्रीमती नीलम शमी राव,
सचिव (वस्त्र मंत्रालय) एवं अध्यक्ष,
शासक मण्डल निफ्ट

सुश्री इंदु बाला गोस्वामी
माननीय सांसद, राज्य सभा

श्री रोहित कंसल
अतिरिक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय

श्री असित गोपाल
अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,
वस्त्र मंत्रालय

सुश्री स्मिता श्रीवास्तव
निदेशक, शिक्षा मंत्रालय

सुश्री तनु कश्यप
महानिदेशक, निफ्ट

निफ्ट के अधिकारी

सुश्री तनु कश्यप, भा.प्र.से.
महानिदेशक

सुश्री दीपिका लोहिया अरन, आईओएफएस
मुख्य सतर्कता अधिकारी

कर्नल विक्रांत लखनपाल
पंजीयक

श्री गौरव मिश्रा
निदेशक (मुख्यालय) (प्रभारी)

श्री बी. के. पांडे
निदेशक (वित्त एवं लेखा), (प्रभारी)

कर्नल सौरभ गुप्त
निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी)

श्री गौरव मिश्रा
संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

श्री बी.के. पांडे
मुख्य लेखा अधिकारी

सुश्री रजनी शाह
सहायक बोर्ड सचिव एवं विधि अधिकारी

निफ्ट के अधिकारी

निफ्ट मुख्यालय
मार्च 2025 तक

डीन शैक्षणिक
प्रो. डॉ. सुधा ढींगरा

प्रो. डॉ. शिंजु महाजन
प्रमुख - (शैक्षणिक मामले)

प्रो. डॉ. विजय कुमार दुआ
प्रमुख - (सीओई)

प्रो. डॉ. मोनिका गुप्ता
प्रमुख - (परियोजनाएँ)

प्रो. डॉ. एम अरवेंदन
प्रमुख - (सतत शिक्षा डिप्लोमा एवं ब्रिज कार्यक्रम)

प्रो. डॉ. संजीव मालगे
प्रमुख - (अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू संपर्क)

डॉ. डिम्पल बहल
प्रमुख - (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन सेल)

प्रो. डॉ. एम. के. गांधी
प्रमुख - (ईआरपी)

प्रो. डॉ. जोनाली डी. बाजपेई
प्रमुख - (उद्योग एवं पूर्व छात्र मामले)

प्रो. डॉ. पूर्वा खुराना
प्रमुख - (क्लस्टर)

प्रो. डॉ. वर्षा गुप्ता
प्रमुख - (अनुसंधान)

प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी
प्रमुख - (एफओटीडी)

प्रो. डॉ. रूबी कश्यप
प्रमुख - (प्रकाशन)

अध्यक्ष

डॉ. रशमी गुलाटी
डिज़ाइन स्पेस

प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यू
फैशन कम्युनिकेशन

प्रो. डॉ. वंदिता सेठ
फैशन डिज़ाइन

सुश्री जयति मुखर्जी
फैशन और लाइफ़स्टाइल एक्सेसरीज़

प्रो. डॉ. बिनया भूषण जेना
फैशन मैनजमेंट स्टडीज़

प्रो. डॉ. बिनवंत कौर
फैशन टेक्नॉलजी

प्रो. डॉ. प्रीथा हुसैन
फाउंडेशन प्रोग्राम

प्रो. डॉ. पी. मोहन राज
निटवियर डिज़ाइन

डॉ. सब्यसाची सेनगुप्ता
लैदर डिज़ाइन

डॉ. शुभांगी यादव
टेक्सटाइल डिज़ाइन

निफ्ट के अधिकारी

निफ्ट मुख्यालय
मार्च 2025 तक

बेंगलुरु
प्रो. डॉ. यतींद्र एल
परिसर निदेशक (प्रभारी)
प्रो. डॉ. यतींद्र एल
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

जोधपुर
प्रो. डॉ. जी. हरि शंकर प्रसाद
परिसर निदेशक
प्रोफेसर डॉ. हरलीन
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

पटना
कर्नल राहुल शर्मा
परिसर निदेशक
श्री मोहम्मद शादाब सामी
संयुक्त निदेशक

भोपाल
लेफ्टिनेंट कर्नल आशीष अग्रवाल
परिसर निदेशक
श्री अखिल सहाय
संयुक्त निदेशक

कांगड़ा
प्रो. डॉ. राहुल चंद्रा
परिसर निदेशक (प्रभारी)
श्री दीपक राणा
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

रायबरेली
श्री एन. एस. बोरा
परिसर निदेशक (प्रभारी)
श्री एन. एस. बोरा
संयुक्त निदेशक

भुवनेश्वर
श्री राजेश कुमार झा
परिसर निदेशक

कन्नूर
कर्नल अखिल कुमार कुलश्रेष्ठ
परिसर निदेशक
प्रोफेसर डॉ.मनोज तिवारी
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

शिलांग
श्री शंकर कुमार झा
परिसर निदेशक
श्री फेबी डी
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

चेन्नई
प्रोफेसर डॉ. दिव्या सत्यन
परिसर निदेशक (प्रभारी)
डॉ. डी. प्रवीण नागराजन
संयुक्त निदेशक

कोलकाता
श्री ब्रिजेश देवरे
परिसर निदेशक (प्रभारी)
श्री ब्रिजेश देवरे
संयुक्त निदेशक

श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर)
प्रो. डॉ. मोनिका गुप्ता
परिसर निदेशक (प्रभारी)

दमन
श्री संदीप सचान
परिसर निदेशक

मुंबई
प्रोफेसर डॉ. शर्मिला जे दुआ
परिसर निदेशक (प्रभारी)
श्री खुशाल जांगिड़
संयुक्त निदेशक

वाराणसी
प्रो. डॉ. संजय श्रीवास्तव
परिसर निदेशक (प्रभारी)

गांधीनगर
प्रो. डॉ. समीर सूद
परिसर निदेशक
प्रो. डॉ. प्रणव वोरा
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

नई दिल्ली
प्रो. डॉ. अनुपम जैन
परिसर निदेशक (प्रभारी)
डॉ. दीपक जोशी
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

हैदराबाद
प्रो. डॉ. मालिनी डी
परिसर निदेशक (प्रभारी)
डॉ. पृथ्वीराज मल
संयुक्त निदेशक (प्रभारी)

पंचकूला
प्रो. डॉ. अमनदीप सिंह ग्रोवर
परिसर निदेशक (प्रभारी)
श्री डी. के. रंगरा
संयुक्त निदेशक

निफ्ट के बारे में

1986 में स्थापित, निफ़्ट को देश के अग्रणी फैशन शिक्षा संस्थान के रूप में चिह्नित किया गया है। वस्त्र और परिधान उद्योगों को मानव संसाधन प्रदान करने की जिम्मेदारी का नेतृत्व करते हुए, संस्थान अपने छात्रों को प्रमुख फैशन संरक्षण के साथ ज्ञान, शैक्षणिक आजादी, महत्वपूर्ण स्वतंत्रता और रचनात्मक सोच का मिश्रण करता है। तीन दशकों से, निफ्ट ने सक्षम पेशेवरों के विकास और अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। निफ़्ट अधिनियम 2006 के तहत, भारत के माननीय राष्ट्रपति संस्थान के ¡®विजिटर¡¯ हैं और भारत के राजपत्र में प्रकाशित, निफ़्ट को एक वैधानिक दर्जा दिया गया है, जो इसे डिग्री और अन्य उपाधियाँ प्रदान करने का अधिकार प्रदान करता है। आज, संस्थान देश भर में 19 पूरी तरह कार्यात्मक, पेशेवर रूप से प्रबंधित परिसरों के साथ मजबूती से देश में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

अकादमिक समावेशिता की अपनी पहचान के साथ, निफ्ट में सौंदर्य और बौद्धिक झुकाव की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसने संस्थान के विस्तार में एक बडी भूमिका का निर्वाहन किया है। फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क से प्रमुख प्रगतिशील विद्वान, शुरुआती विशिष्ट प्रशिक्षकों एवं निफ्ट अपने शिक्षकों से बुद्धिजीवियों के एक प्रतिष्ठित समूह की सेवाएं प्राप्त करता है, जिनके पास सीखने के लिए रणनीतिक रूप से प्रभावी एवं गतिशील ज्ञान हैं।

आज, संस्थान के पास प्रमुख पेशेवरों, शिक्षा पारखी, उद्यमियों, प्रतिष्ठित रचनात्मक व्यक्तियों, शोधकर्ताओं और विश्लेषकों का एक मजबूत समुदाय है। पिछले दशकों में नवीन पुनरावृत्तियों के साथ, निफ्ट ने प्रत्येक साधक के मन में नेतृत्व, अनुसंधान प्रोत्साहन, उद्योग फोकस, रचनात्मक उद्यम, और सहकर्मी के सीखने की बुनियादी बातों को स्थापित करने के लिए अपनी शैक्षणिक रणनीतियों को समय-समय पर अद्यतन किया है।

रचनात्मक विचारकों की अगली पीढ़ी को बढ़ावा देते हुए, संस्थान अपने स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करता है, साथ ही साथ विश्वस्तरीय सीखने की प्रथाओं की विचारधारा को स्पष्ट करता है और अपने अकादमिक आधार को मजबूत करने के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ गठजोड़ करता है। निफ्ट इस प्रकार डिज़ाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

संस्थान का प्राथमिक ध्यान डिज़ाइन विकास और भारत में हथकरघा, हस्तशिल्प और खादी के पुनरुद्धार में संघ और राज्य सरकारों को ज्ञान सेवाएं प्रदान करने पर भी है।

संस्थान की दृष्टि चुनौतियों को स्वीकार करते है और उच्चतम शैक्षणिक मानकों को स्थापित करने की प्रेरणा देती है। निफ्ट सर्वश्रेष्ठ बनने का निरंतर प्रयास करता है।

फाउंडेशन कार्यक्रम

निफ्ट फाउंडेशन कार्यक्रम को स्थानीय और वैश्विक प्रेरणाओं द्वारा संयमित एक मजबूत व्यावहारिक मानसिकता के साथ आधारभूत ज्ञान का आधार बनाने के लिए संरचित किया गया है। यह सतत डिज़ाइन सिद्धांतों को स्थापित करता है, सावधानीपूर्वक सामग्री चयन, पर्यावरण-अनुकूल प्रक्रियाओं और उनके व्यापक पर्यावरणीय प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करता है। यह छात्रों को पारंपरिक शिल्प, सामग्री और तकनीकों से परिचित कराता है, डिज़ाइन के लिए एक गहरे, सांस्कृतिक रूप से निहित दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम छात्रों की संवेदी जागरूकता और सौंदर्य निर्णय को तेज करता है, जो विभिन्न डिज़ाइन विषयों में विशेषज्ञता और फैशन प्रौद्योगिकी की मूल बातें के लिए आधारभूत दृष्टिकोण के लिए आवश्यक है।

डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी की मूल बातें कवर करके, यह छात्रों को डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी को एक रचनात्मक और समस्या-समाधान अनुशासन के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करता है। पाठ्यक्रम एक परिष्कृत डिज़ाइन परिप्रेक्ष्य का पोषण करता है और इसकी अंतःविषय प्रकृति की समझ को बढ़ावा देता है। यह फैशन, प्रौद्योगिकी, डिज़ाइन, पर्यावरण, संस्कृति, मानव धारणा और भावनाओं के बीच परस्पर क्रिया पर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभाव पर भी जोर देता है।

वास्तविक दुनिया के संदर्भों के साथ निरंतर संबंध के माध्यम से, कार्यक्रम उभरते परिवेश के बारे में जागरूकता पैदा करता है। यह रचनात्मकता विकसित करने के लिए मार्गदर्शन, संसाधन और अनुभव प्रदान करता है, जिससे छात्रों को उनकी विशिष्ट पहचान और क्षमताओं का पता लगाने और परिभाषित करने में मदद मिलती है। संपूर्ण डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम की नींव के रूप में कार्य करते हुए, यह कार्यक्रम डिज़ाइन और फैशन प्रौद्योगिकी में भविष्य की शिक्षा और विकास के लिए आधार तैयार करता है।

उद्योग से संपर्क और परियोजनाएं

अपनी डिज़ाइन यात्रा की दहलीज पर, फाउंडेशन वर्ष में छात्र प्रेरक, उद्योग विशेषज्ञों, चिकित्सकों, ट्रेंडसेटर, प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, सिद्धांतकारों और डिज़ाइनरों सहित कई सुविधाकर्ताओं के साथ जुड़ते हैं। कार्यक्रम उन्हें एक स्वतंत्र व्यक्तित्व विकसित करने में मदद करता है और उन्हें तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक वातावरण में खुद के लिए अनुकूलन और सीखने की अनुमति देता है।

फाउंडेशन प्रोग्राम का पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार किया गया है कि उद्योग का प्रदर्शन निफ्ट में डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी शिक्षा का एक प्रमुख घटक है। पाठ्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि शुरुआती वर्षों में ही उद्योग से जुड़ाव को धीरे-धीरे बढ़ावा दिया जाए तथा छात्र नियमित आधार पर उद्योग से जुडे रहें। सभी परिसरों ने उद्योग के दिग्गजों के साथ सत्रों की व्यवस्था की और कई परिसर उद्योग की लाइव परियोजनाओं में भाग लेने में सफल रहे।

शिक्षाशास्त्र व्यावहारिक इनपुट को प्रोत्साहित करता है जैसे कि छात्रों को उन पाठ्यक्रमों पर दिलचस्प परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं की व्यवस्था की जाती है, जिनमें वे जुडे हुए थे। छात्रों को वेबिनार में भाग लेने और अन्य संगठनों द्वारा पेश की जाने वाली कार्यशालाओं और ऑनलाइन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

पंचकूला परिसर के छात्रों ने कला और डिज़ाइन में सामग्री और रचनात्मक रूपों के सर्जनात्मक उपयोग की समझ विकसित करने के लिए चंडीगढ़ में रॉक गार्डन का दौरा किया। छात्रों ने स्वयं और समाज विषय के हिस्से के रूप में विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के साथ बातचीत करने के लिए नेत्रहीन संस्थान, चंडीगढ़ का दौरा किया। छात्रों ने संग्रहालय में कलाकृतियों और मूर्तियों के रेखाचित्रों का अध्ययन और विकास करने के लिए गवर्नमेंट आर्ट गैलरी और संग्रहालय, चंडीगढ़ का दौरा किया। बीएफ टेक के छात्रों ने

परिधान-I के लिए फैब्रिक साइंस विषय के हिस्से के रूप में हरि ओम कॉटस्पिन का दौरा किया। एकीकृत डिज़ाइन परियोजना के हिस्से के रूप में, छात्रों ने वायु सेना संग्रहालय, ली कॉर्बूज़िए संग्रहालय और जीनरेट हाउस संग्रहालय, चंडीगढ़ का दौरा किया। इस यात्रा ने उन्हें सार्वजनिक संग्रहालयों में साइनेज सिस्टम के साथ-साथ विभिन्न संग्रहालयों में प्रदर्शित करने के विभिन्न रूपों से अवगत कराया।

चेन्नई परिसर के डिज़ाइन छात्रों के लिए फाउंडेशन प्रोग्राम का प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम गतिशील और सक्रिय भागीदारी प्रदान करता है। यह सभी डिज़ाइन छात्रों को एक साझा सीखने के अनुभव में एकजुट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मौलिक कौशल और अंतर्दृष्टि के साथ डिज़ाइन पेशेवर बनने के लिए सशक्त बनाने के लिए एक विविध अनुभव प्रदान करना है। प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए नींव कार्यक्रम परिधान उद्योग, उत्पादन और नवीनतम तकनीकी नवाचारों की दिशा में मजबूत नींव रखने की दिशा में योगदान देता है। कार्यक्रम छात्रों को फैशन उद्योग निर्माण प्रक्रियाओं और परिधान उत्पादन के लिए तैयार करता है, उन्हें वस्त्र, डेटा हैंडलिंग, परिधान निर्माण, इंजीनियरिंग ड्राइंग और फैशन अभिविन्यास के बारे में अवगत कराता है।

रायबरेली परिसर के छात्रों ने अपने पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में सामग्री अध्ययन, स्वयं और समाज और अपशिष्ट सामग्री जैसे विषयों के तहत कई क्षेत्रों का दौरा (कानपुर चमड़ा उद्योग, काला स्ट्रोट, आर्ट गैलरी, लखनऊ और रायबरेली) किया। फाउंडेशन कार्यक्रम के छात्रों ने कला और डिज़ाइन सौंदर्य और डिज़ाइन फंडामेंटल के हिस्से के रूप में इतिहास, कला और संस्कृति के बारे में संश्लेषण करने के लिए लखनऊ के विरासत स्थलों जैसे इमाम बारा, प्रेसीडेंसी, भूलभुलैया, गोल दरवाजा, राज्य संग्रहालय और लोक कला संग्रहालय, लखनऊ का दौरा किया।

कन्नूर परिसर के छात्रों ने सामग्री अध्ययन विषय के लिए सरगलय क्राफ्ट विलेज, वडकारा का दौरा किया ताकि उन्हें प्रवृत्ति और बाजार की मांग के संबंध में उत्पाद विकास की संभावनाओं को तलाशा जा सके। छात्रों ने तसारा इंटरनेशनल रिट्रीट और एक्सपो ऑफ आर्ट एंड टेक्सटाइल, बेपोर, कोझिकोड का भी दौरा किया। कालीकट में प्रदर्शनी जहां वे आधुनिक सौंदर्यशास्त्र से मिलने वाली पारंपरिक कला की परिणति सीख सकते हैं और अनुभव कर सकते हैं। कला और डिज़ाइन सौंदर्यशास्त्र के भाग के रूप में चिरक्कल संग्रहालय और अरक्कल संग्रहालय का दौरा भी किया गया। प्रौद्योगिकी बैच ने अपने विषय फैब्रिक साइंस के भाग के रूप में चोव्वा स्पिनिंग मिल और कांजीरोड बुनकरों का दौरा किया।

एफपी (डिज़ाइन) गांधीनगर परिसर के छात्रों ने आईडीपी के तहत विंटेज कार संग्रहालय, इंडिगो संग्रहालय, अमदाबाद निगुफा और एडीए विषय के तहत इंद्रोदा पार्क के नटरानी एम्फीथिएटर का दौरा किया। उत्पाद/स्थापना के लिए सामग्री/तकनीक की खोज के लिए छात्रों को एक्सपोजर प्रदान करने के लिए आईडीपी विषय के तहत विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया था। गांधीनगर परिसर के एफपीटी छात्रों ने एमईडब्ल्यूटी पाठ्यक्रम के तहत फाउंड्री उद्योग का दौरा किया। फैशन ओरिएंटेशन के तहत विशेषज्ञ सत्र में शिल्प और स्लो फैशन पर ध्यान केंद्रित किया गया। परिसर सौंदर्यीकरण के हिस्से के रूप में, एफपी डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी के छात्रों ने पूरी मंजिल के लिए डिज़ाइन विकास और दीवार पेंटिंग में योगदान दिया।

कांगड़ा परिसर के छात्रों ने गांव और उसके निवासियों के साथ एक दिवसीय कार्यक्रम के लिए गुनेहर, बीर का दौरा किया, जिसकी मदद जैस्मीन कौर, कहानी की दुकान फाउंडेशन द्वारा की गई। इस यात्रा में स्थानीय टूर गाइड और गांव के बच्चों के नेतृत्व में एक निर्देशित दौरा शामिल था, जो ₹50 के मामूली शुल्क पर समुदाय की संस्कृति और दैनिक जीवन के बारे में जानकारी प्रदान करता था। यात्रा के दौरान, छात्रों ने गांव के मैक्रो और माइक्रो अध्ययन करने के लिए एईआईओयू डिज़ाइन टूल (गतिविधियां, पर्यावरण, इंटरैक्शन, ऑब्जेक्ट्स और उपयोगकर्ता) का उपयोग किया, अपनी सीखने की डायरी में तस्वीरों, वीडियो और हाथ के रेखाचित्रों के माध्यम से अपने अवलोकनों का दस्तावेजीकरण किया। छात्रों ने कला डिज़ाइन और सौंदर्यशास्त्र विषय में खनियारा, धर्मशाला, जिया गांव, दोरज़ोंग मठ का दौरा किया। मैटेरियल एक्सप्लोरेशन एंड वर्कशॉप टेक्नोलॉजी विषय में छात्रों ने एनबीआई (नाथ ब्रदर्स एक्ज़िम इंटरनेशनल लिमिटेड), एडम ज्वैलरी, गाजियाबाद और नियोकास्टा, नोएडा का दौरा किया। पैटर्न मेकिंग एफपी में, फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने ऋचा ग्रुप, दिल्ली एनसीआर का दौरा किया।

अपने पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, निफ्ट बेंगलुरु एफपी डिज़ाइन के छात्रों ने कला और सौंदर्यशास्त्र की अपनी समझ बढ़ाने के लिए नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (एनजीएमए), लालबाग बॉटनिकल गार्डन, म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट एंड फोटोग्राफी और इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम का दौरा किया। सामग्री अध्ययन के लिए, उन्होंने ओमकार एंटरप्राइजेज का दौरा किया, जो बड़े प्रारूप वाली डिजिटल प्रिंटिंग इकाई है। एफपी टेक्नोलॉजी के छात्रों ने जयपुरिया सिल्क्स फॉर फैब्रिक साइंस और सुवस्त्र इंडिया फॉर गारमेंट कंस्ट्रक्शन एंड पैटर्न मेकिंग का दौरा किया। इसके अतिरिक्त, कला और डिज़ाइन सौंदर्यशास्त्र विषय के तहत एफपी छात्रों के लिए लंबानी कढ़ाई प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

अपने उद्योग प्रदर्शन के हिस्से के रूप में, कोलकाता परिसर के फाउंडेशन डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी के छात्रों ने कोलकाता और उसके आसपास के विभिन्न स्थानों का दौरा किया। इनमें बॉटनिकल गार्डन, भारतीय संग्रहालय, साइंस सिटी, बिड़ला संग्रहालय और दक्षिणेश्वर मंदिर जैसे शैक्षिक और सांस्कृतिक स्थल शामिल थे। उन्होंने स्वभूमि, साउथ सिटी मॉल और सिटी सेंटर का भी दौरा किया। छात्रों ने वीवर्स स्टूडियो द्वारा आयोजित "टेक्सटाइल्स फ्रॉम बंगाल - ए शेयर्ड लिगेसी" प्रदर्शनी में भाग लिया और हस्तशिल्प मेले में पारंपरिक शिल्प की खोज की। औद्योगिक यात्राओं में नाभारंडा में पीसी कलर सॉफ्ट फैब्रिक प्राइवेट लिमिटेड के साथ-साथ राजलक्ष्मी कॉटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड और जालान इंडस्ट्रीज शामिल थे

भुवनेश्वर परिसर के छात्रों ने संयुक्त विषय (कला और डिज़ाइन की बुनियादी बातें, एकीकृत डिज़ाइन परियोजना, डिज़ाइन फंडामेंटल और रचनात्मक सोच कौशल) के लिए उत्कल संस्कृति विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर का दौरा किया और एकीकृत डिज़ाइन परियोजनाओं विषय के लिए क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर का दौरा किया।

छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए विशेषज्ञ सत्र और कार्यशालाएं आयोजित की गईं। फैशन बेसिक्स एंड मैटेरियल स्टडीज विषय के तहत ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए कई प्रतिष्ठित वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था, जिसमें ज्वेलरी डिज़ाइनर सुश्री श्वेता पाठक, परिधान निर्माण विशेषज्ञ श्री अरविंद नामदेव, फैशन उद्यमी सुश्री सपना सिंह परमार और सतत फैशन, उत्पाद

डिज़ाइन, डिजिटल मार्केटिंग और फैशन कानून सहित कई अन्य क्षेत्रों के विषेषज्ञ शामिल थे। भारत भवन, सांची स्तूप, जनजातीय संग्रहालय, भीमबैटका, उदयगिरि गुफाओं आदि जैसे स्थानों के लिए विषयवार क्षेत्र दौरे भी आयोजित किए गए। विषय संकायों के मार्गदर्शन और सलाह के तहत एफपी डिज़ाइन / प्रौद्योगिकी के छात्रों ने एकीकृत डिज़ाइन परियोजना विषय के तहत स्थिरता की अवधारणा पर अपशिष्ट और पर्यावरण के अनुकूल सामग्री के साथ नए परिसर के लिए दीवार प्रतिष्ठान विकसित किए हैं।

दिल्ली कैंपस के छात्रों ने भारत टेक्स, नई दिल्ली में भाग लिया, जहां विशिष्ट हथकरघा, हस्तशिल्प, कालीन, कपड़े और घरेलू वस्त्रों की एक विविध श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया, जिनमें से अधिकांश को सावधानीपूर्वक हाथ से तैयार किया गया था। फाउंडेशन प्रोग्राम टेक्नोलॉजी के छात्रों ने उद्योग के दौरे के रूप में कर्मा टेक्स प्रिंट्स, फरीदाबाद का दौरा किया। डिज़ाइन के छात्रों ने कला डिज़ाइन और सौंदर्यशास्त्र जैसे विषयों के तहत एनजीएमए, शिल्प संग्रहालय, सूरजकुंड मेला और लाल किला, दिल्ली का दौरा किया। इन यात्राओं ने उन्हें भारत और अंतर्राष्ट्रीय देशों की कला, इतिहास और संस्कृति के बारे में जानकारी दी। डिज़ाइन के छात्रों ने सूरजकुंड देवेंद्र नगर का दौरा किया। प्रौद्योगिकी के छात्रों ने एल्गोरिथम डिज़ाइन और डेटा स्ट्रक्चर जैसे विषय के तहत निमराना का दौरा किया। भारतीय फैशन के ज्ञान को वैश्विक मानचित्र पर लाने के लिए छात्रों के लिए विजननेक्स्ट और ट्रेंड फोरकास्टिंग पर ई-मास्टरक्लास आयोजित की गई थी। दिल्ली में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में शिल्प पुनरुद्धार करने वाली सुश्री जया जेटली के लिए एक प्री-लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसने पेशेवरों और डिज़ाइन के प्रति उत्साही लोगों को अभूतपूर्व पुस्तक पर प्रसंग प्रस्तुत किया, जिसमें डिज़ाइन में भारत के समृद्ध इतिहास के जटिल विवरणों का खुलासा किया गया, जिसका शीर्षक "इंस्पिरेशन फॉर ग्राफिक डिज़ाइन फॉर इंडिया" था।

परिधान के लिए फैब्रिक साइंस के तहत विभिन्न वस्त्र उद्योगों में तीन दिवसीय क्षेत्र का दौरा किया गया, जिसमें भीलवाड़ा में मैसर्स नितिन स्पिनर्स लिमिटेड और संगम सीमलेस बुनाई (संगम इंडिया लिमिटेड) और मैसर्स नितिन स्पिनर्स लिमिटेड, बिगिन यूनिट, चित्तौड़गढ़ रोड, भंवरिया कलां, राजस्थान शामिल हैं। इस उद्योग के दौरे ने छात्रों को यार्न उत्पादन, निर्यात प्रक्रियाओं, गुणवत्ता नियंत्रण, और कपड़ा निर्माण में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर औद्योगिक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया। यात्रा के दौरान छात्रों ने उन्नत बुनाई तकनीकों के लिए प्रत्यक्ष संपर्क प्राप्त किया, जिसमें निर्बाध बुनाई और परिधान निर्माण प्रक्रियाओं का अवलोकन शामिल है। इसने आधुनिक फैशन और कपड़ा उत्पादन में नवीन क्षेत्रों के बारे में उनके व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाया।

श्रीनगर परिसर के छात्रों ने स्कूल ऑफ डिज़ाइन का दौरा किया, जहां उन्होंने एक ही छत के नीचे विभिन्न पारंपरिक कश्मीरी शिल्पों के बारे में सीखा, जिसमें पेपर-माचे, हस्तशिल्प, कानी बुनाई, वागु और लकड़ी की नक्काशी शामिल है। उन्होंने विभिन्न कलाकारों के साथ बातचीत की और उनके कार्यों का पता लगाया, जिसने पारंपरिक कला रूपों और रीति-रिवाजों के माध्यम से कश्मीरी संस्कृति को जानने का अवसर प्रदान किया। छात्रों ने तैयार उत्पादों का भी अवलोकन किया, जिससे उन्हें प्रत्येक उत्पाद के पीछे शिल्प कौशल और सांस्कृतिक महत्व के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने ललित कला विभाग का भी दौरा किया, जहां उन्होंने कलात्मक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखा, जिसमें पेंटिंग, मूर्तिकला, एप्लाइड आर्ट, फोटोग्राफी और डिजिटल मीडिया शामिल हैं। इस यात्रा ने उन्हें कलात्मक अभिव्यक्ति की व्यापक समझ प्रदान की। छात्रों ने पारंपरिक से लेकर समकालीन तक पेंटिंग तकनीकों और शैलियों की खोज की, जिससे उन्हें अपनी अनूठी कलात्मक आवाज विकसित करने में मदद मिली।

जनवरी-जून 2025 सत्र के दौरान निफ्ट पटना में फाउंडेशन कार्यक्रम के अनुभवात्मक शिक्षण घटक के हिस्से के रूप में, सभी चार छात्र समूहों में सोच-समझकर नियोजित क्षेत्र यात्राओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इन यात्राओं का उद्देश्य छात्रों को विविध आयामों से परिचित करना था जो उनकी डिज़ाइन सोच को प्रोत्साहित करते हैं, अवलोकन कौशल को बढ़ाते हैं, और कक्षा की सीख के साथ वास्तविक दुनिया के संबंधों को बढ़ावा देते हैं। इन यात्राओं ने सामूहिक रूप से सीखने के अनुभव को समृद्ध किया, फाउंडेशन के छात्रों के बीच समग्र समझ और महत्वपूर्ण डिज़ाइन सोच को बढ़ावा दिया।

दमन परिसर के फाउंडेशन डिज़ाइन बैच के छात्रों ने हाल ही में सिलवासा पुस्तक मेले का दौरा किया। यह यात्रा छात्रों को कक्षा से परे एक व्यापक सांस्कृतिक और रचनात्मक वातावरण से अवगत कराने के लिए शैक्षिक पहल का हिस्सा थी। यह यात्रा प्रेरणादायक थी, जिससे छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया की रचनात्मक प्रथाओं से जोड़ने की अनुमति मिली। इसने उन्हें गंभीर रूप से सोचने और अपनी भविष्य की डिज़ाइन परियोजनाओं के लिए प्रेरणा लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। कुल मिलाकर, सिलवासा पुस्तक मेले की यात्रा एक मूल्यवान शैक्षिक अनुभव साबित हुई, जिसने समग्र और अनुभवात्मक शिक्षा के प्रति निफ्ट की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

निफ्ट, हैदराबाद जुलाई 2025 में अपना फाउंडेशन प्रोग्राम ओरिएंटेशन आयोजित करेगा, जिसमें विशेषज्ञ व्याख्यान, परिसर की सजावट और पूर्व छात्रों की बैठक शामिल थी। फैशन बेसिक्स श्रृंखला के हिस्से के रूप में उद्योग के पेशेवरों द्वारा फैशन बेसिक्स पर अतिथि व्याख्यान दिए गए। इन सत्रों ने छात्रों को मूल्यवान उद्योग के संबंध में गहरी समझ प्रदान की और उनके मूलभूत ज्ञान को बढ़ाया। उद्योग के दौरों में छात्रों के प्रदर्शन को समृद्ध करने और अकादमिक शिक्षा के पूरक के लिए संग्रहालय, कपड़ा उद्योग और कला दीर्घाएं शामिल थीं।

उद्योग संबंधों को मजबूत करने के लिए, एनएआईएबी (निफ्ट पूर्व छात्र और उद्योग सलाहकार बोर्ड) की स्थापना की गई थी, जिसमें पूर्व छात्र, उद्योग जगत के प्रेरक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

शिलांग परिसर के एफपी डिज़ाइन के छात्रों ने उद्योग और विभिन्न विषयों के फील्ड विजिट के हिस्से के रूप में मावफलांग में खासी हेरिटेज विलेज और उमियम झील (बारापानी)- सेक्रेड ग्रोव, त्रिपुरा कैसल, शिलांग वार्ड की झील, शिलांग, कोंगथोंग व्हिसलिंग गांव, हम्बल क्राफ्ट्समैन, उमलिंग, शिलांग का दौरा किया।

पुरस्कार और छात्र उपलब्धियां

- बेंगलुरु परिसर की सुश्री नेहा एलिजाबेथ सैवियो ने ब्लूम - क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु में आयोजित युगल नृत्य प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

- बेंगलुरु परिसर की सुश्री सहाना आर ने इन ब्लूम क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित गैर-थीम नृत्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया।.
- बेंगलुरु परिसर की सुश्री गायत्री नायर ने इन ब्लूम क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।.
- बेंगलुरु परिसर की सुश्री पी कृष्णप्रिया ने क्रिस्टू जयंती कॉलेज द्वारा आयोजित एक इंटर कॉलेजिएट फेस्ट, ला फेटे के हिस्से के रूप में आयोजित "फास्ट एंड फ्लुएंट" नामक युगल कार्यक्रम में पुरस्कार जीता।
- आईआईएमबी द्वारा आयोजित यूएनएमएडी 2025 के दौरान आयोजित कैनवस कलेक्टिव (कैनवास पेंटिंग प्रतियोगिता) में बेंगलुरु परिसर के श्री रुद्रनील घोष, सुश्री सिमरन मिश्रा और सुश्री सप्तपर्णी चक्रवर्ती ने दूसरा स्थान हासिल किया।
- बेंगलुरु परिसर के श्री रुद्रनिल घोष और सुश्री शिवकामी ए. एम ने स्ट्रोक्स और स्टोरीज (स्टोरी एंड बुक कवर डिज़ाइन) आयोजित सिग्नाइट (एससीएमएस-बी) में पहला स्थान हासिल किया।
- बेंगलुरु परिसर की सुश्री शिवकामी ए एम ने क्रिस्टू जयंती कॉलेज में आयोजित रिले लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- आईआईएम बैंगलोर में आयोजित फैशन शो के हाउते कॉउचर खंड में बेंगलुरु परिसर की सुश्री स्निग्धा महाजन और सुश्री फाथिमथ लम्हा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया.
- पंचकूला परिसर की आद्या सिंह ने निफ्ट पंचकूला परिसर में हथकरघा दिवस 2024 के अवसर पर आयोजित एक फैशन शो में भाग लिया।
- कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित त्वारण नामक खेल उत्सव में निफ्ट रायबरेली परिसर की फुटबॉल टीम फुटबाल प्रतियोगिता में प्रथम उपविजेता रही। टीम में रायबरेली परिसर के मोहम्मद सहल के.पी., अनुभव सिंह, मोहम्मद आदिल, हरि पी प्रवीश और ऋषभ प्रोथासिस शामिल थे।
- काशी यात्रा नामक वार्षिक उत्सव के तहत आईआईटी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित पेपर कॉस्ट्यूम डिज़ाइन प्रतियोगिता- कला प्रतियोगिता में रायबरेली कैंपस की छात्रा अंजलि प्रसाद, वैशाली जोशी, सलोनी सिन्हा और अनुभा चमोली ने स्वर्ण पदक जीता।
- काशी यात्रा नामक वार्षिक उत्सव के तहत आईआईटी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किस्सागोई, प्रतियोगिता - कला प्रतियोगिता में रायबरेली परिसर की साक्षी प्रकाश द्वितीय उपविजेता बनीं.
- रायबरेली कैंपस की वॉलीबॉल टीम की टीम सदस्य के रूप में अंजलि प्रसाद ने राजीव गांधी पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित एनर्जिया 25 नामक स्पोर्ट्स फेस्ट में वॉलीबॉल में प्रथम पुरस्कार
- सोमैया विश्वविद्यालय, विद्याविहार द्वारा आयोजित 14 डिज़ाइनरों में से मुंबई कैंपस की छात्रा सुश्री गार्गी दंडगवल और स्वानंदी लखदीवे को अंतिम दौर के लिए चुना गया।
- दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू), दिल्ली द्वारा आयोजित टेट्रिक्स 2025 के लिए मुंबई कैंपस की छात्रा श्री एंड्री, सुश्री सीरत सैनी, सुश्री दीपाशना दास, सुश्री न्यासा वर्मा को चुना गया।
- दिल्ली परिसर के छात्रों ने क्राफ्ट बाजार, मार्च 2025 और हैंडलूम डे सेलिब्रेशन, अगस्त 2025, भारत टेक्स, फरवरी 2025 और वार्षिक दिवस समारोह, जनवरी 2025 जैसी विभिन्न शिल्प गतिविधियों में भाग लिया, जहां उन्हें विभिन्न कारीगरों, उद्योगों, निफ्ट के पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।
- श्रीनगर कैंपस के विद्यार्थी - आशी सिंघई, त्रिवेणी गौतम, मिष्टी अग्रवाल और तनीषा किकानी ने "द विविएन वेस्टवुड फैशन शो" में भाग लिया।
- श्रीनगर परिसर के आशी सिंघई ने "जामिया मिलिया इस्लामिया में अंतर्राष्ट्रीय कार्टोग्राफी प्रदर्शनी" में भाग लिया।"
- श्रीनगर कैंपस की छात्रा रिद्धि मुखोपाध्याय ने कश्मीरी कपड़ों के लेबल के लिए मॉडलिंग की थी।
- श्रीनगर कैंपस के युक्ति वर्मा ने मॉडल के तौर पर क्राफ्ट काउंसिल फैशन शो में हिस्सा लिया।
- जोधपुर कैंपस की खुशी कोटवानी ने फाउंडेशन डे फैशन रैंप वॉक में पहला स्थान हासिल किया, साथ ही वो टेडएक्स डेकोर और मैनेजमेंट टीमों का हिस्सा थीं।
- पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में जोधपुर कैंपस के शौर्य ने प्रथम स्थान हासिल किया।
- जोधपुर परिसर की दिव्यलिसा चम्पति ने स्पोर्ट्स क्लब निफ्ट जोधपुर द्वारा बास्केटबॉल नाइट कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी टीम के साथ पहला स्थान हासिल किया।
- जोधपुर परिसर की सानिका नायर ने कन्वर्ज और जयपुर हैंडलूम फैशन वॉक में भाग लिया, नुक्कड़ नाटक में तीसरा और जयपुर हैंडलूम फैशन शो में प्रथम स्थान हासिल किया।
- जोधपुर कैंपस के मन्नत कक्कड़ ने अंतरंग फैशन शो, इग्नस (आईआईटी जोधपुर) में भाग लिया और तृतीय स्थान हासिल किया।
- जोधपुर कैंपस की रणभरे आरची आदित्य ने इग्नस फैशन शो में आईआईटी जोधपुर का प्रतिनिधित्व किया और तीसरा स्थान हासिल किया.
- जोधपुर परिसर के मान जादवानी ने टेबल टेनिस टूर्नामेंट में भाग लिया, इग्नस (आईआईटी जोधपुर) एक टेबल टेनिस टूर्नामेंट में उपविजेता रहा।
- पटना कैंपस के छात्रों ने 2025 में एमिटी यूनिवर्सिटी पटना में फैशन शो प्रतियोगिता जीती।
- पटना कैंपस के श्री प्रियांशु ने अपनी उत्कृष्ट ग्रैफिटी कलाकृति के साथ आईआईटी पटना वॉल आर्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है और उन्हें बिहार इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग सिटी गया लिमिटेड (बीआईएमसीजीएल) की लोगो प्रतियोगिता के लिए भी चुना गया है।
- पटना परिसर की सुश्री सिमरन ने सिटी सेंटर मॉल में लाइव प्रदर्शन के साथ स्टैंड-अप कॉमेडियन के रूप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
- पटना परिसर के श्री शौर्यदीप भट्टाचार्य ने झारक्राफ्ट परियोजना के स्टाइलिंग सेगमेंट में स्वेच्छा से योगदान दिया है।
- दमन परिसर के छात्र एशिता, सुरभि, तनिष्का, दामिनी, मानशी, हरिणी, विशा, ज्योति, दीया और प्रियांशी - छात्रों ने सिलवासा में पुस्तक मेले में आयोजित फैशन शो में भाग लिया, जिसमें भारतीय राज्यों की विभिन्न साड़ी वस्त्र दिखाए।
- विया और प्रांजलि- दमन परिसर की छात्राओं ने सिलवासा में पुस्तक मेले में भाग लिया और वंदना ने अपने नृत्य कौशल का

प्रदर्शन किया।

- दमन परिसर के फाउंडेशन कार्यक्रम के छात्रों ने निफ्ट दमन द्वारा जामपोर बीच पर आयोजित शिल्पकला उत्सव में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में भी भाग लिया।
- वाराणसी कैंपस के विद्यार्थियों- अनन्या बी सुनील और सौम्यानी साहू ने एड मैड शो में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया, सुश्री अनन्या बी सुनील ने क्रिएटिव राइटिंग (अंग्रेजी) में द्वितीय पुरस्कार और सुश्री मानवी सिन्हा ने सनबीम महिला कॉलेज, वरुणा में क्रिएटिव राइटिंग में तीसरा पुरस्कार जीता।
- शिलांग परिसर के आर्य बोरहाडे - एफपी, जॉर्ज वर्गीज - एफपी, हर्षिता जी - एफसी, माही सौलानी- एफसी, सनाह वर्गीज- एडी की टीम ने पणजी, गोवा में भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान दशकों से सिने फैशन में प्रथम पुरस्कार जीता।
- शिलांग परिसर की इरा पारसनिस ने अंडर-19 लड़कियों के टेबल टेनिस में अपने राज्य महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया और जोनल में स्वर्ण पदक जीता।
- शिलांग परिसर के विद्यार्थियों -परिणीता सेन ने दुर्गा पूजा (नृत्य, स्किट), एकल नृत्य (दिवाली), रस्साकशी (उपलब्धि - प्रथम स्थान), नृत्य एकल (पश्चिमी) (उपलब्धि -प्रथम स्थान), ग्रुप डांस (उपलब्धि -प्रथम स्थान), ने एनईआईजीआरआईएचएमएस द्वारा आयोजित तथा ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया तथा ग्रुप डांस (एनआईटी) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- शिलांग परिसर के जॉर्ज वर्गीज ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, गोवा में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता, फ्रीस्टाइल ग्रुप डांस, यूफोरिया (एनईआईजीआरआईएचएमएस) में भाग लिया और दूसरा पुरस्कार जीता, फ्रीस्टाइल ग्रुप डांस, स्पेक्ट्रम में भाग लिया और दूसरा पुरस्कार जीता।
- शिलांग कैंपस के प्रत्यूषपाल बोरा ने एनईआईजीआरआईएचएमएस में आयोजित यूफोरिया (2024) में कविता लेखन और रचनात्मक लेखन दोनों में दूसरा स्थान हासिल किया।
- शिलांग परिसर की ईशानी गिरीश कुमार ने यूफोरिया में भाग लिया और पश्चिमी गायन में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया, स्पेक्ट्रम 2025 भारतीय एकल गायन और युगल गायन में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार पुरस्कार जीता।

फ़ैशन कम्युनिकेशन

निफ्ट का फ़ैशन कम्युनिकेशन कार्यक्रम फ़ैशन और लाइफस्टाइल उद्योग में आगे बढ़ने का सबसे अत्याधुनिक और तेज़ी से वृद्धि करने वाला ज़रूरी रास्ता बन गया है। ब्रांड आइडेंटिटी का महत्व ब्रांड की बिक्री यानी उत्पाद के बराबर माना जाने लगा है। फ़ैशन कम्युनिकेशन ने कई प्रिट और लक्ज़री ब्रांड्स के लिए एक मंच प्रदान करके उनके उत्पादों, आइडेंटिटी और रणनीति को संप्रेषित करना संभव बना दिया है। यह कार्यक्रम संयोजित पाठ्यक्रम अध्ययन को शामिल करता है, जो एफसी स्नातक को एक विज़ुअल डिज़ाइन स्ट्रैटेजिस्ट के रूप में प्रस्तुत करता है, जो निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों में एकीकृत समाधान प्रदान करने में सक्षम है: ग्राफ़िक डिज़ाइन, विज्ञापन स्पेस डिज़ाइन, विज़ुअल मर्चेंडाइजिंग, फ़ोटोग्राफ़ी, फ़ैशन मीडिया और पत्रकारिता, फ़ैशन स्टाइलिंग और ट्रेंड रिसर्च। उभरते क्षेत्रों में वेब, इंटरफ़ेस, सेंसरी और वर्चुअल एक्सपीरियंस डिज़ाइन, एआर डिज़ाइन, मोशन ग्राफ़िक्स और न्यू मीडिया डिज़ाइन शामिल हैं, जो फ़ैशन और लाइफस्टाइल उद्योग के लिए विशिष्ट हैं। फ़ैशन कम्युनिकेशन एक निरंतर बढ़ता हुआ क्षेत्र है जो कई क्षेत्रों में बंटा हुआ है और विविधता को समाहित करने वाला है। यह कार्यक्रम फ़ैशन की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के इच्छुक लोगों के लिए तेज़ी से एक अनिवार्य क्षेत्र के रूप में विकसित हुआ है। यह विभाग शीघ्र ही उभरते फ़ैशन कम्युनिकेशन विशेषज्ञों का केन्द्र बन गया है।

पाठ्यक्रम और उत्थान

- फ़ैशन कम्युनिकेश विभाग का ध्यान हमेशा अकादमिक विशेषज्ञता और ज्ञान वितरित करने पर रहता है और यह लगातार उद्योगों के साथ जुड़ रहता है, साथ ही सभी केंद्रों में विविध विशेषज्ञों के साथ भी जुड़ता है।
- एफसी विभाग गांधीनगर ने चलती एडिटिंग इन मूविंग इमेजेस के लिए श्री तेजस प्रजापति, पब्लिकेशन डिज़ाइन के लिए श्री रिकिन हलपति, प्रोडक्ट स्टाइलिंग के लिए श्री दिवाकर रावत, मूविंग इमेजेस एंड एडिटिंग के लिए श्री हीरेन पटेल, इन्फोर्मेशन डिज़ाइन के लिए कार्बन स्टूडियो के श्री स्वप्निल सोनी और वेब डिज़ाइन के लिए श्री हर्ष पांचाल और सुश्री भव्या गुप्ता, हेयर वर्कशॉप के लिए सुश्री पारुल कश्यप, वायरफ्रेमिंग और प्रोटोटाइपिंग के लिए सुश्री संगीता श्रॉफ, कलर वर्कशॉप के लिए श्री सुधीर कुडुचकर आदि के साथ विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया। एफसी के छात्रों ने फिक्शन और डॉक्युमेंट्री फिल्म निर्माण के अभ्यास को समझने के लिए विभिन्न स्वतंत्र भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं से मुलाकात करते हुए अहमदाबाद अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भी भाग लिया।
- लैंडस्केप और स्मारक फोटोग्राफी विषय के रूप में श्री अभिलाष बालन पी द्वारा एफसी- कन्नूर के लिए फोटोग्राफी यात्रा- कूर्ग आयोजित की गई। विषय के हिस्से के रूप में सेव द लूम और लुलु मॉल, कोच्चि द्वारा वन जीरो एट का फील्ड विजिट - श्री एज़िलनबन द्वारा सेंसरी एंड वर्चुअल एक्सपीरियंस डिज़ाइन, करिकुलम-स्टोर एक्सपीरियंस डिज़ाइन के हिस्से के रूप में आईकिया, बैंगलोर का फील्ड विजिट आदि आयोजित किया गया। सुश्री रनिता रमेश द्वारा आयोजित 2025 के केरल श्री पुरस्कार विजेता श्री नारायण भट्टादिरी द्वारा सेमेस्टर III के एफसी छात्रों के लिए केलीग्राफी कार्यशाला। सुश्री देबास्मिता मोहंती द्वारा सेमेस्टर IV के एफसी छात्रों के लिए कलर साइकॉलजी वर्कशॉप। श्री एंटो जॉर्ज, प्रमुख डिज़ाइन सलाहकार, ली इंडियावुमेन ट्रेंड स्पॉटिंग और रिसर्च तथा सेंसरी और वर्चुअल एक्सपीरियंस डिज़ाइन विषय के हिस्से के रूप में सेव द लूम और लुलु मॉल, कोच्चि द्वारा वन ज़ीरो एट का फील्ड विजिट। सुश्री तेजस्विनी के ने MENRV.AI द्वारा पेश

किए गए AI टूल्स सीखने के लिए भारत टेक्स '25 'MENRV. AI प्रशिक्षण में भाग लिया। दिव्या पी आर, ने 21 अक्टूबर 2024 को एफसी सेमेस्टर III के छात्रों के लिए उनके विषय सेमिओटिक्स और लेटरफॉर्म के हिस्से के रूप में विशेषज्ञ श्री प्रज्वल द्वारा टाइपवॉक का आयोजन किया गया। 08 नवंबर 2024 को सुश्री सत्या सरन द्वारा प्रेजेंटेशन स्किल्स विषय पर एफसी सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। 28 मार्च 2025 को प्रो. वैभवी पी. रानावड़े द्वारा एफसी सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए "बिल्डिंग ए स्लो फ़ैशन" पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

- एफसी – पटना श्री मोहम्मद शादाब सामी ने सेमेस्टर V के छात्रों के साथ स्टूडियो फोटोग्राफी विषय के अंतर्गत एमवे, ताओ बाओ, निविया, बेला वीटा, क्राफ्ट कॉफी, एम्पोरियो अरमानी, बॉडी शॉप, डैंगस, खादी मॉल, मिनिसो, फैब इंडिया जैसे कुछ ब्रांड नामों के साथ लाइव प्रोजेक्ट किए हैं। फ़ैशन कम्युनिकेशन के सेमेस्टर III के छात्रों ने दिल्ली का दौरा किया और फोटोग्राफी के महारथी श्री रघु राय से मुलाकात की तथा उन्होंने अपने कार्यालय में एक विशेषज्ञ व्याख्यान भी दिया। छात्रों ने फोटोग्राफी के डेलिवरेंस ऑफ़ फोटोग्रफी के एक भाग के रूप में वास्तुकला, परिदृश्य और प्रकृति की फोटोग्राफी को अपने कैमरे में कैद करने के लिए कुतुब मीनार और हुमायूं के मकबरे का भी दौरा किया। सेमेस्टर 5 के छात्रों ने स्टूडियो फ़ोटोग्राफ़ी के विषय पर कैनन इंडिया के मुख्यालय का दौरा किया, जहाँ "फ़ैशन इमेजरी फॉर न्यु मीडिया" में अपने ज्ञान को बढ़ाने और पुख्ता करने के लिए प्रसिद्ध फ़ैशन फ़ोटोग्राफ़र सुश्री रिचा माहेश्वरी के स्टूडियो का दौरा किया। यह दौरा निकॉन इंडिया के सहयोग से किया गया, जहाँ निकॉन के मेंटर्स द्वारा एक प्रदर्शन सत्र आयोजित किया गया। साथ ही उन्हें रेडियो मिर्ची के मुख्यालय का भी दौरा करने का अवसर मिला, जहाँ रेडियो के लिए रचनात्मक लेखन और गहन विशेषज्ञता "फ़ैशन जर्नैलिज़्म एंड न्यु मीडिया कंटेंट" पर व्याख्यान दिया गया। छात्रों ने नेटवर्क 18 कार्यालय का भी दौरा किया। स्टोर अनुभव डिज़ाइन: रिलायंस ट्रेंड्स के वरिष्ठ वीएम "ईश्वर चंद्र मिथुन" और एफसी पटना की पूर्व छात्रा "स्नेहम चौधरी" जो अब अपनी स्वयं की ग्राफ़िक सेवा कंपनी की संस्थापक हैं, के विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। "वायरफ़्रेमिंग एंड प्रोटोटाइपिंग: एक्सपर्ट लेक्चर ऑफ डॉ. रमन सक्सेना, जो आईआईआईटी हैदराबाद में प्राध्यापक और आईआईटी कानपुर में सहायक प्राध्यापक हैं।
- एफसी पंचकूला ने भारत टेक्स विजिट का आयोजन किया - डॉ. शिखा शर्मा ने 17 जनवरी से 18 फरवरी 2025 तक भारत टेक्स 2025 के लिए ब्रांडिंग और प्रमोशन टीम के लिए काम किया। उन्होंने 07 अप्रैल, 2025 को टैम्रॉन इंडिया के सहयोग से सभी सेमेस्टर के फ़ैशन कम्युनिकेशन के छात्रों के लिए एक पोर्ट्रेट फोटोग्राफी कार्यशाला का भी आयोजन किया। एफसी सेमेस्टर IV के छात्रों और संकाय ने 5 अप्रैल, 2024 से 8 अप्रैल, 2024 तक वाराणसी (सारनाथ) का दौरा किया।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएँ

- निफ्ट केंद्रों के फ़ैशन कम्युनिकेशन संकाय सदस्यों (12) ने छात्रों के साथ मिलकर 26 से 28 सितंबर 2024 तक गोवा के ग्रैंड हयात में क्यूरियस कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित डिज़ाइनयात्रा 2024 में भाग लिया। यह कार्यक्रम रचनात्मक विचारों का एक जीवंत संगम था, जहाँ दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात वक्ताओं और प्रतिनिधियों ने विचारोत्तेजक सत्रों के माध्यम से गहन चर्चा की। अपने-अपने क्षेत्रों के इनोवेटर्स द्वारा दी गई प्रस्तुतियाँ प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक दोनों थीं। कार्यक्रम के दौरान, प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज, सीपी-एफसी ने क्यूरियस के निदेशक श्री अनुज केजरीवाल के साथ चर्चा की। उनकी चर्चा निफ्ट और क्यूरियस के बीच सहयोग के संभावित अवसरों पर केंद्रित थी, जिसमें इवेंट इंस्टॉलेशन, निफ्ट छात्रों के लिए प्रतियोगिताएं और भविष्य की अन्य पहल सम्मिलित थीं।
- निफ़्ट केंद्रों में फ़ैशन कम्युनिकेशन संकाय सदस्यों (14) ने छात्रों के साथ टाइपोडे 2025 में भाग लिया, जिसे आईडीसी स्कूल ऑफ डिज़ाइन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे (आईआईटी बॉम्बे) द्वारा 6 से 8 मार्च 2025 तक आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में टाइपोग्राफी और केलीग्राफी पर विशेष कार्यशालाएं शामिल थीं, जिसके बाद "टाइपोग्राफी और स्टोरीटेलिंग" थीम पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में टाइप डिज़ाइनरों, उपयोगकर्ताओं और शिक्षकों के सामने आने वाले समकालीन मुद्दों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्य वक्ता, प्रख्यात शिक्षाविद, उद्योग के पेशेवर, शोध विद्वान और छात्रों ने प्रस्तुतियों, पैनल चर्चाओं और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से योगदान दिया। आयोजन के हिस्से के रूप में पोस्टर डिज़ाइन प्रतियोगिता के चयनित पोस्टरों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी।
- एफसी - निफ्ट, भोपाल सुश्री बैसाखी दलपति (सहायक प्राध्यापक) ने 11 मार्च, 2025 को डॉ. अंशुमान घोष द्वारा MENRV.AI द्वारा प्रस्तुत एआई टूल्स पर आयोजित दो घंटे के प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। सुश्री चित्रा एस (सहायक प्राध्यापक) ने एसपीए भोपाल द्वारा आयोजित व्यावसायिक विकास कार्यक्रम "इंटीग्रेटिंग हिस्ट्री एंड इनोवेशन इन अर्बन एरियास: सस्टेनेबल वॉटर हार्वेस्टिंग सल्युशन्स फॉर द फ्यूटर" में भाग लिया, जो 5 मार्च से 9 मार्च, 2025 तक चला।
- एफसी – निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 10 से 12 फ़रवरी 2025 तक तीन दिवसीय हेयर मेकअप कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मेकअप कला की व्यापक समझ पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें रोज़मर्रा और विशेष अवसरों के लिए आवश्यक तकनीकों को शामिल किया गया, साथ ही फ़ैशन, फ़ोटोग्राफ़ी और मीडिया में इस्तेमाल होने वाले एडिटोरियल मेकअप कौशल का परिचय भी दिया गया। कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तिगत और पेशेवर मेकअप में तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का निर्माण करना था। कार्यशाला के अंत में, छात्र एक कहानी को ध्यान में रखते हुए के साथ एडिटोरियल लुक तैयार करने में सफल एवं सक्षम हुए।
- श्री बी. वेंकट और श्री हेमंत कुमार ने एआर/वीआर कॉलेज, बेंगलुरु के टीओटी में भाग लिया। यह कार्यक्रम 2 अप्रैल 2024 को ऑनलाइन आयोजित किया गया था। बरगढ़ बरपाली

क्लस्टर और खोरधा बानपुर क्लस्टर (अवधि 3 दिन) के शिल्प ने एक परियोजना पर काम किया। एफसी विभाग ने गोपालपुर, बेहरमपुर, ओडिशा में 23 जनवरी से 25 जनवरी 2025 तक सेमेस्टर IV के छात्रों की तीन दिवसीय आउटबाउंड कार्यशाला आयोजित की थी। कार्यशाला में 40 छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा में सीखे गए सैद्धांतिक डिज़ाइन अवधारणाओं और प्रकृति और स्थानीय संस्कृति में व्यावहारिक, व्यावहारिक अनुभवों के बीच की दूरी को खत्म करना था। निफ़्ट मुख्यालय द्वारा 18, 19 और 20 फरवरी, 2025 को भारत टेक्स का आयोजन किया गया था। सेमेस्टर VI के 38 छात्रों ने भारत टेक्स में भाग लिया। उद्योग का दौरा राष्ट्रीय संग्रहालय और राष्ट्रीय समाचार चैनल (वीडियो प्रोडक्शन) था: राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी, भारत पर्यावास केंद्र, राष्ट्रीय संग्रहालय, जोधपुर हाउस, डिज़ाइन स्टूडियो (यूआई और यूएक्स ग्राफिक्स): फ्रॉग डिज़ाइन (दिल्ली स्टूडियो) विज्ञापन कॉपीराइटिंग और पीआर कंपनी: न्यूज़ 24 एफसी विभाग ने 30/11/24 से 2/12/24 तक तीन दिनों की फील्ड विजिट जिरंगा, ओडिशा में सेमेस्टर III के छात्रों के लिए आयोजित की थी, जिसका विषय था: फोटोग्राफी। इस दौरे में 40 छात्रों ने भाग लिया।

- एफसी-निफ़्ट, गांधीनगर, सुश्री अमीषा मेहता ने दिसंबर 2024 में गूगल द्वारा प्रस्तुत "जेनेरेटिव एआई फॉर एजुकेटर्स" पाठ्यक्रम पूरा किया। सुश्री जल्पा वणिकर और सुश्री आकांक्षा जैन ने 22 जुलाई से 25 जुलाई 2024 तक निफ़्ट श्रीनगर में फैकल्टी रिट्रीट में भाग लिया था।
- एफसी - निफ्ट, कन्नूर एज़िलनबन जे जे, ने शिमा शेकी ऑपरेटरों द्वारा आयोजित शिमा शेकी कार्यशाला 'MENRV.AI द्वारा पेश किए गए एआई टूल्स को सीखने के लिए MENRV.AI प्रशिक्षण में भाग लिया। रनिता रमेश ने 09/04/2024 को हैंडलूम वीक'24 के हिस्से के रूप में साड़ी ड्रेपिंग कार्यशाला और प्रतियोगिता का आयोजन किया 'MENRV.AI द्वारा पेश किए गए एआई टूल्स को सीखने के लिए MENRV.AI प्रशिक्षण। तेजस्विनी के ने भारत टेक्स'25 में भाग लिया और 'MENRV.AI द्वारा पेश किए गए एआई टूल्स को सीखने के लिए MENRV.AI प्रशिक्षण भी लिया। डॉ मुहम्मद अशरफ ने निफ्ट मुंबई में 2 से 4 जनवरी, 2025 तक आर्ट एंड डिज़ाइन एस्थेटिक्स टीओटी में भाग लिया।
- एफसी - निफ्ट, कांगड़ा के श्री शिव ए राजा, सहायक प्राध्यापक ने 9 से 14 दिसंबर 2024 तक न्यूक्लियस ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट (एनएलडी) के सहयोग से बीआरबी कॉलेज ऑफ कॉमर्स, रायचूर, कर्नाटक द्वारा आयोजित विभिन्न विषयों पर "सिनेमा ऐज़ ए पेडागॉजिकल टूल" विषय पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया और उन्होंने 6 से 11 जनवरी 2025 तक न्यूक्लियस ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट के सहयोग से गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सिद्धपुर, गुजरात द्वारा आयोजित "रिसर्च थ्रु वर्चुअल एथनोग्राफी: युटिलाइज़िंग न्यु मीडिया प्लेटफॉर्म्स ऐज़ डेटा ड्रिवेन कम्युनिटीज़" विषय पर एक सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया और उन्होंने 3 से 8 मार्च तक न्यूक्लियस ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट के सहयोग से गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सिद्धपुर, गुजरात के कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित "सिनेमेटिक विस्डम: एक्सप्लोरिंग इंडियन नॉलेज सिस्टम थ्रु इंडियन सिनेमा" विषय पर एक सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में भी भाग लिया। 2025.
- एफसी - निफ्ट, पटना से श्री मोहम्मद शादाब सामी और सुश्री पूजा रानी ने अनिवार्य प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पूरे किए - मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा कार्यस्थल पर योग ब्रेक, वाधवानी प्रौद्योगिकी एवं नीति संस्थान द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों का परिचय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा मिशन लाइफ पर ओरियंटेशन मॉड्यूल, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा साइबर स्पेस में सुरक्षित रहें। आईएसटीएम द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, आईएसटीएम द्वारा सरकारी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता। श्री जशीर शिहाब ने 10 से 14 मई, 2025 तक इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी सी-डैक हैदराबाद द्वारा आयोजित "जेनरेटिव एआई" पर संकाय विकास कार्यक्रम, 3 से 7 फरवरी 2025 तक इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी सी-डैक हैदराबाद द्वारा आयोजित "मशीन लर्निंग फॉर साइबर सिक्योरिटी" और 03-07 मार्च 2025 तक इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी सी-डैक हैदराबाद द्वारा आयोजित "सॉफ्टवेयर एंड नेटवर्क सिक्योरिटी फंडामेंटल्स" को सफलतापूर्वक पूरा किया। सुश्री मोनिका ने एनआईटीटीटीआर द्वारा कम्युनिकेशन ऐट वर्कप्लेस, 22 से 26 जुलाई, 2024 तक ऑनलाइन मोड में और एनआईटीटीटीआर द्वारा कॉर्पोरेट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 24 से 28 मार्च में भाग लिया।
- एफसी - निफ्ट, पंचकूला डॉ. मारिषा नरूला ने 10 से 14 जून 2024 तक एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ द्वारा आयोजित "इनोवेशन इन फ़ैशन डिज़ाइन/विजुअल आर्ट्स एजुकेशन: एन्हान्सिंग पेडगॉजी फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस" पर एक अंतरराष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया। 15 से 22 जुलाई 2024 तक एमिटी यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित "सस्टेनेबल अप्रोचेस इन फ़ैशन एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी" पर एक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरा किया। 22 अगस्त 2024 को "फाउन्डेशन्स ऑफ यूज़र एक्सपीरियंस (यूएक्स) डिज़ाइन" पर एक गूगल कोर्स पूरा किया। डॉ. शिखा शार्मा ने 3 जून से 17 जून 2024 तक विजुअल मर्चेंडाइजिंग के तहत फैबइंडिया दिल्ली के साथ अपने 15 दिनों के फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट को सफलतापूर्वक पूरा किया।

संकाय उपलब्धियां और विकास

- एफसी - निफ्ट गांधीनगर सुश्री अमीषा मेहता, सह-प्राध्यापक को नवंबर 2024 में निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन में औद्योगिक डिज़ाइन के छात्रों के लिए जूरी पैनल में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। श्री नीलेश कुमार शिधपुरा ने अक्टूबर 20214 में अहमदाबाद आर्ट सोसाइटी की वार्षिक प्रदर्शनी में भाग लिया।

- एफसी - निफ्ट कांगड़ा से शिव ए. राजा, सहायक प्राध्यापक, ने हिंदी पखवाड़ा में कविता पाठ में दूसरा पुरस्कार जीता।
- एफसी - पटना श्री मोहम्मद शादाब सामी ने बिहार संग्रहालय मर्चेंडाइज डिज़ाइन प्रतियोगिता 2025: बिहार संग्रहालय द्वारा संग्रहालय के कार्यों, ऐतिहासिक कलाकृतियों और जलाशयों से प्रेरित मर्चेंडाइज डिज़ाइन करने हेतु एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ कृतियों के चयन और उन्हें अंतिम रूप देने में जूरी पैनलिस्ट के रूप में योगदान दिया है: बिहार संग्रहालय मर्चेंडाइज डिज़ाइन प्रतियोगिता 2025। मिस बिहार प्रतियोगिता 2025: पटना में एक राज्यव्यापी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। उन्हें पाटलिपुरा एक्सोटिका होटल में मिस बिहार प्रतियोगिता 2025 के चयन और अंतिम रूप देने में जूरी पैनलिस्ट के रूप में भी आमंत्रित किया गया था। "खादी यूथ चैप्टर" - युवा पीढ़ी के लिए खादी को अधिक प्रासंगिक बनाने के प्रयास में, सुश्री पूजा रानी और श्री मोहम्मद शादाब सामी के मार्गदर्शन में फ़ैशन इमेजरी एंड न्यू मीडिया कंटेंट विषय के तहत इस अनूठी पहल के हिस्से के रूप में, छात्रों ने न केवल खादी परिधानों को स्टाइल किया, बल्कि एक पेशेवर फ़ैशन फोटोशूट के माध्यम से उन्हें प्रदर्शित भी किया, जिसके माध्यम से खादी युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बन गए, उन्होंने निफ्ट पटना में मिस यूनिवर्स बिहार ऑडिशन के आयोजन के लिए संपर्क और समन्वय में योगदान दिया है।
- श्री अश्विनी ने अप्रैल 2024 में ग्राफिक डिज़ाइन टेक्नोलॉजी के लिए वर्ल्ड स्किल्स कॉम्पटीशन 2024 (राज्य स्तरीय) के परीक्षक, मूल्यांकनकर्ता और प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया। सुश्री मोनिका ने 25/10/2024 से 27/10/2024 तक एआरवीआर विषय पर शोध पत्रों: 3: जीटीसी2025 की समीक्षा की और मान सिंह ऑब्ज़रवेट्री, वाराणसी का दौरा किया। 23/12/2024 से 4/1/2025 तक क्रिसेंट, संबलपुर और ओडिशा में इंटर्नशिप पूरी की।
- एफसी - निफ्ट पंचकूला से डॉ. मरिषा नरूला को गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट, चंडीगढ़ में 3 दिसंबर 2024 को आयोजित होने वाली बीएफए (एप्लाइड आर्ट) की अंतिम सत्र परीक्षा "एडवरटाइजिंग प्रोफेशन एंड प्रैक्टिस" के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. शिखा शर्मा को पीजी कॉलेज, पंचकूला, हरियाणा द्वारा 19/02/2025 और 20/02/2025 को "द आर्ट ऑफ़ पॉडकास्टिंग" पर संकाय विकास कार्यक्रम के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. शिखा शर्मा ने पत्रकारिता एवं डिजिटल मीडिया में एमए के लिए पाठ्यक्रम सामग्री तैयार की, जिसे स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज द्वारा डिज़ाइन किया गया था और इग्नू में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड के माध्यम से पेश किया गया था।
- एफसी - निफ्ट मुंबई के सभी एफसी संकायों ने 06 से 09 नवंबर 2024 के बीच जियो वर्ल्ड गार्डन बीकेसी मुंबई में डिज़ाइन मुंबई प्रदर्शनी में भाग लिया और एफसी सेमेस्टर V के 10 छात्रों ने 06 से 09 नवंबर 2024 के बीच जियो वर्ल्ड गार्डन बीकेसी मुंबई में डिज़ाइन मुंबई प्रदर्शनी में स्वेच्छा से भाग लिया।
- प्रो. डॉ. मार्टिन जयसिंह मैथ्यूज, सीपी - एफसी ने एफसी विभाग की शैक्षणिक प्रगति, पाठ्यक्रम और बुनियादी ढाँचे की आवश्यकताओं की समीक्षा के लिए 5 सितंबर 2024 को निफ्ट रायबरेली का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने एफसी संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत की और छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान सत्र भी आयोजित किया गया। इस दौरे में एफसी विभाग के मज़बूत प्लेसमेंट रिकॉर्ड सहित उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। उन्हें 6 सितंबर, 2024 को आयोजित एनएआईएबी बैठक में भी शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- सीपी-एफसी ने फ़ैशन कम्युनिकेशन विभाग की शैक्षणिक प्रगति, पाठ्यक्रम और बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं की समीक्षा के लिए 11 नवंबर 2024 को निफ्ट कोलकाता का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने एफसी संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बैठकें कीं और छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। इस यात्रा में एफसी विभाग की उपलब्धियों और सराहनीय प्लेसमेंट रिकॉर्ड पर भी प्रकाश डाला गया। इस यात्रा के दौरान एफसी विभाग की एक नई पहल, "एफसीलैश (FVLASH)" का शुभारंभ किया गया। सीपी-एफसी और निफ्ट कोलकाता के निदेशक की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में हाइब्रिड मोड में सभी केंद्रों के एफसी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। एफसीएलैश को निफ्ट केंद्रों में एफसी संकाय और छात्रों के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, इस विषय के अंतर्गत भीतर शिक्षण और अधिगम की सर्वोत्तम अभ्यास प्रक्रिया पर प्रकाश डालता है।
- सीपी-एफसी ने एफसी विभाग की शैक्षणिक प्रगति, पाठ्यक्रम और बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं की समीक्षा के लिए 13 और 14 नवंबर 2024 को निफ्ट शिलांग का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने एफसी संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत की और छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। एफसी विभाग के मजबूत प्लेसमेंट रिकॉर्ड पर भी प्रकाश डाला गया। यात्रा के एक भाग के रूप में, एफसी विभाग द्वारा 14 नवंबर 2024 को सीपी-एफसी और निफ्ट शिलांग के निदेशक की उपस्थिति में निफ्ट शिलांग में एफसीलैश की दूसरी प्रस्तुति आयोजित की गई। कार्यक्रम में सभी केंद्र एफसी संकाय सदस्यों ने हाइब्रिड मोड में भाग लिया और निफ्ट केंद्रों के एफसी संकाय और छात्रों के कार्यों और डिलीवरेबल्स को प्रदर्शित किया, जो अनुशासन में सर्वोत्तम प्रथाओं को दर्शाता है। इसकी पहली प्रस्तुति 11 नवंबर 2024 को सीपी-एफसी की उपस्थिति में निफ्ट कोलकाता में एफसी विभाग द्वारा आयोजित की गई थी।

पीएचडी कर रहे हैं और पूरी कर चुके हैं

- एफसी - भुवनेश्वर सुश्री अपर्णा रस्तोगी और श्री दीपक पाधी और सुश्री सुप्रिया मुंडा वर्तमान में पीएचडी कर रहे हैं।
- एफसी- गांधीनगर सुश्री अमीषा मेहता, सह-प्राध्यापक, पीएचडी कर रही हैं, 2019 में शुरू हुई। सुश्री आकांक्षा जैन, सहायक प्राध्यपक, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज से पीएचडी कर रही हैं, वर्ष 2019 में शुरू हुई। श्री नीलेश कुमार

शिधपुरा, सह-प्राध्यापक, "अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी" से पीएचडी कर रहे हैं, वर्ष 2021 में शुरू हुई।

- श्री ऋषभ कुमार, सहायक प्राध्यापक, चितकारा विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से वर्ष 2022 से पीएचडी कर रहे हैं।
- श्री सुजीत के.जी. सहायक प्राध्यापक, बिट्स पिलानी हैदराबाद परिसर से मीडिया अध्ययन (फोटोग्राफी अध्ययन) में पीएचडी कर रहे हैं।
- डॉ. मुहम्मद अशरफ, सहायक प्राध्यापक, ने 2023 में पीएचडी पूरी की। श्री अभिलाष बालन पी, सहायक प्राध्यापक, पीएचडी कर रहे हैं।
- श्री शिव ए. राजा, सहायक प्राध्यापक, निफ्ट कांगड़ा, मई 2024 से गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर से "इंडियन यूट्यूब पॉडकास्टिंग एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन यूथ" शीर्षक से पीएचडी कर रहे हैं। (संभावित)। सुश्री अलका रावत, सहायक प्राध्यापक, निफ्ट कांगड़ा, जनवरी 2025 से बिट्स, मेसरा से पीएचडी कर रही हैं।
- श्री मोहम्मद सुहैल, सह-प्राध्यापक, एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली से पीएचडी कर रहे हैं, विषय - डिज़ाइन स्पेसेस ऑफ हिंदी फिल्म: मटीरियल कल्चर ऑफ एवरीडे ऑब्जेक्ट्स ऑन स्क्रीन।
- श्री मोहम्मद शादाब सामी वर्ष 2022 से पीएचडी कर रहे हैं। सुश्री पूजा रानी वर्ष 2024 से पीएचडी कर रही हैं। श्री जशीर शिहाब वर्ष 2021 से पीएचडी कर रहे हैं।
- डॉ. अनुप्रीत बी. दुगल ने 2024 में एनआईडी से अपनी पीएचडी पूरी की और सुश्री लवीना भास्कर और श्री विशेष आज़ाद पीएचडी कर रहे हैं।
- डॉ. प्रिया यादव ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है, और श्री अखिलेंद्र प्रताप सोनकर और श्री हर्ष वर्धन दुबे अपनी पीएचडी कर रहे हैं।
- श्री राहुल शर्मा, सहायक प्राध्यापक ने एलपीयूएनईएसटी-पीएचडी-2024 से ललित कला में पीएचडी के लिए नामांकन कराया है। सुश्री बैसाखी दलपति, सहायक प्राध्यापक।
- डॉ. नताली जो-ऐन डिएंगदोह, सहायक प्राध्यापक ने 2015 में एनईएचयू, शिलांग से अपनी पीएचडी पूरी क, और डॉ. देबजीत बोरा, सहायक प्राध्यापक, सीआईसी और संसाधन केंद्र के प्रमुख ने 2021 में अपनी पीएचडी पूरी की।
- सुश्री पूजा रानी का पीएचडी हेतु सिनॉप्सिस स्वीकृत हो गया तथा उन्हें एलओआर प्रदान किया गया।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

- सुश्री अपर्णा रस्तोगी, सहायक प्राध्यापक, एफसी विभाग ने 21 जनवरी 2024 को संबलपुर में आईआईएम संबलपुर द्वारा आयोजित पैन आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेंट कान्फ्रेन्स (डब्ल्यूएमसी) 2023 में "मेकर: ए स्टडी ऑफ ट्राइबल वुमन जर्नेलिस्ट्स इन ओडिशा" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने 30 मार्च 2024 को भुवनेश्वर में आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित "विकसित भारत @ 2047" सेमिनार में "नेविगेटिंग द डिजिटल फ्रंटियर: एन एनालिसिस ऑफ एआई न्यूज़ ऐन्कर्स एंड द फ्युचर ऑफ ह्युमन प्रेज़ेन्स ऑन स्क्रीन" भी प्रस्तुत किया, मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सुश्री अपर्णा रस्तोगी द्वारा "इन्फ्लुएंसर फ़ैशन: ए कॉम्प्रिहेन्सिव एक्सप्लोरेशन ऑफ डिजिटल फ़ैशन" शीर्षक से एक अन्य शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। क्रिस्तु जयंती ने डिज़ाइन और मीडिया संदर्भों में संचार को बढ़ाने में इसके महत्व पर चर्चा की, 26 मार्च 2025 को लंदन में लंदन कॉलेज ऑफ फ़ैशन, यूके द्वारा आयोजित आईएफएफटीआई (IFFTI) 2025 में "एमर्जिंग पैराडाइम्स इन फ़ैशन सस्टेनेबिलिटी: ए कॉम्प्रिहेन्सिव एक्सप्लोरेशन ऑफ डिजिटल फ़ैशन्स रोल इन शेपिंग सस्टेनेबल स्टाइल" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री दीपक पाधी, सहायक प्राध्यापक ने एक्सआईएम विश्वविद्यालय, प्लॉट नंबर 12 (ए), निजीगाड़ा, कुर्की, हरिराजपुर, पुरी, ओडिशा द्वारा 10-11 मार्च 2025 को आयोजित रीइमैजिनिंग एग्ज़िस्टेंस: एमर्जिंग पर्सपेक्टिव्स इन वर्ल्ड लिटरेचर एंड लैन्वेज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फ्रेग्मेन्ट्स ऑफ़ द सेल्फ: ट्रॉमा, मेमरी, एंड आइडेंटिटी इन सिल्विया प्लाथ नरेटिव" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने माँ रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा 28 फरवरी-1 मार्च, 2025 को आयोजित विमन्स जर्नीस ऑफ रेज़ीलियंस एंड एम्पावरमेंट स्टोरीस एंड स्ट्रैटेजीस: स्प्रिचुअल स्ट्रेंथ, पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रीथिंकिंग एग्ज़िस्टेंस: ए क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ फेमिनिस्ट रेज़िस्टेंस इन सिल्विया प्लाथ एंड हर कोन्टेम्प्रेरी काउंटरपार्ट्स" शीर्षक से एक शोध पत्र भी प्रस्तुत किया है। श्री दीपक पाधी, सहायक प्राध्यापक, ने डॉ. राहुल जैन और डॉ. इंद्रनील साहा के साथ मिलकर "एक्सप्लोरिंग इंडियन मिलेनियल्स मोटिवेशन्स फॉर यूज़िंग वियरेबल एक्टिविटी ट्रैकर्स (डब्ल्यूएटी) थ्रु द लेन्स ऑफ सेल्फ-डिटर्मिनेशन थ्योरी (एसडीटी)" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। आईएफआईपी 13.8 इंटरेक्शन डिज़ाइन एंड इंटरनैशनल डेवलपमेंट (आईडीआईडी 2024) सम्मेलन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे, मुंबई में 7-9 नवंबर, 2024 को आयोजित किया गया। इसका आईएफआईपी एडवांस इन इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, स्प्रिंगर बुक सीरीज़ में कार्यवाही में प्रकाशन में किया गया।
- सुश्री अमीषा मेहता ने "स्ट्रैटेजिक वर्कफोर्स प्लैनिंग फॉर इंडियन फ़ैशन इंडस्ट्री इन द एरा ऑफ" शीर्षक से एक शोध पत्र लिखा, जो जून 2024 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी (ISSN: 2349-6002) में प्रकाशित हुआ।
- श्री अश्विनी कुमार ने जुलाई 2024 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव साइंस एंड रिसर्च टेक्नोलॉजी में "द इंटरप्ले बिटवीन पब्लिक ओपीनियन एंड डिजिटल मीडिया डायनैमिक इन बिहार" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- सुश्री मोनिका ने इंग्लैंड के सीआरसी प्रेस प्रकाशन में पुस्तक का अध्याय प्रकाशित किया जिसका शीर्षक था "एम एम्पीरिकल इवैलुएशन ऑफ लर्निंग मोडल्स फॉर द क्लासिफिकेशन ऑफ फॉल डिटेक्शन डेटासेट", पुस्तक का नाम: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी इन हेल्थकेयर, आईएसबीएन नंबर: 9781032428390। (स्कोपस) और उन्होंने आरएआईसीएस 2024 सम्मेलन में "ऑटोनोमस व्हीकल्स: ए ब्रेकथ्रू टूवर्ड्स

अपकमिंग मल्टीमीडिया टेक्नोलॉजीज" शीर्षक से शोध पत्र भी प्रकाशित किया। (स्कोपस) और आईआईटी, रुड़की (पीपी के साथ ऑनलाइन मोड) में "मिनिमाइज़ेशन ऑफ ई-वेस्ट जनरेटेड वाईलिथियम-आयन बैटरीस: ए हॉलिस्टिक अप्रोच टु डेवलप ए मोबाईल ऐप फॉर सोलर ईवी स्टेशन" शीर्षक से आईडीईएएस 24 सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया, उन्होंने ईएआईआरटीएसआईटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अबू धाबी, 12-14 नवंबर, 2024 में पोस्टर प्रस्तुत किया है। (स्व-प्रायोजित) (इस श्रेणी में भारत से चयनित एकमात्र शोध, वर्तमान में पीपी के साथ) और डिज़ाइन सिद्धांत और व्यवहार सम्मेलन 25-27 फरवरी 2025, सिंगापुर में स्वीकार किए गए कार्य। "एम्पावरिंग आर्टिसन्स थ्रु फ़ैशन स्टाइलिंग: प्रिज़र्विंग इंडिास कल्चरल हेरिटेज इन मॉडर्न कॉन्टेक्स्ट्स", "द रोल ऑफ सिलेब्रिटीस एंड इन्फ्लुएंसर्स इन प्रमोटिंग ट्रेडिशनल इंडियन टेक्सटाइल्स: ए कॉन्टेम्प्ररी एनालिसिस", "एथिकल एआई प्रेक्टिसेस फॉर फ़ैशन इन इंडिया", सुश्री मोनिका का थिकल एआई प्रैक्टिसेज फॉर फ़ैशन इन इंडिया: ए केस स्टडी ऑफ मिन्त्रास् जर्नी टुवर्ड्स सस्टेनेबल इनोवेशन शीर्षक वाला लेख द आर्ट ऑफ बिज़नस फॉर सस्टेनेबल के एमएसपी रिसर्च में स्वीकार किया गया है, जो 5-6 जून, 2025 को किंग्स्टन विश्वविद्यालय, लंदन में आयोजित किया गया।

- श्री विनेश टापरे सह-प्राध्यापक ने भारत की हस्तशिल्प विरासत के संरक्षण पर केंद्रित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "टाइमलेसक्राफ्ट: ट्रेडिशनल एंड मॉडर्न इन महाराष्ट्रा" विषय पर एक प्रस्तुति दी। यह कार्यक्रम 24 जनवरी, 2025 को पुणे के एसआईडी कॉलेज में आयोजित किया गया था। सुश्री श्रुति सोहरिया सिंह, सहायक प्राध्यापक ने इंटरनेशनल बोर्ड ऑफ बुक्स फॉर यंग एडल्ट्स ट्राइस्टे, इटली (30 अगस्त से 1 सितंबर 2024) में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना पोस्टर प्रस्तुत किया, स्कोपस इंडेक्स्ड सम्मेलन, 25 फरवरी, 2025 से 27 फरवरी, 2025 तक लासेल कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स, सिंगापुर में 19वें डिज़ाइन प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिसेस कॉन्फ्रेन्स में शोध पत्र प्रस्तुति दी, जो कि क्यूम्यलस एसोसिएशन द्वारा कॉमन ग्राउंड रिसर्च नेटवर्क्स, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस रिसर्च पार्क, यूएसए में आयोजित था।
- सुश्री श्रुति सोहरिया सिंह ने एक्टा साइंटि जर्नल, आईएसएसएन: 2178-7727 स्कोपस इंडेक्स्ड में, शीर्षक: डेवेलपिंग ए फ्रेमवर्क फॉर विज़ुअल नरेटिव्स इन चिल्ड्रेन्स लर्निंग से प्रकाशित किया, लेखक: श्रुति सोहरिया सिंह, रंगनाथ एम सिंगारी, ललित के दास, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड होम साइंस, खंड 11 (5 और 6), जुलाई और अगस्त (2024) और उन्होंने जर्नल: एक्टा साइंटि, आईएसएसएन: 2178-7727 स्कोपस इंडेक्स्ड, पांडुलिपि आईडी: केपीएस-13185 में, शीर्षक: द इवॉल्विंग डायनैमिक्स ऑफ विज़ुअल नरेटिव: चैलेंजेस, अपॉर्चुनिटीस, एंड सोशल इम्प्लीकेशन, लेखक: श्रुति सोहरिया सिंह, रंगनाथ एम सिंगारी, ललित के दास, मई 2025:
- सुश्री सुस्मिता दास, सह-प्राध्यापक ने जनवरी 2025 में मैपिन पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक टेक्सटाइल्स फ्रॉम बंगाल - ए शेयर्ड लिगेसी में "सारटोरियल ट्रेडिशन्स ऑफ वुमन इन कलोनियल बंगाल" शीर्षक से एक अध्याय प्रकाशित किया।
- सुश्री अप्ला श्रीवास्तव, सह-प्राध्यापक ने एमर्जिन्ग मीडिया पैराडाइम (ICEMP 3.0) पर ऑनलाइन मौखिक प्रस्तुति के माध्यम से एमिटी विश्वविद्यालय में 20 और 21 मार्च 2025 को शोध पत्र प्रस्तुत किया है। पत्रकारिता और जनसंचार विभाग,एसएमईएच, मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय शोध एवं अध्ययन संस्थान, फरीदाबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी एक्सप्लोरिंग कम्युनिकेशन्स हिस्टोरिकल ओरिजिन ECHO 2025 में 26-27 मार्च 2025 से "हिंदी सिनेमा कॉस्ट्यूम ऑफ फीमेल आईकन्स: हिस्टोरिक रिकॉर्डेड एंड कल्चरल कमेन्टेटर" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. मारिषा नरूला ने शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, एक यूजीसी-केयर जर्नल में "चकोर - ए टाइपफेस इन्सापायर्ड वाई द फुलकारी एंड ट्रक आर्ट ऑफ पंजाब" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया, 5-6 अगस्त 2024 को वॉक्सेन विश्वविद्यालय, तेलंगाना, भारत में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "फ़ैशन एज अ टूल फॉर सोशल चेंज" में "डीजेंडरिंग किड्स फ़ैशन: द राइज ऑफ जेंडर न्यूट्रल क्लोदिंग इन इंडिया" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जुलाई 2024 में फाइबर2फ़ैशन पर "हाओ इन्क्लूज़िव डिज़ाइन इन ट्रांसफॉर्मिन्ग फ़ैशन फॉर द ब्लाइंड" पर एक लेख प्रकाशित किया, आईआईटी रुड़की में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आईडियाज-2024 में "प्रिज़रवेशन एंड सस्टेनेंस ऑफ इंडियन क्राफ्ट्स: डिज़ाइनिंग ए नॉलेज सिस्टम" और "अमैलगमेशन ऑफ टेक्नॉलोजी विद हेल्थकेयर: एन एप्लीकेशन फॉर हॉलिस्टिक एन्हैन्समेन्ट एंड इम्प्रूव्ड डेवेलपमेंटल सपोर्ट इन डाउन सिंड्रोम" शीर्षक से दो शोध पत्र प्रस्तुत किए आईआईटी हैदराबाद में आयोजित आईसीओआरडी 2024 सम्मेलन में "कुन्नथ- ए कन्डेन्स्ड मोनोलीनियर देवनागरी टाइपफेस इन्स्पायर्ड बाय द म्यूज़िक ऑफ सिंगर कृष्णकुमार कुन्नथ", लंदन कॉलेज ऑफ फ़ैशन, लंदन 2025 में आयोजित आईएफएफटीआई सम्मेलन में "इन्क्लूसिव फ़ैशन टेक्नॉलजी: डिज़ाइनिंग एन एक्सेसिबल फ़ैशन स्टाइलिंग ऐप्लीकेशन फॉर द विज़ुअली इम्पैयर्ड" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. अनीता चहल ने 'द चाइल्ड साइकॉल्जी एंड क्लोदिंग इन ईरानियन सिनेमा: अब्बास किरोस्तामीस् 'वेयर इज़ द फ्रेंड्स' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो 26-28 अप्रैल, 2024 को किरसेहिर अहिन एवरान विश्वविद्यालय, किरसेहिर, तुर्किये में आयोजित वैज्ञानिक अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, 30.08.2024 को सेंट जोसेफ कॉलेज, अराकुलम के अंग्रेजी विभाग द्वारा डायस्पोरिक साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्राइसिस ऑफ कल्चरल आईडेंटिटी' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, 2024 में 'रे एंड सेन: मास्टर्स ऑफ इंडियन सिनेमा' नामक पुस्तक में 'फेमिनिन स्टेबिलिटी इन चारुलता' अध्याय प्रकाशित किया।
- सहायक प्राध्यापक डॉ. देबजीत बोरा ने रूटलेज हैंडबुक ऑफ आर्ट एंड ग्लोबल डेवलपमेंट में "थिएटर एज ए मोड ऑफ एम्पावरमेंट: अंडरस्टैंडिंग रीअवेकिंग ऑफ इंडिपेंडेंट थिएटर इन असम" नामक आगामी पुस्तक अध्याय में योगदान दिया, जिसे जुलाई 2024 में रूटलेज द्वारा प्रकाशित किया जाना है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सेज द्वारा प्रकाशित जर्नल ऑफ

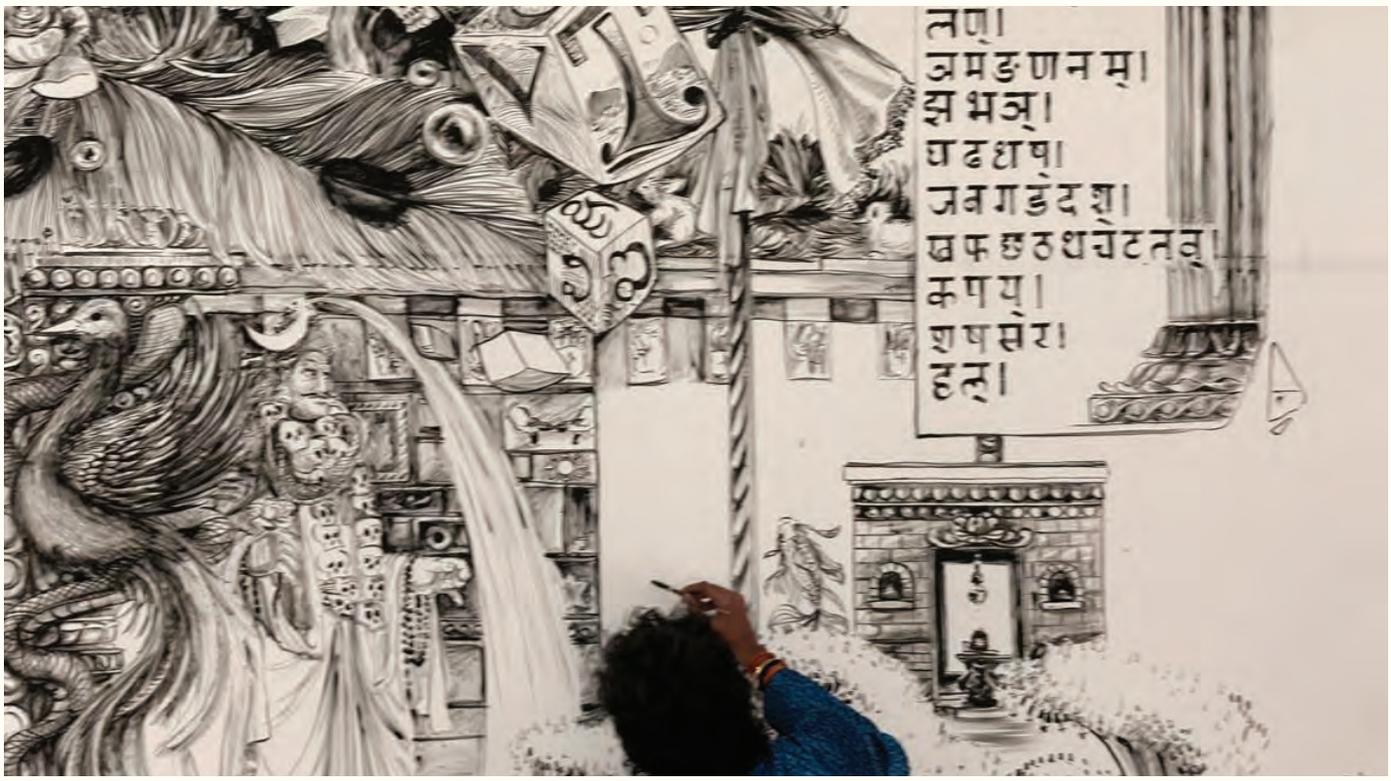

डेवलपमेंट पॉलिसी एंड प्रैक्टिस के लिए शोध पत्रों की समीक्षा की।

- डॉ. डिंपल बहल ने 2024 में आदरणीय सुश्री जया जेटली के साथ मिलकर 'इन्स्पिरेशन्स फॉर ग्राफिक डिज़ाइन फ्रॉम इंडिया' नामक पुस्तक लिखी। डॉ. डिंपल बहल ने फ्यूचरिंग डिज़ाइन इनोवेशन 2024 सम्मेलन में 'डिकॉलोनाइज़ेशन ऑफ डिज़ाइन पेडागॉगी: डिज़ाइन एजुकेशन फ्रॉम द लेन्स ऑफ इंडियन क्राफ्ट्स' शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। यह शोधपत्र बाद में स्प्रिंगर प्रकाशन में प्रकाशित हुआ।
- श्री राहुल शर्मा, सहायक प्राध्यापक, प्रकाशन: आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग (सी) 2025 में, इन ग्रीन फ़ैशन इवोल्यूशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडियन यूथ शीर्षक से अप्रैल 2025 में प्रकाशित हुआ और टेक्सकॉन 2025, फ़ैशन डिज़ाइन, कपड़ा और स्थिरता पर 8वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित किया है, इस लेख का शीर्षक अड्रेसिंग रिसर्च गैप्स फॉर रिवाइटलाइज़िंग खादी एंड हैंडलूम इन भोपाल, मध्य प्रदेश था, इसकी प्रस्तुति और प्रकाशन की तिथि 21 से 22 अप्रैल थी।
- श्री अभिलाष बालन पी. ने कन्नूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "द चेन्जिंग वीविंग लैंडस्केप ऑफ कन्नूर, ए स्टडी ऑफ क्राफ्ट एंड डिज़ाइन" शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने "एन्वायरमेंट एंड सोसायटी-पर्सपेक्टिव्स अक्रॉस डिसिप्लिन्स" नामक पुस्तक में एक शोधपत्र प्रकाशित किया।
- श्री शिव ए. राजा, सहायक प्राध्यापक, निफ्ट कांगड़ा ने 24 जनवरी 2025 को सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, पुणे में आयोजित भारत की हस्तशिल्प विरासत के संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक्सप्लोरेशन ऑफ कांगड़ा पेन्टिंग एंड इट्स रिलेशनशिप विद कल्चरल आइडेंटिटी" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और उन्होंने 17 फरवरी 2025 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली, भारत में रेशम क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों-सिल्कटेक 2025 पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एम. डिज़ाइन की छात्रा वर्षा एम.एन. के साथ "प्रिज़र्विंग इंडियास टेक्सटाइल हेरिटेज थ्रू मिनियेचर डॉल्स" शीर्षक से एक सार प्रस्तुत किया।

फैशन डिज़ाइन

फैशन डिज़ाइन विभाग की स्थापना 39 वर्ष पहले हुई थी। विभाग ने स्थापना के बाद से ही अपने वास्तविक और अनूठे दृष्टिकोण के माध्यम से फैशन जगत में अपनी विशेष जगह बनाई। विभाग ने 18 परिसरों, अर्थात् बेंगलुरु, भुवनेश्वर, भोपाल, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, पंचकुला, पटना, रायबरेली, शिलांग, श्रीनगर और वाराणसी में फैशन और डिज़ाइन पेशेवरों को इनक्यूबेट करके भारतीय फैशन उद्योग को नए आयाम तक पहुँचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश के युवाओं में उभरते नए विचारों को प्रेरित करने वाले 100 से अधिक संकाय सदस्यों के साथ, फैशन डिज़ाइन विभाग ने इस क्षेत्र को प्रासंगिक रचनात्मक मानव संसाधन प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। अपेक्षाकृत कम समय में, फैशन उद्योग कई जटिल कारकों और पारंपरिक फैशन प्रणालियों से प्रभावित रहा है, तथा विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सामग्री और कौशल सोर्सिंग, डेटा माइनिंग और प्रवृत्ति पूर्वानुमान के आगमन के आने के बाद से फैशन डिज़ाइनरों की भूमिकाएं तेजी से विकसित हुई हैं। विश्व भारत में निर्मित वस्तुओं की ओर आकर्षित हो रहा है, और निफ्ट में फैशन डिज़ाइन कार्यक्रम, देश भर में विविध पहुंच के साथ-साथ क्षेत्रीय कौशल, हस्तशिल्प, खुदरा और निर्यात उद्योग के साथ साझेदारी करके, वर्तमान परिदृश्यों के बीच इस क्षेत्र की उद्यमशीलता विशेषताओं को बढ़ावा दे रहा है।

पाठ्यक्रम

फैशन डिज़ाइन कार्यक्रम के शिक्षाशास्त्र और पाठ्यक्रम ने एक गतिशील स्वरूप प्राप्त कर लिया है, जिसमें भारतीय फ़ैशन, इसके सांस्कृतिक महत्व और विचारशील डिज़ाइन, उपभोग और कालातीत भव्यता के प्रति इसकी प्रासंगिकता में लगातार बढ़ती वैश्विक रुचि के कारण नए रास्ते शामिल हैं। जीवंत फ़ैशन उद्योग की लगातार बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए, निफ्ट का फ़ैशन डिज़ाइन पाठ्यक्रम एक समावेशी और बहुमुखी शिक्षाशास्त्र प्रदान करता है जिसे फ़ैशन की दुनिया में छात्र की योग्यता और महत्वाकांक्षाओं के अनुसार निर्देशित किया जा सकता है - चाहे वह कॉउचर डिज़ाइन की एक कार्यशाला-संचालित कला हो या आम जनता के लिए परिधानों के औद्योगिक उत्पादन द्वारा अनुकूलित डिज़ाइन प्रणाली हो। मैनुअल, मैकेनिकल और डिजिटल इनपुट का संयोजन उन कौशलों और दक्षताओं का विकास करता है जो विभिन्न श्रेणियों और विशिष्ट बाज़ार क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक डिज़ाइन विचारों को साकार करने के लिए आवश्यक हैं। रचनात्मक विचार डिज़ाइन चित्रण जैसे मुख्य विषयों के माध्यम से साकार होते हैं, जिन्हें विभिन्न उद्योग क्षेत्रों के लिए मुख्य घटकों और मूल्य संवर्धन के रूप में पैटर्न मेकिंग, ड्रेपिंग और परिधान निर्माण के साथ परिधान विकास के माध्यम से व्यावहारिक रूप से गढ़ा जाता है। चार गहन विशेषज्ञता मार्ग हैं: लक्ज़री और कॉउचर, फ़ैशन इंटरसेक्शन, इमेज और स्टाइलिंग, फ़ैशन इनोवेशन & सहज वस्त्र, और विस्तारित करियर विकल्पों के लिए ग्लोबल रिटेल फ़ैशन बिज़नेस, उच्च-स्तरीय सीमित-संस्करण खंडों को लक्षित करते हुए, सेलिब्रिटी संस्कृति और सोशल मीडिया पर केंद्रित इमेज क्रिएशन और स्टाइलिंग, तकनीकी वस्त्र और कार्यात्मक वस्त्र, साथ ही फ़ैशन रिटेल बिज़नेस। विभाग तीन अंतःविषय लघु-विषय भी प्रदान करता है जिसमें स्नातक छात्रों के लिए फ़ैशन अन्वेषण, फ़ैशन प्रतिनिधित्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए फ़ैशन प्रक्रिया शामिल हैं।

उद्योग संपर्क और परियोजनाएँ

इस पाठ्यक्रम में निफ़्ट छात्रों को उद्योग भ्रमण और कार्यशालाओं के साथ-साथ उद्योग जगत के बारे में संक्षिप्त विवरण पर आधारित लाइव कक्षा परियोजनाओं पर काम करने का अवसर प्रदान करता है। इस वर्ष छात्रों ने विभिन्न उद्योगों का दौरा किया, विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लिया और संकाय सदस्यों तथा उद्योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में कई परियोजनाओं पर काम किया। छात्रों

के ज्ञान, तकनीकी कौशल और डिज़ाइन नवाचारों को बढ़ाने के लिए सभी परिसरों में विभिन्न उद्योग विशेषज्ञों द्वारा कई विशेषज्ञ व्याख्यान सत्र आयोजित किए गए।

सेमेस्टर VII के 610 छात्रों ने उद्योग इंटर्नशिप की और 587 छात्रों ने सेमेस्टर-VIII में निर्यात इकाइयों, खुदरा ब्रांडों, खरीद घरों, डिज़ाइनर लेबल और शिल्प संगठनों आदि जैसे गोकुलदास एक्सपोर्ट्स, शाही एक्सपोर्ट्स, रिलायंस रिटेल्स, आदित्य ब्रिला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड, (एबीएफआरएल), अरविंद फैशन, उपासना डिज़ाइन स्टूडियो, ट्रेंट लिमिटेड के साथ अपना स्नातक प्रोजेक्ट / डिज़ाइन संग्रह पूरा किया।

छात्रों के अनुभव और विशेषज्ञता को बढ़ाने के लिए, विभिन्न परिसरों के फैशन डिज़ाइन विभाग ने पूरे वर्ष संकाय सदस्यों के साथ छात्रों के लिए उद्योग भ्रमण का आयोजन किया और उद्योग विशेषज्ञों/पूर्व छात्रों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए।

उद्योग भ्रमण:

- बेंगलुरु परिसर ने एबीएफआरएल, लता पुट्टन्ना - वस्त्र भंडार, पैरामाउंट प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड - नोएडा एक्वारेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, शटल्स एंड नीडल्स प्राइवेट लिमिटेड आदि का उद्योग भ्रमण किया।
- भुवनेश्वर परिसर ने मोनिका मथुरिया दत्ता के डिज़ाइन स्टूडियो, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल), वीवर सर्विस सेंटर (डब्ल्यूएससी) आदि का छात्रों का भ्रमण आयोजित किया।
- चेन्नई परिसर ने मेसर्स थिरुकाझुकुंदराम सिडको, मेसर्स व्हाइट हाउस (निर्यात इकाई), मेसर्स आरके इंडस्ट्रीज, मेसर्स स्टैनफैब्स, मेसर्स राम केशव स्टूडियो, मेसर्स रसस्वदा, दिल्ली, मेसर्स मराल ओवरसीज लिमिटेड, मेसर्स गुप्ता गारमेंट्स आदि का उद्योग भ्रमण आयोजित किया।
- गांधीनगर परिसर ने ज्योति अपैरल्स, फेयर-रॉ कलेक्टिव, जेड ब्लू अपैरल्स प्राइवेट लिमिटेड का भ्रमण आयोजित किया।
- हैदराबाद परिसर ने मेसर्स "वेलस्पन फ़्लोरिंग", मेसर्स डेनिम इंडस्ट्री, मेसर्स एमएएफ क्लोदिंग और मैक्स निट्स इंक, मेसर्स जे.जे. एक्सपोर्ट और मेसर्स सुपर ओवरसीज़, त्रित्या डिज़ाइन, मृणालिनी राव डिज़ाइन स्टूडियो, लेबल-तन्वा आदि का उद्योग दौरा आयोजित किया और उनके साथ काम किया।
- जोधपुर परिसर ने उम्मेद मिल्स लिमिटेड, अरविंद डेनिम (अरविंद मिल लिमिटेड), मैम आर्ट्स, रेडनिक एक्सपोर्ट, पेरो आदि का छात्रों के साथ दौरा आयोजित किया।
- कोलकाता परिसर ने आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, 'सेवन मिलियन प्राइवेट लिमिटेड', कैन फैशन्स एंड कल्चरल कॉस्मिक्स, 'तारासेफ इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड' आदि का भी उद्योग दौरा आयोजित किया।
- कन्नूर परिसर ने शाही एक्सपोर्ट्स, ट्राइबल विलेज, वायनाड, डिज़ाइनर मनोविराज खोसला डिज़ाइन स्टूडियो - आरी; ज़रदोज़ी यूनिट, यूबी सिटी; पर्निया पॉप अप स्टोर, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, बैंगलोर, केजी डेनिम्स, सिट्रा, मैक्रोफास्ट, यूबी सिटी, विमोर म्यूजियम ऑफ लिविंग टेक्सटाइल्स, लता पुट्टन्ना, बेंगलुरु आदि।
- कांगड़ा ने "टेक्सटाइल और फाइबर इंजीनियरिंग विभाग", आईआईटी, दिल्ली आदि में उद्योग/शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया।
- पटना परिसर ने ऑबर्न डिज़ाइन प्राइवेट लिमिटेड, किशोर एक्सपोर्ट्स और गणपति क्रिएशन्स पैनोरमा एक्सपोर्ट्स आदि का उद्योग भ्रमण किया।
- रायबरेली परिसर के छात्रों ने केवीआईसी सिल्वर प्लांट, भसीन ब्रदर्स, इंडेको जींस, मुंबई, महावीर स्पिन फैब, उन्नाव/कानपुर आदि का दौरा किया।
- शिलांग परिसर ने गुवाहाटी, असम, एफसीआई, लुम जिंगशाई, शिलांग, मेगटेक्स आदि में आयोजित नॉर्थ ईस्ट इंटरनेशनल फैशन वीक में छात्रों का दौरा आयोजित किया।
- श्रीनगर परिसर ने ब्लैकबेरीज़, गुड़गांव, पिलखुवा स्थित शिव प्रिंट्स आदि में उद्योग दौरों की योजना बनाई और उनका आयोजन किया।
- पंचकुला परिसर ने एक्टिव क्लोदिंग लिमिटेड और फिलोकैली में उद्योग दौरे आयोजित किए।
- फैशन डिज़ाइन विभाग के विभिन्न परिसरों द्वारा छात्रों/कारीगरों/उद्योग तकनीकी व्यक्तियों आदि के 'कक्षा परियोजनाओं' और 'सॉफ्ट स्किल उन्नयन' के लिए पहल की गई\
- भुवनेश्वर परिसर ने T.I.M.E. (ट्रायम्फेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन) के श्री अमित मिश्रा द्वारा सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए 'सॉफ्ट स्किल प्रोग्राम' आयोजित किया।
- कोलकाता परिसर के दो अंतिम वर्ष के छात्रों ने तारासेफ इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 'फैशन इनोवेशन और फंक्शनल क्लोदिंग' विषय के लिए 'अग्निरोधी तकनीकी परिधान' विकसित किए।
- कोलकाता परिसर ने रेमंड्स अपैरल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ उद्योग सहयोग सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया। इस पहल में रेमंड अपैरल लिमिटेड के साथ साझेदारी करके एक गहन मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम आयोजित करना शामिल था, जिसका उद्देश्य फैशन विकास के प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभागियों का कौशल विकास करना था।
- जोधपुर परिसर की डॉ. रुचि खोलिया ने प्रियल भारद्वाज फैशन, दिल्ली के सहयोग से एफडी के सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए 'पोशाक निर्माण और कढ़ाई डिज़ाइन' पर कक्षा परियोजना का संचालन किया।
- मुंबई परिसर की सुश्री नीना लोकारे, डॉ. स्नेहा भटनागर और सुश्री शंखलीना चौधरी ने फैशन डिज़ाइन विभाग की छात्राओं की एक टीम के साथ मिलकर नेहरू सेंटर, मुंबई में विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय डिज़ाइन केंद्र (एनडीसी) द्वारा आयोजित 'मुंबई साड़ी महोत्सव' और 'साड़ी ड्रेपिंग कार्यशाला' के लिए वर्चुअल रियलिटी शो का आयोजन किया ।
- पटना परिसर ने रेमंड मास्टर्स (स्टाइलिस्ट) के लिए दो दिवसीय मास्टर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया, जिसके दौरान बिहार के 25-30 मास्टर दर्जियों को पुरुषों के जैकेट और पतलून बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।
- रायबरेली परिसर ने 'खादी बुनकर प्रशिक्षण' का आयोजन किया।
- श्रीनगर परिसर ने आईटीआई श्रीनगर, आईटीआई बडगाम और आईटीआई कुपवाड़ा के प्रशिक्षुओं के लिए 'अप-स्किलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम' और जम्मू-कश्मीर की महिला स्वयं सहायता समूह नेताओं के लिए 'कौशल विकास कार्यक्रम' का आयोजन

किया, जिसे राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा निफ्ट, श्रीनगर के सहयोग से प्रायोजित किया गया।

संकाय द्वारा शुरू की गई परियोजनाएँ

- बेंगलुरु परिसर के फैशन डिज़ाइन संकाय सदस्यों की एक टीम ने लिनन क्लब पैन इंडिया - मास्टर टेलर्स - 2024 के लिए मानक और तिरछे आकारों में पुरुषों के सूटिंग कैज़ुअल ट्राउज़र बनाने पर 'कस्टमाइज़्ड मॉड्यूल (TOTS)' और 'रेमंड - पैन इंडिया मास्टर टेलर्स - 2024 के लिए पुरुषों के सूटिंग में कौशल विकास' का आयोजन किया।
- निफ्ट हैदराबाद के फैशन डिज़ाइन संकाय सदस्यों की एक टीम ने टीजीएसपीडीसीएल के साथ मिलकर सुश्री जस्ती पूजा और सुश्री मधुप्रिया झा ठाकुर द्वारा यूनिफ़ॉर्म डिज़ाइन परियोजना का आयोजन किया।
- जोधपुर की फैशन डिज़ाइन टीम, डॉ. रुचि खोलिया और डॉ. अदिति मेड़तिया ने सुश्री श्वेता जून और छात्रों के साथ मिलकर आईपीएल सीज़न 2025 में राजस्थान रॉयल्स टीम के लिए मर्चेंडाइज़ और किट डिज़ाइन करने की परियोजना पूरी की।
- कोलकाता के संकाय सदस्य श्री मोंटू बसाक, डॉ. सुमंत्र बख्शी और श्री विकास अग्रवाल के साथ मिलकर, 'हरिंगघाटा क्षेत्र, नादिया, पश्चिम बंगाल में एमएसई-सीडीपी योजनाओं के अंतर्गत नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी' परियोजना पर काम कर रहे हैं।
- नई दिल्ली की संकाय टीम ने सुश्री श्रेषा और श्री गूंजन कुमार द्वारा 'सुप्रीम कोर्ट परियोजना' और सुश्री नयनिका मेहता, सुश्री अनुत्तमा चक्रवर्ती और श्री गूंजन कुमार द्वारा 'राष्ट्रपति भवन परियोजना' का संचालन किया है।
- निफ्ट रायबरेली की फैशन डिज़ाइन टीम ने निम्नलिखित सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किए हैं:
  1. खादी कारीगर प्रशिक्षण 2024- परिधान निर्माण और परिष्करण में अपने कौशल को बढ़ाने के लिए 30 खादी कारीगरों के लिए 30-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया |
  2. खादी बुनकर प्रशिक्षण 2024- पारंपरिक बुनाई तकनीकों में अपने कौशल को बढ़ाने के लिए 15 बुनकरों के लिए 30-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना बनाई गई और उसका आयोजन किया गया।
  3. खादी अधिकारी प्रशिक्षण 2025 - फरवरी 2025 में, खादी के लिए रुझान पूर्वानुमान और उत्पाद विविधीकरण पर एक सत्र आयोजित किया गया।
- शिलांग परिसर के संकाय सदस्य मणिपुर और नागालैंड में लियांगमाई, रोंगमेई और ज़ेमे नागा जनजातियों के पारंपरिक वस्त्रों और वेशभूषा के दस्तावेज़ीकरण पर एनईसी परियोजना पर काम कर रहे हैं।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएँ

फ़ैशन डिज़ाइन विभाग ने अपने संकाय सदस्यों के लिए उभरते क्षेत्रों पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किए-

- चेन्नई परिसर की डॉ. गीता रंजिनी ने ऑनलाइन आईएफएफटीआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'फ़ैशन डिज़ाइन सिखाने के तरीके' - ऑनलाइन माध्यम से सीखे गए तीन प्रमुख विषयों और उनके परिणामों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया ।
- चेन्नई परिसर की सुश्री दिव्या के.वी. ने आईपैड पर 3डी रचनाएँ और एआर अनुभव बनाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
- कोलकाता परिसर की एफडी टीम ने प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी और प्रो. डॉ. रीनित सिंह की देखरेख में छात्रों के साथ 'नारी ऑफ़ सिसु कल्याण केंद्र' (एनओएसकेके) पंचला में 'ज़रदोज़ी' पर एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण तथा कार्यशाला का आयोजन किया।
- कोलकाता परिसर में प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी के मार्गदर्शन में 'ब्लॉक प्रिंटिंग, ब्लॉक बाटिक, टाई डाई, स्क्रीन प्रिंटिंग, इको प्रिंटिंग और हैंड बाटिक' पर अकादमिक भ्रमण तथा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया।
- कन्नूर परिसर की सुश्री अनुगा चंद्रन ने पोपीज़ बेबी केयर प्राइवेट लिमिटेड, मलप्पुरम में दो सप्ताह के लिए एफआईए में भाग लिया।
- डॉ. विजयलक्ष्मी ने कोयंबटूर स्थित 'केजी डेनिम' में एफआईए, 'वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रतिमानों पर अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल एफडीपी', 'उच्च शिक्षा में एआई के भविष्य के दायरे पर राष्ट्रीय स्तर की वर्चुअल एफडीपी', 'अनुसंधान के भविष्य पर एफडीपी कार्यक्रम: उभरते रुझान और प्रौद्योगिकियां' और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों और नवीन अनुसंधान पद्धतियों पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक एफडीपी में भाग लिया।
- कन्नूर परिसर की संकाय सदस्य सुश्री शांगरेल्ला राजेश ने वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रतिमानों पर एक अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल एफडीपी में भाग लिया।
- एफडी मुंबई परिसर की प्रो. डॉ. पेट्रीसिया सुमोद, डॉ. कुंडलता मिश्रा और सुश्री श्वेता रंगानेकर ने इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड नोवेल रिसर्च पत्रिका में "सेकंड-हैंड कपड़ों का बढ़ता चलन: फैशन में एक स्थायी बदलाव" शीर्षक से शोध लेख प्रकाशित किया।
- एफडी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कुंडलता मिश्रा ने फंक्शनल टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग (एफटीसी 2025) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑनलाइन भाग लिया और 31 जनवरी से 2 फरवरी, 2025 तक आईआईटी दिल्ली में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- पटना परिसर के संकाय सदस्य श्री धर्मेंद्र कुमार ने पाँच दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एनएफडीपी) पूरा किया - जिसका निर्माण और संचालन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीआरटी), राष्ट्रीय उद्यमिता विकास प्रतिष्ठान (एनएफईडी), कोयंबटूर द्वारा किया गया।
- डॉ. लिसा लालमुआंकिमी पचुआउ ने एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित फैशन और टेक्सटाइल सिस्टम में स्थायी दृष्टिकोण पर 8 दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- श्रीनगर परिसर के श्री दीपक शर्मा ने पंजाब के ज़ीरकपुर स्थित हाई हेड्स प्राइवेट लिमिटेड में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट ट्रेनिंग पूरी कर ली है।
- श्रीनगर परिसर की सुश्री गुलिस्तां ने नोएडा स्थित स्टूडियो डीन्यू में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट ट्रेनिंग पूरी कर ली है।

संकाय उपलब्धियाँ

- भुवनेश्वर परिसर के संकाय सदस्यों श्री अविनाश कुमार और श्री रवि प्रकाश ने आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल्स लिमिटेड (मदुरा क्लोदिंग्स), भुवनेश्वर में एफआईए (वित्तीय प्रबंधन) में प्रवेश लिया।

- चेन्नई परिसर की संकाय सदस्य सुश्री हेमचलेश्वरी ने एमिटी विश्वविद्यालय में 'फैशन और वस्त्र प्रणालियों में सतत दृष्टिकोण' विषय पर आठ दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- गांधीनगर की प्रोफेसर डॉ. वंदिता सेठ ने निफ्ट जर्नल के आगामी अंक के लिए 5 शोधपत्रों की समीक्षा की।
- हैदराबाद परिसर की संकाय सदस्य सुश्री मधुप्रिया झा ठाकुर को अमेरिकन जर्नल ऑफ आर्ट एंड डिज़ाइन (ISSN ऑनलाइन 2578-7802, ISSN प्रिंट 2578-7799) का समीक्षक नियुक्त किया गया है।
- जोधपुर परिसर की संकाय सदस्य सुश्री प्रियंका ने अगस्त 2024 में आईआईटी जोधपुर के स्कूल ऑफ डिज़ाइन से पीएचडी शुरू की।
- कोलकाता परिसर के संकाय सदस्यों, प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी और श्री मोंटू बसाक को भारत टेक्स 2025, नई दिल्ली में उनके पेटेंट, 'एक इलेक्ट्रॉनिक रूप से विकसित टेबल लूम' के लिए सम्मानित किया गया।
- कोलकाता परिसर के श्री शोवित दासगुप्ता ने टेक्सटाइल: क्लॉथ और कल्चर, टेलर एंड फ्रांसिस पत्रिका में लिखे दो पेपर की समीक्षा की एवं उसी पत्रिका के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में (HTTPS://WWW.TANDFONLINE.COM/JOURNALS/RFTX20/ABOUT-THIS-JOURNAL); और जर्नल ऑफ एस्थेटिक्स एंड कल्चर के लिए एक शोधपत्र, प्रस्तुत किया।
- कन्नूर परिसर के संकाय सदस्य श्री जॉर्जी सनी ने सुपारी की भूसी के रेशों को कपड़ा उत्पादन के लिए उपयुक्त धागों में बदलने की एक प्रक्रिया विकसित की है।
- निफ्ट मुंबई की संकाय सदस्य डॉ. कुंडलता मिश्रा को भारत टेक्स 2025, नई दिल्ली में पेट्रोकेमिकल उद्योग में सुरक्षात्मक वर्दी के लिए उनके 4 पेटेंट के लिए सम्मानित किया गया।
- निफ्ट मुंबई की संकाय सदस्य प्रो. डॉ. पेट्रीसिया सुमोद ने भारत टेक्स 2025, नई दिल्ली में "भारतीय सिनेमा और फैशन रील को रियल में बदल रहे हैं" पैनल चर्चा का समन्वय किया।
- निफ्ट पटना की संकाय सदस्य डॉ. श्वेता राजन शर्मा ने डिज़ाइन में अपनी पीएचडी पूरी कर ली है।
- श्री धर्मेंद्र कुमार, संकाय सदस्य निफ्ट पटना ने पांच दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एनएफडीपी) पूरा कर लिया है - जिसका निर्माण और संचालन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीआरटी), राष्ट्रीय उद्यमिता विकास प्रतिष्ठान (एनएफईडी), कोयंबटूर द्वारा किया गया है।
- रायबरेली परिसर के श्री रिमांशु पटेल, श्री विवेक जांगड़ा और डॉ. स्तुति सोनकर ने सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान द्वारा संचालित "सरकारी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता" पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे नैतिक मानकों और पेशेवर जिम्मेदारियों की समझ में वृद्धि हुई है।
- रायबरेली परिसर के श्री रिमांशु पटेल, श्री विवेक जांगड़ा और डॉ. स्तुति सोनकर ने प्रतिष्ठित सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने पर एक गहन, अत्यधिक मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद एक पेशेवर प्रमाणपत्र प्राप्त किया है।
- रायबरेली परिसर के श्री रिमांशु पटेल, श्री विवेक जांगड़ा और डॉ. स्तुति सोनकर ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)द्वारा संचालित "साइबर स्पेस में सुरक्षित रहें" पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।
- रायबरेली परिसर के श्री रिमांशु पटेल, श्री विवेक जांगड़ा और डॉ. स्तुति सोनकर ने फ्रैक्टल द्वारा प्रस्तुत "जेनएआई फॉर एवरीवन" पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों में मूलभूत ज्ञान प्राप्त किया है।
- श्रीनगर परिसर की सुश्री गुलिस्तां ने 'भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ' पर दिल्ली स्थित नई संसद भवन में माननीय प्रधानमंत्री और भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा जारी स्मारक डाक टिकट डिज़ाइन किया।
- श्रीनगर परिसर की सुश्री गुलिस्तां की कलाकृति को जामिया मिलिया इस्लामिया के ललित कला संकाय द्वारा आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी: कायाकल्प वस्त्र: कला की एक दृष्टि' में चयनित और प्रदर्शित किया गया है।
- श्रीनगर परिसर की सुश्री गुलिस्तां की पेंटिंग को अखिल भारतीय ललित कला एवं शिल्प समिति, रफी मार्ग, नई दिल्ली में साहित्य कला परिषद द्वारा आयोजित वार्षिक कला प्रदर्शनी, वामा 2024 में चुना गया है।
- श्रीनगर परिसर के(आविष्कारक) डॉ. रविंदर कटारिया को पेटेंट प्रदान किया गया।आविष्कार का शीर्षक: इलेक्ट्रोथर्मल, इलेक्ट्रो-केमिकल और इलेक्ट्रो-केमिकल डिस्चार्ज मशीनिंग प्रक्रियाओं के लिए लचीला कटिंग उपकरण था ।
- पंचकूला परिसर के श्री प्रमोद कुमार ने 22 मार्च 2025 को "पर्यावरणीय स्थिरता, कानून, अनुप्रयुक्त विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में बहु-विषयक अनुसंधान और वर्तमान रुझान" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र- II के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

- बेंगलुरु परिसर की डॉ. परमिता सरकार ने जुलाई 2024 में "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़" में "भारत के हिमाचल प्रदेश के लाहौल-पांगी परिदृश्य के ऊन-आधारित शिल्प का विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया है।
- बेंगलुरु परिसर की डॉ. परमिता सरकार ने "फास्ट फ़ैशन के एक स्थायी विकल्प का विकास: हिमाचल प्रदेश के केलोंग के शिल्प का एक केस स्टडी" शीर्षक से एक अध्याय प्रकाशित किया है। इस अध्याय की लेखिकाएँ: डॉ. परमिता सरकार, सहायक प्रोफ़ेसर, निफ्ट बेंगलुरु और डॉ. शिप्रा शर्मा, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, निफ्ट पंचकुला हैं। इस पुस्तक का नाम: फास्ट फ़ैशन में वैश्विक प्रभाव और स्थायी प्रथाएँ है। इस पुस्तक को मार्च 2025 में प्रकाशक: आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक प्रकाशन। आईएसबीएन: 13:9798368378533-के साथ प्रकाशित किया गया है ।
- बेंगलुरु परिसर की डॉ. परमिता सरकार ने लंदन में आयोजित होने वाले IFFTI 2025 में"भारत के हिमाचल प्रदेश की महिला कारीगरों का सशक्तिकरण: पारंपरिक शिल्प का समकालीन डिज़ाइन के साथ विलय" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया है।
- चेन्नई परिसर की डॉ. गीता रंजिनी ने 27 फ़रवरी, 2025 से 28 फ़रवरी, 2025 तक चेन्नई परिसर में आयोजित IFFTI सम्मेलन में किया। "सीखे गए और सीखे गए तीन प्रमुख विषयों

और उनके परिणामों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर "फैशन डिज़ाइन सिखाने के तरीके" नामक शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- चेन्नई परिसर के डॉ. जी. साई संगुराई ने 19 मार्च 2025 को कोयंबटूर में PSG आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज द्वारा आयोजित "परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। "शोधपत्र का शीर्षक: जलरहित रंगाई तकनीकों की समीक्षा: हवा से रंगाई और सुपरक्रिटिकल कार्बन डाइऑक्साइड (SOCO2) सहायता प्राप्त रंगाई - लाभ और कमियाँ"था।
- चेन्नई परिसर के डॉ. जी. साई संगुराई ने एमिटी विश्वविद्यालय, द्वारा 24 मार्च 2025 को नोएडा में आयोजित (आईसीआईटीटी'25) "में तकनीकी वस्त्रों में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।इस पेपर का शीर्षक: विभिन्न बुने हुए ढाँचों पर खिंचाव के स्तर का उनकी वायु पारगम्यता पर प्रभाव"था ।
- चेन्नई परिसर की सुश्री हेमचलेश्वरी ने एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, एयूयूपी में 24 मार्च 2025 को आयोजित "विकसित भारत के लिए तकनीकी वस्त्रों में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईटीटी'25)"।तकनीकी वस्त्रों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जेन जेड के लिए स्मार्ट फैशन पोस्चर मॉनिटरिंग गारमेंट (एसएफपीएमजी) में एक पेपर प्रस्तुत किया।
- चेन्नई परिसर की डॉ. गीता रंजिनी और सुश्री हेमचलेश्वरी ने 24 मार्च 2025 को एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, एयूयूपी में आयोजित "विकसित भारत के लिए जेन जेड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इनोवेशन्स इन टेक्निकल टेक्सटाइल्स (आईसीआईटीटी'25)" के लिए स्मार्ट फैशन पोस्चर मॉनिटरिंग गारमेंट (एसएफपीएमजी) शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- 18-19 जनवरी 2025 को आईआईटी गांधीनगर में आयोजित क्यूरियोसिटी कॉन्फ्रेंस 2025 में "लाइन्स एंड कलर्स की सिम्फनी में क्यूरियोसिटी रिसर्च: गुजरात के पारंपरिक वस्त्र डिज़ाइनों पर एक केस स्टडी" पर एसोसिएट प्रोफेसर श्री श्रीनिवास के आर द्वारा पेपर प्रस्तुत किया गया।
- 25 फरवरी 2025 को आयोजित "लकड़ी के खिलौने और गुड़िया बनाने की परंपराएँ: स्वदेशी ज्ञान को नवीन अभ्यास से जोड़ती हैं" पर राष्ट्रीय सेमिनार में भारतीय खिलौना निर्माण के पतन और विकास पर एसोसिएट प्रोफेसर श्री श्रीनिवास के आर द्वारा पेपर प्रस्तुत किया गया।
- लेखन नीदरलैंड और भारत के बीच पारस्परिक विरासत के संदर्भ में वुडब्लॉक प्रिंटिंग और फैशन इतिहास पर सहायक प्रोफेसर श्री रवि जोशी द्वारा अप्रैल 2024 को एम्स्टर्डम स्थित 'टेक्सटाइल फैक्टरीज' लिपिका बंसल और लोकेश घई प्रकाशन द्वारा पुस्तक प्रकाशन के लिए अध्याय लिखा गया।
- नील और उत्पाद विकास - सहायक प्रोफेसर श्री रवि जोशी द्वारा अप्रैल 2024को इंडेनियम स्कूल ऑफ रिस्पॉन्सिबल डिज़ाइन - धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में 2003 से 2023 तक नील प्रथाओं पर पेपर प्रस्तुति की गई।
- हैदराबाद परिसर की सुश्री मधुप्रिया झा ठाकुर ने 5 और 6 अप्रैल 2024 को पूणिमा विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित डिज़ाइन और कला में उभरते रुझानों पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वर्ष 2000 के बाद शाही काल के नाटक वेशभूषा डिज़ाइन पर एक अध्ययन शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- हैदराबाद परिसर की सुश्री मधुप्रिया झा ठाकुर ने राष्ट्रीय सम्मेलन में "कहानी कहने के रूप में वेशभूषा डिज़ाइन" (अकबर और जोधा के रूप में जोधा के पात्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए) शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। "कला, डिज़ाइन, एनीमेशन और फ़ैशन में उभरते अंतर-विषयक नवाचार" एमिटी सॉफ्ट और सोफा द्वारा 18 और 19 नवंबर 2024 को आयोजित किया गया।
- हैदराबाद परिसर की सुश्री मधुप्रिया झा ठाकुर ने वर्ष 2000 के बाद "शाही काल के नाटक वेशभूषा डिज़ाइन पर एक अध्ययन" शीर्षक से शोधपत्र प्रकाशित किया, जिसे डिज़ाइन और कला में उभरते रुझानों पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मई 2024 में प्रस्तुत किया गया। शोधकोश जर्नल ऑफ़ विज़ुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स इन मेनी 2024 पृष्ठ संख्या 66-72 ISSN ऑनलाइन 2582-7472 थी।
- जोधपुर परिसर की डॉ. अदिति मेड़तिया ने "भविष्य को पुनर्परिभाषित करना: भूमिका डिजिटल फैशन और लक्जरी फैशन को आकार देने में मेटावर्स", फैशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन एक वैश्विक द्रष्टि कोण में प्रस्तुत किया जिसका आयोजन फैशन और वस्त्र विभाग IIS यूनिवर्सिटी जयपुर द्वारा 26-27 सितम्बर 2024 को किया गया ।
- जोधपुर परिसर की डॉ. अदिति मेड़तिया और कांगड़ा परिसर की सुश्री अनुषा अरुण ने "फैशन में क्रांति: वर्चुअल प्लेटफॉर्म के लिए 3डी परिधान सिमुलेशन तकनीक" विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, जो 5-6 दिसंबर, 2024 को न्यूजीलैंड में स्मार्ट टेक्सटाइल्स और उभरती प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (एसटीईटी) में आईएसबीएन: 978-0-473-73563-0, डोई: HTTPS://DOI.ORG/10.61135/STET2024सं के साथ प्रकाशित हुआ।
- जोधपुर की डॉ. रुचि खोलिया और डॉ. अलका गोयल ने 2024 में ओशन पब्लिकेशन-यूपी में आईएसबीएन: 978-93-91664-67-1सं के साथ हैंडबुक ऑफ टेक्सटाइल टेस्टिंग प्रकाशित की है।
- डॉ. रुचि खोलिया और डॉ. सुसान पॉल ने 2024 एलएपी लैम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग में SBN-10 : 6207842529, ISBN-13 : 978-6207842520 नंबर के साथ हिस्ट्री ऑफ वर्ल्ड कॉस्ट्यूम प्रकाशित किया है।
- जोधपुर परिसर की डॉ. रुचि खोलिया, डॉ. शेफाली मैसी और डॉ. मानसी हंस ने "टेक्सटाइल अपशिष्ट का उपयोग करते हुए वस्त्र अनुप्रयोगों के संबंध में नैनो प्रौद्योगिकी का भविष्य परिप्रेक्ष्य" प्रकाशित किया है। प्रशंसा शर्मा और शिल्पी श्री सहाय (संपादक) नैनो प्रौद्योगिकी की सहायता से प्राप्त वस्त्र अपशिष्ट पुनर्चक्रण: भविष्य के वस्त्रों के लिए स्थायी उपकरण, (265–284) © 2025 स्क्रिवेनर पब्लिशिंग एलएलसी के साथ यह कार्य पूर्ण किया।
- जोधपुर परिसर से डॉ. रुचि खोलिया ने 5-6 अगस्त, 2025 को वॉक्सेन विश्वविद्यालय, तेलंगाना के कला एवं डिज़ाइन स्कूल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-फैशन एज अ टूल फॉर सोशल चेंज में "मुक्के का काम: बाड़मेर, राजस्थान का एक लुप्तप्राय शिल्प" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। यह अध्याय वर्तमान में फैशन उद्योग के रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस समूह में सांस्कृतिक विरासत में प्रकाशन के लिए प्रक्रियाधीन है।
- कोलकाता परिसर के प्रो. डॉ. संदीप मुखर्जी और सुश्री तूलिका

सैकिया ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड होम साइंस खंड (3 और 4), अप्रैल 2024: 105-109, आईएसएसएन: 2394-1413 में "ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के लिए संवेदी आधारित अनुकूली कार्यात्मक वस्त्र" शीर्षक से शोधपत्र प्रकाशित किया।

- कोलकाता परिसर के श्री मोंटू बसाक ने 'टेक्सटाइल और परिधान उद्योग में स्थिरता और पुनर्चक्रण' नामक पत्रिका में 'सर्कुलर इकोनॉमी: इसकी अवधारणा, प्रासंगिकता और डिज़ाइन शिक्षा में महत्व' पर एक पेपर प्रकाशित किया है।
- कोलकाता परिसर के श्री शोवित दास गुप्ता ने 8-10 जनवरी 2025 को आईआईटी हैदराबाद के डिज़ाइन विभाग में आयोजित ICORD 25 (डिज़ाइन में अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) में "समकालीन डिज़ाइन के लेंस में वस्त्र शिल्प को देखना: निर्माता-उपयोगकर्ता के रूप में व्यक्तियों के संबंधों की समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- कोलकाता परिसर के श्री शोवित दास गुप्ता ने 21-22 मार्च, 2025 को एनआईटी राउरकेला में हाइब्रिड मोड में "द बंगाल कांथा शिल्प पारस्परिक संबंधों के एक प्रमाण के रूप में: निर्माता और निर्माता-उपयोगकर्ता का एक सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- कन्नूर परिसर के डॉ. टी. विजयलक्ष्मी और श्री जॉर्जी सनी ने 2025 में पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर में परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझान - ICETSAT पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।
- कन्नूर परिसर के श्री जॉर्जी सनी ने4/7/2024 को, जर्नल: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लोदिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, खंड: 36 अंक: 4, पृष्ठ: 722-739 पर एक शोधपत्र प्रकाशित किया:जिसका शीर्षक 'सुपारी के रेशों के भौतिक और यांत्रिक गुणों पर रिटिंग प्रक्रिया और निष्कर्षण विधियों का प्रभाव', था। इसके प्रकाशक: एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड था।
- कन्नूर परिसर के श्री जॉर्जी सनी ने जर्नल: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लोदिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, खंड: 36 अंक: 2, पृष्ठ: 304-316, प्रकाशक: एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड में एक शोधपत्र 2/4/2024 को प्रकाशित किया:जिसका शीर्षक 'सूती और सुपारी के रेशों के मिश्रण अनुपात का सूत के गुणों पर प्रभाव', था।
- मुंबई परिसर की प्रो. डॉ. पेट्रीसिया सुमोद, डॉ. कुंडलता मिश्रा और सुश्री श्वेता रंगनेकर ने जून 2024 में इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड नॉवेल रिसर्च पत्रिका में "सेकंड-हैंड कपड़ों का बढ़ता चलन: फैशन में एक स्थायी बदलाव" शीर्षक से शोध लेख प्रकाशित किया।
- एफडी विभाग की सहायक प्रोफेसर सुश्री शंखलिना चौधरी ने 17 जुलाई 2024 से 19 जुलाई 2024 तक पोलैंड के क्राकोव स्थित जगियेलोनियन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अंतर्विषयक सामाजिक विज्ञान पर उन्नीसवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "एक स्थायी भविष्य के लिए बचत: भारत के ऑनलाइन थ्रिफ्ट स्टोर्स पर एक अध्ययन" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- मुंबई परिसर की प्रो. डॉ. पेट्रीसिया सुमोद, डॉ. कुंडलता मिश्रा और सुश्री श्वेता जोशी रंगनेकर ने सामाजिक परिवर्तन के एक उपकरण के रूप में फैशन पर वॉक्सेन विश्वविद्यालय, तेलंगाना में 5 अगस्त 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सांस्कृतिक पुनर्जागरण - पारसी गारा कढ़ाई का विलासितापूर्ण पुनरुद्धार शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- मुंबई परिसर की सुश्री शंखलिना चौधरी ने 19 से 20 अक्टूबर 2024 को आईआईटी रुड़की में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी- IDEAS 2024 में "युगों से दोखोना: बोडो समुदाय के पारंपरिक बुने हुए वस्त्र के संरक्षण की आवश्यकता" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- मुंबई परिसर की सुश्री नीना लोकारे ने अंतर्राष्ट्रीय जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी में "महाराष्ट्र की बुजुर्ग महिलाओं के बीच टिकाऊ वस्त्र प्रथाएँ: संसाधनशीलता और पर्यावरणीय सम्मान की एक सांस्कृतिक विरासत" शीर्षक से शोधपत्र प्रकाशित किया।
- मुंबई परिसर की डॉ. स्नेहा भटनागर ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, अंक: 2320 - 2882, खंड 13, जनवरी 2025 के अंक में "जेन ऑस्टेन के उपन्यासों में रीजेंसी फैशन पर एक विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक शोध लेख प्रकाशित किया।
- मुंबई परिसर की डॉ. स्नेहा भटनागर ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी, खंड 11, अंक 9, फरवरी 2025 के अंक में "जेन ऑस्टेन के उपन्यासों में संस्कृति और समाज की व्याख्या" शीर्षक से एक शोध लेख प्रकाशित किया।
- पटना परिसर की डॉ. श्वेता राजन शर्मा ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड होम साइंस में "क्राफ्टिंग चेंज: मधुबनी और जीविका के माध्यम से महिला कारीगरों का सशक्तिकरण" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- पटना परिसर की डॉ. श्वेता राजन शर्मा ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड सोशल साइंस में 'स्टिच बाय स्टिच: सुजनी कारीगरों की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भूमिका' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया है।
- पटना परिसर की सुश्री प्रेरणा नारायण ने आईआईटी हैदराबाद और आईआईएससी बेंगलुरु द्वारा आईआईटी हैदराबाद में संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसर्च इनटू डिज़ाइन (आईसीओआरडी'25) में "हस्तशिल्प की विशिष्टता मापने के लिए कारकों की व्युत्पत्ति, बिहार की सुजनी कढ़ाई के विशिष्ट संदर्भ में, जो एक जीवंत सांस्कृतिक विरासत है" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया है।
- पटना परिसर की सुश्री प्रेरणा नारायण ने आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन विज़न 2047: समृद्ध और महान भारत में "अपने सतत भविष्य के लिए पर्यावरण के अनुकूल हस्तशिल्प क्षेत्र की ब्रांडिंग पर एक खोजपूर्ण अध्ययन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया है।
- पटना परिसर के श्री धर्मेंद्र कुमार ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन साइंस एंड रिसर्च टेक्नोलॉजी में 'बिहार में जनमत और डिजिटल मीडिया की गतिशीलता के बीच परस्पर क्रिया' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया है।
- रायबरेली परिसर के श्री रिमांशु पटेल, श्री विवेक जांगड़ा और डॉ. स्तुति सोनकर ने कला एवं शिल्प महाविद्यालय, ललित कला संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 8 मार्च, 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: "परंपराओं से अलग हटकर: भारत में भविष्य की कला प्रवृत्तियों की अनूठी शैली" में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। शोधपत्र का शीर्षक: पारंपरिक तकनीकों का संरक्षण बनाम समकालीन डिज़ाइन को अपनाना: बरेली के ज़री-ज़रदोज़ी उद्योग का एक अध्ययन, था ।
- रायबरेली परिसर के श्री विवेक जांगड़ा का शोधपत्र "धात्विक

और अधात्विक वस्त्र थर्मोकपलों के ऊष्माविद्युत गुण: एक तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक से अप्रैल 2025 में जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक टेक्सटाइल्स में प्रकाशित हुआ।

- शिलांग परिसर की डॉ. लिसा लालमुआंकिमी पचुआउ का लेख "बुनाई: मिज़ोरम का विरासत शिल्प" आईआईसीडी के शिल्प एवं डिज़ाइन में हालिया रुझान और स्थिरता पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सम्मेलन कार्यवाही के रूप में प्रकाशित हुआ।
- शिलांग परिसर की सुश्री रिमी दास ने 5 और 6 अप्रैल, 2024 को आयोजित डिज़ाइन और कला में उभरते रुझानों पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICETDA 2024) के माध्यम से शोध कोष: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स में NIFT शिलांग से टेक्सटाइल अपसाइक्लिंग फॉर सस्टेनेबल फैशन: ए केस स्टडी में एक पेपर प्रकाशित किया।
- शिलांग परिसर की सुश्री रिमी दास ने मिशन जीवन के साथ सस्टेनेबिलिटी को जोड़ना: फैशन, उद्यमिता और सद्भाव में सांस्कृतिक एकीकरण में अपसाइक्लिंग के माध्यम से परिधान डिज़ाइन करके टेक्सटाइल शिल्प को बनाए रखने पर एक पेपर प्रकाशित किया।
- श्रीनगर परिसर की सुश्री गुलिस्तां ने जामिया मिलिया इस्लामिया के 2025 में ललित कला संकाय द्वारा आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: कायाकल्प वस्त्र: कला की एक दृष्टि' में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- पंचकूला परिसर के श्री प्रमोद कुमार ने 22 मार्च 2025 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत विकास में बहु-विषयक अनुसंधान और वर्तमान रुझान" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसका विषय था - शून्य-अपशिष्ट अवधारणा के साथ टिकाऊ बहुक्रियाशील बच्चों के वस्त्रों का डिज़ाइन तैयार करना।
- पंचकूला परिसर की सुश्री रूही मुंजियाल ने 23 से 26 अप्रैल, 2024 तक दक्षिण कोरिया के इवा वूमन्स विश्वविद्यालय में आयोजित 26वें वार्षिक IFFTI सम्मेलन में "जनरेटिव AI और सेलिब्रिटी/पब्लिक फिगर इमेज स्टिमुलेशन लाइसेंसिंग और फैशन उद्योग के लिए इस व्यवस्था का क्या अर्थ होगा" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

फैशन एवं लाइफस्टाइल उपसाधन

फैशन और लाइफस्टाइल उपसाधन प्रोग्राम डिज़ाइन पेशेवरों को अंतर्निहित फैशन ज्ञान के साथ तैयार करता है, ताकि लाइफस्टाइल उत्पादों के बहुमुखी क्षेत्र में नवाचारों की पेशकश की जा सकें, जिसमें आभूषण, व्यक्तिगत उत्पाद, विभिन्न स्थानों के लिए सहायक उपकरण, फर्नीचर, सामान और उत्पादों के साथ अनुभव के साथ अन्य उत्पाद शामिल हैं। इसे नवीनतम रुझानों के अनुसार घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की अपेक्षाओं को पूरा करते हुए सभी देशों और संस्कृतियों में समकालीन जीवन शैली की जरूरतों के लिए तैयार किया जाता है। यह कार्यक्रम सौंदर्य अनुभव बनाने में एक शक्तिशाली व्यक्तिगत अभिव्यक्ति की दिशा में नए विचारों, सामग्रियों और नवीनतम तकनीक के साथ काम करने और अन्वेषण, प्रौद्योगिकी और विचारशील प्रयोग की यात्रा के माध्यम से डिज़ाइन पेशेवरों को तेजी से बदलते भविष्य के परिदृश्य की क्षमता के साथ डिज़ाइन की प्रासंगिकता में आकार देता है। वर्तमान में बेंगलुरु, भुवनेश्वर, भोपाल, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कोलकाता, मुंबई, पटना, रायबरेली, शिलांग और श्रीनगर नामक 15 निफ्ट परिसरों में यह एक प्रमुख विभाग के रूप में उभरा है, जिसने विविध फैशन दिशाओं में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है और जीवन शैली उत्पादों के हस्तशिल्प और औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ा है।

पाठ्यक्रम एवं पेशकश

यह कार्यक्रम ज्ञान के आधार के एक स्पेक्ट्रम और रचनात्मक विचारों की अनुभूति में अनुवाद के माध्यम से अधिगम का प्रसार करता है। व्याख्यान, सामग्री और प्रौद्योगिकी के साथ तकनीकी अन्वेषण, अनुसंधान, पारंपरिक और समकालीन प्रणालियों के लाइव अध्ययन, शिल्प समूहों में काम करने के साथ-साथ स्मार्ट डिजिटल उपकरणों और प्रणालियों का उपयोग करने के साथ-साथ एक व्यावहारिक दृष्टिकोण आदि शिक्षार्थियों को जीवन शैली उत्पादों के लिए समकालीन बाजार की तेजी से बदलती जरूरतों के अनुकूल बनाने के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी को संभालने में मदद करता है। पाठ्यक्रम अपने प्रवचनों के भीतर सामग्री प्रबंधन, रचनात्मक अन्वेषण, डिज़ाइन थिंकिंग और प्रक्रिया, प्रोटोटाइप के लिए विचारों की प्रस्तुति, डिज़ाइन में एकीकृत अनुसंधान और सामाजिक सरोकार, टिकाऊ प्रथाओं और जीवन शैली सहायक उत्पादों के विपणन पर केंद्रित है। इस प्रकार रूप, सामग्री और रंगों को संभालना सीखने के साथ शुरुआत करते हुए, नवोदित डिज़ाइनरों को आभूषण डिज़ाइन, सजावट और डिज़ाइन और कार्यात्मक फैशन सहायक उपकरण से संबंधित अपने चुने हुए जीवनपथ में गहरी विशेषज्ञता के बारे में जानकारी दी जाती है। पाठ्यक्रम शिल्प के अध्ययन को उचित प्रासंगिकता प्रदान करता है जो हमारे देश की विरासत बने हुए हैं और इतिहास में जीवन शैली के लिए उत्पादों का उद्गम स्थल बने हुए हैं और निर्यात में सबसे बड़े अवसरों में से एक प्रदान करते हैं। सलाहकारों द्वारा विद्यार्थियों को सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों के दायरे में स्वतंत्र सोच और समकालीन बाजार के लिए डिज़ाइन करने के लिए आत्मविश्वास से उभरने की ओर मार्गदर्शन किया जाता है ताकि उद्देश्यपूर्ण डिज़ाइन समाधानों के साथ समाज में वापस योगदान दिया जा सकें।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएं

- डॉ. शिप्रा रॉय, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट बेंगलुरु ने 2 जुलाई, 2024 को सुबह 11.00 बजे, डीसीएच कार्यालय, बेंगलुरु में राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 के लिए चयन समिति के लिए दक्षिणी क्षेत्र के संबंध में मास्टर शिल्पकारों की प्रविष्टियों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए क्षेत्रीय स्तर की चयन समिति की बैठक में भाग ली।
- निफ्ट बेंगलुरु के सभी एफ एंड एलए संकाय सदस्यों ने निम्नलिखित विभिन्न सतर्कता सेमिनार/कर्मयोगी पाठ्यक्रमों में भाग लिया-
  क) सभी के लिए जेन ए1 (पाठ्यक्रम प्रदाता: फ्रैक्टल);
  ख) मिशन कर्मयोगी (पाठ्यक्रम प्रदाता: कर्मयोगी भारत);

ग) कार्यक्षेत्र में महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पाठ्यक्रम प्रदाता: आईएसटीएम)।

- निफ्ट भोपाल के सहायक प्रोफेसर श्री मोहम्मद रिजवान अहमद ने 1 जनवरी 2025 से 5 जनवरी 2025 तक निफ्ट, मुंबई में "आर्ट डिज़ाइन एंड एस्थेटिक" (एडीए) पर एक टीओटी में भाग लिया। उन्होंने 3 जनवरी 2025 से 7 जनवरी, 2025 तक जवाहर कला केंद्र, जयपुर में "क्रिएटिव स्पार्क्स" नामक चित्रों और मूर्तियों की एक समूह कला प्रदर्शनी में भाग लिया।
- निफ्ट हैदराबाद के प्रोफेसर डॉ. जी. चिरंजीवी रेड्डी ने निम्नलिखित कार्यशाला और संगोष्ठी में भाग लिया:
  26 सितंबर से 28 सितंबर 2024 तक तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में "हार्टफुलनेस द्वारा मेडिटेशन रिट्रीट" में।
  12 मार्च 2025 को "फ्यूचर ऑफ फैशन एंड एक्सेसरी डिज़ाइन: 3डी, एआई, एआर और वीआर" पर एक ऑनलाइन सेमिनार में।
- निफ्ट हैदराबाद की सहायक प्रोफेसर डॉ. हरिवर्धिनी ने 7 फरवरी, 2025 को डिज़ाइन संगम @आईकेईए में भाग लिया ।
- जोधपुर के सहायक प्रोफेसर श्री विजंदर कुमार ने निम्नलिखित विभिन्न कार्यशालाओं और पाठ्यक्रमों में भाग लिया:
  एमएस कार्यालय के साथ चैट जीपीटी और एआई हैक्स पर तीन घंटे की कार्यशाला;
  मई 2024 में आईआईटी दिल्ली द्वारा डिज़ाइन थिंकिंग एंड इनोवेशन पर छह महीने का पाठ्यक्रम पेश किया गया था, और कर्म योगी पहल के तहत कुछ ऑनलाइन पाठ्यक्रम जैसे - क) सभी के लिए जनरल एआई, ख) आईएसटीएम द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, ग) मिशन कर्मयोगी को समझना, घ) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा मिशन लाइफ पर ओरिएंटेशन मॉड्यूल, ङ) मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा कार्यस्थल पर योग ब्रेक, च) वाधवानी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों का परिचय, छ) भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा साइबर स्पेस में सुरक्षित रहें - आई4सी, ज) आईएसटीएम द्वारा सरकारी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता भी प्रस्तुत किया।
- निफ्ट कोलकाता की सहायक प्रोफेसर सुश्री तुलिका सैकिया ने 30 सितंबर 2024 और 1 अक्टूबर 2024 को सीएसएसपी द्वारा आयोजित "अपना पहला शोध पत्र कैसे लिखें" पर एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया ।
- निफ्ट कोलकाता के सहायक प्रोफेसर श्री यशवंत कुमार विश्वकर्मा ने 11 जुलाई 2024 को एनर्जी स्वराज फाउंडेशन द्वारा आयोजित "ऊर्जा साक्षरता" पर प्रशिक्षण पूरा किया। उन्होंने 3 सितंबर से 7 सितंबर 2024 तक "अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाना: एनईपी, स्वायत्तता और आईपीआर विकास का रणनीतिक कार्यान्वयन" पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने 2 दिसंबर 2024 को "एआई-आधारित इंटीरियर डिज़ाइन" पर 2 घंटे के ऑनलाइन प्रशिक्षण में भी भाग लिया।
- निफ्ट कोलकाता की सहायक प्रोफेसर डॉ. सात्यकी रॉय ने 2 से 4 जनवरी 2025 तक निफ्ट मुंबई परिसर में "आर्ट डिज़ाइन सौंदर्यशास्त्र" पर एक ऑफ़लाइन टीओटी में भाग लिया।
- निफ्ट मुंबई की सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी रानी ने ऑनलाइन के माध्यम से निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में भाग लिया :
  2 मई 2024 को क्लारा ग्रेनेल द्वारा आयोजित "मास्टरिंग डेटा विज़ुअलाइज़ेशन",
  5 मई 2024 को फ्रैक्टल एनालिटिक्स एकेडमिक द्वारा आयोजित "डेटा स्टोरीटेलिंग",
  25 अक्टूबर 2024 को "इमर्जिंग टेक्नोलॉजी से परिचय"
  27 अक्टूबर 2024 को आईजीओटी कर्मयोगी पर राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के अवसर पर फ्रैक्टल द्वारा आयोजित "जेन एआई फॉर एवरीवन";
  कुछ ऑनलाइन कार्यशालाएं भी थे जिनमें उन्होंने भाग लिया जैसे -: क) 10 जनवरी से 26 जनवरी 2025 तक एनपीटीईएल द्वारा आयोजित आईआईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर पंकज जलोटे द्वारा आयोजित "प्रभावी शिक्षण कार्यशाला"। ख) 1 फरवरी से 5 फरवरी 2025 और 1 मार्च से 6 मार्च 2025 तक ग्लोबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर, चेन्नई द्वारा आयोजित "एआई के साथ अनुसंधान पद्धति" में। इसके अतिरिक्त उन्होंने 28 अगस्त 2024 से 30 अगस्त 2024 तक आईसीएपीआईई 2024 सम्मेलन (ऑनलाइन) और 31 जनवरी 2025 को "सीरियस गेम डिज़ाइन" पर एक वेबिनार में भी भाग लिया।
- श्री श्रीपति भट, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने निम्नलिखित ऑनलाइन सत्रों में भाग लिया:
  21 जून 2024 को सेंटर फॉर रिसर्चर ट्रेनिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन जैन (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी) द्वारा आयोजित "अनुसंधान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स" पर एक व्याख्यान सत्र में;
  28 अक्टूबर 2024 को आईजीओटी कर्मयोगी पर राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के अवसर पर कर्मयोगी भारत द्वारा संचालित एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम, मिशन कर्मयोगी में;
  सेंटर फॉर रिसर्चर ट्रेनिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन जैन (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा 25 जनवरी 2025 से 22 फरवरी 2025 तक 10 घंटे का कौशल विकास कार्यक्रम (कार्यशाला) में।
- निफ्ट मुंबई के सहायक प्रोफेसर श्री सोमनाथ माने ने 28 अक्टूबर 2024 को आईजीओटी कर्मयोगी पर राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के अवसर पर आईएसटीएम द्वारा आयोजित "कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम" नामक एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- निफ्ट पटना की सहायक प्रोफेसर सुश्री रागिनी रंजना ने जुलाई 2024 में मंजूषा में 2 सप्ताह की अवधि के लिए शिल्प और वीएम पर फोकस अध्ययन के साथ अपने संकाय उद्योग से जुड़े कार्य को सफलतापूर्वक पूरा की।
- सुश्री रागिनी रंजना, सहायक प्रोफेसर, और श्री विश्वजीत कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट पटना ने 1 से 4 जनवरी 2025 तक निफ्ट मुंबई में आयोजित "आर्ट डिज़ाइन एंड एस्थेटिक" पर एक टीओटी को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- निफ्ट शिलांग के सहायक प्रोफेसर डॉ. टी. मोआसुनेप जमीर ने 8 से 11 मई 2024 तक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) शिलांग द्वारा आयोजित "पूर्वोत्तर क्षेत्र के उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण और अनुसंधान" विषय पर एक समर स्कूल में भाग लिया।
- श्री अरविंद कुमार मधेशिया, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट श्रीनगर ने 27 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जम्मू में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के तहत आयोजित एक पोषण भविष्य नेतृत्व कार्यक्रम (एनईएलपी) में भाग लिया और उन्होंने 10 से 22 फरवरी 2025 तक स्टोनमेन क्राफ्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मुरादाबाद, प्रदेश में एक संकाय उद्योग अनुलग्नक (एफआईए) में भी भाग लिया।

संकाय उपलब्धियां एवं विकास

- निफ्ट बेंगलुरु के एसोसिएट प्रोफेसर श्री शरणबसप्पा ने 3 मई,

2024 को मैसर्स स्नाइपर सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस, ऑटोडेस्क गोल्ड पार्टनर, वेन्यू बीइंग रेनेसां बेंगलुरु द्वारा आयोजित "त्वरित डिज़ाइन और उत्पाद विकास" सम्मेलन में भाग लिया।

- निफ्ट बेंगलुरु की सहायक प्रोफेसर डॉ. शिप्रा रॉय ने छापनिफ्ट@दिल्लीहाट कार्यक्रम के लिए 31 अगस्त 2024 से 4 सितंबर 2024 तक निफ्ट, नई दिल्ली की यात्रा की।
- निफ्ट बेंगलुरु की सहायक प्रोफेसर सुश्री चारू तिवारी को 9 अक्टूबर, 2024 को आदित्य बिड़ला समूह के नोवेल ज्वेल्स द्वारा "डिज़ाइनर नेक्स्ट कॉन्टेस्ट एंट्रीज" के जज के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- एनआईएफटी बेंगलुरु की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शिप्रा रॉय को आईआईटी हैदराबाद में 8 से 10 जनवरी 2025 तक आयोजित डिज़ाइन में अनुसंधान पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओआरडी'25) में पेपर प्रस्तुतियों के दौरान संयुक्त रूप से "कारीगरों के बीच स्थिरता और लचीलापन - मैसूर रोजवुड इनले क्राफ्ट में ज्ञान के संचरण का एक केस स्टडी" शीर्षक वाले उनके पेपर के लिए प्रतिष्ठित पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- निफ्ट भोपाल के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रभात कुमार को निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के साथ-साथ हिंदी दिवस, 2024 के दौरान आयोजित चित्र विवरण प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।
- निफ्ट चेन्नई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कौस्तव सेनगुप्ता ने 4 जुलाई और 5 जुलाई, 2024 को आईटीसी ग्रैंड चोला, चेन्नई में एशिया यंग डिज़ाइनर अवार्ड्स (एवाईडीए) के अंतर्राष्ट्रीय फिनाले में भाग लिया, जो एनआईपीएसईए समूह का एक प्रमुख कार्यक्रम है। यह युवा आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिज़ाइनरों के लिए लक्षित है। उन्होंने 18 सितंबर 2024 को नई दिल्ली में फैशन और रंग के बारे में भाषण देते हुए पैनटोन के टेक्सटाइल सेमिनार कार्यक्रम में निफ्ट विजननेक्स्ट का प्रतिनिधित्व भी किया।
- निफ्ट चेन्नई के सहायक प्रोफेसर श्री उदयराज ने 7 अगस्त, 2024 को निफ्ट सभागार में हैंडलूम डे फैशन वॉक प्रतियोगिता में भाग लिया और विशेष पुरस्कार जीता।
- श्री के मुरुगन, सहायक प्रोफेसर, और श्री दोरजी टी वांगडी, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट दिल्ली ने विशेष रूप से वंदे भारत ट्रेन के लिए ब्रांडिंग और पैकेजिंग के लिए आईआरसीटीसी के साथ संयुक्त रूप से एक परियोजना को निष्पादित किया।
- डॉ. जी. चिरंजीवी रेड्डी, प्रोफेसर, निफ्ट हैदराबाद ने निम्नलिखित सम्मेलनों और सेमिनारों में भाग लिया:

  23 फरवरी 2025 को "सतत विकास लक्ष्य 2030: अंतराल को पाटना, विकसित BHARAT@2047 के लिए भविष्य का निर्माण" (वर्चुअल) (यूट्यूब और फेसबुक पर लाइव-स्ट्रीम);

  "आधुनिक लक्जरी डिज़ाइन में शिल्प" पर एक पैनल चर्चा।

  इसके अतिरिक्त उन्होंने विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया जैसे :-

  17 अक्टूबर 2024, निफ्ट, जोधपुर को "डिज़ाइन शिक्षा में प्रभावी सीखने के अनुभवों का निर्माण" पर आधारित कार्यशाला।

  26 अक्टूबर 2024 को, पीजेटीएसएयू, तेलंगाना में "प्लेइंग विद मैथ: शेप्स एंड स्पेस थ्रू ओरिगेमी एंड किरिगेमी" पर आधारित कार्यशाला।

  "पुनरुत्थान और नवीनीकरण - हथकरघा और हस्तशिल्प," 21 अक्टूबर 2024, नाबार्ड ग्रामीण प्रदर्शनी पर आधारित कार्यशाला।

  योग और व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएं, 8 फरवरी से 9 फरवरी 2025 को नारायण इंग्लिश मीडियम स्कूल और गवर्नमेंट हाई स्कूल, आंध्र प्रदेश में योग और व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएं।

  एसडीजी 2030 सम्मेलन में अनुसंधान प्रस्तुति के लिए उन्हें वेदांत नॉलेज सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शील्ड से सम्मानित किया गया था। उन्होंने हार्टफुलनेस इंटरनेशनल सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय योग शिक्षक प्रशिक्षण पूरा किया, और वह एक प्रमाणित अंतर्राष्ट्रीय योग शिक्षक बन गए। श्री रेड्डी भारत की तेलंगाना राज्य सरकार की टी वर्क्स डिज़ाइन सलाहकार परिषद (डीएसी) के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।
- निफ्ट हैदराबाद के सहायक प्रोफेसर डॉ. हरिवर्धिनी ने 4 -5 मार्च, 2025 को एफएंडएलए विभाग, निफ्ट हैदराबाद में एफडीडीआई हैदराबाद के छात्रों और शिक्षकों के लिए 'मेटल' पर आधारित एक कार्यशाला का आयोजन किया। उन्हें 10-11 नवंबर, 2025 के लिए निर्धारित वॉक्सेन एडवाइजरी बोर्ड-एनएफएससी 2025, फैशन एज ए टूल फॉर सोशल चेंज के लिए आमंत्रित किया गया था। मिस्र के ब्रिटिश विश्वविद्यालय और मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी जैसे दो प्रमुख ज्ञान भागीदारों के सहयोग से वोक्ससेन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड डिज़ाइन द्वारा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने 8 से 10 जनवरी, 2025 तक आईसीओआरडी 2025 में एक सत्र की अध्यक्षता भी की और सम्मेलन की अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति की सदस्य रहीं।
- डॉ. हरीश कुमार बंगा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कांगड़ा ने निम्नानुसार विभिन्न पेटेन्ट हासिल किए–

  क) "पीईआईएस 2025 के तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य और समीक्षक" (अंतर्राष्ट्रीय कनाडाई कॉपीराइट पेटेंट 2025) के रूप में।

  ख) "आईटी क्लासरूम मॉनिटरिंग डिवाइस" (राष्ट्रीय डिज़ाइन पेटेंट 2025 प्रदान किया गया);

  ग) "आईओटी-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण प्रणाली" (राष्ट्रीय डिज़ाइन पेटेंट 2025 प्रदान किया गया)

  घ) "बायोडिग्रेडेबल नैनोपार्टिकल्स ड्रग डिलीवरी डिवाइस" (राष्ट्रीय डिज़ाइन पेटेंट 2025 प्रदान किया गया)

  ङ) "6जी वायरलेस सिस्टम के लिए एआई नेटवर्क ऑप्टिमाइजेशन" (5 अक्टूबर 2024 को कनाडाई कॉपीराइट पेटेंट प्रदान किया गया)।

  इसके अलावे वह विभिन्न संपादकीय बोर्ड और कार्यक्रम समिति के सदस्यों के साथ भी जुड़े। जैसे - क) एनआईटी कुरुक्षेत्र द्वारा 13 नवंबर 2024 से 17 नवंबर 2024 तक आयोजित 'एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में हालिया प्रगति: अनुप्रयोगों के लिए मौलिक ' (आरएएएम-2024) पर ऑनलाइन एसटीसी के साथ।

  ख) सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज द्वारा 9 दिसंबर 2024 से 14 दिसंबर 2024 तक आयोजित "एसडीजी लक्ष्यों की दिशा में हरित संचार प्रणालियों में डिज़ाइन सोच और सतत नवाचार" पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में।

  ग) ग्लोबल फोरम फॉर सस्टेनेबल रूरल डेवलपमेंट और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मलंग, इंडोनेशिया द्वारा 16 नवंबर 2024 से 15 दिसंबर 2024 तक "ग्रामीण विकास परियोजना प्रबंधन" विषय पर आधारित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय लघु पाठ्यक्रम में।

  घ) विश्वकर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा 3 से 8 फरवरी 2025 तक "स्वास्थ्य सेवा में एआई और स्वस्थ भारत के लिए मेड टेक" आधारित ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में।

  ङ) गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंट टेक्नोक्रेट्स द्वारा 17 से 22

फरवरी 2025 तक "उद्योग 4.0 और उद्योग 5.0 के संदर्भ में उन्नत विनिर्माण" विषय पर आधारित ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में।

च) एनआईटी उत्तराखंड और सॉफ्ट कंप्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी द्वारा मार्च 2025 में आयोजित पीईआईएस 2025 की तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य और समीक्षक के रूप में।

छ) एचकेबीके कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 25 से 29 मार्च 2025 तक "आधुनिक शिक्षण के माध्यम से पढ़ने और सीखने के अंतराल को पाटने" विषय पर आधारित संकाय विकास कार्यक्रम में।

- निफ्ट कोलकाता की सहायक प्रोफेसर सुश्री तूलिका सैकिया को 27 सितंबर 2024 को सिल्क एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था और वह आगामी भारतीय कपड़ा उद्योग के सामान्य रूप से फैशन के रुझान, वस्त्र और मेड-अप, और कपड़े, साथ ही निर्यात पर एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित की गई थीं।
- निफ्ट पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ. विनायक यशराज, गोवा में आयोजित आईएफएफआई 2024 के लिए "फैशन के माध्यम से भारतीय सिनेमा के 100 साल पूरे होने के स्मरण" परियोजना के टीम का हिस्सा थे। इस परियोजना को आईएफएफआई, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित किया गया था। पटना महिला कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय के अंग्रेजी, संस्कृत, हिंदी और उर्दू विभागों द्वारा युवाओं को लक्षित करते हुए उन्हें "डिज़ाइन और फैशन के क्षेत्र में करियर और दायरा" पर एक साक्षात्कार के लिए दूरदर्शन द्वारा उनके वार्षिक सांस्कृतिक-साहित्यिक कार्यक्रम और समापन समारोह "रेजोनेंस के लिए विशिष्ट अतिथि" के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- श्री विश्वजीत कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट पटना, ने निम्नलिखित सम्मेलनों और सेमिनारों में भाग लिया:

क) शिक्षा विभाग और आईक्यूएसी मगध विश्वविद्यालय, बोधगया-824234 (बिहार) द्वारा 26 और 27 अक्टूबर 2024 को "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक मौलिक परिवर्तन" विषय पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी में।

ख) दर्शनशास्त्र विभाग मारवाड़ी कॉलेज भागलपुर टीएमबीयू भागलपुर, बिहार द्वारा 21 से 23 दिसंबर 2024 तक "चिंतंधारा: नारी, संस्कृति हमारी प्रकृति" के 46वां वार्षिक सम्मेलन में।

ग) दर्शनशास्त्र विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची (झारखंड) द्वारा 22 से 24 मार्च 2025 तक "जनजातीय जीवन दर्शन" के 69वां सम्मेलन में।

- निफ्ट रायबरेली के सहायक प्रो. श्री एस.ए. वेंकटसुब्रमण्यन ने 10 से 14 मार्च 2025 तक आयोजित "अनुसंधान का भविष्य: उभरते रुझान और प्रौद्योगिकी" विषय पर आधारित एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- निफ्ट रायबरेली के सहायक प्रोफेसर श्री प्रवीण श्रीवास्तव ने 4 से 8 नवंबर 2024 तक "एआई फॉर इंजीनियरिंग एप्लीकेशन" विषय पर आधारित एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- एनआईएफटी शिलांग के सहायक प्रोफेसर डॉ. टी. मोआसुनेप जमीर को एनआईआईटी शिलांग के सहयोग से "ऑटोमेटेड कंप्यूटर एडेड डिज़ाइन (सीएडी) और कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी)" पर एक सप्ताह के शॉर्ट टर्म कोर्स के संबंध में 4 जून 2024 को एनआईटी मेघालय में "उत्पाद डिज़ाइन में सीएडी" विषय पर एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। वह डिस्कर्न, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिज़ाइन फॉर सोशल चेंज, सस्टेनेबल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप के समीक्षक भी थे।

पीएचडी अध्ययनरत एवं संपन्न

निम्नलिखित व्यक्तियों ने पीएडी थेसिस प्रस्तुत किया:

- सुश्री जयति मुखर्जी, अध्यक्ष और एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट कोलकाता
- सुश्री सुप्रिया यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट भोपाल

अध्ययनरत पीएचडी:

- श्री मोहम्मद रिजवान अहमद, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट भोपाल
- श्री डी. हरीश राजीव, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट भुवनेश्वर।
- श्री सतीश एस, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई।
- सुश्री शीजा नासिर, सहायक प्रोफेसर; सुश्री कनिष्का, सहायक प्रोफेसर; सुश्री रूही प्रिया, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट दिल्ली।
- श्री अभिषेक शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री मनीष शर्मा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर।
- श्री विजंदर कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट जोधपुर।
- सुश्री तूलिका सैकिया, सहायक प्रोफेसर; मृतक यशवंत कुमार विश्वकर्मा, सहायक प्रोफेसर, और श्री अरित्रा रॉय चौधरी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, कोलकाता।
- श्री श्रीपति भट सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई।
- श्री राजेश कुमार, सहायक प्रोफेसर श्रीमती रागिनी रंजना, सहायक प्रोफेसर; श्री धनंजय कुमार, सहायक प्रोफेसर; और श्री बिश्वजीत कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, पटना।
- श्री एस.ए. वेंकटसुब्रमण्यम, एसोसिएट, प्रोफेसर.; श्री प्रवीण श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, और श्री विकास कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट रायबरेली

अनुसंधान पेपर प्रस्तुतियां एवं प्रकाशन

- डॉ. शिप्रा रॉय, एसोसिएट, प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने 8 -10 जनवरी 2025 तक आईआईटी हैदराबाद में आयोजित आईसीओआरडी-25 में संयुक्त रूप से विभिन्न पेपर प्रस्तुत की जिसका अलग-अलग शीर्षक है - क) "जिम्मेदार डिज़ाइन समाधान: एआई छवि जनरेटर और डिज़ाइनरों के बीच रचनात्मकता का तुलनात्मक अध्ययन," ख) "कारीगरों के बीच जीविका और लचीलापन: मैसूर रोजवुड इनले क्राफ्ट में ज्ञान के संचरण का एक केस स्टडी। उन्हें संयुक्त रूप से इस पेपर के लिए एक प्रतिष्ठित पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- निफ्ट चेन्नई की सहायक प्रोफेसर डॉ. शिप्रा रॉय ने 24 से 28 मार्च, 2025 तक लंदन कॉलेज ऑफ फैशन इंस्टीट्यूट में इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट्स के 27वें वार्षिक आईएफएफटीआई सम्मेलन के लिए "टेकिंग क्लासरूम टू द क्राफ्ट क्लस्टर: ए को-क्रिएशन अप्रोच" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुति के लिए 26 से 29 मार्च, 2025 तक लंदन की यात्रा की थी।
- डॉ. शिप्रा रॉय, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने अन्य संकाय सदस्यों के साथ एक अध्याय प्रकाशित किया। सभी पेपर के शीर्षक निम्नानुसार है –

क) फ्युचरिंग डिज़ाइन एजुकेशन, अंक 2 के रूप में 2024 में स्प्रिंगर द्वारा आईएसबीएन 978-981-97-9209-2 आईएसबीएन 978-981-97-9210-8 (ईबुक) HTTPS://DOI.ORG/10.1007/978-981-97-9210-8_30 के साथ प्रकाशित पुस्तक श्रृंखला डिज़ाइन साइंस एंड इनोवेशन में "डिज़ाइन छात्रों के बीच रचनात्मकता मूल्यांकन: रचनात्मक जागरूकता के लिए शिक्षा" ख) फ्युचरिंग डिज़ाइन एजुकेशन,

अंक 1 के रूप में 2024 में आईएसबीएन HTTPS://DOI.ORG/10.1007/978-981-97-9206-1_3इन आईएसबीएन 978-981-97-9205-4 आईएसबीएन 978-97-9206-1(ईबुक) युक्त स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित "डिज़ाइन साइंस एंड इनोवेशन" पुस्तक श्रृंखला में फ्रेमवर्क फॉर इंगेजमेंट ऑफ डिज़ाइनर्स विद आर्टिसनल कम्युनिटि फोस्टर्ड थ्रू डिज़ाइन एजुकेशन"।

- निफ्ट चेन्नई की सहायक प्रोफेसर डॉ. आर. रेशमी मुंशी ने 8 -10 जनवरी 2025 तक आईआईटी हैदराबाद में आयोजित आईसीओआरडी-25 में एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक है - "दो प्रमुख दक्षिण भारतीय महानगरों की महिलाओं के बीच दूसरे जीवन के फैशन उत्पादों पर केस स्टडीज। उन्होंने हैदराबाद में आयोजित सत्र इको 16 की भी अध्यक्षता की। उन्होंने आईसीओआरडी'25 में संयुक्त रूप से पेपर आईडी 1046 के साथ "दो प्रमुख दक्षिण भारतीय महानगरों की महिलाओं के बीच दूसरे जीवन के फैशन उत्पादों पर केस स्टडीज", शीर्षक से एक और पेपर प्रस्तुत किया।
- सुश्री सुप्रिया यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट भोपाल ने कई शोध पत्र प्रकाशित की जो निम्न है – क) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड सोशल साइंस (एनएएएस रेटिंग: 3.66 (2024), एसजेआईएफ इम्पैक्ट फैक्टर: 5.996, आईएसएसएन नंबर: 2394-1413,(2019 तक पूर्व यूजीसी-अनुमोदित जर्नल), अंक 11(5 एवं 6), मई एवं जून(2024): पृष्ठ 196-207, डीओआई: 10.36537/आईजेएएसएस/11.5 एवं 6/196-207 में "नेविगेटिंग चेंज: द इवोल्यूशन ऑफ इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग विद एआई इन इंडियाज न्यू मीडिया लैंडस्कैप " शीर्षक से।

ख) नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की एक पत्रिका, एससीओपीएस-अनुक्रमित और यूजीसी-केयर ग्रुप 2 जर्नल, आईएसओ: 7021-2008 प्रमाणित, आईएसएसएन 1012-3407 है, खंड 12, अंक 11, नवंबर 2024 में, पेपर आईडी: जोओटी-6187, क्रम संख्या 105, पृष्ठ संख्या: 1246-1262, डीओआई:18.15001/जोओटी.2024/वी12आई11.24.981, जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी में "वर्चुअल फैशन इन इंडिया: स्टेटस एंड इफेक्टिविटी" शीर्षक वाला।

ग) नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की एक पत्रिका, एससीओपीएस-अनुक्रमित और यूजीसी-केयर ग्रुप 2 जर्नल, आईएसओ: 7021-2008 प्रमाणित, आईएसएसएन 1012-3407 है, खंड 13, अंक 1, जनवरी 2025 में, पेपर आईडी: जोओटी-6562, क्रम संख्या 49, पृष्ठ संख्या: 563-579, डीओआई:18.15001/जोओटी.2024/वी13आई1.25.1197, जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी में "शेपिंग ट्रेंड्स: हाउ कंज्यूमर बिहेवियर ऑन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंस फैशन इन इंडिया," शीर्षक वाला।

- डॉ. सौमिक हालदार, एसोसिएट, प्रोफेसर, निफ्ट भोपाल ने एक शोध पत्र प्रकाशित किया जिसका शीर्षक है - आईआईएफटी इंटरनेशनल बिजनेस एंड मैनेजमेंट रिव्यू जर्नल, डीओआई: 10.1177/ जेआईआईएफटी.241273718, सेज पब्लिकेशन "डेव्हलपमेंट ए सिस्टम दैट सपोर्ट द कम्यूटर्स एक्सपीरियंस इन हेवी अर्बन ट्रैफिक: केस स्टडी ऑफ दिल्ली, इंडिया"।
- निफ्ट भुवनेश्वर के सहायक प्रोफेसर श्री गोकुल राजूं एम ने जून 2024 में फाइबर2फैशन में प्रकाशित "अनलॉकिंग पोटेंशियल: इंटीग्रेटिंग टेक्निकल टेक्सटाइल्स इन इंडियाज हैंडलूम सेक्टर" शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- डॉ. बीराका चलपति, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने 11 जून 2024 को "मार्केटिंग सस्टेनेबल फैशन पर आधारित उपयोगकर्ता व्यवहार के प्रभाव का एक अनुभवजन्य विश्लेषण" (सलूद,सेंसिया वाई टेक्नोलॉजिया – सीरीज दे कॉनफ्रेंसियास, 2024; 3:883) और "मिलेनियल कंज्यूमर्स स्टांस टुवार्ड सस्टेनेबल फैशन एपारेल" (सलूद,सेंसिया वाई टेक्नोलॉजिया – सीरीज दे कॉनफ्रेंसियास, 2024; 3:885) नामक शीर्षक से एक पेपर प्रकाशन प्रस्तुत किया।
- श्री उदय राज, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट चेन्नई ने कपड़ा और फैशन डिज़ाइनिंग विभाग, केएस रंगासामी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस द्वारा आयोजित "2025 में टेक्सटाइल एंड फैशन में हालिया रुझान" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हैशटैग से वार्डरोब तक: कैसे सोशल मीडिया और एआई युवा फैशन को फिर से परिभाषित कर रहे हैं" विषय पर एक पेपर (ऑनलाइन) प्रस्तुत किया।
- श्री उदय राज, सहायक प्रोफेसर और सुश्री हेमा युवराज, सहायक प्रोफेसर ने पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस के कॉस्ट्यूम डिज़ाइन और फैशन विभाग द्वारा आयोजित परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएफटीएसएटी 2025) में संयुक्त रूप से एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था "रीडिफाइनिंग लक्जरी: द इमर्जेंस ऑफ सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज इन हाई-एंड फैशन"(आईसीएफटीएसएटी2025)।
- निफ्ट हैदराबाद के सहायक प्रोफेसर डॉ. हरिवर्धिनी ने 8 जनवरी से 10 जनवरी 2025 तक आईआईटी हैदराबाद में "समाज के लिए जिम्मेदार और लचीला डिज़ाइन", स्प्रिंगर द्वारा आईसीओआरडी 2025 की कार्यवाही, श्रृंखला का नाम: डिज़ाइन में अनुसंधान पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीओआरडी'25 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- निफ्ट हैदराबाद के प्रोफेसर डॉ. जी. चिरंजीवी रेड्डी ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्ट्स, आर्किटेक्चर एंड डिज़ाइन, जनवरी 2025, वॉल्यूम 3, नंबर 1 में "भारतीय डिज़ाइन शिक्षा में रचनात्मकता का पालन: अंतर्दृष्टि और एक वैचारिक माइंड मैप" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- श्री विजंदर कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट जोधपुर, निम्न दो पत्रों के सह-लेखक हैं।
  "पारंपरिक लकड़ी की नक्काशी: अरुणाचल प्रदेश में वांचो जनजातियों की कालातीत धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक प्रथाओं का संरक्षण। यह पेपर 3 अक्टूबर से 5 अक्टूबर, 2024 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन अनरेवेलिंग इंडियन नॉलेज एक्रॉस एशिया (यूएनआईकेएए'24) में प्रस्तुत किया गया था।
  "कोटा डोरिया शिल्प में कौशल संरक्षण पर पारिवारिक संरचनाएं और इसका प्रभाव।
  ये पेपर 13 फरवरी से 14 फरवरी 2025 तक जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (जेसीकेआईएफ), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में आयोजित ट्रेडिशन एंड ट्रांजिसनः सस्टेनिंग इंडिजेनस स्किल्स एंड सोसल इकोनॉमी मोबिलिटि रोड टु विकसीत भारत@2047 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था।
- डॉ. हरीश कुमार बंगा, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कांगड़ा ने विविध प्रकार के पत्र प्रकाशित किया जो निम्नानुसार है:

क) जर्नल पब्लिशर क्यूरियस, स्प्रिंगर (आईएफ-1.1), वॉल्यूम 17, अंक 2 पब्लिशर क्यूरियस 2025 में "द ओरल माइक्रोबायोम एंड सिस्टमिक हेल्थ: ब्रिजिंग द गैप बिटवीन डेंटिस्ट्री एंड

मेडिसिन"; शीर्षक का प्रकाशन।

ख) "सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों में रूफटॉप सोलर पोटेंशियल: डिसीजन मेकिंग अप्रोच बाय रिन्यूएबल एनर्जी टैपिंग इन इनसाइट" जर्नल सोलर एनर्जी, वॉल्यूम 276, एल्सेवियर (आईएफ 6.0), वॉल्यूम 276, 1 जुलाई 2024, पेज 112692 में प्रकाशन किया गया।

ग) स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, एआई एंड एमएल, इंडस्ट्री 5.0 और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड एनर्जी फॉर द फ्यूचर 2025 (आईएसस्माइल 2025), वॉल्यूम 1, अंक 1, नवंबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी में "3डी प्रिंटिंग द्वारा फैशन उत्पाद निर्माण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका" शीर्षक का प्रकाशन किया गया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने विभिन्न पुस्तकों के अध्याय भी प्रकाशित किया:

"कृषि में डेटा एनालिटिक्स: भविष्य कहनेवाला मॉडल और वास्तविक समय निर्णय लेना (पुस्तक अध्याय), सितंबर 2024, प्रकाशक - जर्नल स्मार्ट एग्रीटेक: रोबोटिक्स, एआई, और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) इन एग्रीकल्चर, पृष्ठ 169-200, प्रकाशक जॉन विले एंड संस, इंक.;

विनिर्माण प्रक्रिया (पुस्तक);

मेकाट्रोनिक्स (पुस्तक);

अक्टूबर 2024 में रैपिड प्रोटोटाइप (बुक), एसआईपीएच पब्लिशर्स इंडिया।

- श्री अरित्रा रॉय चौधरी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट कोलकाता, प्रकाशित पुस्तक अध्याय (अध्याय 18) के सह-लेखक हैं जो कि निम्न है –

"क्राफ्टिंग द ट्रेडिशनल नॉलेज ऑफ डोकरा: एन इंटरव्यू ऑन नेचर इन्फ्लुएंस इन रीजनल क्राफ्ट प्रैक्टिस विद मास्टर आर्टिजर्स ऑफ दरियापुर, पश्चिम बंगाल," पुस्तक: ट्रेडिशनल क्राफ्ट्स ऑफ इंडिया [शिल्पा सदान विभाग, विश्व भारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), श्रीनिकेतन - 731236, पश्चिम बंगाल, भारत]। पहला संस्करण: मार्च 2025, आईएसबीएन: 978-81-952759-5-3, प्रकाशक: क्रिएटिव इनकॉर्पोरेट, कोलकाता।

- डॉ. पल्लवी रानी, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट मुंबई ने विभिन्न शोध लेख प्रकाशित की जो निम्नानुसार है:

पांडुलिपि एम्पावरिंग रूरल वीमेन: ए स्टडी ऑफ एग्रीकल्चरल डायनेमिक्स एंड सोशल इम्प्लीकेशंस इन अपर असम, इंडिया," 1 अक्टूबर 2024 को जर्नल ऑफ नामीबियन स्टडीज: हिस्ट्री पॉलिटिक्स कल्चर, वॉल्यूम 42, स्कोपस इंडेक्सिंग में प्रकाशित किया गया।

19 अक्टूबर 2024 को जर्नल ऑफ शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, वॉल्यूम 05 में "पांडुलिपि इंडियन स्क्रॉल पेंटिंग्स एज इलस्ट्रेशन" प्रकाशित किया गया।

इन फ्युचरिंग डिज़ाइन एडुकेशन, डिज़ाइन साइंस एंड इनोवेशन, स्प्रिंगर, सिंगापुर खंड 2. एफडीई 2024, पृष्ठ संख्या 29-38, 11 फरवरी 2025 में "नया औपचारिक विश्लेषण: सामुदायिक कला रूप की दृश्य विशेषताओं की पहचान करने के लिए एक पद्धति," का प्रकाशन किया गया।

- श्री धनंजय कुमार, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट पटना ने 24-27 जुलाई, 2024 (HTTP://AHFE.ORG) को यूनिवर्सिटी कोटे डी'ज़ूर, नीस, फ्रांस में आयोजित 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और संबद्ध सम्मेलनों में "मल्टी-लेयर्ड प्लास्टिक वेस्ट को अपसाइकल्ड फंक्शनल आर्ट में बदलना: प्लास्टिक रीसाइक्लिंग के लिए एक सतत दृष्टिकोण" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया। उन्होंने अन्य संकाय सदस्यों के साथ एक और पेपर भी प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक है- "बिहार में पब्लिक ओपिनियन एंड डिजिटल मीडिया डायनेमिक्स के बीच इंटरप्ले", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव साइंस एंड रिसर्च टेक्नोलॉजी, खंड 9, अंक 7 माह - जुलाई, 2024।

- सुश्री रागिनी रंजना, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट पटना ने विविध प्रकार के पेपर प्रस्तुत की जो निम्नानुसार है –

19 और 20 अक्टूबर 2024 को आईआईटी रुड़की और क्वींस यूनिवर्सिटी कनाडा द्वारा आयोजित आईडियासेज 24 में "पेट ह्यूमनकरण: एन एम्पर्ट फॉर इनक्लूसिविटी ऑफ पेट ऑन ट्रैवल" विषय पर पेपर की प्रस्तुती।

13 नवंबर से 15 नवंबर 2024 तक न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात द्वारा आयोजित 13वें ईएआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: आर्ट्स आईटी, इंटरएक्टिविटी एंड गेम क्रिएशन में "नए मीडिया के लिए लघु चित्रकला की अनुकूलनशीलता की खोज"; विषय पर पेपर की प्रस्तुती।

आईआईटी हैदराबाद और आईआईएससी बैंगलोर द्वारा 8 से 10 जनवरी 2025 तक आयोजित आईसीओआरडी'25 में "खोबर घर का लाक्षणिक विश्लेषण, विषय पर पेपर की प्रस्तुती।

आईआईटी हैदराबाद और आईआईएससी बैंगलोर द्वारा 8 से 10 जनवरी 2025 तक आयोजित आईसीओआरडी'25 में "ए जर्नी: फ्रॉम रिचुअल्स टू मिथिला पेंटिंग टू मधुबनी पेंटिंग टू स्कूल ऑफ आर्ट" विषय पर पेपर की प्रस्तुती।

- निफ्ट रायबरेली के सहायक प्रोफेसर श्री एस.ए. वेंकटसुब्रमण्यन ने 27 और 28 फरवरी 2025 को "व्हील चेयर उपयोगकर्ताओं के लिए परिधान बन्धन नवाचार में सुधार ड्रेसिंग इंडिपेंडेंस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "2के25 पर वस्त्र और फैशन में नवीनतम रुझान" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

- निफ्ट रायबरेली के सहायक प्रोफेसर श्री प्रवीण श्रीवास्तव और श्री विकास कुमार ने 18 फरवरी 2025 को अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका "क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स" में संयुक्त रूप से "आर्टिस्टिक जेनेसिस इन वाराणसी: डेसिफेरिंग द क्रिएटिव प्रोसेस बिहाइंड सॉफ्ट स्टोन जौई क्राफ्ट्समैनशिप एंड डिज़ाइन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- निफ्ट रायबरेली के सहायक प्रोफेसर श्री विकास कुमार ने 2025 में अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका "क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स" में "बनारसी सिल्क: एक आधुनिक उद्योग में पारंपरिक शिल्प कौशल को संरक्षित करने पर एक आपूर्ति श्रृंखला परिप्रेक्ष्य" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

- डॉ. टी. मोआसुनेप जमीर, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट शिलांग ने आईआईटी गुवाहाटी में 3 अक्टूबर से 5 अक्टूबर 2024 के बीज एशिया भर में भारतीय ज्ञान को उजागर करना (यूएनआईकेएए'24), "पारंपरिक लकड़ी की नक्काशी: अरुणाचल प्रदेश में वांचो जनजातियों के कालातीत धार्मिक विश्वासों और सांस्कृतिक प्रथाओं का संरक्षण" और मई 2024 में डिस्कवर अप्लाईड साइंसेस(स्प्रिंगर) में"ऑटोमोटिव स्ट्रक्चरल कंपोनेंट्स के लिए ई-ग्लास/पॉलिएस्टर कंपोजिट के रेंगने वाले प्रतिरोध की जांच" HTTPS://DOI.ORG/10.1007/S42452-024-05977-0 और बी) शीर्षक से अन्य सदस्यों के साथ अनुसंधान लेख प्रकाशित किया।

निटवियर डिज़ाइन

निटवियर डिज़ाइन विभाग फैशन परिधान और सहायक उपकरण उद्योग के निटवियर क्षेत्र के लिए विशेष डिज़ाइन पेशेवरों की आवश्यकता को पूरा करता है। विभाग विद्यार्थियों को बुने हुए फैशन कपड़ों और उत्पादों के डिज़ाइन और निष्पादन के लिए एक व्यापक अनुभव प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में फाउंडेशन कपड़ों से लेकर बाहरी कपड़ों तक कई खंड शामिल हैं। विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी जानकारी और विस्तृत डिज़ाइन पद्धतियों पर इनपुट दिए जाते हैं ताकि वे फैशन में नवीनतम रुझानों और पूर्वानुमानों के साथ बने रहें। विभाग विद्यार्थियों को पेशेवरों के रूप में विकसित होने में सक्षम बनाता है जो कपड़े के डिज़ाइन से लेकर उत्पाद प्राप्ति तक बुना हुआ कपड़ा फैशन के सभी पहलुओं को संभाल सकते हैं। बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली जैसे परिसरो में निटवियर डिज़ाइन विभाग के 47 संकाय सदस्य हैं।

पाठ्यक्रम और प्रस्तुति

ज्ञान और कौशल में चार साल के समामेलित प्रदर्शन के माध्यम से, एक निटवियर डिज़ाइनर रचनात्मक सोच, मजबूत तकनीकी कौशल और फ्लैट बुनाई, वृत्ताकार बुनाई और कम्प्यूटरीकृत बुनाई के संबंध में एक गतिशील बाजार अभिविन्यास के मिश्रण के साथ उभरना चाहता है। विद्यार्थी बुने हुए कपड़े की सभी श्रेणियों के लिए काम करने की क्षमता हासिल करते हैं। उन्हें मेन्स वियर, वुमेन वियर, किड्स वियर, लेजर वियर और विंटर वियर इत्यादि जैसे निटवियर कपडें के सभी श्रेणियों के लिए कार्य करने की क्षमताओं की आवश्यकता है।

सक्रिय या स्पोर्ट्सवियर, फ्लैट बुनाई, अधोवस्त्र और अंतरंग परिधान जैसे सबसे तेजी से बढ़ती श्रेणियों में विद्यार्थियों को गहरी विशेषज्ञता की पेशकश की जा रही है। विद्यार्थियों को शिल्प क्लस्टर पहल के माध्यम से एक शिल्प वातावरण से भी अवगत कराया जाता है, जो उन्हें पारंपरिक प्रथाओं के प्रति संवेदनशील बनाता है।

अंतरंग परिधान विशेषज्ञता का उद्देश्य विद्यार्थियों को निटवियर के अंतरंग परिधान खंड में विशेषज्ञता का अवसर प्रदान करना है। विद्यार्थी नवीनतम रुझानों, पूर्वानुमानों, डिज़ाइन सौंदर्य और प्रसिद्ध सहकर्मी कार्यों से प्रेरणा लेते हुए, अंतरंग परिधान संग्रह की अवधारणाओं का डिज़ाइन प्राप्त करेगा हैं। यह डिज़ाइनिंग और निर्माण तकनीकों के तकनीकी पहलुओं को सीखकर अंतरंग परिधान उत्पादों को विकसित करने की गुंजाइश प्रदान करता है।

स्पोर्ट्सवियर विशेषज्ञता निटवियर डिज़ाइन के विद्यार्थी के लिए खेल की विभिन्न श्रेणियों की विविध कार्यात्मक और सौंदर्य आवश्यकताओं के लिए डिज़ाइन सौंदर्यशास्त्र को समझने और अवधारणा करने के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।

फैशन के लिए फ्लैट निट्स - निटवियर डिज़ाइन विभाग के स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए फ्लैट बुनाई वाली फैशन में विशेषज्ञता प्रदान करता है। विद्यार्थी रुझान, पूर्वानुमान तकनीक, परिधान के लिए उत्पाद विकास और घर की साज-सज्जा सीखेंगे। वे टिकाऊ सामग्री, हाथ बुनाई, क्रोकेट, फ्लैट बुनाई का अध्ययन करेंगे। फ्लैट निट्स में क्रिएटिव डिज़ाइन प्रोजेक्ट विद्यार्थियों को स्थिरता पर विचार करते हुए फ्लैट बुनाई उत्पादों के लिए अद्वितीय अवधारणाओं को विकसित करने की अनुमति देता है। विशेषज्ञता विद्यार्थियों को टिकाऊ प्रथाओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जैसे कि जैविक या पुनर्नवीनीकरण यार्न का उपयोग करना, अपशिष्ट को कम करना और पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों को अपनाना। इन कौशलों के संयोजन से, विद्यार्थी एक स्थायी दृष्टिकोण के साथ फ्लैट निट्स के बारे में सीखेंगे।

बच्चों के पहनावे - निटवियर डिज़ाइन विभाग के बच्चों के पहनने की विशेषज्ञता छात्रों को विशेष रूप से बच्चों के लिए कपड़े डिज़ाइन करने और विकसित करने में गहन ज्ञान और कौशल प्रदान करती है।

इस पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया है, जिसमें बच्चों के पहनने के लिए रुझान और पूर्वानुमान, डिज़ाइन उत्पाद विकास-शिशु और बच्चे, डिज़ाइन और उत्पाद विकास-जूनियर्स, ट्वीन्स और क्रिएटिव डिज़ाइन प्रोजेक्ट शामिल हैं। ये विषय वर्तमान रुझानों को समझने, उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण करने और बच्चों के पहनने के फैशन में प्राथमिकताओं और रुझानों की पहचान करने के लिए फैशन पूर्वानुमान तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

इसके अतिरिक्त सामयिक स्पोर्ट्सवियर और सक्रिय स्पोर्ट्सवियर के लिए विशिष्ट डिज़ाइन प्रोजेक्ट विशिष्ट डिज़ाइन लक्ष्यों की अवधारणा करने और प्रदर्शन तथा सौंदर्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्पादों को व्यावहारिक रूप से निष्पादित करने का अवसर प्रदान किया जाता हैं।

प्रत्येक सेमेस्टर में, प्रमुख और गहन विशेषज्ञता को मुख्य क्षेत्रों में मजबूत उद्योग अभिविन्यास के साथ ज्ञान के आधार को मजबूत करने के लिए एकीकृत किया जाता है। दोनों गहन विशेषज्ञताओं में कक्षा परियोजनाओं को शुरू करके उद्योग कनेक्शन को मजबूत किया जाता है। निटवेअर डिज़ाइन विभाग अन्य विभागों को तीन अंतरविषयक माइनर्स की पेशकश करता है, अर्थात, स्नातक छात्रों के लिए खेल के लिए निट्स और फैशन की दुनिया, और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए निटवियर मर्चेंडाइजिंग, विभिन्न क्षेत्रों में बुनाई और उनके आवेदन की व्यापक समझ प्रदान करना इत्यादि।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएं

1. डॉ. सुमंत्रा बख्शी, एसोसिएट. प्रो. ने 21 और 22 नवंबर 2024 को विशेषज्ञ श्री अमित साहा के साथ प्राकृतिक रंगों और इको-प्रिंटिंग के साथ रंगाई और छपाई पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
2. श्री एस. के. बाला सिद्धार्थ, सहायक प्रो. ने 1 से 5 जनवरी 2025 तक निफ्ट, मुंबई में कला और डिज़ाइन सौंदर्यशास्त्र पर एक टीओटी और 7 से 9 अक्टूबर 2024 तक 'डिज़ाइन मुंबई' बैठक में भाग लिया।
3. केडी के अध्यक्ष - प्रोफेसर डॉ. पी मोहनराज ने मार्च 2025 में निफ्ट बेंगलुरु में 7 उद्योग विशेषज्ञों के साथ कोर फैकल्टी टीम की पाठ्यक्रम 2025 बैठक की अध्यक्षता की और 30.4.2025 को नई दिल्ली में इंडिया हैबिटेट सेंटर में निफ्ट के महानिदेशक, डीन (ए), निफ्ट के विभागों के प्रमुखों और उद्योग विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम 2025 प्रस्तुत किया।
4. सुश्री भावना दुबे और श्री अभिषेक बजाज ने फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट (एफआईए) किया है। डॉ. अशोक प्रसाद ने एचपी एलआईएफई ऑनलाइन पाठ्यक्रम संपन्न किया। सुश्री गरिमा आनंद ने फरवरी 2025 में वियतनाम में असमारा इंटरनेशनल लि. में आयोजित उद्योग कार्यशाला में भाग ली।

संकाय की उपलब्धियां एवं विकास

1. डॉ. सुमंत्रा बख्शी, सहायक प्रोफेसर ने एनटीटीएम के तहत चल रही परियोजना "जैव आधारित पीसीएम फिनिश का विकास" के पोस्टर में एक संशोधित मिश्रित जूट यार्न आधारित निटवियर डिज़ाइन और विकसित किया है और इसे आईसीएआर-एनआईएनएफईटी कोलकाता के साथ सहयोगी अनुसंधान एवं विकास परियोजना के हिस्से के रूप में भारत टेक्स 2025 में प्रदर्शित किया गया था।
2. डॉ. अशोक प्रसाद ने डीएफसीसीआईएल के कर्मचारियों के लिए वर्दी डिज़ाइन करने के लिए डीएफसीसीआईएल परियोजना को पूरा किया।
3. भारतीय एथलीटों के लिए यूनिफॉर्म डिज़ाइन - डॉ. उर्पिंदर कौर, सुश्री स्मिता सोम, डॉ. अमृता रॉय।
4. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के लिए प्रतीक चिन्ह डिज़ाइन - डॉ. उर्पिंदर कौर पीआईटी
5. डॉ. अमृता रॉय ने सार्वजनिक संपर्क वाले रेलवे अधिकारियों के लिए वर्दी का डिज़ाइन और विकास "जारी- परियोजना में समन्वयक के रूप में कार्य किया।

अध्ययनरत एवं संपन्न पीएचडी

1. प्रो. डॉ. पी. मोहनराज, अध्यक्ष - केडी, प्रो. डॉ. सुनीता वासन, डॉ. के. अरुल, डॉ. यशोधा कुमारी, डॉ. नीलांजना बैरागी, डॉ. नित्या वेंकटरमण, डॉ. मोहन कुमार और डॉ. निशांत शर्मा ने 2025 से पहले पीएचडी पूरी कर ली है।
2. श्री एस. सेंथिलवेल, श्री के. नंदकुमार, सुश्री हबीबुनिसा, सुश्री सुबाशिनी जे.एस., श्रीमती श्वेता चौहान, श्री रामकृष्ण, श्री सुरेश कुमार के, सुश्री शालू वी नायर, सुश्री आकांक्षा, श्री अमित कुमार चौधरी, सुश्री भावना दुबे, श्री शिवानंद शर्मा और सुश्री स्मिता सोम पीएचडी कर रहे हैं।

अनुसंधान पेपर प्रस्तुतियां एवं प्रकाशन

1. डॉ. नीलांजना बैरागी ने मेहर खंगुरा और स्वयं के द्वारा लिखित "लर्निंग ऑफ इंडियन हिस्ट्री थ्रू इनोवेटिव अप्रोच: ए केस स्टडी" शीर्षक से एक पेपर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज, वॉल्यूम 5, नंबर 8, पीपी 282-289 अगस्त 2024, पीपी282-289, "डिज़ाइनिंग ऑफ यूजर-केंद्रित फ्रेमवर्क फॉर ई-लर्निंग एनवायरनमेंट फॉर इंडियन स्टूडेंट्स " में प्रकाशन के लिए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज और "डिज़ाइनिंग" में प्रकाशित किया है जिसे आईआईटी नई दिल्ली में 31 जनवरी से 2 फरवरी 2025 के दौरान आयोजित होने वाले फंक्शनल टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग कॉन्फ्रेंस में इंसुलिन उपचार पर मधुमेह रोगियों के लिए फैशनेबल कार्यात्मक कपड़े" को मौखिक प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया है।
2. डॉ. नित्या वेंकटरमन ने 19-20 अक्टूबर 2024 को आईआईटी रुड़की में आयोजित आईडीईएएस (उत्कृष्टता, सामर्थ्य और स्थिरता के लिए अभिनव डिज़ाइन) -2024 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मुझे लगता है, इसलिए मैं खरीदती हूं- डिकंस्ट्रक्टेड फैशन की स्वीकृति पर उत्पाद स्पर्श के उपयोग पर एक प्रयोग" शीर्षक से अपना पेपर प्रस्तुत किया और 30 जनवरी से 2 फरवरी 2025 तक आईआईएम संभलपुर में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन परिप्रेक्ष्य सम्मेलन (आईएमपीईसी 2025) में "कपड़ों के उपभोग विरोधी उपभोग के लिए अनुनय - व्यवहार विपणन का उपयोग करके एक केस स्टडी" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया है।
3. डॉ. नीलांजना बैरागी और हिशाम मोहम्मद द्वारा लिखित पेपर शीर्षक: "भारतीय छात्रों के लिए ई-लर्निंग पर्यावरण के लिए उपयोगकर्ता-केंद्रित ढांचे की डिज़ाइनिंग" को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यू

(आईजेआरपीआर) के खंड 5 अंक 11 में प्रकाशित किया गया है।

4. डॉ. मोहन कुमार ने 8-10 जनवरी 2025 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित 10वें डिज़ाइन अनुसंधान – आईसीओआरडी'25 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मोहन कुमार वीके और शिप्रा रॉय द्वारा लिखित पेपर आईडी 565 के साथ "रिस्पॉन्सिबल डिज़ाइन सॉल्यूशंस: ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ क्रिएटिविटी ऑफ एआई इमेज जनरेटर्स एंड डिज़ाइनर्स" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया था।

5. शिप्रा रॉय, नीलांजना बैरागी, मोहन कुमार, वीके (2024) द्वारा "डिज़ाइन छात्रों के बीच रचनात्मकता मूल्यांकन: रचनात्मक जागरूकता के लिए शिक्षा" शीर्षक वाला अध्याय को स्प्रिंगर बुक में प्रकाशित किया गया है।

6. सुश्री हबीबुनिसा (2024) ने "यूवी सुरक्षात्मक बुना हुआ कपड़ा विकसित करने के लिए नैनो-कोटिंग, नैनोकंपोजिट, बायो कंपोजिट के प्रभाव: एक सहक्रियात्मक समीक्षा" को ओपन जर्नल ऑफ कम्पोजिट मैटेरियल्स 15.1: 1-30 में प्रकाशित की। सुश्री हबीबुनिसा और शर्मिला ए (2024) ने "जैव-मोर्डेंट्स वस्त्रों की प्राकृतिक रंगाई के लिए नैनो प्रौद्योगिकी के साथ क्रांति - एक विश्लेषणात्मक समीक्षा" नैनो प्रौद्योगिकी धारणाएं, सं. 20 - एस13 933-952 प्रस्तुत की। सुश्री हबीबुनिसा, शर्मिला ए और शशिरेखा ए (2024) ने संयुक्त रूप से लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल वॉल्यूम 44.नंबर 3: 17348-17361 में "चेन्नई बाजार में यूवी-सुरक्षात्मक कपड़ों की उपलब्धता: एक मूल्यांकन अध्ययन" प्रस्तुत की। सुश्री हबीबुनिसा और सुश्री शर्मिला ए, (2024) ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर) वॉल्यूम अंक 19 - 11: 26-32 में "विभिन्न बाने बुने हुआ कपड़े की संरचनाओं पर यूपीएफ आकलन - एक महत्वपूर्ण समीक्षा" प्रस्तुत की। सुश्री पाटिल ए, सुश्री हेगड़े डी और सुश्री हबीबुनिसा ने संयुक्त रूप से स्थिरता, उद्यमिता, समानता और डिजिटल रणनीतियों (सीड्स 2024) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "100% एलोवेरा और 100% बांस बुने हुए कपड़ों की तुलना: उनके उच्च-प्रदर्शन गुणों की खोज" शीर्षक से प्रस्तुत की। सुश्री मृणालिका आर और सुश्री हबीबुनिसा ने 19.03.2025 को कोयम्बटूर के पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस के कॉस्ट्यूम डिज़ाइन और फैशन विभाग द्वारा आयोजित "परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझान" आईसीईटीएसएटी 2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बुना हुआ कपड़ों पर इको-प्रिंटिंग तकनीक का तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक प्रस्तुत किया ।

7. सुश्री हबीबुनिसा और डॉ. ए शशिरेखा ने 19.03.2025 को पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर के कॉस्ट्यूम डिज़ाइन और फैशन विभाग द्वारा आयोजित "परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझान" आईसीईटीएसएटी 2025, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "चेन्नई शहर में यूवी सुरक्षात्मक वस्त्रों के प्रति उपभोक्ता वरीयताओं पर एक अध्ययन" प्रस्तुत किए।

8. सुश्री हबीबुनिसा ने 01.04.2025 को इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, केरल द्वारा आयोजित ट्रांसफॉर्मिंग फैशन विद एआई एंड सस्टेनेबिलिटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एआई एंड 3डी स्पेसर निट फैब्रिक: ए सस्टेनेबल सॉल्यूशन फॉर नेक्स्ट-जेनरेशन बुलेटप्रूफ जैकेट्स फॉर इंडियन सोल्जर्स" नामक शीर्षक प्रस्तुत की।

9. डॉ. के. अरुल, सह-प्राध्यापक ने अप्रैल 2024 के दौरान एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस, 30(4), 8859 -8867, डीओआई: 10.53555/ केयुईवाई. वी30आई4.2867 जर्नल में "भारत में गुणवत्ता आश्वासन में चुनौतियों पर एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन" शीर्षक से पेपर प्रकाशित किया।

10. डॉ. मोहम्मद वसीम चव्हाण ने 7 अक्टूबर 2024 को संपादित पुस्तक "अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए वस्त्र सामग्री - डिज़ाइन और अनुप्रयोग" पुस्तक का संपादित किया। प्रकाशक: स्प्रिंगर, आईएसबीएन: 978-981-97-6496-9, डीओआई: 10.1007/978-981-97-6496-9।

11. डॉ. मोहम्मद वसीम चव्हाण एट अल (अक्टूबर 2024) ने पुस्तक के अध्याय 8 में "टेक्सटाइल मटेरियल्स" संपादित पुस्तक में अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए वस्त्र सामग्री - डिज़ाइन और अनुप्रयोग का प्रकाशित किया। प्रकाशक: स्प्रिंगर, आईएसबीएन: 978-981-97-6496-9, डीओआई: 10.1007/978-981-97-6496-9_8 और एट अल (अक्टूबर 2024) पुस्तक के अध्याय 17 में "ई-टेक्सटाइल्स एंड वियरेबल्स फॉर हेल्थकेयर इन एडिटेड बुक टेक्सटाइल मैटेरियल्स फॉर गुड हेल्थ एंड वेलबीइंग" - डिज़ाइन और अनुप्रयोग का प्रकाशित किया। प्रकाशक: स्प्रिंगर, आईएसबीएन: 978-981-97-6496-9, डीओआई: 10.1007/978-981-97-6496-9_17।

12. डॉ. बी. वेंकटेश, कुमार, एस.के.एस. ने द जर्नल ऑफ टेक्सटाइल में केले के स्यूडोस्टेम सैप-उपचारित सूती कपड़े की भौतिक विशेषताओं का आकलन: प्रतिक्रियाशील रंगाई अनुप्रयोगों के लिए निहितार्थ विषय से संबंधित सह-लेखन किया जिसका संदर्भ है - HTTPS://DOI.ORG/10.1007/S13399-024-05430-7(2024)। इसके अतिरिक्त इन्होंने "प्रतिक्रियाशील रंगों की उपस्थिति में केले के रस उपचारित सूती कपड़ों का रंगाई व्यवहार" विषय पर सह-लेखन किया।

13. डॉ. सुमंत्रा बख्शी, एसोसिएट प्रोफेसर, ने एक शोध पत्र "प्रदूषित हवा में गैसीय प्रदूषकों से निपटने के लिए व्यक्तिगत नोज मास्क के लिए 3डी स्ट्रक्चर्ड इलेक्ट्रोस्पन फिल्टर मीडिया का डिज़ाइन और विकास" विषय से संबंधित पेपर का सह-लेखन किया जिसे 12-14 नवंबर 2024 को जर्मनी के फिलटेक, में उन्नत फिल्टर प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मेलन प्रस्तुति और प्रकाशन के लिए चुना गया।

14. श्री अभिषेक बजाज ने 11 सितंबर से 10 अक्तूबर 2024 तक की अवधि में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड होम साइंस के जर्नल में प्रकाशित "प्राकृतिक रंगाई और पौधे के अपशिष्ट के साथ रंगे फ्लैट बुने हुए वस्त्र पर क्षमता की खोज" विषय से संबंधित एक पेपर का सह-लेखन किया।

15. सुश्री भावना दुबे, एसोसिएट प्रोफेसर ने 28 और 29 सितंबर 2024 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में राजस्थान के वनस्थली विद्यापीठ द्वारा आयोजित "सर्कुलर फैशन उद्योग में प्रौद्योगिकी की भूमिका" विषय पर एक पेपर

ऑनलाइन प्रस्तुत की और सुश्री भावना दुबे, एसोसिएट प्रोफेसर और श्री अमित कुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर, केडी विभाग ने 11 और 7 जुलाई, 2024 को जर्नल ऑफ इमर्जिंग एंड इनोवेटिव रिसर्च में प्रकाशित "द ट्रेडिशनल आर्ट ऑफ हैंड बुनाई इन दार्जिलिंग" विषय से संबंधित पेपर का सह-लेखन किया।

16. श्री अमित कुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर ने 6 से 8 नवंबर 2024 को आईडीसी, आईआईटी बॉम्बे में आयोजित विजुअल डिस्कोर्स 24 सम्मेलन में "भारत में गरीबी रेखा से नीचे की आबादी के बीच स्वच्छता प्रथाओं को बदलने में स्वच्छ भारत अभियान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कचरा सफाई तस्वीर का प्रभाव" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया है।

17. डॉ. प्रियंका गुप्ता और डॉ. अमृता रॉय ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम साइंस 2024; 10(1): 200-203 में एक्सप्लोरिंग चैलेंजेस एनकाउंटर्ड बाई प्लस साइज वुमेन इन द सेलेक्शन ऑफ लिंगेरि: नामक शीर्षक से पेपर प्रस्तुत की और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी ट्रेंड्स 2024; 6(10): 31-36 में अवेयरनेस एंड परसेप्शन टुवार्ड्स मेंसट्रुअल पैंटिज: आईडेंटिफाइंग चैलेंजेस एंड पोटेंशियल सोल्युशंस नामक शीर्षक से पेपर प्रस्तुत की।

18. सुश्री गरिमा आनंद ने अक्टूबर 2024 में आईआईएफटी इंटरनेशनल बिजनेस एंड मैनेजमेंट रिव्यू जर्नल में कोटा डोरिया: वर्तमान परीक्षण और चुनौतियां नामक शीर्षक से पेपर प्रस्तुत की।

19. डॉ. प्रियंका गुप्ता और डॉ. अमृता रॉय ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च 2024; 10(10): 114-118. में अंडरस्टेंडिगं द कंफोर्ट प्रेफेरेंसेस ऑफ एडोलेसेंट गर्ल्स फॉर फर्स्ट-टाईम ब्राज शीर्षक से पेपर प्रस्तुत कीं।

20. डॉ. प्रियंका गुप्ता ने "शुरुआती ब्रा के डिज़ाइन मानदंडों को अनुकूलित करने के लिए शारीरिक परिवर्तनों के दौरान किशोर लड़कियों की उपयोगकर्ता आवश्यकताओं का आकलन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत की। उन्होंने क्यूमुलस बुडापेस्ट सम्मेलन 2024 (15 से 17 मई 2024) में डॉ. अमृता रॉय के साथ संयुक्त रूप से पेपर प्रस्तुत की और डॉ. प्रियंका गुप्ता और डॉ. उपिंदर कौर (2025), ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, आईजेसीआरटी | खंड 13, अंक 5 मई 2025 | आईएसएसएन: 2320-2882 में प्लास्टिक बुनाई के माध्यम से व्यवहार परिवर्तन और सामुदायिक जुड़ाव शीर्षक से पेपर प्रस्तुत की।

21. डॉ. अमृता रॉय ने "मासिक धर्म पैंटी और पर्यावरणीय स्थिरता: एक आर्थिक और पारिस्थितिक विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत की। इन्होंने क्यूमुलस बुडपेस्ट सम्मेलन 2024 (15 से 17 मई 2024) में डॉ. प्रियंका गुप्ता के साथ एक पेपर प्रस्तुत की।

लैदर डिज़ाइन

निफ्ट में लेदर डिज़ाइन कार्यक्रम, अपनी संरचना और फ़ैशन, फुटवियर और सहायक उपकरण उद्योग के लिए आवेदन में अद्वितीय है, जो लेदर और संबंधित उद्योग आवश्यकताओं के भीतर एक इंटीग्रेटिव डिज़ाइन परिप्रेक्ष्य पर केंद्रित है।

इस विभाग का उद्देश्य विभिन्न सामग्रियों और उत्पाद श्रेणियों के माध्यम से परिधान उद्योग का एक अभिन्न अंग के रूप में स्थापित होना है: लेदर और उससे संबंधित सामग्रियों से बने परिधान, व्यक्तिगत और जीवनशैली संबंधी सहायक उपकरण और जूते। इसका उद्देश्य उद्योग में संभावनाओं के प्रतिमान स्थापित करने वाले पेशेवरों को तैयार करने में अग्रणी बनना है। विभाग इन रचनात्मक नेतृत्व कर्ताओं को विकसित करने, विकास का मुख्य स्रोत होने और हमारे देश में उपलब्ध संसाधनों की क्षमता का उपयोग करने का प्रयास करता है।

विशिष्ट लक्षित बाज़ारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन अवधारणाओं को सामग्री ज्ञान के साथ इंटीग्रेशन पर ज़ोर दिया जाता है। क्षेत्र भ्रमण, टेनरी प्रशिक्षण, क्राफ्ट क्लस्टर कार्यक्रम, उद्योग इंटर्नशिप और स्नातक परियोजनाओं के माध्यम से उद्योग के अनुभव के माध्यम से एक बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाया जाता है, जो पाठ्यक्रम का एक अभिन्न हिस्सा है।

चमड़ा डिज़ाइन स्नातकों के लिए फ़ैशन व्यवसाय के क्षेत्रों में डिज़ाइनर, व्यापारी, उत्पाद डेवलपर, उत्पादन प्रबंधक और उद्यमी के रूप में अवसर उपलब्ध हैं। स्नातकों के लक्षित उद्योगों में निर्यात और घरेलू विनिर्माण, खुदरा, क्रय और सोर्सिंग शामिल हैं। विभाग के पूर्व छात्र अपने-अपने क्षेत्रों में अग्रणी हैं और उन्होंने उद्योग के आधुनिक प्रतिमान को विकसित किया है, जिससे यह वैश्विक फ़ैशन और जीवनशैली क्षेत्र का एक इंटीग्रेटेड हिस्सा बन गया है।

पाठ्यक्रम

लेदर डिज़ाइन विभाग द्वारा प्रस्तुत 4 वर्षीय प्रोफेशनल डिज़ाइन डिग्री कार्यक्रम विशिष्ट लक्षित बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परिधानों, जूतों और चमड़ा उत्पादों में डिज़ाइन अवधारणाओं को भौतिक ज्ञान के साथ एकीकृत करने पर जोर देता है। क्षेत्र भ्रमण, टेनरी प्रशिक्षण और उद्योग इंटर्नशिप के माध्यम से उद्योग का अनुभव पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पाठ्यक्रम का बहु-विषयक दृष्टिकोण छात्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में विभिन्न बाजार खंडों और लक्षित ग्राहकों की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार चमड़ा और संयोजन सामग्रियों में विभिन्न उत्पाद प्रकारों के लिए विभिन्न सामग्री प्रयोग करने की क्षमता विकसित करता है। चार विषय श्रेणियों, अर्थात मेजर, डीपनिंग मेजर, इंटरडिसिप्लिनरी माइनर और सामान्य अध्ययन के माध्यम से पाठ्यक्रम के भीतर निर्मित आवश्यक ज्ञान, कौशल, रचनात्मक अन्वेषण और प्रथाओं को प्रदान करके व्यावसायिक विशेषज्ञता विकसित की जाती है। डीएस में चमड़ा क्षेत्र में उत्पादों और फुटवियर के लिए सस्टेनेबल डिज़ाइन रणनीतियाँ और समावेशी डिज़ाइन रणनीतियाँ, और चमड़ा क्षेत्र के लिए हस्तनिर्मित और लक्जरी डिज़ाइन रणनीतियाँ शामिल हैं। डिज़ाइन और उत्पाद विकास पथ के अलावा, फ़ैशन उत्पाद क्षेत्र की विभिन्न श्रेणियों में करियर विकल्पों की सूची को विस्तृत करने के लिए पाठ्यक्रम में संबद्ध करियर पथों को भी शामिल किया गया है। ये संबद्ध करियर पथ अंतःविषय माइनर्स के माध्यम से परिकल्पित हैं।

चेन्नई

- लेदर डिज़ाइन विभाग ने एलडी - सेमेस्टर - IV के लिए विशेषज्ञ श्री करीमुल्लाह द्वारा 20.04.2024 को लेदर एम्ब्रॉइडरी कार्यशाला और एलडी - सेमेस्टर - VI के लिए विशेषज्ञ श्री बी सुभाष द्वारा 26.02.2024 को मैकेनिकल ऑपरेशन - ट्रिम्स मैन्युफैक्चरिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ श्री बालासुब्रमणि ने एलडी सेमेस्टर

- V के छात्रों के लिए 27.09.2024 से 28.09.2024 तक "क्रिएटिव लेदर फिनिशेस" विषय पर नक्काशी कार्यशाला की। चमड़ा डिज़ाइन विभाग ने डिज़ाइन पोर्टफोलियो के लिए श्री प्रताप चंद्रन के साथ विशेषज्ञ व्याख्यान की व्यवस्था की। चमड़ा डिज़ाइन विभाग ने डिज़ाइन पोर्टफोलियो, फ़ैशन ड्राइंग और डिजिटल डिज़ाइन- I के लिए श्री निथिश के साथ विशेषज्ञ व्याख्यान की व्यवस्था की। एलडी- सेमेस्टर - V ने 01.07.2024 से 23.07.2024 तक विभिन्न चमड़ा उद्योगों में टेनरी प्रशिक्षण लिया। एलडी- सेमेस्टर - VII ने महाबलीपुरम में आरी कढ़ाई पर "क्राफ्ट बेस्ड डिज़ाइन प्रोजेक्ट(सीबीडीपी)" विषय के लिए फील्ड विजिट किया और विषय संकाय डॉ एम अरवेंडन, प्रोफेसर- एलडी और सुश्री नेहा प्रसाद, पीएचडी, निफ़्ट में स्कॉलर के साथ 27.09.2024, 28.09.2024, 15.10.2024, 17.10.2024, 19.10.2024 को दौरा किया। एलडी- सेमेस्टर - IV और VI के छात्रों ने 21.01.2025 को शाम 4.00 बजे से R.NO.20A में "क्रिएटिंग एंड ग्रोइंग ए लक्जरी ब्रांड (ए गाइड फॉर इंडियन डिज़ाइनर्स एंड ब्रैंड्स)" शाम 5.30 बजे तक एलडी - IV और VI सेमेस्टर के छात्रों ने 22.01.2025 को "कॉम्प्रिहेन्सिव वर्चुअल मास्टर क्लास ऑन डिज़ाइन इनोवेशन" पर वेबिनार में भाग लिया।

- श्री पी. सेंथिलनाथन, सह-प्राध्यापक और सीसी-एलडी ने डीपनिंग सोशलाइज़ेशन विषयों के अंतर्गत एलडी सेमेस्टर-VI के छात्रों के लिए 22.04.2024 को मेसर्स भारतीय इंटरनेशनल लिमिटेड, वंडालूर में औद्योगिक दौरे का आयोजन किया।
- प्रो. डॉ. एम. अरवेंदन ने डीपनिंग सोशलाइज़ेशन विषयों के अंतर्गत एलडी, सेमेस्टर-IV के छात्रों के लिए 18.04.2024 को मेसर्स केएच ग्रुप ऑफ कंपनीज और मेसर्स संघवी शू लास्ट एंड एक्सेसरीज का औद्योगिक दौरा आयोजित किया।
- श्री पी. सेंथिलनाथन, सह-प्राध्यापक और सीसी-एलडी ने 27.09.2024 से 28.09.2024 तक एलडी-सेमेस्टर - V के छात्रों के लिए "क्रिएटिव लेदर फिनिशेस" विषय पर एक विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया। विषय संकाय श्री टी. पी. बालचंदर थे।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक, एलडी ने एलडी के पूर्व छात्र श्री नितेश - 2018-2022 बैच को एलडी, सेमेस्टर-IV के छात्रों (2023-2027 बैच) के लिए "फ़ैशन ड्राइंग एंड डिजिटल डिज़ाइन" विषय पर 07.02.2025 को एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया।
- श्री टी. पी. बालचंदर, सहायक प्राध्यापक और सीसी - एलडी और सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक - एलडी ने श्री वेल्लिकन्नु, कारीगर को 03.03.2025 को एलडी-IV सेमेस्टर (2023-2027 बैच) के लिए हस्तनिर्मित डिज़ाइन में तकनीक विषय के लिए "लेदर एम्बॉसिंग एंड लेसिंग इन हैंडमेड बैग" पर शिल्प प्रदर्शन आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया।
- श्री टी. पी. बालचंदर, सहायक प्राध्यापक और सीसी-एलडी ने श्री विनोद कुमार के, उप महाप्रबंधक- प्रयोगशाला, मेसर्स सीपीएस - सॉफ्टलाइन्स (चमड़ा/फुटवियर) अंबुर और रानीपेट को लेदर स्टडीज़ एंड प्रोसेस विषय पर एलडी-IV के छात्रों के लिए एक विशेषज्ञ व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया और एलडी-VI सेमेस्टर के छात्रों ने भी 18.03.2025 को इसमें भाग लिया।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक-एलडी ने 20.03.2025 को वस्त्र विभाग वीविंग लैब में विशेष रूप से एलडी-IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए "लेदर एंड टेक्सटाइल" विषय पर "वीविंग एंड टाइप ऑफ वीव्स" पर एक प्रदर्शन का आयोजन और संचालन किया।
- श्री टी. पी. बालचंदर, सहायक प्राध्यापक और सीसी-एलडी ने 21.03.2025 को एलडी, सेमेस्टर-IV (2023- 2027 बैच) के लिए मेसर्स टीयूवी एसयूडी साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड, रानीपेट में "यूज़र सेंट्रिक डिज़ाइन" विषय के लिए एक उद्योग दौरा आयोजित किया और इस दौरे में छात्रों के साथ श्री यासु क्लेमेंट डेविड, एमटीएस-एलडी ने भी भाग लिया।
- श्री टी.पी. बालचंदर, सहायक प्राध्यापक और सीसी-एलडी ने श्री विनोद कुमार के, उप महाप्रबंधक- प्रयोगशाला, मेसर्स सीपीएस - सॉफ्टलाइन्स (चमड़ा/फुटवियर) अंबुर और रानीपेट को लेदर स्टडीज़ एंड प्रोसेस विषय पर एलडी-IV छात्रों के लिए एक विशेषज्ञ व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया और एलडी, सेमेस्टर-VI के छात्रों ने भी 18.03.2025 को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक इसमें भाग लिया।

नई दिल्ली

- 18 से 22 फरवरी 2025 तक ऑनलाइन सम्मेलन "सस्टेनेबल डेवेलपमेंट गोल्स 2030: ब्रिजिंग गैप्स, बिल्डिंग फ्यूचर्स फॉर विकसित भारत@2047" में भाग लिया।

  ख. भारत के सर्वोच्च न्यायालय - सुप्रीम कोर्ट के लिए एक यूनिफॉर्म डिज़ाइन परियोजना के लिए परियोजना समन्वयक।
- डॉ. तूलिका महंती ने डिज़ाइनर सामंत चौहान द्वारा डीएस-डिज़ाइन डेवलप फॉर लग्जरी विषय के अंतर्गत कक्षा परियोजना का आयोजन किया।
- 1 अप्रैल 2024 को डॉ. उज्ज्वल अंकुर और डॉ. चंद्रशेखर जोशी के साथ आईसीएसएसआर से 48 लाख रुपये का शोध अनुदान प्राप्त हुआ, जिसका विषय था "अनवीलिंग इंडिजिनस आर्टिस्टिक ट्रेडिशन: डॉक्युमेन्टेशन एंड आईकोनोग्राफिक एनालिसिस ऑफ द मैन्युस्क्रिप्ट पेन्टिंग्स एंड मोटिफ्स ऑफ आर्कियोलॉजिकल साइट्स फ्रॉम वज्जिकांचल रीजन ऑफ बिहार"।

  भारत के सर्वोच्च न्यायालय - सुप्रीम कोर्ट के लिए एक यूनिफॉर्म डिज़ाइन परियोजना के लिए डॉ. तूलिका महंती पीडीटी और पीआईटी।
- डॉ. उज्ज्वल अंकुर को 1 अप्रैल 2024 को "अनवीलिंग इंडिजिनस आर्टिस्टिक ट्रेडिशन: डॉक्युमेन्टेशन एंड आईकोनोग्राफिक एनालिसिस ऑफ द मैन्युस्क्रिप्ट पेन्टिंग्स एंड मोटिफ्स ऑफ आर्कियोलॉजिकल साइट्स फ्रॉम वज्जिकांचल रीजन ऑफ बिहार" पर 2 साल की शोध परियोजना के लिए आईसीएसएसआर से 48 लाख का शोध अनुदान मिला।
- दिल्ली द्वारा शिल्प प्रदर्शन कार्यशाला, कारीगर जागरूकता कार्यशाला, शिल्प अनुसंधान और दस्तावेज़ दौरा, शिल्प आधारित डिज़ाइन परियोजना दौरा एलडी आयोजित किए गए।
- इंटर्नशिप के लिए एलडी, सेमेस्टर-VI के छात्रों के लिए उद्योग विशेषज्ञों के साथ वार्ता आयोजित की गई।

कोलकाता

- सितंबर-अक्टूबर, 2024 में डिज़ाइन पोर्टफोलियो (एलडी सेम VII) के लिए क्रिएटिव लिमिटेड, कोलकाता के प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप कुमार बोथरा द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई।
- 11 नवंबर 2024 को लेदर एंड क्राफ्ट (एलडी सेम VII) के लिए निफ्ट 1999 बैच के पूर्व छात्र श्री जॉयजीत दत्ता, एलजीडीटी द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया जाएगा।
- निफ्ट 2017 बैच के पूर्व छात्र श्री श्याम बिहारी का टोरेरो प्राइवेट लिमिटेड में 3 नवंबर 2024 को डिज़ाइन पोर्टफोलियो (एलडी सेम VII) पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 28 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक सीएसडब्ल्यूएस - सबंग मिदनापुर में एलडी, सेमेस्टर-VII के छात्रों के लिए शिल्प आधारित डिज़ाइन परियोजना विषय के अंतर्गत मधुरकथी का दौरा आयोजित किया गया।
- सीएसडब्ल्यूएस में सभी एलडी, सेमेस्टर-V छात्रों के साथ, क्राफ्ट डायग्नोस्टिक स्टडी के मधुरकथी विषय के लिए विभाग संकाय का दौरा।
  - 10 से 19 जुलाई 2024 तक सबंग मिदनापुर।
- डॉ. डी. राजशेखर ने छात्रों को उद्योग से परिचित कराने के लिए सितंबर 2024 में खादिम्स (KHADIM'S) में एलडी, सेमेस्टर-V के साथ उद्योग भ्रमण का आयोजन किया।
- डॉ. डी. राजशेखर ने अक्टूबर 2024 में कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के एनआईएनएफईटी (NINFET) के एलडी, सेमेस्टर-V के साथ उद्योग दौरा किया है।
- डॉ. डी. राजशेखर ने अगस्त, 2024 में मेसर्स पियस लेदर में एलडी, सेमेस्टर-III के साथ उद्योग का दौरा किया।
- डॉ. डी. राजशेखर ने नवंबर, 2024 में चमड़ा परिष्करण तकनीक सीखने के लिए स्टाहल लैब में एलडी, सेमेस्टर-III के साथ उद्योग भ्रमण का आयोजन किया।
- डॉ. डी. राजशेखर ने अगस्त, 2024 में एलडी, सेमेस्टर-V के साथ मेसर्स आर्बर में संबंधित सामग्री और उत्पाद (जूट) के लिए उद्योग का दौरा किया है।
- श्री रेमन हालदार ने मार्च, 2025 में एलडी, सेमेस्टर-IV के छात्रों के लिए फुटफॉर्म, कोलकाता में जूता बनाने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए एक उद्योग दौरा आयोजित किया।

रायबरेली

- श्री पंकज कुमार त्यागी लेवल-III, लेदर स्टडीज़ एंड प्रोसेसेस - I विषय के विशेषज्ञ व्याख्याता, दिनांक 06/11/2024।
- सुश्री अक्षिता बाजपेयी लेवल-I, डिज़ाइन एंड फ़ैशन स्टडीज़ विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान 01/10/2024 को।
- शुभम शर्मा लेवल-II, लेदर क्राफ्ट टेक्नीक्स विषय के विशेषज्ञ व्याख्याता दिनांक 14/10/2024।
- श्री मृत्युंजय यादव लेवल-1, एथलेटिक एंड स्पोर्ट्स फुटवियर (फ्लोटिंग) विषय के विशेषज्ञ व्याख्याता दिनांक 20/11/2024।
- सुश्री सौम्या गुप्ता लेवल - 1, क्रिएटिव लेदर फिनिश/अडैप्टिव क्लोदिंग विषय की विशेषज्ञ व्याख्याता, 28/11/2024।
- डॉ. आशीष माथुर लेवल-III, नॉन-लेदर स्टडीज़ एंड प्रोसेस विषय के विशेषज्ञ व्याख्याता 12/11/2024।

संकाय प्रशिक्षण / कार्यशालाएँ

चेन्नई

- प्रो. डॉ. एम. अरवेंदन, श्री पी. सेंथिलनाथन, श्री टी. आर. शंकर नारायणन, श्री थॉमस सैमुअल, श्री टी. पी. बालचंदर और सुश्री आर. विजयलक्ष्मी ने 01.02.2025 से 03.02.2025 तक चेन्नई ट्रेड सेंटर में आयोजित इंडिया इंटरनैशनल लेदर फेयर 2025 में निफ्ट स्टॉल का दौरा किया और स्वयंसेवा की।
- श्री टी.पी. बालचंदर, श्री टी.आर. शंकर नारायणन, श्री पी. सेंथिलनाथन और सुश्री आर. विजयलक्ष्मी ने "रियल लेदर स्टे डिफरेंट" अभियान टीम के सदस्यों मेसर्स लेदर एंड हाइड काउंसिल ऑफ अमेरिका (एलएचसीए) की सुश्री वैनेसा ब्रेन, मेसर्स क्विक रिलेशंस प्राइवेट लिमिटेड के श्री अद्वैत सोमन और सुश्री पलक शर्मा के साथ 02.02.2025 को बैठक की और निफ्ट लेदर डिज़ाइन के छात्रों की अंतर्राष्ट्रीय डिज़ाइन प्रतियोगिताओं, इंटर्नशिप, उद्योग भ्रमण और अन्य भावी सहयोगों में भागीदारी के बारे में चर्चा की।
- श्री ए प्रभु, महाप्रबंधक - मानव संसाधन, श्री मणि, प्रबंधक-मानव संसाधन, सुश्री कुमुधा, मेसर्स भारतीय इंटरनेशनल से वीपी-मार्केटिंग और श्री मोहम्मद याह्या सिराज, प्रबंधक-मानव संसाधन और अनुपालन, मेसर्स केएच एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, ने 11.02.2025 को एलडी, सेमेस्टर IV और VI के छात्रों के लिए "ब्रिजिंग द गैप बिटवीन अकैडमिया एंड द लेदर इंडस्ट्री" पर एक कार्यशाला आयोजित करने के लिए एलडी विभाग, निफ़्ट चेन्नई परिसर का दौरा किया।
- श्री टी. पी. बालचंदर, सहायक प्राध्यापक और सीसी-एलडी ने एलडी, सेमेस्टर VI के छात्रों के साथ 15.02.2025 से 17.02.2025 तक दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2025 में भाग लिया और भारत टेक्स के दौरान छात्रों के साथ उद्योग भ्रमण पर गए, जैसे कि इंडिया गेट, सी-हेक्सागन, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (एनजीएमए) और 15.02.2025 को भारतीय पर्यावास केंद्र और 17.02.2025 को ओरियन कॉनमेक्स (पी) लिमिटेड, 90 उद्योग विहार रोड, गुड़गांव और राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन कनॉट प्लेस।

नई दिल्ली

- डॉ. शिवशक्ति एकम्बरम भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की निम्नलिखित समितियों के सदस्य के रूप में;
  - सीएचडी 17 - लेदर, टैनिंग मटीरियल और संबद्ध उत्पाद अनुभागीय समिति
  - सीएचडी 19 - फुटवियर अनुभागीय समिति
- निफ़्ट का प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ. शिवशक्ति एकम्बरम ने तकनीकी समिति के सदस्यों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जो 16 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान, ए - 20 और 21, संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर 62, नोएडा में सम्पन्न हुई।
- डॉ. शिवशक्ति एकंबरम और सुश्री नीति बंगा ने 07 और 08 अक्टूबर, 2024 को द ललित, नई दिल्ली में आयोजित होने

वाले मैसमेराइज़ रिटेल, एफएमसीजी और ई-कॉमर्स सम्मेलन, 2024 के 13वें संस्करण में भाग लिया।

- डॉ. तूलिका महंती मार्च 2025 में आई गॉट ऑनलाइन पोर्टल पर निम्नलिखित ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किए:
  - क. मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा कार्यस्थल पर योग ब्रेक।
  - ख. भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र - I4C द्वारा साइबर स्पेस में सुरक्षित रहना।
  - ग. आईएसटीएम द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम।
- सुश्री डॉली कुमार ने मार्च 2025 में आई गॉट ऑनलाइन पोर्टल पर निम्नलिखित ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किए:
  - मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा कार्यस्थल पर योग ब्रेक।
  - वाधवानी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों का परिचय।
  - पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा मिशन लाइफ पर अभिविन्यास मॉड्यूल।
  - भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र - I4C द्वारा साइबर स्पेस में सुरक्षित रहना।
  - आईएसटीएम द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम।
  - आईएसटीएम द्वारा सरकारी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता।
- डॉ. उज्ज्वल अंकुर - मार्च 2025 में आईगॉट ऑनलाइन पोर्टल पर निम्नलिखित ऑनलाइन प्रशिक्षण पूरा करें:
  - मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा कार्यस्थल पर योग ब्रेक।
  - वाधवानी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों का परिचय।
  - पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा मिशन लाइफ पर अभिविन्यास मॉड्यूल।
  - भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र - I4C द्वारा साइबर स्पेस में सुरक्षित रहना।
  - आईएसटीएम द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम।
  - आईएसटीएम द्वारा सरकारी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता।
- सुश्री नीति बंगा ने सम्मेलन में भाग लिया: सम्मेलन का नाम: मासमेराइज़, रिटेल, एफएमसीजी और ई-कॉमर्स सम्मेलन 2024, 13वां संस्करण 7, 8 अक्टूबर, 2024।

कोलकाता

- श्री संजीब कुमार, डॉ. दास, सह-प्राध्यापक; श्री राजशेखर, सह-प्राध्यापक; रामेन हलदर, सहायक प्राध्यापक; डॉ. ए.एस. सब्यसाची सेनगुप्ता, सह-प्राध्यापक ने 27 से 30 जून तक निफ्ट श्रीनगर में फैकल्टी रिट्रीट प्रोग्राम में भाग लिया।
- डॉ. सब्यसाची सेनगुप्ता, सह-प्राध्यापक ने एलडी, सेमेस्टर-VI के छात्रों के साथ 15.02.2025 से 16.02.2025 तक भारत मंडपम, दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2025 और स्थानीय बाजार भ्रमण और दिल्ली हाट, नई दिल्ली में भाग लिया था।
- श्री रमेन हालदार, सहायक प्राध्यापक, 17.02.2025 को भारत टेक्स और अपोलो इंटरनेशनल के परिधान, उत्पाद और फुटवियर प्रभागों के लिए उद्योग भ्रमण के लिए एलडी कोलकाता, सेमेस्टर-VI के छात्रों के साथ गए।
- श्री रामेन हालदार, सहायक प्राध्यापक, एलडी कोलका, सेमेस्टर-VI के छात्रों के साथ 18.02.2025 को दिल्ली में स्थानीय बाजार का दौरा करने गए।

रायबरेली

- डॉ. अंकेता कुमार ने एलडी, सेमेस्टर VI, रायबरेली के छात्रों के साथ 17.02.2025 को फिल्क मर्चेंडाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम, भारत का दौरा किया था।

संकाय उपलब्धियां

चेन्नई

चेन्नई चमड़ा डिज़ाइन विभाग के सभी संकाय सदस्यों ने 22 से 26 जून 2024 तक निफ्ट श्रीनगर में फैकल्टी रिट्रीट कार्यक्रम में भाग लिया था।

सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक - एलडी और सीआईसी ने हस्तशिल्प में तमिलनाडु के उत्कृष्ट मास्टर शिल्पकारों को विभिन्न राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान करने के लिए 10/7/24 और 11/7/24 को तमिलनाडु राज्य आपूर्ति और विपणन सोसायटी, नुंगमबक्कम चेन्नई में पुरस्कार चयन समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

- डॉ. एम. अरवेंदन, प्रोफेसर-एलडी को परामर्शदात्री समूह के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित और आमंत्रित किया गया। बैठक 25.10.2024 को भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री, चेन्नई में निर्धारित की गई थी।
- प्रो. डॉ. एम. अरवेंदन को तमिलनाडु स्टार्टअप और इनोवेशन मिशन द्वारा 12.11.2024 को आयोजित स्टार्ट-अप टीएन कार्यक्रम - स्टार्टअप-सेइगा पुदुमई में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तमिलनाडु के माननीय उपमुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन हैं।
- प्रो. डॉ. एम. अरवेंदन को 21.11.2024 को पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा भवन, सीपी-2 सेक्टर-वी, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता-700091, पश्चिम बंगाल में निर्धारित परामर्श समूह बैठक के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में आमंत्रित करने के लिए नामित किया गया है।
- प्रो. डॉ. एम. अरवेंदन ने नवंबर के पहले सप्ताह में, डीसीएच-दक्षिणी क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक की निफ्ट चेन्नई के कैंपस निदेशक और एलडी संकाय टीम के साथ एक बैठक आयोजित की, और तमिलनाडु राज्य में हस्तनिर्मित चमड़ा और फुटवियर शिल्प, एरी कढ़ाई आधारित चमड़ा और संबंधित सामग्री जीवन शैली शिल्प साथ ही बांस और केन क्राफ्ट क्लस्टर पर क्लस्टर डेवेलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए संभावनाओं और पहलों पर विचार-विमर्श किया।

- प्रो. डॉ. एम. अरवेंदन ने नवंबर के पहले सप्ताह में, डीसीएच-दक्षिणी क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक की निफ्ट चेन्नई के कैंपस निदेशक और एलडी संकाय टीम के साथ एक बैठक आयोजित की, और तमिलनाडु राज्य में हस्तनिर्मित चमड़ा और फुटवियर शिल्प, एरी कढ़ाई आधारित चमड़ा और संबंधित सामग्री जीवन शैली शिल्प और बांस और केन क्राफ्ट क्लस्टर पर क्लस्टर डेवेलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए संभावनाओं और पहलों पर विचार-विमर्श किया।
- प्रो. डॉ. एम. अरवेंदन को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एचडब्ल्यूडब्ल्यूई (HWWE) 2024 में सत्र अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया है, जिसका विषय है: एर्गोनॉमिक्स और मानव कारक, जो 13.12.2024 से 15.12.2024 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा।
- मेसर्स ईसीसीओ ब्रांड के टीम लीडर श्री ताई किम मिंग और उत्पाद विकास प्रमुख सुश्री अंजुआ तिवारी ने निफ्ट का दौरा किया और श्री पी. सेंथिलनाथन, श्री टी.आर. शंकर नारायणन, श्री टी.पी. बालचंदर और सुश्री आर. विजयलक्ष्मी तथा कमरा सं. 40 में निदेशक के साथ बातचीत की, तत्पश्चात एलडी-IV और VI सेमेस्टर के छात्रों कमरा सं. 18 के साथ बातचीत की।

नई दिल्ली

दिल्ली लेदर डिज़ाइन विभाग के पांच संकाय सदस्यों ने 27 से 30 जून 2024 तक निफ्ट श्रीनगर में फैकल्टी रिट्रीट कार्यक्रम में भाग लिया था।

- डॉ. तूलिका महंती को जीएमआर के सहयोग से हेल्म एक्सपीरियंसियल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 26 अक्टूबर 2024 को जीएमआर एयरोसिटी, नई दिल्ली में "क्राफ्ट सिटी 2.0" कार्यक्रम में एक वक्ता के रूप में पैनल चर्चा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. तूलिका महंती को सोना देवी विश्वविद्यालय, घाटशिला, जमशेदपुर में फाइन एंड पर्फॉर्मिंग आर्ट्स के अंतर्गत शिक्षा विभाग में पर्यवेक्षक के रूप में सूचीबद्ध किया गया।
- डॉ. तूलिका महंती, 26 सितंबर से 28 सितंबर 2024 तक शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित और झारखंड प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद, रांची, झारखंड द्वारा प्रायोजित "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- रिसर्च ट्रेंड्स, एमर्जिंग टेक्नोलॉजीस एंड अपॉर्च्युनिटीस" विषय पर जर्नल ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए पीयर रिव्यू कमेटी की सदस्य हैं।
- सुश्री डॉली कुमार ने सुश्री वैदेही - बी.डेस (एलडी) सेमेस्टर-VI को वर्ल्ड ऑफ़ वियरेबल आर्ट (WOW) प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मार्गदर्शन दिया। उनकी पोशाक को दूसरे राउंड के लिए चुना गया है। अंतिम परिणाम की प्रतीक्षा है।
- डॉ. उज्ज्वल अंकुर को भारतीय विरासत संस्थान, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से रागचित्र: अलवर स्कूल - अलवर के सरकारी संग्रहालय के संग्रह से विषय पर शोध प्रबंध का मूल्यांकन करने के लिए आमंत्रित किया गया है।
- जेटीए (जर्नल ऑफ द टेक्सटाइल एसोसिएशन) के लिए "सिग्निफिकेंस एंड फैक्टर्स कन्ट्रिब्यूटिंग टु द पॉप्युलैरिटी ऑफ द इंडियन कार्पेट इंडस्ट्री" शीर्षक वाले लेख की समीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया।
- जून 2024 से अगस्त 2024 तक गैलरी "आर्ट जंक्शन", द ललित, बाराखंभा रोड, दिल्ली में एक समूह कला प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 15 फरवरी 2025 को जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हिस्टॉरिकल, ट्रेडिशनल एंड इंडिजिनस रूट्स ऑफ़ टेक्सटाइल एंड आर्ट" सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 18 से 24 फरवरी 2025 तक एमएफ हुसैन आर्ट गैलरी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में टेक्सटाइल और कला की अभिव्यक्ति करने वाली अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 'रिजुवेनेटिंग टेक्सटाइल्स: ए विजन ऑफ आर्ट' में प्रदर्शन के लिए कलाकृति का चयन किया हुआ।
- सुश्री नीति बंगा उस टीम का हिस्सा थीं जो दो स्कूलों में गई थी
  - शिव नादर और श्रीराम स्कूल- प्रवेश टीम के साथ मिलकर कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों के साथ बचे हुए सामान से सस्टेनेबिलिटी कैनवास बनाने की कार्यशालाएं आयोजित।
- भारतटेक्स 2025 का हिस्सा - उमा प्रजापति द्वारा मास्टर क्लास की मेजबानी की और माउ गायन कार्यक्रम (14-17 फरवरी 2025) की मेज़बानी की।

कोलकाता

लेदर डिज़ाइन, कोलकाता के सभी संकाय सदस्यों ने 27 से 30 जुलाई 2024 तक निफ्ट श्रीनगर में फैकल्टी रिट्रीट कार्यक्रम में भाग लिया।

- डॉ. सब्यसाची सेनगुप्ता, सह-प्राध्यापक को 13 से 15 दिसंबर 2024 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, फिजियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एर्गोनॉमिक्स सम्मेलन में एचडब्ल्युडब्ल्युई (HWWE) 2024 में मुख्य वक्ता के रूप में निमंत्रण मिला, जिसमें वे 14 दिसंबर 2024 को "एर्गोनॉमिक्स एंड डिज़ाइन सल्युशन: सेटिंग अप द न्यु गोल (21स्ट सीई) एंड अचीविंग इट" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. सब्यसाची सेनगुप्ता, सह-प्राध्यापक ने 13 से 15 दिसंबर 2024 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के फिजियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एर्गोनॉमिक्स सम्मेलन (एर्गोनॉमिक्स फॉर एवरीवन, फ्यूचर चैलेंजेस इन हेल्थ, सेफ्टी एंड डिज़ाइन) में एचडब्ल्युडब्ल्युई (HWWE) 2024 के दौरान 15 दिसंबर 2024 को एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. सब्यसाची सेनगुप्ता, सह-प्राध्यापक को आगामी जर्नल ऑफ क्राफ्ट एंड डिज़ाइन रिसर्च (जेसीडीआर) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य (ईबीएम) का हिस्सा बनने का निमंत्रण प्राप्त हुआ और उन्होंने (कार्यालय क्रम का पालन करते हुए) इसे स्वीकार कर लिया। यह एक द्विवार्षिक ब्लाइंड पीयर रिव्यूड जर्नल है, जिसे शिल्प-सदन विभाग, विश्वभारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) से प्रकाशित किया जाएगा।
- श्री संजीब कुमार दास, सह-प्राध्यापक ने निफ़्ट, श्रीनगर में निफ़्ट फैकल्टी रिट्रीट के लिए 12 जून से 19 जून 2024 तक निफ्ट फैसिलिटेटर डेवलपमेंट प्रशिक्षण में भाग लिया है।

- श्री संजीब कुमार दास, सह-प्राध्यापक ने 27 से 30 जून 2024 तक निफ़्ट श्रीनगर में फैकल्टी रिट्रीट के दौरान निर्माता के सहयोग से फैसिलिटेटर के रूप में एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- श्री संजीब कुमार दास, सह-प्राध्यापक, ने पंजीकरण के लिए दायर जीआई आवेदनों के लिए झारखंड, रांची राज्य से तैंतीस (16) शिल्पों का मूल्यांकन करने के लिए 29 जनवरी को पेटेंट, डिज़ाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय (सीजीपीडीटीएम) के अंतर्गत भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री कार्यालय द्वारा एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में परामर्शदात्री समिति की बैठक में भाग लिया।

रायबरेली

लेदर डिज़ाइन, रायबरेली के सभी संकाय सदस्यों ने 17 जुलाई से 22 जुलाई 2024 तक निफ्ट श्रीनगर में फैकल्टी रिट्रीट कार्यक्रम में भाग लिया।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

चेन्नई

- प्रो. डॉ. एम. अरवेंदन ने निम्नलिखित शोध पत्रों का लेखन, मार्गदर्शन और सह-लेखन किया, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एचडब्ल्युडब्ल्युई (HWWE) 2024 में प्रस्तुति के लिए चुना गया, जिसका विषय है: एर्गोनॉमिक्स एंड ह्यूमन फैक्टर, जो 13.12.2024 से 15.12.2024 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया:

  "रोल्स ऑफ पेरेंट्स एंड एजुकेटर्स इन एजुकेटिंग एंड एम्पावरिंग क्रिएटिव कॉलेज स्टूडेंट्स विद बाय-पोलर/बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसॉर्डर", लेखक: प्रो. डॉ. एम. अरवेंडन और लेख को 14.12.2024 को एचडब्ल्युडब्ल्युई (HWWE) 2024 सम्मेलन सत्र की मुख्य प्रस्तुति के लिए चुना गया।

  एर्गोनोमिक इश्यूस एफेक्टिंग द सस्टेनेबिलिटी ऑफ बैम्बु लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स, लेखक: सुश्री नेहा प्रसाद1, रिसर्च स्कॉलर (एनटीएफ) और अरवेंदन मुथुसामी2, 15.12.2024 को एचडब्ल्युडब्ल्युई (HWWE) 2024 सम्मेलन सत्र में निर्धारित।
- "ए स्टडी ऑन अडैप्टिव क्लोदिंग डिज़ाइन सल्यूशन्स फॉर एल्डर्ली विमन, लेखक: श्रुति महेशकुमार1 और अरवेंदन मुथुसामी 2, 15.12.2024 को एचडब्ल्युडब्ल्युई (HWWE) 2024 सम्मेलन सत्र में निर्धारित है "एर्गोनोमिक डिज़ाइन एंड डेवेलपमेंट ऑफ चेस्ट बाइन्डर्स फॉर ट्रांसजेंडर मेन/ट्रांस-मेन कम्युनिटी"। लेखक: हर्षिता डागा1, कृति ओझा1, वैष्णवी पाटिल1 और अरवेंदन मुथुसामी2, 15.12.2024 को एचडब्ल्युडब्ल्युई (HWWE) 2024 सम्मेलन सत्र में निर्धारित है।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक, एलडी ने जर्नल नैनोटेक्नोलॉजी परसेप्शन्स - आईएसएसएन 1660-6795, खंड 20, अंक 5(2024), पृष्ठ-545-553 में "रिवाइटैलाइज़िंग कुरुम्बा पेंटिंग्स विद स्क्रीन एंड ब्लॉक प्रिंटिंग" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया। स्कोपस इंडेक्स्ड।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक, एलडी ने अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज - ईआईएसएसएन 2663-2187, खंड 6, अंक 15(2024), पृष्ठ-3113-3132 में "अनवीलिंग द हिस्ट्री एंड सिम्बॉलिज़्म ऑफ लैंगुइशिंग कुरुम्बा पेंटिंग्स" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया। स्कोपस इंडेक्स्ड।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक, एलडी ने 19/3/25 को परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएफटीएसएटी 2025) के लिए "रीडिफ़ाइनिंग लक्ज़री: द एमर्जेन्स ऑफ सस्टेनेबल प्रैक्टिसेस इन हाई-एंड फ़ैशन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और यह पत्र उनके सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित हुआ।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक, एलडी ने 28 और 29 मार्च 2025 तक रिसर्च केयर, बेंगलुरु द्वारा आयोजित अनुसंधान के लिए ई-टूल्स पर 2-दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक-एलडी ने श्री वेल्लिकन्नु, कारीगर को 03.03.2025 को एलडी, सेमेस्टर-IV (2023-2027 बैच) के लिए टेक्नीक्स इन हैन्डमेड डिज़ाइन विषय के लिए "लेदर एम्बॉसिंग एंड लेसिंग इन हैंडमेड बैग" पर शिल्प प्रदर्शन आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया।
- एलडी, सेमेस्टर-VI के छात्रों ने 10.03.2025 को "कॉन्टेम्प्रेरी लक्ज़री" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वक्ता सुश्री एलेसेंड्रा डि पाल्मा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ सत्र में भाग लिया, जिसका आयोजन सीएसी कार्यालय द्वारा किया गया और सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक-एलडी ने विशेषज्ञ सत्र का समन्वय किया।

नई दिल्ली

- डॉ. तूलिका महंती ने रिजुवेनेटिंग टेक्सटाइल्स: ए विजन ऑफ आर्ट में एक शोध पत्र "टेक्सटाइल एंड कॉस्ट्यूम ट्रेडिशन ऑफ वज्जिका पेंटिंग्स" का सह-लेखन किया। यह एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है जो जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली द्वारा 15 से 17 फरवरी, 2025 तक आयोजित टेक्सटाइल एंड आर्ट की अभिव्यक्तियों का वर्णन करता है।
- सुश्री डॉली कुमार - विषय: कश्मीरी शॉलों और अन्य विरासती वस्त्रों की मरम्मत के लिए नजीबाबाद के रफूगरों की सुईकला परंपरा, ज्ञान और कौशल का अध्ययन
- 02 शोध प्रगति संगोष्ठियाँ आयोजित। अनुसंधान इकाई से आरपीएस 2 के परिणाम की प्रतीक्षा है। सुश्री नीति बंगा - विषय: फुलकारी शिल्प में संलग्न शिल्पियों की क्षमता और कल्याण तथा शिल्प के संबंध में उपभोक्ताओं के व्यवहार और कल्याण का अध्ययन।

कोलकाता

- डॉ. सब्यसाची सेनगुप्ता, सह-प्राध्यापक, ने मुख्य वक्ता के रूप में 14 दिसंबर 2024 को "एर्गोनॉमिक्स और डिज़ाइन समाधान: नया लक्ष्य (21वीं सदी) निर्धारित करना और उसे प्राप्त करना" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। उन्हें 13 से 15 दिसंबर 2024 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के फिजियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एर्गोनॉमिक्स सम्मेलन में एचडब्ल्युडब्ल्युई (HWWE) 2024 में निमंत्रण मिला।

- डॉ. सब्यसाची सेनगुप्ता, सह-प्राध्यापक ने प्रकाशित किया है: "एर्गोनॉमिक्स एंड डिज़ाइन सॉल्यूशन: सेटिंग अप द न्यु गोल (21स्ट सीई) एंड अचीविंग इट" एचडब्ल्युडब्ल्युई (HWWE) 2024 में प्रकाशित सार पुस्तक में फिजियोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा 13 से 15 दिसंबर 2024 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एर्गोनॉमिक्स सम्मेलन में एक प्रमुख वक्ता के रूप में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया: "एर्गोनॉमिक्स एंड डिज़ाइन सॉल्यूशन: नसेटिंग अप द न्यु गोल (21स्ट सीई) एंड अचीविंग इट" 14 दिसंबर 2024 को।
- डॉ. सब्यसाची सेनगुप्ता, सह-प्राध्यापक ने एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया है जिसका शीर्षक है: क्लोदिंग एज़ ए डायाक्रोनिक क्राफ्ट-फॉर्म: टेक्स्ट फ्रॉम द अर्स्टवाइल कैलकटा इन ट्रेडिशनल क्राफ्ट्स ऑफ इंडिया, इसे शिल्प सदन विभाग, विश्व भारती (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) द्वारा मार्च 2025 में प्रकाशित किया गया है, इसका आईएसबीएन: 978-81-952559-5-3 है।
- श्री रामेन हालदार ने "खड़ाउ पादुका: ए टाइमलेस वॉक - थ्रु इंडियन ट्रेडिशनल फुटवियर हेरिटेज" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया है। पत्रिका का नाम: इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्चर। आईएसएसएन – 2582-2160।
- श्री रामेन हालदार ने एक डिज़ाइन नाम पंजीकृत कराया है: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विज़िटर मैनेजमेंट कियोस्क। पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार। डिज़ाइन संख्या: 436990-1।

विद्यावाचस्पति (पीएचडी) कर रहे हैं

चेन्नई

- श्री थॉमस सैमुअल, सहायक प्राध्यापक - एलडी और सीसी-एफपी - जनवरी 2025 से कर रहे हैं।
- श्री टी.पी. बालचंदर, सहायक प्राध्यापक और सीसी-एलडी - जनवरी 2020 से कर रहे हैं।
- सुश्री आर. विजयालक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक-एलडी - सितंबर 2018 से कर रहे हैं।

नई दिल्ली

- सुश्री डॉली कुमार - वर्तमान में निफ्ट से "ए स्टडी ऑफ नीडलक्राफ्ट ट्रेडिशन, नॉलेज एंड स्किल ऑफ रफ़ुगार्स ऑफ नजीबाबाद टुवर्ड्स द रिपेयर ऑफ कश्मीरी शॉल एंड अदर हेरिटेज टेक्सटाइल्स" विषय पर विद्यावाचस्पति कर रही हैं। दो शोध प्रगति संगोष्ठियाँ संपूर्ण की हैं। अनुसंधान इकाई से आरपीएस 2 का परिणाम प्रतीक्षित है।
- सुश्री नीति बंगा- अगस्त 2022 से निफ्ट दिल्ली से डॉ. अनन्या देबरॉय, निफ्ट, कोलकाता के अधीन "ए स्टडी ऑफ द कैपेबिलिटी एंड वेल-बींग ऑफ द क्राफ्टकुमन इंगेजिंग इन फुलकारी क्राफ्ट एंड द बिहेवियर एंड वेल-बींग ऑफ द कन्ज़्यूमर्स इन रिलेशन टु द क्राफ्ट" विषय पर विद्यावाचस्पति कर रही हैं।

कोलकाता

- श्री संजीब कुमार दास, सह-प्राध्यापक वनस्थली विद्यापीठ में विद्यावाचस्पति कर रहे हैं।
- श्री रामेन हलदर, सहायक प्राध्यापक बनस्थली विद्यापीठ में विद्यावाचस्पति कर रहे हैं

वस्त्र डिज़ाइन

निफ्ट का टेक्सटाइल डिज़ाइन कार्यक्रम छात्रों को गहन ज्ञान से लैस करने और उनकी रचनात्मक क्षमता को निखारने के लिए डिज़ाइन किया गया पाठ्यक्रम है, यह परिधान और घरेलू फ़ैशन उद्योगों में डिज़ाइन के अनुप्रयोग पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम रचनात्मक डिज़ाइन मेधा को टेक्सटाइल तकनीकों के साथ एकीकृत करने पर ज़ोर देता है, साथ ही समकालीन डिज़ाइन अभ्यास को प्रभावित करने वाले ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

अपने नवोन्मेषी और अंत:विषयक दृष्टिकोण के लिए प्रतिष्ठित, निफ्ट का वस्त्र डिज़ाइन विभाग भारतीय फैशन और वस्त्र उद्योगों के साथ घनिष्ठ सहयोग के द्वारा छात्रों को उद्योग-संबंधी अनुभव प्रदान करता है। 17 परिसरों—बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दमन, दिल्ली, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, पंचकुला, पटना, शिलांग और श्रीनगर—में अपनी मज़बूत शैक्षणिक उपस्थिति के साथ, इस विभाग में 94 संकाय सदस्य और लगभग 1,622 छात्र हैं, जो एक जीवंत और विविध शैक्षणिक समुदाय का निर्माण करते हैं।

पाठ्यक्रम और उत्थान

निफ्ट का वस्त्र डिज़ाइन कार्यक्रम, टेक्सटाइल बुनाई, मुद्रण और सतह अलंकरण से जुड़ी व्यापक शिक्षा प्रदान करता है, जिसमें अनुप्रयोग-उन्मुख दृष्टिकोण के माध्यम से मैनुअल और डिजिटल दोनों तकनीकों को एकीकृत किया जाता है। इस पाठ्यक्रम को क्षेत्रीय भ्रमण, उद्योग-केंद्रित परियोजनाओं और विशेषज्ञों द्वारा संचालित व्याख्यानों को शामिल करते हुए सोच-समझकर तैयार किया गया है, जिसके द्वारा छात्रों का वस्त्र डिज़ाइन में एक मज़बूत आधार तैयार होता है और साथ ही उद्योग आचरण के साथ लगातार सक्रिय जुड़ाव को बढ़ावा मिलता है।

उद्योग जगत की उभरती माँगों के अनुरूप, यह कार्यक्रम तकनीकी वस्त्र, स्मार्ट फ़ैब्रिक तकनीक और वस्त्र क्षेत्र में उभरते नवाचारों जैसे समकालीन और फ़्यूचर-रेडी विषयों को शामिल करता है। साथ ही, छात्र शिल्प क्लस्टर पहल के माध्यम से पारंपरिक आचरणों से गहराई से जुड़ते हैं, जिसमें शिल्प अनुसंधान और शिल्प-आधारित उत्पाद विकास शामिल है। यह दोहरा अनुभव सांस्कृतिक संवेदनशीलता, विरासत के रूप में सहेजी गई तकनीकों की समझ और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक अनुप्रयोगों के साथ मिलाने की क्षमता विकसित करता है।

यह पाठ्यक्रम वर्तमान सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों में निहित रचनात्मक डिज़ाइन प्रक्रियाओं को वस्त्र प्रौद्योगिकी के साथ रणनीतिक रूप से जोड़ने का काम करता है। यह इनोवेशन (नवाचार), सामग्री अन्वेषण और प्रयोगात्मक दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करता है। इस पाठ्यक्रम के आधारभूत विषय वस्त्र सिद्धांतों की गहन समझ प्रदान करते हैं, वहीं एडवान्स्ड मॉड्यूल रचनात्मक, व्यावसायिक और तकनीकी रूप से एडवांस (उन्नत) संदर्भों में वस्त्रों के अनुप्रयोग पर ज़ोर देते हैं। इसके अतिरिक्त, यह कार्यक्रम विशिष्ट डिजिटल उपकरणों में निपुणता पर ज़ोर देता है, जिससे छात्रों को वस्त्र संरचना और सर्फेस विकास के पारंपरिक और समकालीन तरीकों के साथ सहजता से काम करने के लिए तैयार किया जाता है।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता और सामाजिक, औद्योगिक और शैक्षणिक बदलावों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए, निफ्ट हर चार साल में एक संरचित पाठ्यक्रम समीक्षा करता है। वस्त्र डिज़ाइन विभाग ने जनवरी 2025 में अपनी नवीनतम समीक्षा और संशोधन प्रक्रिया शुरू की है, छात्र इस विषय में अग्रणी बने रहें यह सुनिश्चित करने के लिए इसका उद्देश्य उभरती प्रौद्योगिकियों और वस्त्र निर्माण ज्ञान में नवीनतम प्रगति को पाठ्यक्रम में सम्मिलित करना है।

उद्योग परियोजनाएं, कनेक्ट और विशेषज्ञ

व्यापक पाठ्यक्रम वितरण सुनिश्चित करने और छात्रों को समकालीन उद्योग आचरणों से अवगत कराने के लिए, निफ्ट के वस्त्र डिज़ाइन विभागों ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान विशेषज्ञ वार्ता, उद्योग भ्रमण, सहयोगी परियोजनाओं और शिल्प-आधारित मेल-जोल सहित कई गतिविधियों का आयोजन किया।

16 परिसरों में, 150 से ज़्यादा उद्योग विशेषज्ञों को ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही रूपों में छात्रों के साथ वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया था। उल्लेखनीय वक्ताओं में टेस्ला के एक कंटेंट डिज़ाइनर, ट्राइडेंट समूह के एक कैटेगरी हेड, एक राष्ट्रीय संग्रहालय के एक क्यूरेटर, ओबीटी कार्पेट्स प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ डिज़ाइन प्रबंधक, अरुशी अनेजा एंड कंपनी की क्रिएटिव डायरेक्टर, फैबइंडिया के एक डिज़ाइनर और एक ग्लोबल ट्रेंड एनालिस्ट जैसे पेशेवर शामिल थे। इन सत्रों में तकनीकी वस्त्र अनुप्रयोग, टिकाऊ उत्पादन विधियाँ, वस्त्र अपशिष्ट उपयोग, पोर्टफोलियो विकास, व्यावसायिक नैतिकता, हाई-परफॉर्मेंस वस्त्र, ब्रांडिंग रणनीतियाँ, फैशन और वस्त्रों पर एआई का प्रभाव, प्राकृतिक रंगों का उपयोग और कपड़े की गुणवत्ता आश्वासन जैसे विविध विषयों पर चर्चा हुई।

छात्रों और शिक्षकों को उभरती हुई उद्योग आचरणों से परिचित कराने और लाइव परियोजनाओं के माध्यम से सहयोग अधिक सुगम बनाने के लिए लगभग 28 उद्योग भ्रमण आयोजित किए गए। इन आयोजनों ने पाठ्यक्रम क्षेत्रों जैसे कि सतह डिज़ाइन, घर और स्थान के लिए प्रिंट डिज़ाइन, और बुनाई डिज़ाइन परियोजनाओं को बढ़ावा दिया। एक महत्वपूर्ण आकर्षण "लिवा प्रोटेग टेक्सटाइल्स 2025" था - जो बिड़ला सेलुलोज़ (आदित्य बिड़ला समूह) द्वारा शुरू की गई और प्रो. डॉ. रूबी कश्यप सूद द्वारा समन्वित एक राष्ट्रीय स्तर की डिज़ाइन प्रतियोगिता थी। इस प्रतियोगिता ने वस्त्र डिज़ाइन शिक्षा में इनोवेशन और स्थिरता को बढ़ावा दिया, जिसका समापन मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में बुनाई, प्रिंट और सर्फेस डिज़ाइन के शीर्ष पंद्रह कलाकारों के प्रदर्शन के साथ हुआ।

निफ्ट के सभी परिसरों में तृतीय वर्ष के टेक्सटाइल डिज़ाइन के छात्रों के लिए एक और उल्लेखनीय पहल भारतटेक्स 2025—भारत की सबसे बड़ी टेक्सटाइल प्रदर्शनी, जो संपूर्ण टेक्सटाइल मूल्य श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करती है—का एक क्यूरेटेड दौरा था। छात्रों ने इस आयोजन में दो दिन बिताए और वस्त्र निर्माण के कच्चे माल और रेशों से लेकर तैयार उत्पादों तक, नई सामग्रियों में अत्याधुनिक इनोवेशन, उभरती हुई तकनीकों, तकनीकी वस्त्रों, घरेलू साज-सज्जा, उच्च-स्तरीय फैशन और वस्त्रों में स्थिरता तक, हर चीज़ का गहन अध्ययन किया। इस दौरे ने छात्रों को वास्तविक दुनिया के उद्योग जगत के विकास से परिचित कराया, उन्हें पेशेवरों और प्रदर्शकों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करने के साथ सार्थक उद्योग जुड़ाव के माध्यम से इंटर्नशिप और भविष्य में सहयोग के अवसर खोले।

संकाय सदस्यों ने कई उद्योग और सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं का नेतृत्व किया और उनमें योगदान दिया। प्रमुख पहलों में सम्मिलित हैं:

- पूरे भारत के बुनकर सेवा केंद्रों (डब्ल्यूएससी) में डिज़ाइन संसाधन केंद्रों (डीआरसी) की स्थापना।
- निफ्ट दिल्ली द्वारा स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस (एसओएसई) के साथ ज्ञान साझेदारी।
- रिपोजिटरी का विकास: वस्त्र और शिल्प, डीसी (हथकरघा) और डीसी (हस्तशिल्प) के कार्यालयों द्वारा प्रायोजित।
- खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र, एमएसएमई मंत्रालय के अंतर्गत पांच निफ़्ट परिसरों में खादी पुनरुद्धार के लिए एक हब-एंड-स्पोक मॉडल लागू किया गया है, जिसका निर्देशन प्रोफेसर डॉ. सुधा ढींगरा ने किया है।
- ओडिशा आदर्श विद्यालय संगठन के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए वर्दी डिज़ाइन परियोजना।
- गांधीनगर, मुंबई और कोलकाता के संकाय सदस्यों द्वारा भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईएचटी) के लिए पाठ्यक्रम विकास, जिसका उद्देश्य देश भर में छह आईआईएचटी का पुनर्गठन और आधुनिकीकरण करना है।

इसके अतिरिक्त, हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र में पुरस्कार विजेताओं के चयन के लिए संकाय सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय समितियों में नामित किया गया, जिससे इस क्षेत्र में उनके नेतृत्व को रेखांकित किया गया।

वस्त्र डिज़ाइन पाठ्यक्रम का एक विशिष्ट पहलू शिल्पकला के साथ इसका एकीकरण है, जो छात्रों को भारत की समृद्ध शिल्पकला विरासत से गहराई से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके अंतर्गत 30 से अधिक प्रदर्शन कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें 60 से अधिक कारीगरों, बुनकरों और कुशल कारीगरों ने भाग लिया। द्वितीय वर्ष के छात्रों ने क्षेत्रीय शोध और दस्तावेज़ीकरण के लिए शिल्प समूहों का दौरा किया और साथ ही तृतीय वर्ष के छात्रों ने कारीगरों के साथ मिलकर अभिनव वस्त्र शिल्प संग्रह विकसित किए। इन परियोजनाओं ने समकालीन डिज़ाइन को पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जोड़ा, जिससे सांस्कृतिक स्थिरता में निहित रचनात्मक तालमेल को बढ़ावा मिला।

संकाय प्रशिक्षण / कार्यशालाएँ

2024-25 में, वस्त्र डिज़ाइन विभाग ने संकाय की क्षमता में वृद्धि करने के लिए दो ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें से एक प्रमुख पहल 'इनोवेशन टूलबॉक्स' पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण था, जिसका समन्वयन निफ्ट मुंबई में प्रो. डॉ. किसलय चौधरी और लह प्राध्यापक डॉ. ऋचा शर्मा ने किया। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ के नेतृत्व में आयोजित पाँच दिवसीय कार्यक्रम में निफ्ट परिसरों के 30 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इसमें तकनीकी वस्त्र उत्पादों के विकास के लिए आवश्यक आलोचनात्मक सोच और रणनीतिक निर्णय लेने पर ज़ोर दिया गया। डॉ. प्रमोद अग्रवाल के साथ बातचीत में वस्त्र डिज़ाइन के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला गया, जो वस्त्रों के जीवनचक्र में स्थायी आचरणों के माध्यम से एक क्लोज़्ड-लूप प्रणाली को बढ़ावा देता है। सहयोगात्मक समूह अभ्यासों ने वास्तविक दुनिया की सस्टेनेबिलिटी चुनौतियों के अनुरूप इनोवेशन और समस्या के समाधान को बढ़ावा दिया।

एक अन्य प्रशिक्षण, निफ्ट बेंगलुरु के सह-प्राध्यापक डॉ. आर. रवि कुमार द्वारा "एडवांस्ड वोवन सीएडी (कैड) फॉर फैकल्टी यूज़िंग टेक्सटाइल" विषय पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सत्र का उद्देश्य टेक्सटाइल कैड सॉफ्टवेयर के बारे में संकाय सदस्यों की समझ को गहन बनाना था, जिसमें वोवन मॉड्यूल, मल्टी-लेयर्ड कपड़े और जैक्वार्ड अवधारणाओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

विभाग-संचालित कार्यक्रमों के अलावा, टेक्सटाइल डिज़ाइन संकाय ने उद्योग की बदलती माँगों से अवगत रहने के लिए विभिन्न बाहरी कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्रों में भी भाग लिया। इनमें 3डी-मैपिंग सॉफ़्टवेयर का प्रशिक्षण, अनुसंधान और व्यवस्थित साहित्य समीक्षा में एआई के नैतिक उपयोग पर एक ई-कार्यशाला, फ़ैशन और वस्त्रों में सस्टेनेबिलिटी, कला एवं डिज़ाइन सौंदर्यशास्त्र, और फ़ैशन विश्लेषण एवं पूर्वानुमान पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मिलित थे।

इसके अलावा, तेरह संकाय सदस्यों ने वस्त्र उद्योग में अपनी व्यावहारिक भागीदारी और समझ को मज़बूत करने के लिए फैकल्टी-इंडस्ट्री अटैचमेंट (FIA) में भाग लिया। उल्लेखनीय एफआईए में शामिल हैं:

- सुश्री सुप्रिया चौधरी बासु (सह-प्राध्यापक, कोलकाता) और डॉ. अनन्या प्रमाणिक (सह-प्राध्यापक, नई दिल्ली) ने असमारा इंटरनेशनल, वियतनाम में भाग लिया।
- डॉ. शुभांगी यादव (सह-प्राध्यापक, गांधीनगर) एटीआईआरए (ATIRA) में, "डेवेलपिंग वीविंग पैटर्न्स फॉर कम्पोज़िट्स" पर ध्यान केंद्रित कार्यक्रम में भाग लिया।
- शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में डॉ. पृथ्वीराज मल और डॉ. श्रीकांत गेल्ला ने भाग लिया।
- डॉ. गार्गी भट्टाचार्य रंगसूत्र में भाग लिया, जहां उन्होंने बीकानेर में देसी ऊन क्लस्टर के साथ काम किया।

ये क्षमता निर्माण पहल, व्यावसायिक विकास, इनोवेशन और उद्योग अलाइनमेंट के प्रति विभाग की सतत प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

पीएचडी कर रहे हैं और पूरा कर चुके हैं

विभिन्न निफ्ट परिसरों के वस्त्र डिज़ाइन विभाग के ग्यारह संकाय सदस्यों ने 2024 में अपनी विद्या वाचस्पति की शिक्षा पूरी की है। साथ ही निफ्ट परिसरों में वस्त्र डिज़ाइन विभाग के सोलह संकाय सदस्य विभिन्न वस्त्र-संबंधित विषयों में विद्या वाचस्पति की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

संकाय अनुसंधान और प्रकाशन

2024 में, वस्त्र डिज़ाइन विभाग ने इस क्षेत्र में ज्ञान और इनोवेशन के विकास के लिए उत्कृष्ट प्रतिबद्धता प्रदर्शित का आयोजन किया। इस दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय, दोनों पत्रिकाओं में कुल 44 शोध पत्र प्रकाशित हुए। संकाय सदस्यों ने अकादमिक मंचों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें से 26 राष्ट्रीय और 2 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त, 2 संकाय सदस्यों ने 4 पुस्तक अध्यायों में योगदान दिया, और वस्त्र डिज़ाइन के 3 संकाय सदस्यों ने 4 पुस्तकें लिखीं, जिससे वस्त्र डिज़ाइन में विद्वत्तापूर्ण विमर्श को महत्वपूर्ण रूप से स्थान मिला। शैक्षणिक प्रकाशनों के समीक्षक के रूप में विभाग की भागीदारी कठोर शैक्षणिक मापदंडों को बनाए रखने के हमारे समर्पण को रेखांकित करती है। इसके अलावा, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और सार्वजनिक संग्रहों में योगदान, व्यापक दर्शकों तक शोध को पहुँचाने के हमारे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। ये उपलब्धियाँ वस्त्र डिज़ाइन शिक्षा और अनुसंधान में हमारे नेतृत्व को सुदृढ़ करती हैं।

संकाय उपलब्धियां

वस्त्र डिज़ाइन संकाय सदस्यों ने विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार की परियोजनाओं में भाग लिया, फ़ैशन शो का समन्वय किया, प्रदर्शनियों का आयोजन किया और कार्यशालाएँ आयोजित कीं। विभिन्न सम्मेलनों में उन्हें समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने छात्रों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। संकाय सदस्यों की कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:

- डॉ. एम.के. गांधी, प्रोफेसर, टीडी, चेन्नई ने 2 पुस्तकें प्रकाशित कीं, जिनके नाम हैं "अनलॉकिंग द मेटावर्स एडवांटेज: हाउ फैशन ब्रांड्स कैन थ्राइव इन द डिजिटल फ्रंटियर," और "नेविगेटिंग टर्बुलेंट स्काईज़: मास्टरिंग ईआरपी इम्प्लीमेंटेशन इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस"।
- प्रोफेसर डॉ. सुधा ढींगरा और प्रोफेसर डॉ. रूबी कश्यप सूद को भारत टेक्स 2025 के दौरान "अनंत: सस्टेनेबिलिटी इन हाइयर एजुकेशन इंस्टीट्यूट" पुस्तक के लेखक के रूप में सम्मानित किया गया।
- प्रो. डॉ. ए.एस. किसलय चौधरी को व्याख्यान प्रस्तुत करने के लिए जून 2024 से लंदन कॉलेज ऑफ फैशन और सेंट्रल सेंट मार्टिंस का दौरा करने के लिए आईएफएफटीआई अनुदान से सम्मानित किया गया।
- प्रो. डॉ. रूबी कश्यप सूद और डॉ. अनु शर्मा ने पंजाब स्टेट को-ऑप सप्लाई एंड मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड द्वारा प्रकाशित 'फुलकारी ऑफ पंजाब: सेलिब्रेटिंग ट्रेडिशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन' नामक एक कॉफी टेबल पुस्तक का सह-संपादन किया।
- डॉ. पिंटू पंडित, सहायक प्रोफेसर, टीडी ने "एडवांसेस इन इलेक्ट्रिकली कन्डक्टिव टेक्सटाइल्स: मटीरियल, कैरेक्टराइज़ेशन, एंड एप्लीकेशंस" जनवरी 2025 में एल्सेवियर, वुडहेड प्रकाशन से एक पुस्तक प्रकाशित की, ।
- डॉ. रिचा शर्मा, सह-प्राध्यापक और सीसी-टीडी को 7 अगस्त 2024 को गोल्डमैन सैक्स, बेंगलुरु द्वारा आयोजित आईआरसीएफ मेला पैनल चर्चा - "हैंडलूम वीव्स" के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- टीडी, चेन्नई के सहायक प्राध्यापक श्री कुमारगुरु को हेमटेक्स्टिल 2025 के लिए कलर ट्रेंड्स एंड फोरकास्टिंग पर सेमिनार प्रस्तुत करने के लिए नामित किया गया था।
- डॉ. लता सामंत, सहायक प्राध्यापक, टीडी, ने जॉन विले एंड संस द्वारा संपादित पुस्तक "प्लांट बायोमास डिराइव्ड मटीरियल्स, 2 खंड: सोर्सेस, एक्सट्रैक्शन, एंड एप्लीकेशन्स" प्रकाशित की है।
- डॉ. सस्मिता पांडा, सह-प्राध्यापक को अक्टूबर, 2024 में टेक्सटाइल इंजीनियरिंग डिवीजन, आईईआई, हैदराबाद से सर्वश्रेष्ठ तकनीकी शोधपत्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- डॉ. सस्मिता पांडा, सह-प्राध्यापक को उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से पीएचडी थीसिस की जांच के लिए परीक्षक नियुक्त किया गया है।
- डॉ. बबीता भंडारी को शारदा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सतत भविष्य के लिए मीडिया और डिज़ाइन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रोल ऑफ टेक्सटाइल सर्टिफिकेशन एंड ईको-लेबल्स इन प्रमोटिंग सस्टेनेबल टेक्सटाइल्स इन फैशन' विषय से सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुति प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।
- प्रोफेसर डॉ. रूबी कश्यप सूद और डॉ. डिंपल बहल ने 7 अगस्त 2024 को 10वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं द्वारा निर्मित पुरस्कार विजेता हथकरघाओं की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। यह प्रदर्शनी विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

डिज़ाइन स्पेस

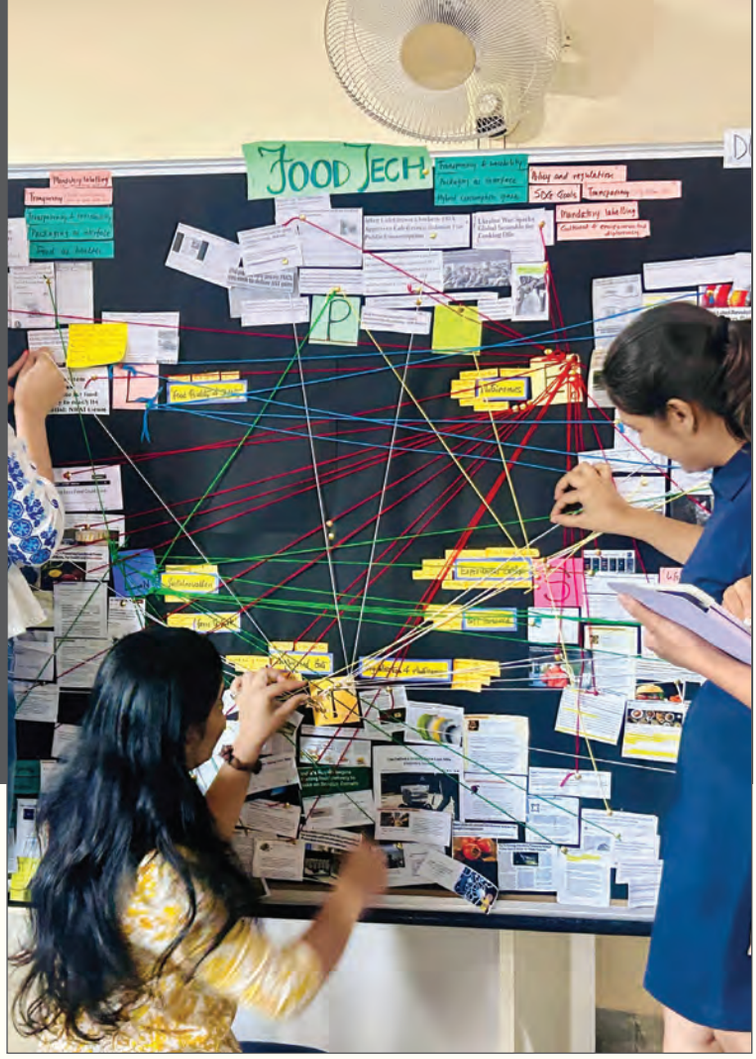

डिज़ाइन स्पेस विभाग, निफ़्ट के सात परिसरों: बेंगलुरु, गांधीनगर, दिल्ली, मुंबई, कन्नूर, कांगड़ा और पंचकुला में दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम, मास्टर ऑफ डिज़ाइन (एम.डिज़.) प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार डिज़ाइन लीडर्स, इनोवेटर्स और शोधकर्ताओं को तैयार करना है जो उद्योग, समाज और शिक्षा जगत में सार्थक योगदान दे सकें। स्ट्रैटेजिक डिज़ाइन, एक्सपीरियंस डिज़ाइन, युआई/युएक्स, सर्विस डिज़ाइन, सस्टेनेबिलिटी, डिज़ाइन एंड ट्रेंड रिसर्च, और डिज़ाइन फॉर एजुकेशन में एक मज़बूत आधार के साथ, यह कार्यक्रम छात्रों को जटिल समस्याओं का विश्लेषण करने, मानव-केंद्रित समाधान निकालने और विविध क्षेत्रों में डिज़ाइन थिंकिंग को लागू करने की क्षमता प्रदान करता है, साथ ही रचनात्मकता, आलोचनात्मक अन्वेषण और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी बढ़ावा देता है।

विभाग के लिए यह वर्ष शैक्षणिक इनोवेशन, शोध उत्कृष्टता, व्यावसायिक इंगेजमेंट और विभिन्न परिसरों में छात्र उपलब्धियों के लिए प्रभावशाली रहा। संकाय ने नए पाठ्यक्रमों, पाठ्यक्रम विकास, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों और कार्यशालाओं व सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से योगदान दिया। छात्रों ने परियोजनाओं, प्रतियोगिताओं और कोलेब्रेशन्स के माध्यम से रचनात्मकता, नेतृत्व और उद्योग-तैयारी का प्रदर्शन किया। विभाग ने संस्थागत सेवा, सामुदायिक आउटरीच और उद्योग साझेदारी में अपनी भूमिका को और मज़बूत किया, साथ ही डिज़ाइन शिक्षा और सस्टेनेबिलिटी के वैश्विक रुझानों के अनुरूप भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं भी तैयार कीं।

2024 में, विभाग का मुख्य ध्यान व्यापक पाठ्यक्रम समीक्षा प्रक्रिया पर था। इस गहन अभ्यास में छात्रों, पूर्व छात्रों, संकाय सदस्यों और उद्योग भागीदारों जैसे सभी हितधारकों के साथ सक्रिय भागीदारी शामिल थी ताकि मौजूदा संरचना का मूल्यांकन किया जा सके और इसे उभरते वैश्विक डिज़ाइन शिक्षा रुझानों, तकनीकी प्रगति और उभरती उद्योग आवश्यकताओं के साथ संरेखित किया जा सके। इस प्रक्रिया ने विभाग को कमियों की पहचान करने, नए विषय क्षेत्रों को एकीकृत करने, क्रेडिट का पुनर्गठन करने, अनुसंधान और इनोवेशन घटकों को मजबूत करने और समग्र शिक्षण अनुभव को बेहतर बनाने में सक्षम बनाया। ये सामूहिक प्रयास शैक्षणिक नवाचार, स्थिरता और वैश्विक प्रासंगिकता के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं, और एम.डेस. स्नातकों को वैश्विक डिज़ाइन पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य प्रभावी ढंग से और आत्मविश्वास के साथ करने के लिए तैयार करते हैं।

2025 की ओर बढ़ते हुए, यह विभाग संशोधित पाठ्यक्रम लागू करने, उद्योग साझेदारी को अधिक गहन करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है।

पाठ्यक्रम

जुलाई-दिसंबर 2024 और जनवरी-जून 2025 के शैक्षणिक सत्रों के दौरान सभी परिसरों में एम.डेस पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक लागू किया गया। सभी कक्षाएं, शोध प्रबंध निर्णायक मंडल और स्नातक कार्यक्रम ऑफ़लाइन मोड में आयोजित किए गए, जिससे संकाय और छात्रों के बीच पूर्ण भागीदारी और संवाद सुनिश्चित हुआ। सभी पात्र छात्रों द्वारा उद्योग-निर्देशित परियोजनाएँ (जून-अगस्त 2024) भी पूरी की गईं, जिससे वास्तविक दुनिया के डिज़ाइन अभ्यास से उनका परिचय और भी मज़बूत हुआ।

कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए, परिसरों ने प्रतिष्ठित डिज़ाइन संस्थानों के प्रमुख उद्योग विशेषज्ञों, पूर्व छात्रों और शिक्षाविदों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान की। इन कार्यक्रमों ने छात्रों को ह्यूमन-सेंटर्ड डिज़ाइन, एक्सपीरियंस डिज़ाइन, ब्रांडिंग एंड स्ट्रैटेजी, सस्टेनेबिलिटी, एआई एंड एथिक्स इन डिज़ाइन, इंटरफ़ेस डिज़ाइन और डिजिटल फ्यूचर में उभरते रुझानों जैसे समकालीन विषयों से परिचित कराया।

पाठ्यक्रम डिलीवरी में अनुभवात्मक शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका बनी रही। छात्रों ने आउटबाउंड कार्यशालाओं, क्राफ्ट क्लस्टर इमर्ज़न और कारीगर जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे कारीगरों और छात्रों के बीच पारस्परिक रूप से लाभदायक एवं महत्वपूर्ण आदान-प्रदान हुआ।

07 परिसरों के एमडीईएस छात्रों ने भारत टेक्स, नई दिल्ली (फरवरी 2025) में भाग लिया, जहां उन्होंने उद्योग और डिज़ाइन स्टूडियो जैसे कि इकोनॉक, डिज़ाइन एकट्रिट, पेरो, क्लेमेन ऑब्जेक्ट्स एंड स्कल्पचर्स, गूंज, आईआईटी दिल्ली, टेक्निकल बिज़नेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) का दौरा किया, साथ ही इसी अवधि के दौरान दिल्ली में आर्ट/क्राफ्ट गैलरी और संग्रहालयों जैसे कि नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, नेशनल क्राफ्ट म्यूजियम, रंगतिरा क्राफ्ट इंडिया लिमिटेड का भी दौरा किया।

पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, संकाय और छात्रों ने संग्रहालयों, हेरिटेज परिसरों, शिल्प समूहों, औद्योगिक केंद्रों सहित सांस्कृतिक और औद्योगिक स्थलों का दौरा किया और बेंगलुरु डिज़ाइन वीक (आईआईएससी), पुणे डिज़ाइन फ़ेस्टिवल, यूएक्स नाउ, डिज़ाइन मुंबई जैसे डिज़ाइन फ़ोरम और सम्मेलनों में भाग लिया, और मुंबई के कालाघोड़ा फेस्टिवल में सस्टेनेबल इंटरैक्टिव इंस्टॉलेशन का आयोजन किया। इन यात्राओं और भागेदारियों ने ने कन्टेम्प्रेरी डिज़ाइन प्रैक्टिसेस, आइडेंटिटी एंड रीप्रेज़ेन्टेशन, एंड सस्टेनेबल मटीरियल इनोवेशन का महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान किया।

इस वर्ष का एक प्रमुख आकर्षण गहन पाठ्यक्रम समीक्षा प्रक्रिया और नवंबर में जियो वर्ल्ड गार्डन, बीकेसी, मुंबई में आयोजित डिज़ाइन मुंबई 2024 के लिए नॉलेज पार्टनर के रूप में निफ़्ट की भूमिका थी। एम.डेस विभाग के संकाय इस आयोजन के नोडल सदस्य थे और उन्होंने पैनल वक्ताओं के रूप में भी योगदान दिया, जबकि छात्रों ने इस आयोजन में स्वयंसेवा की और एक बड़े पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय डिज़ाइन फ़ोरम के प्रबंधन और दुनिया भर के पेशेवरों के साथ नेटवर्किंग का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

सैद्धांतिक निर्देश, व्यावहारिक कार्यशालाओं, क्षेत्र में प्रशिक्षण और उद्योग सहयोग को मिलाकर इस बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से पाठ्यक्रम ने छात्रों को रचनात्मकता, सहानुभूतिपूर्ण और नवाचार के साथ उभरती हुई डिज़ाइन चुनौतियों का जवाब देने के लिए सफलतापूर्वक तैयार किया।

संकाय प्रशिक्षण / कार्यशालाएं

- 07 परिसरों के डिज़ाइन स्पेस संकाय विभाग ने जून-जुलाई 2024 के महीने में अपने परिसर के लिए निर्धारित तारीखों पर निफ़्ट, श्रीनगर में आयोजित फैकल्टी रिट्रीट में भाग लिया।
- निफ़्ट, मुंबई से डॉ. रश्मि गुलाटी, डॉ. नगमा साही अंसारी और निफ़्ट, दिल्ली की सहायक प्राध्यापक सुश्री सुरभि आहूजा ने 11 मार्च 2025 को एमईएनआरवी.एआई के संस्थापक और सीईओ डॉ. अंशुमान घोष द्वारा एआई टूल्स पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया।
- निफ़्ट बेंगलुरु की सहायक प्राध्यापक सुश्री कृति श्रीवास्तव ने जुलाई 2024 में लक्जरी ब्रांड प्रबंधन में प्रशिक्षण और अगस्त 2024 में जीआई कानूनों पर वेबिनार में भाग लिया।
- निफ़्ट मुंबई की सह-प्राध्यापक डॉ. रश्मि गुलाटी, निफ़्ट पंचकूला की सहायक प्राध्यापक सुश्री भावना चौहान और निफ़्ट, कांगड़ा की सहायक प्राध्यापक सुश्री मौलश्री सिन्हा ने जुलाई 2024 में निफ़्ट, श्रीनगर में फैकल्टी रिट्रीट के दौरान फैसिलिटेटर के रूप में नेतृत्व करने और कार्यशाला आयोजित करने के लिए जून 2024 में एक सप्ताह का प्रशिक्षण लिया।
- डॉ. रश्मि गुलाटी ने 19 जुलाई से 21 जुलाई 2024 तक एमएफएम और एमडीईएस संकाय सदस्यों के संकाय समूहों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

संकाय योगदान / व्यावसायिक संलग्नता

पाठ्यक्रम समीक्षा 2025

- पाठ्यक्रम 2025 की समीक्षा के लिए कोर समिति की बैठकें निफ़्ट, दिल्ली (फरवरी 2025) और निफ़्ट बेंगलुरु (मार्च 2025) में आयोजित की गईं, जिनका नेतृत्व डॉ. रश्मि गुलाटी (सीपी-एमडीईएस), श्री प्रशांत सी.के. (लिंक सीपी-एमडीईएस), प्रो. डॉ. वर्षा गुप्ता, प्रो. डॉ. रूपा अग्रवाल और अन्य संकाय सदस्य जैसे सुश्री कविता यादव, डॉ. रश्मि मुंशी, मोहम्मद अंसार और सुश्री बिनिया अरुल जोथी ने किया।
- आईआईएससी, टाटा डिजिटल, क्रेड, गूगल इंडिया, फ्लिपकार्ट, नाइका, माइक्रोसॉफ्ट, ईवाई, डिज़ाइनिट/विप्रो, टाटा एलेक्सी, बाम्ब्रू और यूएएल के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के साथ निफ़्ट बेंगलुरु में उद्योग समीक्षा (20 मार्च 2025)।
- 7 परिसरों के 22 संकाय सदस्यों ने पाठ्यक्रम विकास के लिए एंकर, को-एंकर और टीम सदस्य के रूप में योगदान दिया।

संकाय नेतृत्व और सलाहकार भूमिकाएँ

- डॉ. रश्मि गुलाटी: डिज़ाइन मुंबई 2024 के लिए नोडल कार्यालय, आईएफएफआई गोवा स्टाइलिंग प्रतियोगिता का सह-संचालन, स्टार्ट-अप असेंबली कार्यशाला का आयोजन, पीजी ब्रिज उम्मीदवारों का मार्गदर्शन, एनएआईएबी (मुंबई), भारत टेक्स स्पॉन्सरशिप और एसआईएसी प्रवेश और विभिन्न पैनल समितियों का हिस्सा।
- प्रो. डॉ. वर्षा गुप्ता: एनएआईएबी (दिल्ली) में कार्यरत, क्यूएस/एनआईआरएफ रैंकिंग समन्वय, भारत टेक्स कोर टीम सदस्य।
- प्रो. डॉ. रूपा अग्रवाल: डिज़ाइन मुंबई 2024 के वार्ता सत्र की समन्वयक और पैनलिस्ट।
- प्राध्यापक डॉ. शर्मिला दुआ: निदेशक के रूप में डिज़ाइन मुंबई 2024 का नेतृत्व किया; एमएसयू बड़ौदा में पीएचडी थीसिस के समीक्षक के रूप में कार्य किया।
- सुश्री लवदीप सिंह ने एनएआईएबी (कांगड़ा) के सदस्य के रूप में कार्य किया।

कार्यशालाएँ, व्याख्यान और आउटरीच

- कार्यशालाएँ: प्रोडक्ट डिज़ाइन (श्री अंशुमान कुमार, आइडियाफोर्ज, सितंबर 2024, निफ़्ट बेंगलुरु संकाय द्वारा आयोजित); बेसिक्स ऑफ़ डिज़ाइन (सुश्री मौलश्री सिन्हा और सुश्री लवदीप सिंह, निफ़्ट कांगड़ा, जुलाई 2024); वर्चुअल एथ्नोग्राफी एफडीपी के माध्यम से अनुसंधान (डॉ. नगमा साही अंसारी, जनवरी 2025)।
- विशेषज्ञ व्याख्यान: डिज़ाइन थिंकिंग एंड ऑन्टरप्रेन्योरशिप (श्री नितिन अरुण कुलकर्णी, जून 2024); मार्केटिंग,

कम्युनिकेशन एंड पैकेजिंग ऑफ क्राफ़्ट प्रोडक्ट्स (सुश्री मौलश्री सिन्हा, फरवरी 2025)।

- आउटरीच पहल: डॉ. रश्मि गुलाटी (मुंबई स्कूल/कॉलेज, दिसंबर 2024), सुश्री सुरभि आहूजा (ब्लॉक प्रिंटिंग पर युएन वुमन फेलोशिप), और श्री विनोद भाटिया (डिज़ाइन कार्यशाला, लुधियाना, दिसंबर 2024) द्वारा प्रवेश प्रमोशन और कार्यशालाएं।

निर्णायक मंडल और संपादकीय कार्य

- प्रो. डॉ. वर्षा गुप्ता: जीआई जूरी के सदस्य (नवंबर 2024 और जनवरी 2025), न्यू लैंडस्केप अवार्ड्स (यूएएल-ब्रिटिश काउंसिल) के लिए जूरी सदस्य, मोबियस फाउंडेशन एंड यूएनईपी (सितंबर 2024) द्वारा "स्किलिंग फ़ॉर ग्रीन करियर" पर पैनल सदस्य; फैशन हाइलाइट जर्नल, इटली के लिए शोध पत्र समीक्षक, निफ़्ट जर्नल ऑफ फैशन के लिए शोध पत्र समीक्षक और संपादकीय सदस्य, ग्लोबल इंच जर्नल के लिए सलाहकार बोर्ड की सदस्य।
- डॉ. रश्मि गुलाटी: क्राफ्ट क्लस्टर ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स (अक्टूबर 2024) के लिए जूरी सदस्य; निफ़्ट जर्नल ऑफ फैशन के लिए शोध पत्र समीक्षक और संपादकीय सदस्य।

विद्या वाचस्पति (पीएचडी) कर रहे हैं और पूरा कर चुके हैं

एमडीईएस के 26 संकाय सदस्यों में से 9 ने सफलतापूर्वक अपनी पीएचडी पूरी कर ली है, जबकि 09 वर्तमान में पीएचडी कर रहे हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है:

- श्री प्रशांत कोचुवीटिल, सह-प्राध्यापक, निफ़्ट बेंगलुरु, 2024 से क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से "सस्टेनेबल सर्कुलर बिज़नेस मॉडल्स फॉर एन्हैन्स्ड कन्ज़म्प्शन एक्सपीरियंस इन द फ़ैशन इन्डस्ट्री" विषय पर पीएचडी कर रहे हैं।
- मोहम्मद अंसार, सह-प्राध्यापक, निफ़्ट बेंगलुरु, डिकोलोनिएलिटी ऑन इंडियन ट्रेडिशनल क्राफ्ट्स सेक्टर विषय पर पीएचडी कर रहे हैं।
- सुश्री कविता यादव, सहायक प्राध्यपक, निफ़्ट नई दिल्ली, एसजीटी विश्वविद्यालय से 2022 से "लक्जरी टेंट डिज़ाइन एंड इट्स ट्रांसफोरमेटिव इम्पैक्ट ऑन कस्टमर एक्सपीरियंस" विषय पर पीएचडी कर रही हैं।
- सुश्री सुरभि आहूजा, सहायक प्राध्यापक, निफ़्ट नई दिल्ली, आईआईटी दिल्ली से 2023 तक 'स्टैन्डर्डाइज़ेशन इन क्राफ्ट्स' विषय पर पीएचडी कर रही हैं।
- श्री सिद्धार्थ सिंह, सहायक प्राध्यापक, निफ़्ट नई दिल्ली, 2018 से आईआईटी कानपुर से "भारत में समकालीन लोक कलाओं का प्रासंगिक अध्ययन" विषय पर पीएचडी कर रहे हैं।
- श्री असित भट्ट, सह-प्राध्यापक, निफ़्ट गांधीनगर, अक्टूबर 2023 से चेस्टर विश्वविद्यालय, यू.के. से "पेडागॉगी ऑफ़ द क्राफ्ट्स एंड द वैल्यूस ऑफ कोलैबोरेटिव, कोऑपरेटिव, कोरिलेटिव, एंड कलेक्टिव (क्रिएटिव) प्रैक्टिसेस" विषय पर पीएचडी कर रहे हैं।
- श्री गौरव शर्मा, सहायक प्राध्यापक, निफ़्ट गांधीनगर, यूआईडी कर्णावती विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से "ए स्टडी ऑफ़ द सोशियो-इकॉनोमिक स्टेटस ऑफ़ टेराकोटा क्राफ़्ट्समेन एंड रिक्वायर्ड डिज़ाइन इन्टरवेन्शन; गुजरात, राजस्थान" विषय पर पीएचडी कर रहे हैं।
- श्री अमलेंधु एस पी, सहायक प्राध्यापक, निफ़्ट कन्नूर जुलाई 2023 से आईआईटी बॉम्बे से "फॉस्टरिंग स्पेटियल थिंकिंग इन 3डी-2डी ट्रांस्फोरमेशन फॉर फ़ैशन डिज़ाइन" विषय पर पीएचडी कर रहे हैं।
- सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, निफ़्ट पंचकूला, 2019 से निफ़्ट नई दिल्ली से "इन्क्लूसिव अडैप्टिव क्लोदिंग फॉर यूथ अडल्ट्स विद स्पाइनल कॉर्ड इंजरी टु एन्हैन्स देयर क्वालिटी ऑफ़ लाइफ" के क्षेत्र में पीएचडी कर रही हैं।

संकाय अनुसंधान और प्रकाशन

- डॉ. वर्षा गुप्ता, प्राध्यापक, निफ़्ट दिल्ली, ने फैशन हाइलाइट जर्नल (इटली, अक्टूबर 2024) में अंक 4 "फैशन्स फाइबर्स ऐज़ प्लैनेटरी फ्लोस्" के लिए शोध पत्र समीक्षक के रूप में कार्य किया।
- निफ़्ट दिल्ली की प्राध्यापक डॉ. वर्षा गुप्ता ने भावना जैन और क्षितिज राणा के साथ मिलकर एक शोध पत्र "लुंग्विशिंग डिमांड एंड रिकॉग्निशन ऑफ खुकुरी" लिखा, जो जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल के पत्रकारिता और रचनात्मक अध्ययन संकाय द्वारा विजुअल कम्युनिकेशन एंड डिज़ाइन नामक पुस्तक में प्रकाशित हुआ (2024)।
- निफ़्ट दिल्ली की सहायक प्राध्यापक सुश्री कविता यादव ने जूनी ख्यात (ISSN: 2278-4632, खंड 14, अंक 12, संख्या 05, दिसंबर 2024) में "द इवॉल्युशन ऑफ़ लक्जरी टेंट डिज़ाइन इन इंडिया: बैलेन्सिंग ट्रेडिशन एंड मॉडर्निटी" शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- निफ़्ट दिल्ली की सहायक प्राध्यापक सुश्री कविता यादव ने 29 नवंबर 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अफ्रीकी अध्ययन विभाग में "द फ्युचर ऑफ़ लक्जरी टूरिज़्म इन अफ्रीका एंड इंडिया : ट्रेंड्स, चैलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीस फॉर सस्टेनेबल डेवेलपमेंट" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- निफ़्ट दिल्ली की सहायक प्राध्यापक सुश्री स्तुति बिसेन ने "इंडीजिनस कल्चरल प्रैक्टिसेस एंड ट्रेडिशनल विसडम इन इंडियन डिज़ाइन पेडागॉगी इन द लाइट ऑफ़ इंडस्ट्री 5.0" नामक शोधपत्र का सह-लेखन किया है, जिसे आईसीओआरडी - डिज़ाइन में अनुसंधान पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया और रूटलेज (2025) द्वारा प्रकाशित किया गया।
- निफ़्ट बेंगलुरु की सहायक प्राध्यापक सुश्री कृति श्रीवास्तव ने अक्टूबर 2024 में "एक्सटेंडिग द सर्क्युलैरिटी कॉन्सेप्ट-शॉडी यार्न इन प्रीमियम फर्निशिंग(आईआईटी रुड़की)" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- निफ़्ट बेंगलुरु की सहायक प्राध्यापक सुश्री कृति श्रीवास्तव ने जनवरी 2025 में एफटीसी, आईआईटी दिल्ली में प्रीमियम फर्निशिंग्स में सर्कुलरिटी कॉन्सेप्ट-शॉडी यार्न का विस्तार शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. कृति ढोलकिया, सह-प्राध्यापक, निफ़्ट गांधीनगर, ने टेक्सटाइल एसोसिएशन इंडिया 2024, बड़ौदा चैप्टर, टीएबी न्यूज़लेटर (वॉल्यूम 4, अप्रैल-जून 2024) में "इंटीग्रेटिंग

सिस्टम्स थिंकिंग टु अटेन सोशल सस्टेनेबिलिटी इन द अपैरल इंडस्ट्री" लेख का सह-लेखन किया।

- निफ़्ट गांधीनगर की सह-प्राध्यापक डॉ. कृति ढोलकिया ने प्लांट साइंस बुलेटिन (बॉटनिकल साइंसेज में कला पर विशेष अंक, बॉटनिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका, स्प्रिंग 2024, वॉल्यूम 70-1) में प्रकाशित एक शोध पत्र "प्लांट मोटिफ़्स डिपिक्टेड इन कच्छ एम्ब्रॉइडरी एंड इट्स इंटीग्रेशन इन साई-आर्ट कोलैबोरेटिव एजुकेशनल मॉडल्स इन द इंडियन एजुकेशनल सिस्टम" लिखा।
- डॉ. कृति ढोलकिया, सह-प्राध्यापक, निफ़्ट गांधीनगर, ने गारलैंड मैगज़ीन, ऑस्ट्रेलिया (दिसंबर 2024, "गैलरी इन टेंपल्स" अंक) में प्रकाशित लेख "गेटवेज़ टू द सोल इन इंडियन आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स" का सह-लेखन किया।
- श्री गौरव शर्मा, सहायक प्राध्यापक ने एम.डेस के छात्रों के साथ मिलकर 18 और 19 जनवरी 2025 को आईआईटी गांधीनगर में आयोजित क्यूरियोसिटी कॉन्फ्रेंस 2025 में क्युरियोसिटी एज़ ए केटालिस्ट टु कॉग्निटिव फिटनेस रूप में पर पोस्टर प्रस्तुत किया, जो स्मृति, ध्यान, समस्या-समाधान और जिज्ञासा के माध्यम से सीखने के परिणामों को बढ़ाने के लिए एक डिज़ाइन-नेतृत्व वाला दृष्टिकोण है।
- श्री गौरव शर्मा, सहायक प्राध्यापक और एम.डेस के छात्रों ने 21 से 23 फरवरी 2025 तक आईआईएएम अहमदाबाद में सीटीडीपी 2025 में "ट्रांसफॉर्मिंग एजुकेशन फॉर विज़ुअली इम्पैयर्ड लर्नर्स: द रोल ऑफ टेक्नोलोजी इन बिल्डिंग इन्क्लूसिव फ़्युचर" पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
- निफ़्ट कन्नूर से बैरीसाल, सनी, मंडल, एम., और प्रिया, आर. (2025), ने "डिज़ाइनिंग आर्ट एंड क्राफ्ट किट्स: इम्प्रूविंग मेंटल हेल्थ, कल्चरल अवेयरनेस एंड सस्टेनेबिलिटी" पर एक शोधपत्र प्रकाशित किया। 10वें अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च इन्टु डिज़ाइन कॉन्फ्रेंस (ICORD 2025) - रिस्पॉन्सिबल एंड रेज़िलियंट डिज़ाइन फॉर सोसाइटी में। स्प्रिंगर नेचर। (प्रकाशन हेतु स्वीकृत; ICORD 25, 8-10 जनवरी 2025, IIT हैदराबाद, भारत में प्रस्तुत)।
- निफ़्ट कन्नूर से कुलकर्णी, एस. एस., बैरिसल, सनी, और प्रिया, आर. (2025), ने "एफिशिएंसी एंड रेज़िलियंस: ए स्टडी ऑफ मुंबईस् डब्बावालास इन द ऑर्डर एरा" पर एक शोधपत्र प्रकाशित किया। 10वें अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च इन्टु डिज़ाइन कॉन्फ्रेंस (ICORD 2025) - रिस्पॉन्सिबल एंड रेज़िलियंट डिज़ाइन फॉर सोसाइटी में। स्प्रिंगर नेचर। (प्रकाशन हेतु स्वीकृत; ICORD 25, 8-10 जनवरी 2025, IIT हैदराबाद, भारत में प्रस्तुत)।
- निफ़्ट कन्नूर से श्रीवास्तव, ए., प्रिया, आर., और बैरिसल, एस. (2025), ने "हार्मोनाइजिंग शेप्स: साउंड-इंड्यूस्ड इमोशंस एंड स्कल्प्टेड फॉर्म्स" प्रकाशित किया। 10वें अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च इन्टु डिज़ाइन कॉन्फ्रेंस (ICORD 2025) - रिस्पॉन्सिबल एंड रेज़िलियंट डिज़ाइन फॉर सोसाइटी में। स्प्रिंगर नेचर। (प्रकाशन हेतु स्वीकृत; ICORD 25, 8-10 जनवरी 2025, IIT हैदराबाद, भारत में प्रस्तुत)।
- निफ़्ट कन्नूर से रवींद्रन, आर. के., और बैरिसल, एस. (2025), ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम साइंस, 11(2), 334-339 में HTTPS://DOI.ORG/10.22271/23957476.2025.V11.I2E.1883 पर टेक्टाइल सेन्सेशन वर्सेस इमोशनल स्टडी ऑफ फैब्रिक्स प्रकाशित किया।
- निफ़्ट कन्नूर की संतिया रागिनी और सनी बैरीसाल ने एन्हैन्सिंग यूज़ेबिलिटी एंड एक्सेसिबिलिटी ऑफ द इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) मोबाइल एप्लिकेशन: ए यूज़र सेंट्रिक अप्रोच आईडीईएएस-2024 में प्रस्तुत किया गया, इनोवेटिव डिज़ाइन फॉर एक्सिलेंस, अफॉर्डेबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की और क्वीन्स यूनिवर्सिटी, कनाडा, 19-20 अक्टूबर, 2024।
- निफ़्ट कन्नूर की शिमोना रस्तोगी और सनी बैरीसाल ने "क्राफ़्टिंग मॉडर्निटी: द इंटीग्रेशन ऑफ़ ट्रेडिशनल लैक जूलरी इन कॉन्टेम्प्रेरी फ़ैशन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। यह शोधपत्र आईडीईएएस-2024 में प्रस्तुत किया गया, इनोवेटिव डिज़ाइन फॉर एक्सिलेंस, अफॉर्डेबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की और क्वीन्स यूनिवर्सिटी, कनाडा में 19-20 अक्टूबर, 2024 को प्रस्तुत किया जाएगा।
- निफ़्ट मुंबई की प्राध्यापक डॉ. रूपा अग्रवाल ने रूटलेज टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप (अध्याय VII, सितंबर 2024) में "विच प्रॉक्सिमिटी इन डिज़ाइन एजुकेशन? ए कॉन्टेम्प्रेरी करिकुलम" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया।
- निफ़्ट पंचकूला के सहायक प्राध्यापक श्री विनोद भाटिया ने 23-24 जनवरी 2025 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के इंटर कल्चरल स्टडीज सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार, पेंट, प्रिंट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से भारतीय दृश्य संस्कृतियों पर: पैटर्न में बदलाव और संभावनाओं को आकार देने पर "एम्पायर एंड द कल्चर ऑफ एग्जीबिशन मेकिंग: द कोलोनियल एंड इंडियन एग्जीबिशन ऑफ 1886" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संकाय उपलब्धियां

- डॉ. वर्षा गुप्ता, प्राध्यापक निफ़्ट दिल्ली, "ग्लोबल इंच जर्नल" – इंटरनैशनल जर्नल ऑफ़ इन्टैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज, के लिए सलाहकार बोर्ड की सदस्य हैं।
- डॉ. रश्मि गुलाटी और डॉ. रूपा अग्रवाल, 6 से 9 नवंबर, 2024 तक आयोजित "डिज़ाइन मुंबई" कार्यक्रम के समन्वय के लिए निफ़्ट मुंबई की नोडल टीम का हिस्सा थीं, जहाँ निफ़्ट नॉलेज पार्टनर था। यह कार्यक्रम मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड गार्डन में आयोजित किया गया था।
- निफ़्ट मुंबई परिसर की प्राध्यापक डॉ. रूपा अग्रवाल 9 नवंबर, 2024 को डिज़ाइन मुंबई कार्यक्रम में 'द सीरियस वर्ल्ड ऑफ प्ले' शीर्षक से आयोजित पैनल चर्चा में पैनलिस्ट थीं।
- सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, सीसी-एम.डेस, निफ़्ट पंचकूला को ग्रामीण हैंडमेड द्वारा 27 दिसंबर 2024 को एक स्थायी शिल्प परियोजना के लिए गैर-कार्यकारी बोर्ड सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, सीसी-एम.डेस और डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर को 18-20 जुलाई 2024 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित टेक्सटाइल फेयर इंडिया - प्रिज्म अवार्ड्स के लिए जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, सीसी-एम.डेस को उड़ान एम्पावरमेंट ट्रस्ट द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए आयोजित सौंदर्य प्रतियोगिता, "मिस एंड मिस्टर विजनरी" के निर्णायक मंडल के रूप में 16 फरवरी, 2025 को पंचकूला में आमंत्रित किया गया था।
- सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, सीसी-एम.डेस को 24 नवंबर 2024 को सोशल साइंस जर्नल (एसएसजे) में प्रकाशित एक शोध पत्र की समीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसका शीर्षक था 'द डायनेमिक्स इम्पैक्ट ऑफ़ इंटरनेट यूज़ ऑन सोशल फेयरनेस पर्सेप्शन्स इन चाइना फ्रॉम 2010 टु 2021'।
- डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर को डिज़ाइन विभाग (डीओडी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), हैदराबाद और डिज़ाइन एंड मैन्युफेक्चरिंग (डीएम) (पूर्ववर्ती सेंटर फॉर प्रोडक्ट डिज़ाइन एंड मैन्युफेक्टरिंग) भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु द्वारा 8-10 जनवरी 2025 तक आयोजित आईसीओआरडी '25 के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर, ने पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया कार्यक्रम में एमए के लिए पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की, जिसे स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज द्वारा डिज़ाइन किया गया है, और मार्च 2025 के दौरान इग्नू में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड के माध्यम से पेश किया गया है।
- डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर, ने अगस्त 2024 में फैशन प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर राष्ट्रीय एफडीपी (एनआईटीटीआर चंडीगढ़) में रिसोर्स पर्सन के रूप में कार्य किया।
- डॉ. सनी बैरीसाल, सहायक प्राध्यापक और सीसी एमडीईएस, ने आईसीओआरडी '25 में पेरलल सेशन - 9 (डीटीसीसी: डिज़ाइन टीम, कोलैबोरेशन, कम्युनिकेशन एंड डीएमकेएम: डिज़ाइन मैनेजमेंट एंड प्रोडक्ट लाइफ साइकल मैनेजमेंट; डीटीसीसी और डीएमकेएम-एस49, शॉर्ट पोडियम) की अध्यक्षता की, जिसका आयोजन डिज़ाइन विभाग (डीओडी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), हैदराबाद और डिपार्टमेंट ऑफ डिज़ाइन एंड मैन्युफेक्चरिंग (डीएम) (पूर्ववर्ती सेंट फॉर प्रोडक्ट डिज़ाइन एंड मैन्युफेक्चरिंग), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु द्वारा तीसरे दिन, 10 जनवरी 2025 (आईएसटी: 17:00-18:30) को किया गया।

फैशन प्रबंधन अध्ययन

'मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट, निफ्ट के सभी 18 केंद्रों के छात्रों को दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर प्रबंधन पाठ्यक्रम, एमएफएम प्रदान करता है। 'मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट' पाठ्यक्रम का उद्देश्य फैशन प्रबंधन, मार्केटिंग, मर्चेंडाइजिंग, रिटेलिंग और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्रों में विश्व स्तरीय पेशेवर तैयार करना और छात्रों में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देना है। यह छात्रों को सही उत्पाद ज्ञान से लैस करके, नवीनतम तकनीकों को अपनाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर और उनके विश्लेषणात्मक एवं प्रबंधकीय कौशल को निखारकर किया जाता है। यह निफ्ट द्वारा दशकों से विकसित एक पारिस्थितिकी तंत्र के अंतर्गत सहयोगात्मक रूप से किया जाता है; जिसमें सही उद्योग संपर्क पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

छात्रों को प्रबंधन, विपणन, क्रय, व्यापारिक (खुदरा और निर्यात), खुदरा संचालन, अंतर्राष्ट्रीय विपणन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, उद्यमिता और फैशन व्यवसाय के महत्वपूर्ण अंतःविषय पहलुओं और व्यावसायिक प्रथाओं पर गहन शिक्षा दी जाती है। उन्हें व्यापारिक/विपणन के सिद्धांतों और प्रथाओं, नवीन फैशन प्रबंधन प्रथाओं, सूचना प्रौद्योगिकी विकास, क्लस्टर अध्ययन, स्थिरता, फैशन प्रवृत्तियों और व्यावसायिक प्रथाओं से परिचित कराया जाता है।

विभाग संकाय सदस्यों द्वारा किए गए सहयोगात्मक अनुसंधान और छात्रों द्वारा किए गए सेमिनारों, सम्मेलनों, विशेषज्ञ व्याख्यानों, इंटर्नशिप, स्नातक परियोजनाओं और कक्षा परियोजनाओं के माध्यम से उद्योग के साथ सक्रिय सहयोग बनाए रखता है।

पाठ्यक्रम और प्रस्तुति

जुलाई-दिसंबर 2024 और जनवरी-जून 2025 सत्र के लिए एमएफएम पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम सभी केंद्रों में सफलतापूर्वक वितरित किया गया है। सभी कक्षाएं ऑफ़लाइन मोड में आयोजित की गईं और जीपी जूरी का आयोजन ऑफ़लाइन मोड में किया गया। सभी परिसरों में जीपी शो सफलतापूर्वक ऑफ़लाइन आयोजित किए गए। सेमेस्टर 2 के बाद एफआईआईटी भी सभी सफल छात्रों द्वारा ऑफ़लाइन मोड में किया गया। छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों या अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञों के बीच कई संवाद भी आयोजित किए गए। पाठ्यक्रम वितरण के एक भाग के रूप में सभी केंद्रों में शिल्प क्लस्टर दौरे सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिसके बाद कारीगरों और छात्रों के पारस्परिक लाभ के लिए कारीगर जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

संकाय प्रशिक्षण और कार्यशाला

एफएमएस विभाग के शिक्षकों ने टीओटी, वेबिनार, कार्यशालाओं, फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट और सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से अपने कौशल और ज्ञान को उन्नत किया। एफएमएस विभाग हमेशा छात्रों के कौशल और रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए पहल करता है, और कभी पीछे नहीं हटता। विभाग ने विभिन्न शिक्षण क्षेत्रों में टीओटी का आयोजन किया। विभाग ने संकाय सदस्यों को विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए भी सुविधा प्रदान की।

- डॉ. नेत्रावती टी.एस., एसोसिएट प्रोफेसर और सीसी-एफएमएस और डॉ. कृतिका जी.के., एसोसिएट प्रोफेसर ने भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अपने नाम नामांकित किए हैं। शिक्षा मंत्रालय के तहत मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के सहयोग से, आईआईएम रांची में 25 नवंबर से 29 नवंबर 2024 तक आयोजित "नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम" नामक प्रतिष्ठित नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
- डॉ. प्रियदर्शिनी के. ने 27-31 जनवरी 2025 तक हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एसएससीएम पर एमडीपी में भाग लिया।

- प्रो. डॉ. एस. अंगम्मल संथी और श्री एस. जयराज ने 17.11.2024 को एनआईएफटी चेन्नई की अपनी यात्रा के दौरान माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह को फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग के बारे में जानकारी दी ।
- डॉ. ए. शशिरेखा, एसोसिएट प्रोफेसर: 21.01.2025 को "लक्जरी ब्रांड का निर्माण और विकास (भारतीय डिजाइनरों और ब्रांडों के लिए एक मार्गदर्शिका)" पर एक ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया।

  श्री एस. जयराज, सहायक प्राध्यापक:

  निफ्ट, नई दिल्ली में दिनांक 03.07.2024 से 05.07.2024 तक “लक्ज़री ब्रांड प्रबंधन” विषय पर टीओटी में भाग लिया।

  29.08.2024 को मेसर्स टीम यूनिक, चेन्नई में दिनांक 03.06.2024 से 14.06.2024 के बीच किए गए अपने संकाय उद्योग संलग्नक के बारे में एक प्रस्तुति दी।

  21.01.2025 को “लक्ज़री ब्रांड का निर्माण और विकास (भारतीय डिज़ाइनरों और ब्रांडों के लिए एक मार्गदर्शिका)” पर एक ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया।
- डॉ. जैस्मीन दीक्षित ने दिल्ली परिसर में 17 संकाय सदस्यों के लिए 3 जुलाई से 5 जुलाई 2024 तक लक्ज़री ब्रांड प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) सफलतापूर्वक आयोजित किया।
- डॉ. शिखा गुप्ता और सुश्री सोनिका सिवाच ने 3 से 5 जुलाई 2024 तक निफ्ट नई दिल्ली में "लक्ज़री ब्रांड मैनेजमेंट" पर टीओटी में भाग लिया।
- डॉ. शिखा गुप्ता ने जुलाई 2024 में वैशाली फैशन्स, जोधपुर, एफआईए पूरा किया।
- डॉ. शीतल सोनी ने आईआईएम कोझीकोड से "एडवांस्ड सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन एकेडमिक रिसर्च एंड डेटा एनालिसिस" पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (ऑनलाइन - 130 घंटे की अवधि) पूरा किया।
- डॉ. महेंद्र दैया ने जुलाई 2024 में गणेश हैंडीक्राफ्ट्स में एफआईए पूरा किया और यूडेमी से फोटोग्राफी का कोर्स पूरा किया।
- डॉ. दिव्या व्यास ने जून 2024 में ब्लॉक प्रिंट कारीगर छिपा रमजान के साथ एफआईए पूरा किया।
- सुश्री सोनिका सिवाच ने जून 2024 में ‘द लूम’, नई दिल्ली में 15 दिनों का एफआईए किया।
- डॉ. राजीव कुमार, सहायक प्रोफेसर ने जून-जुलाई 2024 में गिन्नी फिलामेंट्स लिमिटेड, नोएडा में अपना एफआईए पूरा किया।
- सुश्री आकांक्षा दायमा, सहायक प्रोफेसर ने जनवरी 2025 में वामनी ओवरसीज और मराल ओवरसीज, नोएडा में अपना एफआईए पूरा किया।
- सुश्री आकांक्षा दायमा और डॉ. राजीव कुमार ने 12 मार्च 2025 को डॉ. कौस्तव सेनगुप्ता और विज़ियोनेक्स्ट की ट्रेंड इनसाइट्स टीम द्वारा प्रस्तुत "इंडियनएक्सटी: भारत में उभरते मेगाट्रेंड्स का मानचित्रण करने के लिए एक दूरदर्शी वेबिनार" विषय पर एक वेबिनार में भाग लिया।
- सुश्री आकांक्षा दायमा:

  8 मार्च 2025 को आईआईटी मंडी द्वारा आयोजित "एआई और डेटा साइंस में नौकरियां और इंटर्नशिप" सत्र में भाग लिया, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा साइंस के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में करियर के अवसरों पर केंद्रित था।

  8 मार्च 2025 को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टेक्सटाइल्स (आईटीटी) द्वारा आयोजित "टेक्निकल फैब्रिक टेस्टिंग एंड स्टिचिंग" सत्र में भाग लिया।

  11 से 12 जुलाई 2024 को फैशन मैनेजमेंट स्टडीज विभाग द्वारा आयोजित "एडवांस्ड रिसर्च मेथोडोलॉजी" पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- सुश्री आकांक्षा दायमा, प्रो. डॉ. राहुल चंद्रा और डॉ. राजीव कुमार ने निफ्ट कांगड़ा के डिज़ाइन संकाय द्वारा 4 से 5 जुलाई 2024 तक आयोजित डिज़ाइन की मूल बातें पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रो. डॉ. राहुल चंद्रा और डॉ. राजीव कुमार ने 2024 के ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान निफ्ट कांगड़ा के संकाय सदस्यों के लिए आर-स्टूडियो सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स के लिए आर प्रोग्रामिंग पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- सुश्री कृति श्रीवास्तव ने अगस्त 2024 में शिल्प क्षेत्र में जीआई के महत्व पर अधिवक्ता श्वेताश्री मजूमदार द्वारा आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया।
- सुश्री कृति श्रीवास्तव ने ब्रिटिश काउंसिल इंडिया द्वारा आयोजित शिल्प, आजीविका और स्थिरता सत्र (अक्टूबर 2024) में भाग लिया।
- डॉ. इंद्रनील साहा, सहायक प्राध्यापक:

  निफ्ट, नई दिल्ली में दिनांक 03.07.2024 से 05.07.2024 तक “लक्ज़री ब्रांड प्रबंधन” विषय पर टीओटी में भाग लिया।

  हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा मेरिट वन इंक., यूएसए के सहयोग से आयोजित सतत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एसएससीएम) पर 27-31 जनवरी 2025 तक ऑनलाइन प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी)पूरा किया।

  एनआईटी राउरकेला द्वारा आईईई स्टूडेंट चैप्टर राउरकेला सब-सेक्शन के सहयोग से आयोजित 6-9 फरवरी 2025 तक “मेटाहेयुरिस्टिक्स: ए क्लास ऑफ इन्टेलिजन्ट सर्च मेथड्स इन एआई ” पर एक ऑनलाइन कार्यशाला पूरी की।11 मार्च, 2025 को "एआई टूल्स पर संकाय सदस्यों के लिए दो घंटे के ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र" में भाग लिया।
- श्री दीप सागर वर्मा:

  गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (जीआईएम, गोवा) में पीएचडी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए मेटावर्स पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

  22.01.2025 को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, सेक्टर-1, पंचकूला में जीईएम डिजिटल मार्केटिंग, निर्यात और ई-कॉमर्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- डॉ. निकिता:

  3-15 जून 2024 तक टाइनोर ऑर्थोटिक्स, सेक्टर 82, मोहाली, पंजाब में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट में शामिल हुईं।

22.01.2025 को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, सेक्टर-1, पंचकूला में जेम डिजिटल मार्केटिंग, निर्यात और ई-कॉमर्स पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

17 फ़रवरी, 2025 को ऑनलाइन माध्यम से निफ्ट दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं के साथ एआई और फ्यूचर फ़ैशन सत्रों में भाग लिया।

2024 में डीएसटी-सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित आईपीआर पर सर्टिफिकेट कोर्स पूरा किया।

- सुश्री भार्गवी कुमार अय्यर, सहायक प्रोफेसर, 3 से 5 जुलाई 2024 तक नई दिल्ली में लक्ज़री ब्रांड प्रबंधन पर टीओटी में भाग लेंगी।
- डॉ. यासीर अहमद मीर, सहायक प्रोफेसर ने कश्मीर बॉक्स में 3 सप्ताह (6-24 जनवरी 2025) तक अपना एफआईए पूरा किया।
- डॉ. यासीर अहमद मीर, सहायक प्रोफेसर ने 27 से 31 जनवरी 2025 तक आईआईएम-जम्मू में 5 दिवसीय क्षमता निर्माण नेतृत्व कार्यशाला पूरी की।

संकाय की उपलब्धियाँ

एफएमएस विभाग के संकाय शैक्षणिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में निरंतर उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं, जिससे वे निफ्ट के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन बन गए हैं। एफएमएस संकाय ने आत्म-विकास के प्रयासों और शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अपने लिए एक विशिष्ट स्थान बनाया है। निफ्ट संकाय ने कारीगर जागरूकता कार्यशालाओं में व्याख्यान देकर योगदान दिया, जिनमें ऑनलाइन धन उगाहने वाले वेबिनार और लेखों की समीक्षा शामिल थी।

प्रो. डॉ. एस. अंगम्मल संथी ने कोर्सेरा पर गूगल से गूगल डिजिटल मार्केटिंग और ई-कॉमर्स की डिग्री पूरी की।

- डॉ. ए. शशिरेखा, एसोसिएट प्रोफेसर, ने "चेन्नई शहर में यूवी सुरक्षात्मक कपड़ों के प्रति उपभोक्ता वरीयता पर एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध पत्र का सह-लेखन किया और 19.03.2025 को परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझानों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएफटीएसएटी 2025) में प्रस्तुत किया और सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (ऑनलाइन) जीता।
- प्रो. डॉ. राजीव मलिक, डॉ. जैस्मीन दीक्षित और डॉ. दीपक जोही ने 7-8 अक्टूबर 2024 को फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा नई दिल्ली के लोधी होटल में आयोजित मासमेराइज़ 2024: रिटेल, एफएमसीजी और ई-कॉमर्स सम्मेलन में भाग लिया।
- डॉ. जागृति मिश्रा और डॉ. राज कुमार ने 21 मई 2024 को सरकारी नीतियों और कौशल विकास पर आयोजित फैबेक्सा पैनल चर्चा का समन्वय और संचालन किया।
- डॉ. भास्कर बनर्जी और डॉ. राज कुमार ने 23 मई 2024 को तकनीकी वस्त्र और नवीन सामग्रियों पर आयोजित फैबेक्सा पैनल चर्चा का समन्वय और संचालन किया।
- एफएमएस विभाग ने 24 मई 2024 को "फैशन पुनरुत्थान: उद्योग 4.0 के लिए रुझान और रणनीतियाँ" विषय पर सेमिनार का आयोजन किया।
- डॉ. शीतल सोनी

  निफ्ट जोधपुर में 9 अगस्त 2024 को "शिल्प के लिए सतत भविष्य" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलतापूर्वक अध्यक्षता और आयोजन किया।

  जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (राज्य विश्वविद्यालय), जोधपुर के प्रबंधन अध्ययन विभाग में 20 और 23 अगस्त 2024 को प्री-पीएचडी पाठ्यक्रम में एक सत्र दिया।

  जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (राज्य विश्वविद्यालय), जोधपुर (राजस्थान) के प्रबंधन अध्ययन विभाग में 9 और 10 जनवरी 2025 को पीएचडी छात्रों के लिए शोध पद्धति पर सत्र दिए।
- डॉ. महेंद्र दैया ने 28.03.2025 को निफ्ट जोधपुर में कैनन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से फैशन फोटोग्राफी (पोर्ट्रेट) पर एक फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया।
- सुश्री आकांक्षा दायमा, सहायक प्रोफेसर, ने 2024 की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान निफ्ट कांगड़ा के संकाय सदस्यों के लिए आर-स्टूडियो सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स के लिए आर प्रोग्रामिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन और संचालन किया।
- सुश्री दायमा को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस), बलधर में विजुअल मर्चेंडाइजिंग पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह सत्र उन स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया था जिन्होंने अपने व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में रिटेल को चुना था। सुश्री कृति श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, का दूरदर्शन शिमला केंद्र द्वारा राज्य में निफ्ट के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए उनके युवा करियर परामर्श कार्यक्रम मंजिल, दिसंबर 2024 के लिए साक्षात्कार लिया गया था।
- डॉ. राजीव कुमार, सहायक प्रोफेसर ने कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया है, जिनमें मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग (एबीडीसी सूची के अनुसार ए* रेटेड पत्रिकाएँ) और साथ ही एशियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, बिजनेस एंड अकाउंटिंग शामिल हैं।
- डॉ. राजीव कुमार, सहायक प्रोफेसर ने वर्ष 2025 में जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (डीआरडीए), चंबा द्वारा आयोजित एक कार्यशाला के दौरान चंबा शिल्प के विपणन पर एक विशेषज्ञ सत्र दिया।
- सुश्री कृति श्रीवास्तव, येल विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा सतत फैशन उपभोग पर एसएफसी-येल संगोष्ठी के लिए समीक्षक के रूप में कार्यरत हैं।
- डॉ. भारती मोइत्रा, एसोसिएट प्रोफेसर को आईआईएम कलकत्ता, आईआईएमसीआईपी (आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क) द्वारा हस्तशिल्प, हथकरघा और फैशन परिधान क्षेत्र में क्रेता-विक्रेता बैठक के लिए अपनी सलाहकार समिति में नामित किया गया था।
- डॉ. इंद्रनील साहा, सहायक प्रोफेसर:

  डिज़ाइन अनुसंधान पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए समीक्षा हेतु प्रमाणपत्र प्राप्त (3 मार्च, 2025 को प्राप्त)

  उनके शोधपत्र, "जेन जेड फैशन ऐप उपभोक्ताओं के बीच अनुभव की गई गुणवत्ता और खरीदारी के इरादों पर दृश्य सौंदर्यशास्त्र

का प्रभाव", को 8-10 जनवरी 2025 को आईआईटी हैदराबाद में आयोजित प्रतिष्ठित 10वें अंतर्राष्ट्रीय डिज़ाइन अनुसंधान सम्मेलन (ICORD '25) में एक विशिष्ट शोधपत्र के रूप में मान्यता दी गई।

श्री किसलय कश्यप, सहायक प्रोफेसर - ने 21 मार्च 2025 को भौगोलिक संकेत (जीआई) पर आईआईटी पटना में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

- श्री राजेश चौधरी, सहायक प्रोफेसर ने मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अति पिछड़ा वर्ग/महिला/युवा/अल्पसंख्यक उद्यमिता योजना प्रशिक्षण पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

शोध पत्र प्रस्तुति और प्रकाशन

एफएमएस संकाय ने वर्ष 2024-2025 में विभिन्न केंद्रों की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कई शोध पत्र या प्रस्तुतियाँ प्रकाशित की हैं। सहकर्मी-समीक्षित, यूजीसी, स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशन एफएमएस संकाय की बौद्धिक और शैक्षणिक दक्षता को प्रदर्शित करते हैं। शैक्षणिक वर्ष के दौरान 60 से अधिक शोध पत्र/प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं।

जिन संकाय सदस्यों ने सम्मेलनों और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रस्तुत या प्रकाशित किए हैं उनमें प्रो. संजीव मलागे, प्रो. गुलनाज बानू, डॉ. नेत्रवती, डॉ. कृतिका, सुश्री हर्षा रानी, श्री प्रतीक घोष, डॉ. प्रियदर्शनी के, डॉ. विधु शेखर पी, डॉ. राहुल कुशवाह, डॉ. हरलीन साहनी, डॉ. रुचिका डावर, डॉ. शीतल सोनी, डॉ. महेंद्र दैया, डॉ. दिव्या व्यास, सुश्री शामिल हैं। सोनिका सिवाच, प्रोफेसर डॉ. राहुल चंद्रा, सुश्री कृति श्रीवास्तव, सुश्री मुक्ति, सुश्री पावोल सहदेवन, डॉ. एम. कृष्णकुमार, श्री प्रवीणराज, डॉ. इंद्रनील साहा, डॉ. लिपि चौधरी, श्री दीप सागर वर्मा, डॉ. निकिता, श्री किसलय कश्यप, श्री राजेश चौधरी, डॉ. यासीर अहमद मीर।.

- प्रो. संजीव मालगे - बुजुर्ग उपयोगकर्ताओं के लिए ग्राफिकल इंटरफेस में चुनौतियों का समाधान: मोबाइल ऐप्स में यूआई डिज़ाइन समाधानों का आह्वान।
- प्रो. गुलनाज़ बानू.पी-
  - ❖ "एक स्वदेशी टिकाऊ ब्रांड - री-चरखा के व्यवसाय मॉडल पर एक अध्ययन" (एसडीपी-49) के सह-लेखक।
  - ❖ "एक हरित भविष्य का निर्माण: सतत विकास के लिए सुता बॉम्बे की सामाजिक उद्यमिता व्यवसाय यात्रा पर एक अध्ययन" (एसडीपी359) के सह-लेखक।
- डॉ. नेत्रवती टी. एस - बैंगलोर के चुनिंदा कॉलेजों से सहयोगात्मक उपभोग के साक्ष्यों का मापन। बैंगलोर के चुनिंदा कॉलेजों में प्रोसोशल व्यवहार का मूल्यांकन, विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में बहुविषयक अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।
- डॉ. कृतिका जी.के. - बैंगलोर के चुनिंदा कॉलेजों में प्रोसोशल व्यवहार का मूल्यांकन, विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में बहुविषयक अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।

  सुश्री हर्षा रानी-:

  "असमिया रेशम बुनाई उद्योग का अंतराल विश्लेषण - रेशम संस्कृति पर एक अध्ययन, जोरहाट, असम" शीर्षक से एक शोध लेख, 28 फ़रवरी 2024 को रेशम उद्योग में वैश्विक परिदृश्य और सतत समाधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

  "असमिया रेशम बुनाई उद्योग का अंतराल विश्लेषण - रेशम संस्कृति पर एक अध्ययन, जोरहाट, असम" शीर्षक से एक शोध लेख, 28 फ़रवरी 2024 को भारत मंडपम, हॉल 18, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में रेशम उद्योग में वैश्विक परिदृश्य और सतत समाधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया है। यह शोध पत्र अनुष्का बोरा (टीडी आठवीं सेमेस्टर की छात्रा), काकोली दास और हर्षा रानी द्वारा लिखा गया था।

  सुश्री हर्षा रानी ने "फार्म टू फैशन मॉडल और निफ्ट भुवनेश्वर के अन्य सतत विकास अभ्यास: भारत से एक केस स्टडी" शीर्षक से एक अध्याय का सह-लेखन किया, जिसे 17 नवंबर 2024 को स्प्रिंगर नेचर द्वारा "उच्च शिक्षा में ग्रीन मेट्रिक्स-उच्च शिक्षा संस्थानों में स्थिरता पहल पर माप और रिपोर्टिंग" पुस्तक में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है।

  नवंबर 2024 में फाइबर2फैशन में प्रकाशन के लिए "फिलीपींस के अबाका फाइबर उद्योग से भारत के लिए सबक" शीर्षक से एक लेख स्वीकार किया गया था। इसे सुश्री पावी शेट्टी, सुश्री श्रेया बंसोडे (दोनों एमएफएम-III की छात्राएं) और सुश्री हर्षा रानी ने लिखा था।
- डॉ. प्रियदर्शिनी के. ने अभिज्ञान सेज जर्नल्स में "जेन जेड पर्सपेक्टिव्स ऑन इंडियन ब्यूटी एंड पर्सनल केयर वेबसाइट्स: ए बिहेवियरल रीजनिंग थ्योरी अप्रोच" शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- डॉ. प्रियदर्शिनी के. ने जिम क्रेस्ट दिसंबर 2024 में "की फोर्सेस शेपिंग जेन जेड व्यूज़ ऑन इंडियन ब्यूटी एंड पर्सनल केयर वेबसाइट्स" शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- डॉ. विधु शेखर पी. ने "शेखर, वी., चव्हाण, पी. पी., रॉय, आर., मैती, एस., और पंडित, पी. (2025)" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया। विद्युत प्रवाहकीय वस्त्रों के उत्पादन में स्थिरता और अवसर। विद्युत प्रवाहकीय वस्त्रों में प्रगति में (पृष्ठ 805-822)। एल्सेवियर।
- डॉ. विधु शेखर पी. और अरुणा जी (2025) "ड्रोन भारतीय कपास की खेती में नई ऊंचाइयों पर", कपड़ा मूल्य श्रृंखला (पृष्ठ 82-83) आईएसएसएन 2278-8972.
- डॉ. राहुल कुशवाहा ने एक पुस्तक प्रकाशित की "कुशवाहा, आर. (2025) डिजिटल टीवी प्रोडक्शन की एक संपूर्ण प्रक्रिया। दिल्ली, दिल्ली: दया पब्लिशिंग हाउस® एस्ट्रल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का एक प्रभाग। (पुस्तक) फैशन छात्रों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभाव पर एक अध्ययन (निफ्ट दमन के संदर्भ में)।
- डॉ. राहुल कुशवाहा ने "रील से रियल तक कॉलेज के छात्रों के बीच शारीरिक छवि और आत्मसम्मान पर सोशल मीडिया का प्रभाव: फास्ट फैशन से री-कॉमर्स तक फैशन कॉलेज के छात्रों पर मनोरंजन मीडिया का प्रभाव, निफ्ट दमन के छात्रों पर रीसेल प्लेटफॉर्म का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- डॉ. राहुल कुशवाहा ने "कॉलेज के छात्रों पर उपभोक्ता धारणा को आकार देने और बिक्री बढ़ाने में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर

मार्केटिंग की भूमिका [निफ्ट के संदर्भ में]" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया। फैशन के छात्रों के लिए फैशन में सेलिब्रिटी समर्थन की भूमिका (निफ्ट दमन के संदर्भ में)।

- डॉ. राहुल कुशवाहा ने "निफ्ट दमन के छात्रों के फैशन खरीदारी निर्णयों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग के प्रभाव पर अध्ययन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- डॉ. हरलीन साहनी

  8-10 जनवरी 2025 को निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित 28वें निरमा अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन (NICOM 2025) में "भारतीय टिकाऊ वस्त्र व्यवसायों का लोकाचार - सतत विकास लक्ष्य 12 के दृष्टिकोण से परीक्षण" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस शोध पत्र की सह-लेखिका सुश्री नूपुर चोपड़ा, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर थीं।

  24-28 मार्च 2025 को लंदन के कला विश्वविद्यालय में आयोजित 27वें वार्षिक IFFTI सम्मेलन में "शिल्प हस्तक्षेपों के दौरान 'सीखना - भूलना - पुनः सीखना' के आख्यान - शिल्प समुदायों की परिवर्तनकारी यात्राओं का एक केस-आधारित विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस शोध पत्र की सह-लेखिका सुश्री नूपुर चोपड़ा, एसोसिएट प्रोफेसर, निफ्ट गांधीनगर थीं।
- डॉ रुचिका डावर

  नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, कांगड़ा आईसीओएन 2023 द्वारा आईएसबीएन 978-93-95404-55-6 के साथ आयोजित "सस्टेनेबल डिजाइन प्रैक्टिस" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सम्मेलन कार्यवाही में "स्थिरता के संदर्भ में फैशन उपभोक्ता खरीद व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव" पर एक पेपर प्रकाशित किया।

  28-29 अक्टूबर 2022 को आईआईएम बोधगया और वाइकाटो विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड के वाइकाटो प्रबंधन स्कूल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उभरते बाजारों में समकालीन मुद्दों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीआईईएमसी 2022) की सम्मेलन कार्यवाही में "ई-कॉमर्स के प्रति भारतीय किशोरों का खरीद व्यवहार" पर एक पेपर प्रकाशित किया गया। आईएसबीएन: 978-1-80382-752-0, ईआईएसबीएन: 978-1-80382-751-3, प्रकाशन तिथि: 22 जुलाई 2024।

  भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, आईआईटी-आर में "उत्कृष्टता, सामर्थ्य और स्थिरता के लिए अभिनव डिजाइन (विचार-2024)" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जोधपुर, राजस्थान के चमड़ा हस्तशिल्प के कायाकल्प की रणनीति और रोडमैप" पर एक पेपर प्रस्तुत किया, दिनांक: 18 से 21 अक्टूबर, 2024।
- डॉ. शीतल सोनी

  मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित प्रगतिशील कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, सूचना प्रौद्योगिकी और नेटवर्किंग (कॉम-आईटी-कॉन 2024) पर स्कोपस-इंडेक्स्ड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में "कार्यस्थल में पहनने योग्य प्रौद्योगिकी को अपनाना: कर्मचारी धारणाओं और व्यवहारिक इरादों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया (24-25 अक्टूबर 2024)।

  स्प्रिंगर नेचर में एडवांसेज इन आर्टिफिशियल-बिजनेस एनालिटिक्स एंड क्वांटम मशीन लर्निंग नामक संपादित पुस्तक में "एआर वीआर इमर्सिव एंड कोलैबोरेटिव एनवायरनमेंट्स के माध्यम से ग्राहक अनुभव परिवर्तन का एक अनुमानित विश्लेषण" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया और स्कोपस द्वारा अनुक्रमित किया (19 अक्टूबर 2024)।
- डॉ. महेंद्र दइया

  अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत द्वारा अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, यूएसए और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड ईस्टर्न शोर, यूएसए के सहयोग से 13-14 जनवरी 2025 को आयोजित विज्ञान, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में अभिनव अनुसंधान (आईसीआईआरएसएमटी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उपभोक्ता खरीद निर्णयों को प्रभावित करने में सोशल मीडिया का प्रभाव" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. दिव्या व्यास

  28-30 अगस्त 2024 को बाली, इंडोनेशिया में आयोजित व्यापार और आर्थिक अध्ययन पर संयुक्त एशियाई सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुति। यह सम्मेलन तीन संस्थानों द्वारा आयोजित किया गया था, जिनमें यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम), यूनिवर्सिटी पद्जादजरान (यूएनपीएडी) और उदयना यूनिवर्सिटी (यूएनयूडी), इंडोनेशिया शामिल हैं।
- सुश्री सोनिका सिवाच

  इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स, खंड 12, अंक 6, जून 2024 में "भारत में फैशन ई-कॉमर्स पर सोशल मीडिया मार्केटिंग का विश्लेषण" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित। आईएसएसएन: 2455-6211।

  इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, खंड 7, अंक 1 (जनवरी-फरवरी 2025) में "रैपिड ट्रांसफॉर्मेशन: द राइज़ ऑफ क्विक कॉमर्स इन इंडियाज़ फैशन इंडस्ट्री" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित। ई-आईएसएसएन: 2582-2160।

  जुलाई 2024 में "भारतीय किशोरों का ई-कॉमर्स के प्रति खरीदारी व्यवहार" शीर्षक से पुस्तक अध्याय प्रकाशित, सर्गी, बी.एस., तिवारी, ए.के. और नसरीन, एस. (सं.) समकालीन भारत में आर्थिक विकास का मॉडलिंग, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, लीड्स, पृ. 137-150. HTTPS://DOI.ORG/10.1108/978-1-80382-751-320241008.
- प्रो. डॉ. राहुल चंद्रा ने 2024 में टेक्सटाइल एंड अपैरल रिसर्च जर्नल में "भारतीय परिधान उद्योग में सर्कुलर अर्थव्यवस्था की चुनौतियाँ: एक गुणात्मक अध्ययन" पर एक शोध पत्र लिखा।
- जून 2024 में, डॉ. राजीव कुमार और सुश्री आकांक्षा दायमा ने "लक्ज़री फ़ैशन के प्रति जेन-ज़ी ख़रीद व्यवहार की खोज" शीर्षक से एक शोध पत्र का सह-लेखन किया, जो इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ मॉडर्नाइज़ेशन इन इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी एंड साइंस में प्रकाशित हुआ।
- सुश्री मुक्ति, सहायक प्रोफ़ेसर:

  इंडस सम्मेलन 2024, बेंगलुरु में "सस्टेनेबल फ़ैशन ब्रांड्स के लिए ट्रिपल बॉटम लाइन सक्सेस" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

49वें मैक्रोमार्केटिंग सम्मेलन, हेलसिंकी विश्वविद्यालय, फ़िनलैंड (2024) में "सतत परिधान उपभोग प्रथाओं पर जातीय-प्रेरित उपभोग की भूमिका" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सहदेवन, पी., और डॉ. किरण, आर. (2024)। "सतत फ़ैशन ब्रांडों के लिए ट्रिपल बॉटम लाइन सफलता" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट रिसर्च, 14(6), 438-444।

सुश्री पावोल सहदेवन, सहायक प्राध्यापक:

आईआईएम बैंगलोर 2024 के 19वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एफपीओ के रूपांतरण में डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म क्षमताएँ: बिज़नेस मॉडल प्रयोग की मध्यस्थ भूमिका" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

"जर्नल ऑफ़ इंफ़ॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च (एबीडीसी-सी) 2025 अप्रैल" शीर्षक से एक पत्रिका प्रकाशित की: शीर्षक: कैम्पस एक उत्प्रेरक के रूप में: "ज़िम्मेदार उपभोग की दिशा में व्यक्तित्व लक्षणों का विकास करती शिक्षा"।

- डॉ. एम. कृष्णकुमार, प्राध्यापक: प्रकाशन:
  - शैक्षणिक कार्य में एआई उपकरणों को अपनाना: प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल के माध्यम से फ़ैशन छात्रों के इरादे की खोज, निफ्ट जर्नल ऑफ़ फ़ैशन, 3(1), 39-60, दिसंबर 2024।
  - स्टोर विशेषताओं, पिछले खरीद व्यवहार और पिछले खरीद अनुभव का प्रभाव, जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एसोसिएशन, 88(3), 288-294, सितंबर-अक्टूबर 2024; 3. डिजिटल मीडिया के उपयोग के प्रति उपभोक्ता प्रेरणा और ऑनलाइन खरीद व्यवहार पर इसका प्रभाव, बीवीआईएमएसआर के जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च, यूजीसी केयर जर्नल, 88(3), 288-294, सितंबर-अक्टूबर 2024।
- श्री प्रवीणराज:

  पत्रिका: स्प्रिंगर नेचर लिंक, प्रकाशक का नाम: स्प्रिंगर, चैम, अध्याय: वस्त्र एवं फैशन में सतत विनिर्माण पद्धतियाँ
- डॉ. इंद्रनील साहा, सहायक प्राध्यापक:

  आईडीआईडी 2024 सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रसंस्करण महासंघ, आईआईटी बॉम्बे, 08/11/2024 में "एसडीटी के लेंस के माध्यम से पहनने योग्य गतिविधि ट्रैकर्स (डब्ल्यूएटी) के उपयोग हेतु भारतीय मिलेनियल्स की प्रेरणाओं की खोज" शीर्षक से एक पूर्ण शोधपत्र का सह-लेखन/प्रस्तुतिकरण किया।

  आईसीओआरडी 2025, आईआईएससी बैंगलोर और आईआईटी हैदराबाद, हैदराबाद, 10/01/2025 में "जनरेशन जेड के कौशल संवर्धन, व्यक्तिगत विकास और मानसिक कल्याण में वस्त्र शिल्प का योगदान" शीर्षक से एक पूर्ण शोधपत्र का सह-लेखन/प्रस्तुतिकरण किया।

  आईसीओआरडी 2025, डिजाइन और विनिर्माण विभाग (डीएम), आईआईएससी बैंगलोर और आईआईटी हैदराबाद, हैदराबाद, 07/01/2025 में "जेन जेड फैशन ऐप उपभोक्ताओं के बीच कथित गुणवत्ता और खरीद इरादों पर दृश्य सौंदर्यशास्त्र का प्रभाव" शीर्षक से एक पूर्ण पेपर का सह-लेखन/प्रस्तुतिकरण किया।

  24/03/2025 को एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, उत्तर प्रदेश, नोएडा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्पोर्ट्सवियर में तकनीकी वस्त्रों के साथ जनरेशन जेड का जुड़ाव: विकसित भारत की ओर एक कदम" शीर्षक से एक पूर्ण शोधपत्र का सह-लेखन/प्रस्तुतिकरण किया।

  28/03/2025 को शोध शिखर - विज्ञान परिषद, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश, भोपाल में आयोजित "भारत में राष्ट्र निर्माण और सतत विकास के बारे में युवाओं की धारणा पर सोशल मीडिया का प्रभाव" शीर्षक से एक पूर्ण शोधपत्र का सह-लेखन/प्रस्तुतिकरण किया।
- डॉ. गौतम साहा को दिल्ली बिज़नेस रिव्यू में "डेवलपिंग अ रोडमैप ऑफ़ सस्टेनेबल लक्ज़री ब्रांड" शीर्षक से प्रकाशित शोध पत्र के प्रकाशन हेतु स्वीकृति मिली। खंड 26, अंक 1, जनवरी-जून, 2025।

  डॉ. बिनया भूषण जेना, डॉ. गौतम साहा और सुश्री लिप्सा महापात्रा: "फार्म टू फ़ैशन मॉडल एंड अदर सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्रैक्टिसेज़ ऑफ़ निफ्ट भुवनेश्वर: ए केस स्टडी फ्रॉम इंडिया" शीर्षक से एक अध्याय के सह-लेखक, जिसे स्प्रिंगर नेचर द्वारा 17 नवंबर 2024 को "ग्रीन मेट्रिक्स इन हायर एजुकेशन—मेजरिंग एंड रिपोर्टिंग ऑन सस्टेनेबिलिटी इनिशिएटिव्स एट हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस" पुस्तक में प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया गया है।
- डॉ. लिपि चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, ने 22 से 23 नवंबर 2024 तक स्पेन के लास पालमास डी ग्रैन कैनरिया में आयोजित "व्यापार, अर्थशास्त्र और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (बीईएम-2024)" में "वीयूसीए दुनिया में एक परिवर्तनकारी फैशन व्यवसाय तैयार करने के लिए स्थिरता के साथ अनुकूलन और संरेखण" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- श्री दीप सागर वर्मा:

  "द फैशन मेटावर्स: ए डिजिटल रेनेसां" नामक पुस्तक के लेखक।

  डिजिटल स्वास्थ्य समाधान के लिए मेटावर्स (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इन्फ़ॉर्मेशन मैनेजमेंट (IJIM) A*(ABDC)
- डॉ. निकिता:

  "ग्रीन फ़ैशन एंड लाइफस्टाइल एन्थुज़ियास्ट्स: ड्राइवर्स ऑफ़ फ्यूचर सस्टेनेबल इकोसिस्टम्स" शीर्षक से एक अध्याय, मित्तल पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित "ग्रीन होराइज़न्स: नर्चरिंग सस्टेनेबल एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्टार्टअप्स फ़ॉर अ बेटर टुमॉरो" नामक पुस्तक में प्रकाशित, ISBN: 9788119291540, 2025 में प्रकाशित।
- श्री किसलय कश्यप, सहायक प्रोफेसर - "भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग की तकनीकी क्षमता क्या दर्शाती है" शीर्षक वाला शोधपत्र "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्टिविटी एंड क्वालिटी मैनेजमेंट" में स्वीकार किया गया है, DOI: 10.1504/IJPQM.2024.10064592, (यूनाइटेड किंगडम के इंडरसाइंस प्रकाशक द्वारा प्रकाशित एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। पत्रिका का H-इंडेक्स 32 है)।
- श्री किसलय कश्यप, सहायक प्रोफेसर - "भारतीय वस्त्र क्षेत्र में कुल कारक उत्पादकता वृद्धि: तकनीकी प्रगति, आवंटन दक्षता और पैमाने के प्रभावों का एक पैनल डेटा विश्लेषण" शीर्षक वाला शोधपत्र 'लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल' नामक

एक स्कोपस इंडेक्स्ड जर्नल में प्रकाशित हुआ है, खंड 44(3), जुलाई-दिसंबर 2024, पृष्ठ संख्या: 18662 से 18672।

- श्री राजेश चौधरी, सहायक प्रोफेसर: प्रकाशित शोधपत्र: हस्तशिल्प उत्पादों के प्रति उपभोक्ता खरीद इरादे के लिए मॉडलिंग कारक।
- श्री राजेश चौधरी, सहायक प्रोफेसर: जर्नल: एकेडमी ऑफ मार्केटिंग स्टडीज जर्नल - एबीडीसी - बी श्रेणी।
- डॉ. यासीर अहमद मीर ने द रूटलेज हैंडबुक ऑफ क्राफ्ट एंड सस्टेनेबिलिटी इन इंडिया में कश्मीरी पश्मीना और उसके कानूनी संरक्षण पर एक अध्याय लिखा।
- डॉ. यासीर अहमद मीर ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिविल एंड लीगल रिसर्च में हस्तशिल्प और कानूनी संरक्षण की आवश्यकता: कानी शॉल का एक केस अध्ययन और भारत के वस्तु अधिनियम के भौगोलिक संकेत (जीआई) के तहत इसके पंजीकरण पर एक पेपर लिखा।
- डॉ. ए. शशिरेखा, एसोसिएट प्रोफेसर, ने लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल (2024), वॉल्यूम 44 (3), पीपी. 17348-17361 में "चेन्नई बाजार में यूवी-प्रोटेक्टिव कपड़ों की उपलब्धता: एक मूल्यांकन अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

पीएचडी कर रहे हैं और पूरा कर चुके -

श्री प्रतीक घोष - ग्राहक जुड़ाव के संकेतक के रूप में चयनित एथलीजर ब्रांडों द्वारा डिजिटल ब्रांड संचार उपकरणों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन।

- सुश्री हर्षा रानी - उत्कल विश्वविद्यालय से अध्ययनरत, 2018 में पाठ्यक्रम पूरा हुआ।

  विषय अभी पंजीकृत होना बाकी है।
- प्रो. डॉ. एस. अंगम्मल संथी ने मद्रास विश्वविद्यालय से अपनी पीएचडी पूरी की।
- चेन्नई, मार्च 2014 में "तमिलनाडु में परिधान कंपनियों (आरएमजी) के सामाजिक और आर्थिक प्रदर्शन पर सीएसआर का प्रभाव" विषय पर।
- डॉ. ए. शशिरेखा, एसोसिएट प्रोफेसर ने अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई से अपनी पीएचडी पूरी की।
- विश्वविद्यालय, चेन्नई से मार्च 2014 में "तमिलनाडु में चुनिंदा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के समग्र प्रदर्शन पर एक तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर।
- श्री एस. जयराज, सहायक प्रोफेसर, चेन्नई परिसर, निफ्ट में पीएचडी कर रहे हैं।
- डॉ. विधु शेखर पी ने 8 अक्टूबर 2024 को पीएचडी पूरी की।
- सुश्री सोनिका सिवाच मार्केटिंग मैनेजमेंट में "क्लिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर फैशन उत्पादों की खरीदारी के प्रति भारतीय उपभोक्ताओं का व्यवहार: मिलेनियल्स और जेनरेशन जेड के बीच तुलना" विषय पर पीएचडी कर रही हैं - 2024 में शुरू।
- सुश्री मुक्ति, सहायक प्रोफेसर: अध्ययन - अंतिम चरण; 2. सुश्री पावोल सहदेवन, सतत उद्यमशीलता की मंशा: एक अध्ययन - 2021 में शुरू।
- डॉ. भारती मोइत्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, ने अक्टूबर 2023 में निफ्ट से अपनी पीएचडी पूरी की।
- डॉ. इंद्रनील साहा, सहायक प्रोफेसर, ने मई 2023 में स्वाइनबर्न प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (मेलबर्न) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद से डिज़ाइन अनुसंधान में अपनी संयुक्त पीएचडी पूरी की।
- श्री दीप सागर वर्मा पीएचडी कर रहे हैं (विषय - मेटावर्स में फैशन में बदलाव: डिजिटलीकरण के युग में व्यावसायिक अवसर और चुनौतियाँ। जनवरी 2022 में शुरू)
- डॉ. निकिता पीएचडी ने 2019 में पीएचडी पूरी की, 2020 में सम्मानित। थीसिस - उत्तर भारत के टियर-2 शहरों में हरित परिधानों को बढ़ावा देने वाले कारकों का अध्ययन।
- श्री अमिताव चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, वर्तमान में एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ से हथकरघा एवं हस्तशिल्प में ई-कॉमर्स विषय पर पीएचडी कर रहे हैं।
- श्री राजेश चौधरी, सहायक प्रोफेसर: राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान से पीएचडी कर रहे हैं। विषय: हस्तशिल्प उत्पादों के प्रति उपभोक्ता खरीद इरादे का अध्ययन।

फैशन प्रौद्योगिकी

2024-25 शैक्षणिक वर्ष राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए एक निर्णायक अवधि रही है। निफ्ट ने सभी कार्यक्रमों में रचनात्मक डिज़ाइन, तकनीकी नवाचार और टिकाऊ अभ्यास के सम्मिश्रण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। संस्थान ने विद्यार्थियों को डिजिटल फैब्रिकेशन, स्मार्ट वस्त्र और विरासत शिल्प तक फैले एक सावधानीपूर्वक तैयार किए गए पाठ्यक्रम के साथ एक परिवर्तनकारी अधिगम का अनुभव प्रदान किया। संकाय सदस्यों ने अत्याधुनिक अनुसंधान, उच्च प्रभाव वाले प्रकाशनों और उद्योग साझेदारी के माध्यम से इस मिशन को आगे बढ़ाया। अग्रणी पहनने योग्य-तकनीक सेंसर से लेकर जैव-आधारित कंपोजिट तक, निफ्ट के विद्वानों और चिकित्सकों के समुदाय ने फैशन प्रौद्योगिकी के क्षितिज का विस्तार किया है। जैसा कि संस्थान ने बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं, आपूर्ति-श्रृंखला चुनौतियों और स्थिरता की अनिवार्यता के साथ तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य का संचालन किया है। इसने छात्रों और संकाय को अंतःविषय समाधानों का पता लगाने के लिए लगातार सशक्त बनाया है जो परंपरा को नवाचार के साथ जोड़ते हैं।

बी. एफ. टेक एक चार वर्षीय बहु-विषयक तकनीकी प्रबंधकीय कार्यक्रम है, जिसे औद्योगिक सर्वोत्तम प्रथाओं सहित परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करने के साथ डिज़ाइन किया गया है। स्नातकीय कार्यक्रम 15 निफ्ट परिसरों में संचालित किया जाता है, जिनमें बेंगलुरु, भुवनेश्वर, भोपाल, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, जोधपुर, कांगड़ा, कन्नूर, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, पंचकुला, पटना और रायबरेली शामिल हैं।

फैशन प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में एम.एफ.टेक निफ्ट द्वारा संचालित किए गए प्रमुख स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में से एक है जो कि विशेष रूप से अभियंताओं के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका उद्देश्य संचालन और रणनीतिक सोच क्षमताओं के संतुलित समामेलन के साथ उद्योग को तकनीकी-प्रबंधकीय समाधान प्रदान करने में सक्षम युवा गतिशील प्रतिभा को विकसित करना है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम निफ्ट के 4 निफ्ट परिसरों जैसे बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली और गांधीनगर में संचालित किया जाता है।

संकाय के शैक्षणिक योगदान, पुस्तक अध्याय, अनुसंधान पेपर और सम्मेलन प्रस्तुतियां:-

वर्ष 2024-25 में, निफ्ट के संकाय ने पुस्तक अध्यायों, सहकर्मी-समीक्षित लेखों और सम्मेलन पत्रों की एक असाधारण श्रृंखला प्रकाशित की, जिसने टिकाऊ सामग्री से लेकर स्मार्ट वस्त्र और डिजिटल डिज़ाइन तक मुख्य क्षेत्र को विकसीत किया हैं।

बेंगलुरु में, सुश्री शुभालक्ष्मी क्रोपी ने एक पुस्तक, इंडस्ट्री 4.0 और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, वॉल्यूम 1, स्प्रिंगर नेचर पब्लिकेशन में एक अध्याय प्रकाशित किया और आईआईटी दिल्ली में आयोजित चौथे कार्यात्मक वस्त्र और क्लोथिंग अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दो पेपर प्रस्तुत किए। डॉ. रंजिनी जी ने रिसर्च जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एंड एपारेल में "उपयोगकर्ता-केंद्रित विशेषताओं के साथ नई स्तनपान ब्रा विकसित करने में अल्ट्रासोनिक वेल्डिंग का अनुप्रयोग" शीर्षक से एक शोध लेख प्रकाशित किया।

भोपाल में, स्प्रिंगर द्वारा डॉ. अंजलि गुप्ता की पीएचडी थीसिस " फ्रोम लोवर लिंब रिहेबिलिटेशन फ्रोम ऑक्लूडेड गैट डेटा" लोकार्पण किया गया था जो व्यक्तिगत ऑर्थोटिक्स के लिए एक नया एल्गोरिदम स्थापित करता है और बायोमैकेनिक्स और कार्यात्मक परिधान के प्रतिच्छेदन को प्रदर्शित करता है। श्री प्रभात कुमार ने नवजात संस्थानों में ईआरपी एकीकरण पर एक सहकर्मी-समीक्षित लेख लिखा, जो आईजेएसआरईएम (खंड 09, अंक 01) में प्रकाशित हुआ।

डॉ. सुलग्ना साहा और श्री नंद किशोर बराइक ने भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में तीन लेख प्रकाशित किए हैं। डॉ. राहुल जैन ने आईआईटी बॉम्बे में आईडीआईडी में एक पेपर प्रस्तुत किया और श्री सुमित कुमार ने अच्छी पत्रिकाओं में पांच पेपर प्रकाशित किया।

डॉ. अमित कुमार अंजानी का लेख "परिधान विनिर्माण इकाइयों में त्वरित परिवर्तन का कार्यान्वयन" आईजेएसआरईएम (खंड 08, अंक 09, सितंबर 2024), चेन्नई में प्रकाशित हुआ और उन्होंने कोलंबो में मोनाश विश्वविद्यालय सम्मेलन में एआई-संचालित पैटर्न अनुकूलन का प्रदर्शन किया। प्रो. डॉ. डी. सैमुअल वेस्ले ने "फैशन और वस्त्र में एआई और आईओटी -- स्मार्ट टेक्नोलॉजीज के साथ फैशन और कपड़ा उद्योग में क्रांति लाना" नामक शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन ने सस्टेनेबल फैशन एजुकेशन: एम्ब्रेसिंग डायवर्सिटी एंड कम्युनिटी रेलेवेंस शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। डॉ. डी. प्रवीण नागराजन ने जर्नल ऑफ नेचुरल फाइबर्स में "बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी में मूसा एक्यूमिनाटा पेडुनेर्स पर क्षारीकरण का प्रभाव" और "एनिसोमेल्स मालाबारिकस स्टेम्स से सेल्यूलोसिक फाइबर का पृथक्करण और विश्लेषण" पर पेपर प्रकाशित किया।

गांधीनगर के डॉ. आर. काजा बंथा नवास ने स्प्रिंगर के एआई इन बिजनेस सीरीज के लिए इन्वेंट्री मैनेजमेंट में जेनरेटिव एआई पर एक पुस्तक अध्याय का सह-लेखन किया और आईआईएम अहमदाबाद में अपना न्यूरल-नेटवर्क डिमांड-फोरकास्ट मॉडल प्रस्तुत किया। डॉ. जय किशन सांभारिया ने सरफेस इंजीनियरिंग जर्नल में चुंबकीय-सहायता प्राप्त अपघर्षक परिष्करण पर एक स्कोपस-अनुक्रमित लेख प्रकाशित किया और सुश्री नूपुर चोपड़ा ने टिकाऊ कपड़ा रीसाइक्लिंग व्यवसाय मॉडल पर अपने काम के लिए एनआईसीओएम-2025 में सर्वश्रेष्ठ पेपर जीता।

अख्तरुल इस्लाम अमजद, स्वाति शर्मा, मो. वसीम, निकिता और भारती पाहुजा ने कांगड़ा में "इवोल्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग कॉन्सेप्ट इन ट्रेडिशनल टेक्सटाइल" पुस्तक में एक अध्याय प्रकाशित किये। डॉ. अख्तरुल इस्लाम अमजद ने इंजीनियरिंग विरासत श्रृंखला में पारंपरिक वस्त्र इंजीनियरिंग पर एक अध्याय लिखा। नीरज कुमार जायसवाल ने अलग-अलग पत्रिकाओं में कई लेख प्रस्तुत किया।

कन्नूर के संकाय डॉ. मनोज तिवारी ने 3डीबॉडी टेक 2024 (लुगानो) और एएचएफई 2024 में एल्सेवियर रेफरेंस टेक्सटाइल कैलकुलेशन: फाइबर टू फिनिश्ड गारमेंट्स का सह-संपादन किया और 3डीबॉडी में "इनोवेशन इन 3डी बॉडी स्कैनिंग" पर अपनी बात साझा किया। डॉ. रूपायन रॉय की लेख "खेल फुटवियर में वस्त्र सामग्री की भूमिका" टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में उन्नत अनुसंधान में प्रकाशित हुई थी और उन्होंने सुरक्षा-गियर डिज़ाइन और स्वास्थ्य देखभाल-वस्त्र नवाचारों में एआई पर अध्याय लिखा। श्री चक्रवर्ती ने "बॉडी-गारमेंट रिलेशनशिप मेजरमेंट के लिए विभिन्न 3डी स्कैनर का तुलनात्मक विश्लेषण" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना पेपर प्रस्तुत और प्रकाशित किया है।

मुंबई परिसर के प्रोफेसर अजीत खरे के स्टडी "परिधान उत्पादन में लीन स्टिचिंग सिस्टम" को जर्नल ऑफ गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी में चित्रित किया गया था और उन्होंने सियोल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बुनाई संगोष्ठी में "प्रदर्शन पहनने के लिए 3 डी बुना हुआ संरचनाएं" प्रस्तुत किया। डॉ. रश्मि ठाकुर ने हेल्थकेयर वॉल्यूम में स्प्रिंगर के ई-टेक्सटाइल में "हेल्थकेयर मॉनिटरिंग के लिए ई-टेक्सटाइल्स" का योगदान दिया और सुश्री कविता पठारे ने जर्नल ऑफ टेक्सटाइल हेरिटेज में "सस्टेनेबल हैंडलूम प्रिजर्वेशन स्ट्रैटेजीज" प्रकाशित की। श्री सौरभ चतुर्वेदी ने आईआईटी अहमदाबाद में "पीडब्ल्यूडी ऑपरेटरों के लिए एर्गोनॉमिक्स" प्रस्तुत किया और आईएनडीएएम 2025 के लिए एक समीक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. गिरिजा झा ने नई दिल्ली में इंजीनियरिंग प्रबंधन पर आईईईई लेनदेन में "फैशन आपूर्ति श्रृंखलाओं में ब्लॉकचेन गवर्नेंस " प्रकाशित किया और एसीएम आईसी3 2024 में शिक्षा में स्थानिक कंप्यूटिंग पर मुख्य भाषण दिया। श्री अमित कुमार त्यागी ने स्प्रिंगर और आईईईई सम्मेलनों के लिए एआई-सक्षम आईओटी सिस्टम और ब्लॉकचेन सुरक्षा पर पांच पेपर लिखा जबकि सुश्री प्रीतिया टी. ने स्प्रिंगर की आईएसडीए कार्यवाही में थायरॉयड रोग की भविष्यवाणी के लिए मशीन-लर्निंग एल्गोरिदम पर एक पेपर का सह-लेखन की।

पंचकूला के श्री मोहम्मद वसीम ने 27वें एसओएम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार जीता जो नवीकरणीय ऊर्जा जर्नल में प्रकाशित इष्टतम ईवी-चार्जिंग बुनियादी ढांचे पर उनके शोध के साथ था। डॉ. अख्तरुल इस्लाम अमजद का लेख "बैम्बू फाइबर: सस्टेनेबल टेक्सटाइल सॉल्यूशंस" एडवांसेज इन बैम्बू साइंस (2024) में प्रकाशित हुआ और इसे आईकांग्रेस एफटीडब्ल्यु 2025 (मैनचेस्टर) में प्रस्तुत किया गया।

रायबरेली में श्री विष्णु प्रताप और श्री दिलीप सिंह राठौड़ ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स में बनारसी सिल्क पर एक पेपर प्रकाशित किया।

पटना के ओमकार सिंह और अभिलाषा सिंह ने वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस (स्प्रिंगर), आईईईई एक्सेस और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स (विली) में लेख प्रकाशित किए।

हैदराबाद परिसर की सुश्री टी. श्रीवाणी ने प्रसिद्ध पत्रिकाओं में तीन पत्र प्रकाशित की हैं और आईसीटीएन सम्मेलनों में एक पेपर प्रस्तुत की है। डॉ. शकील इकबाल ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सेमिनार में दो पेपर प्रस्तुत किया है। सुश्री वी. प्रियदर्शिनी ने प्रसिद्ध सम्मेलनों में चार पेपर प्रस्तुत की है। श्री टी. वी. एस. एन. मूर्ति ने एक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया है।

अंत में, डॉ. युवराज गर्ग ने जोधपुर में द जर्नल ऑफ द टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट में "त्वचा की निगरानी के लिए एक पॉलिएस्टर-स्टेनलेस-स्टील स्मार्ट रिस्टबैंड सेंसर" विषय पर एक पेपर का सह-लेखन किया।

संकाय प्रशिक्षण / टीओटी

फैकल्टी के मौजूदा कौशल को बेहतर बनाने में की गई निवेश ने शिक्षाशास्त्र को उद्योग की प्रगति के साथ संरेखित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री प्रभात कुमार और सुश्री कानू प्रिया ने फास्टरिएक्ट सॉफ्टवेयर के लिए ट्रेनिंग-ऑफ-ट्रेनर्स (टीओटी) प्रोग्राम पूरा किया, जिससे उन्हें उन्नत ईआरपी और उत्पादन-योजना मॉड्यूल सिखाने के लिए तैयार किया गया। प्रोफेसर रजनी जैन और प्रबीर जाना माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के एप्लाइड एआई फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में लगे हुए हैं, जो स्नातक-पूर्व कोर्सवर्क में मशीन-लर्निंग ढांचा को एकीकृत करते हैं।

प्रो. बिनवंत कौर ने एमआरएफ इनक्यूबेशन पार्क में एक पूर्व-त्वरित उद्यमिता कार्यक्रम में भाग लिया, जिन्होंने वस्त्र स्टार्टअप्स के लिए बिजनेस-मॉडल सत्यापन में व्यावहारिक विशेषज्ञता हासिल की। प्रो. अजीत खरे, डॉ. अमित कुमार अंजनी, और डॉ. डी. प्रवीण नागराजन ने स्टिचलेस टेक्नोलॉजी, सुविधाओं के डिज़ाइन के लिए सीएडी और मेथड्स टाइम मेजरमेंट (एमटीएम) पर विशेष कार्यशालाओं में भाग लिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हैंड्स-ऑन मॉड्यूल नवीनतम उद्योग प्रोटोकॉल को दर्शाते हैं।

श्री कमलजीत सिंह, सहायक प्रोफेसर, ने एमटीएम और उन्नत अनुसंधान और कार्यप्रणाली के टीओटी में भाग लिया।

श्री अरिवोली एन ने परिधान निर्माण के लिए सतत समाधान पर फ्रंटियर ग्रुप न्यूयॉर्क द्वारा एक ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया। डॉ. जोनाली बाजपेयी ने साखो एंटरप्राइजेज में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट में भाग लिया जो स्टिचलेस तकनीक से संबंधित हैं।

श्री प्रियब्रत दास ने "लारावेल" पर ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है और एआई के परिचय के संबंध में आयोजित टीओटी में भाग लिया है। श्री गंगाधर मलिक ने ऑटो सीएडी टीओटी और मेथड टाइम मैनेजमेंट (एमटीएम) नामक दो टीओटी में भाग लिया।

फैकल्टी इंडस्ट्रियल अटैचमेंट (एफआईए) ने वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि को भी गहरा किया: डॉ. मनोज तिवारी ने सिलाई एमईएस मॉनिटरिंग परिधान उद्योग 4.0 में 2 सप्ताह का एफआईए किया है और सुश्री मोहना प्रिया ने उत्पादन अनुकूलन का अध्ययन करने के लिए 2 सप्ताह के लिए वर्टेक्स इम्पेक्स तिरुपुर में एफआईए की है। डॉ. शकील इकबाल और सुश्री टी. श्रीवाणी ने शाही एक्सपोर्ट्स हैदराबाद में उत्पादन इंजीनियरों के साथ सीधे सहयोग के माध्यम से अपने परिधान निर्माण ज्ञान को परिष्कृत किया। डॉ. के. राम मोहन ने "मेथड्स टाइम मेजरमेंट" और "ऑटोकैड" पर टीओटी में भाग लिया। डॉ. शकील इकबाल ने इंडियन टेक्निकल टेक्सटाइल एसोसिएशन द्वारा आयोजित "प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स" पर एक ऑनलाइन कार्यकारी विकास कार्यक्रम में भाग लिया। श्री टी.वी. एस.एन. मूर्ति ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी, सी-डैक हैदराबाद द्वारा आयोजित सॉफ्टवेयर और नेटवर्क सुरक्षा बुनियादी बातों पर एक ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।

निफ्ट में संकायों की उपलब्धियां (2024–2025)

निफ्ट संकाय ने वर्ष 2024-25 में व्यक्तिगत और सामूहिक मील के पत्थर की एक श्रृंखला का समारोह किया जो अकादमिक उत्कृष्टता को रेखांकित करता है। गैर-बुने हुए वस्त्रों में अग्रणी स्वर के रूप में डॉ. स्वेता जैन ने अल्ट्रासोनिक रूप से वेल्डेड फैब्रिक असेंबलियों पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि रखते हुए अपनी पीएचडी का सफलतापूर्वक बचाव किया। डॉ. अमन कुमार ने आईओटी साइबर सुरक्षा में अपना डॉक्टरेट अनुसंधान पूरा किया जिसमें पहनने योग्य उपकरणों में सुरक्षित डेटा-एक्सचेंज प्रोटोकॉल के लिए आधार तैयार किया गया। डॉ. सुलग्ना साहा ने भारतीय वस्त्र क्षेत्र में सर्कुलर मॉडल में पीएचडी पूरी की।

सुश्री कानू प्रिया को पर्यावरण के अनुकूल परिधान को तैयार करने में उनके पेटेंट नवाचारों के लिए संवाद भारत टेक्स 2025 में सम्मानित किया गया जबकि श्री मोहम्मद वसीम को आईएमटी गाजियाबाद द्वारा आयोजित 27वें एसओएम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।

सुश्री नूपुर चोपड़ा और डॉ. दिव्या सत्यन ने प्रतिष्ठित निरमा प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वस्त्र रीसाइक्लिंग में सर्कुलर बिजनेस मॉडल पर अपने काम के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार हासिल किया। डॉ. आर. काजा बंथा नवास को आईआईटी हैदराबाद की वार्षिक संगोष्ठी में युवा शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय नीति निर्माण में संकाय योगदान में वस्त्र नीति मंचों में डॉ. जोनाली बाजपेयी की भागीदारी और डीआरडीओ विषय-वस्तु विशेषज्ञ के रूप में डॉ. गिरिजा झा की भूमिका शामिल है, जहां उन्होंने वस्त्र इंजीनियरिंग कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम को आकार दिया। पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडीज में डॉ. ए.ओ. अब्दुल सलाम सैत के नामांकन ने निफ्ट के शैक्षणिक नेतृत्व को अपने परिसरों से परे बढ़ा दिया।

संपादकीय और सहकर्मी-समीक्षा उपलब्धियां संकाय की स्थिति को आगे स्पष्ट करती हैं: प्रो. प्रबीर जना आईईईई एक्सेस के लिए समीक्षक पैनल में शामिल हुए और डॉ. अमित कुमार अंजनी को आईएनडीएएम 2025 सम्मेलन में समीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। सुश्री एम. पद्मप्रिया की पहुंच 100 से अधिक स्कूलों से जुड़ने और एक विभागीय इंस्टाग्राम पेज लॉन्च करने के लिए निफ्ट की सार्वजनिक प्रोफ़ाइल को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए संस्थागत सराहना मिली।

डॉ. युवराज गर्ग ने आईआईटी जोधपुर के सहयोग से "वस्त्र में सामग्री की पहचान" पर एक अनंतिम पेटेंट (संख्या 202411038562) प्रस्तुत किया।

ओमकार सिंह और अभिलाषा सिंह ने "इमेज प्रोसेसिंग और एआई का उपयोग करके स्पोर्ट्सवियर के लिए स्वचालित टेक पैक जनरेशन" (आवेदन संख्या 202431057832) शीर्षक से अपने पेटेंट को अंतिम रूप दिया।

"ऑक्लूडेड गैट डेटा से लोवर लिंब रिहैबिलिटेशन" पर डॉ. अंजलि गुप्ता के डॉक्टरेट शोध के परिणामस्वरूप व्यक्तिगत ऑर्थोटिक सिफारिशों के लिए एक नया एल्गोरिदम तैयार हुआ जो पेटेंट सुरक्षा को सहारा देता है।

28वें निरमा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में टिकाऊ वस्त्र रीसाइक्लिंग व्यवसाय मॉडल पर सुश्री नूपुर चोपड़ा और डॉ. दिव्या सत्यन का पुरस्कार विजेता कार्य को दर्शाया गया। सुश्री आरती सोलंकी (एर्गोनोमिक मास्टेक्टॉमी ब्रा डिज़ाइन) और सुश्री एट्टीश्री राजपूत (कपड़ा अंगीकरण में उपभोक्ता व्यवहार) जैसे डॉक्टरेट उम्मीदवारों ने डिज़ाइन, इंजीनियरिंग और सामाजिक विज्ञान विषयों के बीच अंतःविषय संबंधों को मजबूत किया।

पाठ्यक्रम एवं प्रस्तुती

डीएफटी परंपरा को नवाचार और सिद्धांत के साथ अभ्यास युक्त सामंजस्य स्थापित करके एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना जारी रखता है जहां रचनात्मकता पनपती है, सामाजिक जिम्मेदारी सर्वोपरि है और तकनीकी प्रगति सतत विकास को बढ़ावा दी जाती है। इस असाधारण संकाय समूह द्वारा सलाह दी गई विद्यार्थी-नेतृत्व वाली परियोजनाएं, संस्थान के "सीखने-द्वारा" लोकाचार का प्रतीक हैं। विद्यार्थियों ने ब्लॉकचेन-सक्षम आपूर्ति-श्रृंखला पारदर्शिता का पता लगाया और प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट ऐप बनाए जो हर उत्पादन चरण को एक अपरिवर्तनीय बहीखाता पर पंजीकृत करते हैं। मिश्रित-वास्तविकता डिज़ाइन स्टूडियो ने एक सहयोगी डिजिटल वातावरण में वास्तविक समय ड्रेपिंग और पैटर्न समायोजन का प्रदर्शन किया। स्नातक प्रदर्शन ने न केवल तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि स्थिरता, समावेशिता और सामाजिक जिम्मेदारी के मूल मूल्यों को भी मजबूत किया। पुरस्कार विजेता कैपस्टोन परियोजनाओं, अभिनव स्टार्ट-अप प्रोटोटाइप और रचनात्मक स्थिरता समाधानों में सन्निहित विद्यार्थी उपलब्धियां इस बात की पुष्टि करती हैं कि निफ्ट स्नातक न केवल तकनीकी रूप से कुशल हैं, बल्कि वैश्विक फैशन उद्योग के भविष्य को आकार देने के लिए आवश्यक दूरदर्शी मानसिकता से भी लैस हैं। जैसा कि

संस्थान आगे देख रहा है, प्राथमिकताओं में अंतःविषय अनुसंधान केंद्रों को गहरा करना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का विस्तार करना और विस्तारित वास्तविकता, जैव-निर्माण और एआई-संचालित डिज़ाइन एनालिटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करना शामिल किया जाएगा।

उद्योग सहलग्नता, दौरा एवं विद्यार्थी प्रशिक्षुता

निफ्ट की उद्योग साझेदारी का मजबूत नेटवर्क अकादमिक शिक्षा को पेशेवर अभ्यास के साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण रहा है। वर्ष 2024-25 के दौरान, लगुना क्लोदिंग, पीवीएच, जीनोलोजिया, जुकी इंडिया, शाही एक्सपोर्ट्स, एक्वारेल ग्रुप, स्टाइलुमिया और ट्एक्सपोर्ट इंडस्ट्रीज सहित प्रमुख निर्माताओं, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और खुदरा घरानों के साथ औपचारिक समझौता ज्ञापन और सहयोगी समझौते बनाए रखे गए। इन साझेदारियों ने उद्योग के दौरे, संयंत्र पर्यटन, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों और कार्यकारी गोलमेज सम्मेलनों के एक संरचित कैलेंडर को सक्षम किया जिसने विद्यार्थियों को डिज़ाइन, उत्पादन, गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला, व्यापारिक और स्थिरता अनुपालन में एंड-टू-एंड संचालन के लिए उजागर किया।

प्रमुख अनुभवात्मक गतिविधियों में आधुनिक विनिर्माण इकाइयों (त्एक्सपोर्ट हिंदूपुर; एक्वारेल मालावल्ली; रेमंड यूको डेनिम; शाही एक्सपोर्ट्स फरीदाबाद), मार्की ट्रेड इवेंट्स (गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो, भारत टेक्स, आईएमटीईएक्स, जीटीई 2024) में भागीदारी शामिल थे। इन यात्राओं के पूरक के रूप में, बीएफटी और एमएफटी कार्यक्रमों में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने 4 से 12 सप्ताह की अवधि की इंटर्नशिप पूरी की। मेजबानों में उच्च तकनीक परिधान फर्म, ईआरपी और सीएडी सॉफ्टवेयर विक्रेता, नवाचार प्रयोगशालाएं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म शामिल थे। इंटर्न ने पीवीएच मान्यता में उत्पादन योजना, फ्लिपकार्ट में डिजिटल मर्चेंडाइजिंग, आईआईटी से संबद्ध प्रयोगशालाओं में अनुसंधान एवं विकास और जीनोलोजिया की डेनिम प्रसंस्करण सुविधा में गुणवत्ता नियंत्रण में भूमिकाएं निभाईं। इन प्लेसमेंट ने विद्यार्थियों को पेशेवर नेटवर्क को बढ़ावा देने और रोजगार क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ लीन प्रोसेस इम्प्लीमेंटेशन, डिजिटल-फैब्रिकेशन वर्कफ़्लो, मशीन-विज़न इंस्पेक्शन प्रोटोकॉल और टिकाऊ कच्ची-सामग्री सोर्सिंग जैसे महत्वपूर्ण कौशल से लैस किया है।

प्रवेश

2024 में प्रवेश के लिए 19 परिसरोंमे निफ्ट स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनआरआई (4871 नियमित + 476 एनआरआई) सहित कुल 5347 सीटें प्रस्तावित की गई।

2024 में प्रवेश के लिए, बीस हज़ार से ज्यादा उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से अठारह हज़ार उमीदवार प्रवेश अपरीक्ष में शामिल हुए। यूजी (बी.डेस और बी.एफ.टेक)और पीजी (एम.डेस, एमएफएम और एमएफ.टेक) के लिए जीएटी (सामान्य योग्यता परीक्षा) की सीबीटी आधारित प्रवेश परीक्षा और बी.डेस और एम.डेस के लिए कैट (रचनात्मक योग्यता परीक्षा) की पेपर आधारित परीक्षा 05 फरवरी, को देश भर के 60 शहरों के 72 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय परिक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वरा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई और इसका परिणाम मार्च, 2024 में एनटीए द्वारा घोषित किया गया।

पीजी कार्यक्रमों केलिए साक्षात्कार अप्रैल, 2024 में निर्धारित किए गए थे और स्थिति परिक्षण स्टूडियो टेस्ट/तकनिकी प्रशंसा परीक्षा 13 अप्रैल, 2024 को आयोजित की गई थी।

नियमित पीजी कार्यक्रमों के लिए अंतिम परिणाम मई, 2024 में घोषित किए गए हैं और लेटरल एंट्री सहित यूजी कार्यक्रमों के लिए प्रवेश-2024 के लिए मई, 2024 में घोषित किए गए हैं।

आवंटन प्रक्रिया/ई-काउंसलिंग-2024 के लिए सीटें

एसएटी/जीमैट स्कोर के आधार पर सीएमआर के अनुसार, कुल 476 एनआरआई सीटों में से, कुल 17 शुद्ध एनआरआई उमीदवारों को एसएटी/जीआरई/जीमैट स्कोर के आधार पर प्रवेश-2024 के लिए शुद्ध एनआरआई श्रेणी के तहत सीटें आवंटित की गई हैं और शेष 459 सीटें ई-काउंसलिंग-2024 के दौरान उमीदवारों को एनआरआई प्रायोजित श्रेणी के तहत नियमित यूजी/पीजी कार्यक्रमों के लिए प्रदान की गई।

एनआईसी के माध्यम से सीट आवंटन/ई- काउंसलिंग-2024

यूजी और पीजी कार्यक्रमों और लेटरल एंट्री के लिए प्रवेश-2024 हेतु सीट आवंटन/ई-काउंसलिंग हेतु पंजीकरण जून, 2024 में आयोजित किया गया था। जून और जुलाई, 2024 में कुल 04 नियमित राउंड और 01 स्पॉट राउंड आयोजित किए गए थे:

प्रवेश- 2024 के लिए ई-काउंसलिंग के दौरान सीट आवंटन के सभी राउंड के पोर होने के बाद सीटें आवंटन की स्थिति नीचे दी गई है:

सीट आवंटन प्रवेश-2024 के सभी दौर पूरे होने के बाद परिसरवार प्रस्तावित और भरी गई सीटें

क्र. सं.	परिसर का नाम	प्रस्तावित	भरी गई
1	निफ्ट बेंगलुरु	381	326
2	निफ्ट भोपाल	308	236
3	निफ्ट भुबनेश्वर	264	200
4	निफ्ट चेन्नई	344	312
5	निफ्ट दमन	88	57
6	निफ्ट गांधीनगर	301	274
7	निफ्ट हैदराबाद	301	281
8	निफ्ट जोधपुर	264	207
9	निफ्ट काँगड़ा	308	232
10	निफ्ट कन्नूर	308	262
11	निफ्ट कोल्कता	344	276
12	निफ्ट मुंबई	344	330
13	निफ्ट नई दिल्ली	424	393

क्र. सं.	परिसर का नाम	प्रस्तावित	भरी गई
14	निफ्ट पंचकुला	264	201
15	निफ्ट पटना	264	204
16	निफ्ट रायबरेली	258	170
17	निफ्ट शिलांग	220	156
18	निफ्ट श्रीनगर	230	142
19	निफ्ट वाराणसी	132	90
	कुल योग	**5347**	**4349**

सीट आवंटन प्रवेश-2024 के सभी दौर पूरे होने के बाद पाठ्यक्रमवार प्रस्तावित और भरी गई सीटें

कोर्स	प्रस्तावित	भरी गई
बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (एक्सेसरी डिज़ाइन)	654	542
बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (फैशन कम्युनिकेशन)	786	703
बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (फैशन डिज़ाइन)	786	713
बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (फैशन इंटीरियर)	44	29
बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (निटवियर डिज़ाइन)	346	315
बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (लैदर डिज़ाइन)	172	132
बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (टेक्सटाइल डिज़ाइन)	743	618
बैचलर ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी (अपैरल प्रोडक्शन)	652	423
मास्टर ऑफ़ डिज़ाइन	304	274
मास्टर ऑफ़ फैशन मैनेजमेंट	786	580
मास्टर ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी	74	20
कुल योग	**5347**	**4349**

सीट आवंटन-2024 के सभी दौर पूरे होने के बाद प्रस्तावित और भरी गई नियमित, अधिवासित और एनआरआई सीटों का विवरण:

वर्ग	प्रस्तावित	भरी गई
नियमित	4426	3916
राज्य अधिवास	445	204
एनआरआई	476	229
कुल	**5347**	**4349**

कैंपस प्लेसमेंट

निफ्ट की इंडस्ट्री एंड एल्यूम्नाइ अफेयर्स (आई एंड ए ए) इकाई भविष्य के लिए उपयुक्त जनशक्ति निर्मित करने और शिक्षा जगत एवं उद्योग के बीच सार्थक सहयोग को बढ़ावा देने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख संस्थान के रूप में, निफ्ट अपने परिसरों के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से ऐसे व्यावसायिकों को तैयार करता है जो उभरते वैश्विक फैशन और जीवन शैली के क्षेत्र में काम करने के लिए रचनात्मक और तकनीकी रूप से कार्यकुशल हों। आई एंड एए इकाई, सभी परिसरों में कैम्पस प्लेसमेंट को सुगम बनाने, एल्यूम्नाइ से जुड़े रहने और उद्योग जगत के साथ संवाद बढ़ाने के लिए प्रमुख केंद्र बिन्दु है। वर्ष 2024-25 शैक्षणिक सत्र के दौरान, आई एंड ए ए इकाई ने बेहतर कैम्पस प्लेसमेंट नीतियों, एल्यूम्नाइ की सहभागिता और प्रत्येक परिसर में निफ्ट एल्यूम्नाइ और उद्योग सलाहकार बोर्ड (एनएआईएबी) की शुरुआत के माध्यम से अपनी इकाई को मजबूत किया। इन पहलों से उद्योग और एल्यूम्नाइ के बीच मजबूत संबंध, नवीन शिक्षण सहयोग और वैश्विक फैशन शिक्षा क्षेत्र में, निफ्ट की एक अग्रणी के रूप में, बढ़ती मान्यता को प्रकाशवान किया।

आई एंड ए ए इकाई कार्यशाला

06 सितंबर 2024 को निफ्ट मुख्यालय में उद्योग एवं एल्यूम्नाइ मामले (आई एंड एए) टीम के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डीन (शैक्षणिक) प्रो. (डॉ.) सुधा ढींगरा ने की। इस कार्यशाला में सभी आरआईसी के साथ-साथ यूआई उद्योग, यूआई एल्यूम्नाइ मामले, आई एंड एए, ईआरपी और युवा व्यावसायिक (यंग प्रोफेशनल्स) के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सत्र में जीपी प्रोजेक्ट, क्षेत्रीय प्लेसमेंट और प्लेसमेंट 2025 प्रक्रिया की रूपरेखा को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया। प्रो. (डॉ.) सुधा ढींगरा डीन (शैक्षणिक) ने सुसंगत योजना, कुशल कार्यान्वयन और मजबूत उद्योग सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य चर्चाओं में प्रक्रिया मानकीकरण, समय सीमा का पालन, एल्यूम्नाइ सहभागिता, सैक्टर टार्गेटिंग और ईआरपी ओप्टीमाइजेशन शामिल थे। युवा व्यावसायिक (यंग प्रोफेशनल्स) ने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और डेटा आधारित दृष्टिकोण प्रदान किए। कार्यशाला का समापन सभी परिसरों में प्रभावी प्लेसमेंट के लिए सहयोगात्मक रणनीतियों और एकीकृत दृष्टिकोण के प्रति साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

कैम्पस प्लेसमेंट्स

निफ्ट कैम्पस प्लेसमेंट्स 2024 की शुरुआत प्री-प्लेसमेंट ऑफर, फिर कैम्पस प्लेसमेंट और अंत में ऑफ-कैम्पस प्लेसमेंट से हुई। व्यापक उद्योग पहुँच (आउटरीच) और परिसरों में सुचारु समन्वय सुनिश्चित करने के लिए कैम्पस प्लेसमेंट दो चरणों में आयोजित किया गया था। फेज 1, 22 अप्रैल से 10 मई तक सात परिसरों में ऑफलाइन आयोजित किया गया था। फेज 2, 15 से 18 मई तक ऑनलाइन आयोजित किया गया था, जिसे निफ्ट बेंगलुरु में एक केंद्रीकृत नियंत्रण कक्ष द्वारा समर्थित किया गया था। वर्ष 2024 के स्नातक बैच का प्लेसमेंट 79.25% है।

इस वर्ष एक प्रमुख नीतिगत निर्णय लिया गया था जिसके तहत केवल न्यूनतम वेतन सीमा को पूरा करने वाली कंपनियों को ही इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई, जिसका उद्देश्य पारिश्रमिक मानकों को बढ़ाना और छात्रों की आकांक्षाओं के साथ बेहतर तालमेल बिठाना है। फेज 1 के लिए न्यूनतम वार्षिक सीटीसी स्नातकोत्तर के लिए 7 लाख रुपए और स्नातक के लिए 6 लाख रुपए निर्धारित की गई थी। फेज 2 के लिए न्यूनतम वार्षिक सीटीसी स्नातकोत्तर के लिए 6 लाख रुपए और स्नातक के लिए 5 लाख रुपए निर्धारित की गई थी।

इस प्लेसमेंट अभियान में विभिन्न क्षेत्रों से अच्छी भागीदारी देखी गई जिसमें लगभग 2500 रिक्तियाँ निकली जैसे कि परिधान एवं वस्त्र, आईटी/आईटीईएस, एसएएएस, एआई और मशीन लर्निंग, शिल्प एवं डिज़ाइन, प्रकाशन, एफ़एमसीजी, आभूषण एवं एक्सेसरिज।

एडटेक, फिनटेक, एग्रीटेक और कंटेन्ट /न्यूज एग्रीगेशन जैसे उभरते क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ी।

प्रमुख भर्तीकर्ताओं में रिटेल क्षेत्र में - रिलायंस रिटेल लिमिटेड, रिलायंस ब्रांड लिमिटेड, टाटा ट्रेंट, लैंडमार्क ग्रुप, ज़ारा, स्केचर्स, आदित्या बिरला फैशन एंड रिटेल, टाइटन कंपनी लिमिटेड, ब्लूस्टोन, डिकेथलोन ग्रुप, यूनीक्लो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और रेमंड ग्रुप्स; निर्माता क्षेत्र में - शाही एक्स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, लगूना क्लोदिंग प्राइवेट लिमिटेड, एक्कारेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ट्राईडेंट ग्रुप्स और प्रतिभा सिंटेक्स लिमिटेड; प्रौद्योगिकी क्षेत्र में - आईबीएम कार्पोरेशन, शेल, एंटरूपी, इंकचर टेक्नोलोजीस, सिंप्लोटेल टेक्नोलोजीस प्राइवेट लिमिटेड, इन्फोएज (इंडिया) लिमिटेड और नवी टेक्नोलोजीस, क्रिएटिव डोमेन में डीके पब्लिशिंग; और सैमसंग डिज़ाइन, इमेजीन एक्सपी, लेंसकार्ट, इम्पल्स और डिज़ाइन और कंसलटिंग क्षेत्र में टार्गेट कार्पोरेशन।

भारतीय कंपनियों के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने भी निफ्ट प्लेसमेंट 2024 में भाग लिया। उनमें से कुछ लैंडमार्क ग्रुप्स, जिया क्लासिकल, होम सेंटर, यूनीक्लो रिटेल एंड टार्गेट कार्पोरेशन हैं।

एल्यूम्नाइ संबंध

एल्यूम्नाइ, निफ्ट के समुदाय निर्माण प्रयासों के केंद्र में रहे। विभिन्न परिसरों और मुख्यालय स्तर पर एल्यूम्नाइ सम्मेलन आयोजित किए गए, जिससे एल्यूम्नाइ को अपने संस्थान से फिर से जुडने, करियर के अनुभवों को साझा करने और संस्थान के विकास में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। उद्योग पैनल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लेकर परामर्श संबंधी चर्चा और जीपी प्रस्तावों तक, प्रत्येक कार्यक्रम में मेजबान परिसर की अद्वितीय क्षमता प्रतिबिंबित हुई।

दिल्ली हाट, नई दिल्ली में आयोजित संवाद 2.0 सम्मेलन में 250 से अधिक एल्यूम्नाइ ने निफ्ट एल्माकनेक्ट एप के आधिकारिक लॉन्च में भाग लिया। यह एक एल्यूम्नाइ एंगेजमेंट मंच है जो अब एंड्रोइड और आईओएस प्लैटफ़ार्म पर उपलब्ध है। "संवाद" को भारत टेक्स 2025 के एक भाग के रूप में भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें 450 से अधिक वरिष्ठ एल्यूम्नाइ, भारत के वैश्विक वस्त्र क्षेत्र में निफ्ट की विरासत को चिन्हित करने के लिए एक साथ एकत्रित हुए। चेन्नई, हैदराबाद, कन्नूर, भुवनेश्वर, कांगड़ा, रायबरेली और जोधपुर जैसे अन्य परिसरों ने जीवंत एल्यूम्नाइ समारोहों की मेजबानी की, जिनमे पुरानी यादों के साथ-साथ दूरदर्शी मार्गदर्शन और उद्योग संवाद का भी समावेश था। एल्यूम्नाइ समारोह में अपनेपन की प्रबल भावना, व्यावसायिक उदारता और पारस्परिक विकास की झलक देखने को मिली। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अनौपचारिक नेटवर्किंग के अलावा, कई समारोह में फैशन में एआई, उद्यमिता प्रदर्शनियों और सार्थक एल्यूम्नाइ और छात्र संवाद पर विशेषज्ञ सत्र भी आयोजित किए गए। सभी जगह, प्रतिक्रिया एक जैसी थी; एल्यूम्नाइ निफ्ट के इकोसिस्टम में सक्रिय योगदानकर्ता बने रहने के लिए उत्सुक हैं।

निफ्ट एल्यूम्नाइ एवं उद्योग सलाहकार बोर्ड का गठन

निफ्ट एल्यूम्नाइ एवं उद्योग सलाहकार बोर्ड (एनएआईएबी) का निफ्ट मुख्यालय और परिसर स्तर पर गठन - इस वर्ष का एक बड़ा संस्थागत कदम था। इस प्रकार के सलाहकार बोर्ड का गठन, एल्यूम्नाइ और उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तियों के साथ संस्थागत संबंध को गहरा करने के लिए और पाठ्यक्रम में वास्तविक समय की मार्केट इन्साइट शामिल करने के लिए, प्लेसमेंट रणनीति, मार्गदर्शन और संस्थागत पहुँच बढ़ाने के लिए किया गया था। एनएआईएबी की प्रत्येक बैठक चाहे वह नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद,जोधपुर, भोपाल, कन्नूर या श्रीनगर में आयोजित की गई हो, स्थानीय संदर्भों के अनुरूप आयोजित की गई और साथ ही राष्ट्रीय शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों के अनुरूप भी रही। इन सत्रों में प्रमुख केंद्र बिन्दु पाठ्यक्रम को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थिरता, उद्यमिता और डाइरैक्ट-टू-कंस्यूमर व्यवसाय मॉडल जैसे वर्तमान रुझानों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने पर था। एल्यूम्नाइ और उद्योग प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में प्रारम्भिक स्तर पर ही सॉफ्ट स्किल्स, डिज़ाइन थिंकिंग और अंतः विषयक शिक्षा को शामिल करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

डिजिटल उपलब्धि: निफ्ट एल्माकनेक्ट

मोबाइल और वैब-आधारित नेटवर्किंग प्लैटफॉर्म निफ्ट एल्माकनेक्ट का लॉन्च, एल्यूम्नाइ से संबंध स्थापित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सुश्री रचना शाह, सचिव, वस्त्र मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया यह एप एल्यूम्नाइ को विभिन्न बैच एवं भौगोलिक क्षेत्र के एल्यूम्नाइ से जुडने, वर्तमान छात्रों का मार्गदर्शन करने, नौकरी और इंटर्नशिप की जानकारी साझा करने और शैक्षणिक परियोजनाओं में सहयोग करने का अवसर प्रदान करता है। यह एल्यूम्नाइ योगदान को संस्थागत बनाता है और दीर्घकालिक संबंध के लिए संचार को सुव्यवस्थित करता है।

2024-2025 शैक्षणिक वर्ष आई एंड ए ए इकाई के लिए एक परिवर्तनकारी चरण रहा, जिसमें प्रभावशाली उद्योग संबंध, एल्यूम्नाइ की सहभागिता और डिजिटल एकीकरण शामिल रहा। उन्नत प्लेसमेंट, सलाहकार आधारित पाठ्यक्रम इनपुट और एल्माकनेक्ट जैसे डिजिटल प्लैटफॉर्म के माध्यम से, निफ्ट वैश्विक फैशन शिक्षा में एक प्रमुख संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को समृद्ध एवं सुदृढ़ कर रहा है।

क्लस्टर विकास

भारत में फैशन शक्षा के अग्रणी के रूप में, निफ्ट अपनी समाजिक जिम्मेदारियों के महत्त्व को समझता है एवं जमीनी स्तर पर ऐसे डिज़ाइनर बनाने का प्रयास अनवरत जारी रखता है जो भारत के विभिन्न शिल्पों की सराहना और प्रचार कर सकें। कई शैक्षणिक गतिविधियाँ छात्रों को शिल्प क्षेत्र की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने एवं क्षेत्रीय संवेदनाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करने में मदद करती हैं। निफ्ट में क्राफ्ट क्लस्टर पहल छात्रों को शिल्प क्षेत्र की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने में और जमीनी स्तर पर क्लस्टर स्तर पर अनुभव साझा करने के अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गयी है। इस पहल के माध्यम से निफ्ट शिल्प को फैशन में एवं इसके विपरीत आत्मसात करने में व्यापक जागरूकता और संवेदनशील पैदा करने में सफल रहा है। क्राफ्ट क्लस्टर पहल कार्यक्रम निफ्ट के छात्रों को भारत के विविध रूप में समृद्ध एवं अद्वितीय हथकरघा और हस्तशिल्प के लिए हर साल एक व्यवस्थित, निरंतर एवं नियामित प्रदर्शन प्रदान करता है। विशेषज्ञता के अनुसार, छात्र क्लस्टर में विभिन्न क्षेत्रों जैसे डिज़ाइन इंटेलिजेंस, डिज़ाइन इनोवेशन, उत्पाद विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ब्रांड प्रबंधन, खुदरा उद्यमिता, संगठनात्मक विकास और सिस्टम डिज़ाइन एवं विकास में योगदान करते हैं। छात्र प्रक्रिया नवाचार, उत्पादन योजना और शोध-आधारित सुधार एवं गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्रों में भी योगदान देते हैं। छात्र लोगो और पोस्टर, ब्रोशर एवं कैटेलॉग जैसी प्रचार सामग्री के माध्यम से हथकरघा और हस्तशिल्प समूहों की विशिष्ट पहचान विकसित करने में कारीगरों एवं बुनकरों की सहायता करते हैं।

प्रत्येक परिसर ने 3 वर्षों की अवधि के लिए 2–5 शिल्प समूहों को अपनाया है। पहल के तहत शामिल गतिविधियों की सूची तालिका 1 में प्रस्तुत की गयी हैं।

तालिका 1: विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की सूची

क. फील्ड विजिट

फील्ड विजिटडी – डीसीएचएल एवं डीसीएचसी कार्यालय द्वारा प्रायोजित		
क्र. सं.	**गतिविधि**	**गतिविधि की प्रकृति**
1.	शिल्प अनुसंधान एवं दस्तावेजीकरण	देश के ग्रामीण सौंदर्यबोध, गाँव की सांस्कृतिक और सामाजिक समझ के प्रति संवेदनशील लानें के लिए दो सप्ताह का शिल्प क्लस्टर दौरा, शिल्प दस्तावेजीकरण
2.	शिल्प आधारित डिज़ाइन परियोजना	यह सेमेस्टर VII के डिज़ाइन विभागों के छात्रों द्वारा की जाने वाली एक इन-फील्ड गतिविधि है जिसका उद्देश्य क्षेत्र में उत्पादों का विकास करना हैं

ख. कार्यशाला

कार्यशाला-प्रत्येक परिसर द्वारा वित्त पोषित कार्यशाला		
क्र. सं.	**गतिविधि**	**गतिविधि की प्रकृति**
1.	छात्र परिसर के आसपास के क्षेत्र में शिल्प का दौरा करते हैं	शिल्पकारों के साथ बातचीत के माध्यम से शिल्प को समझना तथा 1-5 दिनों की अवधि के लिए आसपास के शिल्प समूहों का दौरा करके उनकी चुनौतियों को समझना।

2.	निफ्ट परिसर में कारीगरों द्वारा शिल्प प्रदर्शन	विद्यार्थियों को कौशल प्रदर्शन के लिए परिसर के आसपास के शहरी शिल्प समूहों या चिन्हित शिल्प समूहों से कारीगरों को आमंत्रित किया जाता है।
3.	कारीगरों और बुनकरों के लिए जागरूकता कार्यशालाएँ	इस पहल के तहत उनके द्वारा शामिल किए जा रहे समूहों के लिए प्रत्येक विभाग द्वारा वर्ष में एक बार जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। ये कार्यशालाएँ शहरी बाजारों के बारे में उनकी समझ बढ़ाने के लिए आयोजित की जाती हैं। वे रुझानों एवं ज्ञान साझा करने के लिए निफ्ट संकाय और छात्रों के साथ बातचीत करते हैं और बाजार की मांग को समझते हैं।

ग. शिल्प बाज़ार

शिल्प बाज़ार – प्रत्येक परिसर द्वारा वित्त पोषित शिल्प		
क्र. सं.	**गतिविधि**	**गतिविधि की प्रकृति**
1.	शिल्प बाज़ार	क्राफ्ट बाज़ार कारीगरों, बुनकरों और उपभोगताओं को जोड़ने वाले एक जिवंत मंच के रूप में कार्य करता है, तथा भारतीय हथकरघा और हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत का जश्न मानाने और उसे बढ़ावा देता है। यह कारीगरों को अपने कौशल और परंपराओं को प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करता है, साथ ही उपभोक्ताओं को अद्वितीय, प्रमाणिक और हस्तनिर्मित उत्पादों तक पहुंच प्रदान करता है। इस पहल के माध्यम से, शिल्प बाज़ार न केवल पारंपरिक शिल्प कौशल का समर्थन करता है, बल्कि भारत के कारीगर समुदाय के सांस्कृतिक और आर्थिक वस्त्र को भी मज़बूत करता है।

क्राफ्ट क्लस्टर पहल गतिविधियाँ

निफ्ट ने डीओएचएल और डीओएचसी के कार्यालयों के साथ मिलकर एक नयी शिल्प क्लस्टर पहल नीति पेश की, जो शिक्षानिक वर्ष 2024-25 से शुरू होकर दो वर्षों के लिए प्रभावी होगी। इस पहल ने पूरे भारत में छात्रों और कारीगरों के बीच व्यापक क्षेत्र कार्य और सहयोग पर जोर दिया। शोध और डिज़ाइन परियोजनाओं के माध्यम से, छात्रों ने पारंपरिक शिल्प को उन्नत करने और उन्हें समकालीन डिज़ाइन तत्वों के साथ मिश्रित करने का काम किया। पारंपरिक शिल्पों को संरक्षित करने के लिए शिल्प अनुसन्धान और दस्तावेजीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में शिल्प क्लस्टर गतिविधियों के लिए पूरे भारत में लगभग हस्तशिल्प के तहत 345 शिल्प और हथकरघा के तहत 280 शिल्प पंजीकृत हैं। वार्षिक कार्यशाला और शिल्प बाज़ार के साथ साथ, निफ्ट ने 1-15 सितम्बर 2024 तक छाप-निफ्ट @ दिल्ली हाट आयोजित करने के लिए वस्त्र मंत्रालय के साथ साझेदारी की। इस कार्यक्रम में 160 से अधिक स्टाल लगाए गए, जिनमें हथकरघा बुनकरों, कारीगरों एवं डिज़ाइनरों व कारीगरों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों का प्रदर्शन किया। इस आयोजन के मुख्या आकर्षण फैशन शो, कार्यशालाएँ एवं शिल्प प्रदर्शन थे।इस आयोजन से लगभग 2.25 करोड़ रूपये की सामूहिक बिक्री हुई, जिससे सभी संबंधित हितधारकों को लाभ हुआ।

7 अगस्त 2024 को सभी परिसरों में वां हथकरघा दिवस मनाया गया, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को हथकरघा के कपडे पहनने एवं सेल्फी लेने और उन्हें #हैंडलूम के साथ पोस्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, 6 से 8 अगस्त 2024 तक 3 दिनों के दौरान व्याख्यान, पैनल चर्चा, प्रदर्शनियां, शिल्प बाज़ार, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग, स्टिल्लंग प्रतियोगिताएं, साड़ी ड्रापिंग कार्यशालाएँ, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस आयोजन को सोशल मीडिया पर विशेष रूप से बनाए गए ##NIFTFORCRAFTS, #MANYWEAVESONEINDIA, #MYWEAVEMYWAY, #MYHANDLOOMMYPRIDE के माध्यम से व्यापक प्रचार मिला।

निफ्ट क्राफ्ट क्लस्टर इनिशिएटिव के हिस्से के रूप में छात्रों और कारीगरों बुनकरों द्वारा सह-निर्मित उत्पादों को भारत टेक्स्ट 2025 में प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया, जहां निफ्ट ज्ञान भागीदार था। इस प्रदर्शन का उद्देश्य क्लस्टर पहल के बारे में जागरूकता बढ़ाना था, तथा पारंपरिक शिल्प कौशल को समकालीन डिज़ाइन प्रथाओं के साथ जोड़ने में इसके प्रभाव पर प्रकाश डालना था। निफ्ट द्वारा तैयार किया गया इंडी हाट, विशेष रूप से भारत आने वाले राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए तैयार किया गया एक स्थान है, जहां भारतीय हथकरघा और हस्तशिल्प की ताकत का प्रदर्शन किया जाएगा।

शिल्प आधारित स्नातक परियोजनाएं

वर्ष 2024-25 में, निफ्ट परिसर के सोलह छात्रों द्वारा 5 हस्तशिल्प क्लस्टर-आधारित और 11 हस्तशिल्प क्लस्टर-आधारित स्नातक परियोजनाएं शुरू की गई। ये सभी परियोजनाएं डीसी हैंडलूम और डीसी हस्तशिल्प कार्यालय द्वारा प्रायोजित थी। स्नातक सेमेस्टर के छात्रों ने कुल्लू बुनाई क्लस्टर, हिमाचल प्रदेश, कुल्लू बुनाई में डिज़ाइन हस्तक्षेप,काँगड़ा, हिमाचल प्रदेश, भंडारा क्षेत्र से करवट कलि, नागपुअर, महाराष्ट्र, हैंडलूम विंटर वियर सुजनी रजाई को विंटर वियर जैकेट में बदलना, हैंडलूम बुनाई, भरूच, गुजरात, वन्नापुरम क्लस्टर के तहत हैंडलूम कोलाठुवायल सोसाइटी, कन्नूर, केरला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शिल्प-आधारित परियोजनाएं शुरू की।

अन्य स्नातक परियोजनाएं निम्नलिखित अलहनगुडी, टाइल विनिर्माण, अथनगुडी, सिवागंगा, तमिल नाडू, रोगन आर्ट, निरोना, भुज, गुजरात, मिटटी की गुड़ियाँ और तंजौर की कलाकृतियाँ, तिरुवरुर, थंजावुर, कुंभकोनम, तमिलनाडु के त्रिची क्षेत्र, बेर्मेर एप्लिक, बेर्मेर शहर, खेर गांव, बालोतरा, बायतू गांव, चौटन, खेस और कांथा, रिंगाल बुनाई, चमोली, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग एवं उत्तराखंड के अन्य क्षेत्र, बनारस लकड़ी की नक्काशी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, पुआल, विलो एवं विकर वर्क-कैंट केम,जम्मू और कश्मीर, किरात जनजाति का फुरका शिल्प, सिक्किम, दार्जीलिंग (पश्चिम बंगाल), पूर्वी नेपाल, बेर्मेर एप्लिक विशाला गाँव बेर्मेर राजस्थान, चम्बा रुमाल, हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

सतत शिक्षा कार्यक्रम

परिधान क्षेत्र में तेज़ी से हो रही विकास के साथ उद्योग में इच्छुक पेशेवरों के कौशल को उन्नत करना एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उद्योग की जरूरतों के अनुरूप जनशक्ति प्रशिक्षण और ज्ञान उन्नयन को पूरा करने के लिए निफ्ट में सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) जिसमें सर्टिफिकेट कार्यक्रम (सीपी) और डिप्लोमा कार्यक्रम (डीपी) शामिल हैं, स्थापित किए गए हैं। सर्टिफिकेट प्रोग्राम (सीपी) के रूप में पेश किए गए कार्यक्रम पेशेवरों और उम्मीदवारों की शैक्षिक आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा कर रहे हैं, और हम इस तथ्य पर गर्व करते हैं कि यह देश के भीतर फैशन परिधान और जीवन शैली उत्पाद क्षेत्रों के लिए पसंदीदा सतत शिक्षा केंद्रों में से एक है।

प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के अलावा, निफ्ट डिप्लोमा कार्यक्रम (डीपी) भी प्रदान करता है, जिनका उद्देश्य बुनियादी ढाँचे एवं अन्य संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए परिसरों को वित्तीय रूप से व्यवहार्य बनाना है। डिप्लोमा कार्यक्रमों का उद्देश्य उस राज्य के स्थानीय छात्रों को मूल्यवर्धित कार्यक्रम प्रदान करना है जहाँ निफ्ट के पुराने एवं नए दोनों परिसर स्थित हैं।

निफ्ट में सीईपी के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले सीपी एवं डीपी, फैशन परिधान और जीवनशैली उत्पाद उद्योग में डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी क्षेत्रों से संबंधित प्रशिक्षण और ज्ञान के प्रसार के उद्देश्यों को बढ़ावा देते हैं। वर्ष 2024-25 में, निफ्ट के सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) - प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीपी) और डिप्लोमा कार्यक्रम (डीपी) - 14 निफ्ट परिसरों में विस्तारित हो गए हैं, जिनमें से 72 प्रमाणपत्र कार्यक्रम और 6 डिप्लोमा कार्यक्रम निफ्ट परिसरों द्वारा प्रस्तावित और घोषित किए गए हैं। इनमें से 29 प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीपी) और 4 डिप्लोमा कार्यक्रम (डीपी) 8 निफ्ट परिसरों द्वारा संचालित किए गए थे।

निफ्ट ने वर्ष 2009 में एक पूरक कार्यक्रम के रूप में ब्रिज प्रोग्राम (बीपी) शुरू किए थे ताकि पूर्व निफ्ट स्नातक अपने स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रमाणपत्रों को क्रमशः स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियों में परिवर्तित कर सकें। शुरुआत में यह कार्यक्रम 2009-2014 के बीच 5 साल के लिए पेश किया गया, इसे पूर्व छात्रों की मांग के आधार पर 2016 तक आगे बढ़ाया गया। वर्ष 2020 में, वैश्विक स्तर पर फैले पूर्व छात्रों के व्यापक आधार को पूरा करने के लिए ऑनलाइन ब्रिज प्रोग्राम को फिर से शुरू किया गया। वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाइन ब्रिज प्रोग्राम (बीपी) दिसंबर 2024 में शुरू हो गए, जिसमें निफ्ट मुख्यालय द्वारा पीजी स्तर पर 10 और स्नातक स्तर पर 5 छात्रों का नामांकन किया गया।

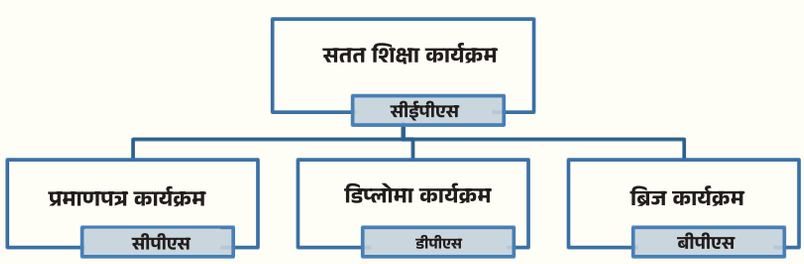

चित्र 1: निफ्ट सीई कार्यक्रमों का वर्गीकरण

वर्ष 2024-25 में सीपी, डीपी और बीपी के माध्यम से निफ्ट परिसरों द्वारा उत्पन्न कुल राजस्व निफ्ट परिसरों द्वारा तालिका 1 में निम्नानुसार रिपोर्ट किया गया है:

तालिका 1: वर्ष 2024-25 में निफ्ट परिसरों द्वारा उत्पन्न राजस्व

सीई कार्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकारों की संख्या	छात्रों की संख्या	कुल राजस्व (रु.)
प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीपी)	29	514	5,01,84237
डिप्लोमा कार्यक्रम (डीपी)	4	91	1,85,00,000
ब्रिज प्रोग्राम (बीपी)	2	15	24,45,000
कुल	**35**	**620**	**7,11,29,237**

सतत शिक्षा कार्यक्रमों के अंतर्गत कार्यक्रमों की ये तीनों श्रेणियां डिजाइन, प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन में व्यावसायिक विकास और कौशल उन्नयन को समर्थन प्रदान करती हैं, तथा वे फैशन परिधान, वस्त्र, विलासिता के सामान और जीवन शैली के सामान क्षेत्रों के लिए विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन तैयार करती हैं।

दीक्षांत समारोह

निफ्ट में प्रत्येक वर्ष दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाता है, जिसमें उस शैक्षणिक वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों को उपाधियाँ (डिग्री) प्रदान की जाती हैं। वर्ष 2024 में निफ्ट के विभिन्न परिसरों में दीक्षांत समारोह आयोजित किए गए। इस वर्ष कुल 3625 स्नातकों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। निफ्ट से वर्ष 2024 में स्नातक विद्यार्थियों का परिसर एवं प्रोग्राम के अनुसार विवरण नीचे दी गई सारणी में प्रस्तुत है। इसके अतिरिक्त, निफ्ट परिसरों में आयोजित दीक्षांत समारोह 2024 में सात शोधार्थियों को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि भी प्रदान की गई।

वर्ष 2024 में निफ्ट के स्नातक विद्यार्थी: प्रोग्राम एवं परिसरवार विवरण

शैक्षणिक प्रोग्राम	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	
	बेंगलुरु	भोपाल	भुवनेश्वर	चेन्नई	दमन	गाँधीनगर	हैदराबाद	जोधपुर	कांगड़ा	कन्नूर	कोलकाता	मुंबई	नई दिल्ली	पंचकुला	पटना	रायबरेली	शिलांग	श्रीनगर	**कुल**
बैचलर ऑफ डिज़ाइन (एक्सेसरी डिज़ाइन)	38	34	34	33	-	35	38	35	33	-	34	37	41	-	35	26	27	-	**480**
बैचलर ऑफ डिज़ाइन (फैशन कम्यूनिकेशन)	39	-	39	42	-	39	34	35	33	42	37	40	37	-	39	30	27	17	**530**
बैचलर ऑफ डिज़ाइन (फैशन डिज़ाइन)	41	-	33	37	-	40	39	43	33	37	34	38	32	32	38	36	23	23	**559**
बैचलर ऑफ डिज़ाइन (निट वेयर डिज़ाइन)	35	-	-	35	-	-	32	-	-	32	34	41	35	-	-	-	-	-	**244**

बैचलर ऑफ डिज़ाइन (लेदर डिज़ाइन)	-	-	-	30	-	-	-	-	-	-	32	-	37	-	-	25	-	-	**124**
बैचलर ऑफ डिज़ाइन (टेक्सटाइल डिज़ाइन)	35	43	34	32	-	39	36	37	25	31	37	40	34	30	39	-	18	-	**510**
बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (अपैरल प्रोडक्शन)	35	-	27	27	-	27	31	25	25	25	35	30	34	-	28	-	-	-	**349**
मास्टर ऑफ डिज़ाइन	37	-	-	36	-	35	-	-	-	34	-	37	40	34	-	-	-	-	**253**
मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट	38	30	28	-	9	34	40	35	30	29	31	42	39	30	33	29	26	24	**527**
मास्टर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी	18	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	31	-	-	-	-	-	**49**
कुल	**316**	**107**	**195**	**272**	**9**	**249**	**250**	**210**	**179**	**230**	**274**	**305**	**360**	**126**	**212**	**146**	**121**	**64**	**3625**

कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन सेल (सीसीसी)

कॉर्पोरेट संचार प्रकोष्ठ (सीसीसी) यूनिट ने डिजाइन, ब्रांडिंग और संचार पहलों की एक विस्तृत श्रृंखला शुरू की, जिसने निफ़्ट की संस्थागत विज़िबिलिटी और पहुंच में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सीसीसी यूनिट कई प्रमुख संस्थागत आयोजनों के लिए इवेंट ब्रांडिंग और विज़ुअल कम्युनिकेशन में सक्रिय रूप से शामिल रही। इसकी मुख्य हाईलाइट्स में से एक था छाप: निफ़्ट @ दिल्ली हाट, जो 1 से 15 सितंबर 2024 तक हुआ, जहाँ टीम ने विज़ुअल आइडेंटिटी, साइनेज और प्रमोशनल क्रिएटिव्स विकसित किए, जिन्होंने भारत की समृद्ध शिल्प विरासत और उसमें निफ़्ट के योगदान का जश्न मनाया। इस दौरान एक और बड़ा माइलस्टोन था एकता 25 इवेंट, जिसके लिए यूनिट ने इनवाइट्स, बैकड्रॉप्स, बैनर, स्टैंडीज़, नोटपैड और कॉन्फ्रेंस फोल्डर सहित कई तरह के कोलैटरल्स डिज़ाइन किए, जिससे सभी मटीरियल्स में एकरूपता और क्वालिटी बनी रहे। आईएफएफटीआई (IFFTI) इंडिया चैप्टर 2025 के लिए, यूनिट ने लोगो, कलर स्कीम और सपोर्टिंग ग्राफिक्स सहित पूरी इवेंट आइडेंटिटी डिज़ाइन की और विज़ुअल टोन को इवेंट के अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक और सांस्कृतिक मानकों के साथ अलाइन किया।

संस्थागत ब्रांडिंग के क्षेत्र में, सीसीसी यूनिट ने डिजिटल और प्रिंट मीडिया में लगातार इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए निफ़्ट ब्रांड आइडेंटिटी को मज़बूत करने पर काम शुरू किया। इसके अंतर्गत एक मुख्य पहल निफ़्ट@40 आइडेंटिटी कॉन्टेस्ट था, जिसे निफ़्ट के चार दशकों को याद करने के लिए जनवरी 2025 में लॉन्च किया गया था। यूनिट ने इस पूरी प्रक्रिया का प्रबंधन किया - कॉन्टेस्ट के दिशानिर्देश और मूल्यांकन मानदंड विकसित करने से लेकर 14 जनवरी 2025 तक मिली 350 से ज़्यादा एंट्रीज़ की समीक्षा का समन्वय करने तक। इसके अलावा, यूनिट ने स्वदेशी आंदोलन के लिए एक लोगो का कॉन्सेप्ट तैयार किया, जो आत्मनिर्भरता, पारंपरिक शिल्प कौशल और डिज़ाइन में एकता के सार को दर्शाता है।

इस यूनिट ने अकादमिक और प्रवेश से संबंधित संचार में भी अहम योगदान दिया। इसने निफ़्ट प्रवेश प्रॉस्पेक्टस 2025, ब्रिज प्रोग्राम के लिए द्विभाषी कोलैटरल (जिसमें पोस्टर और ब्रोशर शामिल हैं), और उत्तर-पूर्व क्षेत्र में एजुकेशनल फेयर में हिस्सा लेने के लिए स्टैंडीज़ डिज़ाइन किए। अलग-अलग अकादमिक प्रोग्राम के लिए आउटरीच मटीरियल विकसित करने पर खास ज़ोर दिया गया - जिसमें 25 जनवरी 2025 को लॉन्च किए गए टारगेटेड लिंक्डइन कैंपेन के ज़रिए निफ़्ट डॉक्टोरल डिग्री प्रोग्राम का प्रमोशन भी शामिल है।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, सीसीसी यूनिट ने रचनात्मक विकास के माध्यम से संस्थागत आयोजनों और राष्ट्रीय समारोहों का समर्थन किया। टीम ने योग दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के लिए डिजिटल पोस्ट और कैंपेन विज़ुअल्स बनाए, और निफ़्ट के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल के लिए फेस्टिव पोस्ट में लगातार योगदान दिया। इस यूनिट ने सीसीसी आउटरीच कैलेंडर के तहत कंटेंट भी क्यूरेट किया, जिससे क्रिएटिव रिलीज़ और आउटरीच उद्देश्यों के बीच तालमेल बना रहे।

इस दौरान एक बड़ा इंस्टीट्यूशनल सपोर्ट इनिशिएटिव निफ़्ट वेबसाइट को अपडेट करना था, जिसमें यूनिट ने संपूर्ण कम्युनिकेशन में एकरूपता लाने के लिए डिज़ाइन और विज़ुअल लेआउट में सुधार को कोऑर्डिनेट किया। इसके अलावा, दीक्षांत समारोह और पूर्व छात्र मिलन समारोह के लिए टेम्प्लेट बनाए गए, जिससे सभी परिसरों में एक जैसी आइडेंटिटी बनी रहे।

सीसीसी यूनिट ने कई तरह के मीडिया और रिसर्च से जुड़े आउटपुट भी तैयार किए, जैसे कि आउटरीच के लिए निफ़्ट फिल्म, निफ़्ट इमर्सिव इंडिया वीडियो और उसका साथ वाला प्रेजेंटेशन, साथ ही

हैंडलूम रिपोर्ट 2025, जो भारत के टेक्सटाइल और क्राफ्ट सेक्टर के साथ निफ़्ट की लगातार भागीदारी को दर्शाता है। इस यूनिट ने इंटरनेशनल फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत निफ़्ट में विशेषज्ञों को निमंत्रित करने वाला एक पोस्टर भी डिज़ाइन किया, जिससे संस्थान का वैश्विक अकादमिक नेटवर्क और मजबूत हुआ।

कुल मिलाकर, जून 2024 से मार्च 2025 तक का समय सीसीसी यूनिट की क्रिएटिव एक्सीलेंस, इंस्टीट्यूशनल ब्रांडिंग और स्ट्रेटेजिक कम्युनिकेशन के प्रति लगातार प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विज़ुअल आइडेंटिटी डिज़ाइन, इवेंट कम्युनिकेशन, आउटरीच मटीरियल और डिजिटल कैंपेन के ज़रिए, इस यूनिट ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तर पर निफ़्ट की मौजूदगी और पहचान को मज़बूत करने में योगदान दिया है।

उद्यम संसाधन योजना

निफ्ट का ईआरपी प्रकोष्ठ संस्थान की इन-हाउस सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट टीम है, जो सभी उन्नीस निफ्ट परिसरों में शैक्षणिक प्रक्रियाओं के स्वचालन और सूचना प्रबंधन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ईआरपी प्रकोष्ठ द्वारा विकसित कैंपस मैनेजमेंट सॉल्यूशन में डैशबोर्ड और एक्सेप्शन रिपोर्ट जैसे कई निगरानी उपकरण शामिल हैं, जो कक्षाओं के सुचारु संचालन और सभी निफ्ट परिसरों में एक समान शैक्षणिक वितरण सुनिश्चित करते हैं। शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित रिपोर्ट डीन, चेयरपर्सन, परिसर निदेशक, परिसर अकादमिक समन्वयक (सीएसी) और परिसर समन्वयक (सीसी) को नियमित अलर्ट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। प्रक्रियाओं के स्वचालन से संगठन में पारदर्शिता आती है, जिससे देशभर के निफ्ट परिसरों में कार्य सहज और निर्बाध रूप से संपन्न होते हैं। विद्यार्थियों को शैक्षणिक प्रक्रियाओं और उनकी व्यक्तिगत प्रगति की रियल-टाइम जानकारी उपलब्ध होने से यह सुनिश्चित होता है कि सभी उपयोगकर्ताओं को समय पर सही सूचना प्राप्त हो सके।

ईआरपी प्रकोष्ठ अन्य इकाइयों के प्रमुखों के साथ मिलकर सभी परिसरों में स्वचालन प्रक्रियाओं को लागू करने में निकटता से कार्य करता है। यह प्रकोष्ठ प्रमुख, उद्योग के साथ परिसर प्लेसमेंट, प्रमुख, इंटरनेशनल एक्सचेंज के साथ सेमेस्टर एक्सचेंज कार्यक्रम के आवेदन, जांच-पड़ताल और परिणाम तैयार करने, प्रमुख, सीओई के साथ परिणाम और ट्रांसक्रिप्ट तैयार करने, प्रमुख, शैक्षणिक कार्य के साथ शैक्षणिक मामलों, सार्थक आवेदन, विद्यार्थियों के स्थायी स्थानांतरण और डिग्री प्रमाणपत्र प्रिंटिंग, प्रमुख एफ़ओटीडी के साथ संकाय प्रशिक्षण आयोजित करने, प्रमुख सीई कार्यक्रम के साथ ब्रिज/सीई कार्यक्रम के संचालन तथा प्रमुख, अनुसंधान के साथ रिसर्च यूनिट ऑटोमेशन (पीएचडी लाइफसाइकिल मैनेजमेंट) में सहयोग करता है। इन सभी कार्यों में ईआरपी प्रकोष्ठ का यह समन्वय निफ्ट के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाता है।

ईआरपी प्रकोष्ठ ने माइक्रोसॉफ़्ट पावर बीआई (बिज़नेस इंटेलिजेंस) टूल का उपयोग करके कई महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट और विश्लेषण तैयार किए हैं। इनमें इंटर-कैंपस टीचिंग, गेस्ट फैकल्टी की नियुक्ति, आउटबाउंड गतिविधियाँ, विद्यार्थी अनुशासन संबंधी मामले, उड़ान (UDAAN) पर एनालिटिक्स, सार्थक डेटा, प्रवेश सांख्यिकी आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक माह की परिसर प्रदर्शन रिपोर्ट विशेष रूप से तैयार की जाती है, जिसमें शुल्क संग्रह, इंडस्ट्री विज़िट, विशेषज्ञ सत्र, प्रकाशित शोधपत्र और पुस्तकें, प्राप्त पेटेंट तथा सम्मेलनों में सहभागिता जैसी जानकारियाँ प्रस्तुत की जाती हैं।

प्लेसमेंट 2025 के लिए प्रक्रिया प्रभारी के अनुरोध पर विशेष अनुकूलन (कस्टमाइजेशन) किए गए हैं। इसमें जॉब अनाउंसमेंट फ़ॉर्म में बदलाव, ऑनलाइन और ऑफ़लाइन प्लेसमेंट, स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम वेतन पैकेज, विद्यार्थियों को 15 कंपनियों में आवेदन करने की सुविधा, कंपनियों और विद्यार्थियों के लिए स्पॉट रजिस्ट्रेशन जैसी व्यवस्थाएँ शामिल हैं। प्लेसमेंट मॉड्यूल में भर्ती प्रक्रिया के हर चरण पर प्लेसमेंट की प्रगति दर्ज करने की सुविधा भी जोड़ी गई है। इसके अतिरिक्त तिमाही परियोजना प्रगति रिपोर्ट, समेकित ट्यूशन फ़ीस संग्रहण रिपोर्ट और एपीएआर (APAR) स्थिति से संबंधित रिपोर्ट जैसी कई महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रक्रिया प्रभारियों के लिए तैयार की गई हैं।

ईआरपी प्रकोष्ठ ने विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ भी संचालित की हैं, जिनमें मुख्य परीक्षा और अनुवर्ती (फॉलो अप) परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परिणाम (रिज़ल्ट) बनाना और उसका प्रकाशन, और कैरी-फॉरवर्ड मामलों के लिए ऑनलाइन परिणाम बनाना शामिल हैं, जो परीक्षा और मूल्यांकन नीति के अनुसार किया जाता है। इसके अतिरिक्त, स्टूडेंट परमानेंट ट्रांसफर (SPT 2024), स्टूडेंट इंटरनेशनल एक्सचेंज प्रोग्राम की प्रक्रिया स्वचालन और क्रेडिट इक्विवलेन्स सर्टिफ़िकेट जारी करना तथा उसका परिणाम देना भी

ईआरपी द्वारा किया गया। अन्य कार्यों में ऑनलाइन ट्यूशन फ़ीस संग्रहण, विद्यार्थियों द्वारा पूर्ण किए गए जीई के लिए डायनेमिक रिपोर्ट, नियमित और ब्रिज प्रोग्राम के विद्यार्थियों के लिए मार्कशीट प्रिंटिंग, विद्यार्थियों के लिए बिल ऑफ़ सप्लाई, ऑनलाइन फैकल्टी एपीएआर, एडमिट कार्ड प्रिंटिंग और विषय संकाय पर विद्यार्थी प्रतिक्रिया शामिल हैं। सार्थक (SARTHAK) ऑनलाइन प्रक्रिया स्वचालन को लागू किया गया ताकि प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। आवेदन प्राप्ति और समितियों द्वारा जाँच-पड़ताल की प्रक्रिया को सिस्टम में दर्ज किया जाता है, जिससे पूरे प्रक्रिया पर सुस्पष्ट रहती है।

ईआरपी टीम ने साइबर सुरक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया और डेटा सुरक्षा बढ़ाने के लिए सर्वर में उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया। विभिन्न विभागों के चेयरपर्सन और विभिन्न इकाइयों के प्रमुखों को मुख्यालय में आयोजित टीओटी (ट्रेनिंग ऑफ़ ट्रेनर्स) के दौरान प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित किया गया। ईआरपी प्रकोष्ठ ने हितधारकों के लिए नियमित प्रशिक्षण आयोजित किया और परिसरों में समस्याओं के समाधान हेतु दैनिक ऑनलाइन सहायता प्रदान की। परिसर के वित्त एवं लेखा विभागों के लिए वित्तीय सुविधाओं, जैसे शुल्क संग्रह के लिए ऑनलाइन पेमेंट गेटवे, पर ऑनलाइन प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, शोधकर्ताओं के लिए पीएचडी लाइफसाइकिल मैनेजमेंट पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम और प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

संकाय अभिविन्यास प्रशिक्षण और विकास

एफओटीडी यूनिट निफ्ट के संकाय सदस्यों को निरंतर रूप से शैक्षिक और औद्योगिक कार्य प्रणालियों में अग्रणी बने रहने के लिए उनके कौशल, ज्ञान, अनुभव और विशेषज्ञता को निरंतर समृद्ध करने की सुविधा प्रदान करती है। एफओटीडी यूनिट का उद्देश्य न केवल अपने शिक्षण गण के कौशल और ज्ञान को उन्नत करना है, बल्कि सम्मेलनों और सेमिनारों में अपने संकाय के बौद्धिक कौशल को उजागर करना भी है। यह निफ्ट के विकास के सहयोगी के रूप में निफ़्ट को फैशन जगत में वैश्विक पटल पर अग्रणी बनाता है। इस यूनिट का उद्देश्य अनुसंधान को सभी सुविधाओं से लैस बनाना, संकाय सदस्यों के बीच ज्ञान का प्रसार करना, विचारों के आदान-प्रदान और बातचीत के लिए अभिनव तरीकों के माध्यम से शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच तालमेल स्थापित करना है। यह यूनिट मौजूदा और नए भर्ती किए गए कार्मिकों दोनों की क्षमताओं को बढ़ाने, व्यक्तिगत विकास को सुविधाजनक बनाने और उन्हें संगठनात्मक उद्देश्यों के साथ संरेखित करने के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण, प्रेरण प्रशिक्षण, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण, व्यावसायिक विकास और संकाय उद्योग संलग्नता जैसी प्रमुख गतिविधियों का समन्वय करती है।

प्रशिक्षण सत्र

एफओटीडी यूनिट ने सभी निफ्ट परिसरों के संकाय गण को आवश्यकता के अनुरूप सभी जरूरत की चीजें उपलब्ध करवाने के साथ -साथ, संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान की,जिस से बाहरी संसाधनों पर निर्भरता कम करने में मदद मिली है। अप्रैल 2024 से, निफ्ट ने सभी केंद्रों के संकाय सदस्यों के लिए आठ व्यक्तिगत प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। इन सत्रों में भाग लेने से सभी परिसरों के 170 से अधिक संकाय सदस्यों को लाभ हुआ।

ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ ज्ञान का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान किया। पॉइंटकारे का उपयोग करते हुए उन्नत CAD (डॉबी और जैक्वार्ड), इनोवेशन टूलबॉक्स, सुविधाओं के डिज़ाइन के लिए CAD, शिल्प अध्ययन और हस्तक्षेप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का परिचय, विधि-समय मापन, लक्जरी ब्रांड प्रबंधन, और कला एवं डिज़ाइन सौंदर्यशास्त्र जैसे कई विषयों पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इनोवेशन टूलबॉक्स कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदर्शन वस्त्रों और स्मार्ट वियरेबल्स के बारे में समझ को बढ़ाना था। प्रशिक्षकों ने सत्रों को सुगम बनाने और प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संकाय उद्योग जुड़ाव

विभिन्न संगठनों के 9 संकाय सदस्यों ने व्यावसायिक विकास निधि (पीडीएफ) का उपयोग करते हुए, अनेकों उद्योग से अनुभव (एफआईए)प्राप्त किया है, जिनमें गिन्नी फिलामेंट्स लिमिटेड, राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स, मंजूषा, कैलंथा बायोटेक, आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, और ग्रे टू येलो आदि शामिल हैं।

व्यावसायिक विकास

निफ्ट परिसरों के 37 संकाय सदस्यों ने अप्रैल 2024 से, अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए विविध गतिविधियों में भाग लेने हेतु व्यावसायिक विकास भत्ते (पीडीए) का उपयोग किया है। इन गतिविधियों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत करना, मेलों और संगोष्ठियों में भाग लेना और संकाय के द्वारा उद्योग जगत से सहसंबंध रखना भी शामिल हैं।

निफ्ट संकाय सदस्यों के कौशल और ज्ञान के निरंतर विकास और संवर्द्धन को प्राथमिकता देता है। शोध प्रयासों में सक्रिय भागीदारी और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर निष्कर्षों की प्रस्तुति के माध्यम से पूरा किया जाता है। निफ्ट के संकाय सदस्यों ने कई प्रतिष्ठित सम्मेलनों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। इनमें सियोल में IFFTI द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट का 26वां वार्षिक सम्मेलन, लंदन में IFFTI द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट का 27वां वार्षिक सम्मेलन और बुडापेस्ट, हंगरी में डिजाइन वरीयता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, योग्याकार्टा, इंडोनेशिया में "सीएसआर और सतत विकास" पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जगियेलोनियन विश्वविद्यालय, क्राको, पोलैंड में "अंतःविषय सामाजिक विज्ञान" का 19वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आदि शामिल है |

संकाय सदस्यों ने वियतनाम के अस्मारा इंटरनेशनल में एक अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक कार्यशाला में भी भाग लिया।

सूचना प्रौद्योगिकी

वर्ष 2024-25 निफ्ट और उसके समुदाय के प्रति सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के बढ़ते कर्त्तव्य का साक्षी रहा है। इस अवधि में विभाग ने संस्थान को अत्याधुनिक बनाए रखने के उद्देश्य से नवीनतम तकनीकों की उपलब्धता और उनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया। विश्वभर में आईटी की भूमिका और इसकी कार्यक्षमता का विस्तार इस सेवा को किसी भी संगठन के प्रमुख स्तंभों में से एक के रूप में स्थापित करता है।

नवीनतम सॉफ्टवेयर / ऐप्लीकेशन्स की उपलब्धता

निफ्ट के अलग-अलग विभागों में कई तरह के सॉफ्टवेयर प्रयोग किए जाते हैं। इनमें कुछ विशेष उपकरण हैं जैसे सीएलओ 3डी, सीएलओ-सेट, पॉइंटकारे, फास्ट रिएक्ट, टाइम एसएसडी, शू मास्टर और लेक्ट्रा आदि। इसके अलावा, एडोब क्रिएटिव सूट जैसे सामान्य उपयोग वाले सॉफ्टवेयर भी हैं, जो कई विषयों में काम आते हैं। इन सॉफ्टवेयरों के लाइसेंस को समय पर नवीनीकृत करने की प्रक्रिया की पूरी समीक्षा की गई और इसे बेहतर बनाया गया, ताकि निफ्ट के संकाय और छात्रों दोनों के लिए इनके प्रयोग में कोई अवरोध न हो और उन्हें पूरा लाभ मिल सके। इस कार्य के दौरान सॉफ्टवेयर विक्रेताओं, संकाय और छात्रों से बातचीत भी की गई, ताकि यह पता चल सके कि वर्तमान में कौन-कौन से ट्रेंड्स हैं और निफ्ट में सबसे नई तकनीक उपलब्ध हो। इससे सॉफ्टवेयर को समय-समय पर अपडेट और सुधार भी मिलता रहे।

सभी परिसरों में आईटी लैब का विश्लेषण / लेखा परीक्षा

सभी निफ्ट कैंपसों में आईटी लैब्स की वर्तमान स्थिति का पूरा सर्वे किया गया। इस जानकारी के आधार पर यह देखा गया कि उपलब्ध सुविधाएं निफ्ट की आवश्यकताओं और आधुनिक तकनीक के अनुसार कितनी पर्याप्त हैं। जिन जगहों पर कमी पाई गई, उन्हें दूर करने और आधुनिक तकनीक हमेशा उपलब्ध रहने के लिए एक योजना बनाई गई। इस योजना का कार्यान्वयन वर्तमान में अधिकांश परिसरों में चल रहा है।

इसके साथ ही, निफ्ट की आईटी लैब्स और प्रशासनिक कार्यालयों के लिए डेस्कटॉप पीसी और वर्कस्टेशन खरीदने के नियमों का एक कार्यालय ज्ञापन (ओएम) जारी किया गया। यह नया ज्ञापन पुराने ज्ञापन को अपडेट करता है ताकि तकनीक में हुए बदलाव और निफ्ट की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विशेषरूप से प्रयोग होने वाले सॉफ़्टवेयर को ध्यान में रखा जा सके।

NIFT.AC.IN डोमेन पर ईमेल आईडी

बैच 2024 के छात्रों की ईमेल आईडी बनाने की प्रक्रिया तथा संबंधित परिसरों के लिए समूह ईमेल आईडी समय पर जारी कर दी गई।

कार्यक्रमों का लाइवस्ट्रीमिंग/प्रसारण

होमकमिंग कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं वाले सत्रों का सभी परिसरों में सफलतापूर्वक प्रसारण किया गया।

उन्नत आंतरिक क्षमता

लगातार प्रयासों के चलते विभाग की अपनी क्षमता बढ़ी और अब वह सॉफ्टवेयर और एप्लिकेशन को बेहतर तरीके से संचालित किया जाता है। सभी परिसरों में लाइसेंस का सही उपयोग सुनिश्चित करने और दुरुपयोग रोकने के लिए समय-समय पर निगरानी की जाती है। साथ ही, विक्रेताओं पर निर्भरता कम करने के लिए इंस्टॉलेशन, री-इंस्टॉलेशन और समस्या को पहचानना और उसका समाधान की अपनी क्षमता में सुधार किया गया।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू संबंध

अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलु संबंध

निफ्ट की शैक्षणिक रणनीति अंतर्राष्ट्रीयता को अपनाती है। निफ्ट ने पिछले कुछ वर्षों मे दुनिया भर के अन्य प्रतिष्ठित फैशन संस्थानों के बीच अपनी अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता और प्रतिष्ठा को सोच समझकर बढ़ाया है। निफ्ट ने पास समान शैक्षणिक लक्ष्यों वाले 22 अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय फैशन संस्थानों और संगठनों के साथ रणनीतिक समझौते और साझेदारी हैं। एक ओर, यह निफ्ट के छात्रों को सहयोगी भागेदार संस्थानों के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लेकर फैशन की वैश्विक मुख्यधारा के साथ एकीकृत होने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, जबकि दूसरी ओर यह अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को निफ्ट में इसी तरह के 'विदेश में अध्ययन' के ढेरों विकल्प प्रदान करता है। यह निफ्ट और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के छात्रों के साथ बातचीत करने के बहतरीन अवसर प्रदान करता हैं, जिससे उन्हें अपने क्षितिज को व्यापक बनाने एवं विभिन्न संस्कृतियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 'विदेश में अध्ययन' का अवसर सभी 19 निफ्ट परिसरों और विभिन्न पाठ्यक्रम विषयों में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए उपलब्ध है। 'विदेश में अध्ययन' का अवसर सभी 19 निफ्ट परिसरों और विभिन्न पाठ्यक्रम विषयों में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए उपलब्ध है।

आई एंड डीएल निफ्ट के प्रोफेसरों के लिए अकादमिक एक्सचेंज कार्यक्रमों, अंतर्राष्ट्रीय मेलों, सेमिनारों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों एवं व्यापार कार्यक्रमों में भाग लेना भी संभव बनाता है। इससे संकाय को कक्षा में बहुमूल्य विशेषज्ञता लाने का अवसर मिलेगा, जिससे निफ्ट में ज्ञान का भंडार बढ़ेगा।

निफ्ट का अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

क्र.सं.	अंतर्राष्ट्रीय विश्विद्यालय	देश
1	फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एफआईटी)	युएस इ
2	नुओवा एकेडेमिया डि बेले आरते (एनएबीए)	इटली
3	इकोले नेशनले सुपीरियर डेस आर्ट्स एट इंडस्ट्रीज टेक्सटाइल्स (ईएनएसएआईटी)	फ्रांस
4	श्वेइज़ेरिस्चेटेक्स्टिलफैचस्चुले एस.टी.एफ	स्विट्ज़रलैंड
5	केईए- कोपेनहेगन स्कूल ऑफ डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी	डेनमार्क
6	एनामोमा (पीएसएल)	फ्रांस
7	पोलीटेक्निको डि मिलानो (पीडीएम)	इटली
8	सैक्सियन यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज	नीदरलैंड
9	क्वींसलैंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (क्यूटी)	ऑस्ट्रेलिया
10	रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरएमआईटी)	ऑस्ट्रेलिया
11	बीजीएमईए फैशन और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (बीयुएफटी)	बांग्लादेश
12	मैसी विश्वविद्यालय	न्यूज़ीलैंड
13	डिज़ाइन एंड इनोवेशन अकादमी(एडीआई)	मॉरीशस
14	नॉटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी	युके
15	बुंका गाकुएन विश्वविद्यालय	जापान
16	नामुना कॉलेज ऑफ फैशन एंड टेक्नोलॉजी (एनसीएफटी)	नेपाल
17	बोरस विश्वविद्यालय (युओबी)	स्वीडन
18	आर्ट्स यूनिवर्सिटी बोर्नमाउथ	युके

क्र.सं.	अंतर्राष्ट्रीय विश्विद्यालय	देश
19	टैम्पियर विश्वविद्यालय में नॉर्डिक सेंटर इन इंडिया सचिवालय (एनसीआई)	फिनलैंड
20	व्हाइटक्लिफ कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड डिज़ाइन	न्यूज़ीलैंड
21	यूनिवर्सिटी ऑफ द आर्ट्स लंदन	युके
22	यूनिवर्सिटी ऑफ द आर्ट्स लंदन, यूके: फैशन, टेक्सटाइल्स एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (एफटीटीआई)	युके
वार्षिक सदस्यता		
23	क्यूम्यलस, कला, डिजाइन और मीडिया के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के अंतर्राष्ट्रीय संघ की वार्षिक सदस्यता	
24	अंतर्राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीय फाउंडेशन (आईएफएफटीआई) की वार्षिक सदस्यता, जो अंतर्राष्ट्रीय फैशन और वस्त्र संस्थानों का एक वैश्विक नेटवर्क है	

भारत टेक्स 2025 कार्यक्रम में, निफ्ट ने यूनिवर्सिटी ऑफ द आर्ट्स लंदन, यूके: फैशन, टेक्सटाइल्स एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (एफटीटीआई) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

साझेदार संस्थानों से छात्रों का आदान-प्रदान

आई एंड डीएल इकाई द्वारा संचालित महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक छात्र विनिमय है। भागीदार संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ छात्रों का आदान-प्रदान या तो एक सेमेस्टर के लिए होता है या गर्मियों में अल्पकालिक कार्यक्रम के रूप में 2-3 सप्ताह के लिए या एक वर्षीय दोहरे डिग्री कार्यक्रम के रूप में होता है। संस्थान विदेशी छात्रों को शैक्षणिक और सांस्कृतिक समृद्धि में अनुभव प्रदान करते हुए निफ्ट में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भी आकर्षित करता है। विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से, विदेशी संस्थानों के छात्र न केवल भारतीय संस्कृति, कला एवं शिल्प में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं, बल्कि भारतीय बाजार और इसकी गतिशीलता की समझ भी विकसित करते हैं। इसलिए, आईएंडडीएल आने वाले विदेशी छात्रों एवं निफ्ट के बाहर जाने वाले छात्रों दोनों के लिए विनिमय गतिविधियों का समर्थन करता है। हाल ही में निफ्ट को जनवरी-जून 2025 के लिए इकोले नेशनले सुपीरियर डेस आर्ट्स एट इंडस्ट्रीज टेक्सटाइल्स (ईएनएसएआईटी) फ्रांस, पोलीटेक्निको डि मिलानो (पीडीएम) इटली, नुओवा एकेडेमिया डि बेले आर्टी (एनएबीए) इटली, क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (क्यूयूटी) ऑस्ट्रेलिया, सैक्सियन यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नीदरलैंड और केईए- कोपेनहेगन स्कूल ऑफ डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी (केईए) डेनमार्क, रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरएमआईटी) ऑस्ट्रेलिया और यूनिवर्सिटी ऑफ बोरस (यूओबी) स्वीडन से सेमेस्टर एक्सचेंज के लिए पुष्टि प्राप्त हुई है।

दोहरी डिग्री: निफ्ट और फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एफआईटी), न्यूयॉर्क, अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी निफ्ट के मेधावी छात्रों के चयन को निफ्ट एवं एफआईटी दोनों से दोहरी डिग्री प्राप्त करने के एक अनूठे अवसर की अनुमति देती है। निफ्ट के छात्र अपने संस्थान में दो वर्ष अध्ययन के बाद अपने गृह संस्थान में दो वर्ष का अध्ययन करते हैं, जिसके बाद वे निफ्ट में अपना अंतिम वर्ष पूरा करते हैं। अगस्त 2024 से जून 2025 तक ड्यूल डिग्री के हिस्से के रूप में एक वर्षीय एएएस कार्यक्रम के लिए एफआईटी, अमेरिका द्वारा 37 छात्रों का चयन किया जाता है।

2024-2025 में एक सेमेस्टर, ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम और दोहरी डिग्री के लिए छात्र विनिमय का विवरण:

गतिविधि	समय	आउटगोइंग/ इन्कोमिंग छात्र	विनिमय अवसर का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या
सेमेस्टर एक्सचेंज कार्यक्रम के साथ साझेदार संस्थान/ विश्वविद्यालय	जनवरी-जून 2025	निफ्ट के बाहर जाने वाले छात्र	ईएनएसएआईटी, फ्रांस– 15 (निफ्ट उड़ान नीति के तहत 04 सीटों सहित) एनएबीए, इटली – 02 पीडीएम, इटली – 02 केईए, डेनमार्क – 01 क्यूयूटी, ऑस्ट्रेलिया – 02 सैक्सियन, नीदरलैंड – 04 आरएमआईटी, ऑस्ट्रेलिया – 04 यूओबी, स्वीडन – 02
ग्रीष्म कार्यक्रम	2-3सप्ताह का कार्यक्रम जून 2024	निफ्ट से बाहर जामे वाले छात्र	एसटीऐफ़, स्विट्ज़रलैंड- 25 (निफ्ट उड़ान नीति के तहत सीटों सहित 06)
एफआईटी, न्यूयॉर्क में दोहरी डिग्री का अवसर	एफआईटी से दोहरी डिग्री अगस्त 2024 से जुलाई 2025	एफआईटी, यूएसए में दोहरी डिग्री के भाग के रूप में एक वर्षीय एएएस कार्यक्रम में 37 निफ्ट छात्र भाग ले रहे हैं।	

ईएनएसएआईटी: नेशनल स्कूल ऑफ़ टेक्सटाइल आर्ट्स एंड इंडस्ट्रीज, फ्रांस

नाबा : नुओवा एकेडेमिया डी बेले आरती

पीडीएम : मिलान पॉलिटेक्निक (पीडीएम), इटली

केईए : कोपेनहेगन स्कूल ऑफ़ डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी, डेनमार्क

क्यूयूटी: क्वीन्सलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी

एसटीएफ: श्वेइज़ेरिस्चेटेक्स्टिलफैचस्चुले, स्विट्ज़रलैंड

सैक्सियन : सैक्सियन यूनिवर्सिटी ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज, नीदरलैंड

एफआईटी: फैशन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, न्यूयार्क, यूएस

आरएमआईटी: रॉयल मेलबोर्न इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (आरएमआईटी),ऑस्ट्रेलिया

यूओबी: यूनिवर्सिटी ऑफ़ बोरस, स्वीडन

वार्षिक सदस्यता

निफ्ट इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (आईएफएफटीआई) का सदस्य है जो अंतर्राष्ट्रीय फसिओं एवं टेक्सटाइल संस्थानों का एक वैश्विक नेटवर्क है। वर्तमान में, आईएफएफटीआई में 22 देशों के 55 फसिओं संस्थान सदस्य है। निफ्ट क्यूमुलस का भी सदस्य है जो एक वैश्विक संघ है जिसका उद्देश्य कला और डिज़ाइन शिक्षा एवं अनुसन्धान प्रदान करना है। वर्तमान में क्यूमुलस के 71 देशों के 395 कला और डिज़ाइन संस्थान सदस्य।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (NRC), निफ्ट के सभी संसाधन केन्द्रों के नेटवर्क का समन्वयक निकाय है। इसका लक्ष्य, निफ्ट के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए एक अत्याधुनिक ज्ञान पोर्टल तैयार करना है। वर्ष 2024-25 में इसकी गतिविधियाँ अधिकतम संसाधन साझा करने और मानकीकरण को बढ़ावा देने पर केंद्रित रहीं, ताकि सभी निफ्ट परिसरों में सामूहिक संग्रह विकास और बेंचमार्किंग के माध्यम से यह उद्देश्य पूरा हो सके। इस नेटवर्क के संयुक्त संग्रह—सामग्री और मुद्रित संसाधनों—ने संस्थान के शिक्षण और शोध कार्यक्रमों को सशक्त बनाया। संसाधन केन्द्रों ने डिज़ाइन समुदाय, उद्योग और उद्यमियों को भी सूचना सेवाएँ प्रदान की हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (NRC) की प्रमुख गतिविधियाँ

- सभी निफ्ट परिसरों के शैक्षणिक कार्यक्रमों से सम्बद्ध मुद्रित और डिजिटल प्रारूप में पुस्तकों का चयनात्मक अधिग्रहण।
- सभी निफ्ट परिसरों के लिए "वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन" योजना के अंतर्गत 30 प्रतिष्ठित प्रकाशकों से लगभग 13,000 ई-जर्नल्स की सदस्यता।
- सभी निफ्ट परिसरों के लिए JSTOR और प्रोक्वेस्ट–एबीआई इन्फो (जिसमें अलेक्जेंडर स्ट्रीट फैशन, वीमेंस वेयर डेली आर्काइव और द वोग आर्काइव शामिल हैं) का नवीनीकरण ।
- सभी निफ्ट परिसरों के लिए ब्लूम्सबरी फ़ैशन सेंट्रल (ब्लूम्सबरी डिज़ाइन लाइब्रेरी, बर्ग फ़ैशन लाइब्रेरी, फ़ेयरचाइल्ड बुक्स लाइब्रेरी, फ़ैशन फ़ोटोग्राफ़ी आर्काइव और फ़ैशन बिज़नेस केसेज़ सहित) का नवीनीकरण।
- सभी निफ्ट परिसरों के लिए एडज़्टर का नवीनीकरण, जो 3000 से अधिक अग्रणी प्रकाशकों की डिजिटल पत्रिकाएँ उपलब्ध कराता है। यह सेवा निफ्ट के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए मोबाइल ऐप के माध्यम से भी सुलभ है।
- सभी निफ्ट परिसरों के लिए क्विलबॉट की सदस्यता, जिसमें पैराफ्रेज़र, ग्रामर चेकर, समराइज़र, साइटेशन जनेरेटर, फ़्लो नामक सर्व-समावेशी शोध उपकरण और ट्रांसलेटर जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।
- निफ्ट के लिए बिज़नेस ऑफ़ फ़ैशन की सदस्यता। यह वैश्विक फ़ैशन उद्योग से जुड़ी ख़बरें, विश्लेषण और शोध प्रदान करता है तथा पेशेवरों को जोड़ने के लिए मंच उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त यह उद्योग से जुड़े कार्यक्रम, परामर्श और शिक्षा सेवाओं के माध्यम से पेशेवरों को नवीनतम जानकारी और व्यवसाय विस्तार में सहयोग देता है। यह तब से वैश्विक फैशन उद्योग से जुड़ी जानकारी का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला और सम्मानित स्रोतों में से एक बन गया है।
- सभी निफ्ट परिसरों के लिए प्रोमोस्टाइल ट्रेंड बुक्स, डब्ल्यूजीएसएन फ़ैशन, लाइफ़स्टाइल और इंटीरियर्स सर्विसेज़ तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्रित पीरियोडिकल्स की सदस्यता का नवीनीकरण कर किफ़ायती गतिविधियों को सशक्त किया गया।
- सभी निफ्ट परिसरों के लिए मेसर्स ईबीएससीओ (M/S EBSCO), मेसर्स प्रोक्वेस्ट (M/S PROQUEST), मेसर्स सेज (M/S SAGE) और मेसर्स टेलर एंड फ़्रांसिस (M/S TAYLOR & FRANCIS) से 144 ई-बुक्स का अधिग्रहण।

पीएचडी और अनुसंधान

निफ्ट, दिल्ली स्थित निफ्ट मुख्यालय में अनुसंधान और बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के माध्यम से पूर्णकालिक और अंशकालिक डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों, स्वतंत्र अनुसंधान और ज्ञान के अनुप्रयोग की तर्ज पर संचालित किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम वस्त्र, फैशन और परिधान क्षेत्र में अनुसंधान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है ताकि शिक्षा एवं उद्योग जगत के उपयोग के लिए मौलिक ज्ञान का एक भंडार तैयार किया जा सके।

पीएचडी पाठ्यक्रम वर्ष 2009 में सात अभ्यर्थियों के साथ शुरू किया गया था और वर्तमान में 52 अभ्यर्थियां निफ्ट से पीएचडी कर रहे हैं। पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया हर साल निफ्ट प्रवेश कैलेंडर के अनुरूप होती है, जिसके परिणाम और पंजीकरण की घोषणा जुलाई माह में की जाती है। पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्रता डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री के लिए दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट है।

एक अंशकालिक अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह छह वर्षों के भीतर पर्यवेक्षित अध्ययन पूरा करे, जिसे अधिकतम सात वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है। पूर्णकालिक अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह चार वर्षों के भीतर पर्यवेक्षित अध्ययन पूरा करे और उन्हें इस अवधि के दौरान फेलोशिप का भुगतान किया जाता है। निफ्ट महानिदेशक के विशिष्ट अनुमोदन से उनका अध्ययन अधिकतम पाँच वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है।

निफ्ट ने 31 मार्च 2025 तक 48 पीएचडी उपाधियाँ प्रदान की हैं।

निफ्ट ने वर्ष 2024 में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान निम्नलिखित अध्येताओं को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है:

क्र. सं.	अध्येता का नाम	बैच	पर्यवेक्षक	अनुसंधान का शीर्षक
1.	अन्नू कुमारी	2019	डॉ. नुपूर आनंद, प्राध्यापक, दिल्ली	प्लस-साइज़ श्रेणी की भारतीय महिलाओं के लिए मानक साइज़ चार्ट का निर्माण
2.	भारती मोइत्रा	2017	डॉ. बन्हि झा सेवानिवृत्त प्राध्यापक,दिल्ली	भारत के वस्त्र एवं जीवन शैली क्षेत्र में निष्पक्ष व्यापार सिद्धांतों के कार्यान्वयन की प्रभावशीलता का अध्ययन
3.	महिमा नंद	2018	डॉ. राजदीप सिंह खनूजा सहायक प्राध्यापक, भोपाल	परदेसीपुरा रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर, इंदौर (मध्य प्रदेश) में महिलाओं के कल्याण का विश्लेषण
4.	निसफ लिंडेम	2019	डॉ. वंदना भण्डारी, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, दिल्ली	नागालैंड में हाथ से बुने गए वस्त्रों का सांस्कृतिक उपयोग और लाक्षणिक अध्ययन: अंगामी और संगतम जनजाति
5.	शांतनु रमन	2018	डॉ. सिबीचन मैथ्यु, प्राध्यापक, दिल्ली	नकली ब्रांडेड उत्पादों के उपभोगता क्रय पद्धति पर एक अध्ययन
6.	शीना गुप्ता	2016	डॉ. सौगता बैनर्जी प्राध्यापक, कोलकाता	ब्रांडिंग आयामों का उपभोक्ताओं के क्रियात्मक दृष्टिकोण पर प्रभाव - भारत में किफायती लक्जरी परिधान बाजार का एक अध्ययन
7.	सुरंजन लहीरी	2017	डॉ. प्रबिर जना प्राध्यापक, दिल्ली	परिधान निर्माण क्षेत्र के मानव संसाधनों के लिए डिजिटल साक्षरता का एक अध्ययन

निम्नलिखित पीएचडी अध्येताओं को आगामी दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रदान की जाएगी :-

क्र. सं.	अध्येता का नाम	बैच	पर्यवेक्षक	अनुसंधान का शीर्षक
1	आँचल त्रेहन	2019	डॉ. शालिनी सूद सहगल, प्राध्यापक, दिल्ली	नोएडा में गर्भवती और प्रसवोत्तर महिलाओं की बॉडी इमेज पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर एक अध्ययन

वर्तमान में पूर्णकालिक पीएचडी में 09 अध्येताएँ निफ्ट टीचिंग फ़ेलो (एनटीएफ़) में पंजीकृत हैं:-

वर्तमान में जारी पीएचडी (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक) के अनुसंधान शीर्षक :-

क्र. सं.	अध्येता का नाम	बैच	पर्यवेक्षक	अनुसंधान का शीर्षक
1.	सुष्मिता दास	2017	डॉ. बन्हि झा सेवानिवृत्त प्राध्यापक,दिल्ली	वर्ष 1864 से 1947 तक ब्रिटिश शासन के दौरान बंगाल में विशिष्ट वर्ग के हिंदू और ब्रह्मो महिलाओं के वस्त्रों का अध्ययन और आधुनिक भारतीय फैशन पर इसका प्रभाव
2.	आरती सोलंकी	2019	डॉ. पवन गोड़ियावाला, प्राध्यापक, गांधीनगर	अग्निरोधी और अग्निरोधी वस्त्रों के विशेष संदर्भ में प्रतिस्पर्धात्मक अध्ययन के माध्यम से भारतीय अग्निशमन दल के सुरक्षात्मक वस्त्र निर्यात बाजार के अवसर एवं चुनौतियाँ
3.	अभिलाषा सिंह	2019	डॉ. प्रबिर जना, प्राध्यापक, दिल्ली डॉ. दीपक पंघल, सहायक प्राध्यापक, दिल्ली	सिलाई मशीनों के प्रेसर फुट के एफडीएम निर्माण का प्रायोगिक अध्ययन
4.	अमीषा मेहता	2019	डॉ. अजित खरे, प्राध्यापक, मुंबई	गिग अर्थव्यवस्था एवं फैशन व्यवसाय (फैशन एंड अपेरल वैल्यू चैन) - एक भारतीय परिप्रेक्ष्य
5.	अमित गुप्ता	2019	डॉ. नूपुर आनंद, प्राध्यापक, दिल्ली डॉ. रमाकांत, उप-सलाहकार (पीएचई), सीपीएचईईओ आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली	भारत में सीवेज श्रमिकों में व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाओं का मूल्यांकन, विशेष रूप से पीपीई (गोताखोरों का सूट) पर ध्यान केंद्रित करते हुए
6.	भावना चौहान	2019	डॉ. वर्षा गुप्ता, प्राध्यापक, दिल्ली डॉ. चित्रा कटारिया, प्राध्यापक, प्रधानाचार्य, आईएसआईसी इंस्टीट्यूट ऑफ रेहेबिलिटेशन साइन्सेज एंड हैड ऑफ रिहेब एक्सपेंशन, नई दिल्ली	रीढ़ की हड्डी की चोट से पीड़ित युवा वयस्कों के लिए समावेशी अनुकूली वस्त्र, ताकि उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़ाई जा सके
7.	धिव्या एस	2019	डॉ. सेम्यूल वेस्ले, प्राध्यापक, चेन्नई	फंक्श्नल मेटरनिटी ब्रा का डिज़ाइन एवं विकास
8.	नटवरलाल भट्ट्ड	2019	डॉ. अजित खरे, प्राध्यापक, मुंबई	अपेरल वैल्यू सप्लाई चैन में सह-निर्माण प्रक्रिया
9.	नुपूर चोपड़ा	2019	डॉ. दिव्य सत्यान, प्राध्यापक, चेन्नई	भारत में आयातित उपभोक्ता-पश्चात वस्त्र अपशिष्ट के मौजूदा वस्त्र-से-वस्त्र पुनर्चक्रण को बढ़ाने पर प्रभाव डालने वाले कारकों की पहचान के लिए अध्ययन
10.	प्रेरणा नारायण	2019	डॉ. दीपक जोशी, सहायक प्राध्यापक,	बिहार के विशेष संदर्भ में हस्तशिल्प में ब्रांड जागरूकता पर विशिष्टता और ब्रांड पहचान का प्रभाव
11.	साक्षी	2019	डॉ. राजदीप सिंह खनूजा, सहायक प्राध्यापक, भोपाल	भारतीय खुदरा उद्योग के फैशन एंड लाइफ़स्टाइल खंड के लिए एटिट्यूड ब्रांडिंग पर एक अध्ययन
12.	साक्षी बब्बर पॉल	2019	डॉ. सुधा ढींगरा, प्राध्यापक, दिल्ली, डॉ. प्रज्ञा शर्मा, प्रॉफेश्नल लाइफ मेम्बर, क्लीनिकल साइकोलोजी- दिल्ली	महिला जेल कैदियों के मनोवैज्ञानिक स्तर पर हस्तशिल्प वस्त्र प्रथाओं का प्रभाव
13.	शुभलक्ष्मी क्रोपी	2019	डॉ. निलंजना बैरागी, सह-प्राध्यापक, बेंगलुरु	भारत के दिव्यांग व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ियों के लिए अनुकूली खेल परिधान का डिजाइन एवं विकास
14.	सुमिता अग्रवाल	2019	डॉ. बी. बी. जेना, भुवनेश्वर	भारतीय घरेलू फैशन में बदलते रुझान और उपभोक्ता दृष्टिकोण: एक अनुभवजन्य अध्ययन

क्र. सं.	अध्येता का नाम	बैच	पर्यवेक्षक	अनुसंधान का शीर्षक
15.	अदिति अग्रवाल	2020	डॉ. अर्चना गांधी, प्राध्यापक, दिल्ली	भारतीय फैशन-डिजाइनर-वियर फर्मों के वित्तीय प्रदर्शन पर पर्यावरणीय स्थिरता का प्रभाव
16.	अहमद अशरफ जैदी	2020	डॉ. राहुल चन्द्र, प्राध्यापक, कांगड़ा	सर्क्युलेरिटी थ्रु ब्लॉकचैन टेक्नालजी इन द इंडियन अपेरल इंडस्ट्री
17.	अखिलेन्द्र प्रताप सोंकर	2020	डॉ. एम अर्वेन्दन, प्राध्यापक, चेन्नई	परिधान रुझानों के प्रसार और फैशन ब्रांड इमेज निर्माण में विज़ुअल मर्चेंडाइजिंग की भूमिका
18.	अनूजा जे	2020	डॉ. विभावरी कुमार, प्राध्यापक, बेगलुरु	रिइंटरप्रेटिंग थ्रेड्स फॉर लाइफ: शिल्प-डिजाइन प्रथाओं में नवाचार के लिए एक रूपरेखा।
19.	लविना	2020	डॉ. डिम्पल बेहल, सह-प्राध्यापक, दिल्ली	इंटरटेक्स्टूआलिटि इन परफोरमेटिव हिन्दी लैड्ग्वेज फोल्क मीडिया कम्युनिकेशन फ्रम 90 टू न्यू मिलेनिया (इन इंडिया)
20.	नंदिनी लाल	2020	डॉ. सुधा ढींगरा, प्राध्यापक, दिल्ली	यूएन एसडीजी (2030) को प्राप्त करने की दिशा में एक रूपरेखा तैयार करने के लिए भारत में फैशन और वस्त्र डिजाइन कार्यक्रमों के लिए विशिष्ट शिक्षाशास्त्र का अध्ययन
21.	प्रकाश दत्त	2020	डॉ. अर्चना गांधी, प्राध्यापक, दिल्ली	बांग्लादेश में सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता पहल आरएमजी उद्योग: प्रेरकों, सुविधाकर्ताओं और बाधाओं की खोज
22.	राघवन संथनम	2020	डॉ. अजित खरे, प्राध्यापक, मुंबई	भारतीय परिधान आपूर्ति श्रृंखला अपशिष्ट न्यूनीकरण में एआई को अपनाना; एक अनुभवजन्य अध्ययन
23.	रूपाली ककारिया (एनटीएफ़)	2020	डॉ. नेहा सिंह, सह-प्राध्यापक, दिल्ली, डॉ. एम. एस परमार प्राध्यापक एवं निदेशक, नोर्दन इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च असोशिएशन, गाजियाबाद	माइक्रोएनकैप्सुलेशन तकनीक का उपयोग करके आवश्यक तेलों के साथ बहूउद्देशीय वस्त्रों का विकास
24.	अभिषेक शर्मा	2021	डॉ. जागृति मिश्रा, सह- प्राध्यापक, गांधीनगर	भारतीय बाजार में अपरंपरागत सामग्रियों से बने समकालीन आभूषणों के प्रति उपभोक्ता की पसंद पर अध्ययन
25.	अक्षय एस	2021	डॉ. दिव्य सत्यान, प्राध्यापक, चेन्नई	डिजिटल इमेजिंग और फैब्रिकेशन तकनीक का उपयोग करके मास्टेक्टॉमी से बचे लोगों के लिए अंतरंग परिधान में बड़े पैमाने पर अनुकूलन का अनुप्रयोग
26.	अनाहिता सूरी	2021	डॉ. मालिनी देवकला, प्राध्यापक, हैदराबाद	भारत में निर्वासित तिब्बतियों की पारंपरिक पोशाक का अध्ययन
27.	चक्रवर्ती पालनीसमी	2021	डॉ. नूपुर आनंद, प्राध्यापक, दिल्ली, डॉ. मनोज तिवारी, प्राध्यापक, कन्नूर	रेडी-टू-वियर परिधानों के लिए ओब्जेक्टिव फिट पद्धति का विकास
28.	चंद्रामौली एन	2021	डॉ. निलंजना बैरागी, सह-प्राध्यापक, बेंगलुरु	अ स्टडी ऑन मेंस अपेरल कनसंपशन एंड डिस्पोसल प्रेक्टिसेज इन कन्नूर, केरला, इंडिया
29.	डॉली कुमार	2021	डॉ. वर्षा गुप्ता, प्राध्यापक, दिल्ली	कश्मीरी शॉल और अन्य विरासती वस्त्रों की मरम्मत के लिए नजीबाबाद के रफूगरों की सुई शिल्प परंपरा, ज्ञान और कौशल का अध्ययन
30.	गंगाधर मलिक	2021	डॉ. मनोज तिवारी, प्राध्यापक, कन्नूर	शर्ट निर्माण के लिए कार्य भत्ते निर्धारित करने हेतु एक तर्कसंगत दृष्टिकोण का विकास
31.	कनिष्का	2021	डॉ. दीपक जोशी,सहायक प्राध्यापक, दिल्ली	जनरेशन जी में पर्यावरण के प्रति जागरूक उपभोग की खोज: भारतीय फैशन परिप्रेक्ष्य
32.	नेहा प्रसाद (एनटीएफ़)	2021	डॉ. एम अर्वेंदन, प्राध्यापक, चेन्नई	बांस जीवनशैली उत्पादों - गृह सज्जा आंतरिक सज्जा के जागरूक उपभोग के लिए स्थायी डिजाइन और उत्पाद विकास रणनीतियाँ

क्र. सं.	अध्येता का नाम	बैच	पर्यवेक्षक	अनुसंधान का शीर्षक
33.	शगुन तिवारी	2021	डॉ. ए श्रीनिवासा राव, प्राध्यापक, हैदराबाद	उत्तराखंड के हस्तशिल्प कारीगरों के बीच उद्यमशीलता विकास के लिए पारिस्थितिकी तंत्र: उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल का एक अध्ययन
34.	श्वेता सिंह	2021	डॉ. अर्चना गांधी, प्राध्यापक, दिल्ली, डॉ. सुनील शर्मा, प्राध्यापक, दिल्ली विश्वविद्यालय	ओपरेशनल रेसिलिएन्स फ्रेमवर्क फॉर द इंडियन अपेरल मेन्युफ़ेक्चरिंग ओर्गनाईजेशंस
35.	एस जयराज	2021	डॉ. ए ससिरेखा, सह प्राध्यापक, चेन्नई	जेनरेशन जी - ज़ूमर्स पर ब्रांड प्लेसमेंट के प्रभाव पर एक अध्ययन, विशेष रूप से भारतीय फिल्मों के संदर्भ में
36.	उषासी रुद्र	2021	डॉ. विभावरी कुमार, प्राध्यापक, बेंगलुरु	ग्लोकल समुदाय में डिज़ाइन थिंकिंग मॉडल के प्रभाव पर एक शोध: ओडिशा के हथकरघा शिल्पकारों का एक केस अध्ययन
37.	आशिमा गुप्ता (एनटीएफ़)	2022	डॉ. डिम्पल बेहल, सह प्राध्यापक, डॉ. वंदना भण्डारी, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, दिल्ली	इकत वस्त्रों के रूपांकनों और चयनित मंदिर वास्तुकला के बीच समसंबंध
38.	दिलनाज़ बानू	2022	डॉ. संजीव मलगे, प्राध्यापक, बेंगलुरु	शहरी महिलाओं के बीच लाइफ़स्टाइल एक्सेसरी उत्पादों की उपभोक्ता खरीद प्रक्रिया पर संवर्धित वास्तविकता का प्रभाव
39.	जोसेफ डॉल्फ़िन	2022	डॉ. एम अन्नाजी सर्मा, प्राध्यापक, हैदराबाद डॉ. सीबीचन मैथ्यु, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, दिल्ली	स्टडी इंवेस्टिगेटिंग द रिलेशनशिप बिट्वीन कस्टमर रिसोर्स इंटीग्रेशन, कस्टमर नोलेज शेयरिंग एंड कस्टमर को-क्रिएशन इन द कांटेक्स्ट ऑफ ओगमेंटेड रिऐलिटि इंटरैक्टिव टेक्नालजी (एआरआईटी) – एनेबल्ड फैशन शॉपिंग
40.	नीति बांगा	2022	डॉ. अनन्या देब रॉय, सह-प्राध्यापक, कोलकाता	फुलकारी शिल्प में संलग्न शिल्पियों की क्षमता और कल्याण तथा शिल्प के संबंध में उपभोक्ताओं के व्यवहार और कल्याण का अध्ययन।
41.	पुनीत (एनटीएफ़)	2022	डॉ. दीपक पंघल, सहायक प्राध्यापक, दिल्ली, डॉ.रश्मि ठाकुर, सहायक प्राध्यापक, मुंबई	स्वचालित वस्त्र दोष पहचान प्रणाली का विकास
42.	सारिका अग्रवाल	2022	डॉ. रूबी सूद, प्राध्यापक, दिल्ली	भौतिक स्मृतियों के साक्ष्य के रूप में वस्त्रों का संग्रह: वस्त्र संरक्षण में आख्यानों की शक्ति की खोज
43.	मोहम्मद शादाब सामी	2022	डॉ. विभावरी कुमार, प्राध्यापक, बेंगलुरु	समकालीन फ़ैशन फ़ोटोग्राफ़ी के युवाओं पर प्रभाव के अध्ययन के लिए एक संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण: निक नाइट की फ़ैशन फ़ोटोग्राफ़ी 2000-2020 पर एक केस स्टडी
44.	स्मिता सोम	2022	डॉ. संजीव कुमार, झारखेड़े, प्राध्यापक, दिल्ली	पोस्ट कोमोडिटी : मटिरियल एंड कंसर्न इन कोन्सेप्चुयल आर्ट इन इंडिया
45.	तूलिका साइकिया	2022	डॉ. संदीप मुखर्जी, प्राध्यापक, कोलकाता	ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के लिए संवेदी आधारित अनुकूली कार्यात्मक वस्त्र
46.	कुमारगुरु के	2023	डॉ. रामचंद्रन आर, प्राध्यापक, कन्नूर	डिजिटल वस्त्र मुद्रण में रंग प्रबंधन और मुद्रण गुणवत्ता अनुकूलन: अंशांकन, मूल्यांकन और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण
47.	मयंक जैन	2023	डॉ. एम. के. गांधी, प्राध्यापक, चेन्नई	स्थायी फास्ट फ़ैशन के लिए नैतिक एआई इन्वेंट्री ऑप्टिमाइज़ेशन के लिए एक मल्टी-एजेंट फ्रेमवर्क विकसित करना
48.	अमृथा एम (एनटीएफ़)	2024	डॉ. कौस्तव सेन गुप्ता, प्राध्यापक, चेन्नई	अ कम्पेरेटिव अनेलिसिज ऑन द इन्फ़्लुएन्स ऑफ जेनेरेश्नल वैल्यूस, सस्टेनेबल प्राइओरिटीज एंड कंस्यूमर एटीट्यूड्स टू अड़ोप्ट प्री-औन्ड एंड अप-साइकल्ड फैशन अमंग मिलेनियल्स जेन-जी इन साउथ इंडियन अर्बन सिटीज

क्र. सं.	अध्येता का नाम	बैच	पर्यवेक्षक	अनुसंधान का शीर्षक
49.	लूसी तागे (एनटीएफ़)	2024	डॉ. पर्मिता सरकार, सह प्राध्यापक, बेंगलुरु	अरुणाचल प्रदेश के अपातानी जनजातीय परिधान और वस्त्र पर एक अध्ययन: समकालीन डिज़ाइन समाधानों के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के युवाओं के बीच पारंपरिक परिधानों पर एक परिप्रेक्ष्य
50.	नवनिता दत्ता चौधरी (एनटीएफ़)	2024	डॉ. संदीप मुखर्जी, प्राध्यापक, कोलकाता	विभिन्न यार्न काउंट, बुनाई और प्राकृतिक फ़िनिश से विकसित खादी कपड़े के हैंडल प्रोपर्टी, टेक्सचर, कम्फर्ट और ड्रेपिंग का अध्ययन करना।
51.	निकिता नागर (एनटीएफ़)	2024	डॉ. नेहा सिंह, सह प्राध्यापक, दिल्ली	भारत में उत्तराखंड के माणा-नीति गाँवों (गढ़वाल क्षेत्र) की भोटिया जनजाति की लोककथाओं का डिजिटल संग्रह और जनजाति की कला और शिल्प पर इसका प्रभाव।
52.	नित्या नैनेनी (एनटीएफ़)	2024	डॉ. श्रीनिवासा राव, प्राध्यापक, हैदराबाद	भारत में हथकरघा प्रचार हेतु पारिस्थितिकी तंत्र: तेलंगाना हथकरघा का एक केस स्टडी

निफ्ट अनुसंधान नैतिकता समिति

निफ्ट अनुसंधान नैतिकता समिति (एनआरईसी) की स्थापना मार्च 2019 में की गई थी। एनआरईसी एक स्वतंत्र समीक्षा समिति/बोर्ड है, जिसमें मेडिकल और नॉन – मेडिकल सदस्य शामिल हैं, और इसका दायित्व निफ्ट में शोध अध्ययन में शामिल मानव विषयों के अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। एनआरईसी का उद्देश्य अध्ययन प्रस्तावों के वैज्ञानिक और नैतिक पहलुओं की सक्षम समीक्षा सुनिश्चित करना है।

बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)

निफ्ट, देश का एक प्रमुख और अपनी तरह का एकमात्र संस्थान होने के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र भी है। ये रचनात्मक गतिविधियाँ संस्थान के बौद्धिक ज्ञान या बौद्धिक पूंजी का भाग हैं। यदि इस बौद्धिक ज्ञान को उचित दिशा और समय पर संरक्षण दिया जाए, तो यह संस्थान की महत्वपूर्ण पूंजी बन सकती है। बौद्धिक संपदा अधिकार कानूनी उपकरण हैं जिनके माध्यम से व्यक्ति अपनी रचनाओं की रक्षा कर सकता है। बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपी-आर) इकाई निफ्ट समुदाय द्वारा उत्पन्न बौद्धिक संपदा की पहचान, संरक्षण और प्रबंधन में सहायता के लिए एक केंद्रीय संसाधन के रूप में कार्य करती है। यह संकाय, छात्रों, शोधकर्ताओं और सहयोगियों को स्वामित्व अधिकारों और व्यावसायीकरण के रास्तों पर मार्ग-दर्शन प्रदान करके नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आईपीआर इकाई नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देती है और छात्रों व संकाय सदस्यों को अपनी रचनाओं को मूल्यवान बौद्धिक संपदा मानने के लिए प्रोत्साहित करती है। आईपी मूल्यांकन समिति (आईपीएसी) द्वारा एक सुदृढ़ आईपी मूल्यांकन तंत्र के साथ, इकाई यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक रचना का संरक्षण और व्यावसा-यीकरण क्षमता का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाए। इन रचनाओं में व्यापक रूप से आविष्कार, डिज़ाइन, कॉपीराइट योग्य कार्य, सॉ-फ़्टवेयर, मल्टीमीडिया, शोध-प्रबंध और अन्य रचनात्मक नवाचार शामिल हैं जिनका संरक्षण किया जाना आवश्यक है ।

भारत टेक्स 2025 के दौरान निम्नलिखित पेटेंट प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया गया:

क्रम संख्या	संकाय का नाम (सभी पैटंट प्राप्तकर्ता)	पेटेंट विवरण
1.	डॉ. संदीप मुखर्जी, प्राध्यापक, फैशन डिज़ाइन, कोलकाता डॉ. मोंटू बसक, सह-प्राध्यापक, फैशन डिज़ाइन, कोलकाता	एन एलेक्ट्रोनिकली डेवलप्ड टेबल लूम पेटेंट संख्या -525846
2.	डॉ. कुंडलता मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, फैशन डिज़ाइन, मुंबई	1. प्रोटेक्टिव वियर फॉर वेल्डर्स डिज़ाइन संख्या - 386008-001 2. लेथ/सीएनसी मशीनिस्ट प्रोटेक्टिव यूनिफॉर्म डिज़ाइन संख्या - 386004-001 3. प्रोटेक्टिव यूनिफॉर्म फॉर पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री डिज़ाइन संख्या - 386005-001 4. प्रोटेक्टिव यूनिफॉर्म फॉर पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री डिज़ाइन संख्या – 386006-001

क्रम संख्या	संकाय का नाम (सभी पैटंट प्राप्तकर्ता)	पेटेंट विवरण
3.	डॉ. छवि गंगवार, सहायक प्राध्यापक, फैशन डिज़ाइन, कांगडा	अ मल्टी – इंपेलर एजीटेटर वेसल फॉर फाइबर एक्स्ट्रेक्शन फ्रम शुगरकेन बगेस पेटेंट संख्या -422455
4.	सुश्री कनू प्रिया सहायक प्राध्यापक, फैशन टेक्नालजी, पंचकूला	हेक्सापेडल रोबोट मैनेजर फॉर हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्री डिज़ाइन संख्या - 359760-001
5.	डॉ. विजेंदर कुमार, सहायक प्राध्यापक, फैशन एंड लाइफ़स्टाइल एक्सेस-रीज, जोधपुर	लैबोरेटरी स्टरर विथ डिजिटल इंडिकेटर डिज़ाइन संख्या -391749-001
6.	स्वर्गीय श्री अंकुर मखीजा (मरणोपरांत) फैशन टेक्नालजी, गांधीनगर श्री तन्मय जगेटिया, एलुमनाइ एमएफ़टी 2019, फैशन टेक्नालजी, गांधीनगर	एन ऑटोमैटिक मशीन फॉर रिमुवल ऑफ लूज थ्रेड्स फ्रम निट एंड डेलीकेट गार्मेंट्स पेटेंट संख्या - 489365
7.	डॉ. लतिका भट्ट, सहायक प्राध्यापक, टेक्सटाइल डिज़ाइन, भोपाल	अ प्रोसैस फॉर द प्रेपरेशन ऑफ मोसकीटो रेपेलेंट फ़ैब्रिक युसिंग हर्बल फोर्मूलेशन एंड कोंपोजीशन देयरऑफ पेटेंट संख्या - 403058

निफ्ट में परियोजनाएं

निफ्ट विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ परामर्श परियोजनाएं (कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स) चलाता है। ये परियोजनाएं संकाय सदस्यों को अनुभव और छात्रों को अनुभावात्मक अध्ययन के अवसर प्रदान करती हैं। ये परियोजनाएं तकनीकी कौशल को बढ़ाती है और डिज़ाइन मूल्य संवर्धन द्वारा विभिन्न हितधारकों को लाभान्वित करती हैं। निफ्ट द्वारा वर्तमान में चलाए जा रहे 50 लाख रुपए से अधिक मूल्य के कुछ प्रमुख परामर्श परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है :-

- खादी ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा निफ्ट में 'खादी उत्कृष्टता केंद्र' (सेंटर ऑफ एक्सिलेन्स) को स्वीकृति दी गई है। इसका उद्देश्य उच्च-स्तरीय घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों के लिए नए खादी उत्पाद विकसित करना और खादी ब्रांड को मजबूत बनाना है। इस केन्द्र की स्थापना 'हब एंड स्पोक' मॉडल के तहत की जा रही है, शुरुआत में यह केंद्र पाँच निफ्ट परिसरों ; दिल्ली, कोलकाता, गांधीनगर, शिलांग और बेंगलुरु में स्थापित किया जाएगा। सीओईके 2.0 के लॉन्च के साथ, निफ्ट हैदराबाद, पंचकुला और भुवनेश्वर में तीन अतिरिक्त स्पोक केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत मुख्य कार्य खादी के लिए वैश्विक मानकों की बेंचमार्क डिज़ाइन प्रक्रियाएँ बनाना, नए कपड़े और उत्पाद विकसित करना, कपड़ों के लिए गुणवत्ता मानकों का प्रसार करना और खादी के लिए विज्वल (VISUAL) मेर्चेंडाइसिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बेहतर करना शामिल है। नए आवंटित सीओईके 2.0 का परियोजना की लागत 25.17 करोड़ रुपए है।
- विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय द्वारा वाराणसी, सलेम, गुवाहाटी, जोधपुर, बरगढ़ और फुलिया स्थित छह भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईएचटी) के पुनर्गठन और पुनः ब्रांडिंग को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना की लागत 2.31 करोड़ रुपए है।
- चरण 2 के अंतर्गत 10 बुनकर सेवा केन्द्रों (डबल्यूएससी) (बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, इम्फ़ाल, इंदौर, कन्नूर, कोलकाता, मेरठ, नागपुर और पानीपत) में डिज़ाइन संसाधन केंद्र स्थापित करने की परियोजना को विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय, भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय द्वारा मंजूरी दी गई है। यह परियोजना क्षेत्रीय पहलू के साथ प्रत्येक डबल्यूएससी के वस्त्र विकास को प्रदर्शित करके और प्रत्येक केंद्र के लिए एक वार्षिक गतिविधि कैलेंडर विकसित करके डबल्यूएससी को विज्वल (VISUAL) मेर्चेंडाइसिंग की सुविधा प्रदान करती है। इस परियोजना की लागत 9.44 करोड़ रुपए है।
- "भारतीय वस्त्र एवं शिल्प - भंडार" परियोजना को वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निफ्ट क्लस्टर पहल के अंतर्गत विकास आयुक्त (हथकरघा) एवं (हस्तशिल्प) के वित्तीय सहयोग से स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य एक ऐसा डिजिटल मंच/पोर्टल उपलब्ध कराना है जिसमें वस्त्र और परिधान का एक विर्चुअल संग्रहालय – जिसमें डिज़ाइनर अभिलेखागार, शिल्प संग्रह, शिल्पकारों, उनके समुदायों, कार्य प्रक्रियाओं, उत्पादों, केस अध्ययनों और शिल्प एवं वस्त्र के क्षेत्रों में अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी शामिल होगी। इसका डाटा निफ्ट, शिल्प संग्रहालय, बुनकर सेवा केन्द्रों और निजी संग्रहों से लिया गया है। परियोजना की लागत 15.57 करोड़ रुपए है।
- निफ्ट ने जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्स्पो 2025 में भारत मंडप में प्रवेशकों/प्रतिनिधियों (USHERS) के लिए वर्दी डिज़ाइन की है। यह परियोजना भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा कमीशन की गई थी।

- निफ्ट परिसरों (मुख्यालय परियोजनाओं सहित) में कुल 101 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-

क्र. सं.	निफ्ट केंद्र का नाम	31 मार्च 2025 तक चल रही परियोजनाओं की संख्या	परियोजना का कुल मूल्य (लाख रुपए में)
1	बेंगलुरु	3	384.33
2	भोपाल	6	1331.28
3	भुवनेश्वर	5	70.60
4	चेन्नई	3	126.55
5	दमन	0	0.00
6	गांधीनगर	12	172.85
7	मुख्यालय	5	4737.49
8	हैदराबाद	4	110.23
9	जोधपुर	2	11.20
10	कांगड़ा	1	14.99
11	कन्नूर	2	48.10
12	कोलकाता	16	305.45
13	मुंबई	3	37.85
14	नई दिल्ली	28	1250.40
15	पटना	4	37.73
16	पंचकुला	0	0.00
17	रायबरेली	0	0.00
18	शिलांग	4	60.51
19	श्रीनगर	3	58.50
	कुल	**101**	**8758.06**

प्रकाशन

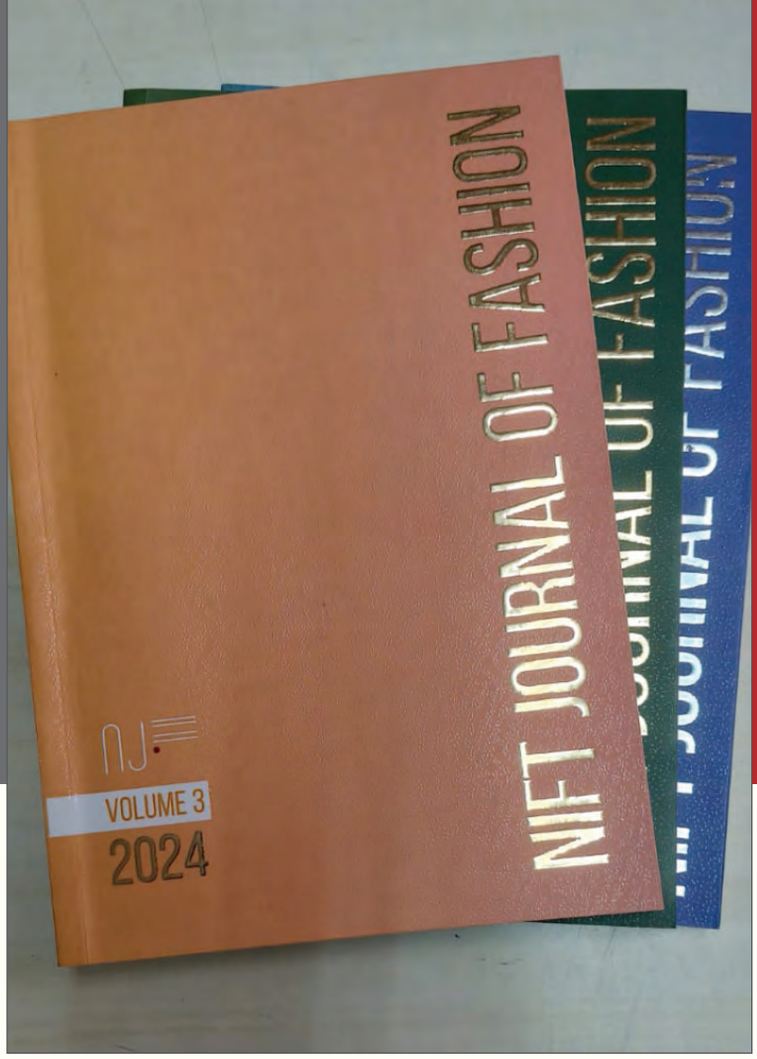

निफ्ट प्रकाशन प्रकोष्ठ को अंतःविषयक, अनुसंधान-केन्द्रित मंच के रूप में स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य निफ्ट परिसरों के संकाय सदस्यों के साथ-साथ देश-विदेश के विद्वानों और शिक्षाविदों की बौद्धिक क्षमता को रेखांकित करना है। यह प्रकोष्ठ फैशन के विविध पहलुओं पर व्यापक महत्त्व के किसी विशिष्ट विषय के साथ प्रति वर्ष एक शोध पत्रिका प्रकाशित करता है, जिसमें समसामयिक दृष्टिकोणों पर गहन और समालोचनात्मक विचार प्रस्तुत किए जाते हैं।

'निफ्ट जर्नल ऑफ़ फैशन' (एनजेएफ) एक समकक्ष-समीक्षित (पीयर रिव्यूड) और मुक्त अभिगम (ओपन एक्सेस) शोध पत्रिका है, जो फैशन के विभिन्न क्षेत्रों—डिज़ाइन, संचार, प्रबंधन, प्रौद्योगिकी और शिक्षा—से जुड़े मौलिक शोध लेख प्रकाशित करती है। यह पत्रिका वार्षिक एवं विषय-आधारित है, जो विश्वभर के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और फैशन पेशेवरों से उच्च गुणवत्ता के शोध लेख आमंत्रित करती है। प्रत्येक अंक के लिए संपादकीय बोर्ड में चेयरपर्सन, अनुसंधान प्रमुख और देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से चयनित आंतरिक एवं बाहरी समीक्षक शामिल होते हैं।

पत्रिका का तीसरा अंक "द इवॉल्विंग लैंडस्केप ऑफ़ फैशन एजुकेशन: इनोवेशन एंड अडैप्टेशन" विषय पर आधारित था, जिसे दिसंबर 2024 में जारी किया गया। यह अंक शिक्षाविदों और उद्योग, दोनों के द्वारा सराहा गया। वर्ष 2024 में इस पत्रिका को ई-आईएसएसएन भी प्राप्त हुआ। प्रिंट आईएसएसएन और ऑनलाइन आईएसएसएन दोनों उपलब्ध होने के साथ, पत्रिका का अपना समर्पित वेबपेज (HTTPS://WWW.NIFT.AC.IN/JOURNALOFFASHION) है, जहाँ से इसके ऑनलाइन संस्करण देखे जा सकते हैं।

पत्रिका का चौथा अंक "फैशन इन ट्रांज़िशन: द कॉन्फ्लुएंस ऑफ़ हैंडमेड एंड टेक्नोलॉजी" विषय पर तैयार किया जा रहा है, जिसे वर्ष 2025 में प्रकाशित किया जाएगा।

छात्र विकास गतिविधियाँ

सभी निफ्ट परिसरों में विद्यार्थी विकास कार्यक्रम इस प्रकार बनाया गया है कि यह विद्यार्थियों के अनुभव को केवल कक्षा तक सीमित न रखते हुए उन्हें एक समग्र और समृद्ध अनुभव प्रदान करे। समग्र शिक्षा के महत्त्व को समझते हुए, यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को शारीरिक, शैक्षणिक और कलात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। ये गतिविधियाँ न केवल शैक्षणिक पाठ्यक्रम के पूरक हैं, बल्कि रचनात्मकता को बढ़ावा देने, अंतरव्यक्तिगत कौशल विकसित करने और समग्र कल्याण सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक हैं।

विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से विद्यार्थी नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं, टीमवर्क और संचार कौशल को निखारते हैं, और आत्म-अभिव्यक्ति के नए मार्ग खोजते हैं। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को रिलैक्स, रीचार्ज और सहपाठियों के साथ सार्थक संबंध बनाने के अवसर भी प्रदान करता है, जिससे वे रोज़मर्रा की चुनौतियों का सामना नई ऊर्जा और एकाग्रता के साथ करने के लिए तैयार हो सकें।

फैशन स्पेक्ट्रम 2024

फैशन स्पेक्ट्रम निफ्ट का प्रमुख वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव है, जिसे सभी परिसरों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता के लिए एक जीवंत मंच प्रस्तुत करता है। फैशन स्पेक्ट्रम 2024 में सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक गतिविधियों का विविध मिश्रण देखने को मिला, जो निफ्ट के विद्यार्थियों की विविधता और गतिशीलता को दर्शाता है।

इस वर्ष के थीम प्रत्येक परिसर में भिन्न थे, जिससे हर जगह पर अनूठा अनुभव उत्पन्न हुआ। इस उत्सव में डिज़ाइन प्रतियोगिताएँ, व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएँ, स्ट्रीट प्ले, वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ और प्रसिद्ध कलाकारों, डीजे आदि के प्रदर्शन शामिल थे। इसके अलावा, रक्तदान शिविर और विभिन्न सामाजिक जागरूकता अभियान भी मुख्य आकर्षण रहे।

इस आयोजन में उद्योग के पेशेवर, संकाय सदस्य, निफ्ट के विद्यार्थी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिभागी शामिल हुए, जिससे प्रतिभा और विचारों का एक अद्भुत संगम उत्पन्न हुआ। फैशन स्पेक्ट्रम 2024 केवल रचनात्मकता और संस्कृति का उत्सव न होकर विद्यार्थियों के लिए नेटवर्किंग, सहयोग और व्यक्तिगत विकास का एक उन्नत मंच साबित हुआ।

कनवर्ज 2024

कनवर्ज निफ्ट का प्रतिष्ठित वार्षिक अंतर-परिसर सांस्कृतिक और खेल समारोह है, जिसका उद्देश्य विभिन्न परिसरों के विद्यार्थियों के बीच सहयोग और एकता की भावना को प्रबल करना है। यह कार्यक्रम प्रतिभा, खेलकूद और निफ्ट समुदाय की साझा पहचान का उत्सव रूप है।

वर्ष 2024 में, निफ्ट पंचकुला ने गर्व के साथ कनवर्ज की मेजबानी 23 से 25 अक्टूबर तक की, जिसमें लगभग 950 विद्यार्थी शामिल हुए (प्रत्येक 19 परिसरों से 50 विद्यार्थी)। तीन दिवसीय आयोजन में विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और इंटरैक्टिव सत्रों में भाग लिया, जिससे यह अनुभव वास्तव में अविस्मरणीय बन गया।

कनवर्ज विद्यार्थियों में सामाजिक जुड़ाव की भावना विकसित करने और "वन निफ्ट, वन अल्मा मेटर" के सिद्धांत को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को देश के विभिन्न हिस्सों से अपने समकक्षों के साथ बातचीत करने, एक-दूसरे से सीखने और दोस्ती करने का अवसर भी प्रदान करता है।

एसडीए क्लब के अंतर्गत अन्य गतिविधियाँ

विद्यार्थियों के समग्र विकास को समर्थन देने के लिए, निफ्ट परिसरों में विभिन्न विद्यार्थी विकास गतिविधि (एसडीए) क्लबों के माध्यम से व्यापक पाठ्येतर गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। ये क्लब विद्यार्थियों में विविध रुचियों और कौशलों का विकास करने के साथ-साथ नागरिक जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित करते हैं।

मुख्य क्लब इस प्रकार हैं:

- सांस्कृतिक क्लब: प्रदर्शन कलाओं, नृत्य, संगीत और रंगमंच को प्रोत्साहित करता है।
- साहित्यिक क्लब: रचनात्मक लेखन, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और वक्तृत्व जैसी साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है।
- खेल, एडवेंचर एवं फोटोग्राफी (एसएपी) क्लब: फिटनेस, प्रतिस्पर्धात्मक खेल, फोटोग्राफी और साहसिक गतिविधियों पर केंद्रित है।
- नैतिकता, सामाजिक सेवा एवं पर्यावरण (ईएसएसई) क्लब: नैतिक जागरूकता, सामाजिक सेवा और पर्यावरणीय स्थिरता को प्रोत्साहित करता है।

ये क्लब नियमित रूप से परिसर स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम, प्रतियोगिताएँ और अभियान आयोजित करते हैं। विद्यार्थी इन गतिविधियों में उत्साह और लगन के साथ भाग लेते हैं। ये क्लब आत्मविकास, नई खोज और सामुदायिक जुड़ाव के लिए आदर्श मंच हैं।

बेंगलुरु

परिसर की संरचना एवं संसाधन

ईडब्ल्यूएस योजना के अंतर्गत 'अमृत सौधा' (भूतल सहित चार मंजिला) नवीन शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा यह भवन शीघ्र ही उपयोगार्थ उपलब्ध कराया जा सकेगा।

अल्पकालिक / सीई पाठ्य कार्यक्रम

निफ्ट बेंगलुरु परिसर में 6 महीने और एक वर्ष की अवधि के विभिन्न अल्पकालिक और सीई पाठ्य कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। इस वर्ष कुल 38 छात्रों ने सीई पाठ्य कार्यक्रम पूरे किए, जिनमें से 15 छात्रों ने 1 वर्षीय फैशन रिटेल प्रबंधन (एफआरएम) और 23 छात्रों ने 1 वर्षीय फैशन वस्त्र और प्रौद्योगिकी (एफसीटी) पाठ्यक्रम पूरा किया। एफसीटी, एफआरएम और परिधान मर्केंडाइजिंग और विनिर्माण प्रौद्योगिकी (एएमएमटी) के नए बैच, जो 6 महीने का कार्यक्रम है, 2025 में शुरू हो गए हैं। नए बैच में कुल 46 छात्र हैं।

प्रमुख परियोजनाएं

इस शैक्षणिक वर्ष में निफ्ट बेंगलुरु ने विभिन्न परियोजनाओं को आरंभ कर उन्हें पूरा किया है। विभिन्न परियोजनाओं में उद्योग कर्मियों को प्रशिक्षण, उत्पाद डिजाइनिंग और विकास के लिए राष्ट्रीय आजीविका मिशन पर परियोजनाएं और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों को उनकी आजीविका में सशक्त बनाना सम्मिलित था।

- निफ्ट द्वारा चन्नपटना के खिलौनों के लिए 'उत्पाद डिजाइन' और 'प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने' पर एक परियोजना शुरू की गई और उसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मेसर्स मेहदाविया सोशल वेलफेयर ट्रस्ट (एमएसडब्ल्यूटी), चन्नपटना से जुड़े अनुभवी कारीगरों को इस परियोजना से लाभ हुआ। इस परियोजना को एक्ज़िम बैंक, मुंबई द्वारा प्रायोजित किया गया था।
- निफ्ट - बेंगलुरु को बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) के कर्मचारियों के लिए वर्दी डिजाइन करने की कार्ययोजना मिली है और यह कार्य प्रगति पर है।
- फैशन प्रमोशन: निफ्ट बेंगलुरु ने 20 सितंबर 2024 को मैसूर में केंद्रीय रेशम बोर्ड की प्लेटिनम जयंती के समारोह पर एक विशेष 'फैशन शो' का आयोजन किया।
- आजीविका मिशन: राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत, कर्नाटक सरकार और निफ्ट, बेंगलुरु के बीच 18 अक्टूबर 2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य वस्त्र-आधारित गतिविधियों के विकास के माध्यम से आजीविका को बढ़ावा देना है। स्वयं सहायता समूह के सदस्य कर्नाटक सरकार के लाभार्थी हैं।
- प्रशिक्षण परियोजनाएं : निफ्ट - बेंगलुरु ने जून 2024 में ट्रेंट लिमिटेड के लिए 'परिधान डिजाइन विकास' पर एक प्रशिक्षण परियोजना का सफलतापूर्वक संचालन कर पूरा किया।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

निफ्ट बेंगलुरु के छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर खेल तथा अन्य पाठ्येतर गतिविधियों में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं-

- बी.डेस एफडी-द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री कैरिसा बोपन्ना को अप्रैल 2024 के दौरान जयपुर में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में "मिस टीन यूनिवर्स इंडिया 2024" का खिताब जीतकर संस्थान को गौरवान्वित किया।
- सुश्री सानिका बाबेल, बी.डेस एडी - छठे सेमेस्टर की छात्रा ने एसोसिएशन डिजाइनर्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित बैटल ऑफ प्रोजेक्ट्स 2024 में भाग लिया और लाइफस्टाइल उत्पाद डिजाइन की श्रेणी में गेम डिजाइन प्रोजेक्ट "स्क्वायर देम अप" के लिए द्वितीय उपविजेता रहीं।

- श्री श्राश्वत शैलेश, बीएफटी 2024, ने आईआईटी हैदराबाद, तेलंगाना, भारत में रिसर्च इनटू डिजाइन 2025 (सीओआरडी'25) पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दो शोध पत्र प्रस्तुत किए।
- बीएफटी के छात्र श्री अमन उपाध्याय, सुश्री अनुष्का आनंद और सुश्री सौम्या सिंह को 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव-गोवा फाइनल में अपने डिजाइन का प्रदर्शन करने के लिए चुना गया।
- वस्त्र डिजाइन विभाग की छात्रा सुश्री नाहुली ए. ने 3 जनवरी, 2025 को मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित 'लिवा प्रोटेज प्रतियोगिता' में उपविजेता स्थान प्राप्त किया।
- बीएफटी छठे सेमेस्टर के श्री बेंजीर शाहीन और श्री देबांजन घोष द्वारा प्रस्तुत वर्दी डिजाइन परिकल्पना को टाइटन आई प्लस द्वारा चुना गया।

ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स एंड ग्रेजुएशन इवेंट्स

- डिजाइन टेक्नो-प्रबंधन शिखर सम्मेलन 2024: डिजाइन टेक्नो-प्रबंधन शिखर सम्मेलन 2024 का आयोजन 31 मई 2024 को किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य अंतिम सेमेस्टर के शोध परियोजनाओं को उद्योग और अकादमिक क्षेत्र के सामने प्रदर्शन करना था, जिन्हें डीएफटी, डिजाइन स्पेस और एफएमएस के स्नातक बैचों द्वारा संपन्न किया गया। इसका उद्घाटन श्री गणेश सुब्रमण्यम, सीईओ, स्टाइलूमिया द्वारा किया गया। अतिथि माननीय के रूप में श्री सुमित घोष, सीनियर डायरेक्टर, फॉसिल उपस्थित रहे।
- ग्रेजुएशन शोकेस 2024: ग्रेजुएशन शोकेस 31 मई 2024 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान एक भव्य फैशन शो में, एफडी और केडी के छात्रों ने अपने डिजाइन संग्रह प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम के विशेष अतिथि लॉजिस्टिक्स एंड मोबिलिटी के निदेशक श्री अर्जुन दास और वाइल्डक्राफ्ट के डिजाइन लीड श्री प्रसेनजीत कुंडू थे।
- दीक्षांत समारोह 2024: दीक्षांत समारोह 2024 का आयोजन 21 सितंबर 2024 को परिसर सभागार में किया गया। इस वर्ष में निफ्ट बेंगलुरु से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के 307 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री, श्री गिरिराज सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि कर्नाटक विधानसभा के माननीय सदस्य, श्री एम. सतीश रेड्डी, सचिव, सुश्री रचना शाह, आईएएस और संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, सुश्री प्राजक्ता एल. वर्मा, आईएएस, महानिदेशक-निफ्ट और निफ्ट के प्रमुख (एए) प्रोफेसर डॉ. शिंजू महाजन उपस्थित रहे।

शिल्प समूह पहल: आयोजन, कार्यशालाएं एवं प्रभाव

निफ्ट बेंगलुरु में क्लस्टर आउटरीच कार्यक्रम के तहत, विभिन्न विभागों के छात्रों ने विभिन्न समूहों के कारीगरों के साथ नृवंशविज्ञान अध्ययन और शिल्प-आधारित नवीन उत्पाद विकास कार्यक्रम आयोजित किए। छात्रों ने हथकरघा समूहों का दौरा किया, जिनमें चिंतामणि समूह, चिक्कबल्लापुर जिला, गुल्डगुड़ा समूह, डिंडीगुल हैंडलूम समूह और उडुपी हैंडलूम सहकारी समिति शामिल हैं। इसके अलावा, छात्रों ने श्रीकालहस्ती स्थित कलमकारी समूह, तमिलनाडु के कराईकुडी में अथांगुडी टाइल्स, ऊटी में टोडा कढ़ाई समूह, आंध्र प्रदेश के धर्मावरम के अनंतपुर में निम्मलकुंटा चमड़ा कठपुतली शिल्प समूह और कर्नाटक के कोप्पल में किन्हल खिलौने जैसे विभिन्न हस्तशिल्प समूहों में शोध अध्ययन भी किए।

शिल्प कार्यशालाएं, मेले और प्रदर्शनी

- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस: निफ्ट बेंगलुरु ने 7 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री किशन सिंह सुगरा, सेवानिवृत्त आईएफएस, सुश्री सीमा सिंह, हथकरघा विशेषज्ञ, डॉ. मोहना राव, राज्य निदेशक केवीआईसी थे। कार्यक्रम के दौरान निफ्ट बेंगलुरु के छात्रों ने अपने अध्ययन के तहत बनाए गए हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों व दस्तावेजों को प्रदर्शित किया। साथ ही हथकरघा और हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया और छात्रों ने हथकरघा वस्त्र पर आधारित एक स्टाइलिंग प्रतियोगिता में भी भाग लिया।
- खादी महोत्सव 2024: यह महोत्सव निफ्ट बेंगलुरु द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के सहयोग से आयोजित किया गया था। केवीआईसी का मुख्य उद्देश्य खादी वस्त्रों को बढ़ावा देना है और यह ग्रामीण क्षेत्रों में खादी और ग्रामोद्योगों के विकास हेतु कार्यक्रमों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने के लिए प्रसिद्ध है। "खादी महोत्सव" के उपलक्ष्य में, खादी वस्त्रों और उत्पादों की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाने के लिए कर्नाटक के केवीआईसी द्वारा स्थापित खादी वस्त्रों और उत्पादों की बिक्री का आयोजन किया गया। यह बिक्री निफ्ट बेंगलुरु परिसर में तीन दिनों के लिए 23 अक्टूबर 2024 से 25 अक्टूबर 2024 तक आयोजित की गई।
- कर्मचारियों और व्यावसायिक शिक्षकों की क्षमता विकास प्रशिक्षण - जन शिक्षण संस्थान प्रशिक्षकों का निफ्ट बेंगलुरु दौरा: 29 नवंबर 2024 को, निफ्ट बेंगलुरु को जन शिक्षण संस्थान, बेंगलुरु के प्रशिक्षकों के एक समूह की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसका नेतृत्व उनकी निदेशक श्रीमती शशिकला ने किया। सिलाई, टाँके और हस्तशिल्प में अनुभवी प्रशिक्षकों ने चार घंटे के लिए परिसर का दौरा किया और इस दौरान परिधान और फैशन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली उन्नत प्रौद्योगिकी, तकनीक और मशीनरी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।
- कारीगर जागरूकता कार्यशाला 2025: कारीगर जागरूकता कार्यशाला 3 से 5 फरवरी 2025 तक परिसर में आयोजित की गई। जिसमें निफ्ट बेंगलुरु के सभी विभागों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में विभिन्न समूहों के 25 कारीगरों ने भाग लिया, जिनमें चेन्नापटना टर्नवुड लाह शिल्प, कर्नाटक; निम्मलकुंटा चमड़ा कठपुतली, आंध्र प्रदेश; चिंतामणि बुनकर, कर्नाटक; कलमकारी चित्रकला, आंध्र प्रदेश; खाना बुनकर, कर्नाटक; टोडा कढ़ाई, तमिलनाडु सम्मिलित हैं।
- शिल्प बाजार 2025: निफ्ट बेंगलुरु में 11 फरवरी से 15 फरवरी 2025 तक शिल्प बाजार 2025 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उसी अवधि में आयोजित 'सौ हाथ' प्रदर्शनी के साथ मिलकर आयोजित किया गया था। 'सौ हाथ' प्रदर्शनी

में भाग लेने से कारीगरों को अपनी कला को पहचान दिलाने का अवसर मिला, जिससे उनकी बिक्री और पहुँच में वृद्धि हुई। इस अवसर पर परिसर में कुल 8 स्टॉल लगाए गए, जिनसे कुल ₹3,39,819/- की बिक्री हुई।

संपन्न पीएचडी और अध्ययनरत

पीएचडी कर रहे संकाय सदस्यों में सुश्री शुभलक्ष्मी क्रोपी, सह प्राध्यापक, डीएफटी, श्री प्रतीक घोष, सहायक प्राध्यापक, एफएमएस, सुश्री काकोली दास, सह प्राध्यापक, टीडी और सुश्री दिलनाज बानू, सह प्राध्यापक, एफसी से हैं।

डीएफटी विभाग की सह प्राध्यापक सुश्री स्वेता जैन ने मई 2025 में अपनी पीएचडी पूरी की है।

प्रकाशन एवं शोध पत्र प्रस्तुतियां

निफ्ट बेंगलुरु के संकाय सदस्यों ने पुस्तकों में विभिन्न अध्यायों का योगदान दिया है, विभिन्न पत्रिकाओं में शोधपत्र लिखे हैं और 2023-2024 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोधपत्र प्रस्तुत किए हैं।

पुस्तक अध्याय प्रकाशन

- डिजाइन पाठ्यक्रम के छात्रों में रचनात्मकता का आकलन: रचनात्मक जागरूकता के लिए शिक्षा" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय स्प्रिंगर बुक में प्रकाशित हुआ है: रॉय, एस., बैरागी, एन., मोहन कुमार, वी.के. (2024) डिजाइन पाठ्यक्रम के छात्रों में रचनात्मकता का आकलन: रचनात्मक जागरूकता के लिए शिक्षा शर्मा, ए., पूवैया, आर. (संपादक) फ्यूचरिंग डिजाइन एजुकेशन, खंड 2. एफडीई 2024. डिजाइन विज्ञान और नवाचार। स्प्रिंगर, सिंगापुर HTTPS://DOI.ORG/10.1007/978-981-97-9210-8_30
- डॉ. नीलांजना बैरागी द्वारा लिखित पुस्तक अध्याय "स्पोर्ट्सवियर संबंधी बाधाएं: भारत के व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ियों के लिए अनुकूल स्पोर्ट्सवियर", एफटीसी 25, फंक्शनल टेक्सटाइल्स और परिधान पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सारांश पुस्तक (आईएसबीएन 978-81-962569-2-0) में प्रकाशित हुई।
- सुश्री उमा माहेश्वरी बी, सुश्री सुभलक्ष्मी क्रोपी भुयान और श्री लाल सुधाकरन द्वारा लिखित पुस्तक अध्याय "कम्यूटर जींस का विकास", एफटीसी 25, फंक्शनल टेक्सटाइल्स और परिधान पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सारांश पुस्तक (आईएसबीएन 978-81-962569-2-0) में प्रकाशित हुई।
- पुस्तक "इंडस्ट्री 4.0 एंड एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग" में "गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में डिजिटल डैशबोर्ड का निर्माण: एक केस स्टडी" शीर्षक से ई. कला रक्षेना और सुभालक्ष्मी क्रोपी भुयान द्वारा लिखा गया एक अध्याय प्रकाशित हुआ। जिसका प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर आईएसबीएन: 978-981-97-7149-3 है।
- स्प्रिंगर नेचर की पुस्तक "ग्रीन मेट्रिक्स इन हायर एजुकेशन - मेजरिंग एंड रिपोर्टिंग ऑन सस्टेनेबिलिटी इनिशिएटिव्स एट हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस" में "फार्म टू फैशन मॉडल एंड अदर सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्रैक्टिसेज ऑफ निफ्ट भुवनेश्वर: ए केस स्टडी फ्रॉम इंडिया" शीर्षक से एक अध्याय प्रकाशित हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुतियां

- "रिस्पॉन्सिबल डिजाइन सॉल्यूशंस: एआई इमेज जनरेटर और डिजाइनरों के बीच रचनात्मकता का तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक से शोध पत्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित आईसीओआरडी '25 में डॉ. शिप्रा रॉय द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. शिप्रा रॉय और डॉ. नीलांजना बैरागी द्वारा "कारीगरों के बीच जीविका और लचीलापन: ए केस स्टडी ऑफ़ द ट्रांसमिशन ऑफ़ नॉलेज इन मैसूर रोज़वुड इनले क्राफ्ट" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया, जो जनवरी 2025 में आईआईटी हैदराबाद में आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन अनुसंधान सम्मेलन में आईसीओआरडी'25 में प्रस्तुत किया गया था।
- डॉ. नीलांजना बैरागी द्वारा "डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ़ वेटेड जैकेट्स फॉर ऑटिस्टिक एंड एडीएचडी चिल्ड्रन इन इंडिया" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया, जो जनवरी 2025 में आईआईटी हैदराबाद में आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन अनुसंधान सम्मेलन में आईसीओआरडी'25 में प्रस्तुत किया गया था।
- आईआईटी दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यात्मक वस्त्र एवं परिधान सम्मेलन में डॉ. नीलांजना बैरागी द्वारा "स्पोर्ट्सवियर रिलेटेड बैरियर्स: एडैप्टिव स्पोर्ट्सवियर फॉर व्हीलचेयर टेनिस प्लेयर्स ऑफ इंडिया" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. नीलांजना बैरागी ने आईआईटी दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यात्मक वस्त्र एवं परिधान सम्मेलन में "डिज़ाइनिंग फैशनेबल फंक्शनल क्लोथिंग फॉर डायबिटीज़ पेशन्ट्स ऑन इंसुलिन ट्रीटमेंट" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- आईआईटी दिल्ली में आयोजित कार्यात्मक वस्त्र और परिधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. नीलांजना बैरागी द्वारा "ए वार्डरोब स्टडी ऑन क्लोथिंग कंजम्प्शन एंड डिस्पोज़ल पैटर्न्स अमंग मेन इन कन्नूर, केरल: टुड्र्स ए सर्कुलर फैशन अप्रोच" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. उषा यादव ने 19-20 अप्रैल 2024 को एसपीएसयू (सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय), उदयपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन का विषय "भविष्य को नेविगेट करना: जी-20 विश्व में एआई, ब्लॉकचेन और सतत विकास" था। डॉ. यादव का शोध पत्र "रीडिफाइनिंग एजुकेशन बिजनेस मॉडल: ए डेटा-ड्रिवन एक्सप्लोरेशन ऑफ एआई एंड ब्लॉकचेन फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड इनोवेशन" नामक शीर्षक से प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. उषा यादव द्वारा प्रगतिशील कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, सूचना प्रौद्योगिकी और नेटवर्किंग (कॉम-आईटी-कॉन 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 24 और 25 अक्टूबर, 2024 को "लेवरेजिंग एसोसिएशन रूल माइनिंग फॉर इफेक्टिव क्वेरी रिकमेंडेशन्स इन सर्च इंजिन्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसे टेलर एंड फ्रांसिस द्वारा प्रकाशित किया गया, और एससीओपीयूएस में सूचीबद्ध है।

- डॉ. उषा यादव द्वारा प्रगतिशील कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, सूचना प्रौद्योगिकी और नेटवर्किंग (कॉम-आईटी-कॉन 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 24 और 25 अक्टूबर, 2024 को प्रस्तुत "एडॉप्शन ऑफ़ वियरेबल टेक्नोलॉजी इन द वर्कप्लेस: ए स्टडी ऑफ़ एम्प्लॉयी परसेप्शन्स एंड बिहेवियरल इंटेंशन्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, टेलर एंड फ्रांसिस द्वारा प्रकाशित हुआ और यह और एससीओपीयूएस में सूचीबद्ध है।
- डॉ. उषा यादव द्वारा 7-8 मार्च, 2025 को आयोजित विघटनकारी प्रौद्योगिकियों पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीटी-2025) में प्रस्तुत "ऑप्टिमाइजिंग लार्ज स्केल ऑटोलॉजी एलाइनमेंट टू एस्टैब्लिश इंटरऑपरेबिलिटी फॉर इफिशिएंट रिट्रीवल" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, आईईईई द्वारा प्रकाशित हुआ और एससीओपीयूएस में सूचीबद्ध है।
- सुश्री दिलनाज बानू द्वारा लिखित "एड्रेसिंग चैलेंजेज इन ग्राफिकल इंटरफेसेज़ फॉर एल्डर्ली यूज़र्स: ए कॉल फॉर यूआई डिजाइन सॉल्यूशन्स इन मोबाइल ऐप्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, सतत विकास के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, वाणिज्य, व्यवसाय प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में नवाचार और अनुसंधान पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसटीसीबीएसएच-2024) में प्रस्तुत किया गया।
- सुश्री दिलनाज बानू द्वारा लिखित "एन्हांसिंग इमर्सिव लर्निंग एक्सपीरियंसेज़ थ्रू ऑगमेंटेड रियलिटी: ए पैराडाइम शिफ्ट इन डिजाइन एंड फैशन एजुकेशन" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, सतत विकास के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, वाणिज्य, व्यवसाय प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में नवाचार और अनुसंधान पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसटीसीबीएसएच-2024) में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. राजा बी द्वारा लिखित "मीडिया पोर्ट्रेल ऑफ़ वुमेन्स हेल्थ इन फेमिना फैशन मैगज़ीन: ए क्रिटिकल एनालिसिस" शीर्षक से एक शोध पत्र, 13 और 14 नवंबर को रेवा विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में आयोजित मीडिया और समाज में विविधता और प्रतिनिधित्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. राजा बी द्वारा लिखित एक शोध पत्र, जिसका शीर्षक, "द ग्रोइंग ट्रेंड ऑफ़ एफेमरल कंटेंट एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन यूज़र बिहेवियर: ए क्वालिटेटिव कंटेंट एनालिसिस, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मीडिया एट क्रॉसरोड्स: आइडेंटिटी, इनक्लूज़न एंड रेप्रेज़ेंटेशन" था, 14 से 16 दिसंबर के दौरान बरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा में आयोजित डिजिटल एज में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. परमिता सरकार द्वारा लिखित "एम्पावरिंग वुमेन आर्टिसंस ऑफ हिमाचल प्रदेश, इंडिया: मर्जिंग ट्रेडिशनल क्राफ्ट्स विद कॉन्टेम्पररी डिजाइन" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र आईआईएफटीआई 2025 लंदन में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. परमिता सरकार द्वारा लिखित "नैरेटिव्स इन ट्राइबल टेक्सटाइल्स: एक्सप्लोरिंग त्रिपुरी ट्राइबल आइडेंटिटी थ्रू फैशन इवोल्यूशन" नामक शीर्षक से एक पोस्टर आईआईएफटीआई 2025 लंदन में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. नित्या वेंकटरमन द्वारा लिखित "आई फील; देयरफॉर आई बाय – एन एक्सपेरिमेंट ऑन द यूज ऑफ प्रोडक्ट टच ऑन एक्सेप्टेंस ऑफ डीकंस्ट्रक्टेड फैशन प्रोडक्ट्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र आईआईटी रुड़की में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी - आईडियाज 24 में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. नित्या वेंकटरमन द्वारा लिखित "पर्सुएजन फॉर एंटी-कंजम्प्शन ऑफ क्लोथिंग – ए केस स्टडी यूजिंग बिहेवियरल मार्केटिंग" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र आईआईएम संभलपुर में मार्केटिंग परिप्रेक्ष्य (आईएमपीईसी), 2025 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. मोहन कुमार वी के और डॉ. शिप्रा रॉय द्वारा लिखित "केस स्टडीज ऑन सेकंड लाइफ फैशन प्रोडक्ट्स अमंग वुमेन ऑफ टू मेजर साउथ इंडियन मेट्रोपॉलिटन सिटीज" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित 'डिजाइन में अनुसंधान' पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीओआरडी'25 में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. मोहन कुमार वी के और डॉ. शिप्रा रॉय द्वारा लिखित "रिस्पॉन्सिबल डिजाइन सॉल्यूशन्स: ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ क्रिएटिविटी बिटवीन एआई इमेज जनरेटर्स एंड डिजाइनर्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित डिजाइन में अनुसंधान पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीओआरडी'25 में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. ऋचा शर्मा द्वारा लिखित "सस्टेनेबल डिजाइन ऑफ फुलफिलमेंट इकोसिस्टम फॉर को-क्रिएटिंग शेयरड वैल्यू" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र आईआईटी हैदराबाद में आयोजित 'डिजाइन में अनुसंधान' पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीओआरडी'25 में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. रश्मि मुंशी द्वारा लिखित "केस स्टडीज ऑन सेकंड लाइफ फैशन प्रोडक्ट्स अमंग वुमेन ऑफ टू मेजर साउथ इंडियन मेट्रोपॉलिटन सिटीज" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, आईआईटी हैदराबाद में आयोजित डिजाइन में अनुसंधान पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीओआरडी'25 में प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. विभावरी कुमार द्वारा लिखित "एक्सप्लोरिंग द पोटेंशियल ऑफ़ सिंप्लिफाइंग इकात डाइंग टेक्निक फॉर बोंमकाई वीवर्स इन ओडिशा" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र 50वीं वस्त्र अनुसंधान संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

जर्नल प्रकाशन

- डॉ. नीलांजना बैरागी द्वारा लिखित "री-डिज़ाइनिंग स्किनसूट्स फॉर इंडियन स्केटर्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यू में प्रकाशित हुआ था।
- डॉ. रेंजिनी जी द्वारा लिखित "एप्लिकेशन ऑफ अल्ट्रासोनिक वेल्डिंग इन डेवलपिंग न्यू ब्रेस्टफीडिंग ब्रा विद यूजर-सेंट्रिक फीचर्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, टेक्सटाइल और परिधान के रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हुआ था, एएससीओपीयूएस में सूचीबद्ध है। HTTPS://DOI.ORG/10.1108/RJTA-11-2023-0122

- डॉ. आनंद बाबू द्वारा लिखित "बिल्डिंग ब्रांड आइडेंटिटी इन फैशन इंडस्ट्री: द रोल ऑफ बॉलीवुड वुमेन सेलिब्रिटीज" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स - आईजेसीआरटी में प्रकाशित हुआ था।
- डॉ. राजा बी. द्वारा लिखित "सेंसमेकिंग स्ट्रैटेजीज़ इन डिज़ाइन थिंकिंग एजुकेशन: ए पेडागॉजिकल पर्सपेक्टिव" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट साइंस (आईजेसीएसपीयूबी), 14(2)2, पृष्ठ संख्या 415-428, जून 2024 में प्रकाशित हुआ था।
- डॉ. राजा बी. द्वारा लिखित "एजुकेशनल अप्रोचेज टू टीचिंग गेस्टाल्ट थ्योरी इन फोटोग्राफी: डेवलपिंग इफेक्टिव पेडागॉजिकल स्ट्रैटेजीज" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), आईएसएसएन: 2320-2882, वॉल्यूम.12, अंक 6, पीपी.97-102, जून 2024 में प्रकाशित हुआ।
- डॉ. नीलांजना बैरागी और मेहर खंगुरा द्वारा लिखित "लर्निंग ऑफ इंडियन हिस्ट्री थ्रू इनोवेटिव अप्रोचेज़: ए केस स्टडी" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रकाशन और समीक्षा जर्नल, खंड 5, अंक 8, पीपी 282-289 अगस्त 2024, पीपी 282-289 में प्रकाशित हुआ है।
- डॉ. नीलांजना बैरागी और हिशाम मोहम्मद द्वारा लिखित "डिजाइनिंग ऑफ यूजर-सेंटर्ड फ्रेमवर्क फॉर ई-लर्निंग एनवायरनमेंट फॉर इंडियन स्टूडेंट्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रकाशन और समीक्षा जर्नल (आईजेआरपीआर) के खंड 5, अंक 11 में प्रकाशित हुआ था।
- सुश्री नेहा द्वारा लिखित "फ्रॉम कॉन्सेप्ट टू कंज्यूमर: एआई एंड फैशन मैन्युफैक्चरिंग कन्वर्जेन्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में नवीन अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, (आईजेआईआरएसईटी) में प्रकाशित हुआ है।
- डॉ. नेत्रावती टी.एस., डॉ. कृतिका जी.के., और जोसेफ रेजी द्वारा लिखित "इवैल्यूएटिंग प्रोसेइकली बिहेवियर इन सेलेक्ट कॉलेजेज इन बैंगलोर" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में बहुविषयक अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएमआरएसईटीएम), खंड 11, अंक 5 में प्रकाशित हुआ।
- श्री प्रशांत चेरियन कोचुवेटिल द्वारा लिखित "बियॉन्ड द ग्लोबल ब्रांड: द डुअलिटी ऑफ कंज़्यूमर एथ्नोसेंट्रिज़्म एंड कॉस्मोपॉलिटन फैशन प्रेफ़रेंसेज़ अमंग यंग इंडियन कंज़्यूमर्स" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, वैज्ञानिक अनुसंधान और इंजीनियरिंग प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएसआरईएम), खंड 08, अंक 06, जून 2024 में प्रकाशित हुआ। डीओआई: 10.55041/आईजेएसआरईएम36038
- सुश्री हर्षा रानी द्वारा लिखित "लेसन्स फॉर इंडिया फ्रॉम द फिलीपीन्स'स अबाका फाइबर इंडस्ट्री" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र नवंबर 2024 में फाइबर2फैशन में प्रकाशित हुआ।
- डॉ. परमिता सरकार द्वारा लिखित "एन एनालिसिस ऑफ वूल–बेस्ड क्राफ्ट्स ऑफ लाहौल पांगी लैंडस्केप, हिमाचल प्रदेश, इंडिया" नामक शीर्षक से एक शोध पत्र, अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रकाशन और समीक्षा जर्नल में प्रकाशित हुआ था।

संकाय विकास एवं उन्नयन

- 2024-2025 के दौरान संकाय-उद्योग संयोजन (एफआईए) ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप:

इस वर्ष तीन संकाय सदस्यों ने संकाय-उद्योग संयोजन (एफआईए) प्राप्त किया है। यह इंटर्नशिप कोकोब्लू रिटेल लिमिटेड, बैंगलोर में एफएमएस की प्रोफेसर डॉ. गुलनाज बानू पी और एफएमएस के सहायक प्रोफेसर श्री प्रतीक घोष और शाको ग्रुप्स, बेंगलुरु में डीएफटी की प्रोफेसर डॉ. जोनाली दास बाजपेयी द्वारा की गई।

- संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार, वेबिनार और ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता

1. एसोसिएट प्रोफेसर श्री शरणबसप्पा ने 3 मई, 2024 को बेंगलुरु में स्नाइपर सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित 'डिजाइन और उत्पाद विकास में गति' पर एक सम्मेलन में भाग लिया।
2. डॉ. विभावरी कुमार, प्राध्यापक, ने 8 जून 2024 को डिजाइन फोरम, आईआईए, कर्नाटक खंड द्वारा आयोजित 'वास्तुकला में प्रौद्योगिकी' पर एक सेमिनार में भाग लिया।
3. एफडी विभाग की संकाय सदस्य डॉ. परमिता सरकार, सुश्री यशस्वी आनंद और सुश्री रचना शंकर ने एफडीडीआई, नोएडा द्वारा आयोजित 'फैशन और उत्पादों में डिजिटल उन्नति और स्मार्ट प्रौद्योगिकी' विषय पर टीओटी में भाग लिया।
4. सुश्री दिलनाज बानू, सह प्राध्यापक, एफसी, ने 9 जुलाई 2024 से 12 जुलाई 2024 तक "डिजिटल प्रगति और स्मार्ट प्रौद्योगिकी" पर आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
5. श्री शरणबसप्पा एम. बयाली, सह प्राध्यापक एफ एंड एलए, ने 17.9.2024 को सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित "अनुशासनात्मक मामलों में जांच का संचालन" विषय पर, प्रशिक्षण में भाग लिया।
6. डॉ. यतीन्द्र एल, प्राध्यापक (एफ एंड एलए) और परिसर निदेशक, ने 18 नवंबर से 21 नवंबर 2024 तक आईएसएमटी, डीओपीटी, नई दिल्ली में सतर्कता प्रशिक्षण में भाग लिया।
7. डॉ. नेत्रावती टी.एस., और डॉ. कृतिका जी.के., सह प्राध्यापक ने 25 से 29 नवंबर 2024 तक आईआईएम रांची में 'भविष्य के नेतृत्व का संवर्धन कार्यक्रम' नामक नेतृत्व विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
8. श्री अरिवोली एन ने 8 दिसंबर 2024 को फ्रंटियर ग्रुप, न्यूयॉर्क द्वारा परिधान निर्माण के लिए सतत समाधान विषय पर आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया।
9. डॉ. विभावरी कुमार, प्राध्यापक ने 11 जनवरी 2025 को आरबीडीएस टीम द्वारा आयोजित 'आंतरिक सज्जा में एआई' विषय पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा आयोजित संगोष्ठियां एवं कार्यशालाएं

- केडी विभाग द्वारा 5.4.2024 को "अंतर्वस्त्र डिजाइन, फिट और व्यापार परिदृश्य का अध्ययन" पर एक संगोष्ठी का आयोजन

किया गया, जिसमें निम्नलिखित वक्ताओं ने पैनल चर्चा में भाग लिया।

1. सुश्री किरुबा देवी - प्रमुख श्रेणी और सोर्सिंग, जिवामे
2. सुश्री सौरभा एच.वाई. – हेड सोर्सिंग, एनवाईकेडी बाय नायका
3. सुश्री अर्पणा जथन्ना वाल्टर - वरिष्ठ उपाध्यक्ष- डिजाइन, मोडेनिक प्राइवेट लिमिटेड

- डिजाइन स्पेस विभाग ने 20 अप्रैल, 2024 को आईजीपीपी विषय के लिए "रिज्यूमे और पोर्टफोलियो का महत्व" और "पोर्टफोलियो विकास (डोमेन विशेषज्ञता के अनुसार)" पर एक कार्यशाला आयोजित की, जिसमें सुश्री गरिमा शुक्ला ने सत्र का नेतृत्व किया।
- बी.डेस ए.डी. छात्रों के साथ-साथ एम.डिजाइन छात्रों के लिए "उत्पाद डिजाइन" कार्यशाला 20-9-2024 को श्री अंशुमान कुमार, उत्पाद + यूएक्स डिजाइनर, डिजाइन रणनीतिकार द्वारा आयोजित की गई थी।
- डीएफटी विभाग ने 25 अक्टूबर 2024 को लगुना क्लोदिंग प्राइवेट लिमिटेड के औद्योगिक इंजीनियरिंग प्रमुख श्री नवीन कुमार द्वारा "लाइव डिजिटल डैशबोर्ड का उपयोग करके परिधान उत्पादन योजना" पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया। इसे निफ्ट परिसरों के सभी प्रौद्योगिकी विभागों में लाइवस्ट्रीम किया गया।
- डीएफटी ने 18 अक्टूबर 2024 को श्री विनय कुमार आरएम, प्रबंधक तकनीकी सेवाएं, मेसर्स मदुरा कोट्स प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु और उनकी टीम द्वारा "सही सिलाई धागा कैसे चुनें? धागों के संबंध में परिधान उद्योग में चुनौतियाँ। सिलाई धागों में स्थायित्व समाधान और सिलाई धागों में नवीनतम नवाचार" पर कोट्स थ्रेड्स तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया।
- डीएफटी ने 24.10.2024 को बेंगलुरु में सस्टेनेबिलिटी मैनेजर, सुश्री श्वेता अय्यर और उनकी टीम द्वारा सततता पर वेबिनार - "हरित भविष्य हेतु सतत फैशन के ताने-बाने में ईएसजी को पिरोना" का आयोजन किया। यह वेबिनार बेंगलुरु परिसर द्वारा आयोजित किया गया और पूरे भारत में डीएफटी के सभी विभागों में लाइव स्ट्रीम किया गया।
- श्री रोहित सोनी द्वारा यूएक्स के लिए डूडलिंग पर कार्यशाला
- केडी विभाग द्वारा 14.11.2024 को दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सैम शालगांवकर द्वारा पैनटोन के सहयोग से "रंग और रंग प्रबंधन का व्यवसाय" शीर्षक से एक संगोष्ठी आयोजित की गई।
- डीएफटी विभाग ने 21.11.2024 को आर. शांति द्वारा "फैशन विनिर्माण और ब्रांडों के लिए डिजिटल परिवर्तन" पर वेबिनार का आयोजन किया।
- एमएफएम विभाग द्वारा दिनांक 22.11.2024 को "डिजिटल विपणन की तकनीकों की समझ" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- 24.03.25 को निफ्ट सभागार में डीएफटी द्वारा एनसीएएचटी (राष्ट्रीय सहायक स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी केंद्र), आईआईटी मद्रास के सहयोग से विकलांगता और समावेशन पर अनुकूली वस्त्र कार्यशाला एवं जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में बीएफटी, एमएफटी, एमडीईएस, केडी और एफडी के छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्य भी सम्मिलित हुए।

प्रमुख उद्योग संपर्क (कक्षा परियोजनाओं के तहत)

एम.डेस-द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने, संकाय सदस्य श्री प्रशांत सी. के. के मार्गदर्शन में, "आईटीसी बीन" की कोल्ड ब्रू कॉफ़ी के पैकेजिंग डिजाइन पर एक कक्षा-आधारित परियोजना पूरी की। यह परियोजना डी.एस. (डिजाइन स्ट्रैटेजी) विषय के पाठ्यक्रम में समाहित थी और छात्रों को वास्तविक उद्योग-आधारित डिजाइन रणनीतियों से परिचित कराने के उद्देश्य से संचालित की गई

सतत विकास एवं हरित परिसर गतिविधियां

- स्वच्छता पखवाड़ा 2025: निफ्ट बेंगलुरु परिसर ने 1 मार्च से 15 मार्च 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया है। इस दौरान विभिन्न गतिविधियाँ जैसे - बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता और वृक्षारोपण गतिविधि आयोजित की गई।
- 6 से 7 मार्च 2025 को फ़ैशन स्पेक्ट्रम 2025 - स्पेक्ट्रम वॉर्ल्ड '25 का आयोजन किया गया। इस महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेल और प्रबंधन क्षेत्र के विविध कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। महोत्सव ने छात्रों को न केवल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर प्रदान किया, बल्कि उनके द्वारा लगाए गए रचनात्मक और आकर्षक स्टॉल्स के माध्यम से भी उन्हें सक्रिय और उत्साहित किया।

छात्र विनिमय कार्यक्रम

- एमएफएम की सुश्री विधि अग्रवाल और केडी की सुश्री वसुंधरा राज ने इस ग्रीष्मकाल में एसटीएफ स्विट्जरलैंड के साथ अपना दो सप्ताह का अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम पूरा किया।
- त्विशा शर्मा, सिया दुबे, आकांक्षा रेड्डी ए, अनुपमा राजगोपालन, हीर हितेन शाह, रसिका राजेश देवरी, चाहत चौधरी, नव्या श्री, हर्षिता विश्वास, संस्कृति पोद्दार, शीतल बडेरिया और अमृता गांधी ने एफआईटी, न्यूयॉर्क में अपना एक साल का कार्यक्रम (2024-2025) पूरा किया।
- ए.डी.-पंचम सेमेस्टर की अनुष्का अग्रवाल ने एनएबीए में अध्ययन किया।
- बीएफटी-पंचम सेमेस्टर की सौम्या सिंह ने ईएनएसएआईटी में अध्ययन किया।
- एमएफएम सेमेस्टर 1 की सुश्री साक्षी देव को जनवरी से जून 2025 तक स्वीडन के बोरस विश्वविद्यालय में सेमेस्टर एक्सचेंज के लिए चुना गया है।
- एसटीएफ, ज्यूरिख और निफ्ट के बीच समझौता ज्ञापन के हिस्से के रूप में, एसएफटी के 8 छात्रों का एक समूह दो सप्ताह के इंटरैक्टिव कार्यक्रम के लिए एनआईएफटी बेंगलुरु परिसर में पहुंचा। कार्यक्रम 20 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक निर्धारित किया गया था।

- एस.टी.एफ., ज्यूरिख और निफ्ट के बीच समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, एस.एफ.टी. के 8 छात्रों का एक समूह निफ्ट, बेंगलुरु परिसर में दो सप्ताह के परस्पर संवादात्मक (इंटरैक्टिव) कार्यक्रम के लिए आया। यह कार्यक्रम 20 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक आयोजित किया गया।

संकाय सदस्यों की प्रमुख उपलब्धियां

- डॉ. नीलांजना बैरागी, सह प्राध्यापक, ने 19 और 20 जुलाई 2024 (शुक्रवार और शनिवार) को बेंगलुरु में वैश्विक स्तर पर सततता राजदूतों का वैश्विक आदान-प्रदान (एसएजीई) की व्यक्तिगत बैठक में भाग लिया। एसएजीई कार्यक्रम इको नेटवर्क पहल (HTTPS://WWW.ECHONETWORK.IN/) का एक हिस्सा है और इसमें भारत में सतत पारिस्थितिकी तंत्र विकास के लिए दुनिया भर से 140 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- डॉ. ऋचा शर्मा, सह प्राध्यापक एवं सीसी-टीडी, को 7 अगस्त 2024 को गोल्डमैन साक्स, बेंगलुरु में आयोजित IRCF मेले के पैनल चर्चा- "हथकरघा बुनाई" में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। इस पैनल में पवित्रा मुदाया, सुषमा वीरप्पा, जानवी कुलकर्णी भी सम्मिलित रहीं और इसका संचालन सुश्री चैत्रा पुरुषोतम द्वारा किया गया।
- डॉ. नीलांजनन बैरागी को 8 से 10 जनवरी 2025 तक आईआईटी हैदराबाद में आयोजित आईसीओआरडी 25 (डिजाइन में अनुसंधान पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) सम्मेलन के दौरान 10 जनवरी 2025 को डिजाइन विचार, रचनात्मकता और संकलन सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. नित्या वेंकटरमन, सह प्राध्यापक, को आईआईएम बैंगलोर के अंतर-कॉलेजिएट सांस्कृतिक उत्सव उन्माद 2025 में कैनवास कलेक्टिव नामक कार्यक्रम का निर्णायक मंडल नियुक्त किया गया था। यह कार्यक्रम रविवार, 23 फरवरी 2025 को आईआईएम बैंगलोर परिसर में आयोजित किया गया था।
- डॉ. शिप्रा रॉय, सह प्राध्यापक और डॉ. परमिता सरकार, सहायक प्राध्यापक, ने 24.03.2025 से 28.03.2025 तक, फैशन प्रौद्योगिकी संस्थानों का अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान के 27वें वार्षिक आईएफएफटीआई सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए 25 से 29 मार्च 2025 तक लंदन का दौरा किया।

परिसर विकास एवं सामाजिक संपर्क पहल

- डिजाइन नवपल्लव 4.0: वेकेशन बूटकैम्प कार्यशाला: 15 अप्रैल 2024 से 19 अप्रैल 2024 तक निफ्ट, बेंगलुरु परिसर में आयोजित की गई। यह कार्यशाला 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित की गई थी और इसमें डिज़ाइन विचार, फोटोग्राफी कार्यशाला, डिजाइन कार्यशाला, सतत डिजाइन कार्यशाला, चित्रकारी तकनीक, सुलेख और शोध परक फैशन कार्यशाला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया गया। कुल 40 विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।
- सीबीएसई प्रधानाचार्यों का दौरा: - 'शिक्षा पर पुनर्विचार 2024 - एक प्रदर्शनी दौरा' - 13 राज्यों के लगभग 47 सीबीएसई स्कूल प्रधानाचार्यों ने 13 और 14 जून 2024 को निफ्ट, बेंगलुरु परिसर का दौरा किया। इस कार्यक्रम के दौरान भारत में शिक्षा के बदलते परिदृश्य के लिए उन्हें तैयार करने हेतु एक संवादात्मक सत्र, नेटवर्किंग और डिजाइन विचार कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- निफ्ट बेंगलुरु के छात्रों के नए बैच के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम 31 जुलाई से 2 अगस्त 2024 तक आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि सुश्री प्रियंका फ्रांसिस मैरी, आईएएस, निदेशक, एनजीएमए और श्री भरत लाल मीणा, सेवानिवृत्त, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव उपस्थित रहे।
- होमकमिंग@निफ्ट: निफ्ट, बेंगलुरु द्वारा आयोजित 'होमकमिंग@निफ्ट, 5वां एपिसोड' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 23 अगस्त, 2024 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक निफ्ट परिसरों में किया गया। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात थी कि हमारे बीच हमारे दो सम्मानित पूर्व छात्र वक्ता, सुश्री पल्लवी फोले और श्री निधि राज, दोनों निफ्ट दिल्ली, 2000 की कक्षा से थे। सुश्री पल्लवी और श्री निधि राज के साथ व्यावहारिक चर्चा पैनल ने बेस्पोक डिजाइन और अग्रणी ब्रांड डिजाइन दोनों पर एक महत्त्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसने वर्तमान छात्रों को प्रोत्साहित किया।
- आउटरीच कार्यक्रम: निफ्ट बेंगलुरु ने आउटरीच कार्यक्रम के तहत 8 अक्टूबर 2024 को तमिलनाडु सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से तमिलनाडु के विभिन्न स्कूलों के 7 सरकारी स्कूल शिक्षकों की मेजबानी की, ताकि उन्हें शिक्षा, अकादमिक और भविष्य के अवसरों में निफ्ट के दायरे से अवगत कराया जा सके।
- कैरियर उत्सव 2024: निफ्ट आउटरीच कार्यक्रम के तहत, निफ्ट बेंगलुरु ने 21 और 22 दिसंबर, 2024 को पैलेस ग्राउंड्स, बेंगलुरु में आयोजित कैरियर उत्सव 2024 में एक स्टॉल लगाई। कक्षा 10वीं से 12वीं तक के 200 से अधिक छात्रों ने निफ्ट में विभिन्न पाठ्यक्रमों में शामिल होने में रुचि दिखाई।
- निफ्ट स्थापना दिवस: निफ्ट, बेंगलुरु परिसर में 22 जनवरी 2025 को निफ्ट का 40वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थापना दिवस समारोह निफ्ट की यात्रा और प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने वाला एक भव्य कार्यक्रम रहा। इसमें एक मनोरम नाट्य प्रस्तुति और एक सुंदर शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति भी सम्मिलित थी। स्टाइलिंग पर एक विशेष खंड ने दशकों के दौरान निफ्ट के विकास को दर्शाया, जिससे फैशन में इसके प्रतिष्ठित योगदान की झलक मिली। कार्यक्रम का समापन कन्वर्ज मेडल समारोह के साथ हुआ, जिसमें उत्कृष्ट उपलब्धिययां और योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया, जिससे यह एक यादगार और प्रेरणादायक अवसर बना।
- भारत टेक्स 2025: स्नातक छठे सेमेस्टर और स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर के छात्र 13 से 15 फरवरी 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2025 - वैश्विक वस्त्र प्रदर्शनी में भाग लेने पहुँचे। इस दौरान छात्रों ने विभिन्न उद्योग प्रतिष्ठान, कला संग्रहालय और अन्य संबंधित स्थलों का दौरा भी किया।

परिसर प्लेसमेंट 2025

निफ्ट बेंगलुरु में परिसर प्लेसमेंट 5 से 7 मई 2025 तक आयोजित किया गया, जबकि ऑनलाइन प्लेसमेंट 13 से 16 मई 2025 तक संपन्न हुआ।

परिसर प्लेसमेंट में इंक्रेफ (नेक्स्टएससीएम सॉल्यूशंस प्रा. लि.), नैरेटिव आर्क, टेक्सटाइल जेनेसिस- ए लेक्ट्रा कंपनी, अर्विंद लि., सील टेक्सटाइल, इन्फोएज लि., कल्टफिट (क्योरफिट) हेल्थकेयर प्रा. लि., आरबीजेड ज्वैलर्स लि., ब्लैक मैंगो फैशन्स एलएलपी, डीकेथलॉन स्पोर्ट्स प्रा. लि., कंपनियों ने भाग लिया।

चयनित छात्रों की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है

प्लेसमेंट तिथि	स्नातक/ स्नातकोत्तर के लिए आयोजित	बेंगलुरु परिसर में पंजीकृत छात्रों की संख्या	प्लेसमेंट में भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या	नियुक्त छात्रों की संख्या (स्नातक/ स्नातकोत्तर)	उच्चतम और निम्नतम CTC
5 मई 2025 (ऑफ़लाइन मोड)	स्नातकोत्तर	923	14	19	9.8 - 6
6 और 7 मई 2025 (ऑफलाइन मोड)	स्नातक	2755	39	68	9.8 - 5.4

कुल 38 (12 स्नातकोत्तर और 26 स्नातक) छात्रों को पीपीओ ऑफर मिले और 59 (21 स्नातकोत्तर और 38 स्नातक) छात्रों को चरण 1 और 2 प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से नौकरी मिली।

भोपाल

ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2024: यह कार्यक्रम डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन स्ट्रीम के नए छात्रों के लिए, फाउंडेशन प्रोग्राम (एफपी) विभाग द्वारा 31 जुलाई से 2 अगस्त 2024 तक आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर समन्वयक (एफपी) सुश्री चेतना पतियाल ने किया, जिसके बाद निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल आशीष अग्रवाल ने छात्रों को संबोधित कर उनका स्वागत किया और शैक्षणिक एवं कैंपस लाइफ के संबंध में उनका मार्गदर्शन किया। इसके बाद, माननीय महानिदेशक, डीन (शैक्षणिक), और सचिव, वस्त्र मंत्रालय के रिकॉर्डेड मैसेज भी शेयर किए गए।

उक्त कार्यक्रम में, संयुक्त निदेशक एवं सीओई - श्री अखिल सहाय ने स्वागत भाषण दिया। सभी संबंधित सीसी ने छह स्नातकीय पाठ्यक्रम (एफ एंड एल ए, एफ डी, एफ सी, टीडी, केडी, बी एफ टी) और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम एफ एम) के साथ-साथ जीईएम और जीईओ विषयों के बारे में बताया।

इस कार्यक्रम में एक इंटरैक्टिव एलुमनाई सेशन, आइस-ब्रेकिंग एक्टिविटीज़ शामिल थीं और यह भोपाल शहर के टूर के साथ इसका समापन हुआ।

प्रवेश 2024 : शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में निफ्ट भोपाल में कुल 230 छात्रों ने प्रवेश (एडमिशन) लिया। एफ एंड एल ए - 34, एफ डी- 39, एफ सी-38, टीडी-36, केडी-32, बी एफ टी -22 , और एम एफ एम-29 ।

छात्र विकास गतिविधि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2024) : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, संकाय एवं और स्टाफ सदस्यों ने परिसर में पौधे लगाने के अभियान में हिस्सा लिया। इस पहल का उद्देश्य परिसर की हरियाली बढ़ाना और साथ ही आशावाद, खुशहाली और पर्यावरण के प्रति जागरूकता की भावना को बढ़ावा देना था।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2024): परिसर में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस आयोजन की शुरुआत श्री अखिल सहाय के स्वागत सम्बोधन के साथ हुई, जिसने सत्र का माहौल सकारात्मक बना दिया । इसके बाद योग गुरु श्री महेश अग्रवाल ने एक ज्ञानवर्धक और दिलचस्प सत्र लिया, जिसमें उन्होंने शरीर और मन के बीच संतुलन लाने में योग के महत्व पर ज़ोर दिया। प्रतिभागियों ने अलग-अलग आसन किए जो पूर्ण सेहत, अंदरूनी संतुलन और पूर्ण स्वस्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

78वां स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2024): इस सुअवसर को देशभक्ति के जोश के साथ मनाया गया। निदेशक महोदय ने स्वतन्त्रता के महत्व को प्रकाशवान किया और छात्र एवं स्टाफ से समाज और राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने और ज़िम्मेदारी, एकता और प्रगति की भावना को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की सामूहिक प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया।

हथकरघा पखवाड़ा (6 से 15 अगस्त, 2024): यह दिन परिसर निदेशक, संयुक्त निदेशक और डॉ. अनुपम सक्सेना (सीआईसी) के नेतृत्व में भारत की वस्त्र विरासत पर गर्व के साथ मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉ. कैलाश राव एम., निदेशक एसपीए, उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत एक ऑनलाइन शपथ के साथ हुई और इसमें छात्रों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों और स्टाफ के लिए हथकरघा परिधान की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत, खादी ग्रामोद्योग द्वारा एक प्रदर्शनी-सह-बिक्री का आयोजन किया गया, जिसमें म. प्र., उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों के साथ-साथ चंदेरी, माहेश्वरी, ग्वालियर कालीन, फर्रुखाबाद जरदोजी, टीकमगढ़ बेल मेटल और अन्य क्षेत्रीय शिल्पों पर छात्रों के प्रोजेक्ट भी प्रदर्शित किए गए। इस कार्यक्रम में "खादी: स्मार्ट क्लॉथ फॉर स्मार्ट इंडिया"

नाम की एक डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग हुई, और इस कार्यक्रम का समापन स्थायी/संवहनीय डाई करने के तरीकों को बढ़ावा देने वाले डाई-यीलिंडिंग प्लांट गार्डन के उद्घाटन के साथ हुआ।

छाप @दिल्ली हाट में शिल्पकारों की भागीदारी (1 से 15 सितंबर, 2024): क्लस्टर यूनिट, मुख्यालय द्वारा डीसीएचसी/एचएल के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 13 कारीगरों के साथ-साथ निफ्ट भोपाल के दो पूर्व छात्र डिजाइनरों ने भाग लिया, जिन्होंने पारंपरिक शिल्प को आज के ज़माने का रूप दिया। सीआईसी ने छात्रों - सुश्री अवनी गुप्ता और सुश्री अक्षरा रिछारिया (टीडी) के साथ मिलकर कोऑर्डिनेशन, क्यूरेशन और एंगेजमेंट के ज़रिए संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। इस पहल ने सक्रिय छात्र भागीदारी के माध्यम से, स्वदेशी शिल्पों और शिल्पकारों के साथ सहयोग की निफ्ट की प्रतिबद्धता को प्रकाशवान किया।

दीक्षांत समारोह (31 अगस्त, 2024): कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस समारोह में बी.डेस (2020–24) और एमएफएम (2022–24) बैच के छात्रों का ग्रेजुएशन मनाया गया, जिसमें 107 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। मुख्य अतिथि श्री मनु श्रीवास्तव, आईएएस, इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस समारोह में होनहार छात्रों को मेरिट अवॉर्ड भी प्रदान किए गए और स्नातक छात्रों के व्यावसायिक जीवन में कदम रखने की शुरुआत हुई।

जन्माष्टमी उत्सव (7 सितंबर, 2024): इस उत्सव को सम्पूर्ण श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। उत्सव के अनुरूप परिसर को सजाया गया था, और सभी ने भगवान कृष्ण के जन्म के मौके पर नाटक, भक्ति गीत और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम ने एक आध्यात्मिक माहौल बनाया और इस त्योहार से जुड़ी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को उजागर किया।

गणेश चतुर्थी (19 सितंबर, 2024): यह उत्सव पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रथम वर्ष के छात्रों ने भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्ति बनाई और पारंपरिक पूजा-अर्चना की। यह हस्त-निर्मित मूर्ति - श्रद्धा और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता, दोनों को दर्शाती है। यह उत्सव छात्रों के कलात्मक कौशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीकों के प्रति उनके समर्पण को भी प्रदर्शित करता है।

खादी जागरूकता सप्ताह और फैशन शो (28 अक्टूबर, 2024): कार्यशाला की एक श्रंखला, एक क्राफ्ट बाज़ार और फैशन शो "मेरा नाम खादी" ने खादी को संवहनीय, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। सुश्री स्वाति व्यास और डॉ. साक्षी द्वारा समन्वित इन इवेंट्स में इको-फ्रेंडली तरीकों, शिल्पकारों को सशक्त बनाने और समकालीन फैशन में पारंपरिक शिल्पों की प्रासंगिकता पर बल दिया गया, जिसमें बड़े पैमाने पर भागीदारी हुई और स्थानीय मीडिया का ध्यान भी आकर्षित हुआ।

निफ्ट पंचकूला में कन्वर्ज 2024 (23 से 25 अक्टूबर, 2024): पंचकूला परिसर द्वारा आयोजित कन्वर्ज 2024 में हमने शानदार छाप छोड़ी। 50 प्रतिभाशाली छात्रों की एक डायनामिक टीम ने संस्थान का प्रतिनिधित्व किया, विभिन्न प्रतियोगिता श्रेणियों में प्रशंसा हासिल की और दोनों एसडीएसी के अच्छे समन्वय के तहत परिसर का गौरव बढ़ाया। सुश्री अनन्या बक्शी और सुश्री सानिया जैन विशेष रूप से बधाई एवं सराहना के पात्र हैं, जिन्होंने मिस्टर एवं मिस कन्वर्ज 2024 के शानदार परिधानों को डिज़ाइन करने में अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन इस्तेमाल किया, जिससे इस कार्यक्रम में खूबसूरती एवं स्टाइल का समावेश हुआ।

VISIONXT प्रेस कॉन्फ्रेंस (9 जनवरी, 2025): सुश्री सुप्रिया यादव द्वारा समन्वित इस कार्यक्रम में विजन नेक्स्ट, भारत की पहली स्वदेशी ट्रेंड इनसाइट्स एवं फोरकास्टिंग लैब को प्रस्तुत किया गया, जो सांस्कृतिक विरासत को एआई और ईआई के साथ मिलाती है। 5 सितंबर, 2024 को माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने भारत की पहली ट्रेंड

फोरकास्टिंग बुक परिधि 24X25 लॉन्च की, जो एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र था। इंडस्ट्री लीडर्स के साथ पैनल डिस्कशन में सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन पर बल दिया गया, और इस कार्यक्रम की मीडिया कवरेज ने छात्रों को फैशन फोरकास्टिंग में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे डिज़ाइन एजुकेशन में निफ्ट की अग्रणी भूमिका को और मज़बूती मिली।

स्थापना दिवस (22 जनवरी, 2025): हमने अपने 40वें स्थापना दिवस को शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम, दिल को छू लेने वाले संगीतमयी प्रस्तुति और प्रेरणादायक भाषणों के साथ मनाया। इन भाषणों में संस्थान की प्रभावशाली यात्रा और फैशन उद्योग एवं समाज में संस्थान के योगदान के बारे में बताया गया। इस सेलिब्रेशन से छात्रों, संकाय और स्टाफ के बीच गर्व और अपनेपन की भावना सुदृढ़ हुई, साथ ही छात्रों को निफ्ट के मूल बिन्दुओं - नवाचार, रचनात्मक और उत्कृष्ट विरासत को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी, 2025): यह दिवस निदेशक, संयुक्त निदेशक एवं मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल मानवेन्द्र सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) की उपस्थिति में उत्साह के साथ मनाया गया। छात्रों ने देशभक्ति नृत्य, गाने और भाषण की प्रस्तुति दी, जिससे परिसर गर्व और एकता से सराबोर हो गया। मुख्य अतिथि ने युवाओं से एक ज़िम्मेदार नागरिक के तौर पर अपनी ज़िम्मेदारियों को अपनाने और आत्मनिर्भर भारत में अपना योगदान देने की अपील की। इस आयोजन ने सामाजिक एवं देश के प्रति जागरूक छात्रों को पोषित करने की निफ्ट की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया।

शिल्पकार जागरूकता कार्यशाला, क्राफ्ट डेमोंस्ट्रेशन (5 फरवरी, 2025): इस कार्यक्रम का उद्देश्य, ज्ञान साझा करके, कौशल बढ़ाकर और इंडस्ट्री के तरीकों से परिचित कराकर, शिल्पकारों को सशक्त बनाना था। इस कार्यक्रम के दौरान आयोजित सत्र में आईपीआर और डिज़ाइन पेटेंट, ई-कॉमर्स, प्रोडक्ट फोटोग्राफी और विजन नेक्स्ट ट्रेंड फोरकास्टिंग शामिल थे। एक क्राफ्ट डेमोंस्ट्रेशन और ट्रेनिंग सेशन में पारंपरिक तकनीकों पर बल दिया गया, जिससे शिल्पकारों और छात्रों के बीच ज्ञान एवं कौशल के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला। यह पहल विरासत को आधुनिक नवाचार से जोड़ने की निफ्ट की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

क्राफ्ट बाज़ार (7-8 फरवरी, 2025): इस आयोजन ने भारत की क्राफ्ट विरासत को बढ़ावा दिया और छात्रों को पारंपरिक कलाओं को करीब से जानने का मौका प्रदान किया। यह आयोजन एक क्राफ्ट बाज़ार के साथ समाप्त हुआ जिसमें चंदेरी, महेश्वर, वाराणसी और फर्रुखाबाद जैसे केंद्रों के 45 शिल्पकारों ने टेक्सटाइल, ब्लॉक प्रिंट, बाटिक, ज़रदोज़ी, लाख, टेराकोटा और ज्वेलरी शिल्प का प्रदर्शन किया। शिल्पकारों को क्वालिटी एश्योरेंस, सरकारी योजनाओं और उनके बच्चों के लिए निफ्ट में एडमिशन के अवसरों के बारे में जानकारी भी साझा की गई।

भारत टेक्स 2025 (14-17 फरवरी, 2025): अपने अनुभावात्मक अध्ययन के रूप में, छात्रों ने नई दिल्ली में भारत टेक्स 2025 का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, छात्रों ने क्राफ्ट सेक्टर के कई तरह के डिस्प्ले, इंडस्ट्री एग्ज़िबिट्स और सेमिनार देखे, जिसमें निफ्ट पवेलियन भी शामिल था। इससे उन्हें टेक्सटाइल और फैशन इकोसिस्टम में मौजूदा ट्रेंड्स, इनोवेशन और अवसरों के बारे में जानने का मौका मिला। एक खास बात सीआरडी प्रोडक्ट, झाबुआ डॉल का चुनाव था, जिसे एफ एंड एलए विभाग के एक छात्र ने डिज़ाइन किया था, जिसे पीएम स्टॉप पर गर्व से प्रदर्शित किया गया था, जो छात्र और क्लस्टर इनिशिएटिव यूनिट दोनों के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।

इवेंट के साथ-साथ इंडस्ट्री विज़िट भी शेड्यूल की गई थीं। इन विज़िट्स से स्टूडेंट्स को मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस, सप्लाई चेन और रियल-टाइम इंडस्ट्री ऑपरेशंस के बारे में प्रैक्टिकल जानकारी मिली, जिससे अलग-अलग सेक्टर में प्रोफेशनल तरीकों और डिज़ाइन एप्लीकेशन के बारे में उनकी समझ और मज़बूत हुई।

स्पेक्ट्रम 2025 (21-22 फरवरी, 2025): भारत सरकार द्वारा 15 नवंबर, 2024 से 15 नवंबर, 2025 तक घोषित जनजातीय गौरव वर्ष के सम्मान में, निफ्ट भोपाल ने अपना वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव (फेस्ट), स्पेक्ट्रम 2025, बड़े उत्साह और गर्व के साथ आयोजित किया। इसकी थीम भारत की समृद्ध जनजातीय संस्कृति पर आधारित थी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री विनोद कुमार, आईएएस, अपर मुख्य सचिव सह निदेशक जनजातीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान उपस्थित थे।

फ़ेस्ट की शुरुआत एक जोशीले माहौल के साथ हुई। छात्रों और स्पॉन्सर्स ने खाने-पीने, गेम्स, हाथ से बनी ज्वेलरी और क्राफ्ट्स के स्टॉल लगाए, जिससे रचनात्मकता और उद्यमशीलता की भावना प्रकाशवान हुई। विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जनजातीय परंपरा और छात्रों की प्रतिभा को उजागर किया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (24-25 फरवरी, 2025): सहायक प्राध्यापक (एफ सी) सुश्री चित्रा एस. के समन्वय से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) म. प्र. में एक खास जगह बनाई गई थी। हर विभाग ने निफ्ट पवेलियन में अपने सबसे अच्छे डिज़ाइन प्रोडक्ट्स, रिसर्च डॉक्यूमेंटेशन और इनोवेशन का एक चुना हुआ कलेक्शन प्रदर्शित किया, जिससे संस्थान की मल्टीडिसिप्लिनरी डिज़ाइन क्षमताओं को प्रदर्शित किया जा सके। निफ्ट संकाय और छात्रों द्वारा कॉन्सेप्टलाइज़ और एग्जीक्यूट किया गया एक खास डिस्प्ले प्रतिष्ठित 5एफ पीएम स्टॉप पर भी प्रदर्शित किया गया था।

स्वच्छता पखवाड़ा (1-15 मार्च, 2025): निदेशक ने औपचारिक रूप से इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस पहल के तहत, संस्थान में सफाई अभियान, हॉस्टल और मेस क्षेत्र की साफ-सफाई और पौधारोपण अभियान सहित कई गतिविधियाँ आयोजित की गई। इन प्रयासों ने संस्थान की साफ-सफाई, स्वच्छता और पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देने की मज़बूत प्रतिबद्धता को प्रकाशवान किया, साथ ही छात्रों और स्टाफ के बीच संस्थान को एक स्वच्छ एवं हरित परिसर बनाए रखने की सामूहिक ज़िम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ किया।

जनजातीय कला के परिप्रेक्ष्य में डिज़ाइन सेमिनार (8 मई, 2025): बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव वर्ष के अवसर पर, निफ्ट भोपाल ने सुश्री सुप्रिया यादव द्वारा समन्वित "जनजातीय कला के परिप्रेक्ष्य में डिज़ाइन " विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया। इस सेमिनार में मुख्य वक्ता डॉ. वसंत निर्गुणे, टीआरआई भोपाल और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों के साथ, विद्वानों, शिल्पकारों, डिज़ाइनरों और छात्रों को स्वदेशी ज्ञान और सस्टेनेबल डिज़ाइन पर चर्चा में शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में जनजातीय शिल्प प्रदर्शनियाँ, पैनल चर्चाएँ और छात्र प्रोजेक्ट डिस्प्ले शामिल थे, जो नवाचार को बढ़ावा देते हुए परंपरा को संरक्षित करने की निफ्ट की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं।

जनजातीय कल्याण और महिला उत्थान पहल (स्पेक्ट्रम 2025): सेमिनार की प्रस्तावना के रूप में, स्पेक्ट्रम 2025 ने "आदिविस्ता" थीम को अपनाया, जिसमें प्राचीन विरासत को समकालीन दृष्टि के साथ मिश्रित किया गया। एक अनोखी पहल में, झाबुआ के भील जनजाति के सदस्यों ने रैंप वॉक किया, जिसमें पारंपरिक परिधान, आभूषण और स्टोरी-टेलिंग प्रदर्शित किया गया। इस आयोजन में छात्रों ने भील, बैगा और गोंड रूपांकनों से प्रेरित कलेक्शन प्रस्तुत किए, जिसमें सस्टेनेबल डिज़ाइन के माध्यम से जनजातीय सौंदर्यशास्त्र को फिर से परिभाषित किया गया। टीआरआई भोपाल द्वारा समर्थित और सुश्री सुप्रिया यादव द्वारा समन्वित इस कार्यक्रम ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और स्वदेशी परंपराओं को संरक्षित करने की निफ्ट की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

फैकल्टी उपलब्धियां: रिसर्च पेपर प्रेजेंटेशन और पब्लिकेशन, पेटेंट और टीओटी

डॉ. सौमिक हल्दर, सह-प्राध्यापक, एफ एंड एलए

- डॉ. सौमिक हल्दर और श्री आकाश कुमार ने आईआईएफ़टी इंटरनेशनल बिजनेस एंड मैनेजमेंट रिव्यू जर्नल,डीओआई : 10.1177/JIIFT.241273718, सेज पब्लिकेशंस में "डेवलपिंग अ सिस्टम विच सपोर्ट्स द कम्यूटर्स एक्सपिरियन्स इन हैवि अर्बन ट्राफिक: केस स्टडी ऑफ दिल्ली इंडिया " शीर्षक से एक रिसर्च पेपर पब्लिश किया।
- डॉ. सौमिक हल्दर और डॉ. सुकांता मजूमदार ने जर्नल: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, वॉल्यूम 14, अंक, 02, PP. 65073-65078, ISSN: 2230-9926 में "कान्सैप्ट फॉर सस्टेनेन्स एंड ग्रोथ ऑफ क्राफ्ट क्लस्टर इन रुरल इंडिया (बेतुल, मध्य प्रदेश, अ केस स्टडी)" शीर्षक से एक रिसर्च पेपर पब्लिश किया।

डॉ. अनुपम सक्सेना, सह-प्राध्यापक, टीडी

- डॉ. अनुपम सक्सेना ने 10 जनवरी, 2025 को आईआईटी हैदराबाद द्वारा आयोजित ICORD 25- 10वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसर्च इनटू डिज़ाइन में "ईकोपॉरेटिंग इंडीजीनियस कल्चरल प्रैक्टिसिज एंड ट्रेडीशनल विज़डम इन डिज़ाइन पेडागोजी इन द एरा ऑफ इंडस्ट्री 5.0: अ केस फ्रम इंडिया" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- उन्होंने 10 जनवरी, 2025 को आईआईटी हैदराबाद द्वारा आयोजित ICORD 25- 10वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसर्च इन डिज़ाइन में फुल पेपर प्रेजेंटेशन के एक सत्र की अध्यक्षता की।
- उनका रिसर्च पेपर पुस्तक श्रृंखला: डिज़ाइन साइंस एंड इनोवेशन (डीएसआई) के हिस्से के रूप में "कल्चरल एफ़िलिएशंस एंड अलाइनमेंट इन डिज़ाइन एजुकेशन विथ स्पेशल रेफ्रेन्स टू वीविंग क्लस्टर ऑफ वारासेओनी, एम. पी." : शर्मा, ए.,

पूवैया, आर. (संपादक) फ्यूचरिंग डिज़ाइन एजुकेशन, वॉल्यूम 1. FDE 2024. डिज़ाइन साइंस एंड इनोवेशन। स्प्रिंगर, सिंगापुर। 13 फरवरी, 2025, DOI:10.1007/978-981-97-9206-_26, में प्रकाशित हुआ है।

सुश्री सुप्रिया यादव, सह-प्राध्यापक, एफ एंड एल ए

- सुश्री सुप्रिया यादव ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड सोशल साइंस (NAAS रेटिंग: 3.66 (2024), SJIF इम्पैक्ट फैक्टर: 5.996, ISSN नंबर: 2394-1413, 2019 तक पूर्व UGC-अप्रूव्ड जर्नल) में "नेविगेटिंग चेंज: द इवोल्यूशन ऑफ़ इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग विद AI इन इंडियाज़ न्यू मीडिया लैंडस्केप" शीर्षक का एक रिसर्च पेपर पब्लिश किया। वॉल्यूम 11 (5 और 6), मई और जून (2024): PG196-207। DOI: 10.36537/IJASS/11.5&6/196-207।
- उन्होंने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के एक रिसर्च जर्नल मीडिया मीमांसा (ISSN 2229-5593, वर्तमान में SJIF वैल्यू के लिए मूल्यांकन के तहत) में "डिजिटल कॉमर्स: डिकोडिंग जेन जी ऑनलाइन शॉपिंग प्रेफरेंसेस इन इंडिया " शीशक का एक रिसर्च पेपर पब्लिश किया। वॉल्यूम 18, नंबर 1, जनवरी-मार्च 2024, पेज 1-22।
- उन्होंने GCEC 2021-22 कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स में "कनेक्टिंग द डॉट्स: जेनरेशन जी, सोशल मीडिया, फैशन इंडस्ट्री" शीर्षक का एक एब्स्ट्रैक्ट पब्लिश किया - पब्लिशिंग डेट 31 मार्च, 2024, ISBN 978-81-971809-2-7 के तहत, पेज 39।
- उन्होंने GCEC 2021-22 कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स में " हार्नेसिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग : अ स्टडी ऑन इंडियास जेनरेशन जी एंड न्यू मीडिया ट्रेंड्स" नामक एक एब्स्ट्रैक्ट पब्लिश किया - पब्लिशिंग डेट 31 मार्च, 2024, ISBN 978-81-971809-2-7 के तहत, पेज 52।
- उन्होंने जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी में "वर्चुअल फैशन इन इंडिया: स्टेटस एंड एफेक्टिवनेस" नामक एक शोध पत्र प्रकाशित किया, जो नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का एक जर्नल है, जो एक एससीओपीयूएस-इंडेक्स्ड और यूजीसी-केयर ग्रुप 2 जर्नल है, आईएसओ: 7021-2008 प्रमाणित, आईएसएसएन 1012-3407 है। खंड 12, अंक 11, नवंबर 2024, पेपर आईडी: JOT-6187, क्रमांक 105, पृष्ठ संख्या: 1246-1262, DOI:18.15001/JOT.2024/V12I11.24.981 में प्रकाशित।
- उन्होंने नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के जर्नल ऑफ़ टेक्नोलॉजी में "शेपिंग ट्रेंड्स: हाउ कंज्यूमर बिहेवियर ऑन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंस फ़ैशन इन इंडिया" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया। यह जर्नल एक एससीओपीयूएस -इंडेक्स्ड और यूजीसी - केयर ग्रुप 2 जर्नल है, ISO: 7021-2008 प्रमाणित है, और ISSN 1012-3407 है। खंड 13, अंक 1, जनवरी 2025, पेपर आईडी: JOT-6562, क्रमांक 49, पृष्ठ संख्या: 563-579, DOI: 18.15001/JTO.2024/V13L1.25.1179 में प्रकाशित हुआ।
- उन्होंने नवंबर 2024 में मीडिया वॉच, एसएजीए पब्लिशिंग के लिए " विंडो-शॉपिंग ह्यूमंस इन डेटिंग-स्टोर: वॉट यूसर-बायोस टेल अस अबाउट ऑनलाइन डेटिंग" नामक एक शोध पत्र की समीक्षा की।

डॉ. विशाखा अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक, एफडी

- उन्होंने एफ़आईसीसीआई-आईपी, एजुकेशन सेंटर (आईपीईसी), फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री; इंडस्ट्री वॉइस फॉर पॉलिसी चेंज, मार्च 2025 में एक महीने के लिए "आईपी प्रोटेक्शन एंड कमर्शियलाइजेशन (आईपीपीआरओसीओएमएम) पर ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स" पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- उन्होंने श्री राजू, सहायक कंट्रोलर, पेटेंट्स एंड डिज़ाइन्स, राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट (आरजीएनआईआईपीएम)- जिसे भारत सरकार के नेशनल इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अवेयरनेस मिशन (एनआईपीएएम) के तहत स्थापित किया गया है, द्वारा ली गई "इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट एंड डिज़ाइन फाइलिंग एंड पेटेंट प्रोसेस" पर ऑनलाइन कार्यशाला का समन्वय किया, यह कार्यशाला उन शिल्पकारों के लिए आयोजित की गई जिन्होंने शिल्प जागरूकता कार्यशाला 2025 में भाग लिया था।
- उन्होंने 8-10 जनवरी 2025 को आईआईटी हैदराबाद में आईसीओआरडी 2025 कॉन्फ्रेंस में "ज़ीरो-वेस्ट फैशन: रिड्यूसिंग फैशन साइकिल्स" नामक एक रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया।
- वह हस्तलिखित, रिसर्च पेपर "थ्रेड्स ऑफ़ प्रोटेक्शन नेविगेटिंग मोरल राइट्स एंड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी इन फैशन इनोवेशन: आईपीआर एंड मोरल राइट्स (आर्टिकल ID: JIPR#717)" की समीक्षक थीं, जिसे जर्नल ऑफ़ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (जेआईपीआर) में जमा किया गया है।

डॉ. राजदीप सिंह खनूजा, सहायक प्राध्यापक, एमएफएम

- उन्होंने अगस्त 2024 में " फ्रम लॉयल्टी टू एडवोकेसी: द इंपेक्ट ऑफ ब्रांड लॉयल्टी ऑन एटीट्यूड ब्रांडिंग सक्सेस" पर एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया।
- उन्होंने सितंबर 2024 में "अनवेलिंग एटीट्यूड ब्रांडिंग: की फ़ैक्टर्स इन इंडियास फैशन एंड लाइफस्टाइल रिटेल सेक्टर" पर एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया।
- उन्होंने "टैलेंट मैनेजमेंट इन एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस : हाउ एफेक्टिव लीडरशिप शेप्स हायरिंग एंड मैनेजिंग टैलेंट " पर एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया।
- उन्होंने "अनलॉकिंग पोटेंशियल: द बेनेफिट्स ऑफ एफेक्टिव लीडरशिप इन स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन" पर एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया।

डॉ. साक्षी, सहायक प्राध्यापक, एमएफएम

- उन्होंने अगस्त 2024 में " फ्रम लॉयल्टी टू एडवोकेसी: द इंपेक्ट ऑफ ब्रांड लॉयल्टी ऑन एटीट्यूड ब्रांडिंग सक्सेस" पर एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया।
- उन्होंने सितंबर 2024 में "अनवेलिंग एटीट्यूड ब्रांडिंग: की फ़ैक्टर्स इन इंडियास फैशन एंड लाइफस्टाइल रिटेल सेक्टर" पर एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया।

डॉ. प्रभात कुमार, सहायक प्राध्यापक, एफ एंड एलए

- उन्हें जाने-माने जर्नल्स- एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लीकेशंस (स्प्रिंगर) एंड इंटरचेंज (स्प्रिंगर) के लिए समीक्षक के तौर पर आमंत्रित किया गया था।

- उन्हें एनआईडी भोपाल में 2 और 3 सितंबर 2024 को सेमेस्टर 7 के विद्यार्थियों के लिए एक्सेसरी डिज़ाइन मॉड्यूल पर सेशन लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. लतिका भट्ट, सहायक प्राध्यापक, टीडी

- उन्होंने टेक्सटाइल रिसर्च जर्नल के लिए "ग्रीन सिंथेसिस ऑफ $AGFEO_2$ नैनोकंपोजिट फ्रम पोर्टुलाका ओलेरासिया एक्सट्रैक्ट: फोटोकैटलिटिक हाइड्रोजन प्रोडक्शन एंड हाई एफिशिएंसी रिडक्शन ऑफ CO2" नामक एक पेपर की समीक्षा की।
- उन्होंने 10 से 21 जून, 2024 तक एसटीएफ़, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड में सस्टेनेबिलिटी इन फैशन एंड टेक्सटाइल की इंटरनेशनल ट्रेनिंग में हिस्सा लिया।

डॉ. हेमा दुबे, सहायक प्राध्यापक, एफ एंड एलए

- उन्हें भारत सरकार द्वारा " सिस्टम एंड मेथड ऑफ डिटेक्टिंग एंड रेगुलेटिंग पैरामीटर्स इन अ ग्रीनहाउस एनवायरनमेंट " नाम के इन्वेंशन के लिए इंडियन पेटेंट प्रदान किया गया है।
- उन्होंने " रिसेंट एडवांसेज इन इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी एंड साइंस" (आरएईएमपीएस 2के25) पर एक नेशनल कॉन्फ्रेंस में " फ्रम फैब्रिक टू इंटेलिजेंस: द इंटीग्रेशन ऑफ एआई इन स्मार्ट टेक्सटाइल्स " नामक एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया।

सुश्री नयन तारा सिंह, सहायक प्राध्यापक, एफ डी

- वह एमएसएमई विभाग के "डिज़ाइनिंग यूनिफॉर्म फॉर ऑल वुमेन होटल अमलतास ऑफ एमपीटी" नाम के एक प्रोजेक्ट का हिस्सा थीं, जिसमें वह पीआईटी और पीडीटी सदस्य थीं।
- उन्होंने "ग्रीन फैशन इवोल्यूशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडियन यूथ इन द मॉडर्न एरा" नाम से एक पुस्तक में अध्याय लिखा, जो आईजीआई ग्लोबल, अ स्कोपस-इंडेक्स्ड जर्नल, मार्च 2025 में प्रकाशित हुआ।
- उन्होंने 26 और 27 अक्टूबर, 2024 को कानपुर में उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (जीसीटीआई) में "इको प्रिंटिंग: ए सस्टेनेबल आर्ट फॉर्म" शीर्षक पर नेशनल कॉन्फ्रेंस में एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री बैसाखी दलपति, सहायक प्राध्यापक, एफ सी

- उन्होने 21 से 22 अप्रैल, 2025 तक एसवीवीवी, इंदौर द्वारा आयोजित "फैशन डिज़ाइन, टेक्सटाइल एंड सस्टेनेबिलिटी" पर 8वें नेशनल कॉन्फ्रेंस, टेक्सकोन -2025 में " एड्रैसिंग रिसर्च गेप्स फॉर रिवाईटलाइजिंग खादी एंड हैंडलूम इन भोपाल, मध्य प्रदेश, इंडिया" नाम के एक रिसर्च पेपर को प्रस्तुत किया, जिसकी वह सह-लेखक हैं।
- उन्होंने आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग, अप्रैल 2025 में "ग्रीन फैशन इवोल्यूशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडियन यूथ" पर एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया।

श्री बीरेंद्र बलियार सिंह, सहायक प्राध्यापक, एफ सी

- उन्होने 21 से 22 अप्रैल, 2025 तक एसवीवीवी, इंदौर द्वारा आयोजित "फैशन डिज़ाइन, टेक्सटाइल एंड सस्टेनेबिलिटी" पर 8वें नेशनल कॉन्फ्रेंस, टेक्सकोन -2025 में " एड्रैसिंग रिसर्च गेप्स फॉर रिवाईटलाइजिंग खादी एंड हैंडलूम इन भोपाल, मध्य प्रदेश, इंडिया" नाम के एक रिसर्च पेपर को प्रस्तुत किया, जिसके वह सह-लेखक हैं।

सुश्री नेहा वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, FD

- उन्होंने बिहार म्यूज़ियम, पटना में सोसाइटी ऑफ़ साउथ एशियन आर्कियोलॉजी (SOSSA) 2024 की 8वीं इंटरनेशनल कांग्रेस में "मॉन्यूमेंटैलिटी एंड मिनिएचर्स: वॉर एंड वॉरियर्स इन मुगल मुराक्का" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- उन्होंने अन्वीक्षा: रिसर्च स्कॉलर्स कॉन्फ्रेंस 2024, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी कानपुर में "मॉन्यूमेंटैलिटी एंड मिनिएचर्स: सिटिस्केप्स इन मुगल मुराक्का" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री श्वेता चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर, KD

- वह "डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ यूनिफॉर्म्स फॉर वेरियस कैटेगरिस ऑफ स्टाफ फॉर होटल अमलतास, एमपीटी, मध्य प्रदेश" प्रोजेक्ट में पीडीटी, पीआईटी थीं।
- वह एमएसएमई विभाग के लिए "ओडीओपी शिवपुरी जैकेट डिज़ाइनिंग, डेवलपमेंट, ट्रेनिंग एंड ब्रांडिंग" प्रोजेक्ट में पीसी, पीडीटी, पीआईटी थीं।
- उन्हें शीर्षक : मेथड ऑफ मेन्यूफ़ेक्चरिंग थर्मल बैरियर ओर लाइनर युसिंग रोविंग वोवन मटीरियल के लिए पेटेंट नंबर: 502720 मिला।
- उन्होंने, सुश्री एम एस परमार और सुश्री निधि सिसोदिया ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फ़ाइबर टेक्सटाइल रेस, वॉल्यूम 49, सितंबर 2024, पेज 289-296 में "डेवलपमेंट ऑफ थर्मल लेयर युसिंग लो ट्विस्ट यार्न एंड रोविंग अरामिड्स और एफआर विस्कोस ब्लेंड" नामक एक पेपर प्रकाशित करवाया।
- उनका, सुश्री नयनतारा सिंह और श्री शेखर शुक्ला का एक रिव्यू पेपर "रिव्यू पेपर ऑन इको प्रिंटिंग: ए सस्टेनेबल आर्ट फॉर्म" नाम से नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवेंट ऑफ एमर्जिंग टेक्नोलॉजी इन द टेक्सटाइल इंडस्ट्री में, यूपीटीटीआई -कानपुर, 26-27 अक्टूबर, 2024 को प्रकाशित हुआ।
- उन्होंने, श्री रंजीत कुमार झा, और सुश्री शालू वी ने एक पेपर "पोल्का डॉट्स: ए टाइमलेस डिज़ाइन एलिमेंट एंड इट्स एक्सप्लोरेशन विद सस्टेनेबिलिटी" नाम से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ आर्ट्स, आर्किटेक्चर एंड डिज़ाइन वॉल्यूम 3, नंबर 1, जनवरी 2025 (ISSN 2584-0282) में प्रकाशित करवाया।

पीएचडी जारी है और पूर्ण कर ली है

- डॉ. साक्षी, सहायक प्राध्यापक (एमएफ़एम) ने जनवरी 2025 में निफ्ट से " अ स्टडी ऑन एटीट्यूड ब्रांडिंग फॉर फैशन एंड लाइफस्टाइल सेगमेंट ऑफ इंडियन रिटेल इंडस्ट्री" शीर्षक से अपनी पीएचडी पूरी की है।
- डॉ. अंजलि गुप्ता, सहायक प्राध्यापक (बीएफ़टी) ने फरवरी 2025 में एमएएनआईटी, भोपाल से "लोअर लिम्ब रिहेबिलिटेशन फ्रम ओक्लुडिड गेट डाटा इन डिफ़्रेंट ह्यूमन एक्टिविटी फॉर गेट इंपेयरमेंट" शीर्षक से अपनी पीएचडी पूरी की है।
- सुश्री श्वेता चौहान, सहायक प्राध्यापक (केडी) अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ से "कैरेक्टराइजेशन एंड

मॉडिफिकेशन ऑफ थर्मल लेयर ऑफ फायर-रिटार्डेंट सूट" शीर्षक पर अपनी पीएचडी कर रही हैं। (पंजीकरण वर्ष: 2016)

- सुश्री सुप्रिया यादव, सह-प्राध्यापक, (एफ एंड एलए) संजीव अग्रवाल ग्लोबल एजुकेशनल (एसएजीई) यूनिवर्सिटी, भोपाल, स्कूल ऑफ़ जर्नलिज़्म एंड मास कम्युनिकेशन से पीएचडी कर रही हैं, जिसका शीर्षक है " इन्फ़्लुएन्स ऑफ सोशल मीडिया (फेसबुक एंड इंस्टाग्राम) ऑन द फ़ैशन इंडस्ट्री थ्रु जेनरेशन Z (पंजीकरण वर्ष: 2021, फ़ाइनल डिफ़ेंस प्रतीक्षित है)।
- सुश्री नयन तारा सिंह, सहायक प्राध्यापक (एफ डी) राजस्थान के बनस्थली विद्यापीठ में डिज़ाइन डिपार्टमेंट से पीएचडी कर रही हैं, जिसका शीर्षक है " आईडेंटिफ़ाइंग द गेप बिट्वीन एक्सिस्टिंग पश्मीना शॉल, करंट मार्केट ट्रेंड्स एंड नीड्स – सजेस्टिंग डिज़ाइन इंटर्वेंशन"। (पंजीकरण वर्ष: 2021)
- सुश्री नेहा वर्मा, सहायक प्राध्यापक (एफ डी) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी कानपुर के एचएसएस विभाग से फाइन आर्ट्स में पीएचडी कर रही हैं, जिसका शीर्षक है "मोनयूमेंटैलिटी इन इंटिमेट स्केल: ए स्टडी ऑफ़ विज़ुअल स्ट्रेटेजीज़ ऑफ़ पावर एंड ग्रैंडियर इन द अकबरनामा" (पंजीकरण वर्ष - जनवरी 2019, प्री-पीएचडी सेमिनार पूरा हुआ)।
- श्री मोहम्मद रिजवान अहमद, सहायक प्राध्यापक (एफ़ एंड एलए) लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू), फगवाड़ा, पंजाब से पीएचडी कर रहे हैं, जिसका शीर्षक है "इंटीग्रेशन ऑफ़ गोंड आर्ट इन टू मॉडर्न टेक्सटाइल एंड फैशन प्रैक्टिसेज़।" (पंजीकरण वर्ष: 2023)
- श्री राहुल शर्मा, सहायक प्राध्यापक (एफ सी) लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU), फगवाड़ा, पंजाब से पीएचडी कर रहे हैं, जिसका शीर्षक है "आर्काइव-बेस्ड आर्टिस्टिक प्रैक्टिसेज़: सोशल कंसर्न्स इन इंडियन सोसाइटी, रिप्रेजेंटिंग थ्रू विज़ुअल आर्ट प्रैक्टिस।" (पंजीकरण वर्ष : 2024)
- श्री प्रभात कुमार, सहायक प्राध्यापक (बी एफ टी) एमिटी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, मध्य प्रदेश से पीएचडी कर रहे हैं, जिसका शीर्षक है "रोल ऑफ न्यू मीडिया इन ट्रान्स्फ़ोर्मिंग फैशन एडुकेशन इन द डिजिटल एरा – अ स्टडी ऑफ द सेलेक्टेड फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया" (पंजीकरण वर्ष: 2024)
- श्री अयन तिवारी, सह-प्राध्यापक (एफ सी) ने आईआईटी जोधपुर, स्कूल ऑफ़ डिज़ाइन डिपार्टमेंट में पीएचडी के लिए नामांकन किया है। (पंजीकरण वर्ष: 2025)

प्रोजेक्ट्स

- अपैरल इनक्यूबेशन प्रोजेक्ट (स्पॉन्सर/क्लाइंट: आईआईडीसी ग्वालियर)
- एमपी स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (स्पॉन्सर/क्लाइंट: एमपीएसएसडीईजीबी भोपाल)
- आईएसडीएस प्रोजेक्ट के तहत एमपीएलयूएन के लिए पीएमयू (स्पॉन्सर/क्लाइंट: एमपीएलयूएन)
- समर्थ के तहत एमपीएलयूएन के लिए पीएमयू (स्पॉन्सर/क्लाइंट: एमपीएलयूएन)
- सोविनियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट फ्रम वेरियस एमपी क्राफ्ट क्लस्टर्स । (स्पॉन्सर/क्लाइंट: डिपार्टमेंट ऑफ़ टूरिज़्म, एमपी सरकार)।
- डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ यूनिफॉर्म्स फॉर वेरियस कैटेगरिस ऑफ स्टाफ फॉर होटल अमलतास, एमपीटी, मध्य प्रदेश" (स्पॉन्सर/क्लाइंट: डिपार्टमेंट ऑफ़ टूरिज़्म, एमपी सरकार)

इंटरनेशनल एंड डोमेस्टिक लिंकेज

सुश्री नेहा वर्मा (सीआई एंड डीएल) के मार्गदर्शन में, 25 विद्यार्थियों ने एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए आवेदन दिया। खास बातें: 2 विद्यार्थियों ने एफ़आईटी न्यूयॉर्क (2024–25) में एक साल पूरा किया, 4 विद्यार्थियों का एफ़आईटी में डुअल डिग्री प्रोग्राम (2025–26) के लिए चयन हुआ, 1 विद्यार्थी का आरएमआईटी ऑस्ट्रेलिया (जुलाई–दिसंबर 2025) में एक सेमेस्टर के लिए, और 2 विद्यार्थियों का एसटीएफ़ ज्यूरिख के समर प्रोग्राम (जून 2025) के लिए चयन हुआ।

कैंपस प्लेसमेंट

सुश्री नम्रता सिंह (आरआईसी) के नेतृत्व में, निफ्ट भोपाल ने पेपे जीन्स, रिलायंस, लैंडमार्क, फ्लिपकार्ट, अरविंद फैशन्स, लिवस्पेस, ज़ोमैटो और वाधवानी फाउंडेशन जैसे टॉप रिक्रूटर्स के साथ 85% प्लेसमेंट हासिल किए। सबसे ज़्यादा पैकेज: ₹14 एलपीए (वाधवानी), ₹12 एलपीए (विमला इंटरनेशनल), ₹10 एलपीए (पेपे जीन्स) हैं। करियर विकल्प : 90 नौकरी ढूंढने वालों में से 78 को नौकरी मिली, 5 उच्च अध्ययन/एंटरप्रेन्योरशिप के लिए गए (कुल: 107 विद्यार्थी)।

इंडस्ट्री और एल्युमनाई एंगेजमेंट

- एनएआईएबी बैठकें : निफ्ट भोपाल में आरआईसी सेल ने एडवाइजरी मैकेनिज्म और एंगेजमेंट इनिशिएटिव्स के ज़रिए एल्युमनाई और इंडस्ट्री नेटवर्क को मजबूत किया।
- पहली निफ्ट एल्युमनाई और इंडस्ट्री एडवाइजरी बोर्ड (एनएआईएबी) बैठक (16 जुलाई, 2024) में एल्युमनाई-इंडस्ट्री एंगेजमेंट और एकेडमिक इनपुट्स पर केन्द्रित थी। जबकि दूसरी बैठक (22 फरवरी, 2025) में इंटर्नशिप के अलावा प्लेसमेंट स्ट्रेटेजी और स्टूडेंट-इंडस्ट्री लिंकेज पर बल दिया गया।
- होमकमिंग@निफ्ट (30 अगस्त, 2024) के 7वें एडिशन में एल्युमनाई श्री अभिजीत बानिक (टीडी 2008–2012) शामिल हुए, जिन्होंने क्रिएटिव इंडस्ट्री में GEN Z के असर पर अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। वे 31 अगस्त, 2024 को आयोजित दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित हुए।
- डॉ. राजीव अग्रवाल की प्री-प्लेसमेंट वर्कशॉप ने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को इंडस्ट्री की उम्मीदों, इंटरव्यू और प्रोफ़ेशनल रूप से तैयार किया।
- दूसरा एलुमनाई मीट (22 फरवरी, 2025): दूसरा एलुमनाई मीट वर्ष 2008 से 2024 तक के ग्रेजुएट्स को एक साथ लाने के लिए होस्ट किया गया था। एक पैनल डिस्कशन में डिज़ाइन एजुकेशन, एआई का प्रभाव, फ़्रीलांसिंग और प्रोफ़ेशनल ग्रोथ में निफ्ट लर्निंग की भूमिका पर बात हुई। इस इवेंट में टीडी के एलुमनाई श्री अभिजीत बानिक को उनके इंडस्ट्री में शानदार योगदान और संस्थान के साथ लगातार जुड़ाव के लिए डिस्टिंग्विश्ड एलुमनाई अवॉर्ड 2025 से भी सम्मानित किया गया।

भुवनेश्वर

निफ्ट, भुवनेश्वर की स्थापना वर्ष 2010 में हुई थी ।वर्तमान परिसर ओडिशा सरकार द्वारा प्रदान की गई 10 एकड़ भूमि पर बना है । इसके अतिरिक्त, वर्तमान परिसर से सटी 2 एकड़ भूमि भी ओडिशा सरकार द्वारा आवंटित की गई है।

यह परिसर एक आवासीय परिसर है जिसमें 412 छात्राओं के लिए एक बालिका छात्रावास और संकाय एवं कर्मचारियों के लिए आवास उपलब्ध हैं। सभी कक्षाएँ अच्छी तरह से सुसज्जित हैं और प्रयोगशालाएँ अत्याधुनिक हैं। निफ्ट, भुवनेश्वर 5 स्नातक कार्यक्रम और 1 स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित कर रहा है। परिसर में छात्रों की कुल संख्या लगभग 740 है।

कैम्पस की प्रमुख उपलब्धियाँ

- छात्रावास में बैडमिंटन कोर्ट मैट की स्थापना: छात्रावास में रहने वालों को खेल सुविधा प्रदान करने के लिए अक्टूबर 2024 में गर्ल्स हॉस्टल में बैडमिंटन कोर्ट मैट की स्थापना की गई।
- संसाधन केंद्र का विस्तार: निफ्ट भुवनेश्वर के संसाधन केंद्र का विस्तार, पठन क्षेत्र को बढ़ाने और छात्रों को बेहतर अध्ययन वातावरण और स्थान प्रदान करने के लिए किया गया।
- 2 एकड़ भूमि का समतलीकरण: ओडिशा सरकार द्वारा दी गई अतिरिक्त 2 एकड़ भूमि को अक्टूबर 2024 के दौरान साफ और समतल कर दिया गया है और इसका उपयोग छात्रों द्वारा खेल गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

- परिसर की सुंदरता बढ़ाने के लिए छात्रावास और मुख्य द्वार पर लॉन घास लगाई गई।
- परिसर के अंदर विभिन्न स्थानों पर 31 गार्डन बेंच लगाई गईं ।
- छात्रावास में एसी की स्थापना: वर्ष 2024-25 में बालिका छात्रावास के अतिरिक्त 19 कमरों में एयरकंडीशनिंग की सुविधा प्रदान की गई है, जिससे छात्रावास में कुल 39 कमरों में एसी की सुविधा होगी।
- वाटरप्यूरीफायर-कम-कूलर की स्थापना: वर्ष 2024-25 में परिसर और छात्रावास में 07 नए वाटर प्यूरीफायर-कम-कूलर लगाए गए हैं ।
- नई वाशिंग मशीनों की स्थापना: छात्रावास में रहने वालों को अपने कपड़े धोने की सुविधा प्रदान करने के लिए छात्रावास में 02 नई वाशिंग मशीनें लगाई गई हैं।
- दिसंबर 2024 के दौरान विभाजन कार्य के माध्यम से कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था, निदेशक कार्यालय के लिए मिनी सम्मेलन कक्ष और अतिथि कक्ष का निर्माण किया गया है।
- पीए सिस्टम की स्थापना: वर्ष 2024-25 में छात्रावास और गतिविधि हॉल में पीए सिस्टम स्थापित किए गए हैं।
- परिसर के सौंदर्य दृश्य को बढ़ाने के लिए परिसर में सजावटी स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं।

सतत शिक्षा कार्यक्रम/अल्पकालिक कार्यक्रम

निफ्ट भुवनेश्वर द्वारा 2025 प्रवेश हेतु आउटरीच गतिविधियाँ सफलता पूर्वक आयोजित की गईं, जिनमें 14 जिलों और 54 स्कूलों को शामिल किया गया। निफ्ट भुवनेश्वर ने प्रवासी भारती, उत्कर्ष ओडिशा, तोशाली मेला और करियर मे ले सहित प्रमुख मेलों, प्रदर्शनियों और मेलों में भाग लिया। छात्रों और अभिभावकों के लिए एक ऑनलाइन करियर परामर्श वेबिनार का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम के सफल संचालन में संकाय और कर्मचारियों

ने सक्रिय योगदान दिया। बानापुर और मनियाबांध में शिल्प समूहों के दौरे के माध्यम से कारीगरों और कारीगरों के बच्चों तक पहुँचने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाए गए।

परियोजनाएँ

फैशन और डिज़ाइन के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान, निफ्ट भुवनेश्वर ने पेशेवर यूनिफ़ॉर्म डिज़ाइन करने के उद्देश्य से एक विशेष परियोजना के लिए ओडिशा सरकार के अंतर्गत ओडिशा आदर्श विद्याल यसंगठन (OAVS) के राज्य परियोजना निदेशक के साथ साझेदारी की है। यह पहल राज्य भर के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों सहित OAVS के कर्मियों के लिए एक विशिष्ट और समेकित पहचान विकसित करने पर केंद्रित है। इस परियोजना के लिए स्वीकृत लागत ₹6,19,854/- है, जिसमें अनुसंधान, अवधारणा, डिज़ाइन विकास, नमूनाकरण और संबंधित गतिविधियाँ शामिल हैं। यह परियोजना आधिकारिक तौर पर 6 फरवरी 2023 को शुरू की गई थी और लगातार प्रगति कर रही है। इस परियोजना का समन्वय सुश्री पुनम पासी, सहायक प्रोफेसर (एफडी) और श्री मोहम्मदअबुलअला, सहायक प्रोफेसर (टीडी) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियाँ

- टीडी विभाग सेमेस्टर-IV के छात्र श्री अनुराग सिंह ने भुवनेश्वर 2024 में कॉयर टॉयकैथॉन जीता
- सुश्री विजयलक्ष्मी के को डिस्कस थ्रो में रजत पदक और शॉटपुटिन कन्वर्ज 2024 में कांस्य पदक मिला।
- बीएफटी के छात्र श्री अंकित कुमार एसपी और सुश्री अंशिका सतपथी ने अपने स्नातक प्रोजेक्ट के एक भाग के रूप में "एन एकोनॉमिकल सीएनसी आर्म फॉर डायरेक्शन एंड मार्किंग" विषय पर काम किया, जिसे भारत टेक्स 2025 में टेक टैंक प्रतियोगिता के लिए शीर्ष 10 परियोजनाओं में चुना गया था।
- सुश्री संघमित्रा गिरि, सयानी चक्रवर्ती, ऐतिझ्या हलदर, एन. सरमिस्ता, साई श्वेता दाश, स्तुति गुप्ता और डॉ. गौतम साहा (एसोसिएट प्रोफेसर) ने संयुक्त रूप से एक पेपर तैयार किया है जिसका शीर्षक है "डेवलपिर्पिंग ए रोडमैप ऑफ सस्टेनेबल लक्ज़री ब्रांड क्रिएशन फ्रॉम ए प्री-कोलोनियल इंडियन फैक्ट: ए कॉमर्स" पर्सपेक्टिव" और प्रो. ओम प्रकाश सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया (XXVI वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) 11 से 12 जनवरी 2025 को डीएसपीएसआर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।
- सुश्री संघमित्रा गिरि, सुश्री एसाइमोझी के, और सुश्री मानसून पॉल (एमएफएम छात्र) ने 30 से 31 अगस्त 2024 तक स्टोर लॉन्च प्रोजेक्ट समन्वयक में सक्रिय रूप से भाग लेकर भुवनेश्वर के वैन ह्यूसेन स्टोर में लाइव प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- सुश्री एसाइमोझी के ने आईसीएआर - राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र, तिरुचिरापल्ली में 07 से 11 अक्टूबर 2024 तक "केला फाइबर: निष्कर्षण तकनीक और इसके अनुप्रयोग" पर इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- श्री प्रभुदत्त बेहरा ने 30 से 31 अगस्त 2024 तक स्टोर लॉन्च इवेंट मैनेजमेंट और विज़ुअल मर्चेंडाइजिंग में सक्रिय रूप से भाग लेकर वैन ह्यूसेन स्टोर, भुवनेश्वर में लाइव प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- सुश्री सयानी चक्रवर्ती और सुश्री मानसून पॉल ने प्रथम राष्ट्रीय स्तर की एफएमएस फैशन बिज़नेस क्विज़ प्रतियोगिता 2024 में द्वितीय रनर अप स्थान प्राप्त किया।
- सुश्री खुशी कोटा, श्री हर्षवर्धन, सुश्री प्रज्ञा सिंह और छठे सेमेस्टर की सुश्री पद्मजा रथ ने सहायक प्रोफेसर श्री दीपक रंजन पाधी के साथ मिलकर 7 से 9 नवंबर, 2024 तक आईआईटी बॉम्बे में आयोजित 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरैक्शन डिज़ाइन और रिसर्च (इंडियाएचसीआई '24)" में एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- सृष्टि समीक्षा (एफसीचौथे सेमेस्टर) ने उत्कर्ष ओडिशा में आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया। ओडिशा सरकार द्वारा 20 नवंबर 2024 को सिंगापुर में आयोजित कॉन्क्लेव में माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी की उपस्थिति में भाग लिया जाएगा।
- सृष्टि समीक्षा ने 23 फरवरी 2025 को मध्य प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित 51वें खजुराहो नृत्य महोत्सव में ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया।
- श्रेया शिवम, आकाश कुमार, अनन्या प्रियदर्शिनी और प्रारम्भ राजनकर (वित्तीय स्नातक छात्र) ने "वास्तुकला एवं आंतरिक सज्जा महोत्सव (एफओएआईडी) 2024" में भाग लिया और नवंबर 2024 में नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया।
- कनकला शिव कुमारी, समृद्धि पुरंदरे, सृष्टि भराली (बीएफटी, 6वींसेम), रिया चव्हाण (टीडी,8वींसेम) को 14 फरवरी 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में भारत टेक्स इंटरनेशनल स्टूडेंट डिजाइन प्रतियोगिता 2025 में " सस्टेनेबल फ्यूचर: इनोवेशन विथ इंडिजिनस नॉलेज" पर डिजाइन सबमिशन के लिए शीर्ष 10 ग्लोबल फाइनलिस्ट में से एक के रूप में चुना गया।
- छात्रों की एक टीम जिसमें आकृति, ख़ुशी पाढ़ी, कनिष्का जानोरकर, आराधना बरठाकुर लहर सोंगरा, स्वास्तिका डे, लुकराम अमो, समीर तिर्की (एफडी छात्र) शिवानी सोनी, वंशिका चौधरी (एफ एंड एलए छात्र) अनुष्का उपाध्याय (एफसी छात्र) शिवांगी दीक्षित (एमएफएम) साई कृष्णा (एफपीटी छात्र) शामिल हैं, ने 2 मार्च 2025 को आईएमआई में वार्षिक फैशन शो कार्यक्रम में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया ।
- ओंकार रमेश मोरे (एडी छात्र) ने प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट - नेशनल ग्रीन अर्थ चैलेंज (डिजाइन श्रेणी) में भाग लिया और जोनल विजेता - ईस्ट जोन (7 मार्च 2025), टॉप 16 फाइनलिस्ट - "नेशनल राउंड (21 मार्च 2025) और एन इंडिपेंडेंट सस्टेनेबिलिटी प्रोजेक्ट इंटीग्रेटिंग स्टूडेंट्स ऑफ 5RS और पंच भूतास के लिए रिकग्निज्ड प्राप्त किया।"BHUTAS.
- श्रेया शिवम, आकाश कुमार, अनन्या प्रियदर्शिनी और प्रारम्भ राजनकर (एफडी छात्र) ने "फेस्टिवल ऑफ आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन (एफओएआईडी) 2024" में भाग लिया और नवंबर 2024 में नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

दीक्षांत समारोह 2023

निफ्ट भुवनेश्वर के 2023 स्नातक बैच का दीक्षांत समारोह 3 मई 2024 को रेल ऑडिटोरियम, चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अमेज़न के क्रिएटिव डायरेक्टर श्री नरेंद्र कुमार थे। दीक्षांत समारोह 2023 के मुख्य अतिथि निफ्ट रजिस्ट्रार,कर्नल विक्रांत लखनपाल और निफ्ट, प्रमुख(एए), प्रो. डॉ. शिंजू महाजन थे। निफ्ट भुवनेश्वर के कुल 202 छात्रों (173 स्नातक और 29 स्नातकोत्तर) को स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियाँ प्रदान की गईं। दीक्षांत समारोह की रिपोर्ट निफ्ट, भुवनेश्वर के निदेशक श्री राजेश कुमार झा द्वारा प्रस्तुत की गई।

दीक्षांत समारोह 2024

2024 के स्नातक बैच का निफ्ट भुवनेश्वर दीक्षांत समारोह 9 नवंबर, 2024 को सीएसआईआर-आईएमएमटी सभागार, भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। समारोह की मुख्य अतिथि निफ्ट, महानिदेशक, आईएएस, सुश्री तनु कश्यप थीं और निफ्ट, डीन (अकादमिक), प्रोफेसर डॉ. सुधा ढींगरा सम्मानित अतिथि थीं। निफ्ट भुवनेश्वर (167 यूजी और 28पीजी) के कुल 195 छात्रों को स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधि प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह की रिपोर्ट निफ्ट, भुवनेश्वर के निदेशक श्री राजेश कुमार झा द्वारा प्रस्तुत की गई है।

स्नातक परियोजनाएँ और स्नातक कार्यक्रम 2024

निफ्ट भुवनेश्वर ने 30 मई 2024 को होटल क्रिस्टल क्राउन, भुवनेश्वर में बैच 2024 के लिए स्नातक समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भुवनेश्वर, ओमफेड, प्रबंध निदेशक, आईएएस, श्री विजया ए. कुलांगे, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, फील्ड जीएम, श्री सर्वेश रंजन, सलाहकार श्री आशुतोष रथ, एवं वाइल्ड लोटस, निदेशक, श्री पी. दाश, बरगढ़ आईआईएचटी, वरिष्ठ व्याख्याता (वस्त्र),श्री डी. के. यादव, सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

शिल्प क्लस्टर पहल, गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

निफ्ट भुवनेश्वर में क्लस्टर पहल विभिन्न क्षेत्रीय शिल्पों को बढ़ावा देने और विकसित करने के उद्देश्य से सहयोगात्मक प्रयासों को दर्शाती है।

शिल्प क्लस्टर और दस्तावेज़ीकरण (सीआरडी)

शिल्प विकास, शिल्प प्रशिक्षण, शिल्प एवं शिल्प कला, शिल्प एवं शिल्प कला, शिल्प एवं शिल्प कला विभाग और शिल्प विज्ञान विभाग ने गोपीनाथपुर क्लस्टर (शिल्प कला), सागरपाली क्लस्टर, सोनपुर (शिल्प कला), मनियाबांधा क्लस्टर (शिल्प कला, शिल्प कला, शिल्प कला), धलापत्थर क्लस्टर (शिल्प कला, शिल्प कला, शिल्प कला), फकीरपुर क्लस्टर (शिल्प एवं शिल्प कला), क्योंझर टेराकोटा क्लस्टर (शिल्प कला, शिल्प कला), किरिकिचा क्लस्टर (शिल्प कला) और मनियाबांधा क्लस्टर, सनाबरसिंह क्लस्टर (शिल्प कला), धलापत्थर क्लस्टर, महुलिया क्लस्टर (शिल्प कला) और गोपालपुर क्लस्टर (शिल्प कला) में शिल्प अनुसंधान प्रलेखन भ्रमण किया।

शिल्प-आधारित उत्पाद विकास (सीबीपीडी)

- फैशन डिज़ाइन विभाग ने बरगढ़ क्लस्टर और सागरपाली (सोनपुर) क्लस्टर में 4 से 7 नवंबर 2024 तक शिल्प-आधारित उत्पाद विकास (सीबीपीडी) का आयोजन किया। यह गतिविधि सातवें सेमेस्टर के छात्रों द्वारा की गई, जिसमें पारंपरिक शिल्प प्रथाओं से प्रेरित नवीन उत्पादों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- टेक्सटाइल डिज़ाइन विभाग ने टीडी सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए 3 अक्टूबर, 24 अक्टूबर, 6 नवंबर और 8 नवंबर 2024 को मनियाबांधा क्लस्टर में और 22 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 12 नवंबर और 19 नवंबर 2024 को गोपालपुर क्लस्टर में शिल्प-आधारित उत्पाद विकास (सीबीपीडी) का आयोजन किया।
- फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ विभाग ने बानापुर क्लस्टर में 25 से 29 नवंबर 2024 तक सातवें सेमेस्टर एफ और एलए के छात्रों के लिए शिल्प-आधारित उत्पाद विकास (सीबीपीडी) का आयोजन किया।

कारीगर जागरूकता कार्यशालाएँ

24 से 26 अप्रैल तक एक संयुक्त कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें फैशन डिज़ाइन (एफडी), टेक्सटाइल डिज़ाइन (टीडी), फैशन कम्युनिकेशन (एफसी), फैशन एवं लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ (एफएंडएलए), और फैशन टेक्नोलॉजी विभाग (डीएफटी) के विभागों को एक साथ लाया गया। मणियाबांधा, धलापाथर और क्योंझर क्लस्टरों के नवीनतम रुझानों पर आधारित उत्पाद विविधीकरण के बारे में जानने के लिए कुल 13 कारीगरों ने बड़े उत्साह और उत्सुकता के साथ भाग लिया।

शिल्प प्रदर्शन कार्यशाला

फैशन डिजाइन विभाग ने 17 से 19 मार्च 2025 तक जरदोजी कढ़ाई और काशीदाकारी कढ़ाई पर शिल्प प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया। फैशन और जीवन शैली सहायक उपकरण विभाग ने 24 से 26 मार्च 2025 तक ढोकरा आभूषण (ढेंकनाल) पर शिल्प प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया।

पीएचडी कर रहे हैं और पूरा कर चुके

दो संकाय सदस्यों ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली है, अर्थात् डॉ. गौतम बार और डॉ. सुलग्ना साहा। निम्नलिखित 12 संकाय सदस्य वर्तमान में अपनी पीएचडी कर रहे हैं: श्री गंगाधर मलिक (बीएफटी), श्री अबुल अला (टीडी), सुश्री अपर्णा रस्तोगी (एफसी), सुश्री सुप्रिया मुंडा (एफसी), सुश्री लिप्सा महापात्रा (एफएमएस), श्री सुमित कुमार (बीएफटी), श्री डी. हरीश राजीव (एफ एंड एलए), श्री नंदकिशोर बराइक (बीएफटी), सुश्री शोभारानी लाकड़ा (एफडी), श्री अविनाश कुमार (एफडी), श्री दीपक रंजन पाधी (एफसी), और सुश्री उषासी रुद्र (टीडी)।

प्रकाशन और पेपर प्रस्तुतियाँ

- सहायक प्रो.डॉ. गौतम बा ने "डेवलपमेंट एंड कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ कॉटन-बौहिनिया वल्ली फाइबर ब्लेंडेड यार्न्स" मैटेरियल्स सर्कुलर इकॉनॉमी, 2025, 7(1) DOI:10.1007/S42824-025-00163-Y पर एक शोध लेख प्रकाशित किया।

- सहायक प्रो. डॉ. गौतम बार ने "प्रीट्रीटमेंट एंड डाइएबिलिटी एनालिसिस ऑफ कॉटन एंड नॉवेल बौहिनिया वह्ली फाइबर, डिस्कवर मैटेरियल्स, 2024, 4(1),DOI:10.1007/S43939-024-00117-2" पर एक शोध लेख प्रकाशित किया।
- सहायक प्रोफेसर,डॉ. गौतम बार, ने एक समीक्षा लेख प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था "टेक्सटाइल वेस्ट मैनेजमेंट: रिसाइक्लिंग फॉर अ ग्रीनर फ्यूचर", कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग: द फर्स्ट इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ नेचर, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एर्ज़ुरम- तुर्किये, मार्च 2025, आईएसबीएन: 978-605-73167-2-1
- सहायक प्रोफेसर,मो. अबुल अला, ने "आधुनिक वस्त्रों में चरण परिवर्तन सामग्री का अवलोकन: एक उन्नत स्मार्ट थर्मल समाधान" पर एक समीक्षा पत्र प्रकाशित किया, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए शंघाई विश्वविद्यालय के जर्नल, 27(1) जनवरी 2025, आईएसएसएन: 1007-6735।
- सहायक प्रोफेसर, श्री मोहम्मद अबुल अला ने "न्यूट्रल मेटल साल्ट और मल्टी-लेयर फिल्ट्रेशन का उपयोग करके डाई वेस्टवाटर्स की सफाई की फ्लोक्यूलेशन और कोएगुलेशन प्रक्रिया" पर एक पेपर प्रकाशित किया, इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च जर्नल इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 12(2), फरवरी 2025।
- सहायक प्रोफेसर,श्री गोकुल राजौन एम. ने "अनलॉकिंग पोटेंशियल: इंटीग्रेटिंग टेक्निकल टेक्सटाइल्स इन इंडियाज हैंडलूम सेक्टर" शीर्षक से एक लेख लिखा, फाइबर2फैशन, जून 2024।
- सहायक प्रोफेसर,डॉ. प्रियदर्शिनी के ने अभिज्ञान सेज जर्नल्स में "भारतीय सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल वेबसाइटों पर जेन जेड परिप्रेक्ष्य: एक व्यवहारिक तर्क सिद्धांत दृष्टिकोण" शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- डॉ. प्रियदर्शिनी के, सहायक प्रोफेसर ने जिम क्वेस्ट दिसंबर 2024 में "की फोर्सेज शेपिंग जेन ज़ी व्यूज़ ऑन इंडियन ब्यूटी एंड पर्सनल केयर वेबसाइट्स" शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- सहायक प्रोफेसर, सुश्री लिप्सा महापात्रा और एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. गौतम साहा ने उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 21-22 मार्च 2025 को आयोजित "भारत में हथकरघा क्लस्टरों में ज्ञान और प्रथाओं के अंतर-पीढ़ीगत हस्तांतरण" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "वैश्विक व्यापार के लिए डिजाइनरों और कारीगर उद्यमियों के बीच सह-निर्माण के माध्यम से कारीगरों की क्षमताओं को बढ़ाने" पर पेपर प्रस्तुत किया।
- सहायक प्रोफेसर, श्री अविनाश कुमार, ने 28 मार्च 2025 को फ्यूचर क्राफ्ट: कला, फैशन और प्रौद्योगिकी में डिजिटल नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ओडिशा हथकरघा खुदरा विक्रेताओं के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन बिक्री चैनलों को प्रभावित करने वाले चालकों और बाधाओं का पता लगाने के लिए" एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सहायक प्रोफेसर, श्री रवि प्रकाश, सहायक प्रोफेसर, श्री सुमित कुमार, सहायक प्रोफेसर, श्री नंद किशोर बड़ाइक, और सुश्री सौमली ने "लीन प्रोडक्शन सिस्टम को बढ़ाने में टीम विकास की भूमिका" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया, जर्नल ऑफ शीआन यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी, XVIII(1),2025।
- सहायक प्रोफेसर, डॉ. सुलग्ना साहा, ने "भारतीय वस्त्र क्षेत्र के परिपत्र परिदृश्य को समझना: एक नीति विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सस्टेनेबिलिटी पॉलिसी एंड प्रैक्टिस, 21(2), फरवरी 2025। DOI:10.18848/2325-1166/CGP/V21I02/31-49.
- सहायक प्रोफेसर, डॉ. सुलग्ना साहा और सहायक प्रोफेसर, श्री नंद किशोर बड़ाइक ने "टेक्सटाइल्स के लिए एक सर्कुलर मॉडल का ढांचा: एक समीक्षा" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12(8), अगस्त 2024, HTTP://DOI.ONE/10.1729/JOURNAL.41257.
- सहायक प्रोफेसर, डॉ. सुलग्ना साहा और सहायक प्रोफेसर, श्री नंद किशोर बड़ाइक ने "जीरो वेस्ट पैटर्न मेकिंग: रिडिफाइनिंग सस्टेनेबल फैशन" शीर्षक से एक पेपर लिखा है, जो शंघाई विश्वविद्यालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, 27(2) फरवरी 2025, DOI: 10.51201/JUSST/25/0251 में प्रकाशित हुआ है।
- सहायक प्रोफेसर, डॉ. सुलग्ना साहा, और श्री नंद किशोर बड़ाइक, सहायक प्रोफेसर ने "ट्रांसफॉर्मेटिव थ्रेड्स: ए केस स्टडी ऑन गूंज्स सोशल एंटरप्रेन्योरशिप इन सस्टेनेबल फैशन" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है, जर्नल ऑफ ज़िडियन यूनिवर्सिटी, 19(2), फरवरी 2025, DOI:10.5281/ZENODO.14904266.
- सहायक प्रोफेसर,डॉ. सुलग्ना साहा ने "भारतीय वस्त्रों का भविष्य: एक परिपत्र अर्थव्यवस्था परिप्रेक्ष्य", फाइबर2फैशन, 25 फरवरी शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है।
- श्री सुमित कुमार, सहायक। प्रो., और सुश्री अपराजिता सिंह, टीडी छात्रा ने, "एक्स-रे रेडियोग्राफिक अपशिष्ट को परावर्तक वस्त्रों में बदलना: आधुनिक डिजाइन परिचय के लिए एक स्थायी समाधान" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है, जो कि जिडियन विश्वविद्यालय के जर्नल, 18(10), 2024 में प्रकाशित हुआ है।
- श्री सुमित कुमार, सहायक प्रो., और सुश्री अपराजिता सिंह, टीडी छात्रा ने, "अपशिष्ट कागज-व्युत्पन्न सेलूलोज़ का उपयोग करके आकार बदलने वाले माइक्रोएनकैप्सुलेशन कपड़े: समायोज्य-फिट वस्त्रों के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है, जो कि जिडियन विश्वविद्यालय के जर्नल, 18(10), 2024 में प्रकाशित हुआ है।
- श्री सुमित कुमार, सहायक प्रो., और सुश्री अपराजिता सिंह, टीडी छात्रा ने, "सैन्य गियर में क्रांति: उन्नत सामरिक अनुप्रयोगों के लिए ब्लिस्टर पैक अपशिष्ट से शॉक-प्रतिरोधी प्रवाहकीय कपड़े" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है
- श्री सुमित कुमार, सहायक प्रोफेसर और सुश्री अपराजिता सिंह, टीडी छात्र ने "नैनो-इंजीनियर्ड स्मोक-एब्जॉर्प्टिव फैब्रिक्स: ए सस्टेनेबल सॉल्यूशन फॉर एयर प्यूरिफिकेशन एंड

एनवायरनमेंटल सेफ्टी" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है, जर्नल ऑफ जिडियन यूनिवर्सिटी, 18(11), 2024।

- मीडिया अध्ययन विभाग, क्रिस्टू जयंती द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सुश्री अपर्णा रस्तोगी द्वारा "इन्फ्लुएंसर फैशन: ए कॉम्प्रिहेंसिव एक्सप्लोरेशन ऑफ डिजिटल फैशन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया, जिसमें डिजाइन और मीडिया संदर्भों में संचार को बढ़ाने में इसके महत्व पर चर्चा की गई।
- सुश्री अपर्णा रस्तोगी, सहायक प्रोफेसर ने 26 मार्च 2025 को IFFTI 2025, लंदन कॉलेज ऑफ फैशन, यूके में "फैशन सस्टेनेबिलिटी में उभरते प्रतिमान: सस्टेनेबल स्टाइल को आकार देने में डिजिटल फैशन की भूमिका का व्यापक अन्वेषण" नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. चित्तरंजन साहू, सहायक प्रोफेसर द्वारा प्रकाशित पुस्तक: प्राची घाटी के स्मारक - कैनवास में मूर्तिकला कला का प्रतिनिधित्व, का नई दिल्ली में भारतटेक्स 2025 में विमोचन किया गया।
- श्री दीपक पाधी, सहायक प्रोफेसर ने 10-11 मार्च 2025 को एक्सआईएम विश्वविद्यालय, पुरी, ओडिशा में आयोजित 'रीइमेजिनिंग एक्सिस्टेंस: इमर्जिंग पर्सपेक्टिव्स इन वर्ल्ड लिटरेचर एंड लैंग्वेज' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्वयं के अंश: सिल्विया प्लाथ की कथा में आघात, स्मृति और पहचान" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- श्री दीपक पाधी, सहायक प्रोफेसर ने 28 फरवरी से 1 मार्च, 2025 तक रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित 'महिलाओं के लचीलेपन और सशक्तिकरण की यात्राएँ, कहानियाँ और रणनीतियाँ: आध्यात्मिक शक्ति' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पागलपन पर पुनर्विचार: सिल्विया प्लाथ और उनके समकालीन समकक्षों में नारीवादी प्रतिरोध का एक आलोचनात्मक विश्लेषण" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- श्री दीपक पाधी, सहायक प्रोफेसर, डॉ. राहुल जैन, सहायक प्रोफेसर, और डॉ. इंद्रनील साहा, सहायक प्रोफेसर। प्रोफेसर ने 7-9 नवंबर, 2024 को आईआईटी बॉम्बे में आयोजित इंटरेक्शन डिजाइन एंड इंटरनेशनल डेवलपमेंट (आईडीआईडी 2024) सम्मेलन में "स्व-निर्धारण सिद्धांत (एसडीटी) के लेंस के माध्यम से पहनने योग्य गतिविधि ट्रैकर्स (डब्ल्यूएटी) का उपयोग करने के लिए भारतीय मिलेनियल्स की प्रेरणाओं की खोज" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। आईएफआईपी एडवांसेज इन इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, स्प्रिंगर पुस्तक श्रृंखला में कार्यवाही प्रकाशन में।

संकाय विकास/संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएँ

- डॉ. गौतम बार, सहायक प्रोफेसर, और सुश्री उषासी रुद्र, सहायक प्रोफेसर, ने 26.08.2024 से 30.08.2024 तक निफ्ट बेंगलुरु परिसर में उन्नत कैड (डॉबी और जैक्वार्ड) पर टीओटी में भाग लिया।
- मोहम्मद अबुल अला, सहायक प्रोफेसर, और सुश्री उषासी रुद्र ने 14-18 अक्टूबर 2024 को निफ्ट मुंबई परिसर में वस्त्र डिजाइन विभाग द्वारा "इनोवेशन टूलबॉक्स" (अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ द्वारा) पर ऑफ़लाइन टीओटी में भाग लिया।
- सुश्री सुस्मिता बेहरा, एसोसिएट प्रोफेसर, ने चौथे सेमेस्टर के छात्रों के साथ बांस पर कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें मास्टर शिल्पकार श्री एकादशी बारिक (राज्य पुरस्कार विजेता) और सुश्री सुलोचना बारिक ने स्पेक्ट्रम 2025 में इसका प्रदर्शन किया।
- श्री अविनाश कुमार, सहायक प्रोफेसर और श्री रवि प्रकाश, सहायक प्रोफेसर ने 1 से 26 जुलाई 2024 तक आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (मदुरा क्लोदिंग), भुवनेश्वर में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट पूरा किया।
- श्री मोहम्मद अबुल अला, सहायक प्रोफेसर ने 3 से 20 जून 2024 तक पश्चिम बंगाल के शांतिपुर स्थित शांतिपुर लाइफलाइन हैंडलूम वीवर्स वेलफेयर एसएचजी सोसाइटी में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट पूरा किया।
- श्री प्रियब्रत दास, सहायक प्रोफेसर, ने 8 से 12 जुलाई 2024 तक चेन्नई परिसर में "एआई का परिचय" विषय पर एक टीओटी में भाग लिया।
- श्री गंगाधर मलिक, सहायक प्रोफेसर, ने 8 से 10 जुलाई 2024 तक प्रो. (डॉ.) मनोज तिवारी द्वारा आयोजित ऑटो कैड टीओटी (ऑनलाइन) पर एक टीओटी में भाग लिया।
- श्री गंगाधर मलिक, सहायक प्रोफेसर, ने 2 से 5 जुलाई, 2024 तक प्रो. (डॉ.) प्रबीर जाना, प्रो. (डॉ.) मनोज तिवारी, सीज़िरा मार्टन, श्री आदित्य मुखोपाध्याय, श्री आशीष गुप्ता द्वारा आयोजित मेथड टाइम मैनेजमेंट (ऑनलाइन) पर एक टीओटी में भाग लिया।.
- श्री प्रियब्रत दास, सहायक प्रोफेसर, ने दिनांक 25.03.2025 को उडेमी से "लारावेल" पर ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है। आईआईटी रोपड़ से "माइनर इन एआई" कर रहे हैं।
- डॉ. प्रियदर्शिनी के, सहायक प्रोफेसर, ने 27 से 31 जनवरी 2025 तक हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एसएससीएम पर ऑनलाइन एमडीपी में भाग लिया।
- श्री बी वेंकट, सहायक प्रोफेसर और श्री हेमंत कुमार, सहायक प्रोफेसर ने 02 अप्रैल 2024 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से एआर/वीआर पर टीओटी में भाग लिया।
- डॉ. गौतम बार, सहायक प्रोफेसर, ने जून 2024 में निफ्ट श्रीनगर में निफ्ट फैकल्टी रिट्रीट के दौरान एक प्रशिक्षण सूत्रधार के रूप में कार्य किया।
- सुश्री अपर्णा रस्तोगी, सहायक प्रोफेसर ने 6 से 8 मार्च 2025 तक आईडीसी स्कूल ऑफ डिज़ाइन, आईआईटी बॉम्बे, मुंबई में टाइपोग्राफी दिवस 2025 कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री नवीन चंद्र तिवारी, लेखा अधिकारी और श्री सौम्य रंजन स्वैन, सहायक निदेशक (प्रशासन) ने एएससीआई, हैदराबाद में 26.08.2024 से 30.08.2024 तक निर्धारित सार्वजनिक खरीद सिद्धांतों पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा बातचीत, सेमिनार और कार्यशालाएँ

- टीडी विभाग ने 17 फरवरी 2025 को टीडी छात्रों के लिए टेस्ला, स्पार्क्स, नेवादा, यूएसए में कंटेंट डिज़ाइनर सुश्री श्रव्या गुंडा के साथ एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- टीडी विभाग ने सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण हेतु श्री सुभायु मुखर्जी को आमंत्रित किया।
- श्री गौतम भट्टाचार्य द्वारा 30 नवंबर 2024 को बीएफटी तृतीय सेमेस्टर में परिधानों के लिए फैब्रिक विज्ञान और टीडी पंचम सेमेस्टर में वस्त्र प्रसंस्करण विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया।
- टीडी विभाग ने सुश्री छवि सकलानी (रचनात्मक विपणक और कहानीकार) को उत्पाद मूलभूत रचनात्मक अनुप्रयोग विषय पर एक ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया।
- श्री प्रबीना कुमार राउत द्वारा 26.11.24 को बीएफटी सातवें सेमेस्टर में फैशन व्यवसाय में ईआरपी विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया।
- दिनांक 29.11.24 को बीएफटी 5वें सेमेस्टर में लीन मैन्युफैक्चरिंग विषय पर श्री वरुण मेहरोत्रा द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया।
- दिनांक 30.11.24 को बीएफटी 5वें सेमेस्टर में परिधान उत्पादन योजना एवं नियंत्रण विषय पर डॉ. संदीप प्रसाद द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया।
- दिनांक 26.03.25 को बीएफटी 7वें सेमेस्टर में सतत उत्पादन विषय पर डॉ. सुतापा पती द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया।

उद्योग संबंध

- निफ्ट भुवनेश्वर की पूर्व छात्रा सुश्री अर्पिता त्रिपाठी संसाधन व्यक्ति, वरिष्ठ श्रेणी और रणनीतिक खुफिया प्रबंधक थीं। यह कार्यक्रम 18 और 19 अक्टूबर 2024 को एफएमएस तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के लिए एडवांस एक्सेल पर आयोजित किया गया था।
- निफ्ट भुवनेश्वर परिसर ने अपने यूजी और पीजी छात्रों को प्लेसमेंट इंटरव्यू के लिए तैयार करने हेतु सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण का आयोजन किया। टाइम्स ग्रुप के श्री अमित मिश्रा ने 7, 22 और 25 नवंबर 2024 को सत्र लिया।
- बीएफटी तीसरे सेमेस्टर के छात्रों ने 22 से 26 सितंबर 2024 तक जयश्री टेक्सटाइल्स, कोलकाता और परिधान गारमेंट्स, कोलकाता का दौरा किया।
- बीएफटी 5वें सेमेस्टर के छात्रों ने 20 से 26 सितंबर 2024 तक सिल्वर स्पार्क अपैरल्स लिमिटेड, बेंगलुरु; सखो ग्रुप, बेंगलुरु; और जीटीई 2024 का दौरा किया।
- बीएफटी छठे सेमेस्टर के छात्रों ने भारत टेक्स 2025, दिल्ली का दौरा किया; और शाही एक्सपोर्ट्स, फरीदाबाद में 16 से 20 फरवरी 2025 तक आयोजित किया जाएगा।
- बीएफटी के चौथे और छठे सेमेस्टर की आउटबाउंड गतिविधियाँ 18 से 19 जनवरी 2025 तक स्वोस्ती रिसॉर्ट, चिलिका में आयोजित की जाएँगी।
- बीएफटी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों ने 26 मार्च 2025 को मदुरा क्लोदिंग, भुवनेश्वर का दौरा किया।
- एफडी VI सेमेस्टर के छात्रों ने 18 फरवरी 2025 को मोनिका मथुरिया दत्ता के डिज़ाइन स्टूडियो का दौरा किया, जिसका विषय था "फैशन में विलासिता का अवलोकन"।
- एफडी III सेमेस्टर के छात्रों ने 29 अक्टूबर 2024 को "फ़ैब्रिक फ़ंडामेंटल्स" विषय के लिए वीवर सर्विस सेंटर, भुवनेश्वर का दौरा किया।
- एफडी सेमेस्टर VII के छात्रों के साथ पूर्व छात्र संपर्क सत्र 13 नवंबर 2024 को सुश्री दीपना पटेल द्वारा, 15 नवंबर 2024 को श्री पंकज अरोड़ा द्वारा और 28 अक्टूबर 2024 को डॉ. विदुषी द्वारा आयोजित किए गए।
- एफडी सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए 14 से 22 फरवरी 2025 तक भारत टेक्स, नई दिल्ली का एक उद्योग दौरा आयोजित किया गया।
- टीडी विभाग ने सेमेस्टर VII के लिए ऑनलाइन पूर्व छात्र संपर्क सत्र के लिए श्री कमल कृष्ण चौधरी, सुश्री जानवी मोहता और सुश्री अंजलि सिन्हा को आमंत्रित किया।

पूर्व छात्र मिलन

निफ्ट, भुवनेश्वर ने 7 दिसंबर 2024 को एक पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें 52 पूर्व छात्रों ने पंजीकरण कराया और आदित्य बिड़ला, रिलायंस स्वदेश, टाटा ट्रस्ट, मिंत्रा, रिलायंस रिटेल, टीसीएस और क्रिस्टल सोर्सिंग जैसे ब्रांडों के 26 पूर्व छात्र इसमें शामिल हुए। विभिन्न विभागों के अपने-अपने कार्यक्रम हैं, जैसे कार्यशालाएँ और वार्ताएँ, जहाँ पूर्व छात्र और विभागीय छात्र उपयोगी बातचीत करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू जुड़ाव

टेक्सटाइल डिजाइन विभाग की सुश्री निष्ठा झावर वर्तमान में एनआईएफटी भुवनेश्वर से शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए एफआईटी दोहरी डिग्री कार्यक्रम कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, वस्त्र डिजाइन विभाग की ही सुश्री यशश्री तेंदुलकर को 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए इसी कार्यक्रम के लिए चुना गया है। इस वर्ष श्वाइज़रिशे टेक्सटाइलफैचस्चुले (एसटीएफ) / स्विस टेक्सटाइल एंड फैशन कॉलेज, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड (2024-25) में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम (15 दिन) के लिए, हमें गर्व है कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले 4थे सेमेस्टर के प्रतिबद्ध और उत्साही छात्र थे। चयनित छात्रों में फैशन डिजाइन विभाग की सुश्री श्रेया समीक्ष्य, वस्त्र डिजाइन विभाग की सुश्री वंशिका अग्रवाल और वस्त्र डिजाइन की ही सुश्री नैना ओसवाल शामिल थीं। फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ विभाग की सुश्री पूजा साहू को प्रतिष्ठित निफ्ट उड़ान छात्रवृत्ति के तहत 2025-26 सत्र के लिए एसटीएफ, ज्यूरिख में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के लिए चुना गया है।

द सस्टेनेबिलिटी एस्पेक्ट एंड ग्रीन कैंपस एक्टिविटीज़

- विशेष अभियान 4.0 का आयोजन 16.09.2024 से 31.10.2024 तक निफ्ट, भुवनेश्वर में किया गया, जिसमें रिकॉर्ड प्रबंधन और स्थान प्रबंधन, सम्मेलन कक्ष की दीवारों पर टेक्सचर पेंटिंग कलाकृति, पानी की टंकी की सफाई, फॉगिंग गतिविधियां आदि गतिविधियां शामिल थीं।
- निफ्ट, भुवनेश्वर के निदेशक के नेतृत्व में निफ्ट, भुवनेश्वर परिसर में 17.09.2024 से 02.10.2024 तक विशेष अभियान 4.0 के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान भी चलाया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान विभिन्न गतिविधियाँ जैसे "एक पेड़ माँ के नाम", अपशिष्ट से कला प्रतिष्ठान, प्लास्टिक कचरा हटाने का अभियान, स्वच्छता ही सेवा जागरूकता अभियान के लिए नुक्कड़ नाटक आदि आयोजित किए गए।
- 25.09.2024 को सतत फैशन-कलाकृति पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का ध्यान स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान बेकार कांच की बोतलों से टिकाऊ फैशन कलाकृति बनाने पर केंद्रित था।
- निफ्ट, भुवनेश्वर परिसर में 01.03.2025 से 15.03.2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का आयोजन किया गया। स्वच्छ और हरित परिसर के लिए कचरा सफाई, वृक्षारोपण अभियान, श्रमदान अभियान आदि जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के दौरान निफ्ट, भुवनेश्वर में "जंक टू जॉय" प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों की रचनात्मकता और प्रतिभा को प्रदर्शित करते हुए, कम करने, पुन: उपयोग करने और पुनर्चक्रण के सिद्धांतों को बढ़ावा देना और सभी उम्र के प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक साथ लाना था। प्रतिभागियों ने टेबल लैंप से लेकर कैंडल स्टैंड, गुलदस्ते, वॉल हैंगिंग आदि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की।

चेन्नई

निफ्ट चेन्नई, एक प्रमुख संस्थान और आईएसओ 9001:2015 द्वारा प्रमाणित संस्था है। इसकी शुरुआत 1995 में दो शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ हुई थी। सबसे पहले इस संस्थान का संचालन को-ऑप्टेक्स कॉम्प्लेक्स, एग्मोर में एक साधारण किराए के परिसर से होता था। 2001 में, यह संस्थान तारामणि नामक स्थान पर 4.5 एकड़ में फैले स्वयं के स्वामित्व वाले, अत्याधुनिक परिसर में स्थानांतरित हुआ और इस कदम ने विकास और प्रगति की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया।

इसके बढ़ते बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने के लिए, 2008 में एक एनेक्स बिल्डिंग को जोड़ा गया था। 2016 में, तमिलनाडु सरकार द्वारा आवंटित अतिरिक्त 3 एकड़ जमीन के साथ, एक गर्ल्स हॉस्टल और एक स्टूडेंट मल्टी एक्टिविटी सेंटर का निर्माण किया गया और तत्कालीन माननीय वस्त्र मंत्री, भारत सरकार, श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी द्वारा इसका उद्घाटन किया गया।

आउटलुक और इंडिया टुडे द्वारा निफ्ट चेन्नई को लगातार सर्वश्रेष्ठ फैशन संस्थानों में से एक स्थान दिया जाता रहा है। निफ्ट, चेन्नई वर्ष 2015 से लगातार भारत के शीर्ष 5 फैशन संस्थानों में चौथे स्थान पर है।

परिसर के प्रमुख स्थल और उपलब्धियाँ

- सह-प्राध्यापक डॉ. कौस्तव सेनगुप्ता ने 4-5 जुलाई, 2024 को आईटीसी ग्रैंड चोला, चेन्नई में आयोजित एशिया यंग डिज़ाइनर अवार्ड्स (एवाईडीए) के अंतर्राष्ट्रीय समापन समारोह में भाग लिया। यह निप्सिया समूह का एक प्रमुख कार्यक्रम है जो युवा आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर डिज़ाइनरों के लिए समर्पित है। उन्होंने पैनटोन के टेक्सटाइल सेमिनार में निफ्ट विज़नएक्सटी (VISIONXT) का प्रतिनिधित्व भी किया और 18 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में फैशन और रंग पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. एम. अरवेंदन, प्रोफेसर-एलडी, को 25 अक्टूबर, 2024 को भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री, चेन्नई में आयोजित परामर्श समूह की बैठक में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- प्रोफेसर डॉ. ए.एस. एम. अरावेंदन ने 12 नवंबर, 2024 को तमिलनाडु स्टार्टअप और इनोवेशन मिशन द्वारा आयोजित स्टार्टअप-सेइगा पुदुमई कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तमिलनाडु के माननीय उप मुख्यमंत्री माननीय थिरु उदयनिधि स्टालिन थे।
- एलडी विभाग ने जीएम-एचआर, मेसर्स भारतीय इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ एक सहयोगात्मक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- एफ एंड एलए (2019 बैच) की पूर्व छात्रा जो कि वर्तमान में जीआरटी ज्वैलर्स में डिजाइन विभाग की प्रमुख हैं, को दुनिया की सबसे भारी बालियों (3.528 किलोग्राम) की जोड़ी डिजाइन करने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया।
- सेमेस्टर VI की एफ एंड एलए छात्रा सुश्री एस. शामिनी ने इकोशेफ कैप के लिए पीजेएमटी (प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट) एनजीईसी (नेशनल ग्रीन अर्थ चैलेंज) प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्होंने ऑनलाइन जोनल राउंड में दक्षिण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और ₹25,000 का नकद पुरस्कार प्राप्त किया।
- सेमेस्टर VIII की एफएंडएलए छात्रा सुश्री अभिरूपा एस ने शाइन इटरनल के सहयोग से एपिटोम लक्स लैब्स द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित आभूषण डिजाइन प्रतियोगिता जीती और ₹25,000 का नकद पुरस्कार प्राप्त किया।

- सेमेस्टर VII की केडी छात्राएँ, सुश्री दीया हेगड़े और सुश्री अमेय पाटिल ने "कम्पैरिज़न ऑफ़ 100% एलोवेरा एंड 100% बैम्बु निटेड फ़ैब्रिक्स: एक्सप्लोरिंग देयर हाई-परफ़ॉर्मेन्स प्रॉपर्टीज़" शीर्षक से एक शोध लेख लिखा। सहायक प्राध्यापक सुश्री हबीबुनिसा के मार्गदर्शन में, इस शोध-सार को 17-18 दिसंबर, 2024 को मिडलसेक्स विश्वविद्यालय के दुबई परिसर में आयोजित होने वाले SEEDS 2024 सम्मेलन में प्रस्तुति की स्वीकृति मिली।
- निफ्ट चेन्नई के 30 साल पूरे होने के समारोह के एक हिस्से के रूप में, सीसी-एफपी और एफपी के स्वयंसेवकों ने 4-5 मार्च, 2025 को तिरुवल्लुवर ऑडिटोरियम में दीवार कला को पुनः चित्रित किया।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

- निफ्ट चेन्नई एक मुख्य भवन और एक एनेक्स से संचालित होता है, इसमे शैक्षणिक और प्रशासनिक दोनों कार्य होते हैं। परिसर में 28 कक्षाएँ, 7 कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ, 5 परिधान निर्माण प्रयोगशालाएँ, 7 पैटर्न निर्माण प्रयोगशालाएँ, 2 बुनाई प्रयोगशालाएँ, 2 परीक्षण प्रयोगशालाएँ और रंगाई प्रयोगशालाएँ शामिल हैं - जो डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी शिक्षा के लिए मज़बूत बुनियादी ढाँचा प्रदान करती हैं।
- संस्थान अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास प्रदान करता है। इसकी प्रमुख सुविधाओं में एक छात्र बहुउद्देशीय गतिविधि केंद्र (SMAC), इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएँ (बैडमिंटन, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटसल), जिम, साइकिलिंग ट्रैक, एटीएम, डाइनिंग हॉल (क्षमता: 330), सुसज्जित रसोईघर, सौर जल तापक, 22 किलोवाट पावर का रूफटॉप सौर संयंत्र, 50 किलोलीटर क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP), परिसर वाई-फाई, स्टेशनरी की दुकान, सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर, और चिकित्सा एवं परामर्श सेवाएँ सम्मिलित हैं।
- अतिरिक्त सुविधाओं में कैंटीन, कैफेटेरिया, जूस की दुकान, 750 सीटों वाला ऑडिटोरियम, 90 सीटों वाला मिनी-कॉन्फ्रेंस हॉल, मनोरंजन क्षेत्र, सीसीटीवी कवरेज और पूरे परिसर में वाई-फाई सुविधा शामिल हैं।
- प्रयोगशाला सुविधाओं को विश्व स्तरीय मानकों तक उन्नत करने के लिए, संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान एक नया 3डी प्रिंटर, नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन वाले 40 कंप्यूटर सिस्टम और लगभग ₹500 लाख मूल्य की विभिन्न मशीनें और उपकरण खरीदे।

अल्पकालिक कार्यक्रम

निफ्ट चेन्नई वर्तमान में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए दो डिप्लोमा कार्यक्रम प्रदान कर रहा है, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:

- फैशन फिट और स्टाइल में स्नातक डिप्लोमा (बैच 2024-26): 2-वर्षीय कार्यक्रम
- परिधान उत्पादन और मर्चेंडाइजिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (बैच 2024-25): 1 वर्षीय कार्यक्रम

प्रमुख परियोजनाएँ

निफ्ट चेन्नई विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं के माध्यम से उद्योग, सरकार और शिल्प क्षेत्रों में योगदान देता है जिससे समाज को लाभ पहुंचता है। वर्तमान में चल रही अन्य परियोजनाओं के अलावा, वर्ष के दौरान निम्नलिखित उल्लेखनीय परियोजनाएँ भी शुरू की गईं:

- मेसर्स ओपस फैशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित मेबेल ब्रांड के युवा परिधान व्यवसाय प्रशासकों के लिए कस्टमाइज़्ड मैनेजमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम (सीएमटीपी)।
- जनजातीय कल्याण परियोजना: तमिलनाडु सरकार के जनजातीय कल्याण विभाग द्वारा प्रायोजित, जनजातीय छात्रों के लिए फैशन जागरूकता पर अभिविन्यास कार्यक्रम। इस परियोजना का समन्वयन संसाधन केंद्र प्रमुख डॉ. एस. गोपालकृष्णन और सह-प्राध्यापक एवं संयुक्त निदेशक (प्रभारी) डॉ. डी. प्रवीण नागराजन ने किया।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

निफ्ट, चेन्नई के छात्रों को संकाय के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने अपनी सक्रिय भागीदारी से निफ्ट, चेन्नई का नाम रोशन किया है। उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियां नीचे सूचीबद्ध हैं:

- निफ़्ट चेन्नई के 21 अधिकारियों के साथ 259 छात्रों ने 14 से 17 फरवरी 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2025 के लिए आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।
- चेन्नई परिसर की सुश्री भुवना, एफडी, सेमेस्टर III, और उनकी टीम ने गोवा में आयोजित "फैशन और स्टाइलिंग के माध्यम से भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित लुक्स" (मोस्ट आइकॉनिक लुक्स ऑफ़ इंडियन सिनेमा थ्रु फ़ैशन एंड स्टाइलिंग) आईएफएफआई-निफ्ट स्टाइलिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्हें नवंबर 2024 में आयोजित होने वाले आखरी राउंड के लिए चुना गया।
- सुश्री निति श्री जे, डीएफटी सेमेस्टर VI (बीएफटी/22/849), ने 19.10.2025 को 'आइरिस फेस ऑफ चेन्नई' प्रतियोगिता में भाग लिया और 'मिस फिटनेस' का खिताब जीता। पहले चरण के ऑडिशन निफ्ट चेन्नई में हुए, उसके बाद दूसरे चरण के ऑडिशन, सेमीफाइनल, फिटनेस राउंड और फाइनल के दो राउंड हुए। वह सभी चरणों में आगे बढ़ीं और उन्हें मिस फिटनेस का खिताब और एक ट्रॉफी मिली।
- सुश्री राजी आरजे (एमएफएम/24/123) ने 14.01.2025 और 15.01.2025 के बीच राजगिरी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड एप्लाइड साइंसेज, कक्कनाड, कोच्चि, केरल द्वारा आयोजित वाणिज्य और आर्थिक अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सस्टेनेबिलिटी एंड वैल्यु ऐडिशन इन कॉयर पिथ मैन्युफैक्चरिंग: एन एंटरप्रिन्युरियल पर्सपेक्टिव" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

- निफ्ट चेन्नई के कुल 272 अंतिम वर्ष के छात्रों ने 242 उद्योग भागीदारों के सहयोग से अपनी स्नातक परियोजनाएं/डिज़ाइन

संग्रह पूरे किए। उनके कार्यों का मूल्यांकन एक प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया और सर्वश्रेष्ठ कार्यों को निफ्ट चेन्नई शो 2024 में प्रदर्शित किया गया।

- निफ्ट चेन्नई का 13वां दीक्षांत समारोह 25 जुलाई 2024 को परिसर सभागार में आयोजित किया गया। भारतीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति के निदेशक डॉ. के. एन. सत्यनारायण इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया और मेधावी छात्रों को डिग्री, स्वर्ण पदक, नकद पुरस्कार और योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए।

शिल्प क्लस्टर पहल - गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

- निफ्ट चेन्नई ने छात्रों को पारंपरिक शिल्प क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने और भारतीय कारीगरों का समर्थन करने हेतु शिल्प को अपने पाठ्यक्रम के एक मुख्य भाग के रूप में अपनाया है। दूसरे वर्ष से, छात्र शिल्प प्रदर्शन कार्यशालाओं में भाग लेते हैं, और उसके बाद तीसरे वर्ष में चुनिंदा शिल्पों, कारीगरों की जीवनशैली और बाज़ारों का अध्ययन करने के लिए क्लस्टर भ्रमण करते हैं। चौथे वर्ष में, छात्र वर्तमान रुझानों के अनुरूप नवीन डिज़ाइन विकसित करते हैं, जिन्हें बाद में बाज़ार में उपयोग के लिए शिल्प समूहों के साथ साझा किया जाता है। संस्थान नियमित रूप से कारीगर जागरूकता कार्यशालाओं का भी आयोजन करता है।
- अगस्त 2024 में, निफ्ट चेन्नई ने हथकरघा सप्ताह का आयोजन हथकरघा फैशन वॉक, शिल्प विरासत पर विशेषज्ञ वार्ता, वृत्तचित्र "पोरगई" का प्रदर्शन, शिल्प रीलों और वीडियो वाले सोशल मीडिया अभियान, और एक हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी-सह-बिक्री के साथ किया। खादी महोत्सव (2-31 अक्टूबर, 2024) में खादी फैशन वॉक, हस्त कताई कार्यशाला, गांधी और खादी पर वृत्तचित्र प्रदर्शन, खादी उत्पादों के स्टॉल और खादी के महत्व पर प्रकाश डालने वाले विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। 28 फरवरी, 2025 को, संस्थान ने पोक्किशम - शिल्प बाजार का आयोजन किया, जिसमें 18 शिल्प समूह शामिल थे और इसका उद्घाटन बुनकर सेवा केंद्र के दक्षिण क्षेत्र के निदेशक श्री सी. मुथुस्वामी ने किया।

पीएचडी कर रहे और पूर्ण कर चुके

निफ्ट चेन्नई में 53 अत्यंत प्रतिभाशाली संकाय सदस्य हैं, जिनमें अपेक्षित योग्यता और विशेषज्ञता है, और जो इस संस्थान की रीढ़ हैं। 53 संकाय सदस्यों में से 25 संकाय सदस्य पीएचडी पूरी कर चुके हैं, और 14 संकाय सदस्य वर्तमान में पीएचडी कर रहे हैं।

प्रकाशन और शोधपत्र प्रस्तुतियाँ

वर्ष 2024-2025 के दौरान निफ्ट, चेन्नई के संकाय द्वारा लगभग 32 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। उनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

- निफ़्ट चेन्नई परिसर की निदेशक प्रो. डॉ. दिव्या सत्यन ने "सस्टेनेबल फैशन एजुकेशन: एम्ब्रेसिंग डाइवर्सिटी एंड कम्युनिटी रिलेवेंस" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. डी. प्रवीण नागराजन, सह-प्राध्यापक और संयुक्त निदेशक (आई/सी) ने स्प्रिंगर बर्लिन हेडलबर्ग, अंक: 19753-19764 (अगस्त 2024) में "इफेक्ट ऑफ एल्कलाइज़ेशन ऑन फिज़िकल, केमिकल, थर्मल, टेन्सिल, एंड सर्फेस मॉर्फ़ोलॉजिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ. मूसा एक्यूमिनाटा पेडुन्कल्स फाइबर" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया।
- प्रो. डॉ. डी. सैमुअल वेस्ले ने "एआई एंड एलआईओटी (LOT) इन फ़ैशन एंड टेक्सटाइल्स - रिवोल्युशनाइज़िंग द फ़ैशन एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्री विद स्मार्ट टेक्नॉलोजीस" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. गीता रंजिनी, सह-प्राध्यापक ने 27-28 फरवरी 2025 को चेन्नई परिसर में IFFTI सम्मेलन में "अप्रोचेस टु टीच फ़ैशन डिज़ाइन: ए कम्पैरेटिव स्टडी बिटवीन द थ्री मेजर सब्जेक्ट्स लर्न्ड एंड देयर आउटकम्स" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक-एलडी ने के.एस. रंगासामी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तिरुचेंगोडे द्वारा 27 से 28 फरवरी 2025 तक आयोजित "रीसेंट ट्रेंड्स इन टेक्सटाइल एंड फ़ैशन ऑन 2025" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फ्रॉम हैशटैग टु वार्डरोब: हाओ सोशल मीडिया एंड एआई आर रीडिफाइनिंग यूथ फ़ैशन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक-एलडी ने 27/2/25 को कोयंबटूर के रथिनम कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस के स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स द्वारा आयोजित साहित्य, मीडिया और फैशन (एलआईएमएफए'25) के माध्यम से संस्कृति की अभिव्यक्ति पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए "ट्रांसफॉर्मिंग सेरीकल्चर वेस्ट : इनोवेटिव क्राफ्टिंग टेक्नीक्स फॉर सस्टेनेबल प्रोडक्ट डेवेलपमेंट" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. बीराका चलपथी, सह-प्राध्यापक ने 11.06.2024 को "एन एम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ द इफ़ेक्ट ऑफ द यूज़र बिहेवियर बेस्ड ऑन मार्केटिंग सस्टेनेबल फ़ैशन" और "निलेनियल कन्ज़्यूमर्स स्टैन्स टुवर्ड सस्टेनेबल फ़ैशन अपैरेल" शीर्षकों से शोध पत्र प्रकाशन प्रस्तुत किया (सलाद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी - सम्मेलन श्रृंखला। 2024; 3:883 और 885)।
- डॉ. के. अरुल, सह-प्राध्यापक ने एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन : थ्योरी एंड प्रैक्टिकल, 30(4), 8859–8867, अप्रैल 2024 में "एन इवैलुएटिव स्टडी ऑन चैलेंजेस इन क्वालिटी अश्योरेंस इन फ़ैशन डिज़ाइन कोर्सेस इन इंडिया" प्रकाशित किया।
- सुश्री हबीबुनिसा, सहायक प्राध्यापक, ने नैनो टेक्नोलॉजी परसेप्शन्स, अक्टूबर 2024 में "बायो-मॉर्डेंट्स रिवॉल्युशनाइज़ विद नैनोटेक्नोलॉजी फॉर नैचुरल डाइंग ऑफ टेक्सटाइल्स - एन ऐनालिटिकल रिव्यु" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सुश्री हबीबुनिसा, सहायक प्राध्यापक, ने ओपन जर्नल ऑफ कम्पोजिट मैटेरियल, नवंबर 2024 में 'इफेक्ट ऑफ नैनो-कोटिंग, नैनो-कंपोजिट्स, बायो-कंपोजिट्स टु डेवलप युवी प्रोटेक्टिव निट फैब्रिक्स: ए सिनर्जिस्टिक रिव्यु' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किए।
- 'युपीएफ असेसिंग ऑन डिफ्रेंट वेल्ट निट फैब्रिक स्ट्रक्चर्स - ए क्रिटिकल रिव्यु' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर), नवंबर 2024 में।

- सुश्री हबीबुनिसा, सहायक प्राध्यापक, ने 16 अप्रैल 2024 को इंटीग्रेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन विद एसडीजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईटीएस 2024) में 'जक्सटपोसिंग द अल्ट्रावायलेट प्रोटेक्शन फैक्टर ऑफ कम्प्यूटराइज़्ड फ्लैट निटेड बैम्बु एंड मॉडाल फैब्रिक्स' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक, एलडी, ने नैनोटेक्नोलॉजी परसेप्शन - आईएसएसएन 1660-6795, वॉल्यूम 20, अंक 5 (2024), पीपी. 545-553, स्कोपस इंडेक्स्ड में "रीवाइटलाइज़िंग कुरुम्बा पेन्टिंग विद स्क्रीन एंड ब्लॉक प्रिंटिंग" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक, एलडी, ने अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज - ईआईएसएसएन 2663-2187, खंड 6, अंक 15 (2024), पृष्ठ 3113-3132, स्कोपस इंडेक्स्ड में "अनवीलिंग द हिस्ट्री एंड सिम्बॉलिज़्म ऑफ लैन्गुइशिंग कुरुम्हा पेन्टिंग्स" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- प्रोफेसर डॉ. एम.के. गांधी ने पूर्व छात्र मयंक जैन के साथ मिलकर 05 अगस्त, 2024 को पुस्तक अनलॉकिंग द मेटावर्स एडवांटेज: हाउ फैशन ब्रांड्स कैन थ्राइव इन द डिजिटल फ्रंटियर प्रकाशित की (अध्ययन बुक्स, आईएसबीएन 978-93-5847-559-3)।
- डॉ. अमित कुमार अंजनी, सह-प्राध्यापक ने सितंबर 2024 में आईजेएसआरईएम (IJSREM) जर्नल में "गारमेंट निर्माण इकाइयों में त्वरित बदलाव के कार्यान्वयन" पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- प्रोफेसर डॉ. एम.के. गांधी ने 21 दिसंबर, 2024 को दूसरी पुस्तक नेविगेटिंग टर्बुलेंट स्काईज़: मास्टरिंग ईआरपी इम्प्लीमेंटेशन इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (अध्ययन बुक्स, आईएसबीएन 978-93-5847-303-2) प्रकाशित की।
- प्रोफेसर डॉ. एम. अरवेंदन ने कलकत्ता विश्वविद्यालय में 13.12.2024 से 15.12.2024 तक एर्गोनॉमिक्स और मानव कारक विषय पर आयोजित एचडब्ल्यूडब्ल्यूई 2024 सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए चयनित पत्रों का लेखन और सह-लेखन किया।
- श्री उदय राज, सहायक प्राध्यापक, और सुश्री हेमा युवराज, सहायक प्राध्यापक ने 19.03.2025 को पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर में परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएफटीएसएटी 2025) के लिए "रीडिफाइनिंग लक्जरी : द एमर्जेन्स ऑफ सस्टेनेबल प्रैक्टिसेस इन हाइ-एंड फ़ैशन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. जी. साई संगुराई, सह-प्राध्यापक ने 19 मार्च 2025 को आईसीएफटीएसएटी 2025, पीएसजी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयंबटूर में "रिव्यु ऑन वॉटरलेस डाइंग टेक्नीक्स : एयर डाई एंड सूपरक्रिटिकल कार्बन डाइऑक्साइड ($SOCO_2$) असिस्टेड डाइंग - एडवांटेजेस एंड ड्रॉबैक" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और 24 मार्च 2025 को आईसीआईटीटी'25, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में "इनफ़्लुएंस ऑफ़ स्ट्रेच लेवेल्स ऑन वेरियस निटेड स्ट्रक्चर्स ऑन देयर एयर परमिएबिलिटी" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. गीता रंजिनी, सह-प्राध्यापक और सुश्री हेमचलेश्वरी, सहायक प्राध्यापक, ने 24 मार्च 2025 को एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, एयूयूपी में आईसीआईटीटी'25 में "स्मार्ट फ़ैशन पॉशचर मॉनिटरिंग गार्मेंट (एसएफपीएमजी) फॉर जेनज़ी" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सुश्री हबीबुनिसा, सहायक प्राध्यापक, ने 19 मार्च 2025 को कोयंबटूर के पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस में आयोजित आईसीएफटीएसएटी 2025 में दो शोधपत्र प्रस्तुत किए: "ए स्टडी ऑन कन्ज़्यूमर प्रेफ़ेरेन्सेस टुवर्ड्स युवी प्रोटेक्टिव क्लोदिंग इन चेन्नई सिटी।" और "ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑन ईको-प्रिंटिंग टेक्नीक ऑन निट फैब्रिक" (केडी सेमेस्टर 8 की छात्रा सुश्री मृणालिका आर के साथ संयुक्त रूप से प्रस्तुत)। इस शोधपत्र को "सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र" का पुरस्कार दिया गया।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक - एलडी, ने 19/03/25 को आईसीएफटीएसएटी 2025 में "रीडिफाइनिंग लक्जरी : द एमर्जेन्स ऑफ सस्टेनेबल प्रैक्टिसेस इन हाई-एंड फ़ैशन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो सम्मेलन में प्रकाशित हुआ।
- डॉ. अमित कुमार अंजनी, सह-प्राध्यापक ने 18-20 फरवरी 2025 को मोनाश विश्वविद्यालय, कोलंबो, श्रीलंका में द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: परिधान उद्योग के लिए आधुनिक चुनौतियां और अवसर में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. ए. शशिरेखा, सह-प्राध्यापक ने लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल (2024) में "अवेलेबिलिटी ऑफ युवी-प्रोटेक्टिव क्लोदिंग इन चेन्नई मार्केट : एन इवैलुएशन स्टडी" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया। उन्होंने 19 मार्च, 2025 को आईसीएफटीएसएटी 2025 में "ए स्टडी ऑन द कन्ज़्युमर प्रेफेरेन्स टुवर्ड्स युवी प्रोटेक्टिव क्लोदिंग इन चेन्नई सिटी" का सह-लेखन और प्रस्तुतिकरण किया और "डेटा एनालिसिस यूज़िंग गूगल शीट्स एंड एआई टूल्स" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भी भाग लिया।
- श्री सतीश एस, सहायक प्राध्यापक ने 24 मार्च 2025 को एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, एयूयूपी में आईसीआईटीटी'25 में "जेन ज़ी इंगेटमेंट विद टेक्निकल टेक्सटाइल्स इन स्पोर्ट्सवियर: ए स्टेप टुवर्ड्स विकसित भारता" प्रकाशित किया, आईएसबीएन: 978-93-94086-78-4, पीपी. 45 - 49।
- श्री सतीश एस, सहायक प्राध्यापक ने 24 मार्च 2025 को एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, एयूयूपी, आईएसबीएन: 978-93-94086-78-4, पीपी. 149 में आईसीआईटीटी'25 में पोस्टर प्रस्तुति "इंटीग्रेटिंग वियरेबल टेक्नॉलजी विद ईको-फ्रेंडली मटीरियल" प्रस्तुत किया।
- श्री सतीश एस, सहायक प्राध्यापक ने 28 मार्च 2025 को रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश में शोध शिखर-विज्ञान पर्व 2025 में "द इन्फ़्लुएंस ऑफ़ सोशल मीडिया ऑन यूथ्स पर्सेप्शन ऑफ़ नेशन-बिल्डिंग एंड सस्टेनेबल डेवसपमेंट इन इंडिया" विषय पर प्रस्तुति दी।

- सुश्री सरदवती दत्ता, सहायक प्राध्यापक, ने 07/08/2024 को निफ्ट ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस फैशन वॉक प्रतियोगिता में भाग लिया और विजेता का स्थान प्राप्त किया।
- सहायक प्राध्यापक सुश्री सरदवती दत्ता ने विज़ननेक्स्ट की ट्रेंड बुक "प्राणा 2.0 एनविज़निंग इंडिया 25/26" में बुनाई और प्रिंट में टेक्सटाइल डिज़ाइनर के रूप में योगदान दिया था। विकसित टेक्सटाइल नमूनों को भारत टेक्स 2025 प्रदर्शनी हॉल में प्रदर्शित किया गया।
- सुश्री सरदवती दत्ता, सहायक प्राध्यापक ने श्री के कुमारगुरु, सहायक प्राध्यापक टीडी विभाग के साथ मिलकर 01.04.2025 को इरोड में द इंडियन पब्लिक स्कूल (टिप्स इंटरनेशनल स्कूल) के लिए निफ्ट के उत्साही कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला और विषय संकायों के साथ उनके वस्त्र पाठ्यक्रम पर चर्चा की।

संकाय विकास

संकायों ने विभिन्न निफ्ट केंद्रों के अन्य संकायों के लिए टीओटी का आयोजन किया। निफ्ट, चेन्नई के संकायों को सेमिनारों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वर्तमान आवश्यकता के अनुसार उनके ज्ञान को उन्नत करने के लिए उद्योग भ्रमण, उद्योग प्रशिक्षण, संकाय विकास कार्यक्रम और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- श्री एस. जयराज, सहायक प्राध्यापक, ने 03.06.2024 से 14.06.2024 के बीच और फिर 29.08.2024 को मेसर्स टीम यूनिक, चेन्नई में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट कार्यक्रम किया।
- श्री के. नंदकुमार, सहायक प्राध्यापक ने 24 जून से 30 जून 2024 तक एमिटी स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी, एमिटी विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश, ग्वालियर में आयोजित 'फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन रीसेंट डेवलपमेंट इन पेडागॉगी एन्हैन्समेंट फॉर अकैडमिक एक्सिलेन्स' में भाग लिया।
- चेन्नई परिसर की सहायक प्राध्यापक सुश्री हेमचलेश्वरी ने 17 जुलाई से 22 जुलाई 2024 तक एमिटी विश्वविद्यालय में 'सस्टेनेबल अप्रोचेस इन फैशन एंड टेक्सटाइल्स सिस्टम' पर आठ दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- श्री उदयराज, सहायक प्राध्यापक, ने 07/08/2024 को निफ्ट ऑडिटोरियम में हैंडलूम डे फैशन वॉक प्रतियोगिता में भाग लिया और विशेष पुरस्कार जीता।
- डॉ. कौस्तव सेनगुप्ता, सह-प्राध्यापक ने पैनटोन के टेक्सटाइल सेमिनार में निफ्ट विजन नेक्सट का प्रतिनिधित्व किया, उन्होंने 18 सितंबर 2024 को नई दिल्ली में फैशन और रंग के बारे में भाषण दिया।
- चेन्नई परिसर की सहायक प्राध्यापक सुश्री हेमचलेश्वरी ने एनपीटीईएल ऑनलाइन लघु-अवधि पाठ्यक्रम पूरा किया:
  I. वस्त्र उत्पाद डिजाइन और विकास,
  II. वेफ़्टी एवं वॉर्प निटिंग का विज्ञान और प्रौद्योगिकी, और
  III. अप्रैल 2024 में आईआईटी-मद्रास द्वारा आरामदायक कपड़ों का विज्ञान
- चेन्नई कैंपस के सह-प्राध्यापक और सीसी डॉ. जी. कृष्णराज ने 20 से 25 जनवरी, 2025 तक केसीजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा "लेटेस्ट इनोवेशन इन मेडिकल एंड हेल्थकेयर टेक्सटाइल्स" पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- चेन्नई परिसर की सहायक प्राध्यापक सुश्री हेमचलेश्वरी ने 24 से 28 फरवरी 2025 तक "प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स" पर कार्यकारी विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- सुश्री आर. विजयलक्ष्मी, सहायक प्राध्यापक-एलडी, ने 28 और 29 मार्च 2025 (शाम 6:00 बजे से 9:00 बजे तक) रिसर्च केयर, बेंगलुरु द्वारा आयोजित अनुसंधान के लिए ई-टूल्स पर 2-दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया।
- डॉ. ए. शशिरेखा, सह-प्राध्यापक ने "अंडरस्टैंडिंग इन्क्यूबेशन एंड आंत्रप्रन्योर्शिप" शीर्षक से एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।

प्रशिक्षण / विकास / टीओटी कार्यक्रम / सेमिनार / कार्यशालाओं (राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय) में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों की सूची

- डॉ. ए. शशिरेखा, सह-प्राध्यापक ने ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैटिस्टिकल सॉल्यूशंस द्वारा 06.01.2024 से 08.01.2024 तक आयोजित "रिसर्च मेथोडोलॉजी" पर एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- चेन्नई परिसर की सहायक प्राध्यापक सुश्री प्रतीपा राज ने 5 मार्च, 2024 से 8 मार्च, 2024 तक एनआईएफटी, चेन्नई में 25-30 प्रतिभागियों के 2 बैचों के लिए रेमंड मेटर की प्रशिक्षण कार्यशाला में "ट्रेंड्स एंड फिट फॉर मेन्स सूट्स" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- श्री के. नंदकुमार, सहायक प्राध्यापक ने 05 से 09 जून 2024 तक डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, पंजाब द्वारा आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम - फंक्शनल टेक्सटाइल: फंडामेंटल टू एडवांसमेंट्स (एफटीएफए 2024) में भाग लिया।
- डॉ. जी. साई संगुराई, सह-प्राध्यापक चेन्नई परिसर, ने डीएफटी, एनआईएफटी, चेन्नई परिसर द्वारा 01 जुलाई से 03 जुलाई, 2024 तक स्टिचलेस मशीन ट्रेनिंग पर टीओटी में भाग लिया।
- श्री एस. जयराज, सहायक प्राध्यापक, ने एनआईएफटी, नई दिल्ली में 03.07.2024 से 05.07.2024 तक "लक्जरी ब्रांड मैनेजमेंट" विषय के लिए टीओटी में भाग लिया।
- चेन्नई परिसर के सहायक प्राध्यापक श्री कुमारगुरु ने 26 से 30 अगस्त, 2024 तक चेन्नई परिसर में एडवांस्ड सीएडी (डॉबी एंड जैक्कुआर्ड) यूज़िंग पॉइंटकारे पर एक टीओटी में भाग लिया।
- चेन्नई परिसर की सहायक प्राध्यापक सुश्री दिव्या के.वी. ने 3 से 5 सितंबर, 2024 तक चेन्नई परिसर में दिल्ली हाट में पट्टचित्र चित्रकला, चमड़े की कठपुतली, मिट्टी के बर्तन बनाने, बेकार कपड़ों से गुड़िया बनाने पर शिल्प प्रदर्शन कार्यशालाओं में भाग लिया।
- चेन्नई परिसर की सहायक प्राध्यापक सुश्री दिव्या के वी ने 19 सितंबर, 2024 को निफ्ट द्वारा चेन्नई परिसर में कंस्ट्रक्टिंग 3डी कम्पोज़िशन्स एंड एआर एक्सपीरियंस ऑन आईपैड पर प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

- प्रोफेसर डॉ. एम.के. गांधी और डॉ. जी. कृष्णराज, सह-प्राध्यापक और सीसी, चेन्नई परिसर, ने 19 सितंबर, 2024 को चेन्नई परिसर में कंस्ट्रक्टिंग 3डी कम्पोज़िशन्स एंड एआर एक्सपीरियंस ऑन आईपैड पर व्यावसायिक विकास सत्र पर प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
- चेन्नई परिसर के सहायक प्राध्यापक श्री कुमारगुरु को 07 अक्टूबर, 2024 को करूर में कलर ट्रेंड्स एंड फोरकास्टिंग फॉर हेमटेक्स्टिल 2025 पर सेमिनार प्रस्तुत करने के लिए नामित किया गया।
- प्रोफेसर डॉ. एम.के. गांधी और डॉ. जी. कृष्णराज, सह-प्राध्यापक और सीसी, ने 14 से 18 अक्टूबर, 2024 तक एनआईएफटी मुंबई में 'इनोवेशन टूल बॉक्स' (अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षण) पर टीओटी में भाग लिया।
- प्रोफेसर डॉ. एम.के. गांधी ने 9 नवंबर, 2024 को चेन्नई परिसर में ड्रोन वर्कशॉप (इंट्रोडक्शन टु ड्रोन टेक्नॉलोजी, एसेम्बलिंग, एंड पाइलटिंग) पर सभी निफ्ट चेन्नई छात्रों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- सह-प्राध्यापक श्री श्रीधर अमांची ने 27 और 28 दिसंबर 2024 को परिसर में आयोजित परियोजना - ओरियंटेशन फॉर ट्राइबल स्टूडेंट ऑन फैशन अवेयरनेस के अभिविन्यास का समन्वय और सुविधा प्रदान की।
- डॉ. ए. शशिरेखा, सह-प्राध्यापक और श्री एस. जयराज, सहायक प्राध्यापक, ने 21.01.2025 को "क्रिएटिंग एंड ग्रोइंग ए लक्जरी ब्रांड (ए गाइड फॉर इंडियन डिज़ाइनर्स एंड ब्रांड्स)" पर एक ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया।
- सुश्री हबीबुनिसा, सहायक प्राध्यापक, ने 30.01.2025 को शिमा सेकी द्वारा आयोजित एक वेबिनार में ऑनलाइन भाग लिया, जिसका विषय था निटिंग फॉर सक्सेस - ए कॉम्प्रिहेंसिव गाइड फ्रॉम डिज़ाइन टु फाइनल प्रोडक्ट।
- प्रोफेसर डॉ. एम.के. गांधी, डॉ. जी. कृष्णराज, सह-प्राध्यापक और सुश्री सरदवती दत्ता, सहायक प्राध्यापक, चेन्नई परिसर ने 11 मार्च, 2025 को चेन्नई परिसर में MENRV.AI द्वारा प्रस्तुत और MENRV.A के संस्थापक और सीईओ डॉ. अंशुमान घोष द्वारा संचालित एआई टूल्स सीखने पर दो घंटे के ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया।
- सुश्री सुबाशिनी जे एस, सहायक प्राध्यापक, ने फरवरी 2025 के दौरान जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर द्वारा आयोजित वृद्धावस्था और आयु-संबंधी विकारों पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुति दी और भाग लिया।
- सुश्री सुबाशिनी जे एस, सहायक प्राध्यापक, ने स्ट्रैटेजीस एंड सल्यूशन्स इन अचीविंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स थ्रु होम साइंस पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जिसका आयोजन अविनाशीलिंगम स्कूल ऑफ होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर विमेन द्वारा एचएसएआई के साथ संयुक्त रूप से किया गया था।
- श्री के. नंदकुमार, सहायक प्राध्यापक ने भारतीय तकनीकी वस्त्र संघ, मुंबई द्वारा 24.02.2025 से 28.02.2025 तक आयोजित 'प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स' पर 5 दिवसीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठी और कार्यशालाएँ

निफ्ट चेन्नई अपने पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में नियमित रूप से उद्योग भ्रमण और संवाद आयोजित करता है। समग्र छात्र विकास के लिए शैक्षणिक वर्ष के दौरान लगभग 60 भ्रमण और 210 विशेषज्ञ व्याख्यान/कार्यशालाएँ/संवाद आयोजित किए गए। निफ्ट चेन्नई पूर्व छात्र सम्मेलन के माध्यम से पूर्व छात्र नियमित रूप से छात्रों के साथ संवाद करते हैं।

- सुश्री एन. दिव्या, सहायक प्राध्यापक, ने 08 और 10.04.2024 को सेमेस्टर IV के छात्रों के लिए 15 घंटे की "हेयर एंड मेकअप वर्कशॉप" आयोजित की।
- सुश्री दिव्या के वी, सहायक प्राध्यापक, ने 29.08.2024 को एफडी सेमेस्टर VII के छात्रों के लिए "फैशन इनोवेशन एंड फंक्शनल क्लोदिंग" के अंतर्गत मेसर्स थिरुकाझुकुंदराम सिडको में एक उद्योग भ्रमण का आयोजन किया।
- सुश्री हेमाचलैसरी, सहायक प्रोफेसर ने एडी सेमेस्टर - III, V और VII के छात्रों के लिए टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS), मुंबई के साथ एक वेबिनार का आयोजन किया।
- डीएफटी विभाग ने 26.11.2024 को अगली पीढ़ी के स्मार्ट वियरेबल्स को कवर करते हुए "स्मार्ट फाइबर फॉर एनर्जी हार्वेस्टिंग" पर डॉ. पांडियारसन वेलुस्वामी द्वारा एक विशेषज्ञ वार्ता की मेजबानी की।
- श्री ताई किम मिंग (टीम लीडर) और सुश्री अंजुआ तिवारी (उत्पाद विकास प्रमुख), ईसीसीओ ब्रांड, ने नवंबर 2024 में संकाय और छात्रों के साथ वार्ता की।
- श्री शंकर नारायणन, सह-प्राध्यापक ने सुश्री पल्लभी गुप्ता (इंडो इटैलियन चैंबर ऑफ कॉमर्स) को इटली में उच्च शिक्षा के अवसरों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया।
- श्री सतीश एस, सहायक प्राध्यापक ने 25.03.2025 को सेमेस्टर VI के छात्रों के लिए "इम्पोर्टेन्स ऑफ पोर्टफोलियो फ्रॉम एन इंडस्ट्री पर्सपेक्टिव" विषय पर एक ऑनलाइन पूर्व छात्र बातचीत का आयोजन किया।
- सुश्री एन. दिव्या ने सस्टेनेबल फैशन कम्युनिकेशन (संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम), रिफ्लेक्सिव रिसर्च (जेसिका सोएडिर्गो और आरी ग्लासडो), और विज़ियोएनएक्सटी इनसाइट्स द्वारा इंडियाएनएक्सटी मेगाट्रेंड्स पर वेबिनार में भाग लिया।

प्लेसमेंट 2024

09.05.2024 को कैंपस प्लेसमेंट आयोजित किया गया, जिसमें एवीएफ़आरएल (ABFRL), रिलायंस ब्रांड्स, अरविंद जैसी शीर्ष कंपनियों ने भाग लिया। अंतिम वर्ष के 272 छात्रों में से 147 ने पंजीकरण कराया, 39 को कैंपस में प्लेसमेंट मिला और 35 को कैंपस के बाहर ऑफर मिले। इसके अलावा, 23 को प्री-प्लेसमेंट ऑफर मिले, 11 ने उच्च शिक्षा लेना चुना और 6 ने उद्यम शुरू किए या पारिवारिक व्यवसाय में शामिल हुए। 95% समग्र प्लेसमेंट के साथ, इस बार निफ्ट चेन्नई के स्नातक बैच में उद्योग जगत में अपनी मजबूत पैठ प्रदर्शित की।

उद्योग संबंध

इस वर्ष निफ्ट चेन्नई को 168 उद्योगों ने इंटर्नशिप और परियोजना के अवसर प्रदान किए, जिनमें से कई स्नातक परियोजना छात्रों को प्री-प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुए।

इस वर्ष उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के लिए गतिविधियाँ - दोहरी डिग्री, एसईपी, इंटर्नशिप

हर साल, निफ्ट चेन्नई के कई छात्र दोहरे डिग्री कार्यक्रमों और सेमेस्टर एक्सचेंज कार्यक्रमों में भाग लेते हैं।

- एफडी से सुश्री सोनिका आर.आर. (BD/22/307) और सुश्री आर्य सतीश (BD/22/180); केडी से श्री दानिश समित अहमद (BD/22/एन3815) और सुश्री आकांक्षा बोरपुजारी (BD/22/927); एडी से सुश्री प्रेरणा रवि (BD/22/PN/6), सुश्री आर. सुकृति मीनाक्षी (BD/22/N4542), और सुश्री सेल्वाप्रियादर्शिनी एस.जे. (BD/22/6233) शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एफआईटी), न्यूयॉर्क में अपनी दोहरी डिग्री की पढ़ाई कर रहे हैं।
- चेन्नई के टीडी से सुश्री साक्षी भट्टर (BD/22/1027) ने इटली के पोलीटेकनिको डी मिलानो में सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया।
- केडी से सुश्री श्रेष्ठा राघवन अय्यर (BD/22/867) और बीएफटी, चेन्नई से सुश्री मोनिका आर (BFT/22/137) ने ईएनएसएआईटी, फ्रांस में एक सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया।
- एमएफएम, चेन्नई की सुश्री एस. थानुषा (MFM/24/154) ने रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया।
- चेन्नई की सुश्री डोरोथी जेयारोज़ (BD/22/707) ने क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया।

सस्टेनेबल पहलू और हरित परिसर गतिविधियाँ

निफ्ट चेन्नई को हरित परिसर के रूप में मान्यता प्राप्त है, इसका बुनियादी ढाँचा पर्यावरण के अनुकूल बनाया गया है, जिसमें जल पुनर्चक्रण के लिए एक सीवेज उपचार संयंत्र, सौर एलईडी स्ट्रीटलाइट और सौर जल हीटर शामिल हैं। यह परिसर अपशिष्ट मुक्त है, कक्षाओं के कचरे को पुनर्चक्रण के लिए भेजा जाता है, और यह परिसर अंदर और बाहर दोनों जगह हरा-भरा है।

संस्थान विभिन्न पहलों के माध्यम से स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाता करता है:

- एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 104 पौधे लगाए गए। माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री, श्री गिरिराज सिंह ने भी निफ्ट चेन्नई परिसर के अपने दौरे के दौरान इस पहल के तहत एक पौधा लगाया।
- टेराकोटा पॉट पेंटिंग जैसी पर्यावरण-सचेत गतिविधियाँ आयोजित की गईं और विभिन्न विभागों को पौधे उपहार स्वरूप दिए गए।
- अभिमुखीकरण किट में ताड़ के पत्ते और कपास से बनी कलाकृतियां प्रदर्शित की गयीं, तथा इसके द्वारा स्थानीय कारीगरों और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा दिया गया।
- रचनात्मक कार्यशालाओं और स्पेक्ट्रम 2025 में पुनः प्रयोजन कला और स्थापनाओं के लिए विशेष रूप से टिकाऊ और पुनर्चक्रित सामग्रियों का उपयोग किया गया।
- क्रिएटर कैम्प ने हस्तनिर्मित टिकाऊ उत्पादों के माध्यम से छात्र उद्यमिता को प्रोत्साहित किया।
- डर्बी के साथ सहयोग के फलस्वरूप अस्वीकृत डेनिम को कलाकृतियों में परिवर्तित कर उनको खुदरा दुकानों में प्रदर्शित किया जाने लगा।

रचनात्मकता को प्रेम और सहानुभूति के साथ मिलाकर, निफ्ट चेन्नई फैशन शिक्षा में सस्टेनेबिलीटी के क्षेत्र में अग्रणी बना हुआ है।

दमन

परिसर के प्रमुख स्थल और उपलब्धियाँ

- भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने निफ्ट दमन के निकटस्थ सरकारी इंजीनियरिंग परिसर का दौरा किया, जहां निफ्ट दमन के छात्रों को भारत की माननीया राष्ट्रपति महोदया से संवाद करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सिलवासा यात्रा के अवसर पर निफ्ट के छात्रों ने भव्य नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र का गोंधल, गुजरात का गरबा, पंजाब का भांगड़ा तथा पश्चिम बंगाल की धुनुची जैसे विविध लोकनृत्यों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया। माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने छात्रों की रचनात्मकता तथा भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहित करने में संस्थान की भूमिका की सराहना की।
- दमन की पहली गो-कार्टिंग राइड के उद्घाटन के अवसर पर पधारे केंद्रीय पर्यटन मंत्री माननीय श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी का स्वागत निफ्ट के छात्रों द्वारा तैयार पारंपरिक टाई-डाई शॉल से किया गया।
- परिसर ने भारत के चुनाव आयोग के साथ मिलकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें नाटकों और प्रश्नोत्तरी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से चुनावों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया।
- परिसर में चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका समापन प्रथम हिंदी न्यूज़लेटर 'फैशन फॉरवर्ड' के विमोचन के साथ हुआ।
- परिसर ने अपने तीसरे शैक्षणिक सत्र के आरंभ में नवप्रवेशित छात्रों के लिए अभिप्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के शिक्षा सचिव, आईएएस डॉ. टी. अरुण द्वारा किया गया।
- परिसर में टेक्सटाइल डिजाइन और फैशन मैनेजमेंट के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत "टेक्सटाइल टॉक एंड इंडस्ट्री इनसाइट्स" शीर्षक के अंतर्गत एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।
- सुश्री कोराडा पूजा और श्री आकाश सूर्यवंशी (टीडी) को जनवरी-जून 2025 (छठे सेमेस्टर) के लिए नीदरलैंड के सैक्सियन विश्वविद्यालय में सेमेस्टर एक्सचेंज के लिए चुना गया।
- निफ्ट दमन ने 22 जनवरी, 2025 को अपना स्थापना दिवस मनाया, जो संस्थान की प्रगति में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन तटरक्षक वायु स्टेशन के डीआईजी श्री अभिषेक सक्सेना ने किया और वे निफ्ट दमन के आधिकारिक उद्घाटन में भी सम्मिलित रहे।

संरचना एवं सुविधायें

संपूर्ण परिसर को आंतरिक और बाह्य रूप से ऑनलाइन माध्यम से देखने की सुविधा प्रदान करने के लिए एक वर्चुअल 360° टूर/ कैंपस वर्चुअल टूर विकसित किया गया है, जो निफ्ट दमन की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

- पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाकर सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। छात्रों को लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावासों में आरामदायक आवास की सुविधा उपलब्ध है।
- परिसर की अवसंरचना में एक आधुनिक डिजिटल पुस्तकालय, पूरी तरह से वाई-फाई की सुविधा युक्त परिसर और विशेष लैब जैसे कि सर्फेस डिजाइन लैब, बुनाई लैब, टेक्सटाइल टेस्टिंग लैब, सिलाई मशीन लैब, पैटर्न मेकिंग लैब, प्रोफेशनल डॉबी रग लूम विशिष्ट फोटोग्राफी लैब शामिल हैं।

प्रमुख शोध एवं प्रकाशन

2024-25 में संकायों द्वारा प्रकाशित किए गए शोध लेख

- कुशवाहा, आर. (2024). कक्षा में छात्रों का अधिगम दृष्टिकोण: एक व्यापक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज, 5(6), 270-274. आईएसएसएन 2582-7421.
- कुशवाहा, ईटी एएल. (2024): फैशन पाठ्यक्रम के छात्रों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभावों का विश्लेषण (निफ्ट दमन के संदर्भ में)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टी.शुभांगी दास, इशिता तिवारीटेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट, 8(12), 162-170. आईएसएसएन 2456-9348.
- कुशवाहा, ईटी एएल. (2024). कॉलेज के छात्रों में स्व व्यक्तित्व और आत्म-सम्मान पर सोशल मीडिया का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट, 8(12), 151-161. आईएसएसएन 2456-9348.
- कुशवाहा, ईटी एएल. (2024): रील्स से रियल तक: फैशन कॉलेज के छात्रों पर मनोरंजन मीडिया का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट, 8(12), 140-150. आईएसएसएन 2456-9348.
- कुशवाहा, ईटी एएल. (2024): फास्ट फैशन से लेकर री-कॉमर्स तक, निफ्ट दमन के छात्रों पर रीसेल प्लेटफॉर्म का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट, 8(12), 99-111. आईएसएसएन 2456-9348.
- कुशवाहा, ईटी एएल. (2024): उपभोक्ता धारणा को आकार देने और कॉलेज के छात्रों पर बिक्री बढ़ाने में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग की भूमिका [निफ्ट के संदर्भ में]। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट, 8(12), 75-84. आईएसएसएन 2456-9348.
- कुशवाहा, ईटी एएल. (2024): फैशन-टू-फैशन के छात्रों में सेलिब्रिटी द्वारा समर्थन की भूमिका (निफ्ट दमन के संदर्भ में)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट, 8(12), 63-74. आईएसएसएन 2456-9348.
- कुशवाहा, ईटी एएल. (2024): निफ्ट दमन के फैशन अध्यानार्थी छात्रों के खरीद निर्णयों पर दृश्य बिक्री के प्रभाव का विश्लेषण इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट, 8(12), 85-98. आईएसएसएन 2456-9348.
- कुशवाहा, आर. (2024): कक्षा में छात्रों का अधिगम दृष्टिकोण: एक व्यापक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज, 5(6), 270-274. आईएसएसएन 2582-7421.
- कुशवाहा, आर. (2024): कक्षा में छात्रों का अधिगम दृष्टिकोण: एक व्यापक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज, 5(5), 3543-3546. आईएसएसएन 2582-7421.
- कुशवाहा, आर. (2024): स्कूलों में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में मीडिया और उसकी भूमिका। आलोचना जर्नल, 13(5), 181-188. आईएसएसएन 2231-6329.
- कुशवाहा, आर. (2024): फैशन शिक्षा की शिक्षण प्रक्रिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इसकी भूमिका। इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी और विज्ञान में आधुनिकीकरण का अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल, 5(6), 2536-2541. आईएसएसएन 2582-5208.
- कुशवाहा, आर. (2025): हेमंत और नंदिता के डिजाइन सौंदर्य सिद्धांत पर वैश्विक फैशन का प्रभाव। फाइबर2फैशन, ऑनलाइन।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

छात्र का नाम	आयोजन	टिप्पणी
विवेक ओबेरॉय	निफ्ट पंचकूला में अखिल भारतीय खेल एवं कला महोत्सव में भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।	रजत पदक
शुभांगी दास	महात्मा ज्योति राव फुले विश्वविद्यालय (एमजेआरपी) द्वारा फैशन पैशन 2025 का आयोजन किया गया।	विजेता
सुश्री लीना जैन	निफ्ट द्वारा राष्ट्रीय फैशन प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।	द्वितीय पुरस्कार
सुश्री नेत्रा अल्मौला	राष्ट्रीय फैशन प्रश्नोत्तरी ।	द्वितीय पुरस्कार

ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स एंड ग्रेजुएशन इवेंट्स

- शैक्षणिक सत्र 2023-24 के मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट के प्रथम बैच का दीक्षांत समारोह निफ्ट मुंबई में संपन्न हुआ, जिसमें 29 छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की गईं।
- मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट (एम.एफ.एम) के प्रथम स्नातक बैच को 28 मई को आयोजित "बॉटम लाइन 2024" विदाई समारोह में सम्मानित किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथियों और उद्योग जगत के प्रमुखों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शिल्प समूह पहल: गतिविधियाँ, कार्यशालाएं एवं प्रभाव

- टेक्सटाइल डिज़ाइन के छात्रों (बैच 2022–26) ने 18 जून को क्राफ्ट क्लस्टर पहल के अंतर्गत अहमदाबाद के वडाज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक शिल्प के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की।
- श्री संदीप सिंह द्वारा, वस्त्र डिज़ाइन (टीडी) द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए एक व्यावहारिक रंगाई कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न वस्त्र रंगाई तकनीकों, जैसे टाई-डाई, रेजिस्ट डाईंग, प्राकृतिक रंग तैयार करना और रंग सम्मिश्रण, की प्रक्रिया को समझाया गया।
- छात्रों के औद्योगिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए दो विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। श्री डी. के. शुक्ला ने फैशन उद्योग में "आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया, जिसमें रसद और खरीद रणनीतियों पर चर्चा की गई। सुश्री चंद्रिमा चटर्जी (महासचिव, सीआईटीआई) ने "फैशन के लिए वस्त्र उपभोक्ता अपशिष्ट" विषय पर एक सत्र आयोजित हुआ, जिसमें सर्कुलर फैशन, अपसाइक्लिंग और वस्त्रों में स्थिरता के महत्व को समझाया गया।
- राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर मुकेश मीनाकर द्वारा 1 अगस्त, 2024 को फारसी एनामेलिंग कार्यशाला संचालित की

गई। इस कार्यशाला में छात्रों को फारसी एनामेलिंग की जटिल कला की गहनता को समझने, पारंपरिक शिल्प तकनीकों के बारे में उनके ज्ञान को समृद्ध करने और उनके डिजाइनों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

- 11 अगस्त 2024 को प्रख्यात शिल्प गुरु बादशा मियाँ द्वारा जरदोजी शिल्प क्लस्टर अन्वेषण का आयोजन किया गया। इस सत्र में छात्रों को जरदोजी कढ़ाई तकनीक के ऐतिहासिक महत्त्व और समकालीन फैशन में इसके व्यावहारिक उपयोगों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कुशल कारीगरों के साथ संवाद और प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से छात्रों ने कढ़ाई के इस भव्य रूप की अमूल्य समझ प्राप्त की।

पूर्व छात्रों, उद्योग विशेषज्ञों और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठी, कार्यशालाएं तथा विशेषज्ञ व्याख्यान

- शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान कारीगरों के कौशल और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिसर में कई कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में छात्र व्यावहारिक अनुभव से लाभान्वित हुए और समकालीन फैशन में पारंपरिक शिल्प की भूमिका की भी प्राप्त की।
- 22 अक्टूबर, 2024 को खादी महोत्सव के अंतर्गत, शिल्प गुरु बादशा मियां द्वारा एक टाई-डाई कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 15 अप्रैल 2024 को एमएफएम और टेक्सटाइल डिजाइन के छात्रों ने वस्त्र उत्पादन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए सतलुज इंडस्ट्रीज का दौरा किया।
- भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), गांधीनगर के सहयोग से परिसर में 6 फरवरी को उद्यमिता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्रमुख उद्योग संपर्क / उद्योग संबद्ध

- वस्त्र डिजाइन के छठे सेमेस्टर के छात्रों ने तंतु (फैब्रिक) गुणवत्ता आश्वासन में अपने पाठ्यक्रम के तहत मंत्रा, सूरत का औद्योगिक दौरा किया, जहां उन्हें वस्त्र क्षेत्र में उन्नत परीक्षण विधियों और गुणवत्ता मूल्यांकन प्रोटोकॉल के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।
- छात्रों ने दमण स्थित जेकेटी इंडस्ट्री का दौरा किया, जहाँ उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण और वस्त्र निरीक्षण में तात्कालिक औद्योगिक प्रक्रियाओं का अवलोकन किया।
- टेक्सटाइल डिजाइन चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों ने टेक्सटाइल प्रोसेसिंग 1 विषय के अंतर्गत खाटू श्याम इंडस्ट्रीज का दौरा किया, जहां उन्होंने उत्पादन सुविधा के भीतर रंगाई, परिष्करण और फैब्रिक उपचार संचालन सहित मुख्य प्रसंस्करण तकनीकों की खोज की।
- सुश्री शिवांगी पाटनकर द्वारा टेक्सटाइल डिजाइन और फैशन प्रबंधन के छात्रों के लिए डिजिटल मार्केटिंग पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया, जिसमें फैशन और वस्त्र उद्योग में डिजिटल ब्रांडिंग, उपभोक्ता जुड़ाव और विपणन विश्लेषण के लिए रणनीतिक उपकरणों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सतत विकास पहल और हरित परिसर गतिविधियाँ

- निफ्ट दमन परिसर, सरकारी इंजीनियरिंग परिसर से सटे हरे-भरे वातावरण में स्थित है। परिसर में लगभग 150 गमलेदार पौधे रखे गए हैं, जो एक हरे-भरे और पर्यावरण-अनुकूल वातावरण में योगदान करते हैं।
- सभी एयर कंडीशनरों की नियमित रूप से सर्विसिंग की जाती है तथा ऊर्जा दक्षता और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए उनका संचालन पर्याप्त तापमान पर किया जाता है।
- अपनी हरित पहल के अंतर्गत, परिसर में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान आयोजित किया गया, जिसके दौरान पर्यावरणीय जिम्मेदारी और स्थिरता की भावना का सम्मान करने के लिए परिसर में लगभग 20 पौधे लगाए गए।
- निफ्ट दमन का प्रदूषण मुक्त परिसर एक स्वच्छ, सतत वातावरण को बढ़ावा देता है।

गांधीनगर

महत्वपूर्ण कार्य एवं उपलब्धियाँ

FABEXA मेला 2024 - पैनल चर्चा I - मस्कटी क्लॉथ मार्केट एसोसिएशन द्वारा आयोजित FABEXA मेला 2024 का 9वां संस्करण, 21 से 24 मई 2024 तक हॉल नंबर 6, हेलीपैड प्रदर्शनी ग्राउंड, गांधीनगर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल द्वारा किया गया तथा इस मेले में वस्त्र उद्योग के हितधारक एक साथ आए और वस्त्र और प्रौद्योगिकी में नवाचारों को आपस में सांझा किया। उक्त कार्यक्रम 21 मई 2024 को शाम 4:00 बजे से 5:00 बजे तक आयोजित किया गया तथा इस कार्यक्रम में निफ़्ट गांधीनगर ने अपने अनुभव एवं ज्ञान को एक सहयोगी के रूप साँझा करते हुए भागीदारी सुनिश्चित की। "सरकारी नीतियां और कौशल विकास (नव भारत @2047: कौशल विकास और नीति निर्माण)" पर एक पैनल चर्चा में बतौर मेजबान अपनी भूमिका निभाई। उक्त पैनल चर्चा में सरकारी योजनाओं, नीतियों और वस्त्र और परिधान उद्योग को आगे बढ़ाने में कौशल विकास की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो आर्थिक और सामाजिक विकास को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है, प्रो. (डॉ.) समीर सूद – निदेशक, निफ्ट गांधीनगर; डॉ. विजय यादव – सीईओ, एएमएचएसएससी; सुश्री स्वप्ना मिश्रा – सीओओ एवं कार्यवाहक सीईओ, टेक्सटाइल सेक्टर स्किल काउंसिल; श्री राहुल शाह – एमडी, एलबी डेनिम; श्री मुंजाल दवे – सहायक उद्योग आयुक्त, गुजरात सरकार आदि के पैनल ने उद्योग की ज़रूरतों के अनुरूप नीति बनाने और “विकसित भारत @2047” के लिए कार्यबल को सशक्त बनाने पर बहुमूल्य जानकारी दी।

फैबेक्सा मेला 2024 - पैनल चर्चा II - 23 मई 2024 को, निफ्ट गांधीनगर के हॉल संख्या 6, हेलीपैड प्रदर्शनी मैदान, गांधीनगर में फैबेक्सा मेला 2024 में "तकनीकी वस्त्र और नवीन सामग्री" विषय पर पैनल चर्चा II का आयोजन किया। इस सत्र में तकनीकी वस्त्रों में विस्तार, टिकाऊ नीतियाँ और परिधान निर्माण एवं उत्पाद विभेदीकरण में नवीन सामग्रियों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। विशेषज्ञों ने वस्त्र उद्योग में बदलाव लाने में सामग्री विज्ञान के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। इस चर्चा में पैनल के सदस्यों के रूप में एनटीटीएम, वस्त्र मंत्रालय, अरविंद प्राइवेट लिमिटेड, वेलस्पन प्राइवेट लिमिटेड और निफ्ट गांधीनगर के विशेषज्ञ की भागीदारी रही।

अहमदाबाद फैशन वीक'24 - निफ्ट गांधीनगर ने 7 जून 2024 को हयात रीजेंसी, अहमदाबाद में आयोजित अहमदाबाद फैशन वीक में भाग लिया जिसमें "स्थायित्व - पर्यावरण और मानव कल्याण पर एक समग्र दृष्टिकोण" विषय पर एक संग्रह प्रस्तुत किया। वैष्णवी, चैतन्य कोहली, गौरी मीना, कशिश पटेल, सानिका परब, श्रेया तिड़के और सृष्टि पाटिल सहित छात्राओं के नेतृत्व में, इस शोकेस में सचेत उपभोग, पारिस्थितिक संतुलन और फास्ट फैशन के प्रभाव के जवाब में संसाधनों को जिम्मेदारी के साथ उपयोग की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया।

पुरस्कार

- निफ्ट गांधीनगर ने 17 जुलाई, 2024 को ज्वेलरी डिज़ाइनर्स काउंसिल (जेडीसी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में "एक्सेसरी और ज्वेलरी डिज़ाइनिंग के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान" का पुरस्कार प्राप्त किया। यह पुरस्कार डिज़ाइनर ऑफ़ इंडिया पुरस्कार समारोह के दौरान प्रदान किया गया, जो असाधारण डिज़ाइन प्रतिभाओं का सम्मान करने वाला एक उल्लेखनीय कार्यक्रम है। यह पुरस्कार निफ्ट गांधीनगर द्वारा निर्मित नवोन्मेषी और उच्च-गुणवत्ता वाले कार्यों को उजागर करता है और एक्सेसरी और ज्वेलरी डिज़ाइन में एक अग्रणी संस्थान के रूप में इसकी प्रतिष्ठा को दर्शाता है तथा डिज़ाइन समुदाय में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और प्रतिभाओं को प्रेरित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

- टेक्सटाइल सस्टेनेबिलिटी अवार्ड: टेक्सटाइल वैल्यू चेन में स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में निफ्ट गांधीनगर द्वारा किए गए सराहनीय कार्य को देखते हुए, निफ्ट गांधीनगर परिसर को भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) द्वारा टेक्सटाइल सस्टेनेबिलिटी अवार्ड्स 2025 के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार 17.02.2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में भारत टेक्स 2025 के दौरान प्राप्त किया गया था।/

खादी महोत्सव 2024

- निफ़्ट गांधीनगर के द्वारा केवीआईसी, अहमदाबाद के सहयोग से खादी महोत्सव 2024 में भागीदारी निभाते हुए 10 अक्टूबर 2024 को हस्त कताई कार्यशाला आयोजित की गई।
- 17 अक्टूबर 2024 को, निफ्ट गांधीनगर ने "स्थायी फैशन में खादी की भूमिका" विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया, जिसमें पर्यावरण के अनुकूल कपड़ों और फैशन उद्योग में स्थिरता में इसके योगदान पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिष्ठित पैनलिस्टों में श्री ललित नारायण संधू, आईएएस, एमडी, जीएसएचएचडीसी; प्रो. डॉ. समीर सूद, निदेशक, निफ्ट गांधीनगर; सुश्री जय काकानी, डिज़ाइन शिक्षक और कला क्यूरेटर शामिल थे। चर्चा में खादी के सांस्कृतिक महत्व, स्थायी ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में इसकी भूमिका और डिज़ाइन, ब्रांडिंग और सुलभता के माध्यम से इसके आकर्षण को बढ़ाने की आवश्यकता पर चर्चा की गई। पैनलिस्टों ने वैश्विक फैशन उद्योग में खादी की क्षमता पर ज़ोर दिया और इसे एक बहुमुखी और टिकाऊ कपड़े के रूप में बढ़ावा देने के लिए उपभोक्ताओं, डिजाइनरों, सरकार और निर्माताओं द्वारा सामूहिक प्रयास का आह्वान किया।

25 नवंबर 2024 को पैनल चर्चा - 25 नवंबर 2024 को निफ्ट गांधीनगर परिसर में "थ्रेडिंग टुमॉरो: ट्रांसफॉर्मेशन इन द अपैरल सेक्टर" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। पैनल चर्चा के लिए राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों में डॉ. राजेश भेड़ा, एमडी आरबीसी; श्री मृदुल दास, एमडी स्पोर्ट्सकिन; सुश्री मनीषा शर्मा, निदेशक आरबीसी शामिल थे।

6 मार्च 2025 को पैनल चर्चा - 6 मार्च 2025 को निफ्ट गांधीनगर परिसर में "स्वर्णिम भारत विकास और विरासत" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। पैनल चर्चा के विशेषज्ञों में ट्राइफेड के अध्यक्ष, जनजातीय मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी कश्री रामसिंह राठवा,डॉ. संजय जोशी, आईएएस, कार्यकारी निदेशक, INDEXT-C; प्रोफेसर डॉ. शांताकुमार, निदेशक, जीएनएलयू; प्रोफेसर डॉ. अशोक मंडल, निदेशक, एनआईडी अहमदाबाद; श्री रमन दत्ता, संस्थापक सदस्य एवं जनरल सेक्रेटरी, बीएसएल आदि शामिल थे।

निफ्ट प्रवेश आउटरीच - गुजरात राज्य के विभिन्न जिलों में निफ्ट प्रवेश आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित की गईं। निफ्ट प्रवेश 2025 के प्रचार-प्रसार के लिए संकाय सदस्यों को प्रोत्साहित किया गया, जिसके अंतर्गत परिसर और विभिन्न विद्यालयों में विभिन्न ओपन हाउस सत्र आयोजित किए गए। कुल मिलाकर, कैंपस ओपन हाउस, वेबिनार आदि के माध्यम से 8760 छात्रों तक पहुँचा।

प्रवेश आउटरीच गतिविधियों के लिए ओपन हाउस सत्र:

- 12 अप्रैल, 2024 को शांति एशियाटिक स्कूल, अहमदाबाद में ओपन हाउस सत्र रखा गया, जिसमें छात्र और संकाय सदस्यों के बीच बातचीत वार्ता हुई।
- 5 जुलाई, 2024 को ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल, अहमदाबाद में निफ्ट में डिज़ाइन शिक्षा और करियर संभावनाओं पर ओपन हाउस सत्र आयोजित किया गया।
- 23 अगस्त 2024 को सिंधिया कन्या विद्यालय (एसकेवी), ग्वालियर की छात्राओं के लिए निफ्ट में प्रवेश के बारे में ओपन हाउस सत्र आयोजित किया गया। छात्राओं को पीपीटी के माध्यम से निफ्ट के विभिन्न पाठ्यक्रमों और करियर के बारे में जानकारी दी गई और परिसर भ्रमण की सुविधा प्रदान की गई।
- 25 अक्टूबर 2024 को निफ्ट परिसर में ओपन हाउस सत्र रखा गया।
- 25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2024 तक सूरत, सिलवासा और दमन में ओपन हाउस सत्र रखा गया।
- प्रवेश हेतु आउटरीच कार्यक्रम 15.10.2024 को वडनगर, 16.10.2024 को आईटीआई गांधीनगर, 24.10.2024 को सूरत और 25.10.2024 को वापी में आयोजित किया गया ।
- कोटा, राजस्थान से डिज़ाइन के इच्छुक उम्मीदवारों के एक समूह के लिए 22 नवंबर 2024 को ओपन हाउस सत्र आयोजित किया गया ।
- 26 नवंबर 2024 को रिवरसाइड स्कूल अहमदाबाद द्वारा राष्ट्रीय महाविद्यालय मेले में प्रवेश 2025 के लिए प्रचार गतिविधियाँ आयोजित की गई।
- प्रवेश 2025 के लिए आउटरीच पहल के एक भाग के रूप में 10 दिसंबर, 2024 को अमरज्योति सरस्वती विद्यालय (सिल्वर बेल स्कूल), भावनगर का दौरा किया।
- प्रवेश 2025 कार्यक्रम के लिए आउटरीच पहल के एक भाग के रूप में 10 दिसंबर, 2024 को प्रधानमंत्री श्री केंद्रीय विद्यालय, भावनगर का दौरा किया।
- प्रवेश 2025 कार्यक्रम के लिए आउटरीच पहल के एक भाग के रूप में 13 दिसंबर, 2024 को गुजरात के दाहोद जिले का दौरा किया।
- प्रवेश 2025 कार्यक्रम के लिए आउटरीच पहल के एक भाग के रूप में 18 दिसंबर, 2024 को गुजरात के दाहोद जिले का दौरा किया।

निफ्ट गांधीनगर ने नई पहल शुरू करते हुए अपने क्षेत्र के बाहर छात्रों के लिए वेबिनार आयोजित किए। दोहा और कतर के स्कूलों ने भी इन वेबिनारों में भाग लिया। आयोजित वेबिनारों का विवरण निम्नलिखित है।

क्रमांक	वेबिनार की तिथियां	भाग लेने वाले छात्रों की संख्या
1	04.10.2024	लगभग. 400 छात्र
2	18.10.2024	लगभग. 500 छात्र
3	08.11.2024	लगभग. 400 छात्र
4	22.11.2024	लगभग. 400 छात्र
5	06.12.2024	लगभग. 1000+ छात्र
6	20.12.2024	लगभग. 300 छात्र
7	27.12.2024	लगभग. 225 छात्र
	कुल	**3225+ छात्र**

बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और छात्रों के शोध एवं अन्वेषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, परिसर के शैक्षणिक बुनियादी ढाँचे का निम्नलिखित उन्नयन किया गया है, जिसमें नवीनतम अत्याधुनिक उपकरणों से लैस प्रयोगशालाएँ और कक्षाएँ शामिल हैं।

- फैशन डिज़ाइन प्रयोगशाला में मशीनरी का उन्नयन
- कक्षा और प्रयोगशालाओं के फ़र्नीचर का उन्नयन।
- कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के लिए आईटी उपकरणों का उन्नयन।
- परिसर के शौचालयों का नवीनीकरण
- एफ़डी, एफ़एंडएलए, एमडेस विभागों के संकाय के बैठने की जगह का नवीनीकरण।
- छात्रों के लिए कैफ़ेटेरिया का विकास
- परिसर में निफ्ट लोगो(LOGO) का प्रतिस्थापन
- परिसर में कॉन्सर्टिना फ़ेंसिंग तार
- कैफ़ेटेरिया और परिसर में पेवर ब्लॉक की स्थापना
- छात्रों और आगंतुकों के लिए यादें संजोने और परिसर जीवन का जश्न मनाने के लिए सेल्फी कॉर्नर बनाए गए हैं।
- परिसर के प्रवेश द्वार पर एक सेल्फी कॉर्नर स्थापित किया गया है, जिसे पारंपरिक मिट्टी के काम - गुजरात की एक उत्कृष्ट कला - का उपयोग करके खूबसूरती से तैयार किया गया है।

प्रमुख परियोजनाएँ

निफ्ट गांधीनगर विभिन्न उद्योगों और सरकारी संगठनों के सहयोग एवं परामर्श से विभिन्न परामर्श परियोजनाएँ चला रहा है ।कुल 23 चालू परियोजनाओं में से, 12 परियोजनाएँ वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पूरी तरह से पूरी हो गईं। संस्थान ने ₹14.80 लाख का शुद्ध परियोजना अधिशेष अर्जित किया, जो प्रभावी परियोजना निष्पादन और वित्तीय प्रबंधन को दर्शाता है। इन परामर्श पहलों ने निफ्ट के उद्योग संपर्क को मजबूत किया है और व्यावहारिक, प्रभावशाली परिणामों में योगदान दिया है।

विद्यार्थियों की प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियाँ

- हेरिना सोनी, F&LA-VI को अक्टूबर 2024 में मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित GJC - राष्ट्रीय आभूषण पुरस्कार (NJA 2024) में 'डिज़ाइनर ऑफ़ द ईयर' श्रेणी में चुना गया।
- हेरिना सोनी, F&LA-VI, फरवरी 2024 में ऑनलाइन आयोजित IGI एक्सप्रेशंस ज्वेलरी एक्सीलेंस अवार्ड्स में फाइनलिस्ट रही ।
- हेरिना सोनी F&LA-VI, 1 जून 2024 को जयपुर में आयोजित ज्वेलरी एमिनेंस अवार्ड्स (JEA) में 'यंग अचीवर्स अवार्ड' श्रेणी में फाइनलिस्ट रही ।
- हेरिना सोनी F&LA-VI को अगस्त 2024 में मुंबई में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जेमोलॉजी (IIG) द्वारा "ज्वेलरी मर्चेंडाइजिंग प्रोफेशनल" प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
- वेंकटेश चतुर्वेदी, BFT छात्र ने फैकल्टी डॉ. आर. काजा बंथा नवास के साथ स्प्रिंगर पुस्तक में एक अध्याय प्रकाशित किया। अध्याय का शीर्षक था: AI का उपयोग करके डायनामिक इन्वेंट्री प्रबंधन: डेटारोबोट पर एक मामला, पुस्तक का शीर्षक: कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ज्ञान प्रसंस्करण, श्रृंखला: कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, आईएसबीएन: सॉफ्टकवर - 978-3-031-68616-0 ई-बुक - 978-3-031-68617-7
- श्री रवि कुमार, बीएफटी छात्र स्नातक परियोजना कार्य "न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करते हुए एक शुद्ध फैशन रिटेलर के लिए मांग पूर्वानुमान" को भारतीय प्रबंधन अनुसंधान सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद, 7 दिसंबर से 9 दिसंबर 2024 तक, में शोध-पत्र प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया है, जिसे सुश्री एट्टीश्री राजपूत और डॉ. आर. काजा बंथा नवास के मार्गदर्शन में लिखा गया था।

ग्रेजुएशन शो 2024

- स्नातक बैच 2024 के लिए निफ्ट गांधीनगर परिसर में शुक्रवार, 24 मई 2024 को स्नातक बैच 2024 के लिए स्नातक शोकेस फैशन कम्युनिकेशन, फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरी डिजाइन और मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट के लिए आयोजित किया गया था। सुश्री रूप राशि (आईए एंड एएस), भारत की वस्त्र आयुक्त, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। गुजरात राज्य हथकरघा और हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड के आईएएस प्रबंध निदेशक श्री ललित नारायण सिंह संदू और गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजुल के गज्जरइस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। अतिथियों ने छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की, और प्रत्येक छात्र द्वारा अपनी शिक्षा में लगाए गए अध्ययन, रचनात्मकता और दृढ़ता के निरंतर प्रयास की सराहना भी की।
- फैशन डिजाइन, टेक्सटाइल डिजाइन, फैशन टेक्नोलॉजी और मास्टर ऑफ डिजाइन विभागों के स्नातक बैच 2024 के लिए ग्रेजुएशन शोकेस शुक्रवार, 31 मई 2024 को निर्धारित है। सुश्री सुनैना तोमर, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, गुजरात सरकार इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि है ।

शिल्प क्लस्टर पहल - गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

- निफ़्ट गांधीनगर में 4 अप्रैल 2025 को धातु उभार पर एक व्यावहारिक सत्र आयोजित किया, जिससे छात्रों को पारंपरिक सतह अलंकरण तकनीकों का पता लगाने में मदद मिली।जिसमें श्री जयंतीभाई शिवरामभाई सुथार, कारीगर को डिज़ाइन स्टूडियो (शिल्प कार्यशाला) विषय के अंतर्गत AD-IV सेमेस्टर के छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- 21 मार्च 2025 को, श्री सतीशकुमार पटेल, कारीगर को AD-VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए कॉउचर ज्वेलरी प्रोजेक्ट विषय के अंतर्गत आमंत्रित किया गया था। उन्होंने तांबे के तार, सोल्डरिंग तकनीकों और अन्य जटिल धातु प्रक्रियाओं का उपयोग करके फिलिग्री वर्क का प्रदर्शन किया, जिससे छात्रों को उत्कृष्ट आभूषण शिल्प कौशल की जानकारी प्राप्त हुई।
- एससरी डिज़ाइन सेमेस्टर V के छात्रों ने शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन शैक्षणिक विषय के रूप में भारत भर के विभिन्न पारंपरिक शिल्प समूहों का क्षेत्रीय दौरा किया। इन यात्राओं ने छात्रों को स्वदेशी सामग्रियों, प्रक्रियाओं और कारीगर समुदायों से प्रत्यक्ष परिचय कराया, जिससे भारत की विविध शिल्प विरासत के बारे में उनकी समझ समृद्ध हुई। शोध के दौरान,

छात्रों ने निम्नलिखित कारीगरों श्री प्रमोंड विष्णु पाटिल - कॉपर विद इनेमल क्राफ्ट, रायगढ़, महाराष्ट्र, श्री महेंद्र हरिचंद्र वर्तक - तामचीनी शिल्प के साथ तांबा, रायगढ़, महाराष्ट्र; सुश्री लोंडे वर्षा सुरेश - गंजिफ़ा क्राफ्ट, सावंतवाड़ी, महाराष्ट्र; श्री मोहन शामराव कुलकर्णी - गंजिफ़ा क्राफ्ट, सावंतवाड़ी, महाराष्ट्र; श्री मारवाड़ा राजेश जेमलभाई - लकड़ी पर नक्काशी शिल्प, भुजोड़ि, भुज; श्री विजय जेमल मारवाड़ा - लकड़ी पर नक्काशी शिल्प, भुजोड़ि, भुज; श्री रईस अहमद - लैक बैंगल्स, जयपुर, राजस्थान; श्री इस्लाम अहमद - लैक बैंगल्स, जयपुर, राजस्थान; श्री दिनेश चंद्र कुम्हार - मोलेला (टेराकोटा) शिल्प, मोलेला, उदयपुर, राजस्थान; सुश्री कैलाश देवी - मोलेला (टेराकोटा) शिल्प, मोलेला, उदयपुर, राजस्थान; अंचलभाई प्थुभाई बिजलानी - चमड़े के सामान, सुमरासर, भुज, कच्छ; सुश्री सरदाबेन अंचल बिजलानी - चमड़े के सामान, सुमरासर, भुज, कच्छ आदि से बातचीत की।

- बी.एफ.टेक. सेमेस्टर 5 के छात्रों ने विभिन्न हथकरघा और हस्तशिल्प जैसे कसोटा, मशरू, सुजानी, जाट कढ़ाई और एप्लिक का अन्वेषणात्मक अध्ययन और दस्तावेज़ीकरण किया। छात्रों ने इन शिल्पों की समृद्ध परंपरा और विशिष्टता के प्रति स्वयं को संवेदनशील बनाने के लिए इन शिल्पों के कारीगरों के साथ वार्ता की।
- शिल्प अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण - सेमेस्टर V (जून 2024) वस्त्र डिज़ाइन - सेमेस्टर V के छात्रों ने जून 2024 में गुजरात और राजस्थान के विविध पारंपरिक शिल्प समूहों के साथ जुड़कर अपना शिल्प अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण सफलतापूर्वक पूरा किया। जिन समूहों का अन्वेषण किया गया उनमें जाम खंभालिया (द्वारका) में हथकरघा प्रथाएँ और पाटन, गुजरात में पटोला बुनाई, साथ ही नाथद्वारा, राजस्थान में पिचवाई पेंटिंग, जवाजा (ब्यावर) में कालीन बुनाई और हरिज (पाटन, गुजरात) में कढ़ाई जैसे हस्तशिल्प शामिल थे।
- सेमेस्टर जनवरी से जून 2025 के दौरान एम. डिज़ाइन विभाग के सेमेस्टर II के छात्रों ने शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन विषय के लिए निम्नलिखित समूहों का दौरा किया,जैसे कि छोटा उदयपुर (हथकरघा) की कसोटा बुनाई और छोटा उदयपुर (हस्तशिल्प) की पिथोरा पेंटिंग इत्यादि,उक्त गतिविधि में कुल 17 कारीगर शामिल रहे।
- फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग ने सेमेस्टर II के छात्रों के लिए डॉ. रूषभ कुमार द्वारा एक्सेल कार्यशाला का आयोजन किया।
- फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग ने 21/10/2024 से 23/10/2024 तक एक कारीगर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। उक्त कार्यशाला में विभिन्न शिल्पों जैसे एप्लिक वर्क, भसरिया बुनाई, सूफ कढ़ाई और तंगलिया बुनाई के कुल 07 कारीगरों ने भाग लिया।
- सेमेस्टर जनवरी से जून 2025 के दौरान एफएमएस विभाग के सेमेस्टर II के छात्रों ने शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन विषय के लिए बाराबंकी, उत्तर प्रदेश की बुनाई और लखनऊ, उत्तर प्रदेश के ज़रदोज़ी समूहों का दौरा किया। उक्त गतिविधि में कुल 02 कारीगर शामिल रहे ।

राष्ट्रीय हथकरघा पखवाड़ा 01.08.2024 से 15.08.2024

- 7 अगस्त 2024 को निफ्ट गांधीनगर परिसर में 10वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई रजनीकांत पटेल और विशिष्ट अतिथि के रूप में गुजरात सरकार के उद्योग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग, कुटीर, खादी और ग्रामीण उद्योग, नागरिक उड्डयन, श्रम और रोजगार विभाग मंत्री श्री बलवंतसिंह चंदनसिंह राजपूत उपस्थित रहे। उपरोक्त गणमान्यों के अतिरिक्त इस कार्यक्रम में गांधीनगर की माननीय विधान सभा सदस्य श्रीमती रीताबेन पटेल, गांधीनगर की माननीय महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, गांधीनगर की माननीय उप महापौर श्री नटवरभाई ठाकोर, गांधीनगर के माननीय उप महापौर श्री गौरांग व्यास, जीएमसी के माननीय स्थायी समिति अध्यक्ष श्री रुचिर भट्ट ने संकाय क्षेत्र (फैशन डिज़ाइन, सहायक उपकरण डिज़ाइन और मास्टर ऑफ़ डिज़ाइन) का उद्घाटन किया एवं नव विकसित शैक्षणिक अवसंरचना का उद्घाटन किया तथा हैंडलूम रैंप वॉक - रैंप शो के माध्यम से परिधानों के रूप में भारतीय हथकरघा की शाश्वत सुंदरता का प्रदर्शन भी इस कार्यक्रम के दौरान किया गया।
- माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 10 अगस्त 2024 को निफ्ट गांधीनगर का दौरा किया और भारतीय वस्त्रों की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने वाली जीवंत हथकरघा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। श्री गिरिराज सिंह ने छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने निफ्ट की नवीन गतिविधियों और पाठ्यक्रम का गहन अन्वेषण किया। एक हैंडलूम फैशन वॉक शो का आयोजन भी किया गया जिसमें भारतीय हथकरघा का प्रदर्शन किया गया और कुशल कारीगरों की कला और शिल्प कौशल का जश्न मनाया गया।

शिल्प बाज़ार

कारीगर जागरूकता कार्यशाला, शिल्प बाज़ार और शिल्प प्रदर्शन 2025 का आयोजन 6 मार्च से 8 मार्च, 2025 तक निफ्ट गांधीनगर में हुआ। इसमें भारत भर के छह राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए अन्य राज्यों के 22 कारीगरों सहित 33 शिल्प समूहों के कुल 53 कारीगरों ने भाग लिया।

उद्घाटन समारोह - पैनल चर्चा - भौगोलिक संकेतक (जीआई) शिल्प को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और शिल्पगत विरासत को रेखांकित किया गया। जीआई शिल्प में तंगलिया, चंदेरी, माहेश्वरी, बाघ प्रिंट, माता नी पचेड़ी, सुजनी बुनाई, जवाजा, कच्छ शॉल, टेराकोटा, लाख की चूड़ियाँ और जयपुर जूती शामिल थीं, जिससे आगंतुकों को प्रत्येक शिल्प की विशिष्टता की सराहना करने का अवसर मिला।

"विकसित भारत - विरासत एवं विकास" विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "विकास भी, विरासत भी" के दूरदृष्टिपूर्ण संदेश को प्रतिध्वनित किया गया। इस चर्चा में श्री रामसिंह राठवा - अध्यक्ष, ट्राइफेड, जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. संजय जोशी, आईएएस - कार्यकारी निदेशक, इंडेक्स-सी, प्रो. (डॉ.) एस. शांताकुमार - निदेशक, जीएनएलयू, प्रो. (डॉ.) समीर सूद - निदेशक, निफ्ट गांधीनगर, प्रो. (डॉ.) अशोक मंडल - निदेशक, एनआईडी अहमदाबाद, श्री रमन दत्ता - संस्थापक सदस्य एवं महासचिव, बीएसएल सहित कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। इन विशेषज्ञों ने भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में जीआई शिल्प की भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

एक डिज़ाइन कार्यशाला का आयोजन उद्योग विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिसमें शिल्प डिज़ाइन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि

किस प्रकार शिल्प उत्पादों में एक विशिष्ट पहचान विकसित की जा सकती है, रचनात्मक सीमाओं को पार किया जा सकता है, और फैशन ट्रेंड्स के बजाय मौसमी पूर्वानुमान के आधार पर सामग्री चयन व उत्पाद निर्माण की योजना बनाई जा सकती है।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएँ

- 14/02/2025 को एडी-4 सेमेस्टर के छात्रों के लिए विनिर्माण प्रक्रिया विषय पर इंडो जर्मन टूल रूम, अहमदाबाद का दौरा।
- 15/04/2025 को एडी-4 सेमेस्टर के छात्रों के लिए विनिर्माण प्रक्रिया विषय पर रिकन्सोल्युशन एलएलपी, गांधीनगर का दौरा।
- 15/04/2025 और 24/04/2025 को आईडीएम: फैशन एक्सेसरी डिज़ाइन प्रोजेक्ट (एडी--6) और कॉस्ट्यूम ज्वेलरी प्रोजेक्ट (एडी--4) विषयों पर एडी सेमेस्टर के छात्रों के लिए पैलेडियम मॉल और अहमदाबाद वन मॉल का दौरा।
- 28/02/2025 को एडी -6 सेमेस्टर के छात्रों के लिए कैड 3डी और समकालीन विनिर्माण विषय के अंतर्गत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर का दौरा।
- 20 फरवरी 2025 और 10 मार्च 2025 को एडी -VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए सुश्री कुमुद केडिया द्वारा "डीपिंग स्पेशलाइजेशन - कॉउचर ज्वेलरी प्रोजेक्ट" विषय पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया, जिसमें कॉउचर ज्वेलरी के विशेष क्षेत्र में गहन समझ को साझा किया गया।
- आईडीएम: फैशन एक्सेसरी डिजाइन प्रोजेक्ट के तहत "आईडीएम: फैशन एक्सेसरी डिजाइन प्रोजेक्ट" विषय पर श्री सुदीप रावत द्वारा एडी-VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए 25 मार्च 2025 और 8 अप्रैल 2025 को एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया, जिसमें फैशन एक्सेसरी डिजाइन की जटिलताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- 29 अप्रैल 2025 और 1 मई 2025 को एडी -IV सेमेस्टर के छात्रों के लिए श्री नीर शाह द्वारा "उत्पाद डिजाइन और चित्रण की मूल बातें" विषय पर उत्पाद डिजाइन के तहत एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उत्पाद डिजाइन और चित्रण तकनीकों की मूलभूत जानकारी साझा की गई।
- 4 मार्च 2025 को एडी -VI सेमेस्टर के छात्रों के लिए श्री नितिन नायर द्वारा उत्पाद पैकेजिंग डिजाइन विषय पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उत्पाद पैकेजिंग डिजाइन अवधारणाओं की गहन समझ प्रदान की गई।
- निफ्ट गांधीनगर के बीएफटी सेमेस्टर 3 के छात्रों ने एसपीएमई, जीसी और पीएम विषय के बारे में जानने हेतु 21/11/2024 को ज़ेडेक्स क्लोदिंग, बावला यूनिट का दौरा किया।
- निफ्ट गांधीनगर के बीएफटी सेमेस्टर 6 के छात्रो ने 13 फरवरी, 2025 को मंगला डिजाइन का दौरा किया, जो नोएडा में स्थित एक अग्रणी परिधान निर्माण इकाई है और क्रिमसन ब्रांड के नाम से डेनिम जींस और शर्ट बनाने में विशेषज्ञता रखती है।
- निफ्ट गांधीनगर के बीएफटी सेमेस्टर 6 के छात्रो ने 15 फरवरी, 2025 को दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी परिधान उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी जीटीई 2025 में भाग लिया, जहां उन्होंने परिधान निर्माण में नवीनतम प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की।
- दिनांक 04.06.2024 को SOACH की संस्थापक सुश्री जय काकानी द्वारा शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन पर विशेषज्ञ सत्र।
- दिनांक 21.11.2024 को श्री दिवाकर रावत द्वारा "ऑकेज़न वियर एंड कस्टम फ़ैशन फ़ॉर वीमेन– डीएस-2" विषय के अंतर्गत फैशन फोटोग्राफी पर विशेषज्ञ व्याख्यान सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिनांक 13.11.2024 को सुश्री नलिनी खान द्वारा शिल्प आधारित उत्पाद विकास पर विशेषज्ञ सत्र किया गया।
- दिनांक 26.09.2024 को श्री मेहुल कुमार पंचोली द्वारा समावेशी फैशन-डीएस-3 पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया।
- दिनांक 27.02.2025 को सुश्री श्रीमयी कपासी द्वारा डीएस 3: टिकाऊ और कारीगर फैशन पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया।
- दिनांक 29.05.2024 को सुश्री नुपूर शेठ/(एफडी 2016) के साथ पूर्व छात्रों की बातचीत।
- दिनांक 11.02.2025 को सुश्री कोमल शाह (एफडी 2017) के साथ पूर्व छात्रों की बातचीत।
- दिनांक 21.03.2025 को श्री शुभ्रमण्यम (एफडी 2001) के साथ पूर्व छात्रों की बातचीत।
- पूर्व छात्र श्री मनीष पटेल के द्वारा (एफडी 2003) ने सेमेस्टर-5 में कक्षाएं लीं गई।
- पूर्व छात्र श्री अनिल कुमार मीणा के द्वारा (एफडी 2004) ने सेमेस्टर -7 में कक्षाएं लीं गई।
- श्री अनुज शर्मा ने 8 जनवरी और 24 फरवरी 2025 को आयोजित दो सत्रों के माध्यम से सरफेस डिज़ाइन परियोजना के लिए रचनात्मक निर्देशन प्रदान किया।
- दिनांक 25 फरवरी 2025 को श्री हितेश रावत द्वारा बेसिक बुनाई पर एक तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया।
- श्री अमर नाथ दत्ता ने 4 और 11 मार्च 2025 को वर्ल्ड टेक्सटाइल्स की प्रशंसा विषय पर सारगर्भित सत्र प्रस्तुत किए, जिससे विद्यार्थियों के वस्त्रों संबंधी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 26 मार्च 2023 और 02 अप्रैल 2024 को प्रोजेक्ट प्रस्ताव लेखन के बूट कैंप पर सुश्री कैसंड्रा पिल्लई का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 29 मार्च 2024 और 1 मई 2024 को इंटरफ़ेस डिज़ाइन विषय पर श्री निरल देसाई का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 23.08.2024 को उद्योग प्रथाओं का परिचय विषय पर श्री अंकित कुमार सिंह का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 13.09.2024 को डिज़ाइन थिंकिंग और विधियों के लिए डॉ. लेस्ली लाज़र का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 23.09.2024 को सतत विकास और सह-डिज़ाइन विषय पर श्री लोकेश घई का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 27.02.2025 को ब्रांड रणनीति और स्थिति निर्धारण विषय पर डॉ. अक्षय विजयलक्ष्मी का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 28.02.2025 को उद्योग निर्देशित परियोजना प्रस्ताव (मेलों/ सेमिनारों के साथ) के लिए श्रीनिवास शिंदे का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।

- पद्मश्री मनु पारेख को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने क्रिश्चियन डायर के साथ अपने सहयोग के बारे में बताया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने जीआई एक्सपीरियंस सेंटर/ राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी, नई दिल्ली में एसोसिएट प्रोफेसर श्री असिस्ट भट्ट के साथ सेमेस्टर II के छात्रों के लिए फील्ड अध्ययन का आयोजन किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने एसोसिएट प्रोफेसर श्री असिस्ट भट्ट के साथ नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली में सेमेस्टर II के छात्रों के लिए फील्ड अध्ययन का आयोजन किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 12 मार्च 2024 को आईआईटी गांधीनगर में डिज़ाइन मेथड्स फॉर इनोवेशन (आईडीएम) विषय पर एक फील्ड अध्ययन का आयोजन किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 23 अप्रैल 2024 को अक्षरधाम मंदिर, गांधीनगर में डिज़ाइन मेथड्स फॉर इनोवेशन (आईडीएम) विषय पर एक फील्ड अध्ययन का आयोजन किया।
- मास्टर ऑफ डिज़ाइन विभाग ने 08.04.2025 को साइंस सिटी अहमदाबाद में डिज़ाइन मेथड्स फॉर इनोवेशन (आईडीएम) विषय पर एक फील्ड अध्ययन का आयोजन किया।
- फैशन मैनेजमेंट स्टडीज ने 1 अप्रैल 2024 को उपभोक्ता व्यवहार और न्यूरोमार्केटिंग विषय पर डॉ. रिद्धिता पारिख का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- फैशन मैनेजमेंट स्टडीज़ ने 18 अक्टूबर 2024 को फैशन मटेरियल्स मैनेजमेंट विषय पर श्री विनयपाल वाई. सिंह राजपूत का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- फैशन मैनेजमेंट स्टडीज ने 29 सितंबर, 2024 को 'फाउंडर्स टॉक ट्रेल' श्रृंखला में उद्यमिता विषय पर बमर के संस्थापक श्री सुले लावसी का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- फैशन मैनेजमेंट स्टडीज ने 9 अक्टूबर, 2024 को 'फाउंडर्स टॉक ट्रेल' श्रृंखला में उद्यमिता विषय पर मोरल फाइबर की संस्थापक सुश्री शालिनी शेठ अमीन का विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- फैशन मैनेजमेंट स्टडीज विभाग ने 4 नवंबर 2024 को अपैरल एक्सपोर्ट मर्चेंडाइजिंग विषय के लिए कोमल टेक्स फैब, अहमदाबाद में उद्योग भ्रमण का आयोजन किया।
- फैशन मैनेजमेंट स्टडीज़ विभाग ने 29 अप्रैल 2024 को फैशन प्रोडक्शन एवं क्वालिटी मैनेजमेंट विषय पर ज़ेडेक्स क्लोदिंग प्रा. लि., ढोलका, अहमदाबाद में उद्योग भ्रमण आयोजित किया।
- फैशन मैनेजमेंट स्टडीज़ विभाग ने 25 नवंबर 2024 को मार्केटिंग और रिटेलिंग विषय के परिचय के लिए पैलेडियम मॉल अहमदाबाद में क्षेत्रीय अध्ययन का आयोजन किया।
- फैशन मैनेजमेंट स्टडीज़ विभाग ने 13.02.2025 को गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो, नई दिल्ली में फैशन उत्पादन एवं गुणवत्ता प्रबंधन के लिए क्षेत्रीय अध्ययन का आयोजन किया।
- फैशन मैनेजमेंट स्टडीज़ विभाग ने 15.02.2025 को यूनाइटेड एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा में फैशन उत्पादन एवं गुणवत्ता प्रबंधन के लिए क्षेत्रीय अध्ययन का आयोजन किया।
- आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) – जीपी भर्ती प्रक्रिया दिनाँक 03.10.2024 को एनआईएफटी गांधीनगर में एमएफएम, बीएफटी, एफडी एवं टीडी कार्यक्रमों के लिए आयोजित की गई।
- सॉफ्ट स्किल्स/साक्षात्कार और बायोडाटा लेखन कौशल कार्यशाला का आयोजन सुश्री कैसंड्रा पिल्लई द्वारा 14.11.2024 और 21.11.2024 को; सुश्री संध्या अनंतानी द्वारा 19.11.2024 को और श्री कपिल गौर द्वारा 30.11.2024 को किया गया।

प्लेसमेंट 2024

निफ्ट प्लेसमेंट 2024 दो चरणों में आयोजित किया गया। इसे 22 अप्रैल 2024 से 10 मई 2024 तक भौतिक रूप से आयोजित करने की योजना थी। दूसरा चरण 15 मई 2024 से 18 मई 2024 तक आयोजित करने की योजना थी। स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए, निफ्ट गांधीनगर परिसर ने 10 मई 2024 को ऑफ़लाइन मोड के माध्यम से कैंपस प्लेसमेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कुछ उल्लेखनीय भर्तीकर्ता हैं लैंडमार्क ग्रुप (भारत और दुबई), रिलायंस रिटेल, रिलायंस ब्रांड्स, यूनिक्लो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टारगेट कॉर्पोरेशन, टाइटन, टाटा ट्रेंट, ब्लूस्टोन, सैमसंग डिजाइन, रेमंड, डेकाथलॉन, डी'मार्ट, सिम्पलोटेल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, प्रतिभा सिंटेक्स लिमिटेड, इन्फो एज इंडिया लिमिटेड, एक्वारेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आदि। 1800 से अधिक रिक्तियों के लिए कुल 280 कंपनियों ने निफ्ट प्लेसमेंट के लिए पंजीकरण कराया। निफ्ट गांधीनगर में 55 रिक्तियों को भरने हेतु ऑफलाइन प्लेसमेंट के लिए कुल 9 कंपनियों ने पंजीकरण कराया। 2024 की कक्षा में, 249 स्नातक छात्रों में से 189 छात्रों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 43 छात्रों को जीपी प्रायोजक कंपनियों से प्री-प्लेसमेंट ऑफर मिले। निफ्ट गांधीनगर 2024 की कक्षा के लिए 24.5 लाख रुपये प्रति वर्ष के उच्चतम पैकेज के साथ 91% प्लेसमेंट हासिल करने में सफल रहा।

निफ्ट गांधीनगर ने भारत के सर्वश्रेष्ठ फैशन संस्थानों (इंडिया टुडे, भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज संस्करण) के बीच प्लेसमेंट रिकॉर्ड में रैंक 1 हासिल किया।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर गतिविधियाँ

- शून्य अपशिष्ट की दिशा में प्रयास और पुन: प्रयोज्य एवं टिकाऊ सामग्री को बढ़ावा: निफ्ट गांधीनगर ने अपनी तरह की पहली पहल - रीफैब: टेक्सटाइल अपशिष्ट का पुनर्निर्माण - शुरू की है। इसका उद्देश्य बेकार पड़े कपड़ों को टिकाऊ मिश्रित बोर्ड, फर्नीचर, सजावट और अन्य सहायक वस्तुओं में बदलकर उनमें जान फूंकना है। यह पहल चक्रीय अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को बढ़ावा देकर भारत की बढ़ती वस्त्र अपशिष्ट समस्या का समाधान करती है। निफ्ट गांधीनगर की इस अनूठी पहल को राष्ट्रीय स्तर पर दूरदर्शन के "जज़्बा" कार्यक्रम में भी दिखाया गया है।
- जल संरक्षण: निफ्ट गांधीनगर ने अपनी प्रणाली में जल प्रवाह मीटरों को शामिल करके जल उपयोग की निगरानी और रिसाव का पता लगाने की क्षमता को बढ़ाया है। जल प्रवाह मीटर परिसर में जल की वास्तविक समय पर खपत, रिसाव का पता लगाने आदि की जानकारी प्रदान करता है।
- सौर पहल: सौर छत प्रणाली के माध्यम से 100 किलोवाट सौर ऊर्जा का संचयन करके बिजली संरक्षण।
- कम्पोस्ट बनाना: कैंटीन और बागवानी से निकलने वाले हरे कचरे को कम्पोस्ट मशीन द्वारा खाद में बदला जाता है। इस खाद का उपयोग परिसर में बागवानी के लिए किया जाता है।
- पुनर्नवीनीकृत अपशिष्ट इंस्टॉलेशन: निफ्ट गांधीनगर परिसर अपशिष्ट एवं कबाड़ सामग्री से इंस्टॉलेशन तैयार करके अपशिष्ट पुनर्चक्रण को बढ़ावा देता है।

हैदराबाद

परिसर की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम:

- सुश्री मीसाला भावना (FD/5/2022-2026), एमर्जिंग फ़ैशन डिज़ाइनर इंडिया प्रतियोगिता सीजन 2, नोएडा, भारत 30 नवंबर 2024 को।
- सुश्री साई श्रीन्या विदियाला (FD/5/2022-2026), मर्जिंग फ़ैशन डिज़ाइनर इंडिया प्रतियोगिता सीजन 2, नोएडा, भारत 30 नवंबर 2024 को।
- सुश्री फातिमा दिलना, सेमेस्टर VI, जूलरी डिज़ाइन प्रोजेक्ट - सेलेस्टियल फ्रेगमेंट थीम ने शाइन इटरनल-स्पार्कलिंग सागा प्रतियोगिता 2024 में सर्वश्रेष्ठ डिज़ाइन परियोजना पुरस्कार जीता।
- सुश्री श्रुष्टिका रायचूरकर, सेमेस्टर VI, जूलरी डिज़ाइन प्रोजेक्ट - सेलेस्टियल फ्रेगमेंट थीम ने शाइन इटरनल- स्पार्कलिंग सागा प्रतियोगिता 2024 में सर्वश्रेष्ठ डिज़ाइन परियोजना पुरस्कार जीता।

संकाय उपलब्धियां:

- डॉ. सस्मिता पांडा को अक्टूबर 2024 में टेक्सटाइल इंजीनियरिंग डिवीजन, आईईआई, हैदराबाद से बेस्ट टेक्निकल पेपर प्राप्त हुआ।
- डॉ. सस्मिता पांडा को उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से मार्च 2025 तक पीएचडी थीसिस की जांच के लिए परीक्षक नियुक्त किया गया।
- डॉ. जी. चिरंजीवी रेड्डी ने 4 से 6 अक्टूबर, 2025 तक हाइटेक्स, हैदराबाद में आयोजित पैनल चर्चा: "क्राफ़्ट इन मॉडर्न लक्जरी डिज़ाइन" में भाग लिया।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

परिसर सुविधाएं:

- परिसर में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं और स्टूडियो (पैटर्न बनाने की प्रयोगशाला, परिधान निर्माण प्रयोगशाला, बुनाई प्रयोगशाला, रंगाई और छपाई प्रयोगशाला, वस्त्र परीक्षण प्रयोगशाला, सीएडी प्रयोगशाला, फ्लैट और कम्प्यूटरीकृत बुनाई प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रयोगशाला, सहायक डिज़ाइन कार्यशाला, फोटोग्राफी स्टूडियो, सिउन प्रोडक्ट मशीनरी और उपकरण प्रयोगशाला आदि)।
- सम्पूर्ण परिसर में वाई-फाई सुविधा उपलब्ध।
- 350 लोगों के बैठने की क्षमता वाला वातानुकूलित सभागार।
- विशाल संसाधन केंद्र।
- अच्छी सुविधा वाला मिनी जिम।
- इनडोर और आउटडोर खेल सुविधा (बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, थ्रो बॉल कोर्ट, क्रिकेट अभ्यास पिच, टेबल टेनिस)।
- कैंटीन और मेस की सुविधा।
- नेस्कैफे कैफेटीरिया।
- 56 सीटों वाली बस।
- कैम्पस काउंसलर और छात्रों के लिए एक प्रैक्टिसिंग डॉक्टर।

छात्रावास सुविधाएं:

- कुल 500 छात्राओं की क्षमता वाले तीन छात्रावास।
- छात्रावास में रीक्रिएशन कक्ष।
- पूर्णतः स्वचालित वाशिंग मशीन की सुविधा, गीजर, तथा सुरक्षित पेयजल।

अल्पकालिक कार्यक्रम

सतत शिक्षा कार्यक्रम:

सीई कार्यक्रम का नाम - फ़ैशन क्लोदिंग टेक्नोलोजी
नामांकित छात्रों की संख्या- 35
समन्वयक का नाम - शोभा उप्पे
प्रारंभ तिथि- 12 जून, 2024
पूर्ण होने की तिथि- 29 नवंबर, 2024

मुख्य परियोजना

- निफ्ट एसईआरपी कोलैबोरेटिव 1: डॉ. सस्मिता पांडा द्वारा कोऑर्डिनेट किया गया, जिसके लिए ₹5.00 लाख मंज़ूर किए गए थे और ₹4.8 लाख खर्च हुए। परियोजना पूर्ण हो गई है, और अकाउंट सेटलमेंट चल रहा है।
- निफ्ट एसईआरपी कोलैबोरेटिव 2: कॉर्पोरेट गिफ़्टिंग सल्यूशन - सुश्री ए. राज्य लक्ष्मी द्वारा कोऑर्डिनेट किया गया, जिसके लिए ₹15.00 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। परियोजना को मंजूरी मिल गई है, लेकिन अभी तक शुरू नहीं हुई है।
- डॉ. एमडी वसीम चव्हाण और श्री बी. वेंकटेश के नेतृत्व में एक्टिववियर के लिए बायोबेस्ड पीसीएम माइक्रोएनकैप्सुलेट थर्मोरेगुलेटिंग फिनिश का विकास के लिए मंजूरी दी गई। इसमें ₹49.93 लाख में से ₹24.82 लाख खर्च हुए। परियोजना अभी जारी है और इसकी समय सीमा बढ़ा दी गई है।
- टीएसपीडीसीएल (TSPDCL), हैदराबाद के तकनीकी कर्मचारियों के लिए वर्दी का डिज़ाइन - सुश्री जस्ती पूजा द्वारा कोऑर्डिनेट किया गया, जिसके लिए ₹6.93 लाख मंजूर किए गए थे। इसका डिज़ाइन का चरण का कार्य प्रगति पर है।

छात्रों की प्रमुख उपलब्धियाँ प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

छात्र उपलब्धियां:

- सुश्री मीसला भावना और सुश्री साई श्रीन्या विदियाला ने एमर्जिंग फ़ैशन डिज़ाइनर इंडिया प्रतियोगिता सीजन 2 जीता।
- श्री फातिमा दिलना और सुश्री सृष्टिका रायचूरकर ने शाइन इटरनल-स्पार्कलिंग सागा प्रतियोगिता 2024 में सर्वश्रेष्ठ डिज़ाइन परियोजना का पुरस्कार जीता।

क्राफ़्ट क्लस्टर पहल- गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और उनके प्रभाव

- केडी-V (जून 2024): वारंगल दरी, नरसपुर लेस, और वेंकटगिरी पर क्राफ्ट रिसर्च डॉक्यूमेंटेशन किया गया, जिसमें 34 छात्र, 5 कारीगर और 3 फैकल्टी मेंबर 10 दिनों तक शामिल रहे।
- केडी-VII (अक्टूबर-नवंबर 2024): क्राफ़्ट आधारित डिज़ाइन किया गया
- 35 छात्रों, 5 कारीगरों और 3 संकाय सदस्यों के साथ श्रीकालहस्ती कलामकारी, मछलीपट्टनम कलामकारी और पोचमपल्ली इकत पर परियोजनाएं।
- एफडी-V (जून 2024): आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में छह हथकरघा और हस्तशिल्प समूहों में शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन का कार्य किया गया, जिसमें 44 छात्र, 5 कारीगर और 4 संकाय सदस्य शामिल हुए।
- एफडी/VII (जुलाई-दिसंबर 2025): येम्मिगानुर गौज कपड़ा, मंगलगिरी कपास, मुनुगोडु इकत और बंजारा कढ़ाई के साथ क्राफ़्ट आधारित उत्पाद विकास कार्य, जिसमें 44 छात्र और 2 कारीगर शामिल।

विद्या वाचस्पति (पीएचडी) कर रहे/रही हैं और पूर्ण कर ली है

- सुश्री मधुप्रिया झा ठाकुर (फ़ैशन डिज़ाइन) - वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर से पीएचडी कर रही हैं; वर्तमान में नामांकित हैं और शोध कार्य जारी रखे हुए हैं।
- सुश्री शोभा उप्पे (फ़ैशन डिज़ाइन) - वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर से पीएचडी कर रही हैं; डॉक्टरेट अनुसंधान में सक्रिय रूप से संलग्न हैं।
- श्री टी. वी. एस. एन. मूर्ति (डीएफटी) - जीआईटीएएम (मान्य विश्वविद्यालय) से पीएचडी कर रहे हैं; डॉक्टरेट नामांकन के भाग के रूप में अनुसंधान जारी है।
- श्री रामकृष्ण (निटवियर डिज़ाइन) - सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर से पीएचडी (अगस्त 2024) में नामांकित; शोध कार्य प्रारंभिक चरण में।
- डॉ. बी. वेंकटेश (निटवेअर डिज़ाइन) - 19/04/2025 को विज्ञान फाउंडेशन फॉर साइंस, टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च से विद्या वाचस्पति पूर्ण कर ली है।

भूतपूर्व छात्रों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएँ, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ

- 27-28 जनवरी 2025 को मेडक जिले के द हिडन कैसल में आउटबाउंड गतिविधि।
- 17 अक्टूबर 2024 को निफ्ट जोधपुर में "बिल्डिंग इफेक्टिव लर्निंग एक्सपीरियंसेस इन डिज़ाइन एजुकेशन" विषय पर सेमिनार।
- 26 अक्टूबर 2024 को पीजेटीएसएयू, तेलंगाना में "प्लेइंग विद मैथ: शेप्स एंड स्पेस थ्रु ओरिगामी एंड किरिगामी" पर कार्यशाला।
- 21 अक्टूबर 2024 को नाबार्ड ग्रामीण प्रदर्शनी में "रीसर्जेन्स एंड रिन्युवल - हैंडलूम्स एंड हैंडीक्राफ़्ट" पर संगोष्ठी।
- 8-9 फरवरी 2025 को एपी स्कूलों में योग और व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएँ।
- 25 सितंबर 2024 को अमेज़न, एनवाईसी की आर एंड डी प्रमुख सुश्री अदिति शर्मा के साथ पूर्व छात्र संपर्क संगोष्ठी।
- 4-5 मार्च 2025 को एफडीडीआई हैदराबाद के लिए मेटल कास्टिंग कार्यशाला।
- 5 मार्च 2025 को क्राफ़्ट अवेयरनेस एंड डिमॉन्स्ट्रेशन कार्यशाला।

प्रमुख उद्योग संबंध

- निटवियर डिज़ाइन विभाग के छात्रों ने 5 सितंबर 2024 को जीटीएन इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड, पाटनचेरु, संगारेड्डी, तेलंगाना का दौरा किया।
- निटवियर डिज़ाइन विभाग के छात्रों ने 26 नवंबर 2024 को हफीज प्रिंटर्स, जल्लापल्ली, शमशाबाद का दौरा किया।

- निटवियर डिज़ाइन विभाग के छात्रों ने 11 और 12 नवंबर 2024 को ब्रैंडिक्स अपैरल सिटी, विजाग का दौरा किया।
- निटवियर डिज़ाइन विभाग के छात्रों ने 15 फरवरी 2025 को प्रगति मैदान, यशोभूमि, नई दिल्ली में भारत टेक्स का दौरा किया।

सस्टेनेबिलिटी पहलू और हरियाली पहल परिसर की गतिविधियाँ

- परिसर की 8.25 एकड़ भूमि में 2.44 लाख वर्ग फीट क्षेत्रफल में भवन हैं।
- परिसर को इस आदर्श वाक्य को मूर्त रूप देने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि "वेयर ट्रेडिशन मीट्स मॉडर्निटी (जहां परंपरा आधुनिकता से मिलती है)।"
- पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए परिसर में हरित स्थान निर्मित किए गए हैं और पेड़ लगाए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू संबंध

- श्री मिथिलेश राजेंद्र तेकाडी (एफ एंड एलए, सेमेस्टर VII) - ईएनएसएआईटी, फ्रांस में छात्र विनिमय कार्यक्रम (एसईपी) में भाग लिया।
- सुश्री रीवा नरेंद्र शर्मा (बीएफटी, सेमेस्टर V) - एसटीएफ, स्विट्जरलैंड में एक अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में भाग लिया।
- सुश्री संजना मड्डी रेड्डी (एफ एंड एलए, सेमेस्टर VII) - एफआईटी, न्यूयॉर्क में डुअल डिग्री कार्यक्रम कर रही हैं।
- सुश्री दीक्षिता परनांधी (एफडी, सेमेस्टर VII) - एफआईटी, न्यूयॉर्क में डुअल डिग्री कार्यक्रम में नामांकित।
- सुश्री यशिता वाघमारे (एफसी, सेमेस्टर VII) - एफआईटी, न्यूयॉर्क में डुअल डिग्री कार्यक्रम में नामांकित।

जोधपुर

निफ़्ट जोधपुर ने 2010 में सोजती गेट कैंपस से अपने सफर की शुरुआत की तथा 2015 में इसे जोधपुर के करवड़ में 20 एकड़ के एक हरे-भरे रेजिडेंशियल कैंपस में स्थानांतरित कर दिया गया। अपनी शुरुआत से ही, संस्थान ने ने B.F.TECH और M.F.M. प्रोग्राम संचालित किए,तथा शैक्षणिक वर्ष 2016-17 से, संस्थान ने एक्सेसरी डिज़ाइन, फैशन कम्युनिकेशन, फैशन डिज़ाइन और टेक्सटाइल डिज़ाइन में B.DES. प्रोग्राम के साथ और अधिक विस्तार किया।

परिसर के महत्वपूर्ण कार्यक्रम और उपलब्धियां

छात्रावास उद्घाटन: -28 जुलाई 2024 को, NIFT जोधपुर में तीन नई हॉस्टल बिल्डिंग का उद्घाटन माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम के दौरान श्री राजेंद्र गहलोत (सांसद, राज्यसभा), श्री गौरव अग्रवाल (IAS, जिला कलेक्टर, जोधपुर), सुश्री तनु कश्यप (IAS, महानिदेशक, NIFT), तथा निफ़्ट जोधपुर के निदेशक प्रो. (डॉ.) जी.एच.एस. प्रसाद, डायरेक्टर, आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थिति रहे।

- नेशनल सेमिनार (9 अगस्त 2024): CIC डिपार्टमेंट ने दिनांक 9 अगस्त 2024 को "क्राफ्ट्स के लिए सस्टेनेबल भविष्य" पर एक सेमिनार आयोजित किया।
- प्रतिष्ठापन (9 अक्टूबर 2024): NIFT जोधपुर के रिदम थिएटर में दिनांक 9 अक्टूबर 2024 को सरस्वती माता की मूर्ति स्थापित की गई।
- TEDX 2.0 (1 दिसंबर 2024): NIFT जोधपुर ने दिनांक 1 दिसंबर 2024 को TEDX का दूसरा एडिशन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- उत्सव मेला (9से 19 जनवरी 2025): निफ़्ट जोधपुर ने दिनांक 9से 19 जनवरी 2025 को आयोजित 34वें पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प महोत्सव में भाग लिया; "पश्चिमी राजस्थान के टेक्सटाइल और अपैरल सेक्टर में इनोवेटिव अप्रोच" पर 17 जनवरी को प्रेजेंटेशन दिया।
- भारत TEX 2025:संस्थान ने दुनिया के सबसे बड़े ग्लोबल फैशन शो भारत TEX 2025 में भाग लिया, जिसमें भारत की टेक्सटाइल विरासत और इनोवेशन को दिखाया गया।
- NIFT @40 – आचार्य देवो भव (16 मई 2025): NIFT के 40 साल और जोधपुर कैंपस के 15 साल पूरे होने का निफ़्ट जोधपुर में दिनांक 16 मई 2025 को आचार्य देवो भव: कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कई वर्षों से निफ़्ट में सेवा कर रहे फैकल्टी और स्टाफ को सम्मानित किया गया।

आधारभूत संरचना और सुविधाएं

निफ़्ट जोधपुर में (छात्र एवं छात्राओं)के लिए अलग-अलग हॉस्टल, रेजिडेंशियल क्वार्टर और अतिथि गृह के साथ-साथ बच्चों के लिए एक पार्क की सुविधा भी है। स्वास्थ्य एवं वेलनेस सुविधाओं के तौर पर यहाँ एक मेडिकल सेंटर (एलोपैथी, होम्योपैथी, आयुर्वेद), काउंसलिंग, जिम और RO से साफ किया हुआ पानी प्राप्त करने की सुविधा भी है। एकेडमिक और कल्चरल स्थल के तौर पर एक कॉन्फ्रेंस रूम, रिदम थिएटर (240+ सीटें), परफॉर्मेंस पवेलियन, म्यूजिक रूम और क्लासरूम हैं। मनोरंजन के लिए बैडमिंटन, वॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस खेलने के लिए कोर्ट एवं खुले मैदान भी हैं। कैंपस में स्टेशनरी की दुकान, अमूल और कॉफी पार्लर है एवं एक बैंक (यूनियन बैंक)भी है जिसमें ATM की सुविधा है।यातायात के लिए संस्थान में 2 बसें तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा है इसके अतिरिक्त यूटिलिटीज में DG बैकअप, WI-FI, CCTV और फायर सेफ्टी शामिल हैं। यह परिसर हरा-भरा, प्लास्टिक-फ्री और इको-फ्रेंडली है, जिसमें लड़कियों के वॉशरूम में सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर जैसी सुविधाएं भी हैं। यहाँ

पानी बचाने के लिए 5 लाख लीटर का एक नया अंडरग्राउंड पानी का टैंक बनाया गया है; सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल की ऊंचाई बढ़ाई गई है, और दिव्यांग जन की सुविधा के लिए बैंक और एडमिन/ OAT में सुविधाजनक रैंप बनाए गए हैं।

वाहन पार्किंग व्यवस्था : गाड़ियों की पार्किंग के लिए एक व्हीकल पार्किंग शेड बनाया गया है।

प्रमुख परियोजना

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 जर्सी और मर्चेंडाइज का डिजाइन और विकास (अक्टूबर 2024 - जनवरी 2025): राजस्थान रॉयल्स (आईपीएल 2025) के लिए आधिकारिक जर्सी, यात्रा गियर और व्यापार डिज़ाइन किए गए हैं, जो राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, प्रतिष्ठित टीम के रंगों का चयन और भावना के साथ उच्च प्रदर्शन वाले खेलों को एकीकृत करते हैं।

कौशल डिजाइन और विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम: (सितंबर 2024 और जनवरी 2025): महिला सशक्तिकरण विभाग, राजस्थान सरकार, के साथ निफ्ट जोधपुर ने ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।ये प्रशिक्षण सत्र कौशल बढ़ाने और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने के लिए सिलाई, पैटर्न बनाने, परिधान निर्माण, कपड़े के ज्ञान और फैशन पूर्वानुमान पर केंद्रित थे।

प्रतियोगिता एवं पुरस्कारों में छात्रों की विशेष उपलब्धियां

(MFM 2023–25) की आयुषी भंसाली और सृष्टि रावत, ज़ोनल FMS क्विज़ में विजेता रही। आनंदिता गुप्ता (MFM 2023–25):ने जर्नल ऑफ़ मेडिकल एंड क्लिनिकल केस रिपोर्ट्स (फरवरी 2025) में "रोज़मर्रा के फैशन के स्वास्थ्य पर असर" पर पेपर पब्लिश किया। प्रियंका जायसवाल (MFM 2024–26):ने नेशनल हैंडलूम डे 2024 पर फैशन वॉक में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। आईआईटी जोधपुर में आयोजित IGNUS–अंतरंग फैशन शो में फैशन रैंप वॉक में खुशी कोटवानी (FP बैच 1):ने प्रथम पुरस्कार, मन्नत कक्कड़ (FPT): ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। IIT जोधपुर के IGNUS फैशन शो में FDसेमेस्टर 6TH :की (सुरभि, जूली, वैशाली, साक्षी) ने प्रथम पुरस्कार और (दीप, अलीशा)ने तृतीय पुरस्कार, प्राप्त किया। FD सेमेस्टर 4 की (माहिका, पद्मबाला, अनीता, खुशी, चिन्मय, रिया), IIT जोधपुर के IGNUS फैशन शो में रनर-अप रही| FD डिपार्टमेंट के सेमेस्टर 7 की छात्रा नायसा शर्मा जयपुर (WSC जयपुर)में आयोजित विनर्स, हैंडलूम एक्सपो फैशन शो में टॉप 5 फाइनलिस्ट में विजेता रही। वोग इंडिया X रॉयल एनफील्ड हिमालयन नॉट डिज़ाइन दिल्ली में आयोजित अटायर मेकिंग कॉम्पिटिशन, में परिशा भट्टाचार्य और नंदिनी दास (FD 8): ने प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।2024-2026 बैच की सुश्री प्रियंका जायसवाल ने नेशनल हैंडलूम डे 2024 पर आयोजित फैशन वॉक में प्रथम स्थान हासिल किया।

स्नातक प्रोजेक्ट्स एवं कार्यक्रम

स्टूडेंट्स ने अलग-अलग कंपनियों में अपने ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स पूरे किए, और सभी डिपार्टमेंट्स ने होटल इंडाना पैलेस में ग्रेजुएशन शो के ज़रिए अपने कार्य का प्रदर्शन किया। इन कार्यक्रम में उदयोग जगत एवं और शैक्षिणक क्षेत्र से जाने-माने मेहमान शामिल हुए, जिनमें अरविंद लिमिटेड, शॉपर्स स्टॉप, स्प्रिंगवेल मैट्रेसेस, रिलायंस रिटेल, सेंट्रल वूल डेवलपमेंट बोर्ड, शाही एक्सपोर्ट्स, पर्ल ग्लोबल और मशहूर डिज़ाइनर सुश्री पल्लवी दूडेजा फोली जैसे लीडर्स शामिल थे।

क्राफ्ट क्लस्टर पहल - गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ तथा प्रभाव

1 अगस्त 2024 को क्राफ्ट हाट का आयोजन किया गया जिसमें पारंपरिक शिल्प दिखाए गए, जैसे कि डाबू प्रिंटिंग, चमड़ा, टाई एंड डाई, लाख की चूड़ियाँ, धातु कला, मोजड़ी, बेंत, जूट, कढ़ाई और क्रोशिया इत्यादि।इस क्राफ्ट हाट का उद्घाटन IIT जोधपुर और NIFT के निदेशकों के द्वारा किया गया, जिसमें लाइव डेमो और बिक्री भी हुई। 7 अगस्त 2024 को आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर, एक शिल्प सेमिनार/वेबिनार में प्रदर्शनियाँ, वॉकथॉन, विशेषज्ञ सत्र, रैंप वॉक और उत्पाद प्रदर्शन हुए, जिसमें सुश्री श्वेता कोचर मुख्य अतिथि रही । छात्रों ने कोटा डोरिया, जरदोजी, रोगन कला, उस्ता कला, टेराकोटा, टाई एंड डाई, एप्लीक और मोलेला जैसे शिल्प समूहों का दस्तावेजीकरण किया। मार्च 2025 को आयोजित कारीगर जागरूकता कार्यशाला में 55 कारीगरों ने तथा नवंबर 2024 को आयोजित कारीगर जागरूकता कार्यशाला में 16 कारीगरों ने IPR, फोटोग्राफी, डिजाइन, लागत, सरकारी योजनाओं, उपभोक्ता व्यवहार और डिजिटल मार्केटिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया । जिसमें अरी-तारी, चमड़े और लकड़ी के शिल्प, मोजड़ी और पट्टू बुनाई समूहों में डिजाइन शामिल किए गए। 7-8 मार्च 2025 को आयोजित क्राफ्ट बाजार में पूरे भारत से 19 समूह शामिल हुए, जिससे थोक ऑर्डर के साथ ₹8 लाख से अधिक की बिक्री भी की गई ।

एलुमनाई मीट 2025: एलुमनाई मीट 2025 का आयोजन 12 अप्रैल को किया गया था, जिसमें पूर्व छात्रों को फिर से संस्थान से जुड़ने, नेटवर्क बनाने और अपनी उपलब्धियों और अनुभवों को साझा करने का एक मंच मिला।

पीएचडी में अध्यनरत संकाय /पीएचडी की उपाधि प्राप्तकर्ता संकाय

निफ़्ट जोधपुर के संकाय, श्री दीपराज सिन्हा, सुश्री गीति कर्माकर, श्री विजेंद्र कुमार, सुश्री प्रियंका, और श्री सरबन चौधरी PH.D. में अध्यनरत हैं।

प्रकाशन एवं पेपर प्रेजेंटेशन

डॉ. अदिति मेड़तिया : डॉ. अदिति मेड़तिया ने ट्रेडिशनल टेक्सटाइल्स ऑफ़ द इंडियन सबकॉन्टिनेंट, SDGS और टेक्सटाइल्स (स्प्रिंगर, 2025, PP. 331–356, DOI: 10.1007/978-981-96-6530-3) में नॉर्थ-सेंट्रल इंडिया के ट्रेडिशनल टेक्सटाइल्स पर एक पेपर लिखा। उन्होंने सितंबर 2024 में नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फैशन, टेक्सटाइल्स एंड क्राफ्ट्स, IIS यूनिवर्सिटी, जयपुर में 'रीडिफाइनिंग द फ्यूचर: द रोल ऑफ़ डिजिटल फैशन एंड द मेटावर्स इन शेपिंग लग्ज़री फैशन' और इंटरनेशनल ई-कॉन्फ्रेंस ऑन स्मार्ट टेक्सटाइल्स एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़ (STET), न्यूज़ीलैंड (दिसंबर 2024, ISBN 978-0-473-73563-0, DOI: 10.61135/STET2024) में 'रिवोल्यूशनइजिंग फैशन: 3D गारमेंट सिमुलेशन टेक्नोलॉजी फॉर वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स' पर प्रेजेंटेशन दिया।

डॉ. चेत राम मीना: डॉ. चेतराम मीना और डॉ. जन्मय सिंह हाड़ा ने मिलकर ट्रेडिशनल टेक्सटाइल्स ऑफ़ द इंडियन सबकॉन्टिनेंट: सस्टेनेबल इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, एंड डिज़ाइन (स्प्रिंगर,

2025, PP. 311–356) में वेस्टर्न राजस्थान के ट्रेडिशनल टेक्सटाइल डिज़ाइन, टेक्नोलॉजिकल और मैन्युफैक्चरिंग पहलुओं पर एक अध्याय लिखा और वेस्टर्न राजस्थान की पुगल एम्ब्रॉयडरी में अवसर और प्रगति (जर्नल ऑफ़ द टेक्सटाइल एसोसिएशन, 84/6, मार्च-अप्रैल 2024) और टेक्सटाइल्स में डिजिटल प्रिंटिंग और एप्लीकेशन (एडवांसमेंट्स इन टेक्सटाइल कलरेशन, 84/6, मार्च-अप्रैल 2024) पब्लिश किए। नैनोटेक्नोलॉजी असिस्टेड रीसाइक्लिंग ऑफ़ टेक्सटाइल वेस्ट (स्क्रिवनर, 2025) में नोवेल रीसाइकिल्ड नैनो टेक्सटाइल की फंक्शनल प्रॉपर्टीज़ को समझने और उनका कैरेक्टराइज़ेशन पर एक अध्याय भी छपा। इसके अलावा, डॉ. मीना ने वीविंग द फ्यूचर: इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी इन इंडियन हैंडलूम टेक्नोलॉजी (टेक्सचर, स्मारिका, IIHT एलुमनाई मीट, 2024) और सस्टेनेबल फिनिशिंग ऑफ़ टेक्सटाइल्स (स्प्रिंगर, ISBN: 978-981-9-4860-3) में अरोमा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए टेक्सटाइल की वेलनेस फिनिश पर भी कार्य किया।

डॉ. दिव्या व्यास :28-30 अगस्त 2024 को बाली, इंडोनेशिया में आयोजित जॉइंट एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन बिजनेस एंड इकोनॉमिक स्टडीज़ में डॉ. दिव्या व्यास ने रिसर्च पेपर प्रेजेंटेशन दिया । यह कॉन्फ्रेंस तीन संस्थानों ने मिलकर आयोजित की थी, जिसमें यूनिवर्सिटी ऑफ़ इकोनॉमिक्स हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम), यूनिवर्सिटी पडाजाजरन (UNPAD) और उदयना यूनिवर्सिटी (UNUD), इंडोनेशिया शामिल रहे ।

डॉ. हरलीन साहनी : डॉ. हरलीन साहनी ने सुश्री नूपुर चोपड़ा के साथ मिलकर NICOM 2025, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद (जनवरी 2025) में भारतीय सस्टेनेबल कपड़ों के बिज़नेस के एथोस – SDG 12 के नज़रिए से जांच विषय पर; 27वें IFFTI कॉन्फ्रेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ आर्ट्स, लंदन (मार्च 2025) में क्राफ्ट इंटरवेंशन के दौरान सीखने-भूलने-फिर से सीखने के नैरेटिव पर; और 5वें AIMA ICRC, दिल्ली (मई 2025) में KP एंटरप्राइज: कचरे से भविष्य बुनना केस स्टडी के साथ रिसर्च प्रस्तुत किया।

डॉ. जन्मय सिंह हाड़ा: डॉ. जन्मय सिंह हाड़ा और डॉ. चेत राम मीणा ने मिलकर 'ट्रेडिशनल टेक्सटाइल्स ऑफ़ द इंडियन सबकॉन्टिनेंट: सस्टेनेबल इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, और डिज़ाइन' (स्प्रिंगर, 2025, PP. 311–356) में वेस्टर्न राजस्थान के पारंपरिक टेक्सटाइल डिज़ाइन, टेक्नोलॉजिकल और मैन्युफैक्चरिंग पहलुओं पर एक अध्याय लिखा, और वेस्टर्न राजस्थान की पुगल एम्ब्रॉयडरी में अवसर और प्रगति (जर्नल ऑफ़ द टेक्सटाइल एसोसिएशन, 84/6, मार्च-अप्रैल 2024), टेक्सटाइल में डिजिटल प्रिंटिंग और एप्लीकेशन (एडवांसमेंट्स इन टेक्सटाइल कलरेशन, 84/6, मार्च-अप्रैल 2024), और खुशबू, स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए टेक्सटाइल की वेलनेस फिनिशिंग (सस्टेनेबल फिनिशिंग ऑफ़ टेक्सटाइल्स, स्प्रिंगर) पर पेपर पब्लिश किए। डॉ. हाड़ा ने परफॉर्मेंस फैब्रिक्स: 37.5 टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित तापमान नियंत्रण (IIS जयपुर, सितंबर 2024), सतह की सजावट के लिए टिकाऊ स्थानीय सामग्री की खोज: बाड़मेर जिले में एप्लीक और पैचवर्क (IIT रुड़की, अक्टूबर 2024), और सुरक्षात्मक वस्त्र : सैन्य और रक्षा वस्त्र (IISU जयपुर, सितंबर 2024) पर भी पेपर प्रस्तुत किए। इसके अलावा, नैनोटेक्नोलॉजी-आधारित स्पोर्ट टेक्सटाइल के उत्पादन में टेक्सटाइल कचरे का उपयोग करने पर एक चैप्टर स्पोर्ट टेक्सटाइल्स (स्क्रिवनर पब्लिशिंग) में प्रकाशित हुआ।

डॉ. मदन लाल रेगर: डॉ. मदन लाल रेगर के द्वारा तीसरे टेक्सटाइल और फैशन इनोवेशन कांग्रेस, मैनचेस्टर, UK (अप्रैल 2025) और छठे इंटरनेशनल इस्तांबुल करंट साइंटिफिक रिसर्च कॉन्फ्रेंस (फरवरी 2025) में एली-ट्विस्टेड बुने हुए कपड़े की वेपर और मॉइस्चर कंट्रोल विशेषताओं का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने 'ट्रेडिशनल टेक्सटाइल्स ऑफ़ द इंडियन सबकॉन्टिनेंट, SDGS एंड टेक्सटाइल्स' (स्प्रिंगर, 2025) पुस्तक में 'ट्रेडिशनल टेक्सटाइल्स ऑफ़ नॉर्थ-सेंट्रल इंडिया' नाम का अध्याय भी लिखा है। इसके अतिरिक्त उन्होंने दूसरे इंटरनेशनल शिरवंशाहलर साइंटिफिक रिसर्च एंड इनोवेशन कांग्रेस, अज़रबैजान (मई 2025) में 'फेटिया: अकोला का टार रेसिस्ट ब्लॉक प्रिंट' प्रस्तुत किया।

डॉ. रुचि खोलिया: डॉ. रुचि खोलिया ने हैंडबुक ऑफ़ टेक्सटाइल टेस्टिंग (2024) और हिस्ट्री ऑफ़ वर्ल्ड कॉस्ट्यूम (2024) को को-ऑथर किया है, और नैनोटेक्नोलॉजी-असिस्टेड रीसाइक्लिंग ऑफ़ टेक्सटाइल वेस्ट (स्क्रिवनर, 2025) में नैनोटेक्नोलॉजी और टेक्सटाइल वेस्ट पर एक अध्याय लिखा । उन्होंने इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फैशन एज़ ए टूल फॉर सोशल चेंज (वॉक्सन यूनिवर्सिटी, अगस्त 2025) में 'मुक्के का काम: बाड़मेर, राजस्थान की एक लुप्त होती कला' पर पेपर प्रस्तुत किया, जिसका पब्लिकेशन रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस के तहत प्रोसेस में है।

डॉ. रुचिका डावर: पब्लिश हुए पेपर्स में ICON 2023 प्रोसीडिंग्स (NIFT कांगड़ा) में सस्टेनेबिलिटी के संदर्भ में फैशन कंज्यूमर खरीदने के व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव और CIEMC 2022 प्रोसीडिंग्स (IIM बोधगया और यूनिवर्सिटी ऑफ़ वाइकाटो, एमराल्ड पब्लिशिंग, जुलाई 2024) में ई-कॉमर्स के प्रति भारतीय टीनएजर्स का खरीदने का व्यवहार शामिल है। उन्होंने सत्र की अध्यक्षता की तथा अक्टूबर 2024 को IIT रुड़की में आयोजित इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इनोवेटिव डिज़ाइन फॉर एक्सीलेंस, अफोर्डेबिलिटी, एंड सस्टेनेबिलिटी (IDEAS 2024), में जोधपुर,(राजस्थान) के लेदर हैंडीक्राफ्ट को फिर से प्रभावी बनाने के लिए स्ट्रेटेजी और रोडमैप प्रस्तुत किया।

डॉ. शीतल सोनी: डॉ. शीतल सोनी ने स्कोपस-इंडेक्स्ड COM-IT-CON 2024, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट (24-25 अक्टूबर, 2024) में 'वर्कप्लेस में वियरेबल टेक्नोलॉजी को अपनाना: कर्मचारियों की सोच और व्यवहारिक इरादों का एक अध्ययन'विषय के साथ पेपर प्रस्तुत किया, और अक्टूबर 2024 में एडवांसेज इन आर्टिफिशियल-बिजनेस एनालिटिक्स एंड क्वांटम मशीन लर्निंग (स्प्रिंगर नेचर, स्कोपस-इंडेक्स्ड,) में AR VR इमर्सिव और कोलैबोरेटिव एनवायरनमेंट के ज़रिए कस्टमर एक्सपीरियंस ट्रांसफॉर्मेशन पर एक अनुमानित विश्लेषण प्रकाशित किया।

डॉ. महेंद्र दैया: डॉ. महेंद्र दैया ने 13-14 जनवरी, 2025 को अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर, और अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, USA, द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ़ मैरीलैंड ईस्टर्न शोर, USA के साथ मिलकर आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इनोवेटिव रिसर्च इन साइंस, मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (ICIRSMT) में 'कंज्यूमर खरीदारी के निर्णय पर सोशल मीडिया का प्रभाव' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. पुनीत कुमार: डॉ. पुनीत कुमार ने IIT जोधपुर में विकसित भारत@2047 (फरवरी 2025) के दौरान क्राफ्ट-बेस्ड स्टडीज़ पर दो रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए—थ्रेड्स ऑफ़ ट्रेडिशन: एक्सप्लोरिंग द टाई एंड डाई ड्राफ्ट ऑफ़ जोधपुर और फैमिली स्ट्रक्चर्स एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन स्किल एंड सोशल मोबिलिटी—और फरवरी 2025 को TITS भिवानी में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन टेक्निकल टेक्सटाइल्स एंड सस्टेनेबिलिटी में केलर एपॉक्सी कम्पोजिट्स की मशीनिंग पर

एक पोस्टर भी प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त डॉ. पुनीत कुमार ने एक रिसर्च पेपर, ऑप्टिमाइज़िंग प्रोसेस पैरामीटर्स फॉर कर्फ पेपर यूजिंग TM-GRA ऑफ़ GFRP कम्पोजिट्स विद AWJM, भी लिखा, जो इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स, वॉल्यूम 16, के नंबर 3, 2025 में पब्लिश हुआ।

सुश्री सोनिका सिवाच: सुश्री सोनिका सिवाच ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (वॉल्यूम 12, इश्यू 6, जून 2024, ISSN 2455-6211) में 'भारत में फैशन ई-कॉमर्स पर सोशल मीडिया मार्केटिंग का एक एनालिसिस' और इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (वॉल्यूम 7, इश्यू 1, जनवरी-फरवरी 2025, E-ISSN 2582-2160) में 'तेजी से बदलाव: भारत के फैशन इंडस्ट्री में क्विक कॉमर्स का उदय' में पेपर्स पब्लिश किए। इसके अतिरिक्त उन्होंने 'मॉडलिंग इकोनॉमिक ग्रोथ इन कंटेम्पररी इंडिया' (एमराल्ड पब्लिशिंग, जुलाई 2024, पेज 137–150, DOI: 10.1108/978-1-80382-751-320241008) पुस्तक में 'ई-कॉमर्स के प्रति भारतीय टीनएजर्स का खरीदने का व्यवहार' नामक एक अध्याय भी लिखा है।

डॉ. युवराज गर्ग को "टेक्सटाइल मटीरियल के कंपोनेंट्स की पहचान करने के लिए एक सिस्टम" (एप्लीकेशन नंबर 202411038562) नाम के पब्लिश हुए पेटेंट में इन्वेंटर्स में से एक के रूप में लिस्ट किया गया था। यह पेटेंट एप्लीकेशन 16 मई 2024 को फाइल किया गया था और 20 जून 2025 को पब्लिश हुआ था।

डॉ. आकांक्षा पारीक : डॉ. आकांक्षा पारीक ने पारंपरिक टेक्सटाइल्स और सस्टेनेबिलिटी पर रिसर्च पेपर पेश किए, जिनमें पश्चिमी राजस्थान की पट्टू बुनाई और कोटा डोरिया – एक पारंपरिक ब्रोकेड बुनाई तकनीक पर नेशनल कॉन्फ्रेंस थ्रेड्स ऑफ हेरिटेज (CPGS AS, शिलांग, जनवरी 2025) में; GEN-Z के लिए पारंपरिक भारतीय कढ़ाई को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्ट डाइवर्सिफिकेशन की एक कोशिश पर इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इनोवेटिव डिज़ाइन फॉर एक्सीलेंस, अफोर्डेबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी (IIT रुड़की, अक्टूबर 2024) में; भारतीय पारंपरिक कढ़ाई में "कमल" मोटिफ का विश्लेषण और इसका सांस्कृतिक महत्व पर नेशनल कॉन्फ्रेंस फैशन, टेक्सटाइल्स एंड क्राफ्ट: ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव (IISU जयपुर, सितंबर 2024) में; और स्मार्ट टेक्सटाइल्स एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज (STET-2024), न्यूजीलैंड (दिसंबर 2024) में 3D प्रिंटिंग के वेस्ट मैनेजमेंट की समीक्षा करने की एक कोशिश पर पेपर पेश किए।

श्री विजेंदर कुमार: उनके को-ऑथर्ड पेपर्स में UNIKAA'24, IIT गुवाहाटी (अक्टूबर 2024) में अरुणाचल प्रदेश की वानचो जनजातियों के पुराने धार्मिक विश्वासों और सांस्कृतिक प्रथाओं को संरक्षित करना: पारंपरिक लकड़ी की नक्काशी; ट्रेडिशन एंड ट्रांजिशन: सस्टेनिंग इंडिजिनस स्किल्स एंड सोशियो-इकोनॉमिक मोबिलिटी रोड टू विकसित भारत@2047, IIT जोधपुर (फरवरी 2025) में कोटा डोरिया क्राफ्ट में पारिवारिक संरचनाएं और कौशल संरक्षण पर इसका प्रभाव; और द आचार्य इंटरनेशनल डिज़ाइन कॉन्फ्रेंस, बैंगलोर (मई 2025) में डिज़ाइन, सामग्री और स्थिरता पर एक गुणात्मक अध्ययन शामिल हैं।

संकाय का समग्र विकास

डॉ. चेत राम मीणा ने कार्यात्मक और सतत वस्त्रों पर एफडीपी सह वेबिनार के दौरान फैशन उद्योग में अभिनव सतत दृष्टिकोण पर एक सत्र दिया, आईआईएस जयपुर में सितंबर 2024 को, आईआईटी रुड़की में अक्टूबर 2024 को, और एफटीडब्ल्यू 2025, मैनचेस्टर में पेपर प्रस्तुत किए, शिल्पी हस्तशिल्प जयपुर (जून 2025) में इंडिगो और प्राकृतिक रंगाई पर एफआईए पूरा किया और एमएलवीटीईसी भीलवाड़ा और आईआईएचटी जोधपुर (मई 2024-मार्च 2025) के लिए पीएचडी परीक्षक/बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। उन्होंने टीओटी इनोवेटिव टूल बॉक्स, अक्टूबर 2024 को निफ्ट मुंबई में, कार्यात्मक वस्त्रों पर एसटीसी, एनआईटी जालंधर (जून 2024), और एमिटी यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ (जुलाई 2024) और एमएलवीटीईसी-आरटीयू (अप्रैल 2025) में एफडीपी में भाग लिया।

डॉ. जन्मय सिंह हाड़ा ने मार्च 2025 को IIM रांची, में आयोजित MDP "नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप", मेडिकल टेक्सटाइल्स पर एक कैप्सूल कोर्स (BIS, नवंबर 2024) में हिस्सा लिया, अक्टूबर 2024 में IIT रुड़की-क्लींस यूनिवर्सिटी, के कार्यक्रम IDEAS 2024 में बतौर अध्यक्ष कार्य किया, और मई 2024 को IIHT जोधपुर में एक्सटर्नल एग्जामिनर रहे । डॉ. चेत राम मीणा ने 14 से 18 अक्टूबर 2024 तक निफ़्ट मुंबई में 5-दिवसीय TOT इनोवेटिव टूल बॉक्स में भाग लिया। डॉ. जनमय सिंह हाड़ा ने 14 से 18 अक्टूबर 2024 तक निफ़्ट मुंबई में आयोजित 5-दिवसीय TOT इनोवेटिव टूल बॉक्स में भाग लिया।

श्री विजेंद्र कुमार:ने एक पुस्तक और जर्नल पेपर की पीयर रिव्यूइंग के लिए सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त किया ।

सुश्री रुचिका डावर:ने जुलाई 2023 में एमिटी यूनिवर्सिटी के फैशन सिस्टम पर 5-दिवसीय PDP में भाग लिया।

डॉ. शिखा गुप्ता:ने जुलाई 2024 को निफ़्ट दिल्ली में आयोजित लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट पर TOT में भाग लिया।

डॉ. शीतल सोनी: IIM कोझिकोड से एकेडमिक रिसर्च और डेटा एनालिसिस पर FDP (130 घंटे) पूरा किया। डॉ. शीतल सोनी ने 10-24 जून 2025 तक सूर्यनगरी कढ़ाई क्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, जोधपुर में 15-दिवसीय FIA पूरा किया।

डॉ. महेंद्र दैया ने जुलाई 2024 में गणेश हैंडीक्राफ्ट्स में FIA पूरा किया और UDEMY से फोटोग्राफी पर एक कोर्स पूरा किया।

सुश्री सोनिका सिवाच ने 3 से 5 जुलाई 2024 तक निफ़्ट नई दिल्ली में "लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट" पर TOT पूरा किया।

सुश्री श्वेता जून ने जनवरी 2025 में निफ़्ट मुंबई में आर्ट और डिज़ाइन एस्थेटिक्स के TOT में भाग लिया।

डॉ. मदन लाल रेगर ने फैशन और टेक्सटाइल्स में सस्टेनेबल अप्रोच पर 8-दिवसीय PDP (एमिटी यूनिवर्सिटी, जुलाई 2024) और गारमेंट टेक्नोलॉजी में एडवांसमेंट पर 1-सप्ताह के STP (NIT जालंधर, नवंबर 2024) में भाग लिया। डॉ. रुचि खोलिया ने आर्ट, डिज़ाइन, फैशन और एनिमेशन पर एक FDP (एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता, जुलाई 2024) और फैशन और टेक्सटाइल्स में सस्टेनेबल अप्रोच पर 8-दिवसीय PDP (एमिटी यूनिवर्सिटी, छत्तीसगढ़, जुलाई 2024) में भाग लिया।

पूर्व छात्रों, इंडस्ट्री और इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स द्वारा सेमिनार और वर्कशॉप

विशेषज्ञ सत्र और व्याख्यान आयोजित किए गए जिसमें एएडब्ल्यू-2025 के दौरान कॉपीराइट और आईपीआर पर श्री अरुणाभ बनर्जी (एनएलयू जोधपुर) का व्याख्यान, और श्री अविषेक

मंडल, सुश्री एलिजा नंदा, श्री सुमित गुप्ता, श्री दीपक सैनी, सुश्री दीक्षा मेहता, श्री मनीष गट्टानी, डॉ. चंद्रकांत शर्मा, डॉ. मदन मीणा और सुश्री कोमल शर्मा (अगस्त-अक्टूबर 2024) द्वारा 7वें सेमेस्टर के व्यावसायिक परियोजना के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन शामिल हैं। उद्योग के विशेषज्ञों ने वित्त, विरासत उत्पाद, सोशल मीडिया मार्केटिंग, योजना और खरीद, फैशन रिटेलिंग, उद्यमिता, वैश्विक विपणन, ब्रांड प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग, एकीकृत विपणन संचार, और आपूर्ति श्रृंखला और ई-कॉमर्स पर सत्रों में भी योगदान दिया।

प्रमुख उद्योगों के साथ सहसंबंध

छात्रों ने प्रमुख डिजाइनरों और ब्रांडों के साथ इंटर्नशिप पूरी की,जिसमें उम्मेद मिल्स, अरविंद डेनिम, मैम आर्ट्स, रेडनिक एक्सपोर्ट और अन्य प्रसिद्ध कंपनियों के लिए सेमेस्टर में कई उद्योग दौरे आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, 7 डीसी छात्रों ने सर्वश्रेष्ठ रेसिल पुरस्कार में भाग लिया, और टीडी छात्रों ने भीलवाड़ा, दिल्ली और जयपुर में कई कपड़ा और खुदरा संगठनों का दौरा किया।

सस्टेनेबिलिटी पहलू एवं ग्रीन कैंपस गतिविधियां

निफ्ट जोधपुर पानी के पुन: उपयोग के लिए 200 केएलडी एसटीपी, 370 किलोवाट के सौर संयंत्र, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध, ऊर्जा-कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था और भू-भाग हरियाली के साथ पर्यावरण के अनुकूल परिसर बनाने के लिए सततःता को बढ़ावा देता है।

कांगड़ा

परिचय

निफ्ट कांगड़ा की शुरुआत 2009 में फ़ैशन डिज़ाइन, फ़ैशन प्रौद्योगिकी, वस्त्र डिज़ाइन, फ़ैशन संचार और फ़ैशन एवं लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ डिज़ाइन कार्यक्रम जैसे पाँच स्नातक कार्यक्रमों के साथ हुई थी: । वर्ष 2021 में, निफ्ट कांगड़ा में मास्टर ऑफ़ फ़ैशन मैनेजमेंट स्टडीज़ प्रोग्राम और उसके बाद 2023-2024 शैक्षणिक वर्ष में मास्टर ऑफ़ डिज़ाइन स्पेस (M.DES) स्नातकोत्तर कार्यक्रम को शामिल किया गया। वर्तमान में, निफ्ट कांगड़ा के 1,768 से ज़्यादा पूर्व छात्र फ़ैशन उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हैं और पूर्व छात्र नेटवर्क में एक सहायक के रूप में शामिल हैं जो भावी छात्रों और नए स्नातकों की सहायता करता है।

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ और उपलब्धियाँ

- निफ्ट कांगड़ा ने एक अभिनव स्टार्टअप, "इट्सहेम्प" को सफलतापूर्वक विकसित किया है, जो हिमाचल और दुनिया भर में निर्मित हेम्प/नेटल/पाइन उत्पादों को दर्शाता है, जिससे एक स्वस्थ, राहत भरी और टिकाऊ जीवनशैली संभव हो पाई है।
- नए बुनियादी ढाँचे के विकास के अंतर्गत, हमें एक महत्वपूर्ण परियोजना - 120 बिस्तरों वाले बालिका छात्रावास के पूरा होने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसका निर्माण वस्त्र मंत्रालय के उदार सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) पहल के तहत किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू संबंध:

सुश्री कृति मदान (एफ एंड एलए) और सुश्री अर्पिता रत्नश्री दास (बी एफ टी) ने जनवरी से जून 2025 तक फ्रांस के ई एन एस ए आई टी विश्वविद्यालय में एक सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया।

आरआईसी रिपोर्ट (अप्रैल 2024 - मार्च 2025):

प्लेसमेंट शैक्षणिक सत्र 2024-25 में, वर्तमान बैच का प्लेसमेंट अभी भी जारी है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 में, निफ्ट कांगड़ा से 183 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। कैंपस प्लेसमेंट के इच्छुक कुल 174 छात्रों में से, 77.6% स्नातकों को 5.5 लाख रुपये प्रति वर्ष के औसत पैकेज के आधार पर प्लेसमेंट मिला।

पूर्व छात्र एवं उद्योग संपर्क (अप्रैल 2024 - मार्च 2025):

- पूर्व छात्र मिलन: 22 मार्च, 2025 को, आर आई सी विभाग ने छात्रों को उद्योग के पेशेवरों और पूर्व छात्रों से जोड़ने के लिए एक पूर्व छात्र मिलन और उद्योग संपर्क का आयोजन किया।
- पैनल चर्चा: उद्योग जगत के लोगों और संकाय सदस्यों के बीच 21 मार्च, 2025 को एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें छात्रों को उद्योग जगत की बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई।
- विशेषज्ञ सत्र: निफ्ट कांगड़ा ने विशेषज्ञ सत्रों और जूरी पैनलिस्ट के रूप में 27 पूर्व छात्रों और 60 उद्योग विशेषज्ञों की मेजबानी की।

पूर्व-प्लेसमेंट कार्यशाला (अप्रैल 2024 – मार्च 2025):

आर आई सी विभाग ने 28 नवंबर, 2024 को स्नातक छात्रों के लिए और 30 नवंबर, 2024 को स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्री-प्लेसमेंट कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें ई आई और ई क्यू, प्रथम प्रभाव, साक्षात्कार, पेशेवर आचरण और बायोडाटा निर्माण जैसे विषयों को शामिल किया गया। कार्यशालाओं का नेतृत्व एल' ए आर टी समूह के कला निदेशक श्री पंकज सहजोवालिया और एल' ए आर टी समूह की प्रबंध भागीदार सुश्री निधि निखंज ने किया।

एन ए आई ए बी की बैठकें (अप्रैल 2024 - मार्च 2025):

30 जुलाई, 2025 और 22 मार्च, 2025 को निफ्ट कांगड़ा द्वारा निदेशक महोदय प्रो. डॉ. राहुल चंद्रा के नेतृत्व में निफ्ट पूर्व छात्र और उद्योग सलाहकार बोर्ड (एन ए आई ए बी) की दो बैठकें आयोजित कीं। उपस्थित लोगों में शैक्षणिक प्रतिनिधि श्री विनोद कुमार शर्मा, श्री नीरज जायसवाल और सुश्री मारिया अफजल; उद्योग प्रतिभागी सुश्री पल्लवी मोहन (संस्थापक, 'नॉट सो सीरियस बाय पल्लवी मोहन'), श्री राजेश सिद्धार्थ (संस्थापक, 'द मैजिक टच') और पूर्व छात्र श्री अभय प्रताप (ऑपरेशनल एक्सीलेंस हेड, वामनी ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड) और अन्य उपस्थित लोगों में श्री पवित्तर पुनीत सिंह मदान, श्रीमती लवदीप सिंह, श्रीमती नंदिता कोहली, सुश्री मौलश्री सिन्हा और सुश्री कृति श्रीवास्तव शामिल थे।

मुख्य चर्चा बिंदु:

दोनों बैठकों में छात्र विकास को बढ़ावा देने और उद्योग संबंधों को मज़बूत करने पर ध्यान किया गया, जिसमें विशेष रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दिया गया:

- छात्र आचरण और व्यावसायिकता: छात्रों में अधिक पेशेवर मानसिकता पैदा करने के लिए उनके अनुशासन, दृष्टिकोण और व्यवहार का मूल्यांकन।
- निफ्ट कांगड़ा के डिज़ाइन कार्यक्रमों को बढ़ावा देना: हिमाचल प्रदेश में निफ्ट कांगड़ा के डिज़ाइन पाठ्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- उद्योग-अकादमिक संबंधों को मज़बूत करना: अगली बैठक में एजेंडे पर चर्चा की जाएगी।

निफ्ट कांगड़ा द्वारा कार्यान्वित परियोजनाएँ (अप्रैल 2024 – 25 मार्च)

सिक्योर हिमालय पहल के अंतर्गत निफ्ट कांगड़ा द्वारा कार्यान्वित यूएनडीपी-II परियोजना का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के लाहौल-पांगी क्षेत्र में पारंपरिक हथकरघा और हस्तशिल्प-आधारित मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करना है। यह परियोजना निम्नलिखित पर केंद्रित है:

- समुदाय-आधारित हथकरघा और हस्तशिल्प विकास को बढ़ावा देना
- सहकारी समितियों और समूहों का गठन और सुदृढ़ीकरण
- समुदायों को स्फूर्ति जैसी सरकारी योजनाओं और अन्य विकास कार्यक्रमों से जोड़ना
- सरकारी, निजी और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी एस आर) निधियों के माध्यम से बुनियादी ढाँचे और प्रक्रिया विकसित करने में सहायता प्रदान करना
- सहकारी प्रबंधन, मूल्य संवर्धन, संसाधनों के सतत उपयोग और व्यवसाय विकास में उन्नत प्रशिक्षण के माध्यम से सामुदायिक क्षमताओं का संवर्धन
- स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग और विपणन को बढ़ावा देना
- सहभागी तरीकों के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण में स्थानीय समुदायों को शामिल करना

कुल मिलाकर, यह परियोजना आजीविका संवर्धन को संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र के सतत उपयोग के साथ एकीकृत करती है।

निफ्ट कांगड़ा की बुनियादी संरचना और सुविधाओं की उपलब्धियाँ (अप्रैल 2024 - मार्च 2025)

निफ्ट कांगड़ा ने अपने संस्थागत विकास को समर्थन देने के लिए महत्वपूर्ण प्रशासनिक और बुनियादी ढाँचे में सुधार किए हैं:

- छात्रावास सुविधाएँ: 120 बिस्तरों वाला एक नया बालिका छात्रावास जोड़ा गया है।
- आवासीय क्वार्टर: संकाय सदस्यों के लिए परिसर में बेहतर आवास प्रदान करने हेतु एक बहुमंजिला आवासीय ब्लॉक।
- शैक्षणिक बुनियादी ढाँचा:
  - » नौ नए संकाय केबिन विकसित किए गए हैं।
  - » वस्त्र डिज़ाइन विभाग ने 45 टेबलटॉप करघे खरीदे हैं।
  - » सहायक डिज़ाइन विभाग ने एक अतिरिक्त सिरेमिक प्रयोगशाला स्थापित की है।
  - » फ़ैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने विशेष मशीनों सहित 45-50 नई औद्योगिक सिलाई मशीनें स्थापित की हैं।
  - » संसाधन केंद्र के संग्रह में 1,000 से अधिक पाठ्यक्रम पुस्तकों का विस्तार किया गया है।

इन सुधारों का उद्देश्य शैक्षणिक वातावरण को अधिक सुदृढ़ बनाना, संकाय और छात्र समर्थन को मजबूत करना,फैशन और डिजाइन उद्योगों की उभरती मांगों के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करना है।

स्टार्टअप सेल/इन्क्यूबेशन सेंटर (अप्रैल 2024 – मार्च 2025)

जुलाई 2021 में, निफ्ट कांगड़ा ने हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के साथ मिलकर निफ्ट कांगड़ा स्टार्टअप सेल की स्थापना की ताकि डिज़ाइन और उद्यमिता में रचनात्मकता, स्थिरता और नवाचार को प्रोत्साहित किया जा सके। यह केंद्र कार्यस्थल, कपड़ा और डिज़ाइन से संबंधित बुनियादी ढाँचा, और डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

स्टार्टअप सेल ने चार उद्यमों को सफलतापूर्वक इनक्यूबेट किया है:

- एरियो पार्क्स (श्री नरिंदर सिंह): हिमाचल प्रदेश में पार्किंग अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला एक आईओटी-आधारित पार्किंग समाधान।
- हिमबाजार (श्री अभिषेक): हिमाचल प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण समुदायों के उत्पादों को बढ़ावा देने वाला एक ऑनलाइन बाज़ार।
- इट्सहेम्प (श्री सृजन शर्मा): हिमाचल और दुनिया भर में बने हेम्प/नेटल/पाइन उत्पादों की पेशकश, एक स्वस्थ, दर्द-मुक्त और टिकाऊ जीवनशैली को सक्षम बनाना।
- विनिकार्ट (श्री विकास सिंह और सुश्री शिवानी वर्मा): कारीगरों को एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, उचित मुआवज़ा और समकालीन डिज़ाइन सहयोग प्रदान करके पारंपरिक हिमाचली शिल्प को पुनर्जीवित करना।

शिल्प क्लस्टर पहल (अप्रैल 2024 – मार्च 2025)

निफ्ट कांगड़ा, वस्त्र मंत्रालय और विकास आयुक्तों (हथकरघा एवं हस्तशिल्प) के सहयोग से, हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में शिल्प क्लस्टरों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। इन पहलों में शिल्प अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण, शिल्प-आधारित उत्पाद विकास और जागरूकता कार्यशालाएँ शामिल हैं। इसका मुख्य लक्ष्य भारत के विविध हथकरघा और हस्तशिल्प को प्रतिवर्ष प्रदर्शित करने के लिए एक सतत मंच प्रदान करना है।

प्रमुख गतिविधियाँ:

1. शिल्प बाज़ार 2024: 27 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक धर्मशाला में आयोजित किया गया जिसमें मंडी, पालमपुर, चंबा और कांगड़ा के 22 कारीगरों ने भाग लिया और लगभग ₹3,50,000 की बिक्री हुई।
2. कारीगर जागरूकता कार्यशाला 2024-25: 26-27 मार्च, 2024 को 14 कारीगरों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें नवाचार और आधुनिक बाज़ार रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
3. शिल्प प्रदर्शन: वस्त्र डिज़ाइन विभाग ने मास्टर बुनकर श्री सोहन लाल द्वारा कुल्लू शॉल बुनाई का प्रदर्शन आयोजित किया, और फ़ैशन डिज़ाइन विभाग ने सुश्री इंदु शर्मा द्वारा चंबा रुमाल का प्रदर्शन आयोजित किया।
4. शिल्प अनुसंधान एवं प्रलेखन (सी आर डी) दौरे - स्नातक बैच एफ डी, एफ एंड एलए, एफ सी, बी एफ टी और टी डी विभागों के छात्रों ने जून 2024 में कुल्लू, किन्नौर, मंडी, देहरादून, बिलासपुर, चंबा और कांगड़ा के क्लस्टरों का दौरा किया, जिसमें लकड़ी की जड़ाई, पुल्ला चप्पल, पाइन नीडल क्राफ्ट, बांस क्राफ्ट, चंबा रुमाल और विभिन्न बुनाई और लकड़ी के काम की तकनीकों जैसे शिल्प शामिल थे।
5. शिल्प आधारित डिजाइन परियोजना (सी बी डी पी) दौरे: एफ डी और टी डी विभागों के छात्रों ने पारंपरिक बुनाई का अध्ययन करने के लिए अक्टूबर में कुल्लू क्लस्टर का दौरा किया। एफ एंड एलए विभाग ने चमड़े के काम, धातु के काम, लकड़ी के काम और बांस शिल्प पर ध्यान केंद्रित करते हुए चंबा, कुल्लू और कांगड़ा के क्लस्टरों का दौरा किया।
6. शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन (सी आर डी) दौरे – एम एफ एम और एम ड्रेस विभागों के छात्रों ने मार्च 2025 में कुल्लू, मंडी और कांगड़ा में समूहों का दौरा किया, जिसमें लकड़ी की नक्काशी, पुल्ला चप्पल, पाइन सुई शिल्प, कुल्लू टोपी और बुनाई को शामिल किया गया।

सम्मेलन/टीओटी/कार्यशाला गतिविधियाँ (अप्रैल 2024 - मार्च 2025)

निफ्ट कांगड़ा ने 2024 में गर्मियों के दौरान उन्नत अनुसंधान पद्धति पर एक संकाय विकास कार्यशाला और अपने संकाय सदस्यों के लिए आर-स्टूडियो सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डेटा विश्लेषण के लिए आर प्रोग्रामिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की।

निफ्ट कांगड़ा ने 4 और 5 जुलाई 2024 को निफ्ट, कांगड़ा के संकाय सदस्यों के लिए डिज़ाइन की मूल बातें पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। सत्रों में डिज़ाइन का परिचय, डिज़ाइन तत्व और दृश्य धारणाएँ, रंग सिद्धांत और डिज़ाइन सोच और प्रक्रिया जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया।

संकाय विकास गतिविधियाँ (अप्रैल 2024 – मार्च 2025)

- विभिन्न संकाय सदस्यों ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान अपने-अपने विभागों द्वारा आयोजित 5 प्रशिक्षण कार्यक्रमों (टीओटी) में भाग लिया।
- 2 संकाय सदस्यों ने शैक्षणिक वर्ष में अपना फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट पूरा किया।
- 4 संकाय सदस्यों ने दुनिया भर के विभिन्न कॉलेजों द्वारा प्रस्तुत 7 से अधिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और कार्यक्रम पूरे किए।

पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ (अप्रैल 2024 – मार्च 2025)

- डॉ. राजीव कुमार, सहायक प्राध्यापक, एफ एम एस विभाग ने मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग (ए* एबीडीसी-रेटेड जर्नल) और एशियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, बिज़नेस एंड अकाउंटिंग के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया। उन्होंने 2025 में जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (डीआरडीए), चंबा की कार्यशाला में चंबा शिल्प के विपणन पर एक विशेषज्ञ सत्र भी दिया।
- श्री अनिल कुमार तिर्की, सहायक प्राध्यापक, ए डी विभाग ने 2025 में जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (डीआरडीए), चंबा की कार्यशाला में चंबा शिल्प के शिल्प उत्पादों की पैकेजिंग पर एक विशेषज्ञ सत्र दिया।
- सुश्री आकांक्षा दायमा, सहायक प्राध्यापक, एफ एम एस विभाग ने खुदरा व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के छात्रों के लिए सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस), बलधार में विज़ुअल मर्चेंडाइजिंग पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. हरीश कुमार बंगा, सहायक प्राध्यापक, ए डी विभाग ने इंटरनेशनल जर्नल ऑन इंटरएक्टिव डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (आईजेआईडीईएम), एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च इंजीनियरिंग सहित कई पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया है। वे एनआईटी उत्तराखंड और सॉफ्ट कंप्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी में पीईआईएस-2025 के तकनीकी कार्यक्रम समिति सदस्य और समीक्षक भी रहे हैं, और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गोवा और सॉफ्ट कंप्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी में कंप्यूटर विज़न और रोबोटिक्स (सीवीआर 2025) पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के भी समीक्षक रहे हैं।
- सुश्री कृति श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक, एफ एम एस विभाग ने येल विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा सतत फैशन उपभोग पर एसएफसी-येल संगोष्ठी के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया है और भारत टेक्स (फरवरी 2025) और लक्मे फैशन वीक (मार्च 2025) के लिए सतत फैशन की शब्दावलियों में योगदान दिया है।
- डॉ. गार्गी भट्टाचार्य, सहायक प्राध्यापक, टी डी विभाग और डॉ. सौरभ गर्ग, सहायक प्राध्यापक, टी डी विभाग ने सितंबर 2024 में सभी निफ्ट केंद्रों के टी डी विभागों के लिए 'हाथ से कताई और प्राकृतिक रंगाई पर प्रयोग' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की।
- डॉ. बबीता भंडारी, सहायक प्राध्यापक, टी डी विभाग को ग्रेटर नोएडा के शारदा विश्वविद्यालय में मीडिया और डिज़ाइन पर एक सतत भविष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फैशन में टिकाऊ वस्त्रों को बढ़ावा देने में वस्त्र प्रमाणन और इको-लेबल की भूमिका" के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति का पुरस्कार मिला।

- सुश्री मारिया अफजल, सहायक प्राध्यापक, एफ सी विभाग ने 'समावेशी डिज़ाइन' (लिंक्डइन लर्न, सितंबर 2024) और 'सूचना विज़ुअलाइज़ेशन' (इंटरैक्शन डिज़ाइन फ़ाउंडेशन, फ़रवरी 2025) में प्रमाणन पूरा किया।
- डॉ. राहुल चंद्रा, प्राध्यापक, एफ एम एस विभाग, ने आईआईएमबीजी जर्नल ऑफ सस्टेनेबल बिज़नेस एंड इनोवेशन में "एफडीआई प्रवाह पर बुनियादी ढांचे, कार्बन तीव्रता और व्यापक आर्थिक कारकों की भूमिका को उजागर करना: एक अनुभवजन्य भारतीय साक्ष्य" शीर्षक से एक शोधपत्र की समीक्षा की।
- डॉ. राहुल चंद्रा, प्राध्यापक, एफ एम एस, विभाग ने "ब्राजील के एक उच्च शिक्षा संस्थान में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लागू करने में बाधाएँ और चुनौतियाँ" शीर्षक से एक शोधपत्र की समीक्षा की। उच्च शिक्षा में स्थिरता का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।

पीएचडी पूर्ण (अप्रैल 2024 - मार्च 2025)

- डॉ. अमन कुमार ने सितंबर 2024 में जीएनए विश्वविद्यालय, फगवाड़ा (पंजाब) से अपनी पीएचडी पूरी की। उनके शोध प्रबंध का शीर्षक "साइबर सुरक्षा और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में डेटा की सुरक्षा" था।
- डॉ. पवित्तर पुनीत सिंह मदान ने जनवरी 2025 में डॉ. बी आर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर से अपनी पीएचडी पूरी की। उनके शोध प्रबंध का शीर्षक था "एसिड प्रोटीएज और ट्रांसग्लूटामिनेज का उपयोग करके सिकुड़न प्रतिरोधी ऊन का विकास।"

पीएचडी जारी

निफ्ट कांगड़ा के 7 संकाय सदस्य भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पीएचडी कर रहे हैं।

शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

- एफ एम एस विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राजीव कुमार और सुश्री आकांक्षा दायमा ने "लक्ज़री फ़ैशन के प्रति जेन-ज़ी ख़रीद व्यवहार की खोज" शीर्षक से एक शोध-पत्र का सह-लेखन किया, जो अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका "आधुनिकीकरण इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी और विज्ञान" में प्रकाशित हुआ।
- ए डी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हरीश कुमार बंगा ने ISMILE 2025 में "3D प्रिंटिंग द्वारा फ़ैशन उत्पाद निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका" नामक एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।
- एफ एम एस विभाग की सहायक प्राध्यापक सुश्री कृति श्रीवास्तव ने आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों "सतत वास्तुकला और उसका विकास: कांगड़ा घाटी में मिट्टी की वास्तुकला का एक अध्ययन" और एफ टी सी आई आई टी दिल्ली द्वारा आयोजित "परिपत्रता अवधारणा का विस्तार - प्रीमियम सॉफ्ट फर्निशिंग उत्पादों में घटिया धागे के उपयोग की खोज" में शोध-पत्र प्रस्तुत किए।
- डॉ. बबीता भंडारी, सहायक प्राध्यापक, टी डी विभाग ने आई आई टी दिल्ली में कार्यात्मक वस्त्र और परिधान पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एफ टी सी 2025) में दृष्टिबाधित लोगों के लिए सहायक समावेशी वस्त्र डिजाइन पर पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. बबीता भंडारी, सहायक प्राध्यापक, टी डी विभाग ने सामाजिक परिवर्तन के लिए एक उपकरण के रूप में फैशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जिगसॉ पहेलियाँ और कपड़ों में सांस्कृतिक संलयन के माध्यम से वस्त्र शिल्प के बारे में जागरूकता पैदा करना: वैश्विक सद्भाव को बढ़ावा देने का एक साधन पर पेपर प्रस्तुत किए।
- डॉ. बबीता भंडारी, सहायक प्राध्यापक, टी डी विभाग ने बच्चों के कपड़े विकसित करने के लिए सतत दृष्टिकोण और सतत वस्त्रों को बढ़ावा देने में वस्त्र प्रमाणन और इको-लेबल की भूमिका और एक सतत भविष्य के लिए मीडिया और डिजाइन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमडीएसएफ) में एक पेपर प्रस्तुत किया।
- श्री शिवा ए. राजा, सहायक प्राध्यापक, एफ सी विभाग ने सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, पुणे में आयोजित भारत की हस्तशिल्प विरासत के संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "कांगड़ा चित्रकला की खोज और सांस्कृतिक पहचान के साथ इसका संबंध" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- श्री शिवा ए. राजा, सहायक प्राध्यापक, एफ सी विभाग ने भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली, भारत में रेशम क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-सिल्कटेक 2025 में एम. डिज़ाइन की छात्रा वर्षा एम.एन. के साथ "लघु गुड़ियों के माध्यम से भारत की वस्त्र विरासत का संरक्षण" शीर्षक से एक सार प्रस्तुत किया।
- डॉ. स्वाति शर्मा, सहायक प्राध्यापक, बी एफ टी विभाग ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित ई-इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल फैशन एंड टेक्निकल टेक्सटाइल्स में "रैमी-पॉलीलैक्टिक एसिड ग्रीन कंपोजिट के यांत्रिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सिंगल-पॉट अल्कलाइन और सिलेन उपचार" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डॉ. पवित्तर पुनीत सिंह मदान, सहायक प्राध्यापक, टी डी विभाग ने जून 2024 संस्करण में एएटीसीसी जर्नल ऑफ रिसर्च में "ऊन पर एसिड प्रोटीएज और ट्रांसग्लूटामिनेज का एक साथ अनुप्रयोग और मशीन वॉशेबल देखभाल प्राप्त करने के लिए इसका अनुकूलन" नामक शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।
- डॉ. अमन कुमार, सहायक प्राध्यापक, बी एफ टी विभाग ने इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन के खंड 47, अंक 2, अप्रैल-जून 2024 संस्करण में "हेल्थकेयर सिस्टम के लिए एक कुशल सार्वजनिक रोबोट डिजाइन करने हेतु एक अभिनव नियोजित रणनीति" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया है।
- डॉ. राहुल चंद्रा, प्राध्यापक, एफ एम एस विभाग ने जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एसोसिएशन में "ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी: ए पैनेसिया टू सर्कुलरिटी इन द इंडियन अपैरल इंडस्ट्री" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया है।
- डॉ. राहुल चंद्रा, प्राध्यापक, एफ एम एस विभाग ने रिसर्च जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एंड अपैरल, एमराल्ड पब्लिशिंग में "द चैलेंजेस टू द इंडियन अपैरल इंडस्ट्री: ए क्वालिटेटिव स्टडी" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया है।

कन्नूर

महत्वपूर्ण / प्रमुख उपलब्धियां

- एनएआईएबी बोर्ड की बैठक अगस्त 2024 में आयोजित की गई थी जिसमें श्री केवी दिवाकरन और श्रीमती श्रीजा बालचंद्र जैसे सम्मानित पूर्व विद्यार्थियों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।
- निफ्ट कन्नूर ने एल्युमनि-इंडस्ट्री पत्रिका, "वीकनेक्ट" के प्रत्येक संस्करण में लगातार योगदान दिया है, जिससे प्रकाशन की गुणवत्ता और पहुंच में वृद्धि हुई है।
- निफ्ट कन्नूर की राजभाषा विभाग ने जून 2024 को हिंदी पत्रिका "युगांतर" का अपना दूसरा संस्करण प्रकाशित किया।
- निफ्ट कन्नूर के वार्षिक डिजिटल संवादपत्र, "नमस्कारम कन्नूर" का दिसंबर 2024 में प्रकाशित किया गया।
- निफ्ट कन्नूर ईएसएसई (नैतिकता, सामाजिक सेवा और पर्यावरण) क्लब को 2023-24 के लिए स्वैच्छिक रक्तदान के लिए संस्थागत श्रेणी में रेड क्रॉस इंडिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- फैशन डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर सुश्री अनुषा अरुण को अप्रैल 2024 में दक्षिण कोरिया के सियोल में ईडब्ल्यूएचएचए विश्वविद्यालय में आयोजित 26 वें आईएफएफटीआई वार्षिक सम्मेलन में अर्ली करियर रिसर्चर्स श्रेणी में आईएफएफटीआई इनिशिएटिव अवार्ड से सम्मानित किया गया था।
- प्रो. रामचंद्रन और श्री प्रवीणराज, सहायक प्रोफेसर, और श्री मनुप्रसाद मैथ्यू, सहायक प्रोफेसर ने क्रमशः सितंबर 2024 में फैशन रिटेल एनालिटिक्स और फैशन डिजाइन पर आउटरीच रीच/सीई कार्यक्रम आयोजित किए।
- डिजाइन स्पेस विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री गिरिंथ जी को 19 नवंबर, 2024 को नेशनल सेंटर फॉर इनोवेशन इन डिस्टेंस एजुकेशन, इग्नू, दिल्ली द्वारा उनके इनोवेशन बैम्बू नैपकिन डिस्पेंसर के लिए सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया।
- फैशन प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मनोज तिवारी ने 15 फरवरी, 2025 को भारत टेक्स 2025 में "नो मोर मिसफिट्स - हाउ इंडियाज साइज चार्ट्स विल लीड टू बेटर फिट एंड इम्प्रूव्ड ई-कॉमर्स" शीर्षक से एक पैनल चर्चा का संचालन किया।
- फैशन प्रबंधन अध्ययन की सहायक प्रोफेसर श्रीमती मुक्ति एस को 8 मार्च, 2025 को स्त्री शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- वस्त्र डिजाइन विभाग के प्रोफेसर डॉ. अफ्रोज फरीद को फरवरी 2025 में बनस्थली विद्यापीठ के पीएचडी रिसर्च प्रपोजल इवैलुएटर के रूप में नियुक्त किया गया था और मई 2024 से फरवरी 2025 के दौरान हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, फैशन डिजाइन विभाग, चेन्नई के लिए बीओएस सदस्य के रूप में और मई 2024 से फरवरी 2025 के दौरान पांडिचेरी विश्वविद्यालय, माहे में बी.वीओसी और एम.वीओसी - फैशन प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के लिए नियुक्त किया गया था।
- फैशन डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर सुश्री अनुगा चंद्रन और श्री प्रशांत कोलाझी ने मई 2025 में चिन्मय विद्यालय, कन्नूर द्वारा आयोजित टी-शर्ट डिजाइन प्रतियोगिता के लिए निर्णायक पैनल के रूप में कार्य किया।
- फैशन प्रबंधन अध्ययन के प्रोफेसर डॉ. कृष्णकुमार को मई 2025 में केरल विश्वविद्यालय में बी.डेस परीक्षा के आठवें सेमेस्टर के लिए अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था।

वित्तपोषित परियोजनाएं

निफ्ट कन्नूर द्वारा निम्नलिखित सरकारी वित्त पोषित परियोजनाओं का संचालन की जा रही हैं।

- 19 लाख रुपये की लागत की केरल हथकरघा परियोजना के लिए नॉलेज पार्टनर - हथकरघा निदेशालय के तहत मूल्य वर्धित हथकरघा परियोजना की ब्रांडिंग।
- मूल्य वर्धित हथकरघा उत्पादों की ब्रांडिंग- हथकरघा निदेशालय के तहत 10 लाख रुपये की लागत से डिजाइन और प्रोटोटाइप विकास परियोजना।

शिल्प कलस्टर पहल – गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रभाव

2024-25 में, निफ्ट कन्नूर पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने और कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, सीआरडी, सीबीडीपी, शिल्प बाजार, शिल्प प्रदर्शन और कारीगर जागरूकता कार्यशाला सहित व्यापक क्लस्टर विकास गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। सीआरडी के तहत, 21 समूहों का दस्तावेजीकरण किया गया था, जिसमें यूजी और पीजी छात्रों के योगदान ने शिल्प अनुसंधान, डिजाइन, उत्पाद विकास और ज्ञान साझा करने पर ध्यान केंद्रित किया था। इसके साथ ही, सीबीडीपी ने 12 समूहों को कवर किया, जहां विद्यार्थियों और संकायों ने कारीगरों के लिए व्यावसायिक रणनीतियों, बाजार संबंधों और उद्यमिता सलाह पर काम किया।

एक प्रमुख कार्यक्रम क्राफ्ट बाजार 2025 का आयोजन एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में किया गया था। इस कार्यक्रम में 15 समूहों और 35 कारीगरों के उत्पादों को शामिल किया गया, जिसमें 2,79,362 रुपये की बिक्री हुई, और शिल्प विनिमय और खरीदार जुड़ाव के लिए एक जीवंत स्थान प्रदान किया गया। निफ्ट कन्नूर ने दो दिवसीय कारीगर जागरूकता कार्यशाला की भी मेजबानी की, जिसमें ब्रांडिंग, अलंकरण, उत्पाद स्टाइलिंग, विपणन और फोटोग्राफी शामिल थी। इसके अतिरिक्त, चतुर्थ-सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सेलिन मैरी अरुल दास और सोफिया नामक कारीगरों से पारंपरिक कन्याकुमारी तकिया फीता बनाना सीखा।

संस्थान ने क्लस्टर उत्पादों को बढ़ावा देते हुए केरल के कांगीरोड बुनकरों, कासरगोड साड़ियों और उरावु बांस शिल्प का प्रतिनिधित्व करते हुए दिल्ली हाट 2025 में भाग लिया। स्थायी पहल के हिस्से के रूप में, कल्लियास्सेरी बुनकरों द्वारा बनाए गए कन्नूर हथकरघा कपड़ों का उपयोग करके ओरिएंटेशन प्रोग्राम बैग डिजाइन किए गए थे। परिसर ने विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बीच खादी और हथकरघा को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञ वार्ता, फैशन प्रदर्शन, प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनियों के साथ हथकरघा सप्ताह भी मनाया।

छात्रों ने खादी महोत्सव 2025 के दौरान पयन्नूर खादी कारीगरों के लाइव खादी सूत कताई सत्र में भाग लिया। ओणम के दौरान क्लस्टर और खादी सहकारी उत्पादों के लिए एक विशेष काउंटर स्थापित किया गया था, जो स्थानीय बुनकरों के लिए समर्थन को प्रोत्साहित करता है और आत्मनिर्भर भारत लक्ष्यों के साथ जुड़ता है। साप्ताहिक "हर बुधवार हैंडलूम वियर" पहल में व्यापक भागीदारी देखी गई और विकास आयुक्त (हथकरघा) और वस्त्र मंत्रालय द्वारा सामाजिक मीडिया पर कई बार प्रकाश डाला गया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

1. एमएफएमकेविद्यार्थीसुश्रीचैथालीदेबंत(एमएफएम/22/312) को दुबई के टारगेट ग्रुप द्वारा निफ्ट परिसर प्लेसमेंट 2024 में 24 लाख रुपये प्रतिवर्ष के हिसाब से सबसे अधिक पैकेज मिला।
2. टेक्सटाइल डिज़ाइन पांचवे सेमेस्टर के विद्यार्थी फाथिमथुल फरसाना, लूना, एमके और अथीना ने 24 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी-सिनेमा ऑफ इंडिया) और सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित आईआईएफआई के दौरान इन दि एरा 1960-1979: साइन फैशन ओवर डिकेड्स में प्रथम पुरस्कार जीते।
3. बैच- 2022'2026 - के सुश्री निधि पारेख पाटिल, श्री जोएल टॉम जैकब, सुश्री अनन्या भट्ट और सुश्री पूजा शेनॉय ने जनवरी माह में "निफ्ट @ 40" समारोह के लिए निफ्ट द्वारा आयोजित लोगो डिजाइन प्रतियोगिता जीते।
4. कदीजाथ जैमा वी, सुश्री पिर्शा सुरेश, सुश्री शर्लिन और सुश्री गौरी कृष्णा ने फरवरी 2025 में एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टनकुलथुर, चेन्नई द्वारा आयोजित मीडिया, डिजाइन और भाषा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किए।
5. सुश्री नेत्रीसा देवसिकुट्टी ने मार्च 2025 को आईआईटी जोधपुर द्वारा आयोजित 'परंपरा और परिवर्तन: स्वदेशी कौशल और सामाजिक-आर्थिक गतिशीलता को बनाए रखना- रोड टू विकसित BHARAT@2047 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत की।
6. सुश्री मदीरेड्डी संदीपा (आठवें सेमेस्टर), श्रुतिप्रभा (छठा सेमेस्टर), और जागृति (छठा सेमेस्टर) जनवरी 2025 में आईआईटी दिल्ली की फंक्शनल क्लोदिंग प्रतियोगिता में रक्त प्रवाह विनियमन के लिए एक अभिनव समाधान के साथ फाइनल में पहुंचीं।
7. एम.डेस विभाग के तीसरे सेमेस्टर की छात्रा सृंजिता मैती को सितंबर 2024 में कैरेक्टर डिजाइन श्रेणी में पैकेजिंग डिजाइन के लिए आईटीसी में एक लाइव प्रोजेक्ट के लिए उपविजेता के रूप में चुना गया था।
8. वैष्णवी गुप्ता आईएनवीआईवाईए इमर्जिंग फैशनिस्टा (आईईएफ) क्लासरूम प्रोजेक्ट के लिए केडी विभाग के शीर्ष दस प्रतिभागियों में से एक चुनी गईं, जिसमें जुलाई 2024 में पूरे निफ्ट के एफडी और केडी विभागों के विद्यार्थी शामिल थे।
9. केडी विभाग की सुश्री इशिता बजाज और चारू शैलेश येरोलकर ने जनवरी से मई 2024 तक फ्रांस के एनएसएआईटी में एक सेमेस्टर एक्सचेंज कार्यक्रम में भाग लिया।
10. लिपाक्षी अनिल दलवी और अमृता कौर (केडी) ने डॉ. रूपायन रॉय के साथ प्राकृतिक कॉस्मेस्यूटिकल्स के लिए इको-फ्रेंडली स्किन सॉल्यूशंस (2025) नामक पुस्तक अध्याय प्रकाशित की।
11. लिपाक्षी अनिल दलवी (केडी) ने डॉ. रूपायन रॉय और डॉ. मनोज तिवारी के साथ एआई युग में बहु-उद्योग डिजिटलीकरण और तकनीकी शासन (2025) नामक एक अध्याय प्रकाशित की।

12. इशिता बजाज (केडी) ने निटवियर टेक्सटाइल्स में 3डी प्रिंटिंग पर एक शोध लेख की संयुक्त रचना की।
13. एफसी की सुश्री रिया मेदिरत्ता और सुश्री मिहिका दास ने अगस्त 2023 से अगस्त 2024 तक एफआईटी, न्यूयॉर्क में अपना एक साल का एक्सचेंज कार्यक्रम पूरा की।
14. देविका पवार ने फैशन डिजाइन विभाग में एप्लाइड साइंस (फैशन डिजाइन) में एक साल की एसोसिएट की डिग्री पूरी की, और उनके कपड़ों को जनवरी 2023 से अगस्त 2024 तक डिवाइन डेनिम प्रदर्शनी में एफआईटी के संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया।
15. एफडी की सुश्री मानस अभिरामी ने जनवरी से जुलाई 2024 तक केईए के कोपेनहेगन स्कूल ऑफ डिज़ाइन में एक सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग ली।
16. एफडी विभाग की सुश्री प्रतिभा लक्ष्मी ने ईएनएसएआईटी, फ्रांस में अपने आदान-प्रदान कार्यक्रम के दौरान तकनीकी वस्त्रों का अध्ययन की।

संकाय की उपलब्धियां

शैक्षणिक वर्ष 24-25 के दौरान 15 संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से अपनी पीएचडी डिग्री को पाने की कोशिश में थी की जो कि पूरा होने के विभिन्न चरणों में हैं।

प्रकाशन एवं पेपर प्रस्तुतियां

संकाय ने शैक्षणिक वर्ष के लिए संयुक्त रूप से 40 शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और 35 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और सेमिनारों में पेपर प्रस्तुत किए हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

1. प्रोफेसर डॉ. मनोज तिवारी, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग (प्रकाशित - 5, प्रस्तुती – 4)
फैशन प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. डॉ. मनोज तिवारी ने हाल ही में शिक्षा जगत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने 14 मार्च, 2025 को आईजी ग्लोबल द्वारा प्रकाशित "एआई युग में मल्टी-इंडस्ट्री डिजिटलाइजेशन एंड टेक्नोलॉजिकल गवर्नेंस" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय लिखा। उन्होंने 22-23 अक्टूबर, 2024 को आयोजित स्विट्जरलैंड के लुगानो में टेक 2024 सम्मेलन और एक्सपो में 15वीं 3 डीबॉडी में दो पेपर भी प्रस्तुत किए जिसमें 3डी/4डी मानव शरीर स्कैनिंग प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया गया और 24-27 जुलाई, 2024 तक नीस, फ्रांस में एप्लाइड ह्यूमन फैक्टर्स एंड एर्गोनॉमिक्स (एएचएफई 2024) पर 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जिसमें उनके द्वारा मानवीय कारकों और एर्गोनॉमिक्स पर दो प्रस्तुतियां पेश किया गया था।
2. प्रो. डॉ. एम. कृष्णकुमार, फैशन प्रबंधन विभाग (प्रकाशित -4)
फैशन प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर डॉ. एम. कृष्णकुमार ने चार उल्लेखनीय अध्ययन प्रकाशित किए हैं। पहला, जिसका शीर्षक "शैक्षणिक कार्य में एआई उपकरणों को अपनाना: प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल के माध्यम से फैशन छात्रों के इरादे की खोज" है, जो निफ्ट जर्नल ऑफ फैशन (दिसंबर 2024) में प्रकाशित हुआ। दूसरा प्रकाशन, "स्टोर विशेषताओं का प्रभाव, पिछले खरीद व्यवहार, और पिछले खरीद अनुभव," जर्नल ऑफ टेक्सटाइल एसोसिएशन (सितंबर-अक्टूबर 2024) में प्रकाशित हुआ था। तीसरा अध्ययन, "डिजिटल मीडिया उपयोग की ओर उपभोक्ता प्रेरणा और ऑनलाइन खरीद व्यवहार पर इसका प्रभाव," है जिसे बीवीआईएमएसआर के जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च (यूजीसी केयर, अप्रैल 2024) में प्रदर्शित किया गया था और अंतिम रचना "ऑनलाइन फैशन रिटेलिंग में ग्राहकों की संतुष्टि और पुनर्खरीद का इरादा: एक क्लस्टर विश्लेषण," ट्रेंड्स इन टेक्सटाइल इंजीनियरिंग एंड फैशन टेक्नोलॉजी (मई 2024) में प्रकाशित हुआ।
3. प्रोफेसर डॉ. रामचंद्रन, वस्त्र डिजाइन विभाग (प्रकाशित -2, प्रस्तुती- 3)
वस्त्र डिजाइन विभाग के प्रोफेसर डॉ. रामचंद्रन ने अपने प्रकाशनों और प्रस्तुतियों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन्होंने टेकस्टिल वे कोनफेकसियोन अंतरराष्ट्रीय पत्रिका(जून 2024) और जर्नल ऑफ टेक्सटाइल्स एंड इंजीनियरिंग (दिसंबर 2024) में एक-एक सहकर्मी-समीक्षित जर्नल लेख लिखा। इसके अतिरिक्त इन्होंने कई सम्मेलनों में अपना शोध प्रस्तुत किया है, जिसमें आईआईटी दिल्ली में फंक्शनल टेक्सटाइल और क्लोथिंग अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (31 जनवरी - 2 फरवरी, 2025) शामिल है, जो क्षेत्र में वैश्विक प्रगति पर ध्यान केंद्रित करता है। इन्होंने सिल्कटेक 2025 में भी भाग लिया तथा नवीन रेशम प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की और 15 मार्च, 2025 को फैशन और वस्त्रों में पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ अवधारणा राष्ट्रीय सम्मेलन में टिकाऊ कपड़ा डिजाइन पर प्रस्तुति दी।
4. प्रो. डॉ. अफ्रोज फरीद, वस्त्र डिजाइन विभाग (प्रस्तुती-8)
वस्त्र डिजाइन विभाग के प्रो. डॉ. अफ्रोज फरीद ने फैशन और स्थिरता से संबंधित विभिन्न विषयों पर आठ अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनारों और सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुत की। इन्होंने 15 और 16 अप्रैल, 2024 को चेन्नई में हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस द्वारा आयोजित एसडीजी के साथ एकीकरण और परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईटीएस 2024) में "सस्टेनेबल फैशन प्रैक्टिसेस: इको-फ्रेंडली अल्टरनेटिव्स को बढ़ावा देने में केसीजी फैशन बैंक की भूमिका" और "ग्रीन स्टाइल रिवोल्यूशन: प्लांट-बेस्ड लेदर एंड सस्टेनेबल डिजाइन सॉल्यूशंस" पर चर्चा की। इन्होंने 11 नवंबर, 2024 को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रचनात्मकता, स्थिरता और उद्योग संरेखण को बढ़ाने के लिए फैशन शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एकीकरण" प्रस्तुत की। आगे इन्होंने 5 और 6 फरवरी, 2025 को चेन्नई में एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित मीडिया, डिजाइन और भाषा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान चार प्रस्तुतियां दीं: "जीवाणुरोधी और एंटी-एलर्जेनिक गुणों के लिए नीम के पत्तों के अर्क के साथ एलोवेरा फैब्रिक को बढ़ाना", "टेक्सटाइल डाइंग में पर्यावरण के अनुकूल नवाचार: पैटर्न निर्माण के लिए प्राकृतिक बाइंडर के रूप में सोया दूध, " "कुत्तों के लिए आयुर्वस्त्र: औषधीय हर्बल वस्त्रों के साथ त्वचा

के स्वास्थ्य को बढ़ाना," और "पर्यावरण के अनुकूल रंगाई और अभिनव फाइबर अनुप्रयोग: टिकाऊ वस्त्रों के लिए नारियल कॉयर की खोज। अंत में इन्होंने 13 और 14 फरवरी, 2025 को आईआईटी जोधपुर के परंपरा और परिवर्तन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पारंपरिक कसावू साड़ियों की स्थिरता को बढ़ाना: बदलते बाजारों को बनाए रखने के लिए डिजाइन नवाचार के माध्यम से पुनरोद्धार" प्रस्तुत की।

5. चक्रवर्ती पी., सह-प्राध्यापक, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग (प्रकाशित - 2, प्रस्तुती- 1)
फैशन प्रौद्योगिकी विभाग के सह-प्राध्यापक चक्रवर्ती पी. ने दो सहकर्मी-समीक्षित जर्नल प्रकाशनों और एक सम्मेलन प्रस्तुति के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका पहला प्रकाशन, "बॉडी-गारमेंट रिलेशनशिप मेजरमेंट के लिए विभिन्न 3डी स्कैनर का तुलनात्मक विश्लेषण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ 3डी बॉडी टेक्नोलॉजीज (खंड 1, अक्टूबर 2024) में दिखाई देता है। उनका दूसरा प्रकाशन, "3 डी बॉडी - गारमेंट फिट एनालिसिस के लिए एक वेब एप्लिकेशन का विकास" भी उसी पत्रिका में परिलक्षित होती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्विट्जरलैंड के लुगानो में 3डी बॉडी स्कैनिंग और प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजीज पर 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो में "उन्नत परिधान फिट मूल्यांकन के लिए 3डी स्कैनिंग के माध्यम से शरीर-परिधान दूरी का विश्लेषण" प्रस्तुत किया, जिसमें बॉडी-गारमेंट संरेखण और फिट अनुकूलन पर चर्चा को विस्तृत रूप दिया गया।

6. सहायक प्रोफेसर अभिलाष बालन, फैशन संचार विभाग (प्रकाशित -1, प्रस्तुती -1)
फैशन संचार विभाग के सहायक प्रोफेसर अभिलाष बालन ने 2025 में एक सम्मेलन प्रस्तुति और एक प्रकाशन के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कन्नूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "द चेंजिंग वीविंग लैंडस्केप ऑफ कन्नूर: ए स्टडी ऑन क्राफ्ट एंड डिजाइन" सम्मेलन में अपने व्यावहारिक निष्कर्ष प्रस्तुत किए। अपनी प्रस्तुति के अलावा, इन्होंने आईक्यूएसी, कन्नूर विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित "एंवायरमेंट एंड सोसाइटी – पर्सपेक्टिव एक्रोस डिसिप्लिन्स" संपादित खंड में एक अध्याय भी लिखा।

7. सहायक प्रोफेसर श्री मनु प्रसाद, फैशन डिजाइन विभाग (प्रस्तुती – 1)
फैशन डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री मनु प्रसाद ने 31 जनवरी से 2 फरवरी, 2025 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के वस्त्र और फाइबर इंजीनियरिंग विभाग में आयोजित चौथे कार्यात्मक टेक्सटाईल और क्लोथिंग (एफटीसी 2025) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति दी।

8. सहायक प्रोफेसर मुक्ति एस, फैशन प्रबंधन विभाग (प्रकाशित -1, प्रस्तुती – 1)
फैशन प्रबंधन विभाग के सहायक प्रोफेसर मुक्ति एस ने प्रस्तुतियों और प्रकाशनों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दी है। उन्होंने 27 से 29 अगस्त, 2024 तक भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर (आईआईएमबी) में आयोजित 19वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत की।

9. सहायक प्रोफेसर प्रवीण राज, फैशन प्रबंधन विभाग (प्रकाशित - 1)
फैशन प्रबंधन विभाग के सहायक प्रोफेसर प्रवीण राज ने "वस्त्र और फैशन क्षेत्र में सतत विनिर्माण प्रथाएं" नामक एक पुस्तक अध्याय के माध्यम से इस क्षेत्र में योगदान दिया है, जिसे 2024 में स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।

10. सहायक प्रोफेसर पावोल सहदेवन, फैशन प्रबंधन विभाग (प्रकाशित - 2, प्रस्तुती -1)
फैशन प्रबंधन विभाग के सहायक प्रोफेसर पावोल सहदेवन ने 17-20 जून, 2024 तक हेलसिंकी विश्वविद्यालय, फिनलैंड में आयोजित 20वें मैक्रोमार्केटिंग सम्मेलन में प्रस्तुति दी। उनके दो हालिया प्रकाशन हैं: एक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट रिसर्च (1 मई, 2024) जो प्रबंधन विज्ञान में समकालीन विषयों की जांच करता है, और दूसरा आगामी लेख नेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (1 दिसंबर, 2024)।

11. सहायक प्रोफेसर डॉ. टी. विजयलक्ष्मी, फैशन डिजाइन विभाग (प्रस्तुती – 2)
फैशन डिजाइन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. टी. विजयलक्ष्मी ने दो उल्लेखनीय प्रस्तुतियों में भाग ली। उन्होंने 19-20 अक्टूबर, 2024 को क्वींस यूनिवर्सिटी, कनाडा के सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "आईडियाज 2024 - इनोवेटिव डिजाइन फॉर एक्सीलेंस, अफोर्डेबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी" में प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 10 मार्च, 2025 को "परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईटीएसएटी 2025)" में प्रस्तुति दी।

12. सहायक प्रोफेसर डॉ. रूपायन रॉय, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग (प्रकाशित - 13, प्रस्तुती – 1)
फैशन प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रूपायन रॉय के पास 13 प्रकाशन और एक प्रस्तुति है। उन्होंने जून 2024 में ऑस्ट्रिया के वियना में छठवें विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग अकादमिक अनुसंधान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति दी। उन्होंने "सुई छिद्रित गैर-बुना आधारित समग्र का प्रदर्शन" प्रस्तुत किया। डॉ. रुपायन रॉय ने मई 2024 और मार्च 2025 के बीच प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के लिए 13 पुस्तक अध्यायों का योगदान दिया, जिसमें "थ्रेड्स ऑफ ट्रेडिशन: ए कॉम्प्रिहेन्सिव रिव्यू ऑफ इंडियन टेक्सटाइल हेरिटेज" नामक पुस्तक अध्याय भी शामिल है, जो मई में "पॉलिसी एंड इनोवेशन के साथ मल्टी-सेक्टर सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देना" पुस्तक में प्रकाशित हुआ था। उन्होंने उसी महीने के दौरान "एआई और अकादमिक अनुसंधान लेखन में भविष्य के रुझान" पर एक अध्याय और जून में "उद्योग 5.0 में इको-इनोवेशन और सतत विकास" पर एक अध्याय का भी योगदान दिया। उन्होंने जुलाई में "सतत विनिर्माण के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकी" और "शिक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य सेवा में सामाजिक नवाचार" के बारे में कार्यों में अध्याय प्रकाशित किए। अक्टूबर 2024 में, उन्होंने "प्राकृतिक कॉस्मेस्यूटिकल्स के लिए इको-फ्रेंडली स्किन सॉल्यूशंस" पुस्तक में "प्राकृतिक वस्त्रों के लिए एंटी-फंगल फिनिशिंग में हालिया प्रगति" पर एक अध्याय का योगदान दिया। उन्होंने नवंबर में "सतत विकास लक्ष्य" खंड में "परिधान निर्माण में उद्योग 4.0: चुनौतियां

और अवसर" शीर्षक से एक अध्याय प्रकाशित किया। उन्होंने जनवरी 2025 में "इलेक्ट्रोकंडक्टिव टेक्सटाइल के उत्पादन और अवसरों में स्थिरता" और "पेंट और एंटीकोर्सिव कोटिंग्स में समुद्री बायोपॉलिमर की संभावित भूमिका" के साथ-साथ "कपड़ा अनुप्रयोगों में समुद्री बायोपॉलिमर" पर कई अध्याय प्रकाशित किए। अंत में, मार्च 2025 में, उन्होंने एआई युग में बहु-उद्योग डिजिटलीकरण और तकनीकी शासन के संदर्भ में "पुनर्नवीनीकरण कचरे का उपयोग करके नैनो-इंजीनियर्ड सुरक्षात्मक वस्त्र" और "परिधान विनिर्माण के लिए 3डी बॉडी स्कैनिंग पर एक समीक्षा: अतीत और भविष्य" पर काम करने में योगदान दिया।

13. सहायक प्रो. डॉ. प्रवीण पी. चव्हाण, निटवियर विभाग (प्रकाशित -7, प्रस्तुती -1)
निटवियर विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रवीण पी. चव्हाण के पास सात प्रकाशन और एक प्रस्तुति है। उन्होंने हाल ही में 26-27 अप्रैल, 2025 को बैंगलोर में अकादमिक सम्मेलन में प्रस्तुति दी, जहां उन्होंने निटवियर में मूल्य श्रृंखला नवाचारों और टिकाऊ प्रथाओं की खोज की। उनके चयनित पुस्तक अध्याय प्रकाशनों में शामिल हैं: "वस्त्र और फैशन क्षेत्र में सतत विनिर्माण प्रथाएं" (2024), स्प्रिंगर नेचर द्वारा चाम में प्रकाशित; "समुद्री बायोपॉलिमर" (2025); और "विद्युत प्रवाहकीय वस्त्रों में अग्रिम" (2025)। उन्होंने संस्करण 2025 में "कपड़ा कचरे के नैनो प्रौद्योगिकी-सहायता प्राप्त पुनर्चक्रण: एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था के लिए सतत उपकरण" में भी योगदान दिया जिसमें मुख्य रूप से सस्टेनेबल पहनने योग्य प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने "टेक्सटाइल वैल्यू चेन" (2025) शीर्षक से एक अध्याय लिखा, जो निटवियर मूल्य श्रृंखला के भीतर सामग्री प्रवाह, पता लगाने की क्षमता और स्थिरता की जांच करता है।

14. सहायक प्रोफेसर डॉ. सनी बरिसाल, डिजाइन स्पेस विभाग (प्रस्तुती-5)
डिजाइन स्पेस विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सनी बरिसाल ने कई प्रमुख सम्मेलनों में योगदान दिया है। उन्होंने 8 से 10 जनवरी, 2025 तक आईआईटी हैदराबाद में आयोजित आईसीओआरडी'25 में "निटिंग क्लोजली" में सहयोगी क्रोकेट के माध्यम से सामाजिक बंधन जैसे विषयों पर शोध प्रस्तुत किया, "हार्मोनाइजिंग शेप्स" में श्रवण उत्तेजनाओं और डिजाइन के बीच संबंधों का पता लगाया और "दक्षता और लचीलापन" में मुंबई के डब्बावालों के परिचालन लचीलेपन का विश्लेषण किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने 19-20 अक्टूबर, 2024 को आईआईटी रुड़की में आईडीईएएस 2024 शिखर सम्मेलन में क्वींस यूनिवर्सिटी कनाडा के साथ सहयोग किया। उन्होंने "इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ऐप की उपयोगिता और पहुंच बढ़ाना" में समावेशी डिजिटल डिजाइन और "क्राफ्टिंग मॉडर्निटी" में आधुनिक फैशन के साथ पारंपरिक एलएसी के आभूषणों के मिश्रण पर चर्चा किया।

15. सहायक प्रोफेसर जॉर्जी सनी, फैशन डिजाइन विभाग (प्रकाशित - 2, प्रस्तुती - 3)
फैशन डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर जॉर्जी सनी ने दो सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशनों और तीन सम्मेलन प्रस्तुतियों के साथ इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इनका एक लेख 4 जुलाई, 2024 को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लोदिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित हुआ जिसका शीर्षक है - "सुपारी के रेशों के भौतिक और यांत्रिक गुणों पर रेटिंग प्रक्रिया और निष्कर्षण विधियों का प्रभाव" । इनका एक अन्य प्रकाशन, "यार्न गुणों पर कपास और सुपारी के रेशों के मिश्रण अनुपात का प्रभाव," 2 अप्रैल, 2024 को जारी किया गया था। इसके अतिरिक्त प्रो. सनी ने 19 दिसंबर, 2024 को स्मार्ट टेक्सटाइल्स एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज कॉन्फ्रेंस (एसटीईटी 2024) में प्रस्तुति दी। उन्होंने 19 मार्च, 2025 को परिधान और वस्त्रों में स्थिरता आईसीईटीएसएटी 2025 सम्मेलन में भी भाग लिया और 19-20 अक्टूबर, 2024 को आईआईटी रुड़की में आईडीईएएस 2024 शिखर सम्मेलन में प्रस्तुति दी।

16. सहायक प्रोफेसर सुश्री अनुषा अरुण, फैशन डिजाइन विभाग (प्रस्तुती- 2)
फैशन डिजाइन विभाग की सहायक प्रोफेसर सुश्री अनुषा अरुण ने 23 से 26 अप्रैल, 2024 तक दक्षिण कोरिया के सियोल में इवा महिला विश्वविद्यालय में आयोजित आईएफएफटीआई 2024 - इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट्स सम्मेलन में भाग लिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने 5 और 6 दिसंबर, 2024 को वर्चुअल रूप से एसटीईटी 2024 - स्मार्ट टेक्सटाइल्स एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुति दी।

17. सहायक प्रोफेसर श्रीमती शांग्रिला राजेश, फैशन डिजाइन विभाग (प्रस्तुती-1)
फैशन डिजाइन विभाग की सहायक प्रोफेसर श्रीमती शांग्रिला राजेश ने हाल ही में 10 मार्च, 2025 को कोयंबटूर में पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस द्वारा आयोजित परिधान और वस्त्रों में स्थिरता के उभरते रुझानों (आईसीईटीएसएटी 2025) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक ऑनलाइन सम्मेलन प्रस्तुति में भाग ली।

एफआईए – संकाय उद्योग संलग्नता

दस संकाय सदस्यों ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान अपने अनिवार्य संकाय उद्योग संलग्नता (एफआईए) को पूरा किया जिसका विवरण नीचे दिया गया है-

क्रमांक	संकाय का नाम	कंपनी का नाम	अवधि – 2 सप्ताह
1	श्रीमती अनूगा चंद्रन	पोपीज बेबी केयर प्रा. लि., मलाप्पूरम	जून 2024
2	श्री प्रशांत कोलषि	रगाधिया एक्सपोर्ट्स(युपी)	जून 2024
3	श्रीमती शांग्रीला	केजी डेनिम कोयंबटूर	जून 2024
4	डॉ. टी विजयलक्ष्मी	केजी डेनिम कोयंबटूर	जुलाई 2024
5	श्रीमती मोहना प्रिया	मेसर्स वर्टेक्स इंपेक्स एक्सपोर्ट्स, त्रिपुर	जून 2024

6	डॉ. मनोज तिवारी	मेसर्स स्टीच एमईएस	जून 2024
7	श्री टी प्रवीणराज	मेसर्स श्रीसाईं इंपेक्स प्रा. लि.. त्रिपुर	जुलाई 2024
8	श्री रजिष रविंद्रन	मेसर्स मैत्री एडवर्टाइजिंग वर्क्स, कोचि	जुलाई 2024
9	डॉ. सनी बैरीसाल	मेसर्स चितरंश इंजिनियरिंग, इंदोर	जुलाई 2024
10	श्री कबिलन	मेसर्स तेलस इंटरनेशनल बेंगलुरु	जुलाई 2024

प्रशिक्षण व कार्यशालाएं (शैक्षणिक वर्ष 2024-25)

1. निफ्ट कन्नूर के सभी संकायों ने जून 2024 में श्रीनगर में निफ्ट मुख्यालय द्वारा आयोजित संकाय रिट्रीट में भाग लिया।
2. सभी संकायों ने कर्मयोगी ऐप पर (2+6) अनिवार्य पाठ्यक्रमों (सभी के लिए जेईएन एआई, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, मिशन कर्मयोगी, कार्यस्थल पर योग ब्रेक, उभरती प्रौद्योगिकियों का परिचय, मिशन लाइफ पर ओरिएंटेशन मॉड्यूल, भारतीय द्वारा साइबर स्पेस में सुरक्षित रहें) में भाग लिया।
3. प्रोफेसर डॉ. मनोज तिवारी, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने दो ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रशिक्षकों (टीओटी) का संचालन किया जिसका पहला सत्र 2 जुलाई से 5 जुलाई, 2024 तक मेथड-टाइम मैनेजमेंट (एमटीएम) पर केंद्रित था और दूसरे सत्र में 8 जुलाई से 10 जुलाई, 2024 तक सुविधा डिजाइन के लिए सीएडी को शामिल किया गया।
4. निफ्ट कन्नूर संकाय ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान 9 टीओटी और आठ अन्य कार्यशालाओं/प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया।
5. वस्त्र डिजाइन विभाग के प्रोफेसर डॉ. आर. रामचंद्रन ने अगस्त 2024 में निफ्ट बैंगलोर में उन्नत सीएडी-डॉबी और जैक्वार्ड पर प्रशिक्षकों (टीओटी) के प्रशिक्षण में भाग लिया।
6. वस्त्र डिजाइन विभाग की डॉ. अफ्रोज फरीद ने अपने कौशल को बढ़ाने के लिए कई प्रशिक्षण और कार्यशालाओं में भाग ली। उन्होंने अगस्त 2024 में निफ्ट बैंगलोर में उन्नत सीएडी - डॉबी और जैक्वार्ड पर और अक्टूबर 2024 में निफ्ट मुंबई में इनोवेशन टूलबॉक्स पर प्रशिक्षकों (टीओटी) के दो प्रशिक्षण सत्रों में भाग ली। इसके अतिरिक्त उन्होंने मार्च 2025 में गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुजरात में एक ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम सहित तीन उल्लेखनीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे की हैं, जिसका शीर्षक "द पावर ऑफ चॉइस: शार्पनिंग डिसीजन मेकिंग स्किल्स" है। इसके अलावा उन्होंने फरवरी 2025 में "आधुनिक सार्वजनिक नीति पर सतत विकास के प्रभाव" पर केंद्रित एआरकेए जैन विश्वविद्यालय में एक संकाय विकास कार्यक्रम और जुलाई 2024 में "फैशन और वस्त्र प्रणालियों में सतत दृष्टिकोण" पर एमिटी विश्वविद्यालय में एक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग ली।
7. श्रीमती के. सुनीता, एसोसिएट प्रोफेसर, फैशन प्रौद्योगिकी विभाग ने जुलाई 2024 में ऑटोकैड पर प्रशिक्षकों (टीओटी) के एक ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग ली।
8. फैशन संचार विभाग के सहायक प्रोफेसर दिव्या पी.आर. ने सितंबर 2024 में गोवा में डिजाइन क्यूरियस यात्रा सहित दो प्रशिक्षण कार्यशालाओं में भाग ली, जिसका विषय "एकेडमी ऑफ प्ले" था।
9. फैशन संचार विभाग की सहायक प्रोफेसर श्रीमती रनिता रमेश ने अक्टूबर 2024 में " बिकम ए पर्सनल स्टाइलिस्ट" शीर्षक से दो वेबिनार में भाग ली। इसके अतिरिक्त, उन्होंने साड़ी ड्रेपिंग पर एक कार्यशाला और अप्रैल 2024 में हथकरघा सप्ताह'24 के दौरान आयोजित एक प्रतियोगिता में भाग ली। वह मार्च 2025 में कारीगर जागरूकता कार्यशाला के दौरान कारीगरों के लिए उत्पाद स्टाइलिंग और फोटोग्राफी पर एक कार्यशाला में भी शामिल हुईं और एमईएनआरवी.एआई से संबंधित एक ऑनलाइन प्रशिक्षण में भी भाग ली।
10. वस्त्र डिजाइन विभाग की सहायक प्रोफेसर ज्योति शिव आनंद ने एक प्रशिक्षण कार्यशाला और प्रशिक्षकों के दो प्रशिक्षण सत्रों में (टीओटी) भाग ली। उन्होंने मार्च 2025 में विशेष रूप से एमईएनआरवी.एआई पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में भाग ली और अक्टूबर 2024 में निफ्ट मुंबई में टीओटी ऑन इनोवेशन टूलबॉक्स, और मास्टर मूड बोर्ड पर एक ऑनलाइन टीओटी में भी प्रतिभाग की। टी. प्रवीणराज फैशन प्रबंधन विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने नवंबर 2024 में अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए एक एक्सेल कार्यशाला आयोजित किया। श्री आशीध के. फैशन प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर का पद संभालते हैं। उन्होंने एक टीओटी में भाग लिया है, जो जुलाई 2024 में निफ्ट चेन्नई में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के परिचय पर केंद्रित था।
11. निटवियर डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर, डॉ. प्रवीण पी. चव्हाण ने अक्टूबर 2024 में निफ्ट मुंबई में इनोवेशन टूलबॉक्स पर प्रशिक्षकों (टीओटी) के प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया।
12. फैशन संचार विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री एषिलंबन जे.जे. ने 13 कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने जुलाई 2024 में एआर/वीआर और एआई पर ध्यान केंद्रित करते हुए फैशन और उत्पादों में डिजिटल प्रगति और स्मार्ट प्रौद्योगिकी पर एक ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया। अप्रैल 2024 में, उन्होंने मैन्युफैक्चरिंग एंड एडवांस्ड फ्यूजन 360 में एक ऑनलाइन जेनरेटिव डिजाइन कोर्स पूरा किया। मार्च से अप्रैल 2025 तक, उन्होंने सरकारी लेखा और प्रक्रियाओं पर भारत सरकार के व्यय विभाग से ऑनलाइन प्रमाणन अर्जित किया, जिसमें सरकारी लेखा बुनियादी बातों और उन्नत लेखा प्रक्रियाओं जैसे कई विषयों को शामिल किया गया। मई 2025 में, उन्होंने आईआईएम बैंगलोर में प्रभावी संचार पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के माध्यम से तनाव प्रबंधन पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम लिया।
13. फैशन संचार विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मुहम्मद अशरफ टी. ने 2 जनवरी से 4 जनवरी 2025 तक निफ्ट मुंबई में कला और डिजाइन सौंदर्यशास्त्र पर प्रशिक्षकों (टीओटी) के प्रशिक्षण में भाग लिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने 6 मार्च से 8 मार्च,

2025 तक आईडीसी स्कूल ऑफ डिजाइन, आईआईटी मुंबई में एक सम्मेलन में भाग लिया।

प्रमुख उद्योग लिंकेजेस/उद्योग कनेक्ट्स

1. "रिट्रेस" पूर्व विद्यार्थियों का पुनर्मिलन 8 फरवरी, 2025 को आयोजित किया गया था जिसमें भारत की पहली अंतर्दृष्टि और फैशन पूर्वानुमान प्रयोगशाला, विज़ननेक्स्ट के निदेशक डॉ. कौस्तव सेन गुप्ता एक प्रमुख वक्ता थे।
2. निफ्ट कन्नूर ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान 73 उद्योग वार्ताओं 58 एल्युमनि वार्ताओं, और 86 इंडस्ट्रियल विजिट्स का आयोजन किया।
3. वर्ष 2025 में प्लेसमेंट का विवरण इस प्रकार हैं:

ऑफलाइन प्लेसमेंट	ऑनलाइन प्लेसमेंट	पीपीओ
84 विद्यार्थी	24 विद्यार्थी	22 विद्यार्थी

4. एमएफएम के विद्यार्थी सुश्री चैथाली देबंत (एमएफएम/22/312) को टारगेट ग्रुप – दुबई द्वारा निफ्ट परिसर प्लेसमेंट 2024 में सबसे अधिक पैकेज के रूप में 24 लाख प्रति वर्ष प्राप्त किया।
5. एफसी के छात्र श्री स्टीव वी वर्गीज को 17,80,000 सीटीसी के पैकेज के साथ नोएडा में यूएक्स डिजाइनर के रूप में सैमसंग इंडिया में परिसर प्लेसमेंट मिला।

उद्योग से जुड़े कक्षा की परियोजनाएं

1. श्री एषिलंबन जे.जे., सहायक प्रोफेसर, एफसी विभाग ने मिस्र के अलेक्जेंड्रिया में एडिडास के लिए एक स्टोर डिजाइन बनाने के लिए पिक्स डेको के साथ एक परियोजना का नेतृत्व किया। उन्होंने ऊंट के लिए टीवीसी के लिए वर्चुअल सेट डिजाइन तैयार करने के लिए पैटर्न पैरामाउंट के साथ भी सहयोग किया। उन्होंने जनवरी से अप्रैल 2024 तक सत्र के लिए राष्ट्रीय एकता पार्क का एक प्रदर्शनी डिजाइन और वर्चुअल 3डी मॉडल बनाने के लिए असीम फाउंडेशन पुणे के साथ काम किया।
2. एफसी विभाग के सहायक प्रोफेसर श्रीमती रनिता रमेश ने आशरायम स्पेशल स्कूल, आरहा ज्वेल्स और एसयुईई के सहयोग से एक क्लासरूम स्टाइलिंग प्रोजेक्ट का सफलतापूर्वक संचालन की। उन्होंने नवंबर से दिसंबर 2024 तक स्केटरेड, आइना और कैनेट ओरिजिनल्स के साथ क्लासरूम स्टाइलिंग प्रोजेक्ट पर काम की।
3. सुश्री दिव्या पीआर के मार्गदर्शन में, एफसी विभाग के सहायक प्रोफेसर - स्टीव बी. वर्गीज और फैशन संचार विभाग के निधि आर. कमला को 6 अप्रैल, 2024 को ज़ी5 द्वारा "संवर्धित और आभासी वास्तविकता के साथ ओटीटी के उपयोगकर्ता अनुभव की पुनर्कल्पना" पर उनके काम के लिए बेबी रेड एलिफेंट पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था। इसके अतिरिक्त, एफसी के छठवें सेमेस्टर की छात्राओं अनुश्री वाकोडे, बी. स्नेहा और रुचि प्रभु ने एक पूर्ण ब्रांड पहचान बनाने के लिए सस्टेनेबल अर्थन मी ब्रांड के साथ सहयोग की।
4. एफसी विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री अबिलाष बालन ने जनवरी और जून 2025 के लिए सीयूएसएटी द्वारा समर्थित ब्लॉक रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) के साथ एक कक्षा परियोजना का समन्वय किया।
5. टीडी विभाग की सहायक प्रोफेसर सुश्री ज्योति शिव आनंद ने जुलाई से दिसंबर 2024 तक ब्रांड 'मारवेरा' के साथ प्रिंट डिजाइन पर केंद्रित एक कक्षा परियोजना का नेतृत्व की और जनवरी से जून 2025 तक 'जेब्सिस्पार' के लिए और 'पैच ओवर पैच' के साथ सरफेस डिजाइन पर एक अन्य परियोजना का नेतृत्व की।
6. डॉ. अफ्रोस फरीद जून और नवंबर 2024 के बीच कन्नूर-कोलाथुवायल क्लस्टर, बुनकर सेवा केंद्र, अझिक्कल क्लस्टर, लोकनाथ बुनकर में "विल्टन वीव्स, कण्णूर हथकरघा एक्सपोर्ट्स, स्टूडियो इतिहा, सुई, राज ग्रुप, आनंद टेक्सटाइल्स, फैशन फैब्स, सिकिसा फैशन और कण्णूर क्लस्टर्स, कोलाथुवायल क्लस्टर, बुनकर सेवा केंद्र, अझिक्कल क्लस्टर, लोकनाथ बुनकर के साथ कक्षा परियोजनाएं शुरू करने के लिए सातवी सेमेस्टर के टीडी के विद्यार्थियों के लिए व्यावसायिक परियोजना विषय के हिस्से के रूप में उद्योगों से जुड़ी थी ।

स्नातक परियोजनाएं एवं स्नातक कार्यक्रम

स्नातक परियोजना प्रदर्शन 2024 का आयोजन 30.05.2024 को निफ्ट कन्नूर परिसर में किया गया था। 2024 के स्नातक बैच ने अपने जीपी कार्यों को प्रस्तुत किया, और सभागार में एक फैशन शो भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 2024 बैच के लिए स्नातक परियोजना/शोध प्रबंध पुरस्कार वितरित किए गए।

दीक्षांत समारोह 2024

2024 के स्नातक बैच के लिए निफ्ट कन्नूर परिसर का दीक्षांत समारोह 02.12.2024 को आयोजित किया गया था। श्री रिलायंस रिटेल की सीनियर उप सभापति और डिजाइन फैशन एंड लाइफस्टाइल बिजनेस की प्रमुख शिल्पी शर्मा इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। निफ्ट के महानिदेशक श्रीमती तनु कश्यप, आईएएस विशिष्ट अतिथि थीं और प्रोफेसर (डॉ) सुधा ढींगरा, डीन एकेडमिक्स भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थीं। शैक्षणिक वर्ष 2024 में दो सौ तैंतीस विद्यार्थियों ने स्नातक की डिग्री हासिल किया।

परिसर के विकास व आउटरीच कार्यक्रम

निफ्ट कन्नूर ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान आउटरीच गतिविधि के हिस्से के रूप में केरल के विभिन्न जिलों में आउटरीच कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। प्रमुख पहलों में ओपन हाउस सत्र, स्कूल का दौरा, करियर परामर्श एवं दिशा और मिनी दिशा जैसे उच्च माध्यमिक करियर एक्सपो में भागीदारी शामिल थी। ये त्रिशूर, कोच्चि, माहे, कन्नूर, कोझिकोड और थालीपरम्बा सहित कई स्थानों पर आयोजित किए गए और सैकड़ों विद्यार्थियों और शिक्षकों तक पहुंच बनाया। कारीगरों के बच्चों के लिए परस्पर कार्यशालाओं और एक जागरूकता सत्र ने कारीगर समुदायों के साथ संबंधों को मजबूत किया।

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ द्वारा संगोष्ठियां एवं कार्यशालाएं

एफएमएस विभाग ने श्री एंटोन लुइकेन द्वारा 18 मार्च, 2025 को "यूरोपीय संघ के बाजारों और वस्त्र और फैशन में स्थिरता को

समझना और मात्रा निर्धारित करना" पर व्याख्यान देने के लिए एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया।

संधारणीयता एवं हरित परिसर गतिविधियां

निफ्ट कन्नूर ने सितंबर-अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता अभियान के हिस्से के रूप में परिसर के नेतृत्व वाली स्थिरता और स्वच्छता पहलों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इन गतिविधियों में गहन सफाई अभियान, प्लास्टिक कचरे को हटाने, फाइल की छंटाई और "एक पेड़ माके नाम" और स्वच्छता प्रतिज्ञा जैसे जागरूकता कार्यक्रम शामिल थे। विद्यार्थियों ने अंतूर नगर पालिका और अपशिष्ट-से-कला प्रतिष्ठानों में सामाजिक जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक और 'अभरण' जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया, जहां परिसर स्तर पर वेस्ट अपसाइक्लिंग ज्वैलरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। संस्थान ने पर्यावरण के अनुकूल सुविधाओं को भी अपनाया है जैसे कि एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक कप और प्लेटों पर प्रतिबंध और एक जल पुनर्चक्रण इकाई, जो इसके स्थिरता मिशन को और मजबूत करता है।

निफ्ट कन्नूर को इसकी पर्यावरणीय पहलों के लिए केरल सरकार के अंथूर नगर पालिका से हरित परिसर पुरस्कार प्राप्त हुआ। कन्नूर परिसर ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के अपने प्रयासों के लिए लगातार चार बार केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण पुरस्कार भी जीता है।

कोलकाता

परिसर की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ और उपलब्धियाँ

I. निफ्ट, कोलकाता के 15 अधिकारियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों सहित 265 छात्रों ने भारत टेक्स, नई दिल्ली में भाग लिया।

II. निफ्ट, कोलकाता परिसर ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, आईआईआईटी, कल्याणी; आईसीएआर, एनआईएनएफईटी, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार; और पश्चिम बंगाल सरकार के डब्ल्यूबीएमडीएफसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

III. "इलेक्ट्रॉनिक रूप से विकसित टेबल लूम" शीर्षक से पेटेंट डॉ. संदीप मुखर्जी, प्रोफेसर और श्री मोंटू बसाक, एसोसिएट प्रोफेसर के पक्ष में प्रदान किया गया है।

IV. सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों के चिकित्सा कल्याण के लिए परिसर 20 प्रमुख अस्पतालों और 6 डायग्नोस्टिक केंद्रों से सूचीबद्ध है।

V. आशिमा सिकंदर (बीडी/21/589) बी. डेस (एफडी) और आकांक्षा सर्राजू (बीडी/21/928) बी. डेस (टीडी) ने क्रमशः केईए - कोपेनहेगन स्कूल ऑफ डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी, डेनमार्क और ईएनएसएआईटी, फ्रांस में सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम पूरा कर लिया है। नंदिनी गट्टानी (बीडी/22/884) बी. डेस (एडी) और धीना आईआरएस (बीडी/21/2054) बी. डेस (एफडी) ने श्वाइज़रिशे टेक्सटाइलफैचस्चुले (एसटीएफ) / स्विस टेक्सटाइल एंड फैशन कॉलेज, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड में दो सप्ताह का ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम पूरा कर लिया है।

VI. कैम्पस ने आईसीएआर, एनआईएनएफईटी के सहयोग से संशोधित 100% जूट यार्न से वस्त्र विकसित किए हैं।

बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ

- 105 किलोवाट पावर रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना
- परिसर और छात्रावास में 3500 लीटर प्रति घंटा क्षमता वाला आरओ संयंत्र
- नए ब्लॉक में एक अतिरिक्त मंजिल का ऊर्ध्वाधर विस्तार
- एन जे बी, कोलकाता से निफ्ट, कोलकाता को 0.326 एकड़ भूमि का हस्तांतरण

अल्पकालिक/सतत शिक्षा कार्यक्रम

कोलकाता परिसर ने एक-एक वर्ष की अवधि के सतत शिक्षा (सीई) विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें वस्त्र उत्पादन प्रौद्योगिकी (सी पी टी) शामिल है, जिसका समन्वय श्री एस.एस. रे, सह प्राध्यापक और मोहम्मद शाहबुद्दीन अशरफी, सह प्राध्यापक द्वारा किया गया; फैशन निटवियर एवं उत्पादन प्रौद्योगिकी (एफ के पी टी) जिसका समन्वय श्री पार्थ सील, सह प्राध्यापक और डॉ. सुमंत्र बख्शी द्वारा किया गया; परिधान डिजाइनिंग एवं फैशन प्रौद्योगिकी (ए डी एफ टी) जिसका समन्वय डॉ. अभिजीत मुखर्जी, सह प्राध्यापक और श्री ज्योति प्रकाश बेहरा, सह प्राध्यापक द्वारा किया गया; और फैशन वस्त्र प्रौद्योगिकी (एफ सी टी) के दो बैच, जिसका समन्वय डॉ. रीनीत सिंह, प्राध्यापक और डॉ. संदीप मुखर्जी, प्राध्यापक द्वारा किया गया। परिसर ने 7 और 8 अगस्त, 2024 को रेमंड लिमिटेड के 'मास्टर टेलर्स के प्रशिक्षण' के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यशाला का समन्वय डॉ. रीनीत सिंह, प्राध्यापक और श्री आशीष कुमार, सहायक प्राध्यापक द्वारा किया गया।

प्रमुख परियोजनाएँ

कोलकाता परिसर में निम्नलिखित परियोजनाएँ चल रही हैं:

- भारतीय जूट निगम लिमिटेड (JCI), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित गुणवत्तापूर्ण जूट विविध उत्पादों के उत्पादन हेतु डिज़ाइन विकास और सहायता पर एक अध्ययन का आयोजन

राष्ट्रीय जूट बोर्ड (NJB), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जूट डिज़ाइन संसाधन केंद्र (JDRC)।

कोलकाता परिसर ने निम्नलिखित परियोजनाएं पूरी की हैं:

- भारत सरकार के पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों के लिए 07 पाठ्यक्रमों (अर्थात सी टी पी पी डी डी, सी पी आई डी, सी पी एफ एम एस एम, सी पी एफ पी आर एम, डी पी ए पी एंड एम, डी पी एफ जे और डी पी एफ एस सी एम) का एक वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- राष्ट्रीय जूट बोर्ड (एन जे बी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सोनाली शोरूम के लिए विजुअल मर्चेंडाइजिंग।
- टी बोर्ड इंडिया, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित टी बोर्ड के लिए जी20 स्टॉल के लिए क्रिएटिव की सॉफ्ट कॉपी डिजाइन करना और उपलब्ध कराना।
- ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओ एम सी) द्वारा प्रायोजित 'ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी और गैर-कार्यकारी और पी आर खनिक कर्मचारियों' के लिए वर्दी डिजाइन।
- पश्चिम बंगाल सरकार के आलिया विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- कोलकाता परिसर ने नई परियोजना शुरू की है, जिसका नाम है।
- अरुणाचल प्रदेश राज्य में क्लस्टर विकास योजना हस्तशिल्प सी एच सी डी एस के तहत प्रशिक्षण, परिसर के संकाय सदस्य इस निफ्ट, मुख्यालय परियोजना के लिए काम कर रहे हैं
- एम एस ई-सी डी पी योजनाओं के तहत हरिंगाटा गारमेंट्स एंड अपैरल्स फाउंडेशन, हरिंगाटा द्वारा प्रायोजित मुख्य रूप से होजरी और अन्य बुने हुए कपड़ों के क्षेत्र में परिधान निर्माताओं के लिए एक सामान्य सुविधा केंद्र का विकास।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियाँ

छात्र का नाम	प्रोग्राम	टिप्पणी
महक गांधीओके, ए डी	डिज़ाइनर, नोवेल ज्वेल्स लिमिटेड, आदित्य बिड़ला समूह द्वारा आयोजित अगली प्रतियोगिता।	प्रथम पुरस्कार
एस मारिया रोविना, एल डी अक्षय के, एफ सी इंशा सिद्दीकी, एफ पी शिवानंद के, एल डी नागा हरिणी. पी, एफ पी	भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आई एफ एफ आई) 2024 गोवा में 1940-1959 के युग के लिए	निफ्ट, कोलकाता के छात्र विजेता रहे और उन्हें प्रख्यात फिल्म निर्माता श्री सुभाष घई द्वारा सम्मानित किया गया।
गौरांगी शर्मा, टी डी	मध्य प्रदेश सरकार के लिए "लड़कियों के लिए स्वच्छता और स्वास्थ्य" पर चित्रण	उनका कार्य यूनिसेफ द्वारा प्रकाशित किया गया।
अत्रिका भट्टाचार्य, बी एफ टी	इंडियन आइडल	प्रतिभागी
तान्या सिंह, एफ सी	जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता "ट्राइबल ओडिसी"	दूसरा रैंक
कृष्ण पद महतो, एफ. डी.	न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर और रूफटॉप आर्टिस्ट विलेज में।	प्रतिभागी
कियारा जैन, ए.डी.	कन्वर्ज में भित्तिचित्र प्रतियोगिता	स्वर्ण पदक
सरमिला साहू, एल.डी.	मेहंदी प्रतियोगिता, टेक्नो इंडिया	प्रथम पुरस्कार
रुशान राजेंद्र आचार्य, एल.डी.	निफ्ट, कन्वर्ज में कबड्डी और शतरंज प्रतियोगिताएं	कबड्डी स्वर्ण पदक शतरंज रजत पदक
अश्मित हलदर, एफ सी	एन पी सी द्वारा बहस	प्रथम पुरस्कार
मिली सिंह, के डी	कन्वर्ज में भित्तिचित्र प्रतियोगिता	स्वर्ण पदक
आध्यात्मिक मोदी, के डी	एमिफोरिया फैशन शो	द्वितीय पुरुस्कार
महिमा पाठक, एल.डी	एमिफोरिया फैशन शो	द्वितीय पुरुस्कार
श्रद्धा शिवकुमार, एल.डी	कन्वर्ज में बैटल ऑफ द बैंड्स प्रतियोगिता	स्वर्ण पदक
सुनिधि, के डी	आई आई टी, खड़गपुर द्वारा फेस पेंटिंग और ब्रांड डिजाइन पहचान प्रतियोगिता का आयोजन	दोनों प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरुस्कार
रिद्धि पवार, के डी	एनयूजेएस गैरकानूनी फैशनिस्टा	द्वितीय पुरुस्कार
श्रेया गुप्ता, ए डी	एनयूजेएस गैरकानूनी फैशनिस्टा	द्वितीय पुरुस्कार
जिया गर्ग, एल.डी	कन्वर्ज में नृत्य नाटक प्रतियोगिता	कांस्य पदक
मोहोना सेनगुप्ता, एफ डी	जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित UNCSW	सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि में प्रथम स्थान
प्रिहुल जैन, टी डी	जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा मेड गाला फैशन शो	प्रथम पुरस्कार

खुशी बंसल, के डी	जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा मेड गाला फैशन शो	प्रथम पुरस्कार
अनुष्का गुप्ता, एफ डी	जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा मेड गाला फैशन शो एन यू जे एस गैरकानूनी फैशनिस्टा	प्रथम पुरस्कार प्रथम पुरस्कार
अंतरा बरई, एफ सी	कन्वर्ज में बैटल ऑफ द बैंड्स प्रतियोगिता	स्वर्ण पदक
ख़ुशी लखोटिया, के डी	एमिफोरिया फैशन शो	द्वितीय पुरुस्कार
सलोनी शर्मा, के डी	जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा मेड गाला फैशन शो	प्रथम पुरस्कार
साग्निक मुखर्जी, एफ डी	निफ़्ट कन्वर्ज में मिस्टर कन्वर्ज	विजेता

स्नातक परियोजनाएँ और स्नातक कार्यक्रम

वर्ष 2024 में, निफ्ट कोलकाता से 274 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 243 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की, जिनमें से 37 फैशन संचार(एफ सी) से, 34 फैशन और जीवनशैली सहायक सामग्री (एफ एंड एल ए) से, 34 फैशन डिज़ाइन (एफ सी) से, 34 निटवियर डिज़ाइन (के डी) से, 32 चमड़ा डिज़ाइन (एल डी) से, 37 वस्त्र डिज़ाइन (टी डी) से और 35 फैशन प्रौद्योगिकी (बी एफ टी) से थे। 31 छात्रों ने फैशन प्रबंधन (एफ एं एस) में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। 2024 के वर्ग के लिए स्नातक कार्यक्रम 30 मई 2024 को फैशन संचार, फैशन और जीवनशैली सहायक सामग्री, वस्त्र डिज़ाइन, फैशन प्रौद्योगिकी और फैशन प्रबंधन में स्नातकोत्तर के लिए और 31 मई 2024 को निफ्ट कोलकाता परिसर में फैशन डिज़ाइन, निटवियर डिज़ाइन और चमड़ा डिज़ाइन के विभाग के लिए आयोजित किए गए।

शिल्प क्लस्टर पहल - गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और इनके प्रभाव

कलना-समुद्रगढ़-धात्रीग्राम हथकरघा क्लस्टर, शांतिपुर हथकरघा क्लस्टर नादिया, कांथा कढ़ाई क्लस्टर: शांतिनिकेतन बोलपुर, मदुरकाठी: सबंग क्लस्टर-सबंग, पश्चिम मिदनापुर, खेश बुनाई-बीरभूम हथकरघा क्लस्टर, बीरभूम, नक्शी कांथा: जादवपुर और फतेहपुर क्लस्टर, बीरभूम, ज़री: खासखामार पंचला क्लस्टर, हावड़ा, लकड़ी की गुड़िया: नतून ग्राम पूर्वो बर्धमान, टेराकोटा: पंचमुरा बांकुरा, डोकरा: दरियापुर क्लस्टर, बर्धमान में शिल्प क्लस्टर संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। एफ डी, के डी, एफ एंड एल ए और एल डी विभागों द्वारा चार शिल्प प्रदर्शन कार्यशालाएँ आयोजित की गईं और दो कारीगर जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जहाँ विभिन्न हथकरघा और हस्तशिल्प बुनकरों और कारीगरों ने स्नातक कार्यक्रम के लिए संयुक्त कार्यशाला में भाग लिया और 11 कारीगरों ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए कार्यशाला में भाग लिया। दो दिवसीय शिल्प बाजार का आयोजन किया गया जिसमें पश्चिम बंगाल के विभिन्न हथकरघा और हस्तशिल्प समूहों से 67 बुनकरों और कारीगरों ने भाग लिया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार, कार्यशालाएँ और विशेषज्ञ व्याख्यान

एफ पी - 12, ए डी - 8, एफ सी - 20, एफ डी - 12, के डी - 20, एल डी - 8, टी डी - 15, बी एफ टी - 10, एम एफ एम - 12, जैसे विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न विशेषज्ञ व्याख्यान सत्रों के साथ-साथ व्यावहारिक प्रदर्शन और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

प्रमुख उद्योग संपर्क / उद्योग संबंध

उपरोक्त अवधि के दौरान उद्योग संपर्क गतिविधियाँ निरंतर संचालित की गईं। इस अवधि के दौरान कई उद्योग दौरे, विशेषज्ञ व्याख्यान, सेमिनार, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट संबंधी साक्षात्कार प्रक्रियाएँ आयोजित की गईं। कुछ प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख निम्नलिखित है:

उद्योग विशेषज्ञ ने छात्रों को संबोधित किया:

- डिज़ाइनर और कलाकार श्री स्वरूप दत्ता ने नवंबर 2024 में होमकमिंग सत्र में छात्रों के सभी मौजूदा बैचों को संबोधित किया।
- करीवाला इंडस्ट्रीज के एमडी श्री अनिल करीवाला ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2024 के दौरान छात्रों को संबोधित किया।
- मार्केटिंग उपाध्यक्ष श्री संजय विश्वकर्मा ने ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा पेटेंट प्राप्त फैब्रिक "रेसिल" विस्कोस फिलामेंट यार्न पर एक सेमिनार प्रस्तुत किया।
- पॉज़िटेक्स के एरिया मैनेजर श्री प्रदीप कुमार जैन ने उच्च प्रदर्शन वाले स्पोर्ट्सवियर फैब्रिक पर एक सेमिनार प्रस्तुत किया।
- जय-जय मिल्स, श्रीलंका के सहायक प्रबंधक श्री ब्रजभान शंकर सिंह ने परिधान उद्योगों में आईटी आधारित समाधान पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- शोशा की संस्थापक सुश्री निष्ठा बागरिया ने एमएफएम छात्रों को एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- टीजेएक्स कंपनियों के निदेशक श्री गौतम मुखर्जी ने नए नियुक्त स्नातकों से उद्योग की अपेक्षाओं पर छात्रों को संबोधित किया।

दिसंबर 2024 में पूर्व छात्र मिलन समारोह 2024 का आयोजन किया गया, जिसमें कोलकाता और अन्य निफ्ट केंद्रों के 107 पूर्व छात्र सदस्यों ने भाग लिया, जहां टीम निर्माण गतिविधियों के साथ-साथ प्रत्येक विभाग के पूर्व छात्र प्रतिनिधियों द्वारा एक पैनल चर्चा भी की गई।

सभी बैचों के छात्रों को कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य शहरों में भी विभिन्न उद्योगों का भ्रमण कराया गया। कुछ कंपनियों के नाम इस प्रकार हैं: ए बी एफ आर एल भुवनेश्वर, राजलक्ष्मी कॉटन मिल्स नोएडा और हावड़ा, जयश्री टेक्सटाइल मिल्स, मॉडेलेमा एक्सपोर्ट्स, मैट्रिक्स एक्सपोर्ट्स, तापड़िया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेडिएंट एक्सपोविजन, 7 मिलियन वर्कशॉप, अपोलो फैशन, वी.के. इंटरनेशनल आदि।

कई कंपनियों के लिए स्नातक परियोजना प्लेसमेंट का आयोजन किया गया, जहाँ कई छात्रों को उनके स्नातक परियोजना के लिए चुना गया। ये कंपनियाँ हैं: ए बी एफ आर एल, नोवेल ज्वेल्स, सी बी एम रिटेल, जे जे मिल्स श्रीलंका और भारत।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर गतिविधियाँ

हरित पहल दीर्घकालिक स्थिरता प्राप्त करने का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 2030 तक सतत विकास लक्ष्य (एस डी जी) को पूरा करने में सहायता प्रदान करती हैं। भारत में, विशेषकर इसकी विशाल जनसंख्या के कारण, ये पहल जलवायु को स्थिर करने, जैव विविधता की रक्षा करने में सहायक हो सकती हैं, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता प्राप्त हो सकती है। इसी प्रकार, ये हरित पहल निफ्ट के पर्यावरण को स्थायी और स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने में मदद कर सकती हैं।

- परिसर को एक दिलचस्प जगह बनाने के हिस्से के रूप में, एफ एंड एल ए विभाग के सेमेस्टर पाँच (2022-2026 बैच) के छात्रों ने कक्षा परियोजना के रूप में उस चुनौती को स्वीकार किया। छात्रों ने बेकार/पुरानी मशीनरी/घटकों/पुर्जों/ड्रेस फॉर्म/कच्चे माल आदि के बारे में आवश्यकता-आधारित जानकारी एकत्र की, जिन्हें न केवल साफ करने की आवश्यकता है, बल्कि उन्हें रोचक, कम कार्बन फुटप्रिंट वाले उत्पादों में भी बदला जा सकता है, जो स्थायित्व के मद्देनजर कक्षाओं या प्रयोगशालाओं के कार्य वातावरण को बेहतर बनाएंगे। उत्पादों में एफ डी विभाग के लिए कपड़ा अपशिष्ट संग्रहण प्रणाली, के डी, एल डी और टी डी विभागों के लिए एक कला स्थापना शामिल थी। एफ एंड एल ए विभाग ने निफ्ट कोलकाता द्वारा वर्षों से उत्पन्न अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करके एक घूमने वाली आभूषण प्रदर्शन प्रणाली बनाई।
- स्थिरता अध्ययन (सामान्य ऐच्छिक - वैकल्पिक) एफडी विभाग के छात्रों द्वारा एक प्रदर्शन-सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छह छात्र समूहों ने भाग लिया और विभिन्न टिकाऊ परियोजनाओं का प्रदर्शन किया।
- निफ्ट कोलकाता गर्ल्स हॉस्टल और परिसर में सौंदर्यीकरण कार्य के लिए अतिरिक्त गमलों, आवश्यक पौधों आदि की स्थापना।
- पुराने ब्लॉक में फायर अलार्म के साथ पुरानी निष्क्रिय अग्निशमन प्रणाली का नवीनीकरण।
- भूमिगत जलाशयों और ओवरहेड टैंकों की सफाई, गर्ल्स हॉस्टल और परिसर दोनों में नियमित अंतराल पर की जा रही है।
- छात्रों के बीच सतत प्रथाओं पर एक प्रतियोगिता आयोजित की गई और विभिन्न छात्र समूहों द्वारा लगभग 13 परियोजनाओं में भाग लिया गया, ताकि छात्रों के दैनिक जीवन में स्थिरता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। इस परियोजना में विभिन्न कार्यान्वयन योग्य सतत समाधानों का प्रदर्शन किया गया जो निफ्ट कोलकाता के सभी हितधारकों की बेहतरी के लिए दीर्घकालिक रूप से सतत विकास लक्ष्यों (एस डी जी) को प्राप्त करने में मदद करेंगे।
- परिसर में सभी मौजूदा स्थापित अग्निशामक यंत्रों को फिर से भरना

इस तरह, निफ्ट कोलकाता की स्थिरता के प्रति पहल राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ संरेखित है, जिससे निफ्ट कोलकाता टिकाऊ डिजाइन संस्थान में अग्रणी बन गया है।

मुंबई

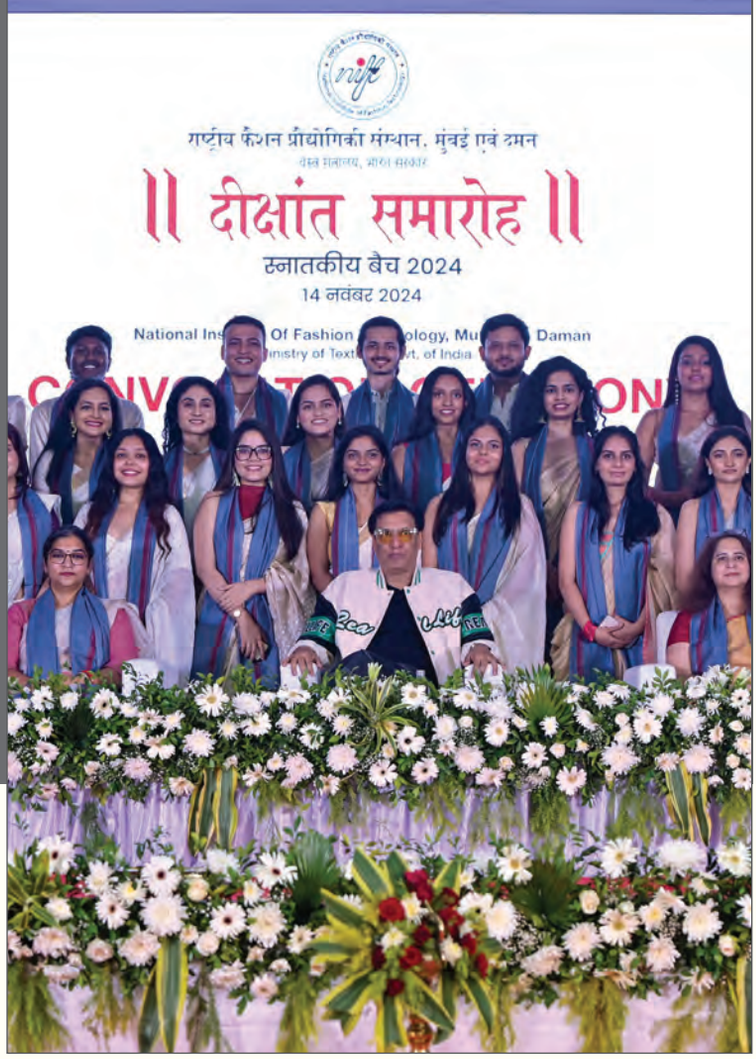

वाईफाई की सुविधा सहित, निफ्ट-मुंबई का स्मार्ट परिसर 10 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है जिसकी 45,000 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र की गहरी बुनियादी संरचना स्थापित है। इसके छात्रावास में 581 लड़कियों और 72 लड़कों के लिए आवास की सुविधा उपलब्ध है। निफ्ट मुंबई में शिक्षण के लिए 44 इन-हाउस संकाय सदस्यों और 125 से अधिक विजिटिंग संकाय सदस्यों की एक मजबूत टीम है। उद्योग की परिप्रेक्ष्यता को कक्षा में समझाने के लिए विभिन्न तकनीकी और समसामयिक विषयों पर केंद्रित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के उद्योग विशेषज्ञों और शिक्षाविदों को छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया। निफ्ट मुंबई में वर्तमान में स्नातक के कुल 6, प्रत्येक 4 वर्षीय डिग्री कार्यक्रम और स्नातकोत्तर के कुल 2, प्रत्येक 2 वर्षीय डिग्री कार्यक्रम छात्रों के लिए संचालित किए जा रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां एवं सम्मान

रैंकिंग/ पुरस्कार

- टाइम्स एजुकेशन आइकॉन्स मुंबई 2024 द्वारा शीर्ष फैशन डिजाइन डीम्ड विश्वविद्यालय की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- एमडीआरए सर्वश्रेष्ठ कॉलेज सर्वेक्षण 2024 के अनुसार भारत में सर्वश्रेष्ठ फैशन कॉलेजों की रैंकिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- होमकमिंग@निफ्ट का 9वां सत्र 22 नवंबर 2024 को निफ्ट मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें निफ्ट मुंबई के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र और सुविख्यात कॉस्ट्यूम डिजाइनर श्री दर्शन जालान को आमंत्रित किया गया था। श्री दर्शन को मिर्जापुर, लापता लेडीज, थ्री इडियट्स, कहानी-2, दम लगा के हईशा और टॉयलेट- एक प्रेम कथा जैसी फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। इस संवादात्मक सत्र का सभी निफ्ट परिसरों और उनके छात्रों के लिए लाइव प्रसारण किया गया ताकि वे इस कार्यक्रम में भाग ले सकें।
- निफ्ट मुंबई परिसर में शिल्प बाजार - शिल्पकारों और कारीगरों की उपभोक्ताओं तक सीधे पहुँच बनाने के लिए निफ्ट मुंबई परिसर में 5 से 7 मार्च 2025 तक एक भव्य सहभागी शिल्प बाजार 2025 का आयोजन किया। इस बाजार में आगंतुकों और उपभोक्ताओं की भीड़ ने, शिल्प बाजार में सभी कारीगरों से वस्तुएं खरीदीं। इस तरह के सहभागी शिल्प बाजार के आयोजन से कारीगरों का उत्साह प्रबल हुआ, इससे उन्हें अपने क्लस्टरों में लौटकर नवाचारी डिज़ाइन और उत्पाद विकसित करने की दिशा में सक्रिय प्रयास करने के लिए प्रोत्साहन मिला।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, निफ्ट मुंबई के अधिकारियों/कर्मचारियों ने मुंबई के प्रतिष्ठित स्थल गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित मेगा योग कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे और महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फड़नवीस ने किया। इस मेगा योग कार्यक्रम में लगभग 7000 स्वयंसेवकों ने भाग लिया था। निफ्ट मुंबई परिसर में 21 जून 2024 को "स्वयं और समाज के लिए योग" विषय पर "कामकाजी महिलाओं के लिए योग" पर विशेष ध्यान देते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
- "खादी की किंवदंती" – यह पुस्तक खादी संबंधी भावना और विचारधारा को सुंदर ढंग से प्रस्तुत करती है। इसमें प्रतीकात्मक और अभिव्यंजक मुद्रण (प्रिंट्स) के माध्यम से खादी को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई है। इसे फैशन संचार विभाग द्वारा तैयार किया गया है। इस पुस्तक में अलग-अलग विभागों के छात्रों की चुनी हुई रचनाएँ शामिल हैं, जिन्हें गांधी जयंती

2024 पर आयोजित एक प्रतियोगिता के माध्यम से चुना गया था। यह पुस्तक सभी छात्रों के साझा प्रयास का परिणाम है।

- निफ्ट मुंबई ने, निदेशक प्रो. डॉ. शर्मिला दुआ के कुशल मार्गदर्शन में 6 से 9 नवंबर 2024 तक आयोजित डिजाइन मुंबई 2024 व्यापार मेले के लिए ज्ञान भागीदार के रूप में कार्य किया। इस कार्यक्रम का समन्वय निफ्ट मुंबई के डिजाइन स्पेस विभाग द्वारा किया गया और इसमें डॉ. रूपा अग्रवाल प्राध्यापक निफ्ट मुंबई) और डॉ. कौस्तव सेनगुप्ता प्राध्यापक निफ्ट चेन्नई द्वारा दो प्रस्तुतियाँ दी गईं।
- निफ्ट मुंबई ने 8 जनवरी 2025 को निष्ठा भवन, चर्चगेट, मुंबई में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारत के पहले एआई और ईआई-संचालित फैशन पूर्वानुमान प्लेटफॉर्म – "विजननेक्स्ट" को प्रस्तुत किया गया। विजननेक्स्ट, जो वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विकसित किया गया है, फैशन जगत के लिए एक नई दिशा तय करता है। यह प्लेटफॉर्म कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) और भावात्मक बुद्धिमता (ईआई) दोनों को मिलाकर भारत के विविध फैशन और खुदरा बाजार के अनुरूप ट्रेंड्स, अंतर्दृष्टि और अनुसंधान प्रदान करता है।
- निफ्ट का 39वां स्थापना दिवस 22 जनवरी 2025 को निफ्ट मुंबई परिसर में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निफ्ट मुंबई के अधिकारी, संकाय सदस्य, कर्मचारी, छात्र और पूर्व छात्र सभी ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण निफ्ट मुंबई के पहले बैच की पूर्व छात्रा और प्रसिद्ध रंगमंच कलाकार सुश्री जूही बब्बर द्वारा प्रस्तुत नाटक "विद लव, आपकी सैयारा" था। इसके अतिरिक्त, निफ्ट में 10 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत कर्मचारियों को भी इस समारोह के दौरान सम्मानित किया गया।
- निफ्ट मुंबई ने एशिया के सबसे बड़े काला घोड़ा कला महोत्सव 2025 में भाग लेते हुए "सततता" (सस्टैनबिलिटी) विषय पर 7 प्रतिष्ठान (इंस्टॉलेशन) प्रदर्शित किए। यह अद्वितीय नौ-दिवसीय कला महोत्सव 25 जनवरी से 2 फरवरी 2025 तक दक्षिण मुंबई के काला घोड़ा क्षेत्र में आयोजित किया गया था। इसमें भाग लेने से निफ्ट मुंबई को एक महत्वपूर्ण अवसर मिला, इससे ब्रांड निफ्ट (निफ्ट@40) जो अपने 40 वर्ष पूरे कर रहा है उसको एक व्यापक और प्रतिष्ठित मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिला।
- जीटीटीईएस 2025 के दौरान, 21 से 23 फरवरी 2025 तक नेस्को कंपाउंड, बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में निफ्ट मुंबई ने नॉलेज पार्टनर के रूप में अपना स्टॉल लगाया।
- निफ्ट मुंबई के निदेशक, संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्रों ने 13 से 16 फरवरी 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स प्रदर्शनी 2025 में भाग लिया। इस दौरान छात्रों के लिए उद्योग भ्रमण का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निफ्ट मुंबई के फैशन डिजाइन विभाग की सह प्राध्यापक डॉ. कुंदलता मिश्रा को पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए प्रोटेक्टिव यूनिफॉर्म तथा लेथ/सीएनसी मशीनिस्ट प्रोटेक्टिव यूनिफॉर्म और वेल्डर के लिए प्रोटेक्टिव वियर इन तीन श्रेणियों में प्रोटेक्टिव वियर पेटेंट के लिए सम्मानित किया गया यह सम्मान उनके नवाचार और उद्योग में योगदान को मान्यता देने वाला एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- निफ्ट मुंबई ने भारत टेक्स 2025 कार्यक्रम में "भारतीय सिनेमा - रील से रियल में परिवर्तन" विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया।
- निफ्ट मुंबई के निदेशक ने निफ्ट मुंबई के 40 संकाय सदस्यों के साथ 18 से 21 जुलाई 2024 तक निफ्ट श्रीनगर में फैकल्टी रिट्रीट में भाग लिया।
- निफ्ट मुंबई परिसर के संसाधन केंद्र ने 17 मार्च 2025 को एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें निफ्ट के डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के सभी रुचिकर और विशेषज्ञता वाले विषयों की पुस्तकों को सम्मिलित किया गया। इसमें चार प्रकाशकों ने भाग लिया।
- निफ्ट मुंबई ने, निफ्ट मुख्यालय के माध्यम से भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों का पालन करते हुए, परिसर में कई गतिविधियों का आयोजन किया। इनमें पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, स्वतंत्रता दिवस, राष्ट्रीय खेल दिवस, गांधी जयंती, हिंदी पखवाड़ा सप्ताह, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, स्थापना दिवस और अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

मूलभूत संसाधन तथा अनुसंधान एवं आधुनिक सुविधाएं

परिसर में अत्याधुनिक लैब और मशीन कक्ष हैं, जिनमें आधुनिक उपकरण और प्रौद्योगिकी युक्त संसाधन उपलब्ध हैं। यहाँ की आधुनिक सुविधाओं में क्लाउड-सर्वर आधारित और आरएफआईडी सुसज्जित संसाधन केंद्र तथा डिजिटल/संस्थागत संग्रह भी उपलब्ध हैं। संसाधन केंद्र में पुस्तकों, पत्रिकाओं और जर्नलों का विशाल संग्रह तथा एक सामग्री विंग और एक डिजिटल ज्ञान केंद्र भी उपलब्ध है। परिसर में एक सुनिश्चित प्रदर्शनी क्षेत्र, फैशन शो के लिए एक रैंप कक्ष, एक पूर्ण कार्यात्मक व्यायामशाला, कई निर्धारित खेल स्थान और संगीत क्षेत्र तथा सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक सभागार भी सम्मिलित है।

निफ्ट मुंबई ने परिसर में बुनियादी ढांचे और अनुसंधान एवं आधुनिक सुविधाओं के विस्तार पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है और इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। इसका लक्ष्य नवाचार, वैज्ञानिक अन्वेषण, अत्याधुनिक डिजाइन और ज्ञान सृजन का प्रमुख केंद्र बनना है।

निफ्ट-मुख्यालय के सहयोग से, भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा स्वीकृत और वित्तपोषित परिसर में कुछ प्रमुख उपक्रम में स्मार्ट वेयरेबल सिस्टम (एसडब्ल्यूएस) इनक्यूबेटर और फैशन एवं लाइफस्टाइल एक्सेसरीज इनक्यूबेटर सम्मिलित हैं।

निफ्ट मुंबई को निफ्ट एंडोमेंट फंड से "मोटरसाइकिल चालकों के लिए उच्च सुरक्षा मानकों वाले वस्त्रों का अध्ययन और विकास" परियोजना के लिए अनुदान प्राप्त हुआ है। यह परियोजना 16 जनवरी, 2023 से प्रारंभ हुई और पहले वर्ष के अंत तक आधुनिक घर्षण परीक्षण यंत्र की खरीद कर ली गई है और एक टियर परीक्षक की खरीद का कार्य प्रगति पर है। उच्च प्रदर्शन वाले धागों से लगभग 30 प्रकार के वस्त्रों की विविध श्रृंखलाएं तैयार की गई हैं, जिन्हें इन-हाउस हथकरघा और बुनाई मिल में बुना गया है। इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन से मोटरसाइकिल चालकों के लिए अत्याधुनिक, अनुकूलित सामग्री और प्रक्रिया मापदंडों के साथ सुरक्षात्मक वस्त्रों की एक नई श्रृंखला विकसित होगी, जो सुरक्षा और कार्यक्षमता दोनों में उत्कृष्ट होगी।

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) की तकनीकी वस्त्र शिक्षा योजना के अंतर्गत, निफ्ट मुंबई को परिसर में तकनीकी वस्त्र अवसंरचना एवं क्षमता निर्माण के लिए अनुदान प्राप्त हुआ है। इससे तकनीकी वस्त्रों में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। वर्तमान में उपकरणों की खरीद का पहला चरण प्रगति पर है।

अल्पकालिक कार्यक्रम

सतत शिक्षा, निफ्ट मुंबई द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रमों का एक अभिन्न अंग है। निफ्ट मुंबई ने 1 डिप्लोमा और 7 सीई पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए हैं, जिनमें लगभग 128 छात्र लाभान्वित हुए हैं। इन पाठ्यक्रमों के मुख्यतः छात्र सम्बंधित व्यवसाय में कार्यरत हैं।

परियोजनाएं

परियोजनाएं संकाय सदस्यों और छात्रों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों को हल करने और कारीगरों, सरकारी एजेंसियों, खुदरा विक्रेताओं, फैशन ब्रांडों और अकादमिक और अनुसंधान समुदाय जैसे विभिन्न हितधारकों को लाभान्वित करते हुए व्यावहारिक परिस्थिति में सिद्धांत लागू करने के लिए पारस्परिक रूप से लाभप्रद, सहयोगात्मक और विविध अवसर प्रदान करती हैं। निफ्ट मुंबई कई परामर्श परियोजनाओं में संलग्न है; वर्तमान में 5 परियोजनाएँ दमन और दीव संघ राज्य क्षेत्र के शिक्षा विभाग के साथ विद्यालयों के लिए यूनिफॉर्म डिजाइन, महाराष्ट्र सरकार के उद्योग निदेशालय के साथ कलाकृति गारमेंट क्लस्टर जुन्नार (एसआईपी), पुणे, एसआईपी सतपुड़ा के साथ सतपुड़ा फर्नीचर परियोजन, सिटिजन्स अम्ब्रेला मैन्युफैक्चरर्स लिमिटेड के निदेशक श्री नमन बंथिया के साथ सिटिजन्स रेनकोट डिजाइन परियोजना उम्बरगांव साजन वलसाड, गुजरात, मेसर्स रेमंड लाइफस्टाइल लिमिटेड के साथ अपस्किलिंग मास्टर प्रशिक्षण कार्यशाला परियोजना चल रही हैं।

छात्र गतिविधियां - आयोजित कार्यक्रम/ प्रतियोगिताएं एवं पुरस्कार

क) आयोजित कार्यक्रम:

- कन्वर्ज 2024 - निफ्ट मुंबई के लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया। यह अखिल भारतीय आयोजन 23 से 25 अक्टूबर 2024 तक निफ्ट पंचकुला में आयोजित किया गया था। निफ्ट मुंबई की टीम ने सभी 19 निफ्ट केंद्रों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- फैशन स्पेक्ट्रम 2024 और 2025 - निफ्ट मुंबई का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'फैशन स्पेक्ट्रम 2024' दिनांक 5 और 6 अप्रैल 2024 को आयोजित किया गया, जिसका विषय 'ट्रेसेज़' था। इसके बाद 'स्पेक्ट्रम 2025' का आयोजन 7 और 8 मार्च 2025 को किया गया, जिसका विषय 'इल्यूसिया' रहा। मुंबई और नवी मुंबई के विभिन्न कॉलेजों ने इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान साहित्य, ललित कला, प्रदर्शन कला, फैशन और प्रतिभा प्रतियोगिताओं सहित अनेक प्रतिस्पर्धी गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- एसडेक क्लब गतिविधियां - निफ्ट मुंबई की एसडेक टीम ने छात्रों की गतिविधियों को आकर्षक और प्रभावशाली बनाने के लिए सभी आवश्यक तकनीकी संसाधनों और नवाचारों का पूर्ण उपयोग किया। वर्ष के दौरान एसडेक क्लब ने स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, दिवाली मेला, कन्वर्ज, स्पेक्ट्रम आदि अनेक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया। कुल 7 क्लबों द्वारा 38 गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें सांस्कृतिक क्लब, ईएसएसई क्लब, एडवेंचर एंड फोटोग्राफी क्लब, खेल क्लब, फिल्म क्लब, साहित्यिक क्लब, पर्यावरण क्लब ने भाग लिया।

ख) छात्रों की प्रतियोगिताएं एवं पुरस्कार

- सुश्री नियति खिनवासरा और एफसी (2020–2024 बैच) की पूरी टीम ने आईएफएफटीआई फैशन फिल्म प्रतियोगिता में पुरस्कार जीता। उन्हें 23 से 26 अप्रैल 2024 तक दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित इवा महिला विश्वविद्यालय में आयोजित आईएफएफटीआई के 26वें सम्मेलन में 'फैशन फिल्म अवॉर्ड्स' के तहत सर्वश्रेष्ठ फिल्म का सम्मान प्रदान किया गया।
- एफ एंड एलए के सेमेस्टर छठवें की छात्रा सुश्री वैशाली जैन को सर्वश्रेष्ठ हैंडबैग के लिए एफआईटी का 'क्रिटिक अवॉर्ड' दिया गया। यह पुरस्कार स्नातक छात्रों के पुरस्कार समारोह में अमेरिकी ब्रांड मैसीज के डिजाइन निदेशक द्वारा प्रदान किया गया।
- एफसी सेमेस्टर 6 की छात्रा सुश्री सिद्धि किर्वे ने विजुअल मर्चेंडाइजिंग में इंडिया स्किल्स राष्ट्रीय स्तर 2024 प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।
- केडी सेमेस्टर 6 के छात्र सुश्री मानसी धनगर और श्री वेदांत भालेराव को आईएनवीआईवाईए क्लासरूम प्रोजेक्ट के लिए टॉप टेन फाइनलिस्ट में चुना गया। उन्हें ₹10,000 नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।
- श्री आकाश जी, एफ एंड एलए छात्र बैच 2020-2024 ने 23 जुलाई 2024 को भारत का सर्वश्रेष्ठ डिजाइन छात्र पुरस्कार (एक्सेसरी डिजाइन) 2024 जीता।
- एफ एंड एलए विभाग की छात्रा सुश्री समृद्धि उपाध्याय और श्री उज्जवल खोचर ने 16 अगस्त 2024 को अर्थ फाउंडेशन द्वारा आयोजित डिजाइन चैलेंज में प्रथम पुरस्कार जीता।
- एफ एंड एलए के सेमेस्टर 7 की छात्रा सुश्री सोफिया ने निफ्ट एक्स हाईडिजाइन क्लासरूम प्रोजेक्ट में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। यह परियोजना 'कावई मीट पांडिचेरी' थीम पर आधारित थी और इसका आयोजन हाईडिज़ाइन द्वारा 8 से 14 सितंबर 2024 तक पांडिचेरी में किया गया था।
- एम.डेस सेमेस्टर 3 के छात्र श्री उदित देबनाथ ने 25 सितंबर, 2024 को न्यू फॉर्म द्वारा आयोजित यूआई-यूएक्स के लिए ग्लोबल विक्स प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- एमएफएम सेमेस्टर 3 के छात्र श्री अशर मानव जगदीशकुमार और सुश्री अंजलि भारद्वाज ने 17 अक्टूबर 2024 को एफएमएस विभाग, निफ्ट नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एफएमएस क्विज प्रतियोगिता' के रीजनल राउंड में निफ्ट मुंबई का प्रतिनिधित्व किया।
- एमडीएस सेमेस्टर 1 की छात्राएं सुश्री अनीता देवी, सुश्री सुकन्या, सुश्री रोली और सुश्री कृतिका को 11 नवंबर, 2024 को आयोजित निफ्टएक्सओएनडीसी हैकाथॉन: अनडिजिटाइज्ड और प्रथम बार मोबाइल उपयोगकर्ताओं के लिए ई-कॉमर्स की पुनर्कल्पना में अन्य संस्थानों की 7 टीमों के साथ दूसरे दौर के लिए चुना गया।

- एमडेस सेमेस्टर 3 की छात्राएं सुश्री मालविका एम., सुश्री रोशनी मेहता और सुश्री हृतुजा अटकरी को यंग डिजाइनर्स लीग 2024 की प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया है, जो 13 नवंबर, 2024 को निर्धारित की गई थी और उन्हें अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन से अंतिम जूरी पैनल के लिए आमंत्रित किया गया है।
- केडी सेमेस्टर 5 के छात्रों सुश्री केताकी कुसुरकर, सुश्री नंदेइका हुद्दार और सुश्री सिया टी. ने 24 नवंबर 2024 को एनएफडीसी द्वारा गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल इंडिया (आईएफएफआई) में प्रथम पुरस्कार जीता।
- एमडेस सेमेस्टर 3 के छात्र श्री उदित देबनाथ ने 26 नवंबर, 2024 को न्यूफॉर्म कम्युनिटी द्वारा आयोजित विक्स ग्लोबल यूआई चैलेंज में प्रथम पुरस्कार जीता।
- एमडेस की छात्रा सुश्री रोशनी मेहता, सुश्री शिवांगी दत्ता, सुश्री श्रुति कटारिया और सुश्री काव्या जैन को 27 नवंबर, 2022 को निफ्ट मुख्यालय द्वारा आयोजित शिल्प दस्तावेजीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र फेलोशिप प्रदान की गई।
- एमडेस सेमेस्टर 3 की छात्रा सुश्री रोशनी मेहता और सुश्री शिवांगी दत्ता को यूएन एक्स निफ्ट फेलोशिप के लिए हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग पर डॉक्यूमेंट्री शूट करने के लिए 18 परिसरों में से चुना गया, जिसके लिए उन्होंने 4 दिसंबर, 2024 को यूएन एक्स निफ्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए जोधपुर, राजस्थान का दौरा किया।
- एमडेस सेमेस्टर 1 की छात्रा सुश्री अभिलाषा पंकज राजपूत ने 13 दिसंबर 2024 को एमआईटी-आईडी इंदौर, अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित यंग डिजाइनर्स लीग में तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- एमडेस सेमेस्टर 3 की छात्रा सुश्री अरात्रिका सेनगुप्ता को 23 दिसंबर, 2024 को न्यूफॉर्म कम्युनिटी एक्स विक्स स्टूडियो द्वारा आयोजित मंथली यूआई चैलेंज में ऑनरेबल मेंशन से सम्मानित किया गया।
- एमडेस सेमेस्टर 3 के छात्र श्री उदित देबनाथ ने 23 दिसंबर, 2024 को न्यू फॉर्म कम्युनिटी द्वारा आयोजित ग्लोबल यूआई मंथली चैलेंज में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- निफ्ट मुंबई वॉलीबॉल टीम ने 07 जनवरी, 2025 को केजे सोमैया स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, विद्याविहार द्वारा आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- एफ एंड एलए सेमेस्टर-VI के छात्र श्री हर्षित ठक्कर ने 18 जनवरी, 2025 को आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित 54वें मूड इंडिगो मोनोस्ट्रोक्स प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- निफ्ट मुंबई की अफरोजा डांस टीम ने 31 जनवरी, 2025 को बेलापुर में भारतीय विद्यापीठ फार्मेसी संस्थान द्वारा आयोजित एमिनेंस एक्स मंथन कॉलेज फेस्ट में भाग लिया और प्रथम रनर-अप ट्रॉफी जीती।
- निफ्ट मुंबई के छात्रों ने 7 और 8 फरवरी 2025 को आईएचएम कॉलेज में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और फोटोग्राफी प्रतियोगिता: प्रथम पुरस्कार ₹2,500, हिप हॉप समूह नृत्य प्रतियोगिता: द्वितीय पुरस्कार और ₹18,000, शास्त्रीय समूह नृत्य प्रतियोगिता: प्रथम पुरस्कार और ₹20,000, फैशन शो प्रतियोगिता: द्वितीय पुरस्कार और ₹18,000, के पुरस्कार प्राप्त किए।
- एमडेस, सेमेस्टर 4 की छात्राएं सुश्री रोशनी मेहता, सुश्री शिवांगी दत्ता, सुश्री श्रुति कटारिया और सुश्री काव्या जैन ने भाग लिया और 14 फरवरी, 2025 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा भारत टेक्स, नई दिल्ली में आयोजित यूएन एक्स निफ्ट डॉक्यूमेंट्री फेलोशिप के लिए सम्मान समारोह में भाग लिया।
- एमडेस सेमेस्टर 4 के छात्र श्री उदित देबनाथ ने 26 फरवरी, 2025 को न्यूफॉर्म द्वारा आयोजित विक्स ग्लोबल यूआई चैलेंज में दूसरा पुरस्कार जीता।
- एफएंडएलए विभाग सेमेस्टर 6 की छात्रा सुश्री वैशाली जैन ने शाइन इटरनल और एपिटोम लक्स लैबिन मार्च 2025 द्वारा आयोजित स्पार्कलिंग सागा 2024 आभूषण डिजाइन प्रतियोगिता जीती। उनके शानदार आभूषण 'पोमेग्रेनेट रश' ने निर्णायक मंडल को प्रभावित किया, जिससे उन्हें नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र मिला।
- निफ्ट मुंबई की फैशन टीम 'अकीरा' ने 22 मार्च 2025 को केसी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, ठाणे में आयोजित इंटर-कॉलेज फेस्ट 'सेलेस्टियल' में 'चंद्र ग्रहण' की अवधारणा को प्रस्तुत कर सभी को प्रभावित किया। यह प्रदर्शन अत्यंत सफल रहा और निफ्ट को प्रथम रनर-अप पुरस्कार प्राप्त हुआ।

ग) छात्रों द्वारा प्रस्तुत पोस्टर:

- एफडी सेमेस्टर - 8 के छात्र श्री रितिक गोयल, सुश्री वैभवी कुंभार, सुश्री अनन्या गडनीस और सुश्री मधुमिता सोकलिंगम ने कार्यात्मक वस्त्र और वस्त्र (एफटीसी 2025) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 31 जनवरी से 2 फरवरी, 2025 तक आईआईटी दिल्ली में अपना शोध पोस्टर प्रस्तुत किया।
- एफडी सेमेस्टर 8 की छात्रा सुश्री मधुमिता सोकलिंगम की एब्सट्रैक्ट आईडी 507, जिसका शीर्षक है 'पेंटिंग टेल्स फॉर टुमॉरो: प्रिजर्विंग वारली आर्ट एंड कल्चर थ्रू इनोवेशन इन चिल्ड्रन्स फैशन', आईसीडीएचएस 14: कल्चर्स ऑफ डिजाइन के पोस्टर शोकेस में पोस्टर के रूप में स्वीकार किया गया है। इस कार्यक्रम का आयोजन 10 से 12 अक्टूबर 2025 तक IIT नई दिल्ली में किया जाएगा।

छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव और व्यावसायिक संगठनों से संबंध

टाई-अप्स योजना के तहत 04 छात्रों ने एफआईटी, न्यूयॉर्क में द्वि-डिग्री कार्यक्रम में भाग लिया। 01 छात्र ने केईए, कोपेनहेगन स्कूल ऑफ डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी, डेनमार्क में सेमेस्टर एक्सचेंज कार्यक्रम में भाग लिया। 01 छात्र ने ईएनएसएआईटी, फ्रांस में सेमेस्टर एक्सचेंज योजना में भाग लिया, तथा 01 छात्र ने एनएबीए, इटली में सेमेस्टर एक्सचेंज योजना में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, 03 छात्रों ने श्वाइजरिशे टेक्सटाइलफैचस्चुले (एसटीएफ), ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड में ग्रीष्मकालीन एक्सचेंज कार्यक्रम में भाग लिया।

- निफ्ट से जुड़ने की संभावनाओं पर न्यूयॉर्क से अमेरिकी डिजाइनर मैरी मैकफैडेन का प्रतिनिधित्व करने वाली सुश्री जोन ओल्डेन और एनआईडी, अहमदाबाद से प्राध्यापक नितीन (सेवानिवृत्त) के साथ 03 फरवरी, 2025 को एक बैठक आयोजित की गई।

दीक्षांत समारोह, स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

- दीक्षांत समारोह- निफ्ट मुंबई के 2024 बैच का दीक्षांत समारोह 14 नवंबर 2024 को निफ्ट मुंबई परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक श्री मधुर भंडारकर थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अभिनेत्री सुश्री ऐश्वर्या सुष्मिता उपस्थित रहीं। विशेष आमंत्रित सदस्यों में प्रसिद्ध फैशन डिज़ाइनर एवं सलाहकार श्री नरेंद्र कुमार अहमद तथा वस्त्र आयुक्त सुश्री रूप राशि (आईएएंडएएस) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सुश्री तनु कश्यप, आईएएस, महानिदेशक - निफ्ट, प्रो. डॉ. शिंजू महाजन, प्रमुख (एए) - निफ्ट, उद्योग जगत के सदस्य, प्रेस एवं मीडिया प्रतिनिधि, तथा छात्रों के माता-पिता भी समारोह में उपस्थित रहे। इस अवसर पर निफ्ट मुंबई के कुल 305 छात्रों, जिनमें 226 स्नातक एवं 79 को स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं।
- ग्रेजुएशन शो- छात्रों की स्नातक की उपलब्धि के उपलक्ष्य में, निफ्ट मुंबई ने निफ्ट मुंबई के 2024 उत्तीर्ण बैच के लिए ग्रेजुएशन शोकेस 2024 "रीइन्वेंशन" का आयोजन 31 मई 2024 को निफ्ट मुंबई परिसर में किया। छात्रों ने फैशन शो, प्रदर्शन, प्रदर्शनी आदि के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और इसमें प्रतिष्ठित अतिथियों, उद्योग जगत और छात्रों के अभिभावकों ने भाग लिया।

छात्रों का दौरा/आउटबाउंड कार्यक्रम

वर्ष के दौरान पाठ्यक्रम और अन्य के भाग के रूप में छात्रों के लिए लगभग 95 उद्योग दौरे और आउटबाउंड कार्यक्रम आयोजित किए गए।

शिल्प समूह सशक्तिकरण पहल

निफ्ट मुंबई महाराष्ट्र और गोवा के विभिन्न शिल्प समूहों के कारीगरों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। इस सहयोग से छात्रों को बहुआयामी ज्ञान, जानकारी साझा करने तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संवेदनशीलता विकसित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

- आठ विभागों के 600 से अधिक छात्रों ने कारीगरों के साथ मिलकर विभिन्न शिल्प-आधारित गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप कौशल विकास हेतु एक समृद्ध शिक्षण वातावरण प्राप्त हुआ। यह पहल न केवल कारीगरों को सशक्त बनाती है, बल्कि उनके लिए नए अवसरों के द्वार भी खोलती है, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य में सार्थक योगदान मिलता है।
- राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) ने वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से 1 से 15 सितंबर 2024 तक दिल्ली हाट में "छाप" नामक शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में 160 से अधिक स्टॉल लगे थे, जिनमें विविध प्रकार के पारंपरिक एवं समकालीन शिल्प प्रदर्शित किए गए। निफ्ट मुंबई ने इस आयोजन में भाग लेने हेतु 5 कारीगरों और 2 पूर्व छात्रों को भेजा।
- राष्ट्रीय हथकरघा पखवाड़ा 2024 के अवसर पर, 7 अगस्त 2024 को निफ्ट मुंबई में "हस्तवेम: हाथ से बुना" कैटलॉग का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विजय देशमुख, आईएएस, एडिशनल कलेक्टर एवं सिडको लिमिटेड के मुख्य भूमि सर्वेक्षण अधिकारी थे। कैटलॉग का विमोचन प्राध्यापक डॉ. शर्मिला दुआ, निदेशक-प्रभारी, और श्री खुशाल जांगिड़, संयुक्त निदेशक, निफ्ट मुंबई द्वारा किया गया।
- निफ्ट मुंबई ने 07 से 15 अगस्त 2024 तक निफ्ट मुंबई परिसर में हथकरघा वस्त्रों की एक प्रदर्शनी 'हस्तवेम' का आयोजन किया। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह के तहत छात्रों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
- निफ्ट मुंबई ने 5 से 7 मार्च 2025 तक शिल्प प्रदर्शन, कारीगर जागरूकता कार्यक्रम और शिल्प बाजार का आयोजन किया, जिसमें पैठणी साड़ी, ब्लॉक प्रिंटेड वस्त्र, कोल्हापुरी चप्पल, संथाल पेंटिंग, क्रोशिया कला, वारली पेंटिंग, हुपरी चांदी के आभूषण और पैचवर्क से 26 कारीगरों ने भाग लिया।
- 5 से 7 मार्च 2025 तक कारीगर जागरूकता कार्यशाला के दौरान सोशल मीडिया उपलब्धता के साथ मोबाइल फोटोग्राफी, शिल्प नीतियां और विपणन कौशल और ओरिगेमिक पैकेजिंग विषयों पर व्याख्यान आयोजित किए गए।

पीएचडी में अध्ययनरत संकाय सदस्य

वर्ष 2024-25 के दौरान 22 संकाय सदस्य पीएचडी कर रहे हैं।

संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन और शोधपत्र प्रस्तुति

- विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 07 संकाय सदस्यों द्वारा कुल 15 शोध पत्र प्रकाशित किए गए।
- 13 संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कुल 16 शोध पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए और इन्हें संबंधित पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया।

फैकल्टी ओरिएंटेशन, प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम

इस विश्वास के साथ कि संकाय सदस्यों का क्षमता निर्माण ही, कुशल और परिवर्तनकारी कार्यबल के निर्माण के लिए आवश्यक है जो छात्रों की परिवर्तनशील शिक्षण आवश्यकताओं को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी पूरा कर सके, निफ्ट मुंबई ने संकाय सदस्यों को नियमित प्रशिक्षण और विकास के अवसर प्रदान करना जारी रखा है। निफ्ट मुंबई के संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त कुछ प्रमुख प्रशिक्षण अवसर निम्नलिखित हैं:

क) वर्ष 2024-25 के दौरान, निफ्ट मुंबई के 07 संकाय सदस्यों ने विभिन्न विषयों में कुल 09 टीओटी (ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स) कार्यक्रमों में भाग लिया। इन कार्यक्रमों में फैशन और वस्त्र सततता, लक्जरी ब्रांड प्रबंधन, टेक्सटाइल सीएडी, समय प्रबंधन तकनीक, ऑटोकैड सहित अन्य विषय सम्मिलित थे।

ख) निफ्ट के बाहर टीओटी में भाग लेते हुए, डॉ. आकांक्षा नौटियाल, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग, ने 10 से 21 जून 2024 तक श्विट्ज़रलैंड के ज्यूरिख स्थित एसटीएफ द्वारा आयोजित 'सस्टेनेबिलिटी इन फैशन एंड टेक्सटाइल्स' विषयक टीओटी कार्यक्रम में भाग लिया।

ग) आयोजित प्रशिक्षण/ कार्यशाला:

- बीएफटी विभाग की एसोसिएट प्राध्यापक सुश्री कविता पठारे ने 24 और 25 सितंबर 2024 को रेमंड लाइफस्टाइल लिमिटेड के लिए "अप-स्किलिंग मास्टर ट्रेनिंग" विषयक कार्यशाला का आयोजन किया।

- एमडेस विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. नगमा साही अंसारी ने 6 से 11 जनवरी 2025 तक गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के लिए 'वर्चुअल एथ्नोग्राफी के माध्यम से अनुसंधान: डेटा-संचालित कम्युनिटी के लिए नए मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग' विषय पर 6 दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया।

घ) संकाय सदस्यों का उद्योगों से संलग्नता (एफआईए) – वर्ष 2024-2025 के दौरान, 05 संकाय सदस्यों ने फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट

(एफआईए) कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया है।

- केडी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री अभिषेक बजाज ने 10 से 22 जून 2024 तक मुंबई में साक्षी गिरी डिजाइन में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट (एफआईए) पूरा कर लिया है।
- सुश्री श्वेता रंगनेकर, सहायक प्राध्यापक, एफडी विभाग ने 10 से 28 जून 2024 तक इंक इनकैप्स, इंटरएक्टिव लैब्स लिमिटेड, गोरेगांव ईस्ट, मुंबई में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट पूरा कर लिया है।
- सुश्री नीना लोकारे, सहायक प्राध्यापक, एफडी विभाग ने 24 जून से 12 जुलाई 2024 तक सुता प्राइवेट लिमिटेड, सांताक्रूज़ ईस्ट, मुंबई में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट पूरा कर लिया है।
- सुश्री भावना दुबे, एसोसिएट प्राध्यापक, केडी विभाग ने 01 से 12 जुलाई 2024 तक विंट्री केमिकल प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट पूरा किया।
- श्री नितीन रंगदाल, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग ने 01 से 13 जुलाई 2024 तक गोडसे स्टूडियो, मुंबई में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट पूरा किया।

पूर्व छात्र उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा वेबिनार और कार्यशालाएं

निफ्ट मुंबई ने छात्रों के साथ विचार-विमर्श और संवाद के लिए व्याख्यान, कार्यशालाएं और अन्य मंचों हेतु लगभग 220 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग विशेषज्ञों, पूर्व छात्रों और शिक्षाविदों को आमंत्रित किया। इन चर्चाओं का केंद्र तकनीकी और समकालीन विषय रहा, जिनमें नवाचार, फैशन प्रवृत्तियां, आपूर्ति श्रृंखला, औद्योगिक इंजीनियरिंग, खुदरा प्रौद्योगिकी प्रबंधन, कथा साहित्य में फैशन, व्यक्तिगत स्टाइलिंग, सस्टेनेबल सिस्टम्स, शिल्प अध्ययन और अवलोकन, सौंदर्यशास्त्र, बाजार जागरूकता, तथा प्रिंट मीडिया डिजाइन जैसे विषय रखे गए।

- 21 फरवरी 2025 को मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में वस्त्र और फैशन प्रौद्योगिकी की व्याख्याता डॉ. जेन वुड द्वारा "द सेकंड वेव ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन इन द ग्लोबल टेक्सटाइल एंड क्लोदिंग इंडस्ट्री" विषय पर सभी विभाग के छात्रों के लिए एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया।
- 17 फरवरी 2025 को डॉ. कामयार शिरवानी मोघद्दाम, एसोसिएट डीन, लर्निंग एंड टीचिंग, फैशन और वस्त्र विभाग, आरएमआईटी ऑस्ट्रेलिया द्वारा भविष्य के फैशन के लिए वस्त्र नवाचार विषय पर ऑनलाइन विशेषज्ञ सत्र और डॉ. सत्य बनर्जी, कोर्स लीडर एमएससी फैशन एनालिटिक्स एंड फोरकास्टिंग, लंदन कॉलेज फैशन, यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स लंदन द्वारा भविष्य के फैशन में एआई की भूमिका पर ऑनलाइन विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/ वेबिनार/ सेमिनार/ प्रदर्शनी/ व्यापार मेले/ बैठक और कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की भागीदारी

निफ्ट-मुंबई अपने संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वेबिनार और प्रदर्शनियों में भाग लेकर उद्योग और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ अपने ज्ञान और नेटवर्क को निरंतर उन्नत करने के अवसर प्रदान करता है। आईएफएफटीआई सम्मेलन, ट्राइस्टे-इटली, लास पालमास डी ग्रैन कैनरिया - स्पेन, एसटीएफ - ज्यूरिख, बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र, आईआईटी, आर्ट गैलरी-मुंबई, डीआरसी-डब्ल्यूएससी, मुंबई, जहांगीर आर्ट गैलरी, सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एसआईडी), पुणे आदि में ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में भाग लेने वाले कुछ उल्लेखनीय कार्यक्रम। वर्ष 2024-25 के दौरान 40 संकाय सदस्यों ने 95 से अधिक राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, वेबिनार, कार्यशालाओं, सम्मेलनों आदि में भाग लिया। निफ्ट मुंबई के संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिए गए कुछ कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

- 03 संकाय सदस्यों ने 23 अप्रैल से 26 अप्रैल 2024 तक ईडब्ल्यूएचए वुमन्स यूनिवर्सिटी, सियोल, कोरिया गणराज्य द्वारा आयोजित 26वें वार्षिक आईएफएफटीआई सम्मेलन 2024 में शोधपत्र प्रस्तुत किए; क) डॉ. कुंदलता मिश्रा, सह प्राध्यापक, एफडी विभाग की "फ्रॉम हैजर्ड टू होप - पहनने योग्य तकनीक से स्वच्छता नायकों को सशक्त बनाना" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। ख) सुश्री श्वेता रंगनेकर, सहायक प्राध्यापक, एफडी विभाग ने "ह्यूमन फैशन - फैशन उद्योग में क्रांति लाने के लिए एक सहयोगी डिजाइन दृष्टिकोण" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। ग) सुश्री सुरुचि बनर्जी धस्माना, सहायक प्राध्यापक, एफसी विभाग ने "टेक्स्ट-बेस्ड पेपर टाइटल्ड 'मिक्स्ड रियलिटी ऑफ फैशन शोधपत्र" प्रस्तुत किया
- सुश्री शंखलीना चौधरी, सहायक प्रोफेसर, एफडी विभाग ने 17 से 19 जुलाई 2024 को पोलैंड के क्राकोव में जगियेलोनियन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अंतर्विषयक सामाजिक विज्ञान पर उन्नीसवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "थ्रिफ्टिंग फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर: ए स्टडी ऑन ऑनलाइन थ्रिफ्ट स्टोर्स ऑफ इंडिया" शीर्षक पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- एफएमएस विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. लिपि चौधरी ने 22 से 23 नवंबर 2024 तक स्पेन के लास पालमास डी ग्रैन कैनरिया में आयोजित "व्यापार, अर्थशास्त्र और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (बीईएम-2024)" में "वीयूसीए दुनिया में एक परिवर्तनकारी फैशन व्यवसाय तैयार करने के लिए स्थिरता के साथ अनुकूलन और संरेखण" पर पेपर प्रस्तुत किया।
- सुश्री श्रुति सोहरिया सिंह, सहायक प्रोफेसर, एफसी विभाग ने 28 से 31 अगस्त 2024 तक इटली के ट्राइस्टे में युवा वयस्कों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड ऑफ बुक्स में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना पोस्टर प्रस्तुत किया। सुश्री श्रुति ने 25 से 27 फरवरी 2025 तक लासले कॉलेज, कला विश्वविद्यालय, सिंगापुर में कॉमन ग्राउंड रिसर्च नेटवर्क्स, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस रिसर्च पार्क, यूएसए द्वारा आयोजित 19वें डिजाइन सिद्धांतों और प्रथाओं सम्मेलन में शोध पत्र भी प्रस्तुत किया।

- 3 जनवरी 2025 को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बीकेसी, मुंबई में आयोजित बिरला सेल्यूलोज द्वारा लिवा प्रोटेग - टेक्सटाइल डिजाइन प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में प्रोफेसर डॉ. शर्मिला दुआ, निदेशक प्रभारी को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- एफटी विभाग के प्रोफेसर, डॉ. अजीत कुमार खरे ने 6 जनवरी, 2025 को आयोजित भारत टेक्स 2025 - टेक 10K कार्यक्रम के लिए सर्वश्रेष्ठ जीपी/आरपी की शॉर्टलिस्टिंग के लिए जूरी (ऑनलाइन) में भाग लिया।
- सुश्री सुस्मिता दास, सह प्राध्यापक ने 6, 7 और 8 मार्च, 2025 को आईडीसी, आईआईटी द्वारा आयोजित टाइपो डे'25 (अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) में भाग लिया।
- श्री मोहम्मद जावेद, सह प्राध्यापक, टीडी विभाग ने 20 सितंबर 2024 को होटल ट्राइडेंट नरीमन पॉइंट, मुंबई में फिक्की द्वारा आयोजित स्थिरता, डिजिटलीकरण और नवाचार पर एक सम्मेलन में भाग लिया।
- श्री विनेश टापरे, सह प्राध्यापक, एफसी विभाग ने 26 से 28 सितंबर, 2024 को ग्रैंड हयात, गोवा में क्यूरियस डिजाइन यात्रा 2024 में भाग लिया।
- प्रो. डॉ. रूपा अग्रवाल ने 24 अक्टूबर, 2024 को एच एंड एम फाउंडेशन द्वारा आयोजित ग्लोबल चेंज अवार्ड में भाग लिया।
- प्रो. डॉ. पेट्रीसिया सुमोद, डॉ. कुंदलता मिश्रा, सह प्राध्यापक और सुश्री श्वेता रंगनेकर, असिस्टेंट प्रोफेसर, एफडी विभाग ने 5 अगस्त 2024 को वॉक्सेन विश्वविद्यालय, तेलंगाना द्वारा आयोजित सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में फैशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, कल्चरल रिनेसां - द लग्जरी रिवाइवल ऑफ पारसी गारा एम्ब्रॉयडरी शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

उद्योग संबंध (यात्राएं, लाइव प्रोजेक्ट, छात्र इंटर्नशिप और कैम्पस प्लेसमेंट)

क) निफ्ट मुंबई के आठ विभागों के छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों की प्रसिद्ध कंपनियों के साथ अपने-अपने उद्योग क्षेत्रों में इंटर्नशिप पूरी की है जिनमें से कुछ नाम इस डिजाइन स्टूडियो, स्टार्ट-अप, विभिन्न एनजीओ, निर्यात संस्थाएं, ओमनी-चैनल रिटेल, डिजिटल मार्केटिंग, विनिर्माण इकाइयां, ई-कॉमर्स, एनालिटिक्स, लक्जरी ब्रांड और दूरसंचार के क्षेत्र से संबंधित अनेक संस्थाएं भर्ती प्रक्रिया में शामिल रहीं हैं। इन संस्थाओं में घरेलू और वैश्विक ब्रांड एवं भर्तीकर्ता सम्मिलित थे, जैसे - फैबइंडिया, जॉन जैकब्स, पीवीएच - टॉमी हिलफिगर और केल्विन क्लेन, यू.एस. पोलो एसोसिएशन, मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल, एबीएफआरएल, बेनेटन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस रिटेल लिमिटेड- अजियो डॉट कॉम, शॉपर्स स्टॉप, ट्रेंट लिमिटेड, रेमंड लिमिटेड, स्टाइल यूनियन, पेपे जींस, कैसा डेकोर, टाटा पावर, द ग्रेट ईस्टर्न होम, डी डेकोर, वेलस्पन ग्रुप हैं।

ख) ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स - इस वर्ष 309 छात्रों ने विभिन्न डिजाइन हाउस, कॉर्पोरेट लेबल, स्टूडियो, स्टार्टअप्स और इनोवेशन सेंटर्स में डिजाइन कलेक्शन मॉड्यूल और ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स में भाग लिया। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थाएं- स्केचर्स, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड, रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड, अरविंद लिमिटेड, रिलायंस रिटेल, जतिन मलिक कूचर, हाउस ऑफ मेराकी, द लेबल लाइफ, मनीष मल्होत्रा, ज़ौक, राइनॉक्स गियर्स, वर्धमान टेक्सटाइल्स, स्पेस ऑफ जॉय, ट्राइबर्ग, वेस्टसाइड इत्यादि हैं।

ग) कैम्पस प्लेसमेंट - निफ्ट मुंबई में पीजी स्ट्रीम के लिए कैंपस प्लेसमेंट 8 मई 2025 को तथा यूजी स्ट्रीम के लिए 9 और 10 मई 2025 को आयोजित किए गए। इस दौरान 46 कंपनियों ने परिसर का दौरा किया और कुल 137 छात्रों को नियुक्त किया। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उच्चतम अंतर्राज्यीय पैकेज 21 लाख रुपये प्रति वर्ष और स्नातक छात्रों के लिए 12 लाख रुपये प्रति वर्ष रहा। औसतन, पीजी छात्रों का पैकेज 7.75 लाख रुपये प्रति वर्ष तथा यूजी छात्रों का पैकेज 5.75 लाख रुपये प्रति वर्ष रहा।

घ) उद्योग से जुड़े शैक्षणिक क्लास प्रोजेक्ट और लाइव प्रोजेक्ट: पाठ्यक्रम के भाग के अनुरूप, छात्रों को उद्योग जगत के संक्षिप्त विवरणों पर आधारित लाइव परियोजनाओं पर कार्य करने का अवसर भी प्रदान किया गया, ताकि उनकी रचनात्मकता को वास्तविक उद्योग अनुप्रयोगों से परिचित कराया जा सके। उद्योग आधारित कुछ प्रमुख लाइव परियोजनाएं कूआसिस एक्सपीरियंस डिजाइन प्रोजेक्ट इनविया इमरजिंग फैशनिस्टा प्रोजेक्ट, एशियन पेंट्स प्रोजेक्ट फॉर डेवलपमेंट ऑफ कलर स्टोरीज़, इत्यादि हैं।

ड) उद्योग भ्रमण और शैक्षणिक दौरे: छात्रों को उद्योग-आधारित अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से, निफ्ट मुंबई ने इस वर्ष भी छात्रों के लिए सुदिति टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, कला आंगन शिल्प महोत्सव, ट्यूरेल प्राइवेट मशीनरी शो 2024, पारंपरिक प्रदर्शनी, बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में नॉन-वोवन टेक-एशिया प्रदर्शनी, फाइबर्स एंड यार्न्स 2024 एक्सपो – मुंबई, आईकेईए, तुर्भे, जीएम फैब्रिक्स लिमिटेड – तारापुर, विंट्री इंजीनियर एंड केमिक जैसे उद्योग संस्थानों में शैक्षणिक दौरे और उद्योग भ्रमण आयोजित किए हैं।

हिंदी के प्रचार-प्रसार और कार्यान्वयन के लिए पहल

"हिंदी दिवस" के अवसर पर, भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के हिंदी संदेशों को पढ़ा गया । 14.09.2024 से 30.09.2024 तक परिसर में हिंदी पखवाड़ा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। राजभाषा के माध्यम के रूप में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक तिमाही में बैठक और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। नवी मुंबई नराकास की सभी प्रतियोगिताओं और छमाही बैठक में कार्यालय प्रमुख द्वारा भागीदारी सुनिश्चित की गई।

- कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने 28 मई 2024 को नवी मुंबई नाराकास और कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा आयोजित "नई संसदीय राजभाषा प्रश्नावली भरने में आने वाली समस्याओं का समाधान" विषय पर हिंदी कार्यशाला में भाग लिया।
- नवी मुंबई नराकास (नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति) के तत्वावधान में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से आयोजित 'हिंदी कहानी लेखन प्रतियोगिता' आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में सहायक

निदेशक (प्रशासन) गरिमा सिंघवाल को उनके लेखन के लिए 'प्रेरणा' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 08 नवंबर 2024 को आयोजित नराकास की 40वीं अर्धवार्षिक बैठक में प्रदान किया गया।

श्री खुशाल जांगिड़, निदेशक और श्री मनमोहन पाटीदार, जूनियर इंजीनियर सिविल को 13 मार्च 2025 को "स्वयं हिंदी कविता लेखन प्रतियोगिता" में भेजा गया था।

- निफ्ट मुंबई परिसर की सहायक निदेशक-प्रशासन सुश्री गरिमा सिंघवाल ने 21 मार्च 2025 को नवी मुंबई नराकास के तत्वावधान में भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान द्वारा आयोजित क्रॉसवर्ड प्रतियोगिता में भाग लिया।
- श्री रिंकू कुमार, अनुवाद अधिकारी ने 27 मार्च 2025 को नवी मुंबई नगर निगम और कोंकण रेलवे द्वारा आयोजित "कंठस्थ 2.0" विषय पर हिंदी कार्यशाला (ऑनलाइन) में भाग लिया।

छात्रों के लिए निफ्ट में प्रवेश हेतु आउटरीच गतिविधियां

- निफ्ट प्रवेश कारीगर जागरूकता अभियान के तहत, प्रोफेसर डॉ. शर्मिला दुआ, परिसर निदेशक-प्रभारी, सुश्री सुषमा सैतवाल, सीएसी और डॉ. रीना अग्रवाल, सीआईसी ने 4 सितंबर, 2024 को नेहरू केंद्र, वर्ली, मुंबई में साड़ी महोत्सव का दौरा किया। कारीगरों को हिंदी में हैंडआउट वितरित किए गए और उन्हें निफ्ट प्रवेश के लिए कारीगर कोटे के बारे में जागरूक किया गया।
- निफ्ट के पूर्व छात्रों और निफ्ट पूर्व छात्र एवं उद्योग सलाहकार बोर्ड के सदस्यों के प्रेरक वीडियो बाइट्स तैयार करके निफ्ट मुंबई की वेबसाइट पर अपलोड किए गए। इन वीडियोज का उद्देश्य फैशन उद्योग में उनकी सफल उपलब्धियों को दिखाकर भावी छात्रों को प्रेरित करना है।
- प्रवेश 2025 के लिए आउटरीच कार्यक्रम के भाग के रूप में और निफ्ट में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, 18-19 दिसंबर 2024 को मुंबई में आयोजित शूटेक फुटवियर एक्सपो के 13वें संस्करण शूटेक 2024 में एक प्रदर्शनी लगाई गई।
- 9 जनवरी 2025 को निफ्ट मुंबई के संयुक्त निदेशक श्री खुशाल जांगिड़ द्वारा ब्राइट लैंड्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एन.के. पब्लिक स्कूल और जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल, जयपुर में आउटरीच सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में छात्रों को निफ्ट के पाठ्यक्रमों और डिजाइन एवं फ़ैशन में करियर के अवसरों से परिचित कराया गया।
- निफ्ट मुंबई ने 22 से 25 जनवरी 2025 तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बीकेसी मुंबई में आयोजित फाइबर एंड यार्न 2025 और फैबटेक्स 2025 में एक स्टॉल लगाया। संकाय सदस्यों ने आगंतुकों के साथ बातचीत की और उद्योग के पेशेवरों और भावी छात्रों के लिए शैक्षणिक पेशकशों और छात्र कार्यों का प्रदर्शन किया।
- बीएआरसी स्कूल, मुंबई के छात्रों ने 24 जनवरी 2025 और 6 फरवरी 2025 को अभिविन्यास के लिए दो बैचों में निफ्ट मुंबई परिसर का दौरा किया। इन दौरों में पाठ्यक्रमों का अवलोकन, परिसर का दौरा और संकाय के साथ बातचीत शामिल थी ताकि छात्रों को डिजाइन में करियर के विकल्प तलाशने में मदद मिल सके।
- निफ्ट मुंबई ने 21 से 23 फरवरी 2025 तक बीईसी मुंबई में आयोजित जीटीटीईएस 2025 में ज्ञान भागीदार के रूप में भी भाग लिया, जिसमें वस्त्र प्रौद्योगिकी और शिक्षा में संस्थान के योगदान को उजागर करने के लिए एक स्टाल स्थापित किया गया था, जिसने उद्योग के हितधारकों और महत्वाकांक्षी छात्रों की रुचि को आकर्षित किया।

हरित परिसर की सततता से जुड़ी पहल और गतिविधियां

निफ्ट मुंबई परिसर में सततता को प्राथमिकता दी जाती है और एक स्वच्छ एवं हरित ग्रह के निर्माण में योगदान देने के लिए हरित परिसर संबंधी पहलों को सक्रिय रूप से लागू किया जाता है। यह एक आईएसओ 14001- प्रमाणित परिसर है, जो पर्यावरण प्रबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रमुख पहलों में-

- प्रत्येक क्लास रूम में वीएफडी इकाइयां और निकटता सेंसर स्थापित कर एचवीएसी प्रणाली को स्वचालित किया गया है। इस स्वचालन से बिजली की खपत में लगभग 15 से 18 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। परिणामस्वरूप, अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान लगभग 1.25 लाख रूपये की मासिक बचत होने का अनुमान है।
- रेस्को मॉडल के अंतर्गत 236 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान इस संयंत्र ने लगभग 2,88,682 किलोवाट-घंटा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न की। इससे बिजली व्यय में लगभग ₹42.58 लाख की बचत हुई तथा अनुमानित रूप से प्रतिवर्ष 236.72 टन CO_2 उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई।
- वर्षा जल संचयन: जल संरक्षण प्रयासों को समर्थन देने के लिए प्लॉट संख्या 20 पर वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की गई है।
- परिसर में वर्तमान में 490 पेड़ हैं तथा 300 गमले वाले पौधे लगे हुए हैं, जो वायु गुणवत्ता और परिसर की जैव विविधता में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।
- बागवानी उन्नयन: प्लॉट संख्या 15 और 20 पर बागवानी एवं भूदृश्य उन्नयन का कार्य सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया है। यह कार्य वर्तमान में प्रगति पर है।

नई दिल्ली

परिसर की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

- निफ्ट दिल्ली परिसर को एमडीआरए सर्वेक्षण, इंडिया टुडे द्वारा भारत के अग्रणी फैशन संस्थान के रूप में निरंतर शीर्ष स्थान दिया गया है। निफ्ट दिल्ली ने वैश्विक स्तर पर भी अपना स्थान बनाए रखा है और सीईओ वर्ल्ड मैगज़ीन द्वारा विश्व के शीर्ष 15 फैशन संस्थानों में स्थान प्राप्त किया है।
- निफ्ट दिल्ली परिसर में देश के विभिन्न हिस्सों से एक हथकरघा प्रदर्शनी और एक चयनित हथकरघा-हस्तशिल्प बाजार का आयोजन 7 से 8 अगस्त 2024 तक किया गया।
- 10वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन में आयोजित प्रदर्शनी का संयोजन और डिज़ाइन निफ्ट दिल्ली द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में देशभर के राष्ट्रीय और संत कबीर पुरस्कार प्राप्त शिल्पकारों की उत्कृष्ट और पुरस्कृत हथकरघा कृतियों को प्रदर्शित किया गया।
- निफ्ट दिल्ली के विद्यार्थियों ने "अलंकृत" नामक फैशन प्रस्तुति दी, जिसमें हथकरघा पर आधारित समकालीन शैली को मूल्य संवर्द्धन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। यह संग्रह निफ्ट दिल्ली के विद्यार्थियों द्वारा ही तैयार किया गया था।
- निफ्ट दिल्ली परिसर ने 14 से 30 सितंबर 2024 तक हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया। अधिकारियों, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही, परिसर के 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना अधिकतम कार्य राजभाषा हिंदी में करने के लिए हिंदी प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- निफ्ट दिल्ली परिसर ने 22 जनवरी 2025 को अपने 40वें स्थापना दिवस "धरोहर 2.0" का उत्सव मनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ पूर्व छात्र, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं कर्मचारी एकत्र हुए और निफ्ट की 40 वर्षों की उल्लेखनीय यात्रा का उत्सव मनाया गया।
- निफ्ट दिल्ली परिसर के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत का सबसे बड़ा वस्त्र आयोजन "भारत टेक्स" में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- डॉ. शिवाशक्ति एकाम्बरम ने डॉ. अशुतोष कुमार साही (सहायक प्रोफेसर – टीडी) और उनकी टीम के साथ मिलकर "छाप – निफ्ट@दिल्ली हाट" के अंतर्गत 1 से 15 सितंबर 2025 तक आयोजित "संपदा – शिल्प प्रदर्शन" को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- डॉ. तुलिका महांती, डॉ. उज्ज्वल अंकुर और डॉ. चंद्रशेखर जोशी को आईसीएसएसआर से दो वर्ष की अनुसंधान परियोजना "अनवेलिंग इंडिजिनस आर्टिस्टिक ट्रेडिशन्स : डॉक्यूमेंटेशन एंड आइकनोग्राफिक एनालिसिस ऑफ द मैन्युस्क्रिप्ट पेंटिंग्स एंड मोटिफ्स ऑफ आर्कियोलॉजिकल साइट्स फ्रॉम वज्जिकांचल रीजन इन बिहार" के लिए अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

दिल्ली परिसर में 0.45 एकड़ भूमि में कक्षाओं और लैब के निर्माण का कार्य सीपीडब्ल्यूडी को दिया गया है। निफ्ट दिल्ली में 440 लोगों के बैठने की क्षमता वाले 02 सभागार, विश्व की दुर्लभ और अनूठी पुस्तकों के साथ एक पुस्तकालय, विशिष्ट डिज़ाइन संग्रह के साथ एक संसाधन केंद्र, कैंटीन, एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम, 02 कॉन्फ्रेंस रूम, अग्नि और सुरक्षा उपकरण, एम्फीथिएटर के साथ एक पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम परिसर है। परिसर में एक निफ्ट दिल्ली सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित किया गया है। मौजूदा लैब में अत्याधुनिक मशीनें अर्थात् 3-डी प्रिंटर, मेटल मेल्टिंग मशीन,

सीएनसी एंग्रेवर, ज्वेलरी पॉलिशिंग मशीन, बैंड सॉ मशीन और लेज़र कटिंग मशीनें उपलब्ध हैं। संस्थान में 104 कमरों के साथ एक सुसज्जित छात्रावास है। परिसर में इंडोर और आउटडोर खेल, स्टेशनरी शॉप, विद्यार्थियों और अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए चिकित्सक और परामर्शदाता की सुविधा उपलब्ध है। परिसर ने एनएफडीआई, साइज़ इंडिया, खादी उत्कृष्टता केंद्र (सीओईके), विज़ननेक्स्ट और अनुसंधान एवं विकास इकाई जैसी प्रमुख वित्त पोषित सरकारी परियोजनाओं को बुनियादी ढांचा एवं कार्यस्थल प्रदान किया है। दिल्ली परिसर के विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए एक मनोरंजन क्षेत्र विकसित किया गया, जिसमें लॉन, खेल क्षेत्र और ओपन जिम शामिल हैं।

अल्पकालिक (शॉर्ट-टर्म) कार्यक्रम

वर्ष 2024-25 में निफ्ट दिल्ली परिसर में 08 कार्यक्रम (एक वर्ष की अवधि) और 01 कार्यक्रम (छह माह की अवधि) संचालित किए गए। इन कार्यक्रमों में कुल 148 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ।

प्रमुख परियोजनाएं

1. निफ्ट दिल्ली वर्तमान में राष्ट्रपति भवन हाउसहोल्ड स्टाफ के लिए यूनिफ़ॉर्म डिज़ाइन कर रहा है।
2. एन.डी.एम.सी. के छात्रों के लिए स्कूल यूनिफॉर्म का पुनर्निर्माण।
3. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के लिए प्रतीक चिह्न और ऑफिस यूनिफ़ॉर्म।
4. भारतीय खिलाड़ियों के लिए एशियाई खेलों और ओलंपिक हेतु मानक यूनिफ़ॉर्म का पुनः डिज़ाइन।
5. आई.आर.सी.टी.सी. अधिकारियों/ कर्मचारियों का यूनिफ़ॉर्म डिज़ाइन।
6. दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के स्कूल ऑफ स्पेशलाइज़्ड एक्सलेन्स (SOSE) के लिए नॉलेज पार्टनर।
7. भारतीय सेना के लिए कोट कॉम्बैट का उत्पाद सुधार।
8. पंजाब स्टेट को-ऑप सप्लाई एवं मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड के लिए मिशन फुलकारी के तहत कैपेसिटी बिल्डिंग और डिज़ाइन इंटरवेंशन आर्टिसन।
9. अंतर्राष्ट्रीय वर्ल्ड स्किल्स कॉम्पटीशन (फैशन टेक्नोलॉजी) में भाग लेने वाले 3 विद्यार्थियों का प्रशिक्षण, प्रो. डॉ. मोनिका गुप्ता द्वारा किया गया।
10. जनजातीय कार्य मंत्रालय के एकलव्य मॉडल रेज़िडेंशियल विद्यालयों के लिए यूनिफ़ॉर्म डिज़ाइन।
11. इंडिगो एयरलाइंस के क्रू यूनिफॉर्म का मानकीकरण।

छात्र प्रतियोगिताओं में प्रमुख उपलब्धियाँ एवं पुरस्कार

फैशन डिज़ाइन, निटवेयर डिज़ाइन और लेदर डिजाइन विभागों के विद्यार्थियों ने न्यूजीलैंड उच्चायोग द्वारा आयोजित 'री न्यू – अ टाइम टू शाइन' कार्यक्रम में भाग लिया। यह भारत और न्यूजीलैंड के डिज़ाइन विद्यार्थियों के बीच सततता (सस्टेनेबिलिटी) पर आधारित एक संयुक्त फैशन शो प्रतियोगिता थी, जो नई दिल्ली में आयोजित की गई। यह कार्यक्रम माओरी नववर्ष मतारिकी के अवसर पर होटल ताज महल, नई दिल्ली में आयोजित फैशन शो के साथ संपन्न हुआ। निफ्ट दिल्ली की निटवेयर डिज़ाइन विभाग की सेमेस्टर VII की छात्रा सुश्री वान्या अग्रवाल को इस कार्यक्रम में रनर-अप घोषित किया गया। सुश्री वान्या अग्रवाल ने 25 से 30 अगस्त 2025 के बीच न्यूजीलैंड में आयोजित होने वाले न्यूजीलैंड फैशन वीक में भाग लिया।

सत्र 2024–2025 में निफ्ट दिल्ली के 6 विद्यार्थियों को फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क में डुअल डिग्री कार्यक्रम करने का अवसर मिला, जबकि 1 विद्यार्थी को क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया में सेमेस्टर एक्सचेंज कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ।

निफ्ट दिल्ली के 4 विद्यार्थियों ने यूएन वूमेन यंग डिज़ाइनर फ़ेलोशिप जीती, जिसके तहत उन्होंने ब्लॉक प्रिंटिंग क्लस्टर्स और जल पुनर्चक्रण के सर्वोत्तम तरीकों का दस्तावेज़ीकरण किया।

एम.डेस विभाग के 2 विद्यार्थियों ने के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा आयोजित डिज़ाइन-ए-थॉन प्रतियोगिता में भाग लिया और ऐप निर्माण श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

सत्र 2024-25 का स्नातकीय बैच निफ्ट दिल्ली के 10 पाठ्यक्रमों से 372 विद्यार्थियों का है, जो निफ्ट की अकादमिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। इस वर्ष निफ्ट ने 05 पीएच.डी., 94 स्नातकोत्तर और 273 स्नातक डिग्रियाँ (डिज़ाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में) प्रदान की हैं। जी.पी. शो का आयोजन 10 और 11 जून 2025 को किया गया, जिसमें वरिष्ठ अतिथियों, उद्योग विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की उपस्थिति रही।

क्राफ्ट क्लस्टर पहल – गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

वर्ष 2024-25 में 583 विद्यार्थियों ने देशभर के विभिन्न क्राफ्ट क्लस्टरों में जाकर कारीगरों के साथ काम किया। दिल्ली परिसर के विद्यार्थियों ने उदयपुर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, बगरू, सांगानेर, जवाजा, ब्यावर (राजस्थान), वाराणसी, मिर्ज़ापुर, आज़मगढ़ (उत्तर प्रदेश), कच्छ, भुज (गुजरात), चंबा (हिमाचल प्रदेश), रघुराजपुरा, नुआपाड़ा, मणिबंध (ओडिशा) जैसे स्थानों में काम किया।

निफ्ट दिल्ली परिसर में हथकरघा दिवस 2024 के अवसर पर क्राफ्ट बाज़ार का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकारों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी, सचिव (वस्त्र मंत्रालय), महानिदेशक-निफ्ट तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

दो दिवसीय इस बाज़ार में भारी संख्या में आगंतुकों की उपस्थिति रही, जिसके परिणामस्वरूप उल्लेखनीय बिक्री दर्ज की गई।

इसके साथ ही, शिल्पकारों के बीच नई तकनीकी कौशल विकसित करने और नए विचार साझा करने के उद्देश्य से एक शिल्पकार जागरूकता कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

पीएचडी की स्थिति

कुल 71 संकाय सदस्यों में से 39 ने पीएच.डी. पूरी कर ली है और 19 अन्य संकाय सदस्य पीएच.डी. कर रहे हैं।

पूर्व छात्र, उद्योग विशेषज्ञ एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएँ

निफ्ट दिल्ली ने छात्रों के साथ संवाद के लिए कई पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया। इनमें शामिल हैं — श्री मोहित ग्रोवर (निदेशक, स्टेल्थ मोड), श्री पद्मराज केशरी (ट्रेसेबिलिटी एंड ट्रांसपेरेंसी सोर्सिंग मैनेजर – राल्फ लॉरेन), सुश्री कनिका वोहरा (सह-संस्थापक – आईसीएच क्रिएटिव कंसल्टिंग), श्री कार्तिक सिंह (प्रोडक्ट डिज़ाइनर – माइक्रोसॉफ्ट), और सुश्री अदिति खेड़िया (रीटेल ऑपरेटर मैनेजर – लीवाइस)।

निफ्ट दिल्ली ने विद्यार्थियों के साथ संवाद के लिए कई उद्योग विशेषज्ञों को आमंत्रित किया। इनमें शामिल हैं — सुश्री अनुराधा चंद्रशेखर और सुश्री कनिका वोहरा (संस्थापक – आईसीएच क्रिएटिव कंसल्टिंग), श्री विपिन यादव (यूएक्स डिज़ाइनर – नागारो), श्री राहुल कुमार गर्ग (बिज़नेस कंसल्टेंट और टेक्निकल एडवाइज़र), सुश्री मिनहाज़ मज़ूमदार (क्यूरेटर और आर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर), श्री अमित कपूर (संस्थापक – वॉटरकलर सोसाइटी ऑफ इंडिया), और श्री राहुल दत्ता (डायरेक्टर मार्केटिंग – माइक्रोसॉफ्ट)।

निफ्ट दिल्ली ने विद्यार्थियों के साथ परिचर्चा के लिए कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया। इनमें शामिल हैं — डॉ. जेन वुड (लेक्चरर, टेक्सटाइल एंड फैशन टेक्नोलॉजी – यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर)।

प्रमुख उद्योग लिंकेज

निफ्ट दिल्ली का दिल्ली स्कूल्स ऑफ स्पेशलाइज़्ड एक्सीलेंस के साथ पाठ्यक्रम के विकास और क्रियान्वयन हेतु एक सक्रिय समझौता ज्ञापन(एमओयू) चल रहा है।

निफ्ट दिल्ली परिसर का ब्लैकबेरी (मोहन क्लोदिंग कंपनी) के साथ एक समझौता ज्ञापन चल रहा है जिसके तहत फैशन प्रौद्योगिकी विभाग में ईडब्ल्यूएस श्रेणी में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को छात्रवृत्ति से सम्मानित किया जाता है।

निफ्ट दिल्ली परिसर का शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 'शाही चेयर इंडस्ट्री 4.0' नामक समझौता ज्ञापन चल रहा है।

निफ्ट और मार्कफोर्ज्ड यूनिवर्सिटी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत निफ्ट के 2 विद्यार्थियों को मार्कफोर्ज्ड यूनिवर्सिटी सर्टिफिकेशन प्रोग्राम में नामांकन के लिए सहयोग प्रदान किया जाएगा।

निफ्ट और डीजीटी (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेनिंग) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य फैशन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कौशल विकास, प्रशिक्षण और उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु सहयोग और सहभागिता के लिए एक रूपरेखा स्थापित करना है।

सतत विकास पहलू और हरित परिसर गतिविधियाँ

निफ्ट दिल्ली परिसर ने एक व्यापक अपशिष्ट, जल, बिजली प्रबंधन प्रणाली विकसित की है। दिल्ली परिसर में पहले से मौजूद वर्षा जल संचयन प्रणाली चालू हो गई है। इसके साथ ही 5000 एलपीएच क्षमता का औद्योगिक आरओ स्थापित किया गया है जिसमें अपशिष्ट जल का उपयोग बागवानी के लिए किया जाता है। पारंपरिक विद्युत उपकरणों को एलईडी में बदलने का कार्य चरणबद्ध रूप से चल रहा है। रूफटॉप सौर संयंत्र की स्थापना का प्रस्ताव प्रक्रिया में है। हरित बिल्डिंग मानदंडों के अनुसार बिल्डिंग के निर्माण में कांच की दीवारों का उपयोग किया गया है।

परिसर ने सौंदर्यीकरण के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें निफ्ट दिल्ली परिसर के साइनेज की स्थापना भी शामिल है। यह साइनेज छात्रों, आगंतुक संकाय सदस्यों और अन्य आगंतुकों के लिए एक आकर्षक सेल्फी पॉइंट के रूप में भी लोकप्रिय है।

पंचकुला

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

यह परिसर पंचकुला में स्थित है और अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं से सुसज्जित है। प्रत्येक कक्षा वातानुकूलित है और परिसर में उच्च गति वाला 5G वाई-फाई नेटवर्क है। परिसर में वर्तमान में 6 पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं जिनमें डिज़ाइन स्नातक (टेक्सटाइल डिज़ाइन, फ़ैशन डिज़ाइन, फ़ैशन कम्युनिकेशन, बी.एफ. टेक) के चार स्नातक कार्यक्रम और दो स्नातकोत्तर कार्यक्रम (मास्टर ऑफ़ फ़ैशन मैनेजमेंट और मास्टर ऑफ़ डिज़ाइन स्पेस) शामिल हैं। कक्षाओं में व्याख्यानों, प्रस्तुतियों आदि के लिए इंटीग्रेटेड ऑडियो-विज़ुअल शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध है। परिसर में अच्छी तरह से सुसज्जित पैटर्न मेकिंग और परिधान निर्माण प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें सिंगल नीडल लॉकस्टिच मशीन, फ्लैट बेड आयरन टेबल, ड्रेस फॉर्म, पैटर्न मेकिंग टेबल, आईटी लैब और मैक लैब शामिल हैं। लगभग 50 पूरी तरह कार्यात्मक टेबल लूम के साथ पूरी तरह फंक्शनल टेबल लूम भी है।

पाठ्यक्रम

1. प्रो. (डॉ.) अमनदीप सिंह ग्रोवर, निदेशक निफ्ट पंचकुला ने सप्लाई चेन मैनेजमेंट विषय के अंतर्गत एमएफएम छात्रों के साथ अमरटेक्स हेड ऑफिस, रिटेल स्टोर, फैब्रिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का सफलतापूर्वक दौरा किया, जहां छात्रों को व्यापार की दुनिया का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ और शीर्ष प्रबंधन के साथ वार्ता भी हुई।
2. जून 2024 में, टेक्सटाइल डिज़ाइन विभाग ने क्राफ़्ट रिसर्च एंड डॉक्युमेंटेशन (सीआरडी) गतिविधि का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इसके अंतर्गत, छात्रों ने संगरूर, मलोया और रायपुर रानी के क्लस्टरों का दौरा किया।
3. एफडी विभाग ने जुलाई 2024 के महीने में क्राफ़्ट रिसर्च एंड डॉक्युमेंटेशन का आयोजन किया, सेमेस्टर-V के एफडी छात्रों ने चंडीगढ़ में गांव मलोया शिल्प क्लस्टर और हरियाणा के पंचकुला जिले में गांव बिल्ला शिल्प क्लस्टर का दौरा किया।
4. एफसी विभाग ने सेमेस्टर-IV के छात्रों के लिए एक क्राफ्ट विज़िट का आयोजन किया। डॉ. अभिनव गर्ग, सह-प्राध्यापक, डॉ. शिखा शर्मा, डॉ. अनीता चहल ने 8-12 जुलाई, 2024 तक मलोया, बिल्ला और पटियाला क्लस्टर का दौरा किया और फुलकारी, क्रोशिया, धूप, मैक्रेम और धुरी बुनाई के शिल्पों को प्रदर्शित किया।
5. डॉ. अभिनव गर्ग ने अगस्त 2024 में एफसी विभाग की नई प्रयोगशाला आवश्यकता दस्तावेज बनाने के लिए जिम्मेदार टीम का समन्वयन और नेतृत्व किया।
6. डिज़ाइन स्पेस विभाग द्वारा एम. डिज़ाइन के सेमेस्टर-I के छात्रों के लिए एक प्रिंटमेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन बाहरी विशेषज्ञ श्री दिलीप, एक अनुभवी कलाकार और शिक्षक ने किया। यह कार्यशाला संबंधित विषय के संकाय सदस्य श्री विनोद भाटिया के मार्गदर्शन में विज़ुअलाइज़ेशन एंड डिजिटल रिप्रेजेंटेशन पाठ्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 23-24 सितंबर 2024 को आयोजित की गई थी।
7. डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर, ने जुलाई-दिसंबर 2024 सत्र में 'सट्रैटेजीस फॉर कम्युनिकेशन' में एआईडीए स्टोरी के साथ उद्योग निर्देशित कक्षा परियोजनाओं के लिए छात्रों का मार्गदर्शन किया।
8. सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, सीसी-एम.डेस ने जुलाई-दिसंबर 2024 सत्र में इंटरफेस डिज़ाइन में एआईडीए के साथ उद्योग निर्देशित कक्षा परियोजनाओं के लिए छात्रों का मार्गदर्शन किया।
9. डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर, ने जनवरी, 2025 में एमडीएस छात्रों के लिए

पोर्टफोलियो डेवलपमेंट पर एक बूट कैंप, 'कनेक्टिंग द डॉट्स' का आयोजन किया।

10. टीडी, एफडी, एफसी, बीएफटी, एम.डेस और एमएफएम के सेमेस्टर-VI के छात्रों ने 15 फरवरी 2025 को अपने संकायों के साथ भारत टेक्स 2025 में भाग लिया।
11. शिल्प-आधारित उत्पाद विकास (सीबीपीडी) के एक भाग के रूप में, वस्त्र डिज़ाइन विभाग के सेमेस्टर-VII के छात्रों ने मलोया, चंडीगढ़ शिल्प क्लस्टर का दौरा किया, जहां उन्होंने कारीगरों से सीधे संपर्क किया और पारंपरिक प्रथाओं में निहित उत्पाद संभावनाओं की खोज की।
12. इसके अतिरिक्त, वस्त्र डिज़ाइन विभाग के सेमेस्टर-IV के छात्रों के लिए मधुबनी चित्रकला पर एक शिल्प प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सत्र का नेतृत्व एक कुशल शिल्पकार श्री रवींद्र प्रसाद ने किया, जिन्होंने छात्रों को इस पारंपरिक कला की व्यावहारिक समझ और प्रासंगिक अंतर्दृष्टि की समझ प्रदान की।
13. वस्त्र डिज़ाइन विभाग द्वारा स्नातक परियोजना और उद्योग इंटर्नशिप के लिए जा रहे बैच के लिए भूतपूर्व छात्र वार्ता सत्र का आयोजन किया गया, ताकि उन्हें वस्त्र और डिज़ाइन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे पूर्व छात्रों से महत्वपूर्ण जानकारी मिल सके।
14. एम.डी. छात्रों ने विभिन्न विषयों के अंतर्गत आनंदपुर साहिब, वान गाग-एलांते मॉल, कैक्टस गार्डन और सरकारी कला संग्रहालय, सरकारी कला संग्रहालय और भारतीय वायु सेना संग्रहालय पर एकीकृत कमांड नियंत्रण केंद्र, कैपिटल कॉम्प्लेक्स, ली-कोर्बुसिए सेंटर, शिवालिका कालीन, पानीपत, राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी और प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा किया।
15. एफडी विभाग की शिल्प आधारित उत्पाद विकास (सीबीपीडी) गतिविधि के अंतर्गत एफडी सेमेस्टर-VII के छात्रों ने मलोया, चंडीगढ़ और बिल्ला, हरियाणा क्लस्टर का दौरा किया।
16. श्री मोहम्मद वसीम, सहायक प्राध्यापक, डीएफटी विभाग ने सभी एनआईएफटी में बीएफटी छात्रों के लिए परिधान गुणवत्ता प्रबंधन पर ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए।
17. एमएफएम के छात्रों ने उद्योग भ्रमण के लिए लुधियाना में ऑक्टेव अपैरल्स के मुख्यालय और विनिर्माण सुविधाओं तथा लुधियाना में सोभागिया सेल्स, स्पोर्टकिंग का दौरा किया।

उद्योग संबंध और परियोजनाएं

1. माईट्राइडेंट के साथ बिस्तर और बिस्तर से संबंधित उत्पादों के लिए विशेष वसंत/ग्रीष्म संग्रह पर केंद्रित एक कक्षा परियोजना पूरी की गई। यह परियोजना प्रिंट डिज़ाइन प्रोजेक्ट पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में शुरू की गई थी, जिसका समन्वय टीडी विभाग की सहायक प्राध्यापक सुश्री सौम्या सक्सेना ने किया था।
2. प्रो. डॉ. अनुनिता रंगरा को फ़ैशन डिज़ाइन (स्नातक) विभाग, डिज़ाइन संकाय में सहायक प्राध्यापक (सहायक संकाय) के पद हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित करने हेतु गठित चयन समिति में बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया है। वॉक-इन-इंटरव्यू 27.06.2024 को स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ परफॉर्मिंग एंड विज़ुअल आर्ट्स, रोहतक में सम्पन्न हुआ।
3. सुश्री सौम्या सक्सेना ने एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित लघु-अवधि कार्यक्रम के भाग के रूप में 08 अगस्त 2024 और 26 मार्च 2025 को "कन्टेम्प्रेरी टेक्नोलॉजी फॉर टेक्सटाइल डिज़ाइनिंग" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
4. टेक्सटाइल डिज़ाइन (टीडी) विभाग ने फैब्रिक क्वालिटी एश्योरेंस, बेसिक वीव डिज़ाइन और वस्त्र प्रसंस्करण विषयों के पाठ्यक्रम के भाग के रूप में यूएल सॉल्यूशंस, राज ओवरसीज, रेस्पन और नाहर इंडस्ट्रीज का दौरा किया।
5. सुश्री भारती पाहुजा, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग ने निफ्ट पंचकुला के एम.डेस और एम.एफ.एम. विभागों द्वारा आयोजित कारीगर जागरूकता कार्यशाला के दौरान "प्रोडक्ट लिस्टिंग ऑन ई-कॉमर्स प्लेटफार्म्स" पर एक विशेषज्ञ सत्र व्याख्यान दिया।
6. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग ने 1 से 15 सितंबर 2024 तक निफ्ट@दिल्लीहाट कार्यक्रम के लिए कोर कमेटी के सदस्य के रूप में समन्वय किया।
7. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग ने 16 अक्टूबर 2024 को प्रतिष्ठित वक्ता डॉ. अमित चोपड़ा, तकनीकी विशेषज्ञ केवीआईसी, अंबाला द्वारा खादी पर एक जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन किया।
8. एफडी सेमेस्टर-VI के छात्रों ने 14 फरवरी, 2025 को आयोजित फिलोकैली का उद्योग दौरा किया, जिसका विषय था एफडीआर 4 डिज़ाइनिंग फॉर रिटेल इन मेन्सवियर, ग्रेडिंग एंड एपेरेल डेवेलपमेंट ऑफ मेन्सवियर।
9. एफडी सेमेस्टर-VI के छात्रों ने पैटर्न मेकिंग और गारमेंट कंस्ट्रक्शन विषयों के अंतर्गत एफडी, सेमेस्टर-IV के लिए 07 मार्च, 2025 को आयोजित एक्टिव क्लोदिंग के उद्योग का दौरा किया।
10. एफसी विभाग ने निफ्ट भूतपूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई और इसके अंतर्गत पूर्व छात्रों को नवंबर 2024 और अप्रैल 2025 में आमंत्रित किया गया, जिसमें पूर्व छात्रों और स्नातक बैचों के बीच एक वार्ता रखी गई।
11. प्रो. डॉ. अनुनीता रंगरा को 11 मार्च, 2025 को मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स (पेंटिंग/मूर्तिकला) के लिए प्रश्न पत्र के पेपर सेटर के रूप में नामित किया गया।
12. श्री मोहम्मद वसीम, सहायक प्राध्यापक, डीएफटी विभाग ने कई उद्योग दौरों का समन्वय किया: सेमेस्टर-VI के लिए शाही एक्सपोर्ट ग्रुप, फरीदाबाद, सेमेस्टर-IV के बीएफटी छात्रों के लिए स्पोर्ट्स किंग, मोहाली। टाइनोरोथोटिक, मोहाली से औद्योगिक इंजीनियरिंग के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान की व्यवस्था की।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएँ

1. डॉ. शिखा शामरा ने 3 जून से 17 जून, 2024 तक विजुअल मर्चेंडाइजिंग के अंतर्गत फैबइंडिया दिल्ली के साथ अपना 15 दिवसीय फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट (एफआईए) सफलतापूर्वक पूरा किया।
2. डॉ. निकिता, सहायक प्राध्यापक, एमएफएम विभाग ने 3 से 15 जून, 2024 तक टाइनोर ऑर्थोटिक्स, सेक्टर 82, मोहाली, पंजाब में फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट में भाग लिया।
3. सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, एम.डेस ने लव एंड एक्सेप्टेंस एनजीओ के साथ 08-23 जून, 2024 तक 15 दिनों का फैकल्टी इंडस्ट्री अटैचमेंट (एफआईए) सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसका उद्देश्य डिज़ाइन का उपयोग करके विकलांग लोगों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना था।

4. डॉ. निकिता, सहायक प्राध्यापक, एमएफएम विभाग ने 2024 में डीएसटी-सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित आईपीआर पर एक सर्टिफिकेट कोर्स पूरा किया।
5. डॉ. मारिषा नरूला ने 10 से 14 जून, 2024 तक एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ द्वारा आयोजित "इनोवेशन इन फ़ैशन डिज़ाइन/विज़ुअल आर्ट्स एजुकेशन: एन्हैन्सिंग पैडगॉगी फॉर अकैडमिक एक्सिलेंस" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया।
6. डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर, ने जुलाई, 2024 में 'ब्रैंड मैनेजमेंट: स्ट्रैटेजीस फॉर ए स्ट्रॉन्ग ब्रैंड बाई कोर्सेरा नेटवर्क' पर एक कोर्स पूरा किया।
7. डॉ. मारिषा नरूला ने 15 से 22 जुलाई, 2024 तक एमिटी यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित "सस्टेनेबल अप्रोचेस इन फ़ैशन एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी" पर एक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरा किया।
8. श्री दीप सागर वर्मा, सहायक प्राध्यापक, एमएफएम विभाग ने जुलाई, 2024 में गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में मेटावर्स पर कार्यशाला ली है।
9. डॉ. मारिषा नरूला ने 22 अगस्त, 2024 को "फाउन्डेशन्स ऑफ यूज़र एक्सपीरियंस (यूएक्स) डिज़ाइन" पर एक गूगल कोर्स पूरा किया।
10. डॉ. सौरभ गर्ग ने निफ़्ट बेंगलुरु में दिनांक 26.08.2024 से 30.08.2024 तक एडवांस्ड कैड (डॉबी और जैक्वार्ड) पर प्रशिक्षण (टीओटी) पूरा किया।
11. प्रो. (डॉ.) अमनदीप सिंह ग्रोवर, निदेशक निफ्ट पंचकुला ने 18 से 20 नवंबर, 2024 तक सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली में आईओ/पीओ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
12. श्री मोहम्मद वसीम, सहायक प्राध्यापक डीएफटी और डॉ. अख्तरुल इस्लाम अमजद, सहायक प्राध्यापक डीएफटी विभाग ने 2 से 6 दिसंबर, 2024 तक फास्ट रिएक्ट पर टीओटी सफलतापूर्वक पूरा किया।
13. राष्ट्रीय फ़ैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) पंचकुला ने पीएयू राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्मार्ट स्कूल लुधियाना में एक आकर्षक प्रवेश अभियान कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के 150 से अधिक छात्रों ने अपने प्रधानाचार्यों के साथ भाग लिया। प्रो. (डॉ.) अमनदीप ग्रोवर ने छात्रों को डिज़ाइन अनुशासन के प्रति ओरिएंटेशन देने के लिए उनसे बातचीत की। श्री विनोद भाटिया ने निफ्ट द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों और प्रवेश प्रक्रिया के बारे में प्रस्तुति दी। प्रोफ़ेसर (डॉ.) अनुनिता रंगरा द्वारा डिस्चार्ज प्रिंटिंग में डिज़ाइन कार्यशालाएँ, डॉ. छवि गोयल द्वारा कढ़ाई कार्यशाला और सुश्री भारती पाहुजा द्वारा इको प्रिंटिंग कार्यशाला आयोजित की गईं। पूरे कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिखा शर्मा ने किया। इन कार्यशालाओं ने छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए निफ्ट की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।
14. प्रो. (डॉ.) अमनदीप सिंह ग्रोवर, निदेशक निफ्ट पंचकुला ने 06 से 10 जनवरी, 2025 तक हैदराबाद के एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई) में लोक प्रशासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
15. डॉ. निकिता, सहायक प्राध्यापक, एमएफएम विभाग ने 22.01.2025 को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, सेक्टर - 1, पंचकुला में जीईएम डिजिटल मार्केटिंग एक्सपोर्ट; ई-कॉमर्स पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।
16. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग ने 16 फरवरी, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इन्फैरेंटियल स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग एंड डेटा एनालिसिस यूज़िंग जामोवी सॉफ्टवेयर पर एक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
17. डॉ. निकिता, सहायक प्राध्यापक, एमएफएम विभाग ने 17 फरवरी, 2025 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से निफ़्ट दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं के साथ एआई एंड फ्यूचर फ़ैशन सत्र में भाग लिया।
18. श्री केतन ढिल्लों, सहायक प्राध्यापक, ने फरवरी 2025 में कारीगर जागरूकता कार्यशाला के दौरान विजुअल मर्चेन्डाइजिंग एंड प्रोडक्ट कॉस्टिंग पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया, जिसमें शिल्प दृश्यता, प्रभावी मूल्य निर्धारण और कारीगरों, डिज़ाइनरों और खुदरा विक्रेताओं के बीच सहयोग बढ़ाने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया।
19. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग ने मंगलवार, 11 मार्च 2025 को दो घंटे के प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया, जिसका उद्देश्य फ़ैशन उद्योग में एआई के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों और लाभों की समझ को बढ़ाना था। MENRV.AI द्वारा प्रस्तुत एआई टूल्स का संचालन संस्थापक और सीईओ डॉ. अंशुमान घोष ने किया।
20. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग ने 17 से 21 मार्च, 2025 तक जिंदल ग्लोबल बिजनेस स्कूल, ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी सोनीपत द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया।

शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और प्रकाशन

1. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग को "प्रिंटिंग ए सस्टेनेबल प्रैक्टिस" शीर्षक से टेक्सटाइल - क्लॉथ एंड कल्चर (जर्नल) के लिए समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।
2. सुश्री रूही मुंजियाल, सहायक प्राध्यापक, एफडी विभाग ने 23 से 26 अप्रैल, 2024 तक दक्षिण कोरिया के इवा वूमन्स विश्वविद्यालय में आयोजित 26वें वार्षिक आईएफएफटीआई सम्मेलन में "जनरेटिव एआई एंड सेलिब्रिटी/पब्लिक फिगर इमेज स्टिमुलेशन लाइसेंसिंग एंड वॉट विल दिस अरेंजमेंट मीन टू द फ़ैशन इंडस्ट्री" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
3. डॉ. अनीता चहल, सहायक प्राध्यापक, एफसी विभाग ने 'द चाइल्ड साइकॉलजी एंड क्लोदिंग इन ईरानियन सिनेमा: अब्बास किरोस्तामी 'वेयर इज़ द फ्रेंड्स होम' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो 26-28 अप्रैल, 2024 को किरसेहिर अहिन एवरान विश्वविद्यालय, किरसेहिर, तुर्किये में आयोजित वैज्ञानिक अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।
4. डॉ. मारिषा नरूला, सहायक प्राध्यापक, एफसी विभाग ने जुलाई, 2024 में फाइबर 2 फ़ैशन पर "हाओ इन्क्लूज़िव

डिज़ाइन इन ट्रांसफॉर्मिन्ग फ़ैशन फॉर द ब्लाडि" विषय से एक लेख प्रकाशित किया है।

5. डॉ. मारिषा नरूला, सहायक प्राध्यापक, एफसी विभाग ने 5-6 अगस्त, 2024 को वॉक्ससेन विश्वविद्यालय, तेलंगाना, भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "फ़ैशन ऐज़ ए टूल फॉर सोशल चेंज" में "डीजेंडरिंग किड्स फ़ैशन: द राइज़ ऑफ़ जेंडर-न्यूट्रल क्लोदिंग इन इंडिया" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

6. डॉ. अनीता चहल, सहायक प्राध्यापक, एफसी विभाग ने 30 अगस्त, 2024 को सेंट जोसेफ कॉलेज, अराकुलम के अंग्रेजी विभाग द्वारा डायस्पोरिक साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में क्राइसिस ऑफ कल्चरल आईडेंटिटी शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

7. सुश्री भारती पाहुजा ने सितंबर 2024 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड होम साइंस में "नैविगेटिंग ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फॉर हैंडीक्राफ्ट प्रोडक्ट लिस्टिंग" पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया।

8. डॉ. अख्तरुल इस्लाम अमजद, वेदश्रुति और सानिया जोशी ने 18 से 20 अक्टूबर, 2024 तक बिटलिस एरेन विश्वविद्यालय, तुर्की में संस्कृति, पर्यटन और सभ्यता पर 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सिग्निफिकेंस ऑफ इंडियन ट्रेडिशनल टेक्सटाइल्स ऑफ कल्चरल रीप्रेज़ेन्टेशन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

9. सहायक प्राध्यापक श्री केतन ढिल्लों ने इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी (आईजेआरएएसईटी) अक्टूबर, 2024 में "यूज़ ऑफ ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी इन द फ़ैशन इंडस्ट्री: एनालिसिस ऑफ हाओ ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी कैन बी यूज़्ड टु इम्प्रूव ट्रांसपेरेंसी, ट्रेसिएबिलिटी, एंड सस्टेनेबिलिटी इन द फ़ैशन सप्लाई चेन" शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।

10. सुश्री भारती पाहुजा ने 7 नवंबर, 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित चंडीगढ़ विज्ञान कांग्रेस (CHASCON) में "एम्पावरिंग द इंडियन क्राफ्ट सेक्टर: फ्रॉम इंडीजिनस फाइबर्स टु सस्टेनेबल प्रोडक्शन एंड ई-कॉमर्स" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

11. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग ने दिसंबर 2024 में एक पियर रिव्युड पेपर, ग्रेंज इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में शोध पत्र "सोशल रिस्पॉन्सिबल प्रोडक्ट डेवेलपमेंट यूज़िंग खादी: ट्रेडिशनल क्लॉथ ऑफ इंडिया" प्रकाशित किया।

12. श्री मोहम्मद वसीम, सहायक प्राध्यापक, डीएफटी विभाग, ने 27वें एसओएम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024, आईएमटी गाजियाबाद 19-21 दिसंबर, 2024 पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

13. डॉ. मारिषा नरूला, सहायक प्राध्यापक, एफसी विभाग ने आईआईटी रुड़की में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आईडियाज-2024 में "प्रिज़र्विन्ग सस्टेनेंस ऑफ इंडियन क्राफ्ट्स: डिज़ाइनिंग ए नॉलेज सिस्टम" और "अमालगमेशन ऑफ टेक्नोलॉजी विद हेल्थकेयर: एन ऐप्लीकेशन फॉर होलिस्टिक एन्हैन्समेंट एंड इम्प्रूव्ड डेवेलपमेंट सपोर्ट इन डाउन सिंड्रोम" शीर्षक से दो शोध पत्र प्रस्तुत किए।

14. डॉ. मारिषा नरूला, सहायक प्राध्यापक, एफसी विभाग ने आईआईटी हैदराबाद में आईसीओआरडी 2024 सम्मेलन में "कुन्नथ- ए कन्डेन्स्ड मोनोलीनियर देवनागरी टाइपफेस इंस्पायर्ड बाई द म्यूज़िक ऑफ सिंग कृष्णकुमार कुन्नथ" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

15. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग, तीन विषयों के लिए निफ्ट अकादमिक पाठ्यक्रम टीम 2015 के एक भाग के रूप में: एडवांस्ड सरफ़ेस डिज़ाइन, स्लो स्टिच्ड टेक्सटाइल्स एंड इलेमेंट्स ऑफ टेक्सटाइल डिज़ाइन (आईडीएम)।

16. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग को इग्नू के बीएससी (फैब्रिक एंड एपेरल डिज़ाइन) के लिए फ़ैशन अध्ययन पर 2 ब्लॉक (फ़ैशन एंड आईडेंटिटी एंड फ़ैशन कन्ज़म्पशन) के लिए यूनिट लेखक के रूप में आमंत्रित किया गया।

17. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टी.डी. विभाग, वनस्थली विद्यापीठ के अनुसंधान अनुभाग से वस्त्र डिज़ाइन विषय में सुश्री सोनिया सैनी के पी.एच.डी. शोध प्रस्ताव के मूल्यांकन हेतु आमंत्रित।

18. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टीडी विभाग ने 27 से 29 जनवरी, 2025 तक आयोजित "थ्रेड ऑफ हेरिटेज: एक्सप्लोरिंग ट्रेडिशनल टेक्सटाइल एंड नैचुरल फाइबर्स" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सस्टेनेबल प्रोडक्ट डेवेलपमेंट प्रैक्टिसेस इन कॉन्टेक्स्ट टु इंडियन हेरिटेज टेक्सटाइल" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

19. प्रो. डॉ. अनुनीता रंगरा ने शिमला इको वाइब्स, शिमला का द्वि-मासिक ग्रीन क्रॉनिकल, जनवरी-फरवरी 2025, खंड I, अंक I में "फ्रॉम वेस्ट टु वंडर: स्कल्पटिंग आर्ट फ्रॉम द अन्वॉन्टेड" विषय पर शोध पत्र प्रकाशित किया।

20. श्री दीप सागर वर्मा, सहायक प्राध्यापक, एमएफएम विभाग ने फरवरी 2025 में आईजेआईएम (एबीडीसी में ए*) जर्नल में 'मेटावर्स फॉर डिजिटल हेल्थ सल्युशन' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया है।

21. डॉ. अख्तरुल इस्लाम अमजद, सहायक प्राध्यापक, डीएफटी विभाग ने 9 से 10 मार्च, 2025 तक सेंटर फॉर ब्लैक सी रिसर्च, सैमसन, तुर्की में आयोजित 11वें अंतर्राष्ट्रीय ब्लैक सी कोस्टलाइन देशों के वैज्ञानिक अनुसंधान सम्मेलन में "हैंडीक्राफ्ट एंड हैंडलूम: ए टूल यूज़्ड फॉर द डिप्लोमैटिक रिलेशन बाई इंडिया" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

22. श्री प्रमोद कुमार, सह-प्राध्यापक एवं सीसी-एफडी ने 22 मार्च, 2025 को "मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड करंट ट्रेंड्स इन सस्टेनेबल डेवेलपमेंट" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसका विषय था- डिज़ाइनिंग सस्टेनेबल मल्टीफंक्शनल चिल्ड्रेन्स वियर विद ए ज़ीरो-वेस्ट कॉन्सेप्ट।

23. सहायक प्राध्यापक श्री केतन ढिल्लों ने 24 से 28 मार्च, 2025 तक लंदन कॉलेज ऑफ फ़ैशन, यूएएल, लंदन में आयोजित इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ फ़ैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट्स (आईएफएफटीआई) के 27वें वार्षिक सम्मेलन में "सस्टेनेबलऑटोमेटेड थ्रिफ्टिंग सॉल्यूशन: डेवलपिंग एन एआई-पावर्ड डिजिटल वार्डरोब ऐप" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

24. डॉ. अख्तरुल इस्लाम अमजद, सहायक प्राध्यापक, डीएफटी विभाग ने एडवांसेज इन बैम्बू साइंस (2024) में "बैम्बू फाइबर: ए सस्टेनेबल सल्युशन फॉर टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया, लेख आईडी: 100088। HTTPS://DOI.ORG/10.1016/J.BAMBOO.2024.100088

25. डॉ. मारिषा नरूला ने यूजीसी-केयर जर्नल, शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स में "चकोर - ए टाइपफेस इन्सपायर्ड बाई द फुलकारी एंड ट्रक आर्ट ऑफ पंजाब" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।

26. डॉ. मारिषा नरूला, सहायक प्राध्यापक, एफसी विभाग ने लंदन कॉलेज ऑफ फ़ैशन, लंदन में आयोजित आईएफएफटीआई सम्मेलन में "इन्क्लूज़िव फ़ैशन टेक्नोलॉजी: डिज़ाइनिंग एन एक्सेसिबल फ़ैशन स्टाइलिंग ऐप्लीकेशन फॉर द विज़ुअली इम्पेयर्ड" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

27. डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर को डिज़ाइन विभाग (डीओडी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), हैदराबाद और डिज़ाइन और विनिर्माण विभाग (डीएम) (अर्स्टवाइल सेंटर फॉर प्रोडक्ट डिज़ाइन एंड मैन्युफेक्टरिंग) भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु द्वारा आयोजित आईसीओआरडी '25 के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था।

28. डॉ. निकिता, सहायक प्राध्यापक, एमएफएम विभाग ने "ग्रीन फ़ैशन एंड लाइफस्टाइल एनथुजियास्ट्स: ड्राइवर्स ऑफ फ्यूचर इकोसिस्टम्स" शीर्षक से एक अध्याय प्रकाशित किया, जो मित्तल पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित "ग्रीन होराइजन्स: नर्चरिंग सस्टेनेबल एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्टार्टअप्स फॉर ए बेटर टुमॉरो" नामक पुस्तक, आईएसबीएन: 978-81-19291-54-0 2025 में प्रकाशित हुआ।

संकाय उपलब्धियां

1. प्रोफेसर (डॉ.) अमनदीप सिंह ग्रोवर, निदेशक निफ्ट पंचकुला को इनोवेशन एंड रीजेनेरेटिव ट्रेंड्स इन टूरिज़्म एंड हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री (आईआरटीटीएचआई 2025) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

2. प्रो. (डॉ.) अमनदीप सिंह ग्रोवर, निदेशक निफ्ट पंचकुला को आईटीबीपी भानु के 63वें स्थापना दिवस के अवसर पर आईजी आईटीबीपी भानु, श्री एपीएस निंबाडिया और उनकी अतुल्य टीम द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

3. डॉ. रितिका सक्सेना और सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, एम. डिज़ाइन विभाग को 18-20 जुलाई, 2024 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित टेक्सटाइल फेयर इंडिया - प्रिज़्म अवार्ड्स के लिए निर्णायक मंडल के रूप में आमंत्रित किया गया था।

4. डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ द्वारा 5 से 9 अगस्त, 2024 तक आयोजित 'फ़ैशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट' विषय पर राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में एक सत्र देने के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था।

5. डॉ. सौरभ गर्ग ने वर्ष 2024 में प्राकृतिक रंगों के क्षेत्र में "स्टडीस ऑन कम्प्यूटर एडेड कलर मेज़रमेंट, मैचिंग एंड कम्पैटिबिलिटी ऑफ डाइस फॉर कम्पाउंड शेड्स प्रोडक्शन ऑन टेक्सटाइल्स यूज़िंग नेचुरल डाइस" शीर्षक से अपनी विद्या वाचस्पति पूर्ण की।

6. प्रो. डॉ. अनुनीता रंगरा को 20 सितंबर 2024 को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा विजुअल आर्ट्स (विद्या वाचस्पति प्रवेश परीक्षा) के पेपर सेटर के रूप में नामित किया गया।

7. डॉ. मारिषा नरूला को गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट चंडीगढ़ में 3 दिसंबर, 2024 को बीएफए (एप्लाइड आर्ट) के लिए अंतिम सत्र परीक्षा "एडवर्टाइज़िंग प्रोफ़ेशन एंड प्रैक्टिस" के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था।

8. श्री मोहम्मद वसीम, सहायक प्राध्यापक, डीएफटी विभाग को 19-21 दिसंबर 2024 को आईएमटी गाजियाबाद में आयोजित 27वें एसओएम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 में प्रथम सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

9. डॉ. निकिता को 21 दिसंबर, 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित 5वें ग्लोबल एलुमनाई मीट 2024 में "द डिस्टिंगुइश एल्युम्नाई अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया।

10. प्रो. डॉ. अनुनीता रंगरा ने 23 दिसंबर, 2024 को सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल, लुधियाना में निफ्ट पंचकुला के साथ एडमिशन ड्राइव इवेंट के अंतर्गत डिस्चार्ज प्रिंटिंग पर कार्यशाला आयोजित की।

11. प्रो. डॉ. अनुनीता रंगरा को दादा लक्ष्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स, रोहतक द्वारा टेक्सटाइल डिज़ाइन के लिए पीएचडी प्रवेश प्रवेश परीक्षा-2024 की पेपर सेटर के रूप में नामित किया गया।

12. डॉ. श्रुति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, टी.डी. विभाग को 27 से 29 जनवरी, 2025 तक आयोजित "थ्रेड्स ऑफ हेरिटेज: एक्सप्लोरिंग ट्रेडिशनल टेक्सटाइल्स एंड नेचुरल फाइबर्स" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सस्टेनेबल प्रोडक्ट डेवेलपमेंट प्रैक्टिसेस इन कॉन्टेक्स्ट टु इंडियन हेरिटेज टेक्सटाइल" शीर्षक से शोध पत्र की प्रस्तुति के लिए तकनीकी सत्र में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।

13. प्रो. डॉ. अनुनीता रंगरा को 13 फरवरी, 2025 को एनआईडी कुरुक्षेत्र में फाउंडेशन प्रोग्राम में निर्णायक मंडल के रूप में आमंत्रित किया गया।

14. सुश्री कनु प्रिया, सहायक प्रोफेसर, डीएफटी विभाग को 15 फरवरी, 2025 को पेटेंट उपलब्धि के साथ-साथ उनके अन्य उत्कृष्ट योगदान के लिए संवाद भारत टेक्स 2025 में सम्मानित किया गया।

15. सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, सीसी-एम.डेस को उड़ान एम्पावरमेंट ट्रस्ट द्वारा 16 फरवरी, 2025 को पंचकुला में विकलांग व्यक्तियों के लिए आयोजित सौंदर्य प्रतियोगिता, "मिस एंड मिस्टर विज़नरी" के लिए निर्णायक मंडल के रूप में आमंत्रित किया गया था।

16. डॉ. शिखा शर्मा को पीजी कॉलेज, पंचकुला, हरियाणा द्वारा 19-20 फरवरी, 2025 को "द आर्ट ऑफ पॉडकास्टिंग" पर संकाय विकास कार्यक्रम के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में

विशेषज्ञ के तौर पर एक रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था।

17. श्री प्रमोद कुमार, सह-प्राध्यापक एवं सीसी-एफडी ने 22 मार्च, 2025 को "मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड करंट ट्रेंड्स इन एन्वायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी, लॉ, अप्लाइड साइंस एंड सोशल साइंसेस" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र- II के लिए दूसरे सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया।

18. डॉ. शिखा शर्मा ने पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया में एमए कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की, जिसे स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज द्वारा डिज़ाइन किया गया और इग्नू में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

19. डॉ. रितिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक और यूआई-आईपीआर, ने पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया कार्यक्रम में एमए के लिए पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की, जिसे स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज द्वारा डिज़ाइन किया गया था और इग्नू में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

20. सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, सी.सी.-एम.डेस को रूरल हैंडमेड द्वारा एक सस्टेनेबल क्राफ्ट प्रोजेक्ट के लिए गैर-कार्यकारी बोर्ड सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

21. सुश्री भावना चौहान, सहायक प्राध्यापक, सीसी-एम.डेस सोशल को सोशल साइंस जर्नल (एसएसजे) में 'द डायनैमिक्स इम्पैक्ट ऑफ इंटरनेट यूज़ ऑन सोशल फेयरनेस परसेप्शन इन चाइना फ्रॉम 2010 टु 2021' शीर्षक से एक शोध पत्र की समीक्षा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

22. राष्ट्रीय फ़ैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) पंचकुला ने गर्व और उत्साह के साथ कन्वर्ज 2024 का आयोजन किया, जो एक ऐतिहासिक आयोजन था, जिससे द्वारा पूरे भारत में स्थित 19 निफ्ट परिसरों के छात्रों की अप्रतिम प्रतिभाओं को एक साथ लाया गया। 23 से 25 अक्टूबर 2024 तक, तीन दिनों तक चलने वाले इस शानदार कार्यक्रम में 1,000 से अधिक छात्रों की रचनात्मक, बौद्धिक और एथलेटिक भावना का आनंद उठाया गया, जिसमें सांस्कृतिक प्रदर्शनों, खेल आयोजनों, साहित्यिक प्रतियोगिताओं और अन्य कई कार्यक्रमों का समृद्ध प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन का उद्घाटन 23 अक्टूबर, 2024 को ताऊ देवी लाल स्टेडियम, सेक्टर-23, पंचकुला, हरियाणा में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। मुख्य अतिथि, सुश्री तनु कश्यप, आईएएस, निफ्ट की महानिदेशक और विशिष्ट अतिथि, डॉ. यश गर्ग, आईएएस, डीसी पंचकुला के प्रेरक भाषण द्वारा इस जीवंत उत्सव की शुरुआत हुई।

23. निफ्ट पंचकुला के निदेशक प्रो. (डॉ.) अमनदीप सिंह ग्रोवर के नेतृत्व में ब्रांडिंग और प्रचार टीम ने निफ्ट के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत टेक्स 2025 का सफलतापूर्वक प्रचार किया। निफ्ट पंचकुला की डॉ. शिखा शर्मा, निफ्ट कोलकाता के डॉ. श्रीनंद पालित और निफ्ट बेंगलुरु के श्री हिमांशु ढांडा ने उनका भरपूर सहयोग किया। इस टीम ने आकर्षक रचनात्मक चित्र तैयार किए और सभी प्रमुख सोशल मीडिया चैनलों पर भारत टेक्स 2025 का व्यापक प्रचार सुनिश्चित किया।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों की प्रमुख उपलब्धियाँ

1. टेक्सटाइल डिज़ाइन विभाग की बैच 2021-2025 की छात्रा सुश्री तनीषा बत्रा और सुश्री टेरेसा को 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के हिस्से के रूप में आयोजित आईएफएफआईएस्टा (IFFIESTA) 2024 में 1960-1970 के दशक का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था।
2. बीएफटी सेमेस्टर VI की छात्रा सुश्री सानिया जोशी को फ़ैशन टेक्नोलॉजी श्रेणी के अंतर्गत इंडिया स्किल कॉम्पिटिशन 2024 में मेडेलियन ऑफ एक्सिलेंस (उत्कृष्टता पदक) से सम्मानित किया गया।
3. सुश्री रिद्धि, एफसी सेमेस्टर VII की छात्रा ने शोधकोश के साथ एक शोध पत्र प्रकाशित किया: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स वॉल्यूम 5 अंक 4 (30 अप्रैल, 2024 को प्रकाशित) -HTTPS://DOI.ORG/10.29121/SHODHKOSH.V5.I4.2024 शीर्षक- ए जियोमेट्रिक टाइपफेस इन्स्पायर्ड बाई द कल्चर ऑफ पंजाब - फुलकारी एंड ट्रक आर्ट।
4. श्री शाहिल कुमार देब, एफसी सेमेस्टर V के छात्र ने अप्रैल 2024 में आईआईएसईआर मोहाली में लाइव स्केचिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
5. सुश्री ज्योतिका अरोड़ा एफसी सेमेस्टर V की छात्रा ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा 16 से 19 मई 2024 तक दिल्ली के यशोभूमि में ग्राफिक डिज़ाइन प्रौद्योगिकी के कौशल में आयोजित भारत कौशल प्रतियोगिता 2024 में उत्कृष्टता पदक प्राप्त किया, जिसमें हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया।
6. सुश्री मुस्कान, सेमेस्टर VII, टीडी विभाग ने अपना शोध पत्र 2024 IJMRSET, खंड 7, अंक 9, सितंबर 2024, DOI: 10.15680 / IJMRSET.2024.0709026 में प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था "जेन-ज़ी डीआईवाई फ़ैशन: द राइजिंग ट्रेंड"।
7. सुश्री शिवाली, एफसी, सेमेस्टर VII की छात्रा ने आईडियाज़ (IDEAS) कॉन्फ्रेन्स, आईआईटी रुड़की और क्वीन्स यूनिवर्सिटी (अक्टूबर, 2024) में "होलिस्टिक एन्हैन्समेंट एंड इम्प्रूव्ड डेवेलपमेंट सपोर्ट इन डाउन सिंड्रोम" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
8. सुश्री ऑली, सेमेस्टर VII, टीडी विभाग ने 18 और 19 अक्टूबर, 2024 को आयोजित स्थानीय भाषा की आवाज़ों को मजबूत करने की दिशा में ज्ञान निर्माण के स्थानीयकरण पर 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्थानीय भाषा का संरक्षण: एक न्यूनतम सौंदर्यशास्त्र के रूप में गोदना कला" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
9. सुश्री सौम्या देसीराजू, एफसी सेमेस्टर VII की छात्रा- "फ़ैशन एजुकेशन एंड सेल्फ सेक्शुअलाइज़ेशन: ए केस स्टडी ऑफ निफ़्ट पंचकुला स्टूडेंट्स" शीर्षक से एक शोध पत्र की सह-लेखिका हैं, जिसे 3 अक्टूबर, 2024 को स्वीकार किया गया, 19 अक्टूबर, 2024 को ऑनलाइन प्रकाशित किया गया, और फरवरी, 2025 के सेक्सुअलिटी एंड कल्चर (HTTPS://DOI.ORG/10.1007/S12119-024-10280-6) के अंक में प्रकाशित किया गया।
10. सुश्री तान्या पासन और श्री शाहिल कुमार देब एफसी सेमेस्टर V के छात्रों ने आईडियाज सम्मेलन, आईआईटी रुड़की और

क्वीन्स विश्वविद्यालय (अक्टूबर, 2024) में 'प्रिज़रवेशन एंड सस्टेनेंस ऑफ इंडिया क्राफ़्ट: डिज़ाइनिंग ए नॉलेज सिस्टम' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

11. सुश्री दीक्षा एफसी, सेमेस्टर V की छात्रा शोध पत्र प्रस्तुति - आईडियाज़ 2024, आईआईटी रुड़की द्वारा। (अक्टूबर 2024)।
12. सुश्री दिवा वशिष्ठ, एफसी, सेमेस्टर-VII, छात्रा ने 10 नवंबर, 2024 को आयोजित PECFEST में 'सोलो इंस्ट्रूमेंटल' प्रतियोगिता में सोलो गिटार प्रदर्शन के लिए प्रथम रनर-अप जीता और पुरस्कार के हिस्से के रूप में नकद पुरस्कार प्राप्त किया।
13. श्री विवेक कुमार एफसी सेमेस्टर III के छात्र - 24 नवंबर, 2024 को एल्बम एपर्चर में प्रथम स्थान - प्लाक्षा विश्वविद्यालय (पंजाब) (फितूर X प्रयास)।
14. श्री प्रथम सोलंकी और श्री गौरव एफसी सेमेस्टर VII के छात्रों ने 25 नवंबर, 2024 को प्लाक्षा विश्वविद्यालय, मोहाली, पंजाब में यूआई शोडाउन में तीसरा स्थान जीता।
15. सुश्री तान्या पासन और श्री शाहिल कुमार देब एफसी, सेमेस्टर V के छात्रों ने क्रिस्टू जयंती कॉलेज, बैंगलोर में संचार डिज़ाइन पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्राफ्टिंग वुडन प्रेयर बीड्स: एन एथ्नोग्राफिक स्टडी ऑफ मंगाली, हरियाणा' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। (2024)।
16. सुश्री ईशा भोपी, सेमेस्टर VII, टीडी विभाग ने अपना लेख IJARETY, "खंड 11, अंक 6, नवंबर - दिसंबर 2024, DOI: 10.15680 / IJARETY.2024.1106018 में प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था "थ्रेडिंग ए सस्टेनेबल फ्यूचर थ्रु ईको इको (ए स्टडी एक्स्प्लोरिंग एस्थेटिक पोटेंशियल एंड सस्टेनेबल प्रैक्टिसेस ऑफ इको प्रिंटिंग ऑन थ्रेड्स) यह प्रो. राखी वही प्रताप द्वारा सह-लिखित था।
17. सुश्री विधि सिंगला, सेमेस्टर VII, टीडी विभाग ने अपना लेख IJARETY, "खंड 11, अंक 6, नवंबर-दिसंबर 2024, DOI:10.15680/IJARETY.2024.1106018 में प्रकाशित करवाया, जिसका शीर्षक था "फैक्टर्स एनैबलिंग कमर्शियलाईज़ेशन ऑफ नेचुरल डाइस फॉर लार्ज-स्केल प्रोडक्शन इन द टेक्सटाइल इंडस्ट्री"।
18. टेक्सटाइल डिज़ाइन विभाग की छात्रा, बैच 2023-2027, सुश्री आस्था ठुकराल को उनकी उत्कृष्ट रचनात्मक प्रस्तुति के लिए टीडीएफ विज़ुअल आर्ट प्रतियोगिता 2025 में शीर्ष 10 विजेताओं में चुना गया।
19. एफडी (बैच 2021 -2025) के छात्रों ने एफडीआर 4 - डिज़ाइनिंग फॉर रिटेल इन मेन्सवियर विषय के अंतर्गत आयोजित इनविया इमर्जिंग फ़ैशनिस्टा क्लासरूम प्रोजेक्ट में भाग लिया।
20. सुश्री मोनिका विश्वास, एफडी बैच 2021 - 2025, इनविया इमर्जिंग फ़ैशनिस्टा क्लासरूम प्रोजेक्ट में शीर्ष 10 फाइनलिस्ट में चयनित की गयीं और उन्होंने 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार जीता।
21. सुश्री प्रियांशी मसंद, टीडी, निफ्ट पंचकुला ने सरफेस डिज़ाइन श्रेणी में दूसरा रनर अप [कुल स्कोर 480/600] प्राप्त किया। @ लिवा प्रोटेगे - बिरला सेल्यूलोज़ - लिवा द्वारा आयोजित टेक्सटाइल डिज़ाइन प्रतियोगिता, जो निफ्ट के सभी परिसरों के सेमेस्टर VII के टेक्सटाइल डिज़ाइन छात्रों के लिए एक विशेष कार्यक्रम है। उन्हें प्रो. राखी वाही प्रताप द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया था।
22. सुश्री प्रेरणा महाजन और सुश्री दिशा शर्मा एफसी, सेमेस्टर VII की छात्रा ने आईएफएफटीआई (IFFTI) में 26 मार्च 2025 को एक शोध पत्र प्रस्तुत किया इन्क्लुसिव फ़ैशन टेक्नोलॉजी: डिज़ाइनिंग एम एक्सेसिबल फ़ैशन स्टाइलिंग एप्लिकेशन फॉर विज़ुअली इम्पेयर्ड लंदन कॉलेज ऑफ फ़ैशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ फ़ैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट्स (IFFTI) सम्मेलन 2025 में एक शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए चयनित किया गया।
23. सुश्री रिद्धि, एफसी, सेमेस्टर VII की छात्रा ने डिज़ाइन में अनुसंधान पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईकॉर्ड, 8-10 जनवरी, 2025 को आईआईटी हैदराबाद और आईआईएससी बैंगलोर द्वारा आयोजित) में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया - जिसका शीर्षक था: 'कुन्नथ- ए मोनोलीनियर देवनागरी टाइपफेस इन्स्पायर्ड बाई सिंगर कृष्णकुमार कुन्नथ'।
24. सुश्री वृंदा कुरियादथ, एफसी, सेमेस्टर VII की छात्रा ने विभिन्न प्रतियोगिताएं जीतीं 1) फितूर प्रयास - तरंग24 प्लाक्षा विश्वविद्यालय - शास्त्रीय नृत्य एकल के लिए निफ्ट पंचकुला का प्रतिनिधित्व - प्रथम पुरस्कार 2) आईडब्ल्यूएआरटी 2024 - श्रीमती सोनाली श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में आयोजित 18वें एशियाई महिला महोत्सव में योगदान। 3) सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक की मान्यता - शास्त्रीय बैच - भरतनाट्यम 2023-2024 - कुदरत अकादमी - कैप्टन केएल सैनी द्वारा सम्मानित।
25. सुश्री प्रियांशी अग्रवाल और हरकीरत कौर, एफसी, सेमेस्टर III की छात्रा का सार, संगोष्ठी 2025 - रीसेंट ट्रेंड्स एंड सस्टेनेबिलिटी इन क्राफ्ट एंड डिज़ाइन पर 5वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण लेख प्रस्तुत करने के लिए स्वीकार किया गया।

स्थिरता पहलू और हरित परिसर गतिविधियाँ

निफ्ट पंचकुला परिसर एक ग्रिहा (GRIHA) द्वारा रेटेड हरित परिसर है। परिसर में वर्षा जल संचयन की सुविधा है और अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण के लिए एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित है। छात्रावास भवन की छत पर एक सौर हीटर स्थापित है। निफ्ट पंचकुला ने 5 जून को अपने परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया और आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ ग्रहण समारोह और वृक्षारोपण अभियान चलाया। निफ्ट पंचकुला के निदेशक प्रो. (डॉ.) अमनदीप सिंह ग्रोवर ने निफ्ट परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र को हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के तरीकों पर चर्चा की। निफ्ट पंचकुला के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने भी इसके लिए अपने सुझाव दिए।

पटना

2008 में स्थापित, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), पटना, भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अधीन कार्यरत प्रतिष्ठित निफ्ट नेटवर्क का एक गणमान्य सदस्य है।

निफ्ट पटना का मीठापुर फार्म में अत्याधुनिक परिसर है, जो आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है, जैसे कपड़ा, बुनाई और बुनाई प्रयोगशालाएं, मेक्ट्रोनिक्स और 3डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला, परिधान निर्माण और पैटर्न निर्माण स्टूडियो, कंप्यूटर प्रयोगशाल और ओपन-एयर थिएटर, जिम, खेल कोर्ट और छात्रों और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधाएं सहित कई मनोरंजक सुविधाएं शामिल हैं।

फैशन प्रबंधन स्नातकों के 16 से अधिक बैचों की विरासत के साथ, जिनमें से 14 फैशन डिजाइन में, टेक्सटाइल डिजाइन और फैशन प्रौढ़ऊ में 9-9, तथा फैशन संचार और सहायक उपकरण डिजाइन में 8-8 बैच हैं, निफ्ट पटना ने फैशन और जीवन शैली उद्योगों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पूर्व छात्रों का एक जीवंत समुदाय बनाया है। अकेले शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, विभिन्न विषयों में 192 छात्र स्नातक हुए और पेशेवर दुनिया में कदम रखा।

संकाय प्रशिक्षण/कार्यशालाएँ/संकाय विकास कार्यक्रम

डॉ. पिंटू पंडित, श्री रंजीत कुमार झा, डॉ. ओमकार सिंह, श्री विनोथ आर., श्री सिद्धार्थ मलिक, सुश्री स्नेहा झा, सुश्री मोनिका, श्री जशीर सिभाब ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों (टीओटी) में भाग लिया।

श्री कुमार विकास, श्री विश्वजीत कुमार, सुश्री मोनिका और श्री अश्विनी ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान प्रासंगिक विषयों में विभिन्न अन्य कार्यशालाओं और सेमिनारों में भाग लिया। इन कार्यशालाओं के माध्यम से संकाय सदस्य अपने कौशल को बढ़ाने और अद्यतन करने में सक्षम हुए हैं। ये नियमित अपस्किलिंग छात्रों को प्रासंगिक ज्ञान और कौशल प्रदान करने में मदद करती है।

श्री जशीर शिहाब, डॉ. पिंटू पंडित, श्री लोकेश कुमार, श्री सिद्धार्थ मलिक, श्री रणजीत कुमार झा और श्री धर्मेंद्र कुमार ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में संकाय विकास कार्यक्रमों में भाग लिया।

शोध पत्र प्रस्तुति और उनका प्रकाशन

निफ्ट पटना के संकाय सदस्य शोध गतिविधियों में संलग्न रहे हैं और उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध प्रस्तुत किए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा कुल 32 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। योगदानकर्ताओं के नाम इस प्रकार हैं: श्री कुमार विकास (4), सुश्री प्रेरणा नारायण (4), सुश्री रागिनी रंजना (4), सुश्री मोनिका (3), डॉ. श्वेता राजन शर्मा, श्री धनंजय कुमार, सुश्री रजनी श्रीवास्तव, श्री सिद्धार्थ मलिक, श्री रंजीत कुमार झा, डॉ. ओंकार सिंह, श्री नवनेंद्र सिंह, सुश्री अभिलाषा सिंह और श्री विनोद आर ।

निफ्ट पटना के संकाय सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न पत्रिकाओं में कुल 26 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। शोध प्रकाशनों में योगदान देने वाले संकाय सदस्य हैं डॉ. किसलय कश्यप, डॉ. स्वेता आर. शर्मा, श्री धर्मेंद्र कुमार, डॉ. टोनी शर्मा, श्री कुमार विकास, श्री अश्विनी, सुश्री मोनिका, श्री धनंजय कुमार, डॉ. पिंटू पंडित, श्री रणजीत कुमार झा, डॉ. ओमकार सिंह, श्री नवनेंद्र सिंह, सुश्री अभिलाषा सिंह और श्री विंटोह आर. सुश्री मोनिका ने जीटीसी 2025 सम्मेलन के लिए तीन शोध पत्रों की समीक्षा की।

पुस्तकें और पुस्तक अध्याय

डॉ. ओमकार सिंह, श्री नवनेंद्र सिंह, सुश्री अभिलाषा सिंह और श्री विनोद आर. ने "एक्सप्लोरिंग एक्सप्लेनेबल आई ओ टी: रीसेंट ट्रेंड्स, चैलेंजेस एंड फ्यूचर डायरेक्शन्स" नामक पुस्तक लिखी।

डॉ. पिंटू पंडित ने "एडवांसेस इन इलेक्ट्रिकली कंडक्टिव टेक्सटाइल्स: मटीरियल्स, कैरेक्टराइजेशन एंड एप्लीकेशन्स" नामक पुस्तक लिखी।

डॉ. मनोज कुमार पारस ने "फ़ैशन निर्माण और आपूर्ति श्रृंखला में एआई और रोबोटिक्स का अनुप्रयोग" नामक एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया।

डॉ. पिंटू पंडित ने चार पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए: (i) "तेल रिसाव हटाने के लिए समुद्री वस्त्र अनुप्रयोग"

(ii) "विद्युत चुम्बकीय व्यतिकरण परिरक्षण के लिए ग्राफीन-आधारित वस्त्र"

(iii) "वस्त्रों पर नैनोस्केल कोटिंग्स के अनुप्रयोग के तरीके"

(iv) "वस्त्र अनुप्रयोगों में समुद्री बायोपॉलिमर"।

सुश्री मोनिका ने "पतन संसूचन डेटासेट के वर्गीकरण हेतु शिक्षण मॉडलों का एक अनुभवजन्य मूल्यांकन" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया।

पेटेंट

डॉ. ओमकार सिंह और सुश्री अभिलाषा सिंह ने एक पेटेंट, "इमेज प्रोसेसिंग और ए आई का उपयोग करके स्पोर्ट्सवियर के लिए स्वचालित टेक पैक जनरेशन", आवेदन संख्या: 202431057832, (भारत सरकार), 2024 प्रकाशित किया।

कॉपीराइट

डॉ. विकास कुमार ने भारतीय कॉपीराइट पंजीकरण, "सोशल मीडिया-सस्टेनेबल कम्युनिकेशन मॉडल (SM-SCM)",

पंजीकरण संख्या: L-159403/2025, पंजीकरण तिथि: 06 जनवरी 2025 के साथ एक कॉपीराइट पंजीकृत कराया।

संकाय उद्योग से जुड़ाव

निफ्ट संकाय सदस्यों को 2-6 सप्ताह की अवधि के लिए उद्योग से जुड़ाव का अवसर प्रदान करके अपने उद्योग से जुड़ाव और कौशल को बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में निफ्ट पटना के कुल 14 संकाय सदस्यों ने एफआईए में भाग लिया। एफआईए में भाग लेने वाले संकाय सदस्य हैं श्री जशीर शिहाब (फॉक्सिओम लीड्स प्राइवेट लिमिटेड), डॉ. स्वेता राजन शर्मा (डीसीएच), श्री धर्मेंद्र कुमार (डिजाइनर श्री सिद्धार्थ बंसल), सुश्री रागिनी रंजना (मंजूषा), डॉ. विकास कुमार (रिलायंस ट्रेंड्स), डॉ. ऋषिकेश (सत्तुज), सुश्री अर्चना एस. कोंगारी (जौहरग्राम), डॉ. पिंटू पंडित (आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान), सुश्री मोनिका (द क्रिसेंट, संबलपुर), श्री जयंत कुमार (भारतीय राष्ट्रीय कला और सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट), सुश्री रजनी श्रीवास्तव (भारतीय राष्ट्रीय कला और सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट), श्री जयंत कुमार (ब्रांडिक्स अपैरल प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम), श्री सिद्धार्थ मलिक (डब्ल्यूएससी), श्री विनोथ आर (ट्रॉपिक निट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कोयंबटूर), श्री बिश्वजीत कुमार (रिपेयर माई मोबाइल), सुश्री मिताली कपूर (धामा इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड), श्री धनंजय कुमार (स्टूडियो सत्व)।

पीएचडी कर रहे हैं और कर चुके हैं

श्री राजेश के चौधरी, श्री मोहम्मद शादाब सामी, सुश्री पूजा रानी, श्री सिद्धार्थ मलिक, श्री कुमार विकास, श्री राजेश कुमार, सुश्री रागिनी रंजना, श्री विश्वजीत कुमार, श्री धनंजय कुमार, सुश्री प्रेरणा नारायण, श्री जयंत कुमार, श्री रंजीत झा, श्री जशीर शिहाब, श्री अश्विनी कुमार और श्री जयंत कुमार अपनी पी एच डी कर रहे हैं।

डॉ. नीलिमा आर. टोपनो, डॉ. विनायक यशराज, डॉ. श्वेता आर. शर्मा, डॉ. टोनी शर्मा और डॉ. किसलय कश्यप ने अपनी पी एच डी पूरी कर ली है।

शिल्प क्लस्टर गतिविधियाँ

बिहार के विभिन्न शिल्पों जैसे सिक्की, ज़री, एप्लिक, भागलपुर सिल्क, मधुबनी पेंटिंग, सुजनी, करनी बुनाई, ढोकरा शिल्प आदि पर विभिन्न विभागों द्वारा शिल्प अनुसंधान प्रलेखन और शिल्प-आधारित डिज़ाइन परियोजनाएँ संचालित की गईं। इस गतिविधि ने छात्रों को शिल्प क्लस्टरों के वास्तविक परिवेश में क्षेत्र अध्ययन और कारीगरों के साथ बातचीत के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान की।

विभिन्न विभागों द्वारा शिल्प प्रदर्शन और कारीगर जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिसमें एप्लिक-खटवा, सिक्की, मंजूषा कला, मधुबनी पेंटिंग, सोहराई और खोवर, जूट, टिकुली कला, गुड़िया निर्माण, क्रोशिया कला, लकड़ी पर नक्काशी, सुजनी, जूट, टेराकोटा, जरदोजी, काशीदाकारी, कपास बुनाई, बावन बूटी, टसर सिल्क आदि से लगभग 100 कारीगर शामिल हुए। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं के विभिन्न विपणन चैनलों के संदर्भ में डिजाइन विकास, वर्तमान बाजार के रुझान, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और शिल्प उत्पादों के प्रचार के बारे में जागरूकता विकसित करना था।

निफ्ट पटना द्वारा शिल्प बाजार का आयोजन बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया। वार्षिक आयोजन स्पेक्ट्रम के साथ, शिल्प बाजार में लोगों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई, जिससे कला और शिल्प को व्यापक मान्यता मिली। इस आयोजन से प्रदर्शित उत्पादों की बिक्री से कारीगरों के लिए राजस्व भी उत्पन्न हुआ। कारीगरों की शिल्पकला को स्वीकार किया गया और उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

परियोजनाएँ

निफ्ट पटना राज्य सरकार, केंद्र सरकार और उद्योग जगत के अग्रणी संगठनों के साथ मिलकर विभिन्न परियोजनाओं में निरंतर शामिल रहा है। बिहार खादी जैसे संगठनों के साथ चल रही परियोजनाओं के अलावा, शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में निफ्ट पटना ने अपने मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए रेमंड के साथ भी परियोजनाएं

शुरू कीं। परियोजनाओं के माध्यम से कारीगरों को समर्थन देने के लिए, निफ्ट पटना ने झारखंड सरकार के संगठन झारक्राफ्ट के साथ मिलकर एक परियोजना भी शुरू की, जो झारखंड की कला और शिल्प के विकास की दिशा में काम कर रहा है। यह परियोजना झारक्राफ्ट द्वारा विपणन किये जाने वाले उत्पादों के लिए फोटो और वीडियो माध्यम से प्रचार के अवसरों के विकास पर केंद्रित थी। उपरोक्त के अतिरिक्त, श्री मोहम्मद शादाब सामी की देखरेख में, फैशन कम्युनिकेशन के छात्रों ने एमवे, ताओ बाओ, निविया, बेला वीटा, क्राफ्ट कॉफी, एम्पोरियो अरमानी, बॉडी शॉप, डांगस, खादी मॉल, मिनिसो, फैब इंडिया जैसे प्रमुख संगठनों के साथ विभिन्न लाइव कक्षा परियोजनाएं कीं।

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय संबंध

निफ्ट पटना ने पिछले दो वर्षों में बिहार के विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। अपने हालिया प्रयास में, निफ्ट पटना ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एन एस डी सी) के साथ 3 वर्षों के लिए तथा प्रतिष्ठित, अत्याधुनिक बिहार संग्रहालय के साथ 5 वर्षों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

उपरोक्त के अतिरिक्त, निफ्ट पटना का आई आई एम बोधगया, आई आई टी पटना, सी आई एम पी, सी एन एल यू, एफ डी डी आई आदि जैसे विभिन्न प्रमुख शैक्षणिक संगठनों के साथ पहले से ही स्थायी समझौता ज्ञापन है। निफ्ट पटना के कर्मचारियों और छात्रों के लाभ के लिए, जय प्रभा मेदांता, पारस हॉस्पिटल्स, मेडिवर्सल, प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल, रुबन मेमोरियल हॉस्पिटल आदि जैसे प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

निफ्ट पटना सक्रिय रूप से अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अवसरों की तलाश कर रहा है और अतीत में निफ्ट के छात्र विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से कई छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में सुश्री सृष्टि दीप, एफआईटी, न्यूयॉर्क में सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए सभी एनआईएफटी केंद्रों से चयनित कुछ छात्रों में से एक थीं और उन्हें दोहरी डिग्री प्राप्त होगी। एक अन्य छात्रा, सुश्री चैन्याका कृष्णा को पोलीटेकनिको डी मिलानो इटली में एक सेमेस्टर एक्सचेंज के लिए चुना गया।

उद्योग भ्रमण

विभिन्न विभागों के छात्रों ने भारत टेक्स 2025 का दौरा किया।

सेमेस्टर 3 के छात्रों को फैशन संचार विभाग के श्री मोहम्मद शादाब सामी के मार्गदर्शन में नई दिल्ली स्थित उनके स्टूडियो में प्रसिद्ध फोटोग्राफर श्री रघु राय से मिलने और बातचीत करने का अवसर मिला।

निफ्ट पटना के फैशन मैनेजमेंट स्टडीज (2024-26) बैच के 29 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ शिवालिक प्रिंट्स लिमिटेड, फरीदाबाद का दौरा किया। इसका उद्देश्य वस्त्र निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, स्थिरता और निर्यात परिचालन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना था।

फैशन कम्युनिकेशन विभाग के श्री मोहम्मद शादाब सामी के मार्गदर्शन में 36 छात्रों ने डब्ल्यू सी ए पोस्ट स्टूडियो का दौरा किया, जो 2016 में स्थापित, नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में स्थित एक प्रमुख पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधा है।

टेक्सटाइल डिजाइन सेमेस्टर 6 के 30 छात्रों ने 11.11 का दौरा किया (इलेवन इलेवन एक स्थायी भारतीय फैशन ब्रांड है जो समकालीन डिजाइन के साथ विरासत शिल्प कौशल को मिश्रित करता है, जिसमें नैतिक विलासिता के लिए प्राकृतिक रंगों, स्वदेशी कपास और पारंपरिक हस्तकला तकनीकों का उपयोग किया जाता है)।

फैशन एवं लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ विभाग के 31 छात्रों ने आर्टिज़ एटलियर बाय जैक्कार, एक्सपीरियंस सेंटर - यूनिट 19 एवं 20, द गैलरी ऑन एम जी, न्यू मंगलापुरी, सुल्तानपुर, महरौली-गुड़गांव रोड, नई दिल्ली - 110030 का दौरा किया।

सेमेस्टर 5 के छात्रों ने साकेत, नई दिल्ली स्थित "किरण नादर कला संग्रहालय" का दौरा किया। छात्रों को विभिन्न प्रसिद्ध कलाकारों की आधुनिक और समकालीन कला स्थापना देखने का अवसर मिला, उन्होंने संग्रहालय द्वारा प्रदान किए गए निर्देशित दौरे के माध्यम से इमर्सिव मल्टीमीडिया डिस्प्ले का भी अनुभव किया। छात्रों के साथ सुश्री पूजा रानी भी थीं।

फैशन डिजाइन विभाग के 34 छात्रों और फैशन टेक्नोलॉजी विभाग के 14 छात्रों ने पैनोरमा एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद का दौरा किया।

फैशन कम्युनिकेशन की सुश्री पूजा रानी और श्री अश्विनी कुमार के मार्गदर्शन में सेमेस्टर 3 के छात्रों ने प्रिंट मीडिया में फैशन के विषय पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय व्यापार मेला, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, दिल्ली हाट और रफ्तार क्रिएटिव प्लेटफॉर्म प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया।

फैशन कम्युनिकेशन के सेमेस्टर 5 के छात्रों ने स्टूडियो फोटोग्राफी विषय के तहत कैनन इंडिया के मुख्यालय का दौरा किया। सेमेस्टर 5 के फैशन कम्युनिकेशन के छात्रों ने विशेषज्ञता "फैशन पत्रकारिता और नई मीडिया सामग्री" को गहरा करने के लिए नेटवर्क 18 कार्यालय का दौरा किया। सुश्री मोनिका ने एआरवीआर विषय के लिए मान सिंह वेधशाला, वाराणसी का दौरा किया।

सेमेस्टर 4 के फैशन कम्युनिकेशन के छात्रों ने प्रकाशन डिज़ाइन विषय के एक भाग के रूप में "इंकेरा डिज़ाइन एंड प्रिंट" का दौरा किया।

श्री मोहम्मद शादाब सामी ने स्टूडियो फ़ोटोग्राफ़ी विषय के लिए नई दिल्ली स्थित ऋचा माहेश्वरी फ़ोटोग्राफ़ी स्टूडियो का दौरा किया, जहाँ छात्रों को प्रसिद्ध फ़ैशन फ़ोटोग्राफ़र सुश्री ऋचा माहेश्वरी द्वारा व्यावहारिक प्रदर्शन दिया गया।

विशेषज्ञ व्याख्यान

निफ्ट पटना छात्रों को सर्वोत्तम संभव ज्ञान प्रदान करने के लिए सभी क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित करता रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में निफ्ट पटना के छात्रों को संबोधित करने वाले कुछ उल्लेखनीय विशेषज्ञ इस प्रकार थे:

सुश्री नेहा धेरगवेन, श्री संतोष चौधरी, श्री ईश्वर चंद्र मिथुन, डॉ. रमन सक्सेना, प्रोफेसर, श्री कुमार शाश्वत, सुश्री ऋचा माहेश्वरी,

पद्म श्री रघु राय, सुश्री नलिनी शाह, श्री संजय सिंह, सुश्री अवंतिका माथुर, सुश्री विजेता कुमारी, श्री शरद कुमार, सुश्री मौमिता घोष, श्री आदित्य वाढेर, सुश्री कृष्णा वर्मा, श्री अजय कुमार पंकज, सुश्री विभा श्रीवास्तव, श्री जगदीश कुमार, डॉ. शुभंकर मैती, श्री सोनम आनंद, श्री आशीष सत्यव्रत साहू आदि।

संकाय उपलब्धियाँ

डॉ. ओमकार सिंह को फ़िलिपींस के टेक्सटाइल रिसर्च इंस्टीट्यूट में टेक्सटाइल डिजिटलीकरण पर एक ऑनलाइन व्याख्यान के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

सुश्री अर्चना एस. कोंगारी को ई 2 ई नेटवर्क्स लिमिटेड के लिए आई सी सी (आंतरिक शिकायत समिति) का सदस्य नामित किया गया था और उन्होंने फैशन मार्केटिंग विषय पर टीम सदस्य के रूप में एम एफ एम के पाठ्यक्रम के विकास में भी योगदान दिया।

डॉ. टोनी शर्मा को 21 मार्च 2025 को आई आई टी पटना में प्रोफेसर नलिन भारती द्वारा आयोजित जी आई और बिहार पर कार्यशाला के एक भाग के रूप में पैनल चर्चा में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. विकास कुमार को 23 नवंबर 2024 को आयोजित सेंट जेवियर्स हाई स्कूल पटना के दूसरे वार्षिक खेलकूद मीट फॉर किड जोन में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, उन्हें आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय द्वारा पी एच डी थीसिस मूल्यांकन और पीएचडी उम्मीदवार के मौखिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने फैशन रिटेल विषय के सह-एंकर के रूप में एमएफएम के पाठ्यक्रम के विकास में भी योगदान दिया।

डॉ. किसलय कश्यप को 21 मार्च 2025 को आई आई टी पटना में प्रो. नलिन भारती द्वारा आयोजित भौगोलिक भूगोल और बिहार पर कार्यशाला के एक भाग के रूप में पैनल चर्चा में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. ऋषिकेश कुमार ने 07/09/2024 को पटना महिला महाविद्यालय में फैशन में नवाचार और करियर पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

डॉ. विनायक यशराज गोवा में आयोजित आई एफ एफ आई 2024 के लिए "फैशन के माध्यम से भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष पूरे होने" परियोजना की टीम का हिस्सा थे, उन्हें पटना महिला महाविद्यालय में "विशिष्ट अतिथि" के रूप में आमंत्रित किया गया था और युवाओं को लक्षित करते हुए "डिज़ाइन और फैशन के क्षेत्र में करियर और संभावनाएँ" विषय पर दूरदर्शन द्वारा उनका साक्षात्कार लिया गया था।

दिनांक 18/04/2025 – 08/05/2025 को कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार एवं ललित कला अकादमी, पटना द्वारा आयोजित द्वितीय राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी - 2025 में "मथुरा की होली और कैमरा" विषय पर श्री विश्वजीत कुमार की तस्वीरों का चयन किया गया।

श्री कुमार विकास को वीमेंस कॉलेज पटना द्वारा एन टी पी सी पटना, लिटेरा वैली, दूरदर्शन पटना, डी पी एस पटना, आई आई टी पटना, यू एम एस ए एस, शिक्षा विभाग, बिहार, किलकारी बाल भवन द्वारा आमंत्रित किया गया था। श्री कुमार विकास ने द्वितीय राज्य कला प्रदर्शनी 2024-25, 'अभिव्यंजना श्रृंखला-2', समकालीन समूह कला प्रदर्शनी में भी भाग लिया। उन्होंने स्पेस डिजाइनिंग, पेपर इंजीनियरिंग वर्कशॉप, सुलेख वर्कशॉप और पोर्टफोलियो विकास विषयों के लिए टीम के सदस्यों के रूप में भी योगदान दिया।

श्री मोहम्मद शादाब सामी को मिस बिहार प्रतियोगिता 2025 के चयन और अंतिम रूप देने में जूरी पैनलिस्ट के रूप में और बिहार संग्रहालय मर्चेंडाइज डिज़ाइन प्रतियोगिता 2025 में सर्वश्रेष्ठ कृतियों के चयन और अंतिम रूप देने में जूरी पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने स्टूडियो फ़ोटोग्राफ़ी ए आई के लिए विषय एंकर के रूप में भी योगदान दिया। वे मूविंग इमेजेज, एडिटिंग और प्रोडक्ट फ़ोटोग्राफ़ी विषय के लिए सह-एंकर भी हैं।

डॉ. मनोज कुमार पारस को 4 से 5 जुलाई, 2025 तक बेंगलुरु में दो दिवसीय एस ए जी ई इन-पर्सन समिट के लिए आमंत्रित किया गया था और 3 जून 2025 को अपशिष्ट परियोजना की पृष्ठभूमि और औचित्य पर एक संक्षिप्त चर्चा हेतु वरिष्ठ राजदूत ऑनलाइन व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था।

निफ्ट पटना के फैशन संचार विभाग ने पारंपरिक खादी परिधानों को आधुनिक दृष्टिकोण से पुनः परिकल्पित करने के लिए बिहार राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के साथ सहयोग किया है।

छात्र उपलब्धियाँ

सुश्री सृष्टि दीप उन कुछ छात्रों में से एक थीं जिन्हें सभी निफ्ट केंद्रों से एफ आई टी, न्यूयॉर्क में सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए चुना गया था और उन्हें दोहरी डिग्री प्राप्त होगी।

सुश्री चैन्याका कृष्णा को इटली के पोलिटेक्निको डी मिलानो में सेमेस्टर एक्सचेंज के लिए चुना गया।

सुश्री दीक्षा एचडी और श्री ब्रजबंधु गिरि ने प्रेमा जैन मेमोरियल ट्रस्ट नेशनल ग्रीन अर्थ चैलेंज (पी एम जे टी एन जी ई सी), एक राष्ट्रीय डिज़ाइन प्रतियोगिता, के सेमीफाइनल राउंड में एक टोकन, एक प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार जीता।

श्री अमन और सुश्री सुनंदा ने गोवा में आयोजित आई एफ एफ आई 2024 के लिए "फैशन के माध्यम से भारतीय सिनेमा के 100 वर्षों का स्मरणोत्सव" में भाग लिया। इस परियोजना को आई एफ एफ आई, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित किया गया था।

सुश्री वीक्षा मल्होत्रा ने 7 मार्च 2025 को आयोजित प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट (पी एम जे टी) द्वारा पूर्वी क्षेत्र ग्रीन अर्थ डिज़ाइन चैलेंज में द्वितीय रनर अप का पुरस्कार जीता।

सुश्री आकांक्षा ने शास्त्र, आई आई टी मद्रास द्वारा आयोजित कॉग्निफाई टॉय डिज़ाइन प्रतियोगिता में भाग लिया और उन्हें विशिष्टता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

श्री प्रज्वल और श्री उमेश महतो ने ओएनडीसी की सहायक कंपनी निर्मित भारत द्वारा 21 से 25 अक्टूबर तक आयोजित हैकाथॉन में तृतीय पुरस्कार जीता।

श्री प्रियनंदन एस थरणिलम ने सी आई एम पी द्वारा आयोजित इनोवेट एंड इल्यूमिनेट: ए शोकेस ऑफ़ आइडिया (पोस्टर प्रेजेंटेशन के माध्यम से) में तृतीय पुरस्कार जीता।

श्री प्रियनंदन एस थरणिलम ने 19 और 20 अक्टूबर 2024 को आई आई टी रुड़की और क्वीन्स यूनिवर्सिटी कनाडा द्वारा आयोजित आइडियाज़ 24 में "पेट ह्यूमनाइज़ेशन: एन अटेम्प्ट फॉर इन्क्लूसिविटी ऑफ़ पेट ऑन ट्रैवल" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री अमीषा पटेल मोनी, सुश्री खुशी कुमारी, श्री रवींद्र रजत नीरज ने 26-27 अक्टूबर 2024 को कानपुर, उत्तर प्रदेश में वस्त्र उद्योग में उभरती प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "वस्त्र और फैशन डिजाइन में स्थिरता" पर एक पेपर प्रस्तुत और प्रकाशित किया। आई एस बी एन-978-93-92497-96-4

सुश्री गरिमा शाहदादपुरी ने 26-27 अक्टूबर 2024 को कानपुर, उत्तर प्रदेश में वस्त्र उद्योग में उभरती प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "जीवंत रंग, कम पानी की बर्बादी - सतत रंगाई का भविष्य" विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत और प्रकाशित किया। आई एस बी एन -978-93-92497-96-4

श्री शिवराज धाकड़, लिवा प्रोटेग द्वारा जनवरी 2025 में आयोजित एक प्रतियोगिता में बुने हुए डिज़ाइन वर्ग में विजेता रहे।

सुश्री अनुष्का दत्ता, लिवा प्रोटेग में जनवरी 2025 में सरफेस डिज़ाइन वर्ग में विजेता रहीं और सुश्री अनीशा महंत, प्रिंट डिज़ाइन वर्ग में प्रथम उपविजेता रहीं।

सुश्री अनुष्का दत्ता ने मई 2024 में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कपड़ा बुनाई और हथकरघा कौशल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता है।

श्री साहिल राउत और सुश्री बिभा कुमारी ने 4 अप्रैल 2024 को आईसीटी मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता टेक्सक्वेस्ट 2025 में प्रथम उपविजेता पुरस्कार जीता।

श्री विकास कुमार ने कन्वर्ज, 2024 में भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक और श्री प्रशांत कुल्लू ने कांस्य पदक जीता।

सुश्री जोंकी दास ने रील मेकिंग और स्टॉप मोशन, स्पेक्ट्रम में प्रथम पुरस्कार जीता। 2025 मार्च 2025 में निफ्ट पटना में आयोजित किया जाएगा।

निफ्ट पटना - बेगूसराय विस्तार केंद्र (बीईसी)

माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 17 सितंबर 2024 को बेगूसराय में निफ्ट पटना के विस्तार केंद्र का उद्घाटन किया। बी ईसी ने 17 सितंबर 2025 से जीविका के स्वयं सहायता समूहों की 30 महिला प्रतिभागियों के साथ अपनी पहली कार्यशाला शुरू की। तब से अब तक 8 कार्यशालाएं सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं। वर्तमान में 9वीं कक्षा में हूं और 3 महीने का सर्टिफिकेट प्रोग्राम, वस्त्र और सिलाई प्रौद्योगिकी। बी ईसी प्रशिक्षण पाने वालों को उनकी आजीविका बेहतर बनाने के लिए हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग देकर उनकी ज़िंदगी पर असर डाल रहा है।

रायबरेली

निफ्ट रायबरेली परिसर ने अपनी शुरुआत वर्ष 2007 में आई टी आई लिमिटेड के एक किराये के आवास में की थी। परिसर में शैक्षणिक सत्र जुलाई-दिसंबर 2007 से फैशन डिज़ाइन और एक्सेसरी डिज़ाइन जैसे विभिन्न चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। धीरे-धीरे लेदर डिज़ाइन, एक्सेसरी डिज़ाइन,फैशन टेक्नोलॉजी विषयों तथा अन्य डिज़ाइन पाठ्यक्रमो जैसे स्नातकोत्तर कार्यक्रम, मास्टर ऑफ़ फैशन मैनेजमेंट (एमएफएम) भी शुरू किए गए।

निफ्ट रायबरेली राज्य और देश में फैशन की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है। निफ्ट रायबरेली विशाल कक्षाओं, सुसज्जित प्रयोगशालाओं और एक अत्याधुनिक संसाधन केंद्र से सुसज्जित है, जिसमें "मटेरियल विंग" नामक एक खंड है, जिसे निफ्ट रायबरेली ने बेहद आकर्षक तरीके से स्वयं विकसित किया है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में निफ्ट रायबरेली में कई प्रभावशाली उपलब्धियाँ रहीं।

परिसर की ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

एक प्रमुख उपलब्धि निफ्ट रायबरेली के मार्गदर्शन में नव स्थापित निफ्ट वाराणसी परिसर का संचालन था। 2024 से अपना पहला शैक्षणिक सत्र शुरू करने के लिए सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक सेवाओं की सफलतापूर्वक व्यवस्था की गई, जिससे उत्तर प्रदेश में निफ्ट के शैक्षणिक पदचिह्न का एक महत्वपूर्ण विस्तार हुआ।

निफ्ट रायबरेली ने अपने अन्य तीन परिसरों के साथ मिलकर 11 नवंबर को भारत मंडपम, नई दिल्ली में अपना दीक्षांत समारोह 2024 आयोजित किया। केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह, तत्कालीन वस्त्र सचिव सुश्री रचना साह, अतिरिक्त वस्त्र सचिव श्री रोहित कंसल और निफ्ट महानिदेशक सुश्री तनु कश्यप मुख्य अतिथि थे जिन्होंने स्नातक छात्रों को उपाधियाँ और पदक वितरित किए।

16 सितंबर से 31 अक्टूबर 2024 तक एक विशेष अभियान भी चलाया गया, जिसके तहत स्क्रैप नीति के अनुसार अप्रचलित वस्तुओं और अनुपयोगी संपत्तियों का निपटान किया गया, जिससे कुल ₹6,46,530 का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके अलावा, विभिन्न विभागों से 174 पुरानी फाइलें और रजिस्टर हटा दिए गए। साथ ही, पर्यावरण-अनुकूल और शैक्षणिक रूप से अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए उद्यान और लॉन विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

निफ्ट रायबरेली ने वर्ष 2024 के लिए आउटसोर्सिंग श्रमिकों पर वार्षिक रिटर्न भारत सरकार के श्रम शक्ति पोर्टल पर अपलोड करके श्रम नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया।सामाजिक समता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, संस्थान ने योग्य छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा प्रदान की - 13 को यू.पी. राज्य छात्रवृत्ति प्राप्त हुई, जबकि 23 छात्रों (17 नए, 6 नवीकरण) को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के तहत केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

सांस्कृतिक रूप से, परिसर जीवंतबना रहा। 14 से 30 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया, जिससे संस्थान में प्रशासनिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति में हिंदी की प्रासंगिकता पर ज़ोर दिया गया। निफ्ट के 40वें स्थापना दिवस के अवसर पर, संस्थान ने 6 फरवरी 2025 को राजभाषा सम्मेलन, हिंदी संगोष्ठी और कवि सम्मेलन का आयोजन किया। उसी दिन, वर्ष 2024 की वार्षिक हिंदी पत्रिका 'अनंत' का विमोचन भी किया गया।

संस्थान ने 1 से 15 मार्च 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाकर प्रशासनिक दक्षता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की दिशा में ठोस कदम उठाए।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

भवन संबंधी बुनियादी ढांचा:

2024-25 में निफ्ट रायबरेली ने अपने निर्मित परिवेश में व्यापक सुधार किए। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (ई डब्ल्यू एस) अनुदान के तहत सी पी डब्ल्यू डी द्वारा 132 बिस्तरों वाले बालिका छात्रावास के निर्माण के लिए कार्य आदेश जारी करना था जिससे परिसर के दीर्घकालिक विस्तार में मदद मिलेगी। इसके साथ ही, छात्रावास के कमरों में 50 एयर कंडीशनर लगाए गए और नवनिर्मित जी+3 बालिका छात्रावास ब्लॉक में एसी वायरिंग की व्यवस्था की गई। शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक और नए बालिका छात्रावास ब्लॉक में शौचालयों के नवीनीकरण और रखरखाव (आर एंड एम) के माध्यम से स्वच्छता सुविधाओं पर ध्यान दिया गया।छात्रावास के कमरों की सफेदी, पुराने बालिका छात्रावास में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित कवर्ड वाटर कूलर के लिए एक अलग मंच का निर्माण, और वाशिंग मशीन की इंस्टालेशन के लिए एक अलग मंच का निर्माण करके परिसर की सुंदरता और कार्यक्षमता में सुधार किया गया। कैंटीन की रसोई में आवश्यक उन्नयन किया गया तथा छात्रों व शिक्षकों के लिए समर्पित क्षेत्रों के साथ बैठने की क्षमता बढ़ाई गई। शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए, लड़कों के छात्रावास क्षेत्र में एक बैडमिंटन कोर्ट और क्रिकेट पिच का निर्माण किया गया।

आईटी और संसाधन केंद्र (आर सी):

संस्थान ने अपने डिजिटल और शैक्षणिक बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। कंप्यूटर लैब और स्टाफ़ कार्यालयों के डेस्कटॉप को बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए SSD और RAM से अपग्रेड किया गया। छात्रावासों में वाई-फ़ाई कनेक्टिविटी को मज़बूत किया गया और बेहतर परिसर निगरानी के लिए सीसीटीवी सिस्टम को अपग्रेड किया गया। इसके अतिरिक्त, कक्षाओं और प्रयोगशालाओं में एलईडी प्रोजेक्टर लगाए गए, और शैक्षणिक और प्रशासनिक दोनों उद्देश्यों के लिए उच्च-स्तरीय फोटोकॉपी और प्रिंटर उपलब्ध कराए गए। 1,48,500/- रुपये मूल्य की पुरानी आईटी संपत्तियों का निपटान किया गया। कंप्यूटर लैब में सी एल ओ, फास्ट रिएक्ट और डेटा टेक्स्ट नाउ जैसे नए सॉफ्टवेयर स्थापित किए गए।

संसाधन केंद्र (आरसी) शैक्षणिक सहायता का आधार बना हुआ है, जिसमें अब 8,184 पुस्तकों का संग्रह है, जिनमें से 3 लाख रुपये मूल्य की 86 पुस्तकें 2024-25 के दौरान खरीदी गईं। केंद्र ने भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं, ई-पुस्तकों, डेटाबेस और ई-पत्रिकाओं तक अपनी पहुँच का विस्तार किया है। 10 पीसी और एक स्कैनर से सुसज्जित, आरसी ऑडियो-विजुअल सेवाएँ, रिप्रोग्राफी, बाउंड वॉल्यूम, गैर-मुद्रित संग्रह और एक अद्वितीय सामग्री विंग भी प्रदान करता है जिसमें नमूने, सहायक उपकरण, वस्त्र और साड़ियाँ प्रदर्शित होती हैं। ई-ग्रंथालय और आर एफ आई डी-सक्षम सेवाओं के साथ पूरी तरह से स्वचालित आर सी पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम ज्ञान केंद्र है।

प्रशासनिक सुविधाएं:

परिसर में 250 लोगों की क्षमता वाली कैंटीन, दैनिक चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा सेवाएँ, एक फिजियोथेरेपी कक्ष और चौबीसों घंटे नर्सिंग सहायता उपलब्ध है। रात के समय वाहन की उपलब्धता के माध्यम से आपातकालीन देखभाल सुनिश्चित की जाती है। मनोरंजन स्थलों में क्रिकेट, फ़ुटबॉल, बास्केटबॉल के मैदान और दो बैडमिंटन कोर्ट शामिल हैं। एक बैंक एटीएम, स्टेशनरी की दुकान (निविदा के माध्यम से), अतिथि स्वागत क्षेत्र और छात्रावासों में कॉमन रूम छात्रों की सुविधा में वृद्धि करते हैं। परिसर को स्वच्छ, हरा-भरा और सुरक्षित बनाए रखने के लिए अग्नि अलार्म प्रणाली, 24 घंटे परिसर सुरक्षा, हाउसकीपिंग, बागवानी, कीट नियंत्रण और फॉगिंग सेवाओं को नियमित रूप से उन्नत और अनुरक्षित किया जाता है।

छात्रावास आवास:

निफ्ट रायबरेली 76 लड़कों और 450 लड़कियों के लिए आवासीय सुविधाएँ प्रदान करता हैजो बाहरी छात्रों को आकर्षित करने में संस्थान की क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देता है। एसी इंस्टालेशन, चिकित्सा सेवाएँ, कॉमन रूम और परिसर-व्यापी सुरक्षा जैसी उन्नत सुविधाएँ छात्रावास के छात्र-छात्रों के लिए एक सुरक्षित और आरामदायक रहने का माहौल सुनिश्चित करती हैं।

अल्पकालिक कार्यक्रम

निफ्ट रायबरेली परिसर में सभी के लिए कुल नौ लघु अवधि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गएजिनमें मेन्सवियर डिजाइनिंग, फैशन अपेरल बुटीक मैनेजमेन्ट, रिटेल स्टोर ऑपरेशनल मैनेजमेन्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वेब डिजाइनिंग (स्टेटिक), फॉर्म डेवलपमेंट, बेसिक फैब्रिक बैग पैटर्न मार्किंग और कन्स्ट्रक्शन, ऑटोकैड बेसिक्स और फंडामेंटल ऑफ ईफेक्टिव कम्यूनिकेशन शामिल थे।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रतिभागियों को स्व-रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने या संबंधित क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए व्यावहारिक कौशल से लैस करना था।

प्रमुख परियोजनाएँ

रायबरेली के परियोजना प्रकोष्ठ ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कौशल विकास, क्षमता निर्माण और पारंपरिक हस्तशिल्प को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।संस्थान ने ₹39 लाख की संचयी कमाई के साथ दो प्रमुख परियोजनाएं पूरी कीं पहली परियोजना 40 खादी कामगारों के लिए 30-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम थी, जो "खादी के अनुसंधान, डिज़ाइन, मानकीकरण और प्रचार/प्रसार" पहल के तहत आयोजित किया गया था। उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड (यूपीकेवीआईबी), लखनऊ द्वारा प्रायोजित, ₹36 लाख मूल्य की यह परियोजना 6 जनवरी 2025 से 4 फरवरी 2025 तक चली जिसका उद्देश्य समकालीन डिज़ाइन और उत्पादन विधियों में कारीगरों के कौशल विकास पर केंद्रित था।दूसरी पहल 10 से 12 फ़रवरी 2025 तक आयोजित तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला थी जिसका उद्देश्य यूपीकेवीआईबी के 10 पर्यवेक्षक-स्तरीय अधिकारियों के मार्केटिंग, ब्रांडिंग, प्रचार और संचार रणनीतियों के ज्ञान को बढ़ाना था। यह भी यूपीकेवीआईबी द्वारा प्रायोजित थी और इसका स्वीकृत परियोजना मूल्य ₹3 लाख था। दोनों परियोजनाओं ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक उपकरणों से लैस करके उद्योग पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला छात्रों को वास्तविक समय में सहयोगात्मक अनुभव प्रदान करके लाभान्वित किया और संस्थान के आउटरीच पोर्टफोलियो को समृद्ध किया।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियां

निफ्ट रायबरेली के छात्रों ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करके अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। फैशन डिज़ाइन (एफडी) विभाग के श्री पुनीत कुमार और श्री पुनीत कुमार वार्ष्णेय ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जिन्होंने न्यूज़ीलैंड में आयोजित प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय डिज़ाइन प्रतियोगिता - वर्ल्ड ऑफ़ वेयरेबलआर्ट (WOW) में "क्रेज़ी क्रिएचर्स ऑफ़ क्यूरियोसिटी कार्निवल" विषय पर दूसरा पुरस्कार जीता। इसके अतिरिक्त, सुश्री श्रुति कुमारी और सुश्री हिमानी बिष्ट (एफडी, बैच 2021-25) ने भी इसी प्रतियोगिता में निफ्ट रायबरेली का प्रतिनिधित्व किया जिससे संस्थान की वैश्विक उपस्थिति और भी बढ़ गई।

राष्ट्रीय स्तर की डिज़ाइन प्रतियोगिताओं में एक्सेसरी डिज़ाइन (एडी विभाग ने सराहनीय सफलता हासिल की जहाँ सुश्री पी. जानवी और सुश्री अनन्या रस्तोगी भारतीय कॉयर बोर्ड द्वारा आयोजित टॉयकैथॉन 2024 के दूसरे प्रोटोटाइप राउंड में पहुँचीं। सुश्री जानवी को आई एफ एच द्वारा भारतीय लेखक पुरस्कार के लिए अंग्रेजी भाषा श्रेणी में शीर्ष 10 फाइनलिस्ट के रूप में भी चुना गया। इसके अतिरिक्त एडी की सुश्री शिल्पा मेहता ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया और स्पेक्ट्रम 2024 में हाउट काउचर शो में भाग लिया।

फैशन कम्युनिकेशन (एफसी) विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कींखासकर श्री आदित्य भटनागर जिन्होंने "बॉक्स पैकिंग" श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि का पुरस्कार जीतासाथ ही टीम के अन्य सदस्यों शिवी गुप्ता, प्रियांशा गोयल, अनन्या गुप्ता, वृद्धि अग्रवाल और प्रणय कुमार (एलडी) ने भी पुरस्कार जीता। एफसी की छात्रा सुश्री काव्या तिवारी ने भी आर जी आई पी टी अंतर-कॉलेज खेल महोत्सव में एथलेटिक्स में परिसर का प्रतिनिधित्व किया।

फाउंडेशन प्रोग्राम के छात्रों ने कई पुरस्कार जीते। एफपी(डी) की सुश्री अंजलि प्रसाद, सुश्री सलोनी सिन्हा और सुश्री अनुभा चमोली ने काशी यात्रा के दौरान आईआईटी-बीएचयू में आयोजित पेपर कॉस्ट्यूम डिज़ाइन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। सुश्री अंजलि प्रसाद ने आर जी आई पी टी द्वारा आयोजित एनर्जिया 25 में वॉलीबॉल में प्रथम पुरस्कार भी जीता। इस बीच मोहम्मद सहल के.पी., अनुभव सिंह, हरि पी. प्रदेश और ऋषभ प्रोथासिस ने टीवीआरएएन (के एन आई टी, सुल्तानपुर) में फुटबॉल में दूसरा स्थान हासिल किया। एफ पी(टी) में, सुश्री वैशाली जोशी ने काशी यात्रा में पेपर कॉस्ट्यूम डिज़ाइन में स्वर्ण पदक जीता और मोहम्मद आदिल ने टी वी आर ए एन में फुटबॉल में दूसरा स्थान हासिल किया।

एफएमएस विभाग के श्री हिमांशु और सुश्री गौरीश्री सोनी ने राष्ट्रीय स्तर की एफएमएस क्विज़ प्रतियोगिता में भाग लिया और चौथा स्थान प्राप्त किया। वहींलेदर डिज़ाइन (एलडी) की सुश्री ज्योति वैष्णव ने अंतराग्नि, आईआईटी कानपुर में फैशन गीक में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

आरजीआईपीटी द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में कृष बरैया, अनुभव सिंह, अभिनंदन भदौरिया, सहल, आदिल मोहम्मद, चैतन्य चेमाटे, अथिल सीआर, मुहम्मद जुनैस, ऋषभ प्रोथासिस और हरि पी. प्रदेश सहित विभिन्न विभागों के छात्रों के एक समूह ने बालक वर्ग की फुटबॉल प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता। इसी प्रकार सुश्री स्नेहा पाठक, अंशिका, अंजलि, माही और काव्या तिवारी ने वॉलीबॉल (बालिका) में प्रथम पुरस्कार जीता। इसके अतिरिक्त, सुश्री इप्शिता विश्वास, अंशिका सिंह और तन्ज़ीम ने बास्केटबॉल (बालिका) में द्वितीय पुरस्कार जीता। सुश्री स्नेहा पाठक ने जीआरआईपीटी रायबरेली/अमेठी में वॉलीबॉल (बालिका) में भी प्रथम पुरस्कार अर्जित किया।

ये उपलब्धियां निफ्ट रायबरेली के डिजाइन, शिक्षा, साहित्य और खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले कुशल पेशेवरों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती हैं।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

स्नातक परियोजना (जी.पी.एस.):

शैक्षणिक वर्ष 2024 में, निफ्ट रायबरेली ने सभी विभागों के छात्रों के लिए स्नातक परियोजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया और उन्हें उनकी विशेषज्ञता और करियर लक्ष्यों के अनुरूप प्रतिष्ठित संगठनों में स्थान दिलाया। उल्लेखनीय रूप से, फैशन डिज़ाइन (एफडी) विभाग के 36 छात्रों ने अपनी परियोजनाएँ पूरी कीं, जिनमें से 23 ने उद्योग-आधारित जीपी और 13 ने अपने डिज़ाइन संग्रह (डीसी) प्रस्तुत किए। उनके मेजबान संगठनों में मैक्स-लैंडमार्क ग्रुप, मोंटे कार्लो, रस्टोरेंज, इंडाको जींस फैक्ट्री और टॉरस क्लोदिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रसिद्ध नाम शामिल थे।

एक्सेसरी डिजाइन (एडी) विभाग ने 26 छात्रों को टाइटन कंपनी लिमिटेड - तनिष्क, एमराल्ड ज्वेल इंडस्ट्री इंडिया लिमिटेड, आदित्य बिड़ला ग्रुप द्वारा नोवेल ज्वेल्स और एशियन स्टार सहित अग्रणी आभूषण और जीवन शैली डिजाइन कंपनियों के साथ जीपी पूरा करने में सक्षम बनाया।

इसी प्रकार लेदर डिजाइन (एलडी) विभाग के 24 छात्रों ने फैशन लिमिटेड, लिबर्टी शूज, वुडलैंड, लिगो ब्रांड्स और फिल्क मर्केंडाइजिंग जैसे प्रमुख फुटवियर और लेदर उत्पाद निर्माताओं के यहां अपना जीपी कराया।

फैशन कम्युनिकेशन (एफसी) विभाग के 30 छात्रों ने गेमिंग, रिटेल और डिजिटल ब्रांडिंग क्षेत्रों की गतिशील फर्मों में अपनी परियोजनाएं पूरी कीं जिनमें सुपरगेमिंग, स्टूडियो आईएमएमआरआई, फ्लाईबेरी, हेल्थ कार्ट और लिनोपेरोस शामिल हैं।

फैशन मैनेजमेंट स्टडीज (एफएमएस) विभाग ने भी सफल उद्योग सहयोग दर्ज किया जिसमें 2022-24 बैच के 28 छात्रों ने ट्राइबर्ग प्राइवेट लिमिटेड, एयरो आर्मर, वी मार्ट, आदित्य बिड़ला (पैंटालून्स) और कैरेटली जैसी फर्मों में परियोजनाएं पूरी कीं।

स्नातक समारोह:

एक्सेसरी डिज़ाइन, फ़ैशन डिज़ाइन, लेदर डिज़ाइन और फ़ैशन कम्युनिकेशन विभागों ने 31 मई 2024 को गोल्डन ब्लॉसम इंपीरियल रिज़ॉर्ट, लखनऊ में एक भव्य जीपी एंड डीसी शो 2024 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के भविष्य निधि आयुक्त, श्री नवीन कुमार कनौजिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मेसर्स एमएलके एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लिमिटेड के निदेशक, श्री शिशिर कपूर थे, और तिलसिम बाय सागरिका की संस्थापक, सुश्री सागरिका मेहरोत्रा विशिष्ट अतिथि थीं।

एफएमएस विभाग ने 29 मई 2024 को निफ्ट रायबरेली परिसर

में अपनी जीपी प्रस्तुति का आयोजन किया, जिसमें शिक्षा जगत और उद्योग जगत के प्रमुख अतिथि शामिल हुए, जिनमें डॉ. अरविंद राजवंशी (निदेशक, एम्स), प्रो. (डॉ.) नीरज कुमारी (डीन, एम्स), श्री समीर वर्मा (महाप्रबंधक, लुलु मॉल) और डॉ. भरत साह (पूर्व निदेशक, निफ्ट) शामिल थे।

इन आयोजनों ने न केवल स्नातक बैच के रचनात्मक और प्रबंधकीय कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि डिजाइन, फैशन और खुदरा क्षेत्रों में उद्योग के नेताओं के साथ निफ्ट रायबरेली के बढ़ते तालमेल को भी दर्शाया।

क्राफ्ट क्लस्टर पहल - गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

भारतीय शिल्पकला के संरक्षण और संवर्धन केलिए निफ्ट मिशन के अनुरूप निफ्ट रायबरेली ने 2024-25 के दौरान अपनी शिल्प क्लस्टर पहल के तहत कई आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया।

5 और 6 फरवरी 2025 को आयोजित प्रमुख कार्यक्रम, क्राफ्ट बाज़ार-2025, एक बड़ी सफलता थी। इसमें उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए कारीगरों ने अपनी विविध शिल्पकला का प्रदर्शन किया जिनमें अस्थि नक्काशी (बाराबंकी, लखनऊ), काष्ठकला और फैशन ज्वेलरी (नगीना, बिजनौर), कांच का काम (फिरोजाबाद), ज़रदोज़ी (बरेली), चिकनकारी (लखनऊ), टेराकोटा (लखनऊ), पत्थर की जाली का काम (वाराणसी), मूंज घास शिल्प (इलाहाबाद), हस्तनिर्मित दरी (मिर्जापुर), आदि शामिल हैं। इस कार्यक्रम में पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में सिल्क बोर्ड, लखनऊ के निदेशक श्री सुनील कुमार वर्मा और दूसरे दिन निफ्ट की महानिदेशक सुश्री तनु कश्यप (आईएएस)जी उपस्थित रहीं।

एक्सेसरीज़ डिज़ाइन (एडी) विभाग नेशिल्प-आधारित दस्तावेज़ीकरण परियोजनाओं (सीबीडीपी) और क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से निरंतर सहभागिता का प्रदर्शन किया। इनमें वाराणसी में लकड़ी की नक्काशी का दस्तावेज़ीकरण, लखनऊ और मैनपुरी में बोन नक्काशी और लकड़ी की जड़ाई (तारकशी) का अध्ययन और वाराणसी में गुलाबी मीनाकारी और लाख के खिलौने समूहों का एक विषयगत दौरा शामिल था। 3 मार्च से 5 मार्च 2025 तकमैनपुरी के तारकशी कारीगरों के साथ परिसर में एक कारीगर जागरूकता कार्यशाला (एएडब्ल्यू) आयोजित की गई।

फैशन डिज़ाइन (एफडी) विभाग ने सीआरडी और सीबीपीडी दोनों गतिविधियों का आयोजन किया। छात्रों ने ज़रदोज़ी (बरेली) और चिकनकारी (लखनऊ) शिल्प प्रदर्शनों में भाग लिया और जून 2024 से मार्च 2025 के बीच विभिन्न समूहों के डिज़ाइन दस्तावेज़ीकरण का काम पूरा किया। डीसी हस्तशिल्प कार्यालय, लखनऊ के विशेषज्ञ सत्रों के साथ एक एएडब्ल्यू और प्री-विज़िट ओरिएंटेशन भी आयोजित किया गया।

लेदर डिजाइन (एलडी) विभाग ने मथुरा के सांझी पेपर स्टैंसिल क्राफ्ट और फर्रुखाबाद के ब्लॉक प्रिंटिंग पर एक क्राफ्ट डायग्नोस्टिक्स अध्ययन का आयोजन किया, जिसमें एक कारीगर जागरूकता कार्यशाला और डीसी हस्तशिल्प सहायक निदेशक द्वारा निर्देशित प्रारंभिक सत्र शामिल थे।

फ़ैशन कम्यूनिकेशन (एफसी) विभाग मेंचौथे सेमेस्टर के छात्रों के लिए 9 से 21 जून 2025 तक एक क्राफ्ट रिसर्च डाक्यूमेन्टैशन विज़िट आयोजित किया गया।आयोजित किया गया।साथ ही, छठे सेमेस्टर के लिए 3 से 5 फ़रवरी 2025 तक एक एएडब्ल्यू (आर्टिकल वर्क्स वर्कशॉप) आयोजित किया गयाजिसमें 20 कारीगरों के साथ बातचीत की गई।

फैशन मैनेजमेन्ट स्टडीस (एफएमएस) विभाग ने शिल्प के व्यावसायिक और उद्यमशील आयामों पर ज़ोर दिया।छात्रोंने 18 से 20 नवंबर 2024 तक कार्यशालाओं के माध्यम से सरकारी योजनाओं, लागत निर्धारण, ब्रांडिंग और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के बारे में जानकारी प्राप्त की।क्षेत्रीयअनुसंधान के आधार पर व्यवसाय मॉडल विकास को सुगम बनाने के लिए 28 फरवरी से 4 मार्च 2025 तक क्राफ्ट रिसर्च डाक्यूमेन्टैशन (सीआरडी) विज़िट आयोजित किया गया।

फैशन टेक्नोलॉजी (बीएफटेक) विभाग ने 6 से 11 जून 2024 तक 5वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए क्राफ्ट क्लस्टर अध्ययन (सीसीएस) आयोजित किया, जिससे पारंपरिक शिल्प में तकनीकी एकीकरण सुनिश्चित हुआ।

सामूहिक रूप से इन गतिविधियों ने छात्रों को पारंपरिक भारतीय शिल्पकला की समृद्ध अंतर्दृष्टि प्रदान की जिससे वे विरासत को आधुनिक डिज़ाइन और व्यावसायिक संवेदनशीलता के साथ जोड़ पाए। बहु-विभागीय भागीदारी, निफ्ट रायबरेली की व्यावहारिक, अंतःविषयक शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो भारत की विविध शिल्प विरासत के प्रति प्रशंसा को बढ़ावा देती है।

पूर्वछात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएँ

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 मेनिफ्ट रायबरेली ने विभिन्न विभागों में कई विशेषज्ञ व्याख्यान, परामर्श सत्र और औद्योगिक दौरे आयोजित करके उद्योग के पेशेवरों, पूर्व छात्रों और शैक्षणिक सलाहकारों के साथ अपनी मजबूत भागीदारी जारी रखी।

एफएमएस विभाग ने 21 से ज़्यादा विशेषज्ञ सत्रों के माध्यम से छात्रों को रीटेल ऑपरेशन,डिजिटल मार्केटिंग, ओमनी-चैनल प्लानिंग, लक्ज़री ब्रांड मैनेजमेन्ट, ग्लोबल फ़ैशन बिजनस और सस्टैनबल प्रैक्टिसके बारे में गहन जानकारी प्रदान की। उल्लेखनीय योगदानकर्ताओं में सुश्री दीप्ति श्रीवास्तव, श्री तरुण सिंह नाहर, सुश्री विनीता वाघ, श्री अनुराग पटवारी और डॉ. आशीष भटनागर जैसे उद्योग विशेषज्ञ शामिल थे। श्री शशांक बरूआ, सुश्री शिवानी अग्रवाल, श्री उमेश कुमार और श्री अभिनव सिंह जैसे पूर्व छात्रों ने छात्रों को इंटर्नशिप की तैयारी, प्लेसमेंट से पहले की तैयारी, व्यवसाय योजना और न्यूरोमार्केटिंग, विशेष रूप से क्लस्टर अध्ययन और एकीकृत व्यावसायिक परियोजनाओं पर मार्गदर्शन दिया।

6 मई 2024 को आरआईसी विभाग द्वारा आयोजित पूर्व छात्र मार्गदर्शन और प्रशिक्षण सत्र एक उल्लेखनीय कार्यक्रम था। पूर्व छात्र विशेषज्ञ श्री कुणाल गुप्ता, श्री नीलमणि कुमार और उद्योग विशेषज्ञ श्री समिक सरकार ने ए.डी., एफ.डी., एफ.सी., एल.डी. और एम.एफ.एम. के छात्रों के लिए सत्र आयोजित किए। उन्होंने इंटर्नशिप संचालन, कौशल, नौकरी की तैयारी, वेतन वार्ता और पोर्टफोलियो निर्माण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की और समग्र उद्योग-उन्मुख मार्गदर्शन प्रदान किया।

फैशन कम्युनिकेशन (एफसी) विभाग ने स्टूडियो फ़ोटोग्राफ़ी, रिटेल में एआर/वीआर और एआई, पेपर इंजीनियरिंग और प्रिंट मीडिया में

फ़ैशन पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जिनका नेतृत्व श्री आलेख जौहरी, श्री बिट्टू प्रधान, श्री संजय कुमार और श्री चिरिंजीवी थापा जैसे विशेषज्ञों ने किया। इन सत्रों ने पारंपरिक संचार डिज़ाइन को उभरती तकनीकों से जोड़ा।

एक्सेसरी डिजाइन (एडी) विभाग ने उत्पाद फोटोग्राफी, पैकेजिंग और घरेलू सहायक उपकरण स्केचिंग पर डोमेन-विशिष्ट सत्र की पेशकश की जिसे श्री राजकिरण द्विवेदी, श्री हर्षित गुप्ता और श्री आयुष्मान ने प्रस्तुत किया जिससे फॉसटेरींग रियल वर्ड प्रोडक्ट स्टोरीटेलीन कौशल को बढ़ावा मिला।

फाउंडेशन प्रोग्राम डिजाइन (एफपी-डी) विभाग ने फैशन बेसिक्स, डिजाइन फंडामेंटल्स और इंटीग्रेटेड डिजाइन प्रोजेक्ट्स जैसे विषयों पर 10 विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए, जिनमें सुश्री अक्षिता बाजपेयी, श्री इमरान खान, सुश्री गीतिका कुमार, श्री भास्कर मिश्रा और अन्य का योगदान रहा।

इसी प्रकार, फाउंडेशन प्रोग्राम टेक्नोलॉजी (एफपी-टी) विभाग ने इंजीनियरिंग ड्राइंग और फैशन ओरिएंटेशन पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए, जिसमें सुश्री शेखर वर्मा और डॉ. वोतारिकरी नवीन कुमार शामिल थे जिन्होंने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया।

लेदर डिजाइन (एलडी) विभाग ने डॉ. आशीष माथुर, सुश्री सौम्या गुप्ता, श्री मृत्युंजय, सुश्री माधुरी मिश्रा और सुश्री अक्षिता बाजपेयी जैसे उद्योग विशेषज्ञों को लक्जरी ब्रांडिंग से लेकर गैर-लेदर प्रक्रियाओं और रचनात्मक लेदर फिनिश तक के विषयों पर सत्र आयोजित करने के लिए नियुक्त कियाजिससे लेदरऔर फैशन सहायक उपकरण बाजार में उभरते वैश्विक रुझानों के बारे में छात्रों का ज्ञान बढ़ा।

फैशन डिज़ाइन (एफडी) विभाग ने कई उद्योग भ्रमणों और आउटबाउंड कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा को समृद्ध कियाजिनमें इंडेको जींस (मुंबई), भारत टेक्स (नई दिल्ली), और एआरएन एक्ज़िम व यूनाइटेड एक्ज़िम के यात्रा शामिल थेजहाँ कस्टम मेन्सवियर, डेनिम वियर, पूर्वानुमान और फैशन नवाचार पर ध्यान केंद्रित किया गया। छात्रों ने के वी आई सी सिल्वर प्लांट और खजुराहो के आदिवर्त जनजातीय संग्रहालय का भी दौरा किया, जहाँ उन्हें सांस्कृतिक और औद्योगिक डिज़ाइन प्रथाओं का अनुभव प्राप्त हुआ।

फैशन टेक्नोलॉजी (बीएफटेक) विभाग ने परिधान उत्पादन योजना, लीन मैनेजमेन्ट फैब्रिक साइंस और मैन्ट्नन्स पर विशेषज्ञ सत्रों की मेजबानी की जिसका नेतृत्व उद्योग के पेशेवरों और पूर्व छात्रों जैसे श्री नवीन राजकुमार, श्री अभिषेक मालवीय, श्री सौरभ आर्य और श्री प्रशांत वर्मा ने किया।

इन सेमिनारों, कार्यशालाओं और साइट विजिट ने सामूहिक रूप से यह सुनिश्चित किया कि सभी विभागों के छात्र समकालीन ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव और कैरियर-केंद्रित प्रशिक्षण के साथ उद्योग के लिए तैयार हों।

प्रमुख उद्योग संपर्क / उद्योग संपर्क

निफ्ट रायबरेली ने अपनी क्षेत्रीय उद्योग समन्वयक (आरआईसी) इकाई के माध्यम से फैशन, खुदरा और संबद्ध क्षेत्रों के प्रमुख संगठनों के साथ संबंधों को मज़बूत करना जारी रखा। इस वर्ष की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक उच्च-मूल्यवान भूमिकाओं में छात्रों का सफल प्लेसमेंट रहा जो निफ्ट की प्रतिभाओं में उद्योग जगत के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। सुश्री ज्योति कुमारी पांडे (एमएफएम-2024) ने ट्राइडेंट ग्लोबल कॉर्प लिमिटेड (टीजीसीएल), लुधियाना में ₹18 लाख प्रति वर्ष के प्रभावशाली पैकेज के साथ श्रेणी प्रबंधक का पद हासिल किया। इसी प्रकार श्री राजकुमार जी (एफसी-2024) को सुमित्सु अपैरल प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम में क्रिएटिव डिज़ाइनर और सोशल मीडिया मैनेजर के रूप में ₹14.4 लाख के वार्षिक पैकेज के साथ नियुक्त किया गया।

संस्थागत-उद्योग सहयोग में एक ऐतिहासिक घटना 6 सितंबर 2024 को निफ्ट पूर्व छात्र एवं उद्योग सलाहकार बोर्ड (एनएआईएबी) के अंतर्गत परिसर-स्तरीय सलाहकार बोर्ड की बैठक का आयोजन थी।इस बोर्ड में हितधारकों का एक संतुलित मिश्रण शामिल था: श्री नंदन सिंह बोरा (परिसर निदेशक), श्री प्रवीण श्रीवास्तव (सीएसी), वरिष्ठ संकाय, श्री गुंजन करमाकर, सुश्री प्राची प्रणति और श्री अनुपम सिंह सहित पूर्व छात्र, और उद्योग पेशेवर श्री सौरभ मल्होत्रा और श्री सौमिक सरकार, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि निफ्ट की शैक्षणिक दिशा वास्तविक उद्योग की माँगों के अनुरूप बनी रहे।

व्यापक स्तर पर, निफ्ट रायबरेली ने 2025 बैच के लिए अपने प्लेसमेंट अभियान के तहत 300 से अधिक कंपनियों से संपर्क कियाजो अपने स्नातकों के लिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करने के लिए परिसर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इसके अलावा, आरआईसी इकाई ने पूर्व छात्र/उद्योग समाचार पत्र "वीकनेक्ट" में त्रैमासिक योगदान दिया, जिससे संस्थान और इसके बढ़ते पूर्व छात्र आधार के बीच संचार सेतु मजबूत हुआ।

सस्टैनबिलिटी ऐस्पेक्ट एण्ड ग्रीन कॅम्पस ऐक्टिविटी

एक स्वच्छ, हरित और अधिक जागरूक परिसर वातावरण की खोज में, निफ्ट रायबरेली ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान प्रभावशाली स्थिरता और पर्यावरण-अनुकूल पहलों की एक श्रृंखला शुरू की।शैक्षणिक और आवासीय क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन, पुनर्चक्रण और पुनर्चक्रण पर विशेष जोर दिया कार पड़ी सामग्रियों के अभिनव उपयोग के माध्यम से, परिसर ने स्क्रैप को कार्यात्मक और सजावटी प्रतिष्ठानों में बदल दिया, जिसे विशेष रूप से स्पेक्ट्रम 2025 और अन्य शैक्षणिक डिजाइन परियोजनाओं के भाग के रूप में आयोजित “बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट” प्रतियोगिताओं के दौरान उजागर किया गया।

परिसर में 1 से 15 मार्च 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया, जिसके दौरान सफाई अभियान, फाइलों की समीक्षा और निपटान, तथा पुरानी वस्तुओं को हटाने जैसे कार्य कुशलतापूर्वक किए गए।इन प्रयासों ने सामूहिक रूप से स्वच्छ भारत मिशन को बल दिया, जिससे छात्रों और कर्मचारियों के बीच स्वच्छ स्थान और पर्यावरण जागरूकता इन प्रयासों को पूरा करने के लिए, “एक पेड़ माँ के नाम" थीम के तहत परिसर-व्यापी वृक्षारोपण अभियान समय-समय पर चलाया गया, जिससे परिसर की हरित संस्कृति को बल मिला।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उत्सवों के साथ तालमेल बिठाते हुए कई पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

(9 सितंबर 2024), विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर 2024), अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2024) और अंबेडकर जयंती (14 अप्रैल 2024) शामिल थे। छात्रों और शिक्षकों ने शहीद दिवस (30 मार्च 2025) और संविधान दिवस (26 नवंबर 2024) जैसे सार्थक आयोजनों में भाग लिया।

नागरिक और देश भक्तिपूर्ण जुड़ाव के एक हिस्से के रूप में निफ्ट रायबरेली ने हर घर तिरंगा आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसमें छात्रों और कर्मचारियों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी लेकर और संबंधित रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर भारत के गौरव का जश्न मनाया। इसके अतिरिक्त स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2024), जन्माष्टमी (26 अगस्त 2024), लोहड़ी (13 जनवरी 2025) और गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2025) जैसे सांस्कृतिक उत्सव उत्साह के साथ मनाए गए जिससे एकता और परंपरा की भावना का पोषण हुआ।

एसडीएसी विभाग ने कन्वर्ज (23-25 अक्टूबर 2024) और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च 2025) जैसे कार्यक्रमों में छात्र भागीदारी के समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाई जिसे "सर्कुलर हैंडलूम मॉडल" जैसे टिकाऊ विषयों पर निबंध लेखन और लोगो-निर्माण जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं द्वारा पूरित किया गया।

इन बहुमुखी प्रयासों के माध्यम सेनिफ्ट रायबरेली ने स्थिरता, सांस्कृतिक समावेशिता और पर्यावरणीय चेतना को अपने संस्थागत डीएनए में समाहित कर लिया हैजिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र न केवल पेशेवर के रूप में बल्कि कल के जिम्मेदार नागरिक के रूप में भी स्नातक हों।

शिलांग

जून 2008 में स्थापित राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) शिलांग, उमसावली, मेघालय में स्थित एक प्रमुख डिज़ाइन और फैशन शिक्षा संस्थान है। यह निफ्ट के भारत भर में स्थित 18 अन्य परिसरों में नेटवर्क का हिस्सा है, जो फैशन और डिज़ाइन में विशिष्ट कार्यक्रम प्रदान करता है। यह केंद्र फैशन डिज़ाइन,एक्सेसरी डिज़ाइन, टेक्सटाइल डिज़ाइन और फैशन कम्युनिकेशन में बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन कार्यक्रमों के साथ-साथ प्रबंधन में मास्टर कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

परिसर की महत्वपूर्ण उपलब्धियां एवं लैंडमार्क

निफ्ट शिलांग परिसर का उद्घाटन: निफ्ट शिलांग परिसर का उद्घाटन 25 अक्टूबर 2024, वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह द्वारा किया गया। माननीय विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री, भारत सरकार, सम्मानित अतिथि थे।

एमओयू पर हस्ताक्षर: संगठनों और संस्थानों के साथ बेहतर आउटरीच और सहयोग के लिए, शिलांग कैंपस ने निम्नलिखित संस्थानों के साथ एमओयू में प्रवेश किया हैं:

(I) उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हैंडलूम विकास निगम लिमिटेड

(II) आईआईएम शिलांग: निफ्ट शिलांग के संकाय ने संकाय अभिविन्यास अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है।

(III) आईआईई गुवाहाटी एवं एनईएचएचडीसी गुवाहाटी: कौशल आधारित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और विभिन्न डिज़ाइन हस्तक्षेप गतिविधियों का पता लगाने के लिए चर्चा की गई

महत्वपूर्ण दिनों का पालन एवं उत्सव

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024: निफ्ट शिलांग ने विश्व के बाकि हिस्सों के साथ 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 पर "स्वयं और समाज के लिए योग" थीम पर जश्न मनाया। हमारे कैंपस निदेशक, श्री शंकर कुमार झा के साथ संकाय, कर्मचारी, छात्र योग के कायाकल्प सत्र के लिए निफ्ट शिलांग में एकजुट हुए। उत्तर पूर्वी आयुर्वेद और होमियोपैथी संस्थान (एनईआईएएच) हीलांग के प्रशिक्षक इस समृद्ध अनुभव के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन करने के लिए वहां मौजूद थे।

राष्ट्रीय हथकरघा सप्ताह 2024: निफ्ट शिलांग ने 7 अगस्त 2024 को निफ्ट शिलांग परिसर में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जहां छात्रो के बीच फैशन शो, सेल्फी प्रतियोगिता, टैगलाइन प्रतियोगिता और लोगो बनाने जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गई। छात्रों को पुरस्कार भी वितरित किए गए। संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने भी हस्तशिल्प उत्पादों का प्रचार करने के लिए नंदुम पोषक पहनी।

निफ्ट शिलांग ने मेघालय सरकार के वस्त्र विभाग द्वारा आयोजित हथकरघा दिवस 2024 के राज्य समारोह में शिलांग के सोसो थाम ऑडिटोरियम में हथकरघा दिवस प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की।

स्वतंत्रता दिवस 2024: निफ्ट शिलांग ने 15 अगस्त, 2024, को भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में देशभक्ति, रचनात्मकता और सामुदायिक भावना से ओतप्रोत कई कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की। निफ्ट शिलांग ने वृक्षारोपण अभियान, सांस्कृतिक और रहच्नात्मक समारोह, उत्कृष्टता सम्मान और राजव्यापी समारोहों में भागीदारी सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

दिल्ली हाट 2024: 1 से 15 सितम्बर तक पूर्वोत्तर क्षेत्र के कारीगरों का प्रतिनिधित्व करते हुए, सात कारीगरों ने छाप निफ्ट @दिल्ली हाट 2024 में भाग लिया। स्थानीय रूप से प्राप्त प्राकृतिक कच्चे माल से निर्मित विभिन्न प्रकार के दस्तकारी उत्पाद भी इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किए गए। इस कार्यक्रम की स्थापना शिलांग स्थित डाक्ति क्राफ्ट ने की थी। इस क्राफ्ट की स्थापना एक पूर्व छात्र ने की थी।

छाप निफ्ट @दिल्ली हाट का आयोजन इफ्त क्राफ्ट क्लस्टर पहल को प्रादार्षित करने और निफ्ट के छात्रों, पूर्व छात्रों और कारीगरों जे बीच रचनात्मक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। इस कार्यक्रम में नागालैंड की एक लोई करघा बुनकर सुश्री नुतालू को सर्वाधिक नवीं अरिसन-हैंडलूम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हिंदी पखवाड़ा 2024: निफ्ट शिलांग ने 14 सितम्बर 2024 से 30 सितम्बर, 2024 तक परिसर में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया। हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन 17 सितम्बर, 2024 को परिसर निदेशक द्वारा किया गया। अधिकारीयों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए श्रुतलेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता, हिंदी आशु भाषण प्रतियोगिता,, हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिंदी टाइपिंग गति प्रतियोगिता जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 निफ्ट शिलांग में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2024 तक: निफ्ट शिलांग ने शपथ ग्रहण समारोह सहित उद्घाटन समारोह के साथ स्वच्छता अभियान 2024 का आयोजन किया। कमरों, छात्रावासों, कैंटीन की सफाई, परिसर की परिधि के आसपास से प्लास्टिक कचरे को हटाने जैसी अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। टिकाऊ फैशन और उपभोग्य वस्तुओं के भण्डारण स्क्रैप के निपटान, साइबर स्वच्छता आदि के पालन पर कार्यशाला आयोजित की गई।

रक्तदान शिविर 2024: निफ्ट शिलांग परिसर में 1 अक्टूबर 2024 को रक्तदान शिविर लगाया गया। निफ्ट शिलांग द्वारा मेघालय एसबीटीसी और लाइसेंस प्राप्त रक्त केंद्र, निग्रिम्सअस्पताल, शिलांग के सहयोग से आयोजित शिविर में निफ्ट शिलांग के अधिकारीयों, संकाय सदस्यों, कर्मचरियों और छात्रों ने शपथ लेने के साथ भाग लिया।

खादी उत्पादों की प्रदर्शनी: गांधी जयंती के अवसर पर, निफ्ट शिलांग ने शिलांग स्थित गवर्नर हाउस में खादी उत्पादों की एक विशेष प्रदर्शनी लगायी। इस अवसर पर स्वदेशी आन्दोलन का सम्मान किया गया और आत्मनिर्भरता एवं टिकाऊ फैशन के प्रतिक के रूप में खादी के महत्त्व पर ज़ोर दिया गया।

पूर्व छात्र मिलन समारोह: निफ्ट शिलांग के पूर्व छात्रों मिलन समारोह का आयोजन 25 अक्टूबर 2024 को शाम 4:00 बजे परिसर में दीक्षांत समारोह के बाद किया जाएगा। खादी महोत्सव 2024-29 अक्टूबर, 2024 निफ्ट शिलांग और असम टेक्सटाइल इंस्टिट्यूट गुवाहाटी के संकाय सदस्यों और छात्रों ने ग्रामीण समुदायों को रोजगार प्रदान करने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए खादी और एनी स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 29 अक्टूबर 2024 को निफ्ट शिलांग परिसर में कड़ी महोत्सव मनाया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024: -28 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2024 तक निफ्ट शिलांग ने 28अक्टूबर, 2024 को "राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति" विषय पर एक शपथ ग्रहण समारोह के साथ सतर्कता सप्ताह 2024 मनाया। 30 अक्टूबर, 2024 को छात्रों द्वारा राष्ट्र की अखंडता पर नुक्कड़ नाटक जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। 1 नवंबर, 20२२४ को निफ्ट शिलांग के कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए "भ्रष्टाचार विरोधी" इश्य पर चित्रकला/पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। 30 अक्टूबर, 20 =24 को निफ्ट शिलांग परिसर में श्री प्रमोद मंती, डीआईजी, सीबीआई शिलांग द्वारा सतर्कता जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित की गई।

40वां निफ्ट स्थापना दिवस २२-जनवरी 2025: राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) शिलांग ने 22 जनवरी, 2025 को अपना ४०वां स्थापना दिवस मनाया, जो फैशन शिक्षा और नवाचार में उत्कृष्ट के चार दशकों का प्रतिक है। यह समारोह निफ्ट परिसरों में संस्थान की वरिसत और उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा था। इस दिवस को पर्यावरण क्लब द्वारा वृक्षारोपण, फोटोग्राफी क्लब द्वारा फोटोग्राफी प्रदर्शनी, फोटोग्राफी स्कूब द्वारा रील मेकिंग एवं सोसिला मीडिया तथा एथिक्स एवं सोशल मीडिया क्लब जैसे कार्यक्रमों के साथ मनाया गया।

76वां गंतंत्रण दिवस– 26 जनवरी, 2025 : 76वें गंतंत्रण दिवस समारोह का नेतृत्व निफ्ट शिलांग के निदेशक द्वारा परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया और राष्ट्र की लोकतांत्रिक विरासत को याद करने के लिए परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन और छात्रों के नेतृत्व वाली गतिविधियाँ आयोजित की गई।

निफ्ट स्पेक्ट्रम 2025 – 07 एवं 08 मार्च, 2025: निफ्ट शिलांग का फैशन स्पेक्ट्रम 2025, 7 एवं 8 मार्च, 2025 को आयोजित, रचनात्मक, नवाचार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक जिवंत और बहुआयमी उत्सव था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में निफ्ट शिलांग के छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ। निफ्ट शिलांग स्पेक्ट्रम 2025 का विषय "फिएस्टा" था, यह उत्सव प्रतिभागियों को अपनी दुनिया में रंग भरने और एक कार्निवल के जीवंत माहौल का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करता था। पद्मश्री पेट्रिसिया मुखिम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया और छात्रों की रचनात्मक की सराहना की। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भी आयोजित हुआ और श्रीमती मुखिम में भाषण में महिला सशक्तिकरण के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

क्राफ्ट बाज़ार 2025: क्राफ्ट बाज़ार 2025, 25 एवं २६ मार्च, 2025 को एंटोन हॉल, डॉन बोस्को रोड, लैटउम्ख्राह में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन संस्कृतियों से जुड़ी हस्तशिल्प वस्तुओं की एक श्रृंखला प्रदर्शित की गई। इस आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक शिल्प कौशल को बढ़ावा देना, स्थानीय कारीगरों का समर्थन करना और अद्वित्य एवं टिकाऊ भारत में निर्मित उत्पादों को उजागर करना था।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएँ

उमसावली में स्थित निफ्ट शिलांग स्थायी परिसर के निर्माण के पहले चरण में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं (पैटर्न निर्माण, परिधान निर्माण करघे, रंगाई और छपाई, वीएम, फोटोग्राफी), विशेष कक्षों (वीसी/समूह चर्चा/रिकॉर्ड के लिए) छात्रावासों (लड़के और लड़कियों के लिए) और संकाय कर्मचारियों के आवास, अतिथि गृह और प्रशासनिक ब्लॉक सहित कई प्रकार की बुनियादी संरचनाएं मौजूद हैं।

अल्पकालिक कार्यक्रम

- 22 मई, 2024 को, डॉन बोस्को टेक्निकल स्कूल, लाईटउमख्राह, शिलांग के 25 प्रशिक्षुओं के एक समूह ने फादर ओर्केडियस के नेतृत्व में निफ्ट शिलांग परिसर में एक शैक्षिक भ्रमण किया। प्रशिक्षुओं को टीडी लूम लैब, एफडी गारमेंट कंस्ट्रक्शन एंड पैटर्न मेकिंग लैब और एडी वर्कशॉप में प्रदर्शन दिखाए गए।

उन्होंने चमड़ा अनुभाग का भी दौरा किया और संसाधन केंद्र में प्रदर्शित विभिन्न उत्पादों का अवलोकन भी कराया गया।

- परिधान संबंधी गतिविधियों में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान-करने के उद्देश्य से एक शैक्षिक प्रदर्शन यात्रा के हिस्से के रूप में, नार्थईस्ट इंस्टिट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज (एनईएलपीएस) एक कौशल प्रशिक्षण प्रदाता और पश्चिम खासी हिल्स, मेघालय के आजीविका प्रमोटर, ने शुक्रवार, 21 जून, 2024 को हमारे प्रिसरका दौरा किया। समूह में 30 प्रशिक्षु शामिल थे, जिनके साथ उनके प्रशिक्षक भी थे।
- शुक्रवार, 9 अगस्त, 2024 को, बेलेफोंटे कम्युनिटी कॉलेज, लुमश्यिआप गोल्फ लिंक, शिलांग के ड्रेस मेर्किंग प्रशिक्षुओं ने हमारे परिसर का दौरा किया। ये 26 प्रशिक्षु, 2 प्रशिक्षकों और उनके परियोजना समन्वयक के साथ, मेघालय राज्य कौशल विकास सोसाइटी (MSSDS) के अंतर्गत नामांकित हैं। उनके इस दौरे का उद्देश्य उनके शैक्षिक कार्यक्रम के तहत ड्रेसमेर्किंग, परिधान निर्माण और संबंधित गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना था।
- परिधान उद्योग में अपने व्यावहारिक ज्ञान और कौशल को और बढ़ाने के लिए, नॉर्थईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (NEIPS), नोंगस्टोइन, मेघालय के एक अन्य समूह ने MSSDS के सहयोग से 3 सितंबर, 2024 को परिसर का दौरा किया। इस दौरे में उन्हें परिसर की प्रयोगशालाओं और परिधानों, वस्त्रों और सहायक उपकरणों से संबंधित सुविधाओं का अनुभव प्राप्त हुआ। इस सत्र में कुल 30 प्रशिक्षुओं और 2 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

प्रमुख परियोजनाएँ

निफ्ट शिलांग पारंपरिक शिल्प कौशल को बढ़ावा देने, डिज़ाइन शिक्षा को बढ़ावा देने और फ़ैशन उद्योग में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के उद्देश्य से कई परामर्श और सहयोगात्मक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। यहाँ कुछ प्रमुख पहल दी गई हैं:

- मणिपुर और नागालैंड की लियांगमाई, रोंगमेई और ज़ेमे जनजातियों के पारंपरिक वस्त्रों और वेशभूषा का दस्तावेजीकरण।

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियाँ

- सुश्री खुशी कोहली, एमएफएम तृतीय सेमेस्टर और श्री इशान रहमान, एडी सप्तम सेमेस्टर को वस्त्र विभाग, मेघालय सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह 2024 में सर्वश्रेष्ठ स्थापना पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- एफ एंड एलए के छात्र अनुराग कुमार (तृतीय सेमेस्टर एडी), नव्या अग्रवाल (तृतीय सेमेस्टर एडी), वैभवी सिंह (7वें सेमेस्टर एडी) और श्रेया सिंह (7वें सेमेस्टर एडी) को आरबीआई90 क्विज राज्य स्तरीय राउंड में भाग लेने के लिए चुना गया है, जो 18 अक्टूबर 2024 को कोर्टयार्ड बाय मैरियट, शिलांग में आयोजित किया गया था।
- सुश्री मैत्री जोशी, एफ एंड एलए, पूर्व छात्र 2024, को 18वें पुणे डिजाइन फेस्टिवल 2024 में एसोसिएशन ऑफ डिजाइनर्स इंडिया के तहत बैटल ऑफ प्रोजेक्ट्स प्रतियोगिता में क्राफ्ट बेस्ड डिजाइन श्रेणी में दूसरा रनर अप पुरस्कार मिला। यह छात्र के सीबीडीपी प्रोजेक्ट, एफ एंड एलए विभाग का काम था जो नवंबर 2023 में उमदेन, री भोई, मेघालय में किया गया था।
- नयनिका कौशिक ने 26.11.23 को निफ्ट, कांगड़ा में सतत डिजाइन प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फैशन उद्योग में 3डी प्रिंटिंग सामग्री की पुनर्कल्पना: एक सतत भविष्य की ओर" विषय पर एक सम्मेलन पत्र प्रस्तुत किया।
- शिवांग चौहान ने जुलाई 2024, खंड 2, अंक 2 पर द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्ट्स, आर्किटेक्चर एंड डिज़ाइन के लिए "बांस खेल: पर्यावरण के अनुकूल खेल डिजाइन" पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में फैशन शो में आर्य बोरहाडे एफपी II, जॉर्ज वर्गीस एफपी II, हर्षिता गुणसेकरन, एफसी III, माही सोलानी एफसी III, सनाह वर्गीस एडी वी, ककष्णा अय्यनारसामी एडी III, लावण्या मनेश एडी III, हर्षिता डागर एडी III, रानिया रशीद टीडी III और त्रिशिता गांगुली एफडी III ने फैशन शो में भाग लिया। IFFI, गोवा 24 नवंबर 2024 को आयोजित हुआ।

स्नातक परियोजनाएं और स्नातक कार्यक्रम

फैशन डिजाइन, एक्सेसरी डिजाइन, टेक्सटाइल डिजाइन, फैशन कम्युनिकेशन और मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट की पांच धाराओं में 2024 के स्नातक बैचों ने 31 मई, 2024 को अपने स्नातक शो के दौरान रचनात्मकता और नवाचार की पराकाष्ठा का प्रदर्शन किया।

फैशन डिजाइन विभाग (फैशनोवा) 2024: छात्रों ने अरविंद एक्सपोर्ट्स, करण स्मार्टएक्स, मैक्स रिटेल, आदित्य गुप्ता आदि कंपनियों में अपने प्रोजेक्ट पूरे किए। कुछ छात्रों ने परिसर में ही अपने स्वयं के डिजाइन संग्रह विकसित किए।

फैशन और लाइफस्टाइल विभाग की मुख्य विशेषताएं (डिजाइन शोकेस) 2024: छात्रों ने तनिष्क, रिलायंस रिटेल, अमामा ज्वेल्स, दक्ती क्राफ्ट, आरना ज्वेल्स, इंडीगुड, कोड बी, इकोनॉक, बेअभिका ज्वेल्स, केआरईए, एफसिक्स होम्स, सिपोलॉजी आदि कंपनियों में अपने प्रोजेक्ट पूरे किए।

टेक्सटाइल डिजाइन विभाग (तंतू) 2024: छात्रों ने लाइफस्टाइल इंटरनेशनल, वर्धमान टेक्सटाइल्स, सुकेतधीर, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, हाउस ऑफ सिद्धार्थ के कक्कड़, कावेरी, रतन टेक्सटाइल्स, लाइव लिनन आदि कंपनियों में अपने प्रोजेक्ट पूरे किए।

फैशन संचार विभाग (स्नातक शोकेस) 2024: छात्रों ने COEK, TWEAK INDIA, द हाउस ऑफ एस्टर, मित्रा डिजाइन, टॉफल, वाइल्ड वीएफएक्स, एकाया बनारस, लोगेलाइट प्राइवेट लिमिटेड, द मिनिमलिस्ट, सेवन लीजर, डेलीऑब्जेक्ट्स, लैंडमार्क ग्रुप, वॉलनट फोल्क्स ग्रुप, डीवीआईओ डिजिटल आदि कंपनियों में अपने प्रोजेक्ट पूरे किए।

फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग (द बॉटम लाइन) 2024: छात्रों ने कुछ प्रसिद्ध कॉर्पोरेट घरानों जैसे कि बीबा फैशन, स्नैपडील, शाही एक्सपोर्ट्स, ट्राइबर्ग सोर्सिंग, सिल्वर स्पार्क, यूनाइटेड कलर्स ऑफ

बेनेटन, जिवामे, लियो बर्नेट, अरमानी एक्सचेंज, रैंगलर, लैकोस्टे, लैंडमार्क ग्रुप, रिलायंस ब्रांड्स, पेपे जींस, एएमपीएम फैशन, ब्यूगो टेक्नोलॉजीज आदि में प्रोजेक्ट किए हैं। कार्यक्रम में श्री चेराकुंग जेलियांग (आई.एफ.एस.), प्रमुख - क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पूर्वोत्तर, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की गरिमामय उपस्थिति रही।

शिल्प क्लस्टर पहल- गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

क्राफ्ट क्लस्टर पहल निफ्ट के छात्रों को शिल्प क्षेत्र की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने और क्षेत्रीय संवेदनशीलता, विविधता, संसाधनों और पर्यावरण की गहरी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। 2016 से, इस पहल के माध्यम से, निफ्ट ने शिल्प को फैशन में और इसके विपरीत, शिल्प को फैशन में आत्मसात करने के बारे में व्यापक जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा करने में सफलतापूर्वक सफलता प्राप्त की है। क्राफ्ट क्लस्टर पहल कार्यक्रम का उद्देश्य निफ्ट के छात्रों को भारत के विविध रूप से समृद्ध और अद्वितीय हथकरघा और हस्तशिल्प से हर साल व्यवस्थित, निरंतर और नियमित रूप से परिचित कराना है।

- फैशन डिजाइन विभाग के छात्रों ने लोइन लूम वस्त्रों का अध्ययन करने के लिए अपने शिल्प दौरे के हिस्से के रूप में नागालैंड का दौरा किया, जो किगवेमा (कोहिमा), वोखा क्लस्टर और पैरेन क्लस्टर में 5 से 15 जून 2024 तक आयोजित किया गया था।
- सहायक डिजाइन विभाग के छात्रों ने अपनी शिल्प गतिविधि के एक भाग के रूप में धातु आभूषण निर्माण का अध्ययन करने के लिए 5 से 14 जून 2024 तक असम के बारपेटा क्लस्टर का दौरा किया।
- फैशन कम्युनिकेशन विभाग के छात्रों ने अपने शिल्प क्लस्टर गतिविधि के भाग के रूप में 03 से 07 जून 2024 तक मेघालय के मावकासियांग में NELA हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र सह उत्पादन इकाई का दौरा किया।
- वस्त्र डिजाइन विभाग के छात्रों ने 6 से 16 जून 2024 तक शेरडुकपेन, मिजी/सजोलंग, अका और बुगुन जनजातियों के बुने हुए वस्त्रों का अध्ययन करने के लिए अपनी शिल्प यात्रा के हिस्से के रूप में अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएँ

निफ्ट शिलांग अकादमिक-उद्योग साझेदारी की मजबूत करने के लिए प्रयासरत है, जिसके लिए निचले से लेकर माध्यम और शीर्ष अधिकारीयों तक, सभी कार्य स्तरों पर उद्योग जगत के नेताओं और व्यावसायिक घरानों के साथ नियमित रूप से निरंतर उद्योग संपर्क, दौरे और कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन प्रयासों से उद्योग संबंधों में सुधार हुआ है और कई उद्योग सहयोगी परियोजनाएं संभव हुई हैं, जिससे संस्थान-उद्योग साझेदारी को समग्र रूप से बढ़ावा मिला है। विशेषज्ञों के नाम और उनके संबंधित विषय नीचे दिए गए हैं।

- आस्था सेठ- कॉउचर और प्रेट के लिए मूल्य संवर्धन
- अभिनंदन प्रताप सिंह- फैशन में विलासिता का अवलोकन
- अंजलि पुरोहित- फैशन के रुझान और पूर्वानुमान
- अपूर्व गुप्ता- पोर्टफोलियो डिज़ाइन
- आशीष बाकलीवाल- 3D CAD विनिर्माण और समकालीन विनिर्माण
- अश्विनी कुमार- व्यवसाय योजना और एकीकृत परियोजना
- अविरल मिश्र- डिजिटल उत्पाद डिज़ाइन
- बाकनतिएव स्टीव लींगदोह - डिजिटल डिज़ाइन संचार
- बेनाज़ अनाम- फैशन ब्रांड प्रबंधन
- बिभूदत्ता साहू- पारिवारिक व्यवसाय और सामाजिक उद्यमिता का प्रबंधन
- डॉ.द. उदय कुमार- रंग मनोविज्ञान
- डॉ.द. उदय कुमार- प्रकाशन डिज़ाइन
- डॉ.द. उदय कुमार - सुलेख कार्यशाला
- डॉ.इटावांडा साईबॉर्न - बैंडिंग और प्रमोशन
- फ्रेद्दी म. माजाव- उत्पाद स्टाइलिंग
- इमसेननारों लोंगकुमेर - शिल्प आधारित उत्पाद विकास
- जसप्रीत सिंह मेहानदीरत्ता - कपड़े की गुणवत्ता आश्वासन
- कुंदन कुमार- फैशन अवधारणा और व्यवसाय अवलोकन
- लाईशाह रमबाई - उद्यमिता और सतत व्यावसायिक प्रथाएँ
- मेबानशानबोर मारबानियांग - चलती छवियां और संपादन
- मेंदोन पारिआत- शिल्प आधारित डिजाइन परियोजना
- निंगनिंग- डिजिटल मार्केटिंग एनालिटिक्स
- प्रकाश किशोर - डिजाइन और समाज
- प्रतिष्ठा गोहाईन- फैशन स्टाइलिंग
- प्रो. अमरेन्द्र कुमार दास- डिज़ाइन विवरण
- प्रो.डेस्मंड ल. खारमावफलांग - कहानी सुनाना और आख्यान
- प्रो.डेस्मंड ल. खारमावफलांग - शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन
- प्रो. करुना कलिता- स्मार्ट तंत्र
- प्रो. साशीनद्र कर. ककोटी- शिल्प क्षेत्र में नई विधियों और प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग
- राजीव दास - शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन
- राजलक्ष्मी पेगू - शिल्प डिजाइन परियोजना
- रुग्येद क्षितिज पतुकले- इंटर्नशिप दिशानिर्देश
- रुपाली धीमान- वस्त्र उद्योग में नवाचार
- संघमित्र कलिता- प्रिंट डिज़ाइन: हाथ और डिजिटल
- संकिरंद ल खोंगविर - सेलिब्रिटी संस्कृति और फोटोग्राफी
- संतिडोरा नोंगप्लूह- प्रस्तुति तकनीक
- संतिडोरा नोंगप्लूह - उत्पाद फोटोग्राफी
- सत्यारंजन बैरागी - सतह अलंकरण
- सायन नाथ- फैशन स्टाइलिंग और विज़ुअल कम्युनिकेशन
- शोभित द्विवेदी- पोर्टफोलियो डिज़ाइन
- थॉमस लिम- पारिवारिक व्यवसाय और सामाजिक उद्यमिता का प्रबंधन
- थॉमस लिम - फैशन विज्ञापन एवं प्रचार

प्रमुख उद्योग संपर्क/उद्योग संपर्क

निफ्ट शिलांग के तीन बी. डिज़ाइन छात्रों कू आगामी सत्र से एफआईटी, न्यूयार्क में एक वर्षीय एएएस के लिए चुना गया है।

सुश्री आर. राघवी राम (टेक्सटाइल डिज़ाइन), सुश्री सेजल गोयल (फैशन संचार) और श्री स्पर्श गर्ग (फैशन डिज़ाइन)।

स्थिरता पहलु और हरित परिसर गतिविधियाँ

1. नवीकरणीय उर्जा उपयोग: स्तःयी परिसर में सभी भवनों की छतों पर सौर एसपीवी पॉवर प्लांट स्थापित किए जाएंगे। निफ्ट शिलांग फैशन उद्योग के भीतर टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए अपने संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठा सकता है।
2. रखरखाव, हरित खरीद और अपशिष्ट प्रबंधन निफ्ट शिलांग यह सुनिश्चित करता है कि परिसर का रखरखाव टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल मानकों के अनुरूप हो। जैव-निम्नकरणीय कचरे के निपटान के लिए परिसर में हरे उर नील रंग के कूड़ेदान रखे जाते हैं। संस्थान न केवल संचालन में हरित सिद्धांतो को अपनाता है, बल्कि उन्हें छात्रों के शिक्षण और डिज़ाइन संबंधी सोच में भी एकीकृत करता है, जिससे फैशन और कपड़ा उद्योग में व्यापक प्रभाव पड़ता है।
3. जल पदचिह्न निफ्ट शिलांग कुशल संरक्षण, पुनर्चक्रण और संचयन प्रथाओं के माध्यम से अपने जल पदचिह्न को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो इसे एक हरित और आत्मनिर्भर परिसर बनाने के साथ संरेखित करता है।
    - सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) : एसटीपी का निर्माण स्थायी परिसर में किया गया है। एसटीपी से निकले जाने वाले उपचारित जल का उपयोग केवल बागवानी, फूल-पौधे लगाने/फ्लशिंग/सफाई के लिए किया जाएगा
    - जल उपचार संयंत्र : पूरे परिसर के पेयजल के शुद्धिकरण और निस्पंदन हेतु स्थायी परिसर में एक सरलीकृत जल उपचार संयंत्र भी बनाया गया है। इस योजना का क्रियान्वयन जन स्वास्थ्य विभाग (पीएचईएल, मेघालय सरकार) द्वारा किया गया
    - जल संचयन परियोजना के निर्माण के दुसरे चरण के दौरान वर्षा जल संचयन की शुरुआत की जाएगी।

श्रीनगर

बुनियदाई ढांचा और सुविधाएं

निफ्ट श्रीनगर, निफ्ट के तेज़ी से उभरते परिसरों में से एक है। ओमपोरा बडगाम स्थित इसका स्थायी परिसर अगस्त 2022 में सुचारु रूप से कार्यात्मक हुआ। परिसर में शिक्षण-अधिगम हेतु सभी आवश्यक बुनियादी ढाँचे मौजूद हैं, जिनमें एसएनएलएस मशीनों के साथ परिधान निर्माण प्रयोगशाला, पैटर्न बनाने की प्रयोगशाला, डिज़ाइन संग्रह प्रयोगशाला, सतह डिज़ाइन प्रयोगशाला, सामग्री अध्ययन प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रयोगशाला, बुनाई प्रयोगशाला, वस्त्र लेखन प्रयोगशाला, चमड़ा कार्यशाला, आभूषण कार्यशाला, सामान्य एवं लकड़ी कार्यशाला, फ़ैशन फ़ोटोग्राफ़ी स्टूडियो, उन्नत इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा, संसाधन केंद्र, कैंटीन सेवा, स्टेशनरी की दुकान, एम्फीथिएटर, बैंक, छात्रावास, खेल मैदान और अन्य सुविधाएँ शामिल हैं।

अल्पकालिक कार्यक्रम/घटनाएँ

- 06 से 07 जून, 2024 को स्पेक्ट्रम-2024 (निफ्ट युवा उत्सव) आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के माननीय उपराज्यपाल द्वारा किया गया।
- 15.04.2024 को वर्ष 2023 के स्नातकों के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि निफ्ट के महानिदेशक थे।
- 15 से 16 अप्रैल, 2024 तक दो दिवसीय शिल्प बाजार और शिल्प प्रदर्शन का आयोजन किया गया।
- 02.08.2024 को एनएआईएबी (निफ्ट पूर्व छात्र और उद्योग सलाहकार बोर्ड), श्रीनगर की पहली बैठक आयोजित की गई।
- निफ्ट श्रीनगर में 22.06.2025 से 27.07.2025 तक निफ्ट फैकल्टी रिट्रीट की मेजबानी की गई। एक विशाल कार्यक्रम जिसमें निफ्ट के 19 परिसरों के 600 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।
- 22.04.2024 को क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 09.05.2024 को सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के लिए लैंगिक संवेदनशीलता और कार्य नैतिकता पर एक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया।
- 14.06.2024 को विश्व रक्तदाता दिवस शपथ का आयोजन किया गया।
- 21.06.2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया।
- 07.08.2024 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाएगा। कारीगरों का सम्मान, रैंप वॉक, फैशन शो और हथकरघा प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- 23.08.2024 को राजभाषा की मूल बातें और उपयोग पर एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई।
- 30.08.2024 को सुलेख कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 07.11.2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर एक क्षमता निर्माण सत्र आयोजित किया गया।
- 13.11.2024 को वर्ष 2024 के स्नातकों के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के माननीय उपराज्यपाल थे।
- अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम - 26.11.2024 को परिसर में विश्व शिल्प परिषद एआईएसबीएल फोरम के लिए रात्रिभोज और संगीत संध्या का आयोजन किया गया। परिसर में छात्र परियोजनाओं और संस्थागत कार्यों का एक क्यूरेटेड प्रदर्शन किया गया,

जिसमें उपस्थित प्रतिनिधियों के लिए नवाचार और शिल्प कौशल पर प्रकाश डाला गया।

- भारत टेक्स 2025 में भाग लिया, जो 12 भारतीय वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) द्वारा आयोजित और भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा समर्थन प्राप्त एक प्रमुख वैश्विक वस्त्र कार्यक्रम है, जो 12 से 15 फरवरी, 2025 तक और 14 से 17 फरवरी, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

प्रमुख परियोजना

- केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के 40 स्वयं सहायता समूहों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम हेतु मई, 2024 में 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। यह प्रशिक्षण एन सी डब्ल्यू, आई आई एम और जे के आर एल एम के सहयोग से प्रायोजित परियोजना थी, जिसकी कुल निधि 9.31 लाख रुपये थी।
- आई टी आई बडगाम, आई टी आई कुपवाड़ा और आई टी आई श्रीनगर के प्रतिभागियों के लिए जून, 2024 में अप-स्किलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम की 3 महीने की प्रायोजित परियोजना पूरी की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम आई टी आई बडगाम/आई टी आई कुपवाड़ा और आई टी आई श्रीनगर से उत्तीर्ण छात्रों की कौशल वृद्धि की आवश्यकता पर विचार कर रहा था। प्रशिक्षण संकल्प द्वारा प्रायोजित था, जिसकी कुल निधि 9.60 लाख रुपये थी।

छात्रों की प्रमुख उपलब्धियां

- फ़ैशन डिज़ाइन विभाग की एफ डी सेमेस्टर 6 की छात्रा सुश्री अनुकृति सिंह ने वर्ष 2024 में वर्ल्ड स्किल्स इंडिया (गारमेंट निर्माण, ड्रेपिंग, पैटर्न मेकिंग, फ्लैट स्केच) में फ़ैशन टेक्नोलॉजी स्किल के लिए राष्ट्रीय स्तर (उत्कृष्टता पदक) प्राप्त किया है।
- श्री मोहम्मद रज़ा ने इन-हाउस फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता स्पेक्ट्रम 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- श्री मोहम्मद रज़ा अखिल भारतीय फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता (शेड्स ऑफ़ ग्रे) स्पेक्ट्रम 2024 में प्रथम उपविजेता रहे।
- सुश्री अनुष्का पाल, एफ सी 8 सेमेस्टर ने मीम मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- श्री हर्षवर्धन शर्मा, एफ एंड एल ए तृतीय सेमेस्टर ने उत्तर प्रदेश राज्य स्केटिंग चैम्पियनशिप, 2024 में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।
- सुश्री कौनैन ज़ुबैर, एफ सी 7 सेमेस्टर का चयन एफआईटी न्यूयॉर्क एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए हुआ है।
- एफ सी छठे सेमेस्टर की सुश्री तिषा शर्मा को एफआईटी, न्यूयॉर्क में प्रतिष्ठित एक वर्षीय एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए चुना गया है।
- एफ डी सातवें सेमेस्टर की सुश्री स्वाति तोमर को 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला है और उनका कलेक्शन इंडोरामा शो/ भारत और वैश्विक ब्रांड्स एवं बायर्स फ़ोरम में प्रदर्शित किया गया है। सुश्री स्वाति तोमर, इंडोरामा कॉर्पोरेशन की एक समूह कंपनी, इनविया स्पैन्डेक्स के वार्षिक कक्षा सहयोग, इनविया इमर्जिंग फैशनिस्टा प्रोजेक्ट की शीर्ष 10 छात्राओं में से एक हैं।
- एफ डी के आठवें सेमेस्टर के श्री नितिन गोयल को देश के जाने-माने डिज़ाइनर तरुण तहिलियानी के साथ पी पी ओ मिला है। रणवीर सिंह ने अंबानी की शादी में ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट का आउटफिट पहना था।
- एफ डी के छठे सेमेस्टर की सुश्री रोशनी वेमा सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए ENSATI (इकोले नेशनेल सुपीरियर डेस आर्ट्स एट इंडस्ट्रीज टेक्सटाइल्स) फ्रांस गईं, जहाँ उन्होंने बिना बुने हुए कपड़े से बने हीट रिफ्लेक्टिव गारमेंट पर एक ग्रुप असाइनमेंट किया। बायोमिमिक्री से प्रेरित, यह ड्रेस विशिष्ट बाज़ार के लिए बनाई गई है और बायोमिमिक्री चैलेंज के लिए पेरिस प्रदर्शनी में फाइनलिस्ट भी बनी।
- एफ सी के छठे सेमेस्टर के श्री रज़ा भट्ट की तस्वीर नेशनल ज्योग्राफिक इंडिया में प्रदर्शित हुई।
- एफ पी द्वितीय सेमेस्टर की सुश्री रुश्दा खान, टी डी चतुर्थ सेमेस्टर की सुश्री अनन्या दासमहापात्रा, और एफ पी द्वितीय सेमेस्टर की सुश्री अबीर ज़हरा ने निफ्ट श्रीनगर में एंटी-रैगिंग पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीता।
- एफ डी के आठवें सेमेस्टर की सुश्री तृप्ति ने निफ्ट श्रीनगर में फैशन शो में सर्वश्रेष्ठ वॉक के लिए 2,000 रुपये की पुरस्कार राशि जीती है।
- एम एफ एम विभाग के श्री सुप्रतिम चौधरी को दीक्षांत समारोह 2024 में सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार (मार्केटिंग और रिटेलिंग) और सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन पुरस्कार मिला है।
- एम एफ एम विभाग की सुश्री सौम्या रूंगटा को दीक्षांत समारोह 2024 में सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार (उद्यमिता) मिला है।
- एम एफ एम विभाग की सुश्री कटियार मीनल बिमल को दीक्षांत समारोह 2024 में मेधावी छात्र पुरस्कार - प्रथम स्थान मिला है।
- एम एफ एम विभाग की सुश्री गायतोंडे रिया अमोल को दीक्षांत समारोह 2024 में मेधावी छात्र पुरस्कार - द्वितीय स्थान मिला है।
- एम एफ एम विभाग के श्री शाहरुख अहमद को दीक्षांत समारोह 2024 में असाधारण सेवा पुरस्कार मिला है।
- एफ सी विभाग की सुश्री ऋषिका तनेजा को दीक्षांत समारोह 2024 में सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार- प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।
- एफ सी विभाग की सुश्री मृगाक्षी मेहता को दीक्षांत समारोह 2024 में सर्वश्रेष्ठ स्नातक परियोजना पुरस्कार- द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।
- एफ सी विभाग की सुश्री तनुजा कुमारी को दीक्षांत समारोह 2024 में सर्वाधिक नवीन स्नातक परियोजना पुरस्कार- द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।
- एफ सी विभाग की सुश्री तेजस्वनी सोमा को दीक्षांत समारोह 2024 में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन पुरस्कार और मेधावी छात्रा पुरस्कार- प्रथम स्थान स्थान प्राप्त हुआ है।

- एफ डी विभाग की सुश्री सैयद हुरैन जिलानी को दीक्षांत समारोह 2024 में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन और मेधावी छात्रा पुरस्कार- प्रथम स्थान स्थान प्राप्त हुआ है।
- एफ डी विभाग की सुश्री सृष्टि संजय वोरा को दीक्षांत समारोह 2024 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर पुरस्कार और मेधावी छात्रा पुरस्कार- द्वितीय स्थान स्थान प्राप्त हुआ है।
- एफ डी विभाग के श्री अनुराग शर्मा को दीक्षांत समारोह 2024 में सर्वश्रेष्ठ स्नातक/सर्वश्रेष्ठ डिज़ाइन संग्रह पुरस्कार मिला है।
- एफ डी विभाग की सुश्री शानू गुजरे को दीक्षांत समारोह 2024 में समकालीन स्टाइलिंग में पारंपरिक कौशल के सर्वोत्तम उपयोग के लिए पुरस्कार मिला है।
- एफ डी विभाग की छठे सेमेस्टर की सुश्री रितिका रॉय, एफ डी छठे सेमेस्टर की सुश्री बबीता गुरुंग और एफ डी छठे सेमेस्टर की सुश्री तनु ने भारत टेक्स 2025 में छात्र प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

स्नातक परियोजनाएँ और स्नातक कार्यक्रम

- एफ सी विभाग के छात्रों (18 छात्र) ने डीडीबी मुद्रा समूह, ओगिल्वी एंड माथर, 5 क्यू, मिंत्रा फैशन, ब्लू यॉन्डर इंक, नाइका, सुगरफाई, रूट आर्टिस्ट, क्रिएटिक स्टूडियो, 18 पिक्सल्स, अर्बन मंकी प्राइवेट लिमिटेड, डिजी साइडकिक, अर्बनिक-सवाना, तरुण कल्याणी फोटोग्राफी, ब्रैंडबी, लेटर्स फॉर चेंज, फ्लैटवर्ल्ड होम प्राइवेट लिमिटेड, खुशी निंबालकर, प्राइम फोकस टेक्नोलॉजी और एएसके ग्राफिक्स एंड प्रिंटर्स जैसी विभिन्न कंपनियों में 16-सप्ताह की स्नातक परियोजना में भाग लिया है।
- फैशन डिजाइन विभाग के छात्रों (17 छात्र) ने मार्च 2025 से शुरू होने वाले उद्योग में द इंडियन गैराज कंपनी, बीईओएम कॉमर्स, आर्य गिरी, लाफानी स्टूडियो, ऑफबिजनेस, जीका बेला, जेड बाय एमके, ताबीर इंडिया, एकेएचएल डिजाइन स्टूडियो एलएलपी, तुल पलव, भारतीय इंटरनेशनल लिमिटेड, रितु कुमार, गुनीत कोंडल द्वारा एएमआरटीए, लेबल अनुताग गुप्ता और हिनम क्लोदिंग प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों में अपनी स्नातक परियोजना को आगे बढ़ाया।
- फैशन मैनेजमेंट विभाग के छात्रों (24 छात्र) ने विभिन्न कंपनियों में 16-सप्ताह की स्नातक परियोजना में भाग लिया है, जैसे कि टीएमआरडब्ल्यू, आदित्य बिड़ला डिजिटल फैशन वेंचर्स लिमिटेड, तनिष्क, टाइटन कंपनी लिमिटेड, मार्क्स एंड स्पेंसर, गुडव्यू फैशन प्राइवेट लिमिटेड, कश्मीर बॉक्स, डेट द रैंप, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, शॉपर्स स्टॉप, बेस्टसेलर (प्राइवेट लिमिटेड), न्यू टाइम्स ग्रुप, ट्राइबर्ग, लाइफस्टाइल, एमएयूयू, चीयर सागर, किलाब, ट्यूलियो, नेयट होम्स, गुडगुडी, टेक्नोस्पोर्ट, जैक एंड जोन्स, मैक्रो वैगन प्राइवेट लिमिटेड, द सोल्ड स्टोर और वन नॉट टू ब्रांड ।

शिल्प क्लस्टर पहल - गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और प्रभाव

- शिल्प अनुसंधान एवं प्रलेखन के अंतर्गत, फैशन संचार के छात्रों ने पत्थर की नक्काशी, कांगड़ी, क्रूवेल चेन सिलाई, खतमबंध और अखरोट की लकड़ी की नक्काशी जैसे शिल्पों पर काम किया। फैशन डिज़ाइन के छात्रों ने टिल्ला, आरी, सोज़नी, ट्वीड, कनीशाल और पश्मीना पर काम किया। फैशन एवं जीवनशैली के छात्रों ने अखरोट की लकड़ी, पेपर माची, विलो विकर और तांबे के बर्तनों पर काम किया। यह गतिविधि 16-26 जुलाई 2024 तक आयोजित की गई।
- एफडी छात्रों द्वारा शिल्प का विकास सातवें सेमेस्टर के दौरान 20.11.2024 से 02.12.2024 तक किया गया जिसमें शिल्प आधारित उत्पाद विकास (सीबीपीडी) में टिल्ला, सोज़नी और आरी से संबंधित उत्पाद श्रृंखलाओं का विकास शामिल था।
- 18 से 20 नवंबर 2024 के दौरान कारीगर जागरूकता कार्यशाला के तहत कालीन बुनाई, विलो विकर, अखरोट की लकड़ी पर नक्काशी और पेपर मशीन के कारीगरों को तीसरे सेमेस्टर के एमएफएम विभागों के विशेषज्ञों, शिक्षकों और छात्रों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।
- 15 से 16 अप्रैल, 2024 तक दो दिवसीय शिल्प बाजार और शिल्प प्रदर्शन का आयोजन किया गया।
- 07.08.2024 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कारीगरों का सम्मान, रैंप वॉक, फैशन शो और हथकरघा प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पूर्व छात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएँ

- फैशन संचार विभाग, बैच 2016-2020 की सुश्री आस्था सचिन देशपांडे के साथ 01.08.2024 को एक पूर्व छात्र संवाद का आयोजन किया गया। इस सत्र में एफ पी (प्रथम सेमेस्टर) ने भाग लिया।
- निफ्ट दिल्ली खाद्य एवं विधि विज्ञान विभाग, बैच 2015-2019 की पूर्व छात्रा सुश्री निघत बशीर के साथ 01.08.2024 और 28.11.2024 को एक पूर्व छात्र संवाद का आयोजन किया गया। इन सत्रों में एफ पी (प्रथम सेमेस्टर) ने भाग लिया।
- निफ्ट दिल्ली, खाद्य एवं विधि विज्ञान विभाग की पूर्व छात्रा सुश्री रितिका अग्रवाल के साथ 13.09.2024 और 10.10.2024 को एक पूर्व छात्र संवाद का आयोजन किया गया। इन सत्रों में एफ पी (प्रथम सेमेस्टर) के छात्रों ने भाग लिया।
- फैशन डिजाइन विभाग की सुश्री विधि ठाकुर, बैच 2012-2016, के साथ 16.09.2024 को एक पूर्व छात्र संवाद आयोजित किया गया।
- 04.10.2024 को फैशन और परिधान की प्रमुख डिजाइनर सुश्री नरगिस जैदी के नेतृत्व में "खादी बुनाई, स्वतंत्रता और शैली को पुनर्परिभाषित करना" पर विशेषज्ञ सत्र। मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट, एक्सेसरी डिजाइन, फैशन डिजाइन, फैशन कम्युनिकेशन और फाउंडेशन प्रोग्राम के छात्रों ने सत्र में भाग लिया।
- 10.10.2024 को टाइम्स घड़ी के डिजाइनर और उत्पाद प्रबंधक श्री आशीष त्रिपाठी द्वारा एक उद्योग विशेषज्ञ सत्र। विशेषज्ञ सत्र में फैशन और फैशन डिजाइन विभाग के छात्रों ने भाग लिया।
- निफ्ट गांधीनगर के फैशन डिजाइन विभाग की पूर्व छात्रा सुश्री विधि ठाकुर के साथ 16 से 18 अक्टूबर 2024 को एक पूर्व छात्र संवाद सत्र आयोजित किया गया। सत्र में फैशन और फैशन डिजाइन विभाग के छात्रों ने भाग लिया।

- 16 से 18 अक्टूबर 2024 तक निफ्ट दिल्ली एफ डी विभाग बैच 2010-2014 के पूर्व छात्र श्री कौशल कुमार के साथ एक पूर्व छात्र बातचीत का आयोजन किया गया।
- एफ एंड एलए विभाग के छात्रों ने 26.11.2024 को "समाज के लिए सतत डिजाइन की दिशा में दृष्टिकोण और प्रभाव" विषय पर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई के सहयोग से निफ्ट कोलकाता द्वारा आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया।
- एफ एंड एलए विभाग के छात्रों ने कीमती आभूषण डिजाइन पर एक विशेषज्ञ सत्र में भाग लिया। यह सत्र 22.11.2024 को सेवानिवृत्त रत्न विशेषज्ञ श्री मजीद बट द्वारा दिया गया था।
- पोर्टफोलियो विकास पर एक विशेषज्ञ सत्र में एफ एंड एलए विभाग के छात्रों ने भाग लिया। यह सत्र 21.11.2024 को ब्रांड रफूगर के मालिक श्री वजाहत राथर द्वारा दिया गया था।
- एफ एंड एलए विभाग के छात्रों ने 20.11.2024 को "प्रौद्योगिकी आधारित दिशाओं की ओर समाज के लिए डिजाइनिंग" विषय पर आईडीसी स्कूल ऑफ डिजाइन, आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से निफ्ट कोलकाता द्वारा आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया।
- फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ (F&LA) विभाग के छात्रों ने एक विशेषज्ञ सत्र में भाग लिया। यह सत्र अबेयार डिज़ाइन एटलियर प्राइवेट लिमिटेड के डिज़ाइनर श्री शुभांगम सिंह द्वारा 16.11.2024 को दिया गया था।
- श्री रोहित कुमार गुप्ता (2019 की कक्षा, F&LA, NIFT शिलांग), जो वर्तमान में शॉपर स्टॉप में विज़ुअल मर्चेंडाइज़र हैं, ने 12.03.2025 को फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ (F&LA) विभाग के छात्रों के लिए 'डिज़ाइन स्टूडियो' पर एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।
- निजी डिज़ाइन स्टूडियो की डिज़ाइन सलाहकार सुश्री नीजी बंसल ने 03.03.2025 को फैशन डिज़ाइन (FD) के छात्रों के लिए एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया, जिसमें उद्योग की कार्य संस्कृति के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की गई।

प्रमुख उद्योग संपर्क / उद्योग संपर्क

इंटर्नशिप के अवसर / स्नातक परियोजना के अवसर:

- फैशन संचार विभाग: फैशन संचार विभाग के सेमेस्टर 5 के छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए 32 प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ सफल सहयोग स्थापित किया। 18 उद्योग-अग्रणी कंपनियों के साथ सहयोग के माध्यम से, सेमेस्टर 7 के दौरान फैशन संचार विभाग के छात्रों के लिए स्नातक परियोजना के अवसर तैयार किए।
- फैशन डिज़ाइन विभाग (बैच 2021-25): 17 प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ साझेदारी के माध्यम से फैशन डिज़ाइन कार्यक्रम (बैच 2021-25) के उन्नत चरणों में छात्रों के लिए इंटर्नशिप और स्नातक परियोजना के अवसर प्रदान किए।
- फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरी डिज़ाइन (सेमेस्टर 5): 25 प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ गठजोड़ के माध्यम से फैशन और लाइफस्टाइल एक्सेसरी डिज़ाइन विभाग के सेमेस्टर 5 के छात्रों के लिए इंटर्नशिप के अवसर सुनिश्चित किए।
- फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग (बैच 2023-25): 24 प्रमुख कंपनियों के साथ जुड़कर फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग (बैच 2023-25) के छात्रों के लिए इंटर्नशिप और स्नातक परियोजना के अवसरों की व्यवस्था की गई।

स्थायित्व पहलू और हरित परिसर गतिविधियाँ

हरित परिसर की दिशा में प्रयास करते हुए, निफ्ट ने सीवरेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) स्थापित किया है। निकट भविष्य में परिसर में सौर ऊर्जा संयंत्र और जल संचयन प्रणालियाँ भी स्थापित की जाएँगी। परिसर में वृक्षारोपण और हरित परिदृश्य का भी विकास किया गया है।

वाराणसी

परिसर की ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

निफ्ट वाराणसी 19वाँ परिसर है जिसकी आधारशिला भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा फरवरी 2024 में रखी गई थी। वाराणसी में निफ्ट परिसर का खुलना एक स्वागत योग्य कदम है क्योंकि यहां विविध शिल्प उद्योग और कारीगरों ने हस्त शिल्प क्षेत्र में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया है।

यह परिसर बड़ा लालपुर, चांदमारी, वाराणसी शहर के मध्य में स्थित है,जो ट्रेड फ़ैसिलिटेशन सेंटर से संचालित होता है। यह परिसर बड़ा लालपुर स्थित टी एफ सी के ब्लॉक सी व डी तथा चौका घाट स्थित आई आई एच टी परिसर के विस्तार केंद्र से संचालित होता है। टी एफ सी के साथ सहयोग से उद्योग संपर्क सुनिश्चित होते हैं और छात्रों में उद्यमिता को बढ़ावा मिलता है।

निफ्ट वाराणसी के मुख्य परिसर का निर्माण उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई 7.5 एकड़ भूमि पर जनवरी 2025 में शुरू हुआ। यह वर्तमान में फैशन डिजाइन, फैशन कम्युनिकेशन और नए लॉन्च किए गए फैशन इंटीरियर्स में 3 कार्य क्रम पेश करता है। संस्थान में समृद्ध अनुभव और विविध पृष्ठ भूमि वाले प्रमुख संकाय सदस्य हैं।

परिसर ने 31 जुलाई 2024 को अपना पहला ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें 88 छात्रों के पहले बैच का स्वागत किया गया। संस्थान की अखिलभारतीय उपस्थिति है क्योंकि यहाँ विविध पृष्ठ भूमि के छात्र अध्ययन करते हैं। तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का मिश्रण था जिससे उन्हें निफ्ट और उसकी संरचना को समझने में मदद मिली, जिसमें सारनाथ शहर का भ्रमण भी शामिल था। स्पिक मैके के तत्वावधान में एक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया।

छात्रों के बीच शिल्प संबंधों को मज़बूत करने के लिए, वाराणसी के सामाजिक कार्यकर्ता और भौगोलिक संकेत (जीआई) विशेषज्ञ, पद्मश्री रजनीकांत, जिन्हें "भारत के जीआई मैन" के रूप में जाना जाता है, को भी युवाओं के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

पूर्व छात्रों और उद्योग जगत के बीच जुड़ाव को सुव्यवस्थित और मज़बूत बनाने के लिए परिसर स्तर पर NAIAB (निफ्ट पूर्व छात्र एवं उद्योग सलाहकार बोर्ड) का गठन किया गया था। बोर्ड में तीन वरिष्ठ पूर्व छात्र सदस्य और उद्योग जगत के दो सदस्य, साथ ही निफ्ट वाराणसी और बेंगलुरु के पाँच वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। NAIAB की पहली बैठक अक्टूबर 2024 में परिसर में आयोजित की गई, जिससे निफ्ट परिसर और उद्योग जगत के बीच संबंध मज़बूत करने में मदद मिली।

अक्टूबर 2024 में पंचकूला में आयोजित निफ्ट के अंतर-कैंपस वार्षिक सांस्कृतिक, खेलकूद और साहित्यिक उत्सव कन्वर्ज 2024 में संस्थान के छात्रों ने उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ अपनी पहली भागीदारी दर्ज की। उन्होंने कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कार अर्जित किए, जिससे संस्थान का गौरव बढ़ा।

- भित्ति चित्र: प्रथम पुरस्कार - दीपांशु यादव, राजश्रीप्रिया, अन्वेषा पांडे, और समीर कुमार
- युगलगायन: तृतीय पुरस्कार- गिरीश केवलानी एवं मानवी सिन्हा
- एडी-मैड प्रतियोगिता: तीसरा पुरस्कार - देबांगीरॉय, यशछेत्री, और उन्नतिव्यास

इसके अतिरिक्त पूरे छात्र दल को उनके सांस्कृतिक वॉक प्रदर्शन के लिए जूरी विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिसमें वाराणसी की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का रचनात्मक प्रतिनिधित्व किया गया।

प्रोफेसर डॉ. संजय श्रीवास्तव वाराणसी साहित्य महोत्सव के वक्ताओं में से एक थे। उन्हें सनबीम महिला महाविद्यालय और बीएचयू में भी मुख्यवक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

निफ्ट वाराणसी का पहला स्पेक्ट्रम-वार्षिक सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेल महोत्सव, फरवरी 2025 में बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया । श्री पुलकित गर्ग, आई ए एस और वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के उपाध्यक्ष, ने इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बनने की सहमतिप्रदान की । वाराणसी के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया ।शहर भर के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने भी इसमें भाग लिया । कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फैशन शो रहा, जिसमें संस्थान के छात्रों ने रैम्पवॉक किया । इस दौरान छात्रों द्वारा स्वयं डिज़ाइन किए और तैयार किए गए परिधानों के साथ-साथ अन्य डिज़ाइनरों की रचनाएं भी प्रदर्शित की गईं । निफ्ट की 40वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशेष 'स्पिकमैके' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बिहू नृत्य प्रमुख आकर्षण रहा।

संस्थान ने फरवरी 2025 में टीएफसी द्वारा आयोजित गांधी शिल्प बाजार के सहयोग से अपना पहला क्राफ्ट बाजार आयोजित किया । इस आयोजन में भारत के उत्तरी क्षेत्रों से आई पारंपरिक हस्त शिल्प, हथकरघा वस्त्रों/हस्त निर्मित उत्पादों और शिल्पकला की एक जीवंत प्रदर्शनी प्रस्तुतकी गई । पारंपरिक शिल्प कला का उत्सव मनाने और सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम ने कारीगरों को अपनी कला प्रदर्शित करने और व्यापक दर्शकों से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस आयोजन में टेराकोटा (कालीमिट्टीकीकारीगरी), लकड़ी के शिल्प,गुलाबी मीनाकारी और पारंपरिक चित्रकला से जुड़े कारीगरों ने भाग लिया।

संस्थान नियमित रूप से विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेता है तथा उनका आयोजन भी करता है, जैसे कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, हिंदी पखवाड़ा, स्वच्छता पखवाड़ा एवं सतर्कता जागरूकता सप्ताह । इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है तथा वस्त्र मंत्रालय द्वारा संचालित गतिविधियों को सुव्यवस्थित रूप से क्रियान्वित किया जाता है ।

आधारभूत संरचना और सुविधाएँ

निफ्ट वाराणसी पारंपरिक और आधुनिक सुविधाओं का एक समन्वित मिश्रण प्रदान करता है, जो न केवल छात्रों बल्कि स्थानीय कारीगरों के लिए भी सहायक है । परिसर वाराणसी के वस्त्र केंद्रों के समीप रणनीतिक रूप से स्थित है, जिससे उद्योग और अकादमिक क्षेत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलता है ।

संस्थान में फैशन एवं डिज़ाइन के शैक्षणिक और रचनात्मक प्रयासों का समर्थन करने के लिए आधुनिक अवसंरचना एवं सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसमें 2 स्मार्ट आर्ट कक्षाएं हैं, जो स्मार्ट बोर्ड्स और सौंदर्य पूर्ण रूप से डिज़ाइन की गई आर्ट टेबल्स जैसी आधुनिक तकनीक से सुसज्जित हैं । इसके अतिरिक्त, संस्थान में एक मटेरियल लैब, विज़ुअल मर्चेंडाइजिंग लैब, आईटी लैब, रिसोर्स सेंटर और एक कॉन्फ्रेंस कक्ष भी है, जो छात्रों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करते हैं । संस्थान में एक बहुउद्देश्यीय क्षेत्र भी है जहाँ बास्केट बॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन जैसे खेलों के लिए सुविधाएँ उपलब्ध हैं। साथ ही, टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज जैसे इन डोर खेलों के लिए एक विशेष क्षेत्र निर्धारित किया गया है । किसी भी चिकित्सीय आपात स्थिति से निपटने के लिए एक पूर्ण कालिकन र्सभी संस्थान में उपलब्ध रहती हैं।छात्रों का एक संगीत बैंड भी है जो विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं कॉलेज उत्सवों में शहर के भीतर और बाहर प्रस्तुति देता है एवं भाग लेता है । छात्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संस्थान में एक कैंटीन,मेस क्षेत्र और एक इन-हाउस स्टेशनरी शॉप भी उपलब्ध है।

परिसर द्वारा 110 छात्राओं के लिए छात्रावास की व्यवस्था हेतु किराए पर छात्रावास परिसर लिया गया है। वर्तमान में छात्रावासों में रहने वाली छात्राओं की संख्या 66 है।

चौका घाट केंद्र के परिसर में एक पूरी तरह से निष्पादित गारमेंट कंस्ट्रक्शन लैब,बुनाईलैब, पैटर्न बनाने की लैब और वस्त्रडिज़ाइन लैब भी मौजूद है।

अल्पकालीन पाठ्यक्रम

निफ्ट वाराणसी सतत शिक्षा (CE) कार्यक्रम प्रदान करता है, जो व्यस्त व्यक्तियों के लिए उनके शैक्षिक और पेशेवर आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ-साथ कौशलों को बढ़ाने का एक उत्तम अवसर है । ये अल्पअवधि पार्टटाइम शाम के पाठ्यक्रम हैं, जो उत्साही पेशेवरों को अपनी तालिका के अनुसार तेज़ी से सीखने और कौशल सुधारने का मंच प्रदान करते हैं।

संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में 4 अल्पकालिक कार्यक्रम प्रदान करता है। वर्तमान में, फैशन और वस्त्र प्रौद्योगिकी (FCT) का चौथा बैच पाठ्यक्रम मेंभाग ले रहा है । इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को लक्षित करना है जो अपने पेशेवर विकास के लिए फैशन पाठ्यक्रम करना चाहते हैं।

संस्थान भारतीय पुरुष वस्त्र (INDIAN MENSWEAR) और वस्त्र डिज़ाइन के लिए डिजिटल डिज़ाइन (CAD FOR TEXTILE) मेंदो 6 महीने की अवधि के पाठ्यक्रम शुरू करने का भी इरादार खता है । इसके अतिरिक्त,वर्तमानशैक्षणिक सत्र के लिए ब्रांडिंग और डिजिटल मार्केटिंग में 3 महीने की अवधि का पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित किया गया है।

प्रमुख परियोजनाएँ

संस्थान नियमित रूप से केंद्रीय, राज्य और निजी एजेंसियों तथा फर्मों के साथ डिज़ाइन और परामर्श परियोजनाओं का संचालन करता है। वर्तमान में निम्नलिखित प्रमुख परियोजनाएँ पाइप लाइन में हैं:

- ट्राइफेड
- कौशलविकास
- यूनिफॉर्मडिज़ाइन

छात्र प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों में प्रमुख उपलब्धियाँ

संस्थान के छात्रों ने 27 अप्रैल 2025 को वाराणसी के सनबीम विमेंस कॉलेज, वरुणा द्वारा आयोजित अंतर-कॉलेज प्रतियोगिता में कई पुरस्कार जीते । फाउंडेशन प्रोग्राम की छात्राएँ अनन्या बी. सुनील, सौम्या नी साहू, चेष्टा साधवानी और देवांशी रावत ने 'एडमैड शो' में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। मानवी सिन्हा ने 'क्रिएटिव राइटिंग' में तीसरा पुरस्कार जीता जबकि अनन्या बी. सुनील ने 'क्रिएटिवराइटिंग (अंग्रेज़ी)' में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

नोट: सभी छात्र फाउंडेशन प्रोग्राम के थे।

निफ्ट का वार्षिक अंतर-कॉलेज सांस्कृतिक, खेल और साहित्यिक उत्सव 'CONVERGE 2024'अक्टूबर 2024 में पंचकुला में आयोजित किया गया । संस्थान के छात्रों ने पहली बार इस कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया । ग्रैफिटी (GRAFFITI):दीपांशु यादव, राजश्रीप्रिया, अवेषा पांडे और समीर कुमार ने प्रथम पुरस्कार जीता । डुएट सिंगिंग (DUET SINGING):गिरीश

केवलानी और मानवी सिन्हा ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया । एड-मेड (AD-MAD) प्रतियोगिता:देबांगीरॉय, यश छेत्री और उन्नतिव्यास ने तृतीय पुरस्कार जीता । संस्थान की सांस्कृतिक वॉक (CULTURAL WALK):वाराणसी शहर की विविधता को प्रदर्शित करने वाली सांस्कृतिक वॉक के लिए पूरी टीम को जूरी स्पेशल अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस उपलब्धि से स्पष्ट है कि निफ्ट के छात्रन केवल शैक्षणिक क्षेत्र में,बल्कि सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

संस्थान के छात्रों ने 7-8 फरवरी 2025 को आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पेक्ट्रम' में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । उन्होंने रैंपवॉक में भाग लिया और 5 डिज़ाइनरों के डिज़ाइन प्रदर्शित किए। इसके अतिरिक्त, छात्रों ने फैशन वॉक के लिए मॉडल्स के लिए परिधान तैयार किए और उनका मेकअप भी किया । इस कार्यक्रम ने छात्रों की रचनात्मकता, कौशल और समर्पण को प्रदर्शित किया।

क्राफ्ट क्लस्टर पहल

नोट: निफ्ट वाराणसी ने अपनी शैक्षणिक यात्रा जुलाई 2024 में शुरू की थी और इसलिए इस में केवल प्रथम वर्ष के छात्र ही हैं । इसलिए क्राफ्ट क्लस्टर पहल समय आने प रआयोजित की जाएगी।

संस्थान ने गांधी शिल्प बाजार के साथ मिलकर अपना पहला क्राफ्ट बाजार फरवरी 2025 में आयोजित किया । इस आयोजन में उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों के स्वदेशी शिल्प, हथकरघा वस्त्र, हस्त शिल्प और कारीगर उत्पादों की रंग-बिरंगी प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई । पारंपरिक शिल्प कला का उत्सव मनाने और सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस बाजार ने कारीगरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मंच प्रदान किया । इसमें टेराकोटा (काली मिट्टी की बर्तन कला), लकड़ी के सामान, गुलाबी मीनाकारी और स्वदेशी चित्र कला परंपराओं में विशेषज्ञता रखने वाले कारीगरों ने भाग लिया।

पूर्वछात्रों, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाएँ

संस्थान ने जुलाई 2024 में अपना शैक्षणिक सफर शुरू किया और वर्तमान में केवल फाउंडेशन प्रोग्राम के छात्र हैं। हालांकि, उद्योग से जुड़ी जानकारी और मार्गदर्शन की महत्ता को ध्यान में रखते हुए, पिछले एक वर्ष में छात्रों के लिए विभिन्न विशेषज्ञ व्याख्यान और पूर्व छात्रों (अलुमनी) के साथ संवाद सत्र आयोजित किए गए। वक्ताओं में शामिल थे: श्रीमती दीक्षा अग्रवाल – फैशन डिज़ाइनर, श्री अक्षत शुक्ला – औद्योगिक डिज़ाइनर और सह-मालिक, श्री निलमणि कुमार – यूएक्स डिज़ाइनर,श्री अशोक श्रीराग – डिज़ाइन शोध विद्वान,श्रीमती शिमोना अग्रवाल – फैशन डिज़ाइनर,श्री माखनलाल विश्वकर्मा – सिरेमिक मूर्तिकार,प्रो. डॉ. मृगेन्द्र प्रताप सिंह – प्लास्टिक कला विभाग, बीएचयू,श्री रोहित मिश्रा और श्री राहुल मिश्रा – भारतीय शास्त्रीय गायक, बनारस घराना,श्री राजू कुमार – वरिष्ठ उत्पाद डिज़ाइनर,श्रीमती कमल कपूर – पूर्व निदेशक, ओगान,श्री सुभाष चंद्र बर्मन – महिला परिधान डिज़ाइनर,श्रीमती सौम्या मेहरोत्रा – फैशन डिज़ाइनर,श्री अमन बाशेरा – निफ्ट पूर्व छात्र,श्री राम नवमी प्रजापति और श्री भगवानु प्रजापति – काले मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगर,इन विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्रों ने छात्रों को उद्योग के अनुभवों और ज्ञान से अवगत कराया, जिससे उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास में सहायता मिली।

प्रमुख उद्योग संबंध / उद्योग संपर्क

पूर्व छात्रों और उद्योग की भागीदारी को सुव्यवस्थित और मजबूत करने के लिए कैंपस स्तर पर एनएआईएबी (निफ्ट पूर्व छात्र और उद्योग सलाहकार बोर्ड) का गठन किया गया था और इसकी पहली बैठक अक्टूबर 2024 में आयोजित की गई थी।

सततता का पहलू और हरित परिसर गतिविधियाँ

संस्थान नियमित रूप से हरित पहलों में भाग लेता है जैसे कि वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता पखवाड़ा। छात्रों और संकाय सदस्यों ने परिसर निदेशक प्रो. (डॉ.) संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में संस्थान की नई इमारत के निर्माण स्थल पर पौधारोपण किया ताकि एक पोषक वातावरण तैयार किया जा सके। इसके अतिरिक्त प्रत्येक छात्र ने एक पौधा गोद लिया है और उसकी नियमित देखभाल करता है।

निफ्ट वाराणसी के नवोन्मेषी छात्रों ने बेकार कार्टनों का उपयोग करते हुए एक इंस्टॉलेशन तैयार किया, जिसका शीर्षक है "आशाएं – जहाँ कल्पनाएँ जीवित रहती हैं।" यह इंस्टॉलेशन वाराणसी के विविध भू-दृश्य और समाज की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। यह कलाकृति संस्थान के स्वागत क्षेत्र में प्रदर्शित की गई है।

वास्तविक आकार की सिलाई मशीन

निफ्ट वाराणसी ने अपनी "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" पहल के तहत ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर (TFC) में एक विशाल सिलाई मशीन की डिज़ाइन और स्थापना की है, जो आकार में लगभग एक इंसान से दोगुनी है। यह सिलाई मशीन वस्त्र उद्योग में हो रही वृद्धि और प्रगति का प्रतीक है।

निफ्ट वाराणसी ने मार्च 2025 में भारतीय चिकित्सा संघ (IMA) – वाराणसी चैप्टर के सहयोग से अपना पहला रक्तदान शिविर आयोजित किया, जो सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक कल्याण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस आयोजन में छात्रों, संकाय सदस्यों, परिसर निदेशक और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस पुण्य कार्य में रक्तदान कर योगदान दिया। रक्तदान शिविर ने युवाओं में स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को प्रोत्साहित किया। निदेशक प्रो. (डॉ.) संजय श्रीवास्तव ने 31वीं बार रक्तदान कर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस पहल का उद्देश्य था — "व्यक्तित्व निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण।"

लेदर डिज़ाइन (LD) विभाग ने मथुरा की सांझी पेपर स्टेंसिल कला और फर्रुखाबाद की ब्लॉक प्रिंटिंग पर एक क्राफ्ट डायग्नोस्टिक अध्ययन आयोजित किया, जिसे एक कारीगर जागरूकता कार्यशाला और तैयारी सत्रों द्वारा और समृद्ध किया गया, जिनका मार्गदर्शन विभाग द्वारा किया गया।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट और खातों का विवरण

वार्षिक रिपोर्ट
2024-2025

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की राय

क्वालिफ़ायड ओपिनीयन

हमने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षा किया है, जिसमें 31 मार्च 2025 तक वित्तीय स्थिति का विवरण और उसके बाद समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय खाता/प्राप्तियां और भुगतान खाता शामिल है, और साथ ही साथ वित्तीय विवरणों के लिए नोट्स भी शामिल हैं, जिसमें राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2006 की धारा 21(2) के साथ पठित नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 धारा 19 (2) के तहत महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतिया का सारांश शामिल है। इन वित्तीय विवरणों में निफ्ट के 19 केंद्रों के लेखा शामिल हैं।

इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखा पद्धतियों के अनुरूप, लेखांकन मानकों, प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन उपचार के संबंध में हैं। कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) के अनुपालन और दक्षता सह निष्पादन पहलुओं, आदि, यदि कोई हो, के संबंध में वित्तीय लेन-देन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों, यदि कोई हों, की सूचना निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से दी जाती है।

हमारी राय में, हमारी रिपोर्ट के परिष्कृत राय अनुभाग में वर्णित मामलों के प्रभावों को छोड़कर, निफ्ट के सह वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों और उन पर नोट्स और अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित अन्य मामलों के साथ पढ़े जाते हैं जो 31 मार्च, 2025 तक संस्थान की वित्तीय स्थिति का एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण देना, और केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए लेखा के समान प्रारूप के अनुसार उस वर्ष के संस्थान के वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह का अनुसरण करता है।

क्वालिफ़ायड ओपिनीयन का आधार

अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट के टिप्पणी संख्या ए.3 और बी.1 के लिए एक संदर्भ आमंत्रित किया जाता है। निफ्ट ने आईटीआई लिमिटेड को देय बकाया लीज किराया के लिए 19.47 रुपये का प्रावधान नहीं किया है। इसके अलावा निफ्ट ने आय और व्यय खाते में आस्थगित राजस्व आय के तहत निर्धारित/अक्षय निधियों से सृजित परिसंपत्तियों पर प्रभारित 3,700.94 लाख रुपये के मूल्यह्रास को मान्यता नहीं दी है।

हमने कैग के लेखा परीक्षा विनियमों/मानकों/मैनुअलों/दिशा-निर्देशों/मार्गदर्शन-नोट्स/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार अपना लेखा परीक्षा किया। हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण अनुभाग के लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियों में आगे वर्णित किया गया है। हम नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं जो वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है वह हमारी परिष्कृत राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियां

निफ्ट का न्यासी बोर्ड केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए लेखा के समान प्रारूप के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी और निष्पक्ष प्रस्तुति और आंतरिक नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है क्योंकि प्रबंधन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में सक्षम होना आवश्यक निर्धारित करता है जो भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक का दायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र रूप से वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है जिसमें सीएजी के लेखा परीक्षा विनियमों/मानकों/मैनुअल, दिशानिर्देशों/मार्गदर्शन-नोट्स/आदेश परिपत्रों आदि के अनुसार हमारी राय शामिल हो।

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट

ए. 31.03.2025 तक का तुलन-पत्र

ए.1 निर्धारित/अक्षय निधि (अनुसूची-3): 39,099.70 लाख रुपये

विभाग विकास निधि (डीडीएफ): 9557.95 लाख रुपये

केंद्र विकास निधि (सीडीएफ): 1618.09 लाख रुपये

लेखाओं पर अन्य नोट्स के बिंदु संख्या 5 के अनुसार, निर्धारित/अक्षय निधि के निवेश पर ब्याज आय को संबंधित निधि में जमा किया जा रहा है।

हालांकि, लेखा परीक्षा ने देखा कि निफ्ट एचओ ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान लोचदार जमा में विभाग विकास निधि (डीडीएफ) से ₹835.06 लाख और केंद्र विकास निधि (सीडीएफ) से ₹222.78 लाख का निवेश किया और इन निर्धारित फंडों पर क्रमशः ₹50 लाख और ₹13 लाख का ब्याज़ अर्जित किया। निफ्ट ने इस ब्याज को वित्तीय विवरणों की अनुसूची 3 के तहत संबंधित निधियों में अंतरित/जमा करने के बजाय वर्ष 2024-25 के लिए अपनी आय के रूप में मान्यता दी है।

इसके परिणामस्वरूप निर्धारित/अक्षय निधियों को कम करके आंका गया है और ब्याज आय में 63 लाख रुपये की वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप वर्ष के लिए अधिशेष भी ₹63 लाख तक अधिक बताया गया है।

ए.2 आरक्षित निधि और अधिशेष (अनुसूची -2): 1,04,892.52 लाख रुपये

पूंजी रिजर्व: अप्रयुक्त सरकारी अनुदान : 7,694.58 लाख रुपये

निफ्ट एचओ ने अनुदान से संबंधित बैंक खाते से 573.81 लाख रुपये (अप्रैल 2024 में) निफ्ट जनरल बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिया। इस राशि में 563.14 लाख रुपये शामिल हैं जो अव्ययित अनुदान से संबंधित है और इसे मंत्रालय को वापस किया जाना है। निफ्ट ने इस राशि पर ₹38 लाख (लगभग) का ब्याज अर्जित किया लेकिन इसे अव्ययित अनुदान खाते में जमा नहीं किया है।

इसके परिणामस्वरूप ₹38 लाख (लगभग) की राशि द्वारा पूंजी आरक्षित (अप्रयुक्त सरकारी अनुदान) को कम करके आंका गया है और अधिशेष का विवरण भी उतना ही है।

ए.3 वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान (अनुसूची 7):- 45,559.65 लाख रुपये

प्रावधान: 10,752.71 लाख रुपये

निफ्ट रायबरेली की स्थापना 2007 में इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्री लिमिटेड (आईटीआई लिमिटेड), दूरसंचार विभाग, भारत सरकार द्वारा निफ्ट को पट्टे पर दी गई भूमि पर की गई थी। निफ्ट ने अप्रैल 2021 तक आईटीआई लिमिटेड को लीज किराया का भुगतान किया और उसके बाद लीज किराये का भुगतान नहीं किया गया है।

इस संबंध में, आईटीआई लिमिटेड के रायबरेली कार्यालय ने जुलाई 2025 तक ₹20.93 करोड़ के किराए के बकाया के भुगतान के लिए निफ्ट रायबरेली परिसर को 1 अगस्त 2025 को एक पत्र जारी किया (मई 2021 के महीने से पूर्ण लीज किराया और मार्च 2014 से किराए के कुछ बकाया सहित)।

हालांकि, लेखा परीक्षा ने देखा कि निफ्ट ने बकाया लीज किराया के लिए अपने खातों में ₹19.47 करोड़ (मार्च 2025 तक लागू लीज किराया) का प्रावधान नहीं बनाया है।

इसके परिणामस्वरूप प्रावधानों को कम करके आंका गया है और अधिशेष में 19.47 करोड़ रुपये की वृद्धि अधिक हुई।

ए.4 परिसंपत्ति

ए.4.1 स्थायी परिसंपत्ति (अनुसूची -8): 1,05,731.16 लाख रुपये

अपनी लेखा नीति संख्या 5 के अनुसार, निफ्ट कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-II के अनुसार स्थायी परिसंपत्तियों पर उनके उपयोगी जीवन के आधार पर मूल्यह्रास प्रदान करता है।

निफ्ट कोलकाता की स्थायी परिसंपत्तियों में सात अस्थायी शेडों के लिखित मूल्य (डब्ल्यूडीवी) के रूप में 51.21 लाख रुपये शामिल थे, जिन्हें 2007 से 2021 की अवधि के दौरान 65.21 लाख रुपये की लागत से पूंजीकृत किया गया था। संस्थान इन अस्थायी शेडों को भवन (60 वर्ष के उपयोगी जीवन के साथ) के रूप में मान रहा है और 1.58 प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास वसूल रहा है। तथापि, कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-II में ऐसे अस्थायी ढांचों/शेडों के लिए तीन वर्ष का उपयोगी जीवनकाल निर्धारित किया गया।

इसलिए, अस्थायी शेड को 31.67 प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास किया जाना चाहिए था, जिसका मूल्य 61.95 लाख रुपये था, जिससे अवशिष्ट मूल्य 3.26 लाख रुपये (65.21 लाख रुपये का 5 प्रतिशत) रह जाना चाहिए था। हालांकि, इन अस्थायी शेडों को 31.03.2025 तक 51.21 लाख रुपये के डब्ल्यूडीवी में दिखाया गया है। इसके परिणामस्वरूप ₹47.95 लाख (₹51.21 लाख - ₹3.26 लाख) तक मूल्यह्रास और स्थायी परिसंपत्तियों और अधिशेष की अधिकता को कम करके आंका गया है।

वर्ष 2023-24 के लिए अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से इस मुद्दे को इंगित करने के बावजूद निफ्ट द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

ए.4.2 स्थायी परिसंपत्ति (अनुसूची -8): 1,05,731.16 लाख रुपये

निफ्ट, कोलकाता की स्थायी परिसंपत्तियों में 57.71 लाख रुपये की राशि की सौर ऊर्जा प्रणाली की लागत शामिल नहीं है, जिसकी संस्थापना और कमीशनिंग फरवरी 2024 में पूरी हो गई थी। इस कार्य के लिए किए गए ₹30.12 लाख के अग्रिम भुगतान (मार्च 2023) को निफ्ट, कोलकाता के खातों में 'ठेकेदारों को अग्रिम' के रूप में गिना गया था।

चूंकि सौर प्रणाली फरवरी 2024 से उपयोग के लिए तैयार थी, इसलिए सिस्टम की लागत को पूंजीकृत किया जाना चाहिए था और मूल्यह्रास को लेखा मानक 10 की आवश्यकताओं के अनुसार और निफ्ट की अनुसूची 26 'लेखा नीतियों' के नोट 5 (ii) के अनुरूप चार्ज किया जाना चाहिए था।

उपरोक्त का अनुपालन न करने के परिणामस्वरूप स्थायी परिसंपत्तियों की संख्या 49.49 लाख रुपये (57.71 लाख रुपये घटाकर 8.22 लाख रुपये), वर्तमान देनदारियों की 27.59 लाख रुपये कम और चालू परिसंपत्तियों, ऋणों, अग्रिमों की अधिक-विवरण में 30.12 लाख रुपये की वृद्धि हुई है। इसके अलावा मूल्यह्रास को कम करके आंका गया और अधिशेष में 8.22 लाख रुपये की अधिक वृद्धि हो गई।

वर्ष 2023-24 के लिए अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से इस मुद्दे को इंगित करने के बावजूद निफ्ट द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

बी. आय एवं व्यय का लेखा

बी.1 आस्थगित राजस्व आय : 2,548.32 लाख रुपये

उपर्युक्त में निर्धारित/अक्षय निधियों से सृजित परिसंपत्तियों पर प्रभारित मूल्यह्रास की राशि के रूप में 3,700.94 लाख रुपए की राशि शामिल नहीं है।

संस्थान ने वर्षों से निर्धारित/अक्षय निधियों से स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण किया। परिसंपत्तियों को अनुसूची-8सी के तहत दर्शाया गया है, जबकि संबंधित देयता को 'निर्धारित/अक्षय निधि' (अनुसूची-3) से वर्तमान देनदारियों (अनुसूची-7) के तहत 'अक्षय निधि/ डीडीएफ/सीडीएफ से खरीदी गई परिसंपत्तियां' में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा, संस्थान ने निर्धारित/अक्षय निधियों से खरीदी गई परिसंपत्तियों से मूल्यह्रास का प्रभार लिया और इस प्रकार परिसंपत्तियों का अवमूल्यन होता रहा, जबकि निर्धारित/ अक्षय निधियां अपरिवर्तित रहीं।

निर्धारित/अक्षय निधियों से बनाई गई परिसंपत्तियों पर गलत लेखांकन उपचार के परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों की संख्या 3,700.94 लाख रुपये बढ़ गई, आस्थगित राजस्व आय को कम करके बताया गया और इसके परिणामस्वरूप अधिशेष को उसी सीमा तक कम करके आंका गया।

वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार इस मुद्दे को इंगित करने के बावजूद निफ्ट द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

बी.2 व्यय

शैक्षणिक व्यय (अनुसूची 20): 12,369.14 लाख रुपये

निफ्ट ने 'सार्थक' नामक एक वित्तीय सहायता योजना शुरू की जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र वित्तीय कारणों से निफ्ट में शिक्षा से वंचित न रहें, विशेष रूप से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्र। लेखा परीक्षा ने उपरोक्त योजना के तहत निफ्ट द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता के संबंध में निम्नलिखित निरीक्षण किया :

(क) निफ्ट, मुंबई ने दो सेमेस्टर यानी जुलाई 2024 से दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 से जून 2025 के लिए 48 छात्रों को 105.58 लाख रुपये की सार्थक छात्रवृत्ति प्रदान की और वर्ष 2024-25 के लिए कुल छात्रवृत्ति व्यय के रूप में वसूली। चूंकि, छात्रवृत्ति की अवधि (अप्रैल 2025 से जून 2025) का हिस्सा अगले वित्तीय वर्ष में पड़ता है, इसलिए ₹26.39 लाख की आनुपातिक छात्रवृत्ति राशि अगले वित्तीय वर्ष यानी 2025-26 में बुक की जानी चाहिए।

(ख) इसी प्रकार निफ्ट, कांगड़ा ने दो सेमेस्टर यानी जुलाई 2024 से दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 से जून 2025 के लिए 58 छात्रों को 143.05 लाख रुपये की सार्थक छात्रवृत्ति प्रदान की और वर्ष 2024-25 के लिए कुल छात्रवृत्ति व्यय के रूप में वसूली। चूंकि छात्रवृत्ति की अवधि (अप्रैल 2025 से जून 2025) का हिस्सा अगले वित्तीय वर्ष में पड़ता है इसलिए ₹35.76 लाख की आनुपातिक छात्रवृत्ति राशि अगले वित्तीय वर्ष यानी 2025-26 में बुक की जानी चाहिए।

इससे खर्चों की अधिक-विवरण ₹62.15 लाख हो गई है और वर्ष के लिए अधिशेष को उसी राशि से कम कर दिया गया है।

सी. प्राप्ति और भुगतान लेखा

31 मार्च 2025 तक समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

वर्ष 2024-25 के लिए निफ्ट की प्राप्तियों और भुगतान खातों के अनुसार, बैंक शेष का समापन शेष इस प्रकार दिखाया गया है:

अनुसूचित बैंक खाते में: 58,974.75 लाख रुपये

जमा खातों में: 1,54,413.23 लाख रुपये

हालांकि, वित्तीय विवरणों की वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि अनुसूची 11 के तहत दर्शाए गए सही बैंक राशि इस प्रकार हैं:

बैंक खातों में: 57,860.74 लाख रुपये

जमा खातों में: 1,55,522.11 लाख रुपये

इससे प्राप्तियों और भुगतान खातों में बैंक शेष राशि का गलत चित्रण हुआ है।

डी. प्रबंधन पत्र

जिन कमियों को इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी किए गए प्रबंधन पत्र के माध्यम से प्रबंधन के ध्यान में लाया गया है।

ई . आंतरिक नियंत्रण का निर्धारण

- **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:** आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त है और जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, निफ्ट की गतिविधि के आकार और प्रकृति के अनुरूप नहीं है। अनुदानों और निर्धारित/अक्षय निधियों के लेखांकन और प्रस्तुतीकरण, परिसंपत्तियों के लेखांकन और उनके पूंजीकरण और निफ्ट द्वारा शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं के भावी लेखांकन की प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है।
- **आंतरिक लेखा प्रणाली की पर्याप्तता**: चार्टरित लेखाकार के किराये की कंपनी के द्वारा आंतरिक लेखा-परीक्षा की जा रही है और उसे 2024-25 वर्ष में संपन्न किया गया है।
- **स्थायी परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:** स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन सामान्य वित्तीय नियमों के अनुसार किया जा रहा है। निफ्ट पटना को छोड़कर **31** मार्च **2025** तक वित्तीय विवरणों में दिखाए गए सभी स्थायी परिसंप-त्तियों का भौतिक सत्यापन पूरा हो गया है।
- **माल-सूची के भौतिक सत्यापन प्रणाली**: 31 मार्च 2025 तक निफ्ट के पुस्तिका में कोई माल-सूची नही थी।
- **सांविधिक देय राशि के भुगतान में नियमितता:** सांविधिक देय राशि के भुगतान में अनियमितता का कोई उदाहरण नहीं था।
- **इकाई के कामकाज से संबंधित अन्य मामले**: शून्य

एफ. सहायता अनुदान

01.04.2024 तक सरकारी अनुदान का अथ शेष 13,353.31 लाख रुपये था। वर्ष के दौरान, संस्थान को 10,043.74 लाख रुपये का केंद्र/राज्य सरकार का अनुदान प्राप्त हुआ और 198.22 लाख रुपये की राशि के अनुदान पर ब्याज अर्जित किया। इसके अलावा, वर्ष के दौरान मंत्रालय को 8,777.26 लाख रुपये की अनुदान राशि वापस कर दी गई। संस्थान ने वर्ष के दौरान 7,965.83 लाख रुपये की राशि के अनुदान का उपयोग किया (जिसमें राजस्व घाटे के लिए ₹288.04 लाख और अनुदान पूंजीकृत पर 7,677.79 लाख रुपये शामिल हैं)। इसके अलावा, समायोजन और हस्तांतरण के लिए अतिरिक्त 842.42 लाख रुपये था (एचओ द्वारा हस्तांतरित अनुदान और 8,523.58 लाख रुपये कम समायोजन और 7,681.16 लाख रुपये का स्थानांतरण)। 31.03.2025 तक अनुदान का अंत शेष 7,694.60 लाख रुपये था।

कृते
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से

स्थान: नई दिल्ली
दिनांकित: 31.10.2025

(डॉ पवन कुमार कोंडा)
ओएसडी
उद्योग एवं कॉर्पोरेट मामले
नई दिल्ली

वित्तीय विवरण प्रपत्र (गैर-लाभकारी संगठन)
इकाई का नाम: राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
31 मार्च 2025 के अनुसार तुलन पत्र

रुपये लाख में

समग्र/पूंजी निधि एवं देयता	अनुसूची	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
समग्र/पूंजी निधि	1	1,59,977.58	1,38,845.33
आरक्षित एवं अधिशेष	2	1,04,892.52	1,05,780.59
निर्धारित/अक्षय निधियां	3	39,099.70	36,236.34
अक्षय निधियां	4	0.00	0.00
असुरक्षित ऋण और उधार	5	0.00	0.00
अस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	0.00	0.00
चालू देयताएं एवं प्रावधान	7	45,559.65	43,424.45
कुल		**3,49,529.45**	**3,24,286.70**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	8	1,05,731.16	97,835.45
निवेश - निर्धारित/अक्षय निधियों से	9	0.00	0.00
निवेश - अन्य	10	7,348.99	6,672.98
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि।	11	2,36,449.30	2,19,778.27
"विधिवत व्यय" (बट्टे खाते में नहीं डाले गए अथवा समायोजित नहीं की गई राशि तक)		0.00	0.00
कुल		**3,49,529.45**	**3,24,286.70**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	26	संलग्न
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणियां	27	संलग्न

सम तिथि की हमारी संकलन रिपोर्ट के संदर्भ में
द्वारा संकलित:
एएसए एवं एसोसिएट्स एलएलपी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन 009571एन/एन500006

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
सीए गौरव भाटिया	सीए राहुल त्यागी	सीएमए बी.के.पांडे	तनु कश्यप, आईएएस
पार्टनर	उप निदेशक (वित्त एवं लेखा)	निदेशक (एफ एंड ए)	महानिदेशक

सदस्यता सं. 521920
स्थान नई दिल्ली
दिनांक: 21.06.2025
युडीआईएन सं. – 255219ZOBMNSMS1009

वित्तीय विवरण प्रपत्र(गैर-लाभकारी संगठन)
इकाई का नाम : राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खातों का विवरण

रूपये लाख में

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
क. आय			
बिक्री/सेवा से आय	12	0.00	0.00
अनुदान/सब्सिडी	13	685.09	514.63
शुल्क/सदस्यता	14	56,800.52	52,022.72
निवेश से आय	15	524.52	473.94
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से होने वाली आय।	16	0.00	0.00
अर्जित ब्याज	17	10,930.08	8,987.35
अन्य आय	18	588.47	671.73
तैयार माल और अर्द्ध तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	19	0.00	0.00
आस्थगित राजस्व आय		2,548.32	2,389.60
कुल (क)		**72,077.00**	**65,059.97**
ख. व्यय			
अकादमिक व्यय	20	12,369.14	9,656.97
स्थापना व्यय	21	26,945.13	26,188.16
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	6,492.14	6,220.01
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय।	23	0.00	0.00
ब्याज/बैंक शुल्क और कमीशन	24	1.49	0.76
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में शुद्ध कुल/ निवल- अनुसूची -8 के अनुरूप)		4,298.39	3,756.81
कुल (ख)		**50,106.29**	**45,822.72**
वर्ष के लिए व्यय से अधिक वृधि आय के रूप में ग = (क + ख)		**21,970.71**	**19,237.26**
जोड़ें: पूर्व अवधि आय (घ)	25	385.14	562.43
घटा: पूर्व अवधि व्यय (ड.)		551.57	405.95
व्यय पर आय कि शध अधिकता (ग+घ+ड.)		**21,804.28**	**19,393.74**
डीडीएफ/सीडीएफ/सीई में स्थानांतरण		672.03	663.76
अधिशेष (कमी) के रूप में समग्र निधि/पूंजीगत निधि में अग्रेनीत शेष		**21,132.25**	**18,729.98**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	26	संलग्न
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणियां	27	संलग्न

सम तिथि की हमारी संकलन रिपोर्ट के संदर्भ में
द्वारा संकलित:
एएसए एवं एसोसिएट्स एलएलपी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन 009571एन/एन500006

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए

हस्ता/-	**हस्ता/-**	**हस्ता/-**	**हस्ता/-**
सीए गौरव भाटिया	**सीए राहुल त्यागी**	**सीएमए बी.के.पांडे**	**तनु कश्यप, आईएएस**
पार्टनर	**उप निदेशक (वित्त एवं लेखा)**	**निदेशक (एफ एंड ए)**	**महानिदेशक**

सदस्यता सं. 521920
स्थान नई दिल्ली
दिनांक: 21.06.2025
युडीआईएन सं. – 255219ZOBMNSMS1009

वित्तीय विवरण प्रपत्र(गैर-लाभकारी संगठन)
इकाई का नाम : राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

रुपये लाख में

प्राप्ति	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024	भुगतान	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
रोकड़ जमा			**व्यय**		
(क) हाथ रोकड़	0.90	0.90	अकादमिक व्यय	9,251.06	7,140.25
(ख) बैंक शेष			स्थापना व्यय	22,758.67	21,617.21
शेड्यूल बैंक खाते में	58,657.73	63,024.50	प्रशासनिक व्यय	5,257.49	4,643.61
जमा खातों में	1,39,218.88	1,13,846.21	पूर्व अवधि व्यय	132.70	190.14
			व्यय पूर्व अदायगी	71.85	59.63
मुख्यालय द्वारा प्राप्त अनुदान			**मुख्यालय द्वारा परिसर को हस्तांतरित अनुदान**		
भारत सरकार से			भारत सरकार से		
(क) पूंजीगत	9,643.91	10,100.00	(क) पूंजीगत	8,523.58	10,801.37
(ख) राजस्व	0.00	0.00	(ख) राजस्व	0.00	0.00
(ग) क्लस्टर पहल के लिए अनुदान	0.00	78.26	(ग) क्लस्टर पहल के लिए अनुदान	0.00	65.34
(घ) अन्य	0.00	0.00	(ड.) अन्य	0.00	0.00
अन्य स्रोत से					
(क) पूंजीगत	512.49	0.00			
(ख) राजस्व	0.00	0.00	अन्य स्त्रोत से		
			(क) पूंजीगत	0.00	1,000.00
परिसर द्वारा प्राप्त अनुदान			(ख) राजस्व	0.00	0.00
(या तो मुख्यालय या सरकार या राज्य सरकार या किसी भी निकाय से सीधे			परिसर द्वारा मुख्यालय को हस्तांतरित अनुदान (ईडब्ल्यूएस फंड मुख्यालय (कन्नूर) को लौटाया गया)		
सरकार/राज्य से			अक्षय निधियाँ		
(क) पूंजीगत	8,639.30	9,299.33	(क) पूंजीगत	0.00	0.00
(ख) राजस्व	247.12	3.90	(ख) राजस्व	0.00	0.00
(ग) क्लस्टर पहल के लिए अनुदान	527.68	121.36			
अन्य स्रोत से			भुगतान अचल संपत्ति और सीडब्ल्यूआईपी		
(क) पूंजीगत	37.00	24.90			
(ख) राजस्व	0.00	101.71	(क) केंद्रीय सरकार अनुदान से परिसंपत्तियां की खरीद	1,862.65	866.76

अक्षय निधियां			(ख) राज्य सरकार अनुदान से परिसंपत्ति की खरीद	305.62	832.38
(क) पूंजीगत	336.90	106.16	(ग) अन्य फंड से परिसंपत्ति की खरीद	1,660.41	1,258.79
(ख) राजस्व	126.95	97.49	(घ) सीडब्ल्यूआईपी भुगतान	2,869.18	3,554.79
फीस से आय					
(क) आवेदन शुल्क/प्रवेश शुल्क	598.66	529.48	निर्धारित निधि का उपयोग		
(ख) ट्यूशन शुल्क	34,477.42	32,029.93	(क) अक्षयनिधि उपयोगिता पूंजी	511.71	94.48
(ग) सी.ई.कार्यक्रम शुल्क	406.55	655.66	(ख) अक्षयनिधि उपयोगिता राजस्व	110.35	72.61
(घ) छात्रावास शुल्क	5,542.42	4,949.59	(ग) अन्य निर्धारित निधि पूंजी	1.46	178.41
(ड.) पुस्तकालय शुल्क	1,531.43	1,360.58	(घ) अन्य निर्धारित निधि पूंजी राजस्व	313.95	181.76
(च) फीस अग्रिम में प्राप्त हुई	13,405.48	12,099.90			
(छ) शुल्क जब्ती	2.79	64.63			
(ज) अन्य विविध शुल्क	1,248.92	1,153.72	**निवेश किया गया**		
निवेश से आय	108.45	128.59	एलआईसी छुट्टी नकदीकरण योजना	196.90	373.45
प्राप्त ब्याज					
(क) बैंक खाते पर ब्याज	9,784.15	7,492.28	**रिफंड/अग्रिम**		
(ख) अनुदान पर ब्याज	180.21	368.82	(क) संविदाकार को अग्रिम राशि	4,334.23	3,673.63
(ग) अक्षय निधियां पर ब्याज	513.78	306.96	(ख) कर्मचारी को दिए गए अग्रिम राशि	607.17	561.58
(घ) अन्य उद्दिदष्ट निधि पर ब्याज	466.37	488.37	(ग) ईएमडी	143.60	48.43
			(घ) सुरक्षा जमा (विद्यार्थी)	632.33	580.93
परियोजनाएं एवं कार्यशाला रसीद			(ड़) सुरक्षा जमा (बिक्रेता)	449.11	201.88
(क) कार्यशाला और परियोजनाओं से अधिशेष	-688.11	-1,984.57	(च) फीस वापसी	66.84	54.69
(ख) परियोजना देयताएं (शुध)	68.27	394.03	(छ) अन्य कोई वापसी	9,753.37	4,066.22
अन्य आय					
(क) पूर्व अवधि आय	97.66	148.48	**वार्षिक देनदारी के विरुद्ध भुगतान**		
(ख) परिसंपत्ति की बिक्री या निपटान	22.67	4.25	पिछले साल के प्रावधान का भुगतान इस साल किया गया	4,874.45	4,361.03
(ग) अतिथि गृह शुल्क	26.33	15.63	पिछले वर्ष की सांविधिक देयताएं इस वर्ष के दौरान भुगतान की गईं	624.53	492.47

(घ) लाइसेंस शुल्क लीज आवास	11.56	10.61			
(ड) आय कर की वापसी	166.80	10.35			
(च) अन्य विविध आय	384.25	387.42			
			ब्याज और बैंक शुल्क का भुगतान किया गया	1.48	38.64
आंतरिक परिसर रसीद	8,305.90	1,977.36			
अन्य कोई रसीद			**आंतरकि परिसर को भुगतान किया गया**	9,654.58	1,538.89
(क) ठेकेदार से प्राप्त अग्रिम	471.12	3,016.44			
(ख) सुरक्षा जमा आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार	147.88	130.95	**रोकड़ बाकी**		
(ग) सुरक्षा जमा (विद्यार्थी)	701.12	820.01	(क) हाथ रोकड़	0.58	0.90
(घ) ईएमडी	252.27	70.12	(ख) बैंक शेष		
(ड) पूर्व छात्र कोष	157.21	127.87	अनुसूचित बैंक खाते में	58,974.75	58,657.72
(च) स्टाफ अग्रिम वापसी	308.35	229.95	जमा खातों में	1,54,413.23	1,39,218.88
(छ) विविध रसीद	1,709.05	2,634.70			
कुल	**2,98,357.82**	**2,66,426.85**	**कुल**	**2,98,357.82**	**2,66,426.85**

सम तिथि की हमारी संकलन रिपोर्ट के संदर्भ में
द्वारा संकलित:
एएसए एवं एसोसिएट्स एलएलपी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन 009571एन/एन500006

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए

हस्ता/-	**हस्ता/-**	**हस्ता/-**	**हस्ता/-**
सीए गौरव भाटिया	**सीए राहुल त्यागी**	**सीएमए बी.के.पांडे**	**तनु कश्यप, आईएएस**
पार्टनर	**उप निदेशक (वित्त एवं लेखा)**	**निदेशक (एफ एंड ए)**	**महानिदेशक**

सदस्यता सं. 521920
स्थान नई दिल्ली
दिनांक: 21.06.2025
युडीआईएन सं. – 255219ZOBMNSMS1009

वित्तीय विवरणों का रूप (गैर-लाभकारी संगठन)
इकाई का नाम : नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी
31 मार्च, 2025 तक वार्षिक खातों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 1: समग्र निधि/पूंजीगत निधि — रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि	1,38,845.33		1,20,604.32	
जोड़: अक्षय/डीडीएफ/सीडीएफ से खरीदी परिसंपत्तियाँ	0.00		0.00	
जोड़/घटाएं: वर्ष के दौरान समायोजन/स्थानांतरण	0.00		-489.01	
जोड़ें/घटाएं: आय और व्यय खातों से शुद्ध अधिशेष/हानि	21,132.25	1,59,977.58	18,729.98	1,38,845.33
वर्ष के अंत में शेष राशि		**1,59,977.58**		**1,38,845.33**

अनुसूची 2: आरक्षित/निधि और अधिशेष — रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
1. पूंजी आरक्षित निधि				
सरकारी अनुदान				
पूंजीकृत/अप्रयुक्त सरकारी अनुदान				
	13,353.31		11202.38	
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	10,043.74		10100.01	
जोड़ें: अनुदान मुख्यालय द्वारा स्थानांतरित किया गया और परिसर द्वारा प्राप्त किया गया।	8,523.58		9299.33	
जोड़ें: सरकारी अनुदान पर ब्याज (अनुसूची 17 से)	198.22		387.81	
जोड़ें/घटाएं: समायोजन और स्थानान्तरण	7,681.16		10058.27	
घटाएं: मंत्रालय/मुख्यालय को अनुदान वापस किया गया	8,777.26		2364.97	
घटाएं: राजस्व घाटे के खिलाफ समायोजित अनुदान	288.04		10.92	
घटाएं: वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान	7,677.79		5202.05	
	7,694.58		**13353.31**	
पूंजीकृत/उपयोग किया गया सरकारी अनुदान				
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि	1,28,564.37		122568.87	
जोड़ें: वर्ष के दौरान पूंजीकृत अनुदान	7,677.79		4900.10	
जोड़ें/घटाएं: समायोजन/स्थानांतरण, यदि कोई हो	-206.10		-1095.40	
	1,35,984.36		128564.37	
घटाएं: पूंजी निधि समायोजन (अस्थगित मूल्यह्रास)				
पिछले वर्ष तक	36,137.09		33664.33	
इस वर्ष के दौरान	2,548.32		2283.60	
पूर्व अवधि के कारण	102.57		189.15	
	38,786.43	**1,04,892.52**	**36137.09**	**105780.59**
2. पुनर्मूल्यन आरक्षित निधि				
पिछले लेखा के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0.00		0.00	
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
3. विशेष आरक्षित निधि				
पिछले लेखा के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0.00		0.00	
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
4. सामान्य आरक्षित निधि				
पिछले लेखा के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0.00		0.00	
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्ष के अंत में शेष राशि		**1,04,892.52**		**105780.59**

अनुसूची 3: निर्धारित/अक्षय निधि रुपये लाख में

विवरण	गतिविधि शुल्क निधि	पूर्व छात्र संघ कोष	विभाग विकास निधि	केंद्र विकास निधि	परिसर अक्षय निधि	सीई कार्यक्रम निधि	31मार्च, 2025	31मार्च, 2024
(क) निधियों का रोकड़ जमा	2,746.20	1,344.03	8,562.28	1,531.14	327.24	674.40	15,185.25	13,523.83
निधियों में परिवर्धन	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
i. दान/अनुदान	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	22.00
ii. वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	161.41	71.06	470.19	62.37	15.03	30.48	810.52	563.33
iii. वर्ष के दौरान स्थानांतरण	52.37	0.00	499.40	115.26	0.00	5.02	672.02	663.76
iv. अन्य परिवर्धन	402.50	153.61	287.21	-12.41	19.18	2.18	852.32	907.75
उप कुल (क)	**3,362.48**	**1,568.70**	**9,819.07**	**1,696.35**	**361.44**	**712.07**	**17,520.11**	**15,680.66**
(ख) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय								
I. पूंजीगत व्यय	0.00	0.00	0.00	13.91	4.58	0.00	18.49	71.81
II. राजस्व व्यय	208.83	28.14	261.13	64.35	4.91	0.03	567.38	423.61
उप कुल (ख)	**208.83**	**28.14**	**261.13**	**78.26**	**9.49**	**0.03**	**585.88**	**495.42**
परिसर निधियां ग=(क-ख)	**3,153.65**	**1,540.56**	**9,557.95**	**1,618.09**	**351.96**	**712.04**	**16,934.23**	**15,185.25**

विवरण	निफ्ट विकास निधि	अक्षय निधि	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
घ) निधि का प्रारंभिक शेष (मूल निधि) (केवल मुख्यालय में)	137.30	10,016.30	10,153.60	10,153.60
निधि में परिवर्धन				
i. दान/अनुदान (केवल मुख्यालय में)	0.00	0.00	-	0.00
ii. अन्य परिवर्धन (नाम निर्दिष्ट करें)	0.00	0.00	-	0.00
उप कुल (घ)	**137.30**	**10,016.30**	**10,153.60**	**10,153.60**
ड) i कैंपस को मुख्यलय से प्राप्त निधि	0.00	263.73	263.73	44.05
ii मुख्यालय से परिसर द्वारा प्राप्य अनुदान		-25.34	(25.34)	49.00
उप कुल (ड.)	**0.00**	**238.39**	**238.39**	**93.05**
च) निधि का प्रारंभिक शेष (ब्याज) (केवल मुख्यालय में)	168.55	10,796.40	10,964.95	9,875.74
निधि में संवर्धन			-	
i. वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	27.14	1,301.45	1,328.59	1,197.63
ii. अन्य संवर्धन/स्थानांतरण	0.25	28.84	29.09	8.72
उप कुल (च)	**195.94**	**12,126.69**	**12,322.63**	**11,082.09**
कुल छ =(घ+ड+च)	**333.24**	**22,381.38**	**22,714.62**	**21,328.74**
च) निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय			-	
i. पूंजी व्यय	0.00	144.11	144.11	146.20
ii. राजस्व व्यय	0.10	6.29	6.39	28.34
iii. मुख्यालयों द्वारा परिसर को हस्तांतरित राशि (केवल मुख्यालय में)	14.50	384.15	398.65	103.11
उप कुल (छ)	**14.60**	**534.55**	**549.15**	**277.65**
कुल = (च-छ)	**318.64**	**21,846.83**	**22,165.47**	**21,051.09**
वर्ष के अंत में निवल शेष (ग+झ)			**39,099.70**	**36,236.34**

अनुसूची 4: प्रतिभूत ऋण एवं उधार रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
1. केंद्र सरकार		0.00		0.00
2. राज्य सरकार		0.00		0.00
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण	0.00		0.00	
ख) प्रोद्भूत ब्याज एवं बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00
4. बैंक				
क) सावधि ऋण	0.00		0.00	
ख) प्रोद्भूत ब्याज एवं बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00
5. अन्य संस्थान और एजेंसियां		0.00		0.00
6. डिबेंचर और बॉन्ड		0.00		0.00
7. अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 5: असुरक्षित ऋण और उधार रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
1. केंद्रीय सरकार		0.00		0.00
2. राज्य सरकार		0.00		0.00
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण	0.00		0.00	
ख) प्रोद्भूत ब्याज एवं बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00
4. बैंक				
क) सावधि ऋण	0.00		0.00	
ख) प्रोद्भूत ब्याज एवं बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		0.00		0.00
6. डिबेंचर एवं बोंड		0.00		0.00
7. अन्य		0.00		0.00
कुल		0.00		0.00

अनुसूची 6: आस्थगित क्रेडिट देयताएं रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31मार्च, 2024	
क) पूंजीगत उपस्करों एवं अन्य परिसंपत्तियों के आडमान द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां		0.00		0.00
ख) अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 7: चालू दायित्व एवं प्रावधान रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
क. चालू दायित्व				
1. परियोजना दायित्व (अनुलग्नक 2)		2,425.12		3127.32
2. विविध लेनदार				
क) माल/सेवा के लिए (अनुलग्नक 3)	1,070.69		1147.34	
ख) अन्य (अनुलग्नक 4)	3,275.14	4,345.83	3178.85	4326.19
3. छात्रों से प्राप्त अग्रिम शुल्क (अनुलग्नक 5)		14,185.14		12743.66
4. सुरक्षा जमा और प्रतिधारण (अनुलग्नक 6)		3,133.34		2901.24
5. प्रोदभूत ब्याज परन्तु बकाया नहीं				
क) प्रतिभूत ऋण/उधार	0.00		0.00	
ख) अप्रतिभूत ऋण एवं उधार	0.00	0.00	0.00	0.00
6. वैधानिक देनदारियां (अनुलग्नक 7)		629.00		646.52

7. अन्य वर्तमान देनदारियां (अनुलग्नक 8)		4,924.35		4973.98
8. अक्षयनिधि/डीडीएफ/सीडीएफ से खरीदी गई संपत्ति (अनुलग्नक 1)		5,164.16		5014.40
कुल (क)		**34,806.94**		**33733.31**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु		0.00		0.00
2. उपदान (अनुलग्नक 9)		0.00		0.00
3. छुट्टी नकदीकरण (अनुलग्नक 10)		8,068.72		7206.10
4. डब्ल्यूआईपी के निर्माण के लिए प्रावधान (अनुलग्नक 11)		635.51		395.60
5. अन्य प्रावधान (अनुलग्नक 12)		2,048.48		2089.44
6. व्यापार वारंटी/दावे		0.00		0.00
कुल (ख)		**10,752.71**		**9691.14**
कुल (क+ख)		**45,559.65**		**43424.45**

अनुसूची 8: सारांश

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		
	वर्ष की प्रारंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान अतिरिक्त	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष की शुरुआत में	वर्ष के दौरान	
केंद्र सरकार के अनुदान	90,309.80	9,199.52	1,970.39	97,538.93	23,247.01	1,599.09	
राज्य सरकार के अनुदान	33,218.73	467.26	0.80	33,685.19	11,268.11	944.03	
उप कुल (क)	1,23,528.53	9,666.78	1,971.19	1,31,224.12	34,515.13	2,543.11	
बंदोबस्ती अनुदान	4,714.36	183.53	(268.19)	5,166.08	3,149.09	288.30	
स्वयं का कोष	15,989.77	4,459.12	776.23	19,672.66	8,654.02	1,461.77	
उप कुल (ख)	20,704.13	4,642.65	508.04	24,838.73	11,803.11	1,750.07	
कुल (क + ख)	1,44,232.65	14,309.43	2,479.23	1,56,062.86	46,318.24	4,293.18	

रुपये लाख में

			ऋणमुक्ति				निवल कुल सम्पतियाँ	
	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
	364.47	24,481.63	79.06	5.20	0.00	84.26	72,973.04	66,983.75
	(133.78)	12,345.92	0.00	0.00	0.00	0.00	21,339.27	21,950.65
	230.69	36,827.55	79.06	5.20	0.00	84.26	94,312.31	88,934.40
	(263.52)	3,700.92	0.00	0.00	0.00	0.00	1,465.16	1,565.27
	396.81	9,718.97	0.00	0.00	0.00	0.00	9,953.68	7,335.78
	133.29	13,419.89	0.00	0.00	0.00	0.00	11,418.85	8,901.05
	363.98	50,247.44	79.06	5.20	0.00	84.26	1,05,731.16	97,835.45

अनुसूची 8: स्थायी परिसंपत्तियां अनुसूची

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		
	वर्ष की प्रारंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान अतिरिक्त	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष की शुरुआत में	वर्ष के दौरान	
क. अचल संपत्ति							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	123.05	0.00	0.00	123.05	0.00	0.00	
ख) पट्टाधारिता	597.39	0.00	0.00	597.39	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्डभूमिपर	15,301.11	79.60	0.00	15,380.70	2,768.58	242.51	
ख) पट्टाधारिता भूमि पर	46,897.92	1,571.09	170.42	48,298.58	7,552.55	761.61	
ग) स्वामित्व के फ्लैट/परिसर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) भूमि पर सुपर संरचनाएं संबंधित नहीं हैं	45.75	0.00	0.00	45.75	36.58	0.12	
3. कक्षा उपकरण	8,570.79	946.01	104.57	9,412.23	6,910.42	551.21	
4. वाहन							
क) हल्के वाहन	472.37	176.45	40.78	608.04	268.86	59.27	
ख) भारी वाहन	406.47	197.52	13.79	590.20	210.47	54.96	
5. फर्नीचर, फिक्स्चर	7,454.99	1,015.36	29.21	8,441.15	4,516.10	677.93	
6. कार्यालय उपकरण	1,675.96	132.29	65.15	1,743.10	1,322.62	131.96	
7. कंप्यूटर/पेरिफेरल्स							
क) हार्डवेयर	11,209.88	1,352.26	373.89	12,188.25	9,621.69	870.49	
ख) सोफ्टवेयर	2,743.62	119.95	12.45	2,851.12	2,502.83	133.81	
ग) लैपटॉप और नोटबुक	49.53	0.00	0.00	49.53	30.90	7.61	
8. बिजली उपकरण	5,820.58	1,176.50	-143.46	7,140.55	4,627.42	369.48	
9. संसाधन केंद्र संग्रह	120.89	8.47	0.00	129.36	109.06	5.71	
10. पुस्तकें	3,013.97	201.40	20.47	3,194.90	2,673.73	151.97	
11. पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ	854.08	66.00	0.87	919.21	846.11	53.28	
12. ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना संपत्ति	281.91	4.86	0.00	286.77	252.80	1.39	
14. छात्रावास उपकरण	877.61	106.55	8.32	975.84	606.45	84.60	
15. अन्य अचल संपत्ति	1,726.63	541.91	60.85	2,207.69	1,461.07	135.27	
वित्त वर्ष 2024-25 का कुल (क)	1,08,244.51	7,696.22	757.31	1,15,183.41	46,318.22	4,293.18	
वित्त वर्ष 2023-24 का कुल	97,887.30	10,094.07	-214.65	1,08,244.51	42,473.72	3,883.33	
ख) प्रगतिशील कार्यों में पूंजी							
भवन	35,938.77	3,926.93	2,286.82	37,578.88	0.00	0.00	
पारगमन में पूंजीगत सामान	49.37	94.05	43.81	99.61	0.00	0.00	
अन्य	0.00	2,592.27	-608.69	3,200.96	0.00	0.00	
सी डब्ल्यू आई पी का कुल (ख)	35988.13	6613.24	1721.93	40879.45	0.00	0.00	
कुलयोग (क + ख)	144232.65	14309.43	2479.23	156062.86	46318.24	4293.18	

रुपये लाख में

			ऋणमुक्ति				निवल कुल सम्पतियाँ	
	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	123.05	123.05
	0.00	0.00	79.06	5.20	0.00	84.26	513.13	518.33
	0.04	3,011.05	0.00	0.00	0.00	0.00	12,369.65	12,532.52
	26.70	8,287.46	0.00	0.00	0.00	0.00	40,011.12	39,345.38
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	36.70	0.00	0.00	0.00	0.00	9.06	9.18
	32.93	7,428.70	0.00	0.00	0.00	0.00	1,983.53	1,660.40
	23.65	304.48	0.00	0.00	0.00	0.00	303.57	203.52
	13.79	251.64	0.00	0.00	0.00	0.00	338.56	196.00
	1.37	5,192.66	0.00	0.00	0.00	0.00	3,248.49	2,938.90
	54.81	1,399.78	0.00	0.00	0.00	0.00	343.32	353.35
	313.53	10,178.65	0.00	0.00	0.00	0.00	2,009.60	1,588.20
	4.78	2,631.86	0.00	0.00	0.00	0.00	219.25	240.78
	0.00	38.50	0.00	0.00	0.00	0.00	11.02	18.63
	-145.98	5,142.89	0.00	0.00	0.00	0.00	1,997.66	1,193.18
	0.00	114.78	0.00	0.00	0.00	0.00	14.58	11.82
	1.56	2,824.14	0.00	0.00	0.00	0.00	370.75	340.26
	0.00	899.39	0.00	0.00	0.00	0.00	19.82	7.96
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	254.18	0.00	0.00	0.00	0.00	32.59	29.11
	7.49	683.55	0.00	0.00	0.00	0.00	292.28	271.17
	29.32	1,567.02	0.00	0.00	0.00	0.00	640.66	265.55
	363.98	50,247.44	79.06	5.20	0.00	84.26	64,851.71	61,847.32
	58.90	46,318.22	73.86	5.20	0.00	79.06	61,847.32	55,339.74
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	37,578.88	35,938.77
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	99.61	49.37
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3,200.96	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	40879.45	35988.13
	363.98	50247.44	79.06	5.20	0.00	84.26	105731.16	97835.45

अनुसूची 8 क: केंद्र सरकार के अनुदान से स्थायी परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		
	वर्ष की प्रारंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान अतिरिक्त	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष की शुरुआत में	वर्ष के दौरान	
क. अचल संपत्ति							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	123.05	0.00	0.00	123.05	0.00	0.00	
ख) पट्टाधारिता	381.59	0.00	0.00	381.59	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्डभूमिपर	7,538.97	0.00	0.00	7,538.97	1,810.27	119.11	
ख) पट्टाधारिता भूमि पर	32,557.71	1,503.86	-42.76	34,104.33	5,284.78	537.50	
ग) स्वामित्व के फ्लैट/परिसर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) भूमि पर सुपर संरचनाएं संबंधित नहीं हैं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
3. कक्षा उपकरण	4,222.24	326.31	104.57	4,443.98	3,524.05	195.01	
4. वाहन							
क) हल्के वाहन	143.20	60.11	40.78	162.53	126.28	10.51	
ख) भारी वाहन	91.33	134.38	13.79	211.92	72.15	18.44	
5. फर्नीचर, फिक्स्चर	2,940.16	418.28	28.10	3,330.33	2,009.79	200.72	
6. कार्यालय उपकरण	727.32	24.25	54.85	696.72	619.63	26.77	
7. कंप्यूटर/पेरिफेरल्स							
क) हार्डवेयर	4,251.78	341.37	227.73	4,365.42	3,800.58	235.06	
ख) सोफ्टवेयर	1,136.34	7.42	12.45	1,131.31	1,082.94	2.02	
ग) लैपटॉप और नोटबुक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
8. बिजली उपकरण	2,666.33	781.72	60.11	3,387.94	2,358.85	107.77	
9. संसाधन केंद्र संग्रह	31.28	0.00	0.00	31.28	29.49	0.03	
10. पुस्तकें	1,212.92	43.05	20.47	1,235.50	1,129.18	19.16	
11. पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ	262.16	0.87	0.87	262.16	258.89	0.00	
12. ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना संपत्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.94	0.00	
14. छात्रावास उपकरण	590.54	67.51	8.32	649.74	416.24	49.76	
15. अन्य अचल संपत्ति	866.72	392.49	60.79	1,198.42	722.96	77.22	
वित्त वर्ष 2024-25 का कुल (क)	59,743.64	4,101.63	590.08	63,255.19	23,247.01	1,599.08	
वित्त वर्ष 2023-24 का कुल	53,488.41	6,360.05	104.80	59,743.64	21,873.61	1,621.70	
ख) प्रगतिशील कार्यों में पूंजी							
भवन	25,261.73	2,505.23	1,989.00	25,777.96	0.00	0.00	
पारगमन में पूंजीगत सामान	0.00	0.40	0.00	0.40	0.00	0.00	
अन्य	5,304.43	2,592.27	-608.69	8,505.39	0.00	0.00	
सी डब्ल्यू आई पी का कुल (ख)	30566.16	5097.89	1380.31	34283.75	0.00	0.00	
कुलयोग (क + ख)	90309.80	9199.52	1970.39	97538.93	23247.01	1599.08	

रुपये लाख में

			ऋणमुक्ति				निवल कुल सम्पतियाँ	
	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	123.05	123.05
	0.00	0.00	79.06	5.20	0.00	84.26	297.33	302.53
	0.00	1,929.38	0.00	0.00	0.00	0.00	5,609.59	5,728.70
	-0.74	5,823.02	0.00	0.00	0.00	0.00	28,281.31	27,272.93
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	32.93	3,686.13	0.00	0.00	0.00	0.00	757.85	698.19
	23.65	113.14	0.00	0.00	0.00	0.00	49.39	16.94
	13.79	76.80	0.00	0.00	0.00	0.00	135.12	19.18
	5.57	2,204.94	0.00	0.00	0.00	0.00	1,125.39	930.37
	45.07	601.32	0.00	0.00	0.00	0.00	95.39	107.69
	184.67	3,850.98	0.00	0.00	0.00	0.00	514.44	451.20
	4.78	1,080.17	0.00	0.00	0.00	0.00	51.14	53.42
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	16.44	2,450.18	0.00	0.00	0.00	0.00	937.76	307.48
	0.00	29.52	0.00	0.00	0.00	0.00	1.76	1.79
	1.56	1,146.78	0.00	0.00	0.00	0.00	88.72	83.75
	0.00	258.89	0.00	0.00	0.00	0.00	3.27	3.25
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.94	0.00	0.00	0.00	0.00	-0.94	-0.94
	7.49	458.51	0.00	0.00	0.00	0.00	191.23	174.31
	29.26	770.92	0.00	0.00	0.00	0.00	427.51	143.76
	364.47	24,481.62	79.06	5.20	0.00	84.26	38,689.30	36,417.60
	248.32	23,247.01	73.86	5.20	0.00	79.06	36,417.60	31,540.95
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25,777.96	25,261.73
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.40	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8,505.39	5,304.43
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	34283.75	30566.16
	364.47	24481.62	79.06	5.20	0.00	84.26	72973.05	66983.76

अनुसूची 8ख: राज्य सरकार के अनुदान से स्थायी परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		
	वर्ष की प्रारंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान अतिरिक्त	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष की शुरुआत में	वर्ष के दौरान	
क. अचल संपत्ति							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) पट्टाधारिता	0.01	0.00	0.00	0.01	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्डभूमिपर	7,353.20	0.00	0.00	7,353.20	934.99	116.18	
ख) पट्टाधारिता भूमि पर	13,097.97	0.00	213.18	12,884.79	2,179.63	203.58	
ग) स्वामित्व के फ्लैट/परिसर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) भूमि पर सुपर संरचनाएं संबंधित नहीं हैं	45.75	0.00	0.00	45.75	36.58	0.12	
3. कक्षा उपकरण	1,873.08	93.48	0.00	1,966.56	1,577.47	81.95	
4. वाहन							
क) हल्के वाहन	109.67	0.00	0.00	109.67	46.69	11.68	
ख) भारी वाहन	137.85	0.21	0.00	138.06	62.06	13.44	
5. फर्नीचर, फिक्स्चर	2,450.15	91.25	0.00	2,541.40	1,503.85	212.83	
6. कार्यालय उपकरण	148.92	24.67	0.00	173.59	129.52	6.27	
7. कंप्यूटर/पेरिफेरल्स							
क) हार्डवेयर	2,282.52	86.39	0.80	2,368.11	1,873.71	146.79	
ख) सोफ्टवेयर	513.69	38.04	0.00	551.73	479.75	19.90	
ग) लैपटॉप और नोटबुक	31.43	0.00	0.00	31.43	18.86	7.61	
8. बिजली उपकरण	1,297.42	53.01	-213.18	1,563.62	1,073.97	60.02	
9. संसाधन केंद्र संग्रह	21.50	0.00	0.00	21.50	20.04	0.38	
10. पुस्तकें	558.75	25.42	0.00	584.18	482.29	31.13	
11. पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ	93.82	14.18	0.00	108.00	91.88	11.40	
12. ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना संपत्ति	279.91	0.00	0.00	279.91	251.10	0.24	
14. छात्रावास उपकरण	76.41	0.00	0.00	76.41	66.56	3.52	
15. अन्य अचल संपत्ति	492.66	40.61	0.00	533.27	439.15	16.99	
वित्त वर्ष 2024-25 का कुल (क)	30,864.73	467.26	0.80	31,331.19	11,268.10	944.04	
वित्त वर्ष 2023-24 का कुल	28,863.24	2,002.22	0.73	30,864.71	10,396.14	873.34	
ख) प्रगतिशील कार्यों में पूंजी							
भवन	2,354.02	0.00	0.00	2,354.02	0.00	0.00	
पारगमन में पूंजीगत सामान	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
सी डब्ल्यू आई पी का कुल (ख)	2354.02	0.00	0.00	2354.02	0.00	0.00	
कुलयोग (क + ख)	33218.75	467.26	0.80	33685.21	11268.10	944.04	

रुपये लाख में

			ऋणमुक्ति				निवल कुल सम्पतियाँ	
	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.01	0.01
	0.00	1,051.17	0.00	0.00	0.00	0.00	6,302.03	6,418.21
	27.48	2,355.73	0.00	0.00	0.00	0.00	10,529.06	10,918.34
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	36.70	0.00	0.00	0.00	0.00	9.06	9.18
	0.00	1,659.42	0.00	0.00	0.00	0.00	307.14	295.60
	0.00	58.37	0.00	0.00	0.00	0.00	51.30	62.98
	0.00	75.50	0.00	0.00	0.00	0.00	62.56	75.79
	0.00	1,716.67	0.00	0.00	0.00	0.00	824.73	946.30
	0.00	135.80	0.00	0.00	0.00	0.00	37.79	19.40
	0.76	2,019.74	0.00	0.00	0.00	0.00	348.37	408.81
	0.00	499.66	0.00	0.00	0.00	0.00	52.07	33.94
	0.00	26.47	0.00	0.00	0.00	0.00	4.96	12.57
	-162.02	1,296.01	0.00	0.00	0.00	0.00	267.61	223.46
	0.00	20.43	0.00	0.00	0.00	0.00	1.07	1.45
	0.00	513.42	0.00	0.00	0.00	0.00	70.76	76.47
	0.00	103.28	0.00	0.00	0.00	0.00	4.72	1.94
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	251.33	0.00	0.00	0.00	0.00	28.58	28.81
	0.00	70.08	0.00	0.00	0.00	0.00	6.32	9.84
	0.00	456.14	0.00	0.00	0.00	0.00	77.13	53.51
	-133.78	12,345.92	0.00	0.00	0.00	0.00	18,985.27	15,733.15
	1.36	11,268.11	0.00	0.00	0.00	0.00	15,733.15	18,467.07
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2,354.02	2,354.02
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2354.02	2354.02
	-133.78	12345.92	0.00	0.00	0.00	0.00	21339.29	18087.17

अनुसूची 8 ग: उद्दिदष्ट निधि से स्थायी परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		
	वर्ष की प्रारंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान अतिरिक्त	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष की शुरुआत में	वर्ष के दौरान	
क. अचल संपत्ति							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) पट्टाधारिता	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्डभूमिपर	20.12	0.00	0.00	20.12	2.86	0.32	
ख) पट्टाधारिता भूमि पर	671.56	0.29	0.01	671.84	54.17	10.61	
ग) स्वामित्व के फ्लैट/परिसर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) भूमि पर सुपर संरचनाएं संबंधित नहीं हैं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
3. कक्षा उपकरण	775.06	28.43	-221.88	1,025.37	554.13	72.55	
4. वाहन							
क) हल्के वाहन	0.00	58.99	0.00	58.99	0.00	5.59	
ख) भारी वाहन	72.82	0.00	0.00	72.82	46.84	6.97	
5. फर्नीचर, फिक्स्चर	520.14	6.59	-11.90	538.63	321.52	71.41	
6. कार्यालय उपकरण	146.92	9.08	4.16	151.84	125.14	9.67	
7. कंप्यूटर/पेरिफेरल्स							
क) हार्डवेयर	1,237.65	16.39	-42.47	1,296.51	1,115.13	36.68	
ख) सोफ्टवेयर	54.94	10.88	-8.97	74.78	48.33	4.29	
ग) लैपटॉप और नोटबुक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
8. बिजली उपकरण	584.59	22.09	-8.12	614.80	362.06	39.30	
9. संसाधन केंद्र संग्रह	19.47	0.00	0.00	19.47	17.65	0.75	
10. पुस्तकें	285.07	1.77	0.00	286.84	247.93	15.41	
11. पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ	56.41	6.93	0.00	63.34	56.41	4.71	
12. ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना संपत्ति	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
14. छात्रावास उपकरण	41.18	9.55	0.01	50.72	20.14	4.46	
15. अन्य अचल संपत्ति	201.96	3.78	0.06	205.68	176.81	5.58	
वित्त वर्ष 2024-25 का कुल (क)	4,687.89	174.77	-289.10	5,151.76	3,149.11	288.30	
वित्त वर्ष 2023-24 का कुल	4,438.90	246.17	18.34	4,687.89	2,828.99	316.90	
ख) प्रगतिशील कार्यों में पूंजी							
भवन	0.00	8.76	0.00	8.76	0.00	0.00	
पारगमन में पूंजीगत सामान	26.47	0.00	20.91	5.56	0.00	0.00	
अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
सी डब्ल्यू आई पी का कुल (ख)	26.47	8.76	20.91	14.32	0.00	0.00	
कुलयोग (क + ख)	4714.36	183.53	-268.19	5166.08	3149.11	288.30	

रुपये लाख में

			ऋणमुक्ति				निवल कुल सम्पतियाँ	
	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	3.18	0.00	0.00	0.00	0.00	16.94	17.27
	0.00	64.78	0.00	0.00	0.00	0.00	607.07	617.40
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	-202.26	828.94	0.00	0.00	0.00	0.00	196.43	220.94
	0.00	5.59	0.00	0.00	0.00	0.00	53.40	0.00
	0.00	53.82	0.00	0.00	0.00	0.00	19.00	25.97
	-11.31	404.23	0.00	0.00	0.00	0.00	134.40	198.62
	3.95	130.85	0.00	0.00	0.00	0.00	20.99	21.79
	-41.73	1,193.53	0.00	0.00	0.00	0.00	102.98	122.52
	-8.52	61.14	0.00	0.00	0.00	0.00	13.64	6.62
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	-3.72	405.08	0.00	0.00	0.00	0.00	209.72	222.55
	0.00	18.40	0.00	0.00	0.00	0.00	1.07	1.81
	0.00	263.34	0.00	0.00	0.00	0.00	23.50	37.15
	0.00	61.12	0.00	0.00	0.00	0.00	2.22	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	24.60	0.00	0.00	0.00	0.00	26.12	21.04
	0.06	182.33	0.00	0.00	0.00	0.00	23.35	25.14
	-263.52	3,700.94	0.00	0.00	0.00	0.00	1,450.82	1,538.80
	16.85	3,149.11	0.00	0.00	0.00	0.00	1,538.80	1,609.94
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.76	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.56	26.47
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	14.32	26.47
	-263.52	3700.94	0.00	0.00	0.00	0.00	1465.14	1565.27

अनुसूची 8 घ: अन्य निधियों से स्थायी परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		
	वर्ष की प्रारंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान अतिरिक्त	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष की शुरुआत में	वर्ष के दौरान	
क. अचल संपत्ति							
1. भूमि							
क) फ्रीहोल्ड	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
ख) पट्टाधारिता	215.79	0.00	0.00	215.79	0.00	0.00	
2. भवन							
क) फ्रीहोल्डभूमिपर	388.83	79.60	0.00	468.42	20.47	6.89	
ख) पट्टाधारिता भूमि पर	570.68	66.93	-0.01	637.62	33.97	9.92	
ग) स्वामित्व के फ्लैट/परिसर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
घ) भूमि पर सुपर संरचनाएं संबंधित नहीं हैं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
3. कक्षा उपकरण	1,700.45	497.78	221.88	1,976.35	1,254.78	201.70	
4. वाहन							
क) हल्के वाहन	219.49	57.35	0.00	276.85	95.89	31.49	
ख) भारी वाहन	104.47	62.93	0.00	167.39	29.41	16.11	
5. फर्नीचर, फिक्स्चर	1,544.55	499.25	13.01	2,030.79	680.94	192.96	
6. कार्यालय उपकरण	652.80	74.28	6.14	720.94	448.32	89.27	
7. कंप्यूटर/पेरिफेरल्स							
क) हार्डवेयर	3,437.93	908.12	187.82	4,158.23	2,832.28	451.95	
ख) सोफ्टवेयर	1,038.64	63.61	8.97	1,093.28	891.82	107.60	
ग) लैपटॉप और नोटबुक	18.09	0.00	0.00	18.09	12.03	0.00	
8. बिजली उपकरण	1,272.25	319.68	17.73	1,574.20	832.55	162.39	
9. संसाधन केंद्र संग्रह	48.65	8.47	0.00	57.11	41.88	4.55	
10. पुस्तकें	957.23	131.15	0.00	1,088.38	814.34	86.27	
11. पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ	441.69	44.02	0.00	485.70	438.92	37.17	
12. ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
13. परियोजना संपत्ति	2.00	4.86	0.00	6.86	0.76	1.15	
14. छात्रावास उपकरण	169.48	29.49	-0.01	198.98	103.50	26.86	
15. अन्य अचल संपत्ति	165.28	105.03	0.00	270.31	122.15	35.49	
वित्त वर्ष 2024-25 का कुल (क)	12,948.28	2,952.54	455.52	15,445.30	8,654.02	1,461.77	
वित्त वर्ष 2023-24 का कुल	11,096.78	1,512.99	-338.52	12,948.28	7,375.00	1,071.38	
ख) प्रगतिशील कार्यों में पूंजी							
भवन	3,018.59	1,412.94	297.82	4,133.71	0.00	0.00	
पारगमन में पूंजीगत सामान	22.90	93.65	22.90	93.65	0.00	0.00	
अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
सी डब्ल्यू आई पी का कुल (ख)	3041.49	1506.59	320.71	4227.36	0.00	0.00	
कुलयोग (क + ख)	15989.77	4459.13	776.23	19672.67	8654.02	1461.77	

रुपये लाख में

			ऋणमुक्ति				निवल कुल सम्पतियाँ	
	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती/समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	215.79	215.79
	0.04	27.32	0.00	0.00	0.00	0.00	441.10	368.36
	-0.04	43.93	0.00	0.00	0.00	0.00	593.69	536.72
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	202.26	1,254.22	0.00	0.00	0.00	0.00	722.13	445.67
	0.00	127.38	0.00	0.00	0.00	0.00	149.46	123.60
	0.00	45.51	0.00	0.00	0.00	0.00	121.88	75.06
	7.11	866.79	0.00	0.00	0.00	0.00	1,163.99	863.61
	5.78	531.81	0.00	0.00	0.00	0.00	189.13	204.48
	169.83	3,114.40	0.00	0.00	0.00	0.00	1,043.83	605.66
	8.52	990.90	0.00	0.00	0.00	0.00	102.38	146.81
	0.00	12.03	0.00	0.00	0.00	0.00	6.06	6.06
	3.32	991.62	0.00	0.00	0.00	0.00	582.58	439.70
	0.00	46.43	0.00	0.00	0.00	0.00	10.68	6.76
	0.00	900.60	0.00	0.00	0.00	0.00	187.78	142.90
	0.00	476.09	0.00	0.00	0.00	0.00	9.61	2.76
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	1.91	0.00	0.00	0.00	0.00	4.95	1.24
	0.00	130.36	0.00	0.00	0.00	0.00	68.62	65.98
	0.00	157.64	0.00	0.00	0.00	0.00	112.67	43.13
	396.81	9,718.97	0.00	0.00	0.00	0.00	5,726.33	4,294.29
	-207.63	8,654.02	0.00	0.00	0.00	0.00	4,294.29	3,721.78
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4,133.71	3,018.59
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	93.65	22.90
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4227.36	3041.49
	396.81	9718.97	0.00	0.00	0.00	0.00	9953.69	7335.78

अनुसूची 9: निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
सरकारी प्रतिभूतियों में		0.00		0.00
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		0.00		0.00
साझा		0.00		0.00
डिबेंचर और बॉन्ड		0.00		0.00
सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 10: निवेश - अन्य रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
सरकारी प्रतिभूतियों में (आरबीआई बॉन्ड - विपणन योग्य नहीं)		0.00		0.00
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		0.00		0.00
साझा		0.00		0.00
डिबेंचर और बॉन्ड		0.00		0.00
सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
अन्य (अनुलग्नक 29)		7348.99		6672.98
कुल		**7348.99**		**6672.98**

अनुसूची 11: वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम राशि आदि। रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
क. वर्तमान परिसंपत्ति				
1. माल-सूची				
क) स्टोर और स्पेयर्स (निफ्ट शॉप्स (पुराने) स्टॉक) (अनुलग्नक 13)	0.00		0.00	
ख) ढीले उपकरण	0.00		0.00	
ग) स्मारिका का स्टॉक	0.00		0.00	
- तैयार माल	0.00		0.00	
- कार्य प्रगति पर	0.00		0.00	
- कच्चे सामग्री	0.00	0.00	0.00	0.00
2. विविध देनदार				
क) छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण (अनुलग्नक 14)	4366.05		5695.16	
ख) प्राप्य	31.29	4397.35	36.00	5731.16
3. हाथ में नकदी (चेक/ड्राफ्ट सहित) (अनुलग्नक 15)		0.58		0.89
4. बैंक शेष				
क) अनुसूचित बैंक के साथ				
- जमा खातों पर (अनुलग्नक 16)	155522.11		139218.88	
- बैंक खातों पर (अनुलग्नक 17)	57860.74	0.00	58657.72	0.00
ख) गैर-अनुसूचित बैंक के साथ				
- जमा खातों पर	0.00		0.00	
- बैंक खातों पर	0.00	213382.85	0.00	197876.60
5. डाकघर बचत खाता		0.00		0.00
कुल (क)		**217780.77**		**203608.65**
ख. ऋण, अग्रिम राशि और अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण				
क) कर्मचारी (अनुलग्नक 18)	20.50		23.44	
ख) संस्था के समान गतिविधियों/उद्देश्यों में लगी अन्य संस्थाएं	0.00		0.00	
ग) अन्य	0.00	20.50	0.00	23.44

2. अग्रिम और अन्य राशियां नकद में या वस्तु के रूप में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य हैं				
क) पूंजी खाते पर (अनुलग्नक 19)	5031.34		4537.31	
ख) पूर्व भुगतान (अनुलग्नक 20)	105.60		96.44	
ग) भुगतान की गई सुरक्षा जमा (अनुलग्नक 21)	330.29		276.53	
घ) कर्मचारी (अनुलग्नक 22)	127.02		89.00	
ड़) परियोजना (अनुलग्नक 23)	703.53		339.35	
च) अन्य (अनुलग्नक 24)	3233.91	9531.69	3422.09	8760.72
3. अर्जित आय:				
क) निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश पर	0.00		0.00	
ख) निवेश पर - अन्य	0.00		0.00	
ग) ऋण और अग्रिम पर	0.00		0.00	
घ) एफडीआर/बैंक जमाराशियों पर ब्याज (अनुलग्नक 25)	9318.61		7738.28	
ड़) अन्य (अनुलग्नक 26)	3.28	9321.89	3.22	7741.50
4.प्राप्य दावे: टीडीएस और कर वसूली योग्य (अनुलग्नक 27)		430.41		314.04
5. आंतरिक परिसर / मुख्यालय (अनुलग्नक 28)		-635.96		-670.08
निफ्ट मुख्यालय	-1406.29		2410.19	
निफ्ट बेंगलुरु	-0.32		-892.92	
निफ्ट भोपाल	88.07		189.07	
निफ्ट भुवेश्वर	87.32		286.45	
निफ्ट चेन्नई	30.32		290.57	
निफ्ट गांधीनगर	87.60		-670.53	
निफ्ट हैदराबाद	91.86		-495.73	
निफ्ट जोधपुर	95.34		494.02	
निफ्ट कांगड़ा	97.76		258.44	
निफ्ट कन्नूर	70.64		28.55	
निफ्ट कोलकाता	94.78		-734.86	
निफ्ट मुंबई	86.46		322.15	
निफ्ट दिल्ली	-453.65		-2515.44	
निफ्ट पटना	41.41		371.31	
निफ्ट शिलांग	88.80		192.33	
निफ्ट रायबरेली	304.92		177.21	
निफ्ट परियोजना कक्ष	22.82		30.39	
निफ्ट श्रीनगर	210.07		172.40	
निफ्ट सूरत विस्तारण	0.00		3.97	
निफ्ट मुख्यालय उपदान न्यास	-612.50		-670.68	
निफ्ट पंचकुला	78.12		29.40	
निफ्ट दमन	49.78		0.00	
निफ्ट वाराणसी	210.72		0.00	
कुल (ख)		**18668.53**		**16169.62**
कुल (क+ख)		**236449.30**		**219778.27**

अनुसूची 12: बिक्री/सेवाओं (परियोजनाओं) से आय

रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
1. बिक्री से आय				
क) तैयार माल की बिक्री	0.00		0.00	
ख) कच्चे सामग्री की बिक्री	0.00		0.00	
ग) स्क्रैप्स की बिक्री	0.00		0.00	
		0.00		0.00
2. सेवा से आय				
क) श्रम और प्रसंस्करण शुल्क	0.00		0.00	

ख) व्यावसायिक/परामर्श सेवाएं (परियोजनाएं)	0.00		0.00	
ग) एजेंसी कमीशन और ब्रोकरेज	0.00		0.00	
घ) रखरखाव सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)	0.00		0.00	
ड़) अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 13: अनुदान/सब्सिडी

रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
(अपरिवर्तनीय अनुदान और सब्सिडी प्राप्त)				
1. केंद्र सरकार		247.13		3.04
2. राज्य सरकार		40.91		7.88
3. सरकारी एजेंसिया (कलस्टर पहल)		397.04		503.71
4. संस्थान/कल्याण निकाय		0.00		0.00
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		0.00		0.00
6. अन्य		0.00		0.00
कुल		**685.09**		**514.63**

अनुसूची 14: शुल्क/सदस्यता

रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
1. प्रवेश शुल्क/आवेदन शुल्क		627.32		552.50
2. वार्षिक शुल्क/ट्यूशन शुल्क/सदस्यता				
ट्युशन शुल्क	47,890.28		43,987.70	
कम: मुख्यालय हिस्सा	1,557.19	46,333.09	1,448.70	42,538.99
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क (सीई कार्यक्रम शुल्क)		604.37		683.20
4. छात्रावास फीस		6,111.82		5,327.12
5. शुल्क जब्ती		2.77		64.63
6. पुस्तकालय फीस – विद्यार्थी व अन्य		1,729.33		1,588.21
8. अन्य फीस		1,391.83		1,268.06
कुल		**56,800.52**		**52,022.72**

अनुसूची 15: निवेश से आय

रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियां पर	0.00		0.00	
ख) सरकारी प्रतिभूतियां पर	0.00	0.00	0.00	0.00
2) लाभांश				
क) सरकारी प्रतिभूतियां पर	0.00		0.00	
ख) सरकारी प्रतिभूतियां पर	0.00	0.00	0.00	0.00
3) किराया		0.00		0.00
4) अन्य (उपदान और छुट्टी नकदीकरण निवेश पर ब्याज)		524.52		473.94
कुल		**524.52**		**473.94**

अनुसूची 16: रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय

रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
1. रॉयल्टी से आय		0.00		0.00
2. प्रकाशन से आय		0.00		0.00
3. अन्य		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 17: अर्जित ब्याज **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
1) मियादी जमा				
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	9,868.30		8,138.89	
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		0.00	
ग) संस्थानों के साथ (भारत सरकार बॉन्ड)	0.00		0.00	
घ) अन्य	0.00		0.00	
	9,868.30		8,138.89	
2) बचत खाता				
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	1,163.60		1,115.37	
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		0.00	
ग) संस्थानों के साथ	0.00		0.00	
घ) अन्य	84.70		106.66	
	1,248.30		1,222.03	
कम: सरकारी अनुदान पर ब्याज हस्तांतरित	198.23	10,918.38	380.53	8,980.40
3) ऋण पर				
क)कर्मचारी/स्टाफ	0.20		0.97	
ख) अन्य	11.50	11.70	5.98	6.95
4) देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		0.00		0.00
कुल		**10,930.08**		**8,987.35**

अनुसूची 18: अन्य आय **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
1. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ				
क) स्वामित्व वाली संपत्ति	31.07		2.08	
ख) अनुदान से प्राप्त या नि:शुल्क प्राप्त की गई परिसंपत्ति	0.00	31.07	0.00	2.08
2. परियोजनाएवं व कार्यशालाएं				
परियोजना आय	1,123.15		2,873.30	
कम: परियोजना व्यय	1,026.95	96.20	2,825.26	48.05
3. निर्यात प्रोत्साहन प्राप्त हुए		0.00		0.00
4. लाइसेंस शुल्क - पट्टा आवास		12.31		12.44
5. अतिथि गृह शुल्क		22.25		17.24
6. विविध सेवा हेतु फीस		0.00		0.00
7. विविध आय (छात्रावास पुस्तकालय और अन्य प्राप्तियों सहित)		426.65		591.92
कुल		**588.47**		**671.73**

अनुसूची 19: स्टॉक में वृद्धि/कमी **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
अंतिम स्टॉक				
क) तैयार माल	0.00		0.00	
ख) कार्य प्रगति पर है	0.00	0.00	0.00	0.00
कम: प्रचालन स्टॉक				
क) तैयार माल	0.00		0.00	
ख) कार्य प्रगति पर है	0.00	0.00	0.00	0.00
शुद्ध वृद्धि/कमी		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 20: अकादमिक व्यय **रुपये लाख में**

विवरण	31मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
क) अकादमिक व्यय				
प्रवेश व्यय	49.22		130.06	
विज्ञापन व्यय	34.43		15.72	
कक्षा व्यय	70.34		52.10	
मरम्मत और रखरखाव कक्षा उपकरण	35.45		17.86	
पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम विकास व्यय	8.10		0.22	
दीक्षांत समारोह व्यय	332.24		161.81	
बस/कार किराए पर लेना	38.93		35.43	
अतिथि संकाय	956.13		658.15	
विदेशी संकाय फीस	0.61		0.45	
आईआईएलएफ व्यय	0.22		0.10	
बीमा व्यय (विद्यार्थी)	91.98		86.69	
जूरी व्यय	363.29		316.17	
छात्रवृत्ति और शुल्क सब्सिडी	1,966.44		1,558.51	
छात्र कल्याण व्यय	50.30		56.96	
संकाय यात्रा व्यय (भारत)	113.03		73.75	
विदेश में मेले/सेमिनार का दौरा	10.17		1.97	
भारत में यात्रा संकाय/छात्र	3.70		4.42	
प्रशिक्षण व्यय	53.36		40.82	
संगोष्ठी और सम्मेलन व्यय	45.54		73.19	
प्रचार व्यय	20.49		6.25	
कॉन्क्लेव/एफ.प्रोग्राम, छात्र दौरे	79.76		3.43	
शिल्प प्रलेखन	28.82		4.62	
प्लेसमेंट/प्री.प्लेसमेंट खर्च	13.50		16.65	
डिजाइन संग्रह	0.25		6.71	
प्रदर्शन और प्रदर्शनी	14.19		32.13	
डिप्लोमा प्रोजेक्ट/ग्रेजुएशन शो	180.76		190.20	
कंवर्ज व्यय	198.30		181.08	
विभागीय बैठक	7.05		4.95	
परीक्षा/पुन: परीक्षा व्यय	0.08		0.22	
प्रमाणन, पुरस्कार, ट्राफियां खर्च	8.27		6.37	
ओपन हाउस खर्च	2.42		1.26	
पत्रिका व सामयिकी	179.08		112.05	
डाक व तार	2.11		1.61	
फैशन स्पेक्ट्रम	84.66		70.99	
अभिविन्यास कार्यक्रम	52.96		53.33	
फील्ड अध्ययन	76.44		96.26	
अलुमी एसोसिएशन खर्च	14.43		11.61	
सदस्यता शुल्क	7.32		6.25	
विविध व्यय – शैक्षणिक	16.75		16.73	
आतिथ्य व्यय	12.19		10.61	
इंटरनेट व्यय	49.15		57.07	
मुद्रण व प्रकाशन व्यय	21.68		15.02	
मरम्मत और रखरखाव कंप्यूटर	105.03		110.98	
संसाधन केंद्र व्यय	25.44		16.77	
पुस्तकालय व्यय संसाधन केंद्र (टीए/डीए संसाधन)	0.00		0.00	
अन्य व्यय	18.81		67.45	
पीच.डी. व्यय	28.55		30.54	
उद्योग विजिट व्यय	107.02		132.42	
सामान्य परीक्षा बोर्ड	0.00		0.00	
डिजाइन सुत्र	0.00		1.65	
टेक्सटाइल इंडिया 2017	0.00		0.00	

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2018	0.00		0.00	
सॉफ्टवेयर लाइसेंस और सदस्यता शुल्क	469.11		251.86	
क्लस्टर पहल व्यय एच. लूम	180.40		200.12	
क्लस्टर पहल व्यय एच. क्राफ्ट	216.65		303.57	
क्लस्टर इनिशिएटिव प्रदर्शन-निफ्ट	88.16		0.00	
संयुक्त पीजी ब्रिज पाठ्यक्रम	0.62		0.00	
ब्रिज प्रोग्राम ट्यूशन फीस सब्सिडी	0.00		0.00	
फैकल्टी कॉन्क्लेव	3.45		0.00	
ब्रांडिंग और सोशल मीडिया खर्च	20.17		15.65	
छात्र अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	61.10		17.62	
क्षमता निर्माण संकाय (एफओटीडी)	211.87		17.73	
उद्योग सहभागिता व्यय	5.18		12.27	
निफ्ट शोकेस खर्च	1.58		0.00	
वार्षिक कार्यक्रम/सीएएचएपी दिल्ली हाट	13.95		0.00	
भारत टेक्स	227.42		0.00	
व्यावसायिक विकास भत्ता (पीडीए)	3.04		0.00	
आउटबाउंड गतिविधि	317.23		0.00	
उद्यमिता कक्ष	10.96		0.00	
आउटरीच गतिविधि	16.57		0.00	
कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं	11.25		0.00	
दिल्ली @ 40-2025	0.00		0.00	
स्थापना दिवस	3.06		0.00	
विजन एनएक्सटी	5.64		0.00	
कुल (क)		**7,444.61**		**5,368.41**
ख) छात्रावास व्यय				
छात्रावास किराया	84.63		0.00	
फर्नीचर/फिक्स्चर के हायरिंग शुल्क	0.00		0.00	
बिजली - छात्रावास	794.48		666.32	
छात्रावास के लिए पानी	88.64		109.03	
छात्रावासा टेलिफोन	2.68		1.94	
इंटरनेट शुल्क	23.28		16.46	
समाचार-पत्र/सामयिकी	0.98		1.00	
मेस शुल्क	1,647.01		1,392.82	
छात्रावास उपकरण/फर्नीचर का अनुसंधान एवं रखरखाव	93.12		92.46	
विविध व्यय - छात्रावास - शैक्षिक	60.39		39.45	
सुरक्षा व्यय - छात्रावास	1,067.16		943.32	
हाउस कीपिंग खर्च - छात्रावास	842.59		760.08	
अन्य	0.00		0.00	
कुल (ख)		**4,704.96**		**4,022.88**
ग) सी.ई. कार्यक्रम व्यय		**219.57**		**265.67**
कुल (क+ख+ग)		**12,369.14**		**9,656.97**

अनुसूची 21: स्थापना व्यय

रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
क) वेतन व मजदूरी		13,001.86		12,830.12
ख) भत्ता एवं बोनस		11,070.55		10,048.43
ग) भविष्य निधि /जीएसएलआई में योगदान		1,835.99		1,761.26
घ) अन्य फंड में योगदान (ईडीआईएल प्रीमियम)		25.75		25.49
ड़) कर्मचारी कल्याण व्यय		108.99		60.38
च) व्यय: कर्मचारी सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ		892.77		1,442.39
छ)भर्ती व्यय		2.23		14.04
ज) सीपीसी बकाया		0.00		0.00
झ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		7.00		6.04
कुल		**26,945.13**		**26,188.16**

अनुसूची 22: अन्य प्रशासनिक व्यय

रुपये लाख में

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
क) प्रशासनिक व्यय				
विज्ञापन	46.82		2.64	
आतिथ्य	31.49		32.15	
हिन्दी व्यय	38.61		62.17	
ईंधन व्यय	61.74		60.14	
कानूनी और व्यावसायिक शुल्क	98.65		30.42	
स्थानीय वाहन	1.62		1.67	
डाक एवं टेलीग्राम	2.68		3.03	
मुद्रण और स्टेशनरी	154.35		125.33	
पत्रिकाएं और सामयिकी	17.39		0.40	
फर्नीचर की मरम्मत और रखरखाव	302.03		256.47	
मरम्मत एवं रखरखाव वाहन	93.39		87.88	
टेलीफोन शुल्क	26.33		23.58	
भारत में यात्रा	105.10		107.97	
विदेश यात्रा	7.46		0.58	
परिसंपत्ति की बिक्री से नुकसान	4.65		3.50	
सुरक्षा व्यय	1,670.97		1,515.09	
अन्य व्यय	177.54		358.88	
फाइन/जुर्माना/ब्याज	-0.35		0.20	
अचल संपत्ति बट्टे खाते में डाल दी गई	1.04		0.07	
बीओजी व्यय	0.00		0.00	
वर्दी	1.06		0.90	
मरम्मत और रखरखाव उपकरण	65.96		40.91	
वाहन किराए पर लेना	86.01		53.59	
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	19.99		27.89	
सांविधिक लेखा परीक्षा शुल्क (सीएजी)	5.27		34.68	
अन्य शुल्क और व्यय	0.90		0.69	
विदेशी मुद्रा हानि/लाभ	-0.01		0.25	
अतिथि गृह व्यय	15.63		16.43	
बीमा	63.72		56.64	
रॉयल्टी खर्च	0.00		0.00	

रिवर्स शुल्क (व्यय)-सीजीएसटी	0.00		0.00	
रिवर्स शुल्क (व्यय)-एसजीएसटी	0.00		0.75	
रिवर्स शुल्क (व्यय)-आईजीएसटी	0.89		0.00	
कुल (क)		**3,100.92**		**2,904.89**
ख) भवन रखरखाव व्यय				
भवन बीमा	7.60		24.92	
भवन मरम्मत व रखरखाव	617.10		635.62	
डीजी सेट व्यय	58.46		158.65	
हाउसकीपिंग खर्च	1,311.52		1,180.29	
संपत्ति कर	176.94		241.17	
बिजली खर्च और पानी शुल्क	1,173.08		993.47	
उद्यानकृषि	35.51		60.05	
भवन किराया	7.51		3.18	
अन्य	3.49		17.77	
कुल (ख)		**3,391.21**		**3,315.12**
कुल (क+ख)		**6,492.14**		**6,220.01**

अनुसूची 23: अनुदान, सब्सिडी, आदि पर व्यय **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
क) संस्थानों/संगठनों को दिए गए अनुदान		0.00		0.00
ख) संस्थानों/संगठनों को दी जाने वाली सब्सिडी		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 24: ब्याज/बैंक शुल्क और कमीशन **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
क) नियत ऋण		0.00		0.00
ख) अन्य ऋण (बैंक शुल्क सहित)		0.00		0.00
ग) अन्य (भुगतान किये गये बैंक शुल्क व ब्याज)		1.49		0.76
कुल		**1.49**		**0.76**

अनुसूची 25: पूर्व अवधि समायोजन **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025		31 मार्च, 2024	
आय				
शैक्षणिक आय	181.19		38.34	
स्थापना आय	35.71		5.34	
प्रशासनिक आय	21.79		50.27	
विविध आय	99.66		119.03	
मूल्यह्रास वापस लिखा गया	0.28		221.12	
सहायता अनुदान (राजस्व)	-4.97		1.07	
अवैतनिक बिलों के लिए देयता वापस लिख दी गई	51.49	385.14	127.27	562.43
व्यय				
अकादमिक व्यय	430.05		72.28	
स्थापना व्यय	3.84		35.00	
प्रशासनिक व्यय	2.73		16.74	
मूल्यह्रास	10.24		131.58	
विविध व्यय	103.99		150.34	
विविध अग्रिम बट्टे खाते में डाल दिया गया	0.00	551.57	0.00	405.95
शुद्ध पूर्व अवधि व्यय		**-166.43**		**156.48**

वित्तीय विवरणों का रूप (गैर-लाभकारी संगठन)
इकाई का नाम: राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए बैलेंस शीट और आय एवं व्यय खाते का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 26 -महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां:

लेखांकन नीतियां:

1. वार्षिक लेखा प्रोद्भवन आधार पर ऐतिहासिक लागत अभिसमय के अंतर्गत आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी किए गए लागू लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किए गए हैं। इन लेखांकन नीतियों और मानकों को लगातार लागू किया गया है। वार्षिक लेखा-जोखा चल रहे विषय के आधार पर तैयार किया गया हैं।

2. केंद्र/राज्य सरकार से अनुदान की मान्यता

केंद्र/राज्य सरकार से अनुदान को आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक 12 का पालन करते हुए लेखांकन किया गया है, अर्थात "सरकारी अनुदानों को मान्यता दी जाती है यदि यह उचित रूप से निश्चित है कि अंतिम संग्रह किया जाएगा"।

i. राजस्व से संबंधित सरकारी अनुदानों को संबंधित लागत के साथ मिलान करने के लिए अवधि के दौरान आय और व्यय खातों में एक व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसकी भरपाई करने का इरादा है। इस तरह के अनुदानों को आय और व्यय खाते में "सहायता अनुदान" शीर्षक के तहत अलग से दिखाया गया है।

ii. मूल्यह्रास योग्य अचल संपत्तियों से संबंधित सरकारी अनुदानों को आस्थगित आय के रूप में माना जाता है। आस्थगित आय को आय और व्यय खातों में परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर मान्यता दी जाती है। आय का ऐसा आवंटन उन अवधियों में और अनुपातों में किया जाता है जिनमें संबंधित परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है।

iii. रियायती दर पर दिए जाने वाले गैर-मौद्रिक परिसंपत्तियों के रूप में सरकारी अनुदानों का लेखा-जोखा उनकी अधिग्रहण लागत के आधार पर किया जाता है। निशुल्क दी जाने वाली गैर-मौद्रिक परिसंपत्तियों को नाममात्र मूल्य पर दर्ज किया जाता है ।

3. छात्रों से शुल्क की मान्यता, परियोजना और परामर्श शुल्क
छात्रों से शुल्क: छात्रों से शुल्क प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है।
परियोजना और परामर्श शुल्क: परियोजना के पूरा होने पर परियोजना और परामर्श शुल्क को मान्यता दी जाती है।

4. निवेश

वर्तमान निवेश को लागत या उचित बाजार मूल्य, जो भी कम हो, पर दिखाया जाता है और दीर्घकालिक निवेश को लागत पर दिखाया जाता है, सिवाय इसके कि जब निवेश के मूल्य में स्थायी गिरावट होती है।

5. अचल संपत्ति और मूल्यह्रास

अचल आस्तियों का उल्लेख उनकी मूल लागत पर किया जाता है जिसमें मालभाड़ा, शुल्क, सीमा शुल्क और अधिग्रहण और स्थापना से संबंधित अन्य आकस्मिक व्यय शामिल हैं, कम संचित मूल्यह्रास होता है।

i. भवनों, आंतरिक सज्जनों आदि के निर्माण पर वर्ष के दौरान होने वाले व्यय को "कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस" शीर्षक के तहत बुक किया जाता है, जहां निर्माण कार्य प्रगति पर है। परिपाटी के अनुसार, निर्माण एजेंसी से उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद सीडब्ल्यूआईपी को परिसंपत्ति खाते में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

ii. यदि कोई परिसंपत्ति 30 सितंबर को या उससे पहले अर्जित की जाती है तो मूल्यह्रास निर्धारित दर का 100% और 30 सितंबर के बाद संपत्ति अर्जित करने पर निर्धारित दर का 50% लगाया जाता है।

iii. कार्यालय ज्ञापन संख्या निफ्ट/एचओ/एफ एंड ए/बीओजी और एफएंडएसी एजेंडा/2022-23/40 दिनांक 28.06.2021 के अनुसार, मूल्यह्रास की दरें इस प्रकार हैं:

कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II के भाग सी के अनुसार, विभिन्न मूर्त परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास की गणना करने के लिए उपयोगी जीवन को परिभाषित किया गया है। परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास की उपयोगी जीवन और दरें निम्नलिखित हैं:

विवरण	उपयोगी जीवन	मूल्यह्रास की दर
भवन	60 वर्ष	1.58%
कक्षा उपकरण	5 वर्ष	19.00%
कंप्यूटर हार्डवेयर	3 वर्ष	31.67%
कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	3 वर्ष	31.67%
संकाय/अधिकारी के लिए लैपटॉप	3 वर्ष	31.67%
इलेक्ट्रिसिटि मशीनरी	10 वर्ष	9.50%
फर्नीचर व फिक्स्चर/फिटिंग	8 वर्ष	11.88%
कार्यालय उपकरण	5 वर्ष	19.00%
पुस्तकें	3 वर्ष	31.67%
संसाधन केंद्र संग्रह	3 वर्ष	31.67%
छात्रावास उपकरण	5 वर्ष	19.00%
मोटर कार (हल्के वाहन)	8 वर्ष	11.88%
बस (भारी वाहन)	8 वर्ष	11.88%
परियोजना परिसंपत्ति	प्रति कक्षा के परिसंपत्ति के अनुसार	
पुस्तक एवं सामयिकी	1 वर्ष	100.00%
अन्य परिसंपत्ति	प्रति कक्षा के परिसंपत्ति के अनुसार	

नोट:

1. मूल्यह्रास योग्य राशि एक परिसंपत्ति की लागत, या लागत के लिए प्रतिस्थापित अन्य राशि है जो इसके अवशिष्ट मूल्य को कम करती है। आमतौर पर, किसी परिसंपत्ति का अवशिष्ट मूल्य अक्सर महत्वहीन होता है, लेकिन यह आम तौर पर परिसंपत्ति की मूल लागत के 5% से अधिक नहीं होना चाहिए।
2. किसी परिसंपत्ति का उपयोगी जीवन वह अवधि है जिस पर किसी इकाई द्वारा उपयोग के लिए एक परिसंपत्ति उपलब्ध होने की उम्मीद की जाती है, या इकाई द्वारा संपत्ति से प्राप्त होने वाले उत्पादन या इसी तरह की इकाइयों की संख्या।
3. मूल्यह्रास की उपरोक्त दरें सीधी रेखा विधि के आधार पर ली जाती हैं।
4. पुस्तक और संसाधन केंद्र की दरों को कंपनी अधिनियम में परिभाषित नहीं किया गया है; इसलिए, कंप्यूटर जैसी अन्य समान परिसंपत्तियों की सबसे उपयुक्त दर बुक्स एंड रिसोर्सेज सेंटर के लिए ली गई है।
5. पुस्तकों और पत्रिकाओं की दर भी कंपनी अधिनियम में उपलब्ध नहीं है; इसलिए, इसे 100 प्रतिशत की मौजूदा दर के रूप में लिया जाता है क्योंकि पुस्तकों और पत्रिकाओं का जीवन 1 वर्ष से अधिक नहीं है।
6. परियोजना परिसंपत्तियां सरकार/तीसरे पक्ष की परिसंपत्तियां हैं जिन्हें निफ्ट और सरकार/तीसरे पक्ष के बीच समझौता ज्ञापन के अनुसार परियोजना के पूरा होने के बाद या तो सौंपने/वापस करने या रखने की आवश्यकता होती है। इसलिए, परियोजना परिसंपत्तियों के लिए मूल्यह्रास की दर परिसंपत्ति वर्ग के अनुसार प्रभारित की जाती है।
7. अन्य परिसंपत्तियों में उस प्रकार की परिसंपत्तियां शामिल होती हैं जो परिसंपत्तियों की उपरोक्त परिभाषित श्रेणी में शामिल नहीं होती हैं। इसलिए, अन्य परिसंपत्तियों के लिए मूल्यह्रास की दर परिसंपत्ति वर्ग के अनुसार ली जाती है। (कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची-II के भाग सी के अनुसार लागू दर)।

6. बीमा का दावा

बीमा दावों का हिसाब "जब कभी निपटाया जाता है" के आधार पर किया जाता है।

7. विदेशी मुद्रा लेनदेन

विदेशी मुद्रा लेन-देन को लेन-देन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है। इस अवधि के दौरान निपटाए गए विदेशी मुद्रा के अंतर पर उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतरों को आय और व्यय खाते में मान्यता दी जाती है। विदेशी मुद्रा के बदले अर्जित परिसंपत्तियों को लेन-देन के समय पूंजीकृत किया जाता है।

मौद्रिक वर्तमान परिसंपत्तियां और मौद्रिक वर्तमान देनदारियां जो विदेशी मुद्रा में अंकित हैं, बैलेंस शीट की तारीख में प्रचलित विनिमय दर पर अनुवादित की जाती हैं। परिणामी अंतर आय और व्यय खाते में दर्ज किया जाता है।

8. कर्मचारी के सेवानिवृत्ति लाभ और अन्य लाभ

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार अवकाश नकदीकरण और ग्रेच्युटी का प्रावधान किया गया है और भारत सरकार के नियमों के अनुसार प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के लिए और प्रावधान किया गया है जो एलआईसी के बीमांकिक मूल्यांकन में शामिल नहीं थे।

वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान, निफ्ट ने सभी निफ्ट कर्मचारियों की ग्रेच्युटी से संबंधित गतिविधियों के प्रबंधन के लिए निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट का गठन/गठन किया है।

प्रधान कार्यालय सहित सभी निफ्ट परिसरों के लिए समूह ग्रेच्युटी नीति और समूह अवकाश नकदीकरण नीति एलआईसी से ली गई है।

9. हाउस बिल्डिंग एडवांस, कार एडवांस और स्कूटर एडवांस आदि जैसे अग्रिमों पर कर्मचारियों से वसूली योग्य ब्याज को वसूली के वर्ष में लेखांकित किया जाता है।

10. कार्यालय ज्ञापन संख्या 1 के अनुसार। एनआईएफटी /एचओ/एफएंडए/2018-19 दिनांक 12 दिसंबर, 2018 के माध्यम से सुरक्षा जमा के लिए छात्रों के किसी भी दावे को संस्थान छोड़ने की तारीख से एक वर्ष के भीतर और अन्य के मामले में तीन साल के बाद प्राप्त नहीं किया गया है, सुरक्षा जमा को आय के रूप में माना जा सकता है।

अनुसूची 27- आकस्मिक देनदारियां और खातों पर नोट्स

वार्षिक लेखाओं का हिस्सा बनने वाले नोट अन्य बातों के साथ-साथ वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण लेखांकन लेनदेन के संबंध में कुछ अतिरिक्त प्रकटन प्रदान करते हैं।

1. प्राप्ति और भुगतान खाते में वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान की वास्तविक प्राप्तियां और वास्तविक भुगतान शामिल हैं।

2. आय और व्यय खाता और बैलेंस शीट प्राप्ति और भुगतान खाते से लिया गया है, जो लेखा वर्ष के अंत में देनदारियों, प्रीपेड खर्चों, अग्रिम भुगतान, प्रावधान आदि के लिए विधिवत हिसाब रखता है।

3. पिछले वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के आंकड़ों के साथ तुलनीय बनाने के लिए उन्हें पुन: समूहित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

आकस्मिक देयता

1. इकाई के खिलाफ दावे 201.38 लाख रुपये (2024-25) 444.16 लाख रुपये (2023-24) के रूप में स्वीकार नहीं किए गए हैं।

   चालू वित्त वर्ष 2024-25 में विभिन्न न्यायालयों/न्यायाधिकरणों में 86 कानूनी मामले लंबित हैं, जिनके लिए अनुमानित आकस्मिक देयता पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के 86 मामलों की तुलना में 444.16 रुपये है। लाख। तथापि, निफ्ट इन कानूनी मामलों की किसी देनदारियों का अनुमान नहीं लगाता है और तदनुसार लेखा बहियों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

2. के संबंध में :

- इकाई द्वारा / की ओर से दी गई बैंक गारंटी रु. 51.31 लाख (2024-25) रु. 69.35 लाख (2023-24)।
- इकाई की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र (2024-25), शून्य रुपये (2023-24)।
- बैंकों के बिलों में छूट शून्य रुपये (2024-25) शून्य रुपये (2023-24)।
- बिक्री कर/सेवा कर/जीएसटी शून्य (2024-25) 1.37 लाख रुपये (2023-24)।
- नगरपालिका कर रु. 86.53 लाख (2024-25) रु. 2.52 लाख (2023-24)।

3. आदेशों के निष्पादन न करने के लिए पार्टियों के दावों के संबंध में, लेकिन इकाई द्वारा चुनौती दी गई, शून्य रुपये (2024-25)।

पूंजी वचनबद्धता

पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले अनुबंधों का अनुमानित मूल्य और 3660.76 लाख रुपये (2024-25) रुपये 2832.26 लाख (2023-24) के लिए प्रदान नहीं किया गया है।

परिसरवार विवरण इस प्रकार है: **रुपये लाख में**

क्र.सं.	परिसर	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
1	बेंगलुरु	511.47	317
2	भोपाल	0.00	0.00
3	भुवनेश्वर	0.57	8.09
4	चेन्नई	157.52	19.86
5	दमन	0.00	0.00
6	दिल्ली	342.84	342.84
7	गांधीनगर	13.72	61.66
8	मुख्यालय	0.00	0.00
9	हैदराबाद	109.09	0.00

10	जोधपुर	0.00	0.00
11	कांगड़ा	729.75	269.00
12	कन्नूर	410.19	38.88
13	कोलकाता	0.00	30.12
14	मुंबई	1307.49	1742.49
15	पटना	78.12	0.00
16	पंचकुला	0.00	0.00
17	रायबरेली	0.00	0.00
18	शिलांग	0.00	0.00
19	श्रीनगर	0.00	0.00
20	वाराणसी	0.00	0.00
	कुल	**3660.76**	**2832.26**

पट्टे के दायित्व

संयंत्र और मशीनरी के लिए वित्त पट्टे की व्यवस्था के तहत किराये के लिए भविष्य के दायित्व शून्य (2024-25) रुपये (2023-24) रुपये हैं।

परिसरों के लिए लीज रेंटल बहुत कम है, लगभग 1-1000 रुपये तक। इसलिए, एएस 19 "पट्टे" द्वारा आवश्यक भविष्य के भुगतानों के लिए प्रकटीकरण खातों में नोट में नहीं किया जाता है।

वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम राशि

प्रबंधन की राय में, वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में प्राप्ति पर एक मूल्य होता है, कम से कम उस राशि के बराबर होता है जिस पर उन्हें उस तारीख को बैलेंस शीट में बताया गया है।

काराधान

निफ्ट की आय को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के तहत छूट प्राप्त है। इसलिए, लेखा बहियों में आयकर के किसी प्रावधान पर विचार नहीं किया गया है।

निर्धारण वर्ष 2017-18 के लिए आयकर विभाग के सीआईटी (अपील) के पास दायर 24.01 लाख रुपये (ब्याज सहित) की टीडीएस रिफंड की अपील आयकर विभाग के पास आज की तारीख में लंबित है।

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए धारा 154 के तहत आयकर विभाग के पास 63.20 लाख रुपये के रिफंड और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए आयकर विभाग द्वारा की गई 3583.18 लाख रुपये की गलत मांग को सुधारने के लिए एक सुधार आवेदन दायर किया गया है, जो आज तक आयकर विभाग के पास लंबित है।

विदेशी मुद्रा लेनदेन **लाख में रुपये**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
1. सीआईएफ के आधार पर गणना किए गए आयात का मूल्य:		
क) तैयार माल की खरीद	शून्य	शून्य
ख) कच्चा माल और घटक (पारगमन सहित)	शून्य	शून्य
ग) पूंजीगत सामान	शून्य	शून्य
घ) स्टोर, पुर्जे और उपभोग्य वस्तुएं	शून्य	4.20
ई) पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद	151.13	शून्य
च) सॉफ्टवेयर की खरीद	16.08	11.44
2. विदेशी मुद्रा में व्यय:		
क) यात्रा		
ख) वित्तीय संस्थनों/बैंकों को विदेशी मुद्रा में	3.23	शून्य
प्रेषण और ब्याज भुगतान	शून्य	शून्य
ग) अन्य व्यय:		
• बिक्री पर कमीशन	शून्य	शून्य
• कानूनी और व्यावसायिक व्यय	4.47	0.26
• विविध व्यय	218.53	100.07
• सदस्यता शुल्क	25.58	1.25

• मानदेय • तकनीकी शुल्क • ईटीआईडीआई परियोजना के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पंजीकरण शुल्क • ऑनलाइन व्याख्यान शुल्क	1.69 शून्य शून्य शून्य	2.37 202.64 शून्य 0.18
3. कमाई: एफओबी आधार पर निर्यात का मूल्य	शून्य	शून्य
4. लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक: लेखा परीक्षक के रूप में क) कराधान मामले ख) प्रबंधन सेवाओं के लिए ग) प्रमाणन के लिए घ) अन्य	 शून्य शून्य शून्य शून्य	 शून्य शून्य शून्य शून्य

खातों पर अन्य नोट्स:

1. विभिन्न राज्य सरकारों ने अपने राज्य में परिसर की स्थापना के लिए निफ्ट परिसरों को या तो निशुल्क अथवा रियायती दर पर भूमि उपलब्ध कराई है। भूमि को वास्तव में भुगतान की गई राशि या नाममात्र मूल्य (जैसे 1/100 रुपये/1000 रुपये), जो भी अधिक हो, पर अचल संपत्ति के रूप में दर्ज किया गया है, जो आईसीएआई द्वारा जारी "लेखा मानक 10: अचल संपत्ति के लिए लेखांकन" के बाद अधिक हो। तथापि, उन परिसरों के मामले में जिन्होंने भूमि का मूल्य 1 रुपये, 100 रुपये या 1,000 रुपये दर्ज किया है, लाखों में आंकड़ों को पूर्णांकित करने के कारण भूमि उनकी अचल संपत्ति अनुसूची 8 में दिखाई नहीं दे रही है।

   पुस्तकों में दर्ज भूमि का विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है: -

विवरण	31 मार्च, 2025 तक पुस्तक का मूल्य	पट्टे पर/ फ्रीहोल्ड	भूमि का क्षेत्र
निफ्ट मुख्यालय	Rs. 119.27 लाख	पट्टे पर	3.796 एकड़
निफ्ट बेंगलुरु	Rs .1	पट्टे पर	18067.36 वर्ग मीटर
निफ्ट भोपाल	Rs. 1	पट्टे पर	29 एकड़
निफ्ट भुवनेश्वर	Rs .1	पट्टे पर	12.046 एकड़
*निफ्ट चेन्नई	Nil	पट्टे पर	7.29 एकड़
निफ्ट दिल्ली	215.79 लाख	पट्टे पर	1834.29 वर्ग मीटर
** निफ्ट दमन	शून्य	पट्टे पर	
निफ्ट गांधीनगर	Rs. 1	फ्रीहोल्ड भूमि	20,000 वर्ग मीटर
निफ्ट हैदराबाद	Rs. 1	फ्रीहोल्ड भूमि	9.25 एकड़
निफ्ट जोधपुर	Rs. 1	पट्टे पर	20.6 एकड़
निफ्ट कांगड़ा	Rs. 1	फ्रीहोल्ड भूमि	26 एकड़
निफ्ट कन्नूर	Rs. 1000/-	पट्टे पर	3.774 हेक्टेयर
निफ्ट कोलकाता	Rs. 9.78 लाख	पट्टे पर	3.59 एकड़
निफ्ट मुंबई	Rs. 168.28 लाख	पट्टे पर	10 एकड़
निफ्ट पटना	Rs. 210/-	फ्रीहोल्ड भूमि	6 एकड़
*** निफ्ट पंचकुला	शून्य		
**** निफ्ट रायबरेली	**लागू नहीं	पट्टे पर	11.46 एकड़
निफ्ट शिलांग	Rs. 100	पट्टे पर	20.13 एकड़
निफ्ट श्रीनगर	Rs. 100	पट्टे पर	132 कनल
निफ्ट वाराणसी	123.05 लाख	फ्रीहोल्ड भूमि	7.50 एकड़

* चेन्नई परिसर में, तमिलनाडु सरकार द्वारा जारी अनुमति पत्र के अनुसार, उपरोक्त क्रम संख्या 2 के अनुसार कानागाम गांव में आवंटित भूमि का मूल्य 17.47 करोड़ रुपये है, हालांकि, भूमि शीर्षक हस्तांतरण और भूमि मूल्य निर्धारण को स्थगित रखा जा रहा है। तदनुसार, परिसर ने वित्तीय विवरणों में भूमि के मूल्य को शून्य के रूप में दर्शाया है।

** चूंकि निफ्ट दमन परिसर वर्तमान में ब्लॉक 5 और 6, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर, मोटाफलिया, वरकुंड, नानी दमन, दमन-396210 के परिसर में संचालित है और चूंकि निफ्ट दमन को 31 मार्च, 2025 तक केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव से कोई भूमि आवंटित नहीं की गई है, इसलिए वित्त वर्ष 2024-2025 के वार्षिक खातों में भूमि का मूल्य शून्य के रूप में दिखाया गया है।

*** राज्य सरकार द्वारा आज तक निफ्ट पंचकूला को भूमि और भवन नहीं सौंपा गया है।

**** वर्तमान में निफ्ट रायबरेली परिसर मैसर्स आईटीआई लिमिटेड, रायबरेली से पट्टे पर ली गई 11.46 एकड़ भूमि पर काम कर रहा है। पट्टा विलेख का नवीनीकरण लंबित है, और पत्र संख्या 1/19/2005-निफ्ट (VIII) दिनांक 31.10.2019 के अनुसार कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार से आगे के निर्देश की प्रतीक्षा की जा रही है।

2. सरकारी अनुदान से खरीदी गई परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास को आस्थगित राजस्व आय के रूप में माना जाता है और परिसंपत्तियों के 'उपयोगी जीवन' पर व्यवस्थित आधार पर हर साल आय और व्यय खातों में मान्यता दी जाती है। 2024-25 के लिए राजस्व आय के रूप में माना जाने वाला अनुदान 2548.32 लाख रुपये है (2023-24 2389.60 लाख रुपये है)।

3. उपदान भुगतान अधिनियम, 1972 के प्रावधान संस्थान पर लागू होते हैं। इसलिए, निफ्ट के कर्मचारियों की ग्रेच्युटी से संबंधित गतिविधियों के प्रबंधन के लिए संस्थान द्वारा एक ग्रेच्युटी ट्रस्ट बनाया गया है। ग्रेच्युटी ट्रस्ट के लिए एक अलग बैलेंस शीट, आय और व्यय खाता और प्राप्ति और भुगतान खाता तैयार किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, निफ्ट की पुस्तकों में ग्रेच्युटी खर्चों के लिए कुल 278.84 लाख रुपये (वित्त वर्ष 2023-24 665.56 लाख रुपये) का प्रावधान किया गया है।

4. संस्थान के कर्मचारियों के लावे नकदीकरण के संबंध में देनदारियों के भुगतान के लिए सभी निफ्ट परिसरों के लिए अवकाश नकदीकरण योजनाएं अलग से खरीदी गई हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष 2023-24 7206.10 लाख रुपये) के लिए संस्थान की पुस्तकों में 8068.72 लाख रुपये के अवकाश नकदीकरण का संचित प्रावधान किया गया है।

5. निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के निवेश पर ब्याज आय को संबंधित निधि में जमा किया जा रहा है ।

6. सरकारी अनुदान के निवेश पर ब्याज आय को सरकारी अनुदान खाते में जमा किया जा रहा है।

7. 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष से संबंधित सभी ज्ञात और निश्चित देनदारियों और सभी आय और व्ययों को संस्थान द्वारा लगातार अपनाई जाने वाली लेखा नीति के अनुसार लेखा पुस्तकों में विधिवत प्रदान किया गया है/लेखांकन किया गया है।

8. आम तौर पर, डीडीएफ, सीडीएफ और एनडीएफ आदि जैसे विभिन्न निर्धारित निधियों में योगदान/हस्तांतरण सीधे निर्धारित निधि में किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, खातों की पुस्तकों में क्रमशः 1291.36 लाख रुपये और 57.41 लाख रुपये की ब्याज राशि सहित डीडीएफ फंड और सीडीएफ फंड में वृद्धि की गई है। वर्ष के दौरान, संबंधित परिसर की स्टैंडअलोन तुलन शीट से संचित शेष राशि के साथ संरेखित करने के लिए बंदोबस्ती निधियों की प्रारंभिक शेष राशि में समायोजन किया गया है।

9. संस्थान ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई निधि में से 7677.79 लाख रुपये का अनुदान पूंजीकृत किया है जो कि पिछले वित्तीय वर्ष में 5202.05 लाख था।

   पूंजीकृत अनुदान का विवरण यहां प्रस्तुत किया गया है:

रुपये लाख में

क्र.सं.	विवरण	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
1	बेंगलुरु	453.89	103.33
2.	भोपाल	1.67	32.42
3.	भुवनेश्वर	0.00	0.00
4.	चेन्नई	0.00	0.00
5.	दमन	170.03	608.23
6.	दिल्ली	26.81	0.00
7.	गांधीनगर	0.00	0.00
8.	मुख्यालय	0.00	0.00
9.	हैदराबाद	640.13	17.09
10.	जोधपुर	0.00	1326
11.	कांगड़ा	280.53	227.33
12.	कन्नूर	93.26	44.52
13.	कोलकाता	263.00	689.53
14.	मुंबई	396.26	785.24
15.	पंचकुला	108.19	459.21
16.	पटना	169.11	65.07
17.	रायबरेली	718.47	16.60
18.	शिलांग	116.83	116.67
19.	श्रीनगर	669.94	541.08
20.	वाराणसी	3569.67	123.05
	कुल	**7677.79**	**5202.05**

10. बैलेंस शीट, आय और व्यय खातों, प्राप्तियों और भुगतान खातों और अनुसूचियों के आंकड़े लाखों रुपये में दिखाए गए हैं। इस प्रयोजन के लिए, आंकड़ों को दो दशमलव बिंदुओं के साथ लगभग लाख तक पूर्णांकित किया गया है। कुछ स्थानों पर आंकड़ों का मिलान करने

के लिए 0.01 लाख रुपये का समायोजन (परिवर्धन/कटौती) किया गया है।

11. चालू वर्ष या पिछले वर्ष की कुछ मदों में जब भी आवश्यक हो, पुनर्समूहीकरण/क्लबिंग की गई है जैसे वर्तमान देयता, चालू परिसंपत्ति, ऋण और अग्रिम, अचल संपत्तियां, प्रावधान, व्यय/आय और पूंजी निधि आदि।

12. पारगमन में परिसंपत्ति, 124.48 लाख रुपये (2023-24 रुपये, 49.37 लाख) और पूंजीगत वस्तुओं के प्रावधान के तहत देनदारियों को माल की वास्तविक प्राप्ति के बिना आपूर्तिकर्ताओं के साथ दिए गए खरीद आदेशों के आधार पर खातों की पुस्तकों में शामिल किया गया है।

13. बेंगलुरु में अगस्त 2022 में ब्लूम फेस्ट कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 8 लाख रुपये की शेष निधि जारी करने की दिशा में विकास आयुक्त, हस्तशिल्प, उद्योग भवन, एमओटी, नई दिल्ली के कार्यालय के साथ अनुवर्ती कार्रवाई चल रही है।

14. बेंगलुरु परिसर को आरबीआई खाते से टीएसए प्रणाली के माध्यम से 59 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई है, इसमें से 56 लाख रुपये ईडब्ल्यूएस बजट के तहत नए शैक्षणिक ब्लॉक के निर्माण के लिए 20.01.2025 को सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए थे। टीडी विभाग के लिए कक्षा उपकरण की खरीद के लिए 3 लाख रुपये खर्च किए जाते हैं। हालांकि, 3,00,000/- रुपये में से 40,000/- रुपये की राशि टीडी लैब उपकरणों की खरीद के लिए निर्माता को ईडब्ल्यूएस फंडिंग के तहत अग्रिम थी और इसे अनुसूची 2 में कम उपयोग में परिलक्षित किया गया था। पीएफएमएस (टीएसए) प्रणाली 31.03.2025 तक 37,140/- रुपये की राशि आरबीआई खाते में वापस कर दी गई है।

15. निफ्ट दमन के संबंध में 31 मार्च, 2025 तक अनुदान की स्थिति:-

विवरण		कुल निधि	समायोजन के बाद शुद्ध व्यय	अंत शेष
वित्त वर्ष 2024-25 तक समेकित अनुदान की स्थिति।	पूंजी अनुदान	632.46	783.66	-151.20
	राजस्व अनुदान	197.86	105.11	92.75

197.86 लाख रुपये के राजस्व अनुदान में से समायोजित नुकसान का विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	नुकसान की हानि	टिप्पणी
2022-23	55.52	हानियों को समायोजित करने के बाद शेष अनुदान को अप्रयुक्त अनुदान में दिखाया गया है। समायोजित हानि के बराबर राशि को आय और व्यय में सहायता अनुदान के रूप में राजस्व अनुदान के रूप में दिखाया गया है।
2023-24	7.88	
2024-25	40.91	

16. कुछ पुरानी टीडीएस प्राप्तियां निफ्ट गांधीनगर के खातों की पुस्तकों में परिलक्षित होती हैं, जिनकी आय निफ्ट मुख्यालय द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 तक निम्नलिखित विवरण के संदर्भ में हस्तांतरित नहीं की गई है: -

क्रमांक	विवरण	लाख में राशि
1	टीडीएस प्राप्य (2010-11 तक) (उस अवधि के दौरान गांधीनगर परिसर द्वारा अलग पैन नहीं लिए जाने के कारण)।	20.53
2	टीडीएस प्राप्य (2011-12)	6.98
3	टीडीएस प्राप्य (2013-14)	2.54
	कुल	**30.05**

उक्त आय को एफएंडएसी एंड बीओजी से निर्देश/अनुमोदन प्राप्त होने पर वित्त वर्ष 2025-26 में निफ्ट गांधीनगर द्वारा बट्टे खाते में डाला जा सकता है।

17. जोधपुर परिसर में, 8ए+8बी की अचल संपत्ति अनुसूची में दिखाए गए सीडब्ल्यूआईपी के मुकाबले पिछले वर्ष 1989 लाख रुपये के अनुदान को पहले ही पूंजीकृत किया जा चुका था। वित्त वर्ष 2024-25 में, सीडब्ल्यूआईपी को स्थानांतरित करके केवल परिसंपत्तियां बनाई गई हैं और अनुदान को पिछले वर्ष में पहले ही पूंजीकृत किया जा चुका है।

18. वस्त्र मंत्रालय (एमओटी) के दिनांक 13.12.2024 के पत्र के अनुसार, 04.12.2024 को आयोजित पीएएमसी बैठक के कार्यवृत्त को दर्ज करते हुए, 01.04.2024 से 31.03.2026 तक दो वर्षों की अवधि के लिए क्राफ्ट क्लस्टर पहल के लिए स्वीकृत कुल परियोजना लागत 34.28 करोड़ रुपये है। इस कुल राशि में से, हथकरघा विकास आयुक्त (डीसीएचएल) और हस्तशिल्प (डीसीएचसी) के कार्यालयों ने क्रमशः 10.473 करोड़ रुपये और 15.710 करोड़ रुपये के अनुदान को मंजूरी दी है, जो केवल शिल्प अनुसंधान और प्रलेखन (सीआरडी) और शिल्प-आधारित डिजाइन परियोजना (सीबीडीपी) को कवर करने वाले क्षेत्र अध्ययन घटकों के लिए है। शेष 8.097 करोड़ रुपये निफ्ट द्वारा कार्यशालाओं और शिल्प बाजारों जैसे अन्य परियोजना घटकों के लिए वहन किए जाने हैं। तदनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सीआरडी और सीबीडीपी गतिविधियों के तहत किए गए व्यय को डीसीएचएल और डीसीएचसी से वसूली योग्य माना जाता है।

19. गांधीनगर परिसर के संबंध में वित्त वर्ष 2023-24 में प्राप्त अनुदान (राजस्व) का विवरण इस प्रकार है:

संगठन का नाम	अथ शेष	ब्याज (कल्पित)	कुल	उपयोग की गई राशि	अंत शेष	टिप्पणी
गुजरात राज्य हथकरघा और हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड	55.63	3.30	58.93	-	58.93	यह राशि देय शीर्ष राशि में दिखाई गई है क्योंकि इसे वित्त वर्ष 25-26 में वापस किया जा सकता है। यदि निर्धारित उद्देश्य के लिए पूरी तरह से/आंशिक रूप से उपयोग नहीं किया गया ।

21. मुंबई परिसर के संबंध में, पिछले वर्षों में, सरकारी अनुदान से जमा कार्य के लिए सीपीडब्ल्यूडी को किए गए भुगतान को अनुसूची 11 में विविध देनदारों के रूप में दिखाया गया था (इसे अनुसूची 8 ए में दिखाने के बजाय), जिसके परिणामस्वरूप एसएच-2 (अनुदान पूंजीकृत) और एसएच-8ए (केंद्र सरकार के अनुदान से खरीदी गई अचल संपत्ति) में अंतर था। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ऑडिट टीम ने भी यही बात बताई। इस वर्ष सीपीडब्ल्यूडी को निर्माण उद्देश्यों के लिए जमा कार्य के रूप में जारी की गई राशि को विविध देनदारों के शीर्ष से कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस में स्थानांतरित करके इसमें सुधार किया गया है। वर्ष के दौरान "सीपीडब्ल्यूडी डिपॉजिट वर्क्स- कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस" के लिए डेबिट की गई 900.29 लाख रुपये की कुल राशि में से वर्ष के दौरान केवल 291.60 लाख रुपये की वास्तविक वृद्धि हुई है। शेष 608.69 लाख रुपये की राशि जो पिछले वर्षों से संबंधित है, को अनुसूची 8ए में "समायोजन और हस्तांतरण" कॉलम के तहत दिखाया गया है।

22. वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुंबई परिसर के संबंध में प्राप्त अनुदान का विवरण इस प्रकार है:

(रूपये लाख में)

क्र सं.	योजना का नाम	प्राप्त राशि	उपयोग की गई राशि	अंत शेष	टिप्पणी
1.	ईडब्ल्युएस	378.00	378.00	0.00	-
2.	एनटीटीएम योजना	299.50	18.26	शून्य	टीएसए प्रणाली के कारण वित्तीय वर्ष के अंत में क्लोजिंग बैलेंस शून्य हो जाता है। इसके अलावा, आरबीआई-टीएसए खाते पर कोई ब्याज जमा नहीं होता है।

23 वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, निफ्ट मुंबई ने निफ्ट प्रधान कार्यालय के माध्यम से मंत्रालय को 162.25 लाख रुपये का अव्ययित ओबीसी अनुदान (ब्याज) वापस कर दिया। इसके अलावा, निफ्ट, प्रधान कार्यालय ने अव्ययित अन्य पिछड़ा वर्ग अनुदान के लिए वस्त्र मंत्रालय को रिफंड कर दिया है।

24 निफ्ट हेड ऑफिस मेमोरेंडम नंबर 1312 (698)/निफ्ट एडमिन/बेगूसराय/2024 दिनांक 22 अगस्त 2024 के अनुसार, निफ्ट पटना परिसर को बिहार के बेगूसराय में नए खुले निफ्ट एक्सटेंशन सेंटर के एक संरक्षक परिसर को अधिकृत किया गया है। तदनुसार, विस्तार केंद्र से संबंधित सभी व्यय निफ्ट पटना परिसर की लेखा पुस्तकों में लिए जाते हैं।

25 **आरबीएल (ईडब्ल्यूएस):** सीपीडब्ल्यूडी के साथ समझौता ज्ञापन के अनुसार रायबरेली परिसर द्वारा 50% देय है, जो सीपीडब्ल्यूडी (जमा कार्य) को 716.48 रुपये और आईटी आइटम की खरीद के लिए 2 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है। वर्ष 2024-25 के दौरान निफ्ट-रायबरेली केंद्र से संबंधित अनुदान सहायता (योजना-ईडब्ल्यूएस) के तहत 718.47 लाख रुपये की राशि का उपयोग किया गया है, जिसमें नए बालिका छात्रावास के निर्माण के लिए निफ्ट रायबरेली के पास 470.00 लाख रुपये का भौतिक अनुदान भी शामिल है। इस कार्य का निष्पादन सीपीडब्ल्यूडी के साथ समझौता ज्ञापन से हुआ।

आरबीएल(वीईसी): निफ्ट हेड ऑफिस कार्यालय कार्यालय कार्यालय संख्या 1312(471)/एडमिन/एचओ/वाराणसी कैंपस/2024 दिनांक 27.08.2024 के अनुसार, निफ्ट एक्सटेंशन कैंपस वाराणसी को 16 जुलाई 2024 से निफ्ट वाराणसी में मिला दिया गया है। उपरोक्त निर्णय को ध्यान में रखते हुए, निफ्ट एक्सटेंशन सेंटर, वाराणसी के लिए खरीदी गई 227.55 लाख रुपये मूल्य की सभी संपत्तियों को निफ्ट, वाराणसी को हस्तांतरित कर दिया गया है। 159.95 लाख रुपये का संचित मूल्यह्रास और 67.59 लाख रुपये का अनुदान उपयोग निफ्ट वाराणसी परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया है।

निफ्ट प्रधान कार्यालय ने अपने पत्र संख्या 1312(471)/एडमिन/एचओ/वाराणसी कैंपस/2024 दिनांक 13.09.2024 के माध्यम से निफ्ट रायबरेली द्वारा किए गए निफ्ट वीईसी के खर्च के निपटान के लिए निफ्ट रायबरेली को 60 लाख रुपये मंजूर किया हैं।

26 वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या 1/19/2005-निफ्ट(VIII) दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 के अनुसार, और पत्र संख्या 1551(202)/निफ्ट/डीडी (एफ एंड ए)/आरबीसी अनुदान, दिनांक 28 सितंबर, 2021 के अनुसार यह निर्देश दिया गया है कि "कुछ समय के लिए लीज डीड के नवीनीकरण की प्रतीक्षा करें"। जहां तक 01.05.2021 से 4 साल 11 महीने की अवधि के लिए या एकमुश्त निपटान तक नए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का संबंध है। इस संबंध में यह मामला एमओटी/निफ्ट एचओ के सक्रिय रूप से विचाराधीन है क्योंकि इसे आगे के निर्देश के लिए मंत्रालय को भेज दिया गया है। लीज डीड के संबंध में निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है। इसलिए, 'भवन के लिए किराया' के संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। मैसर्स आईटीआई लिमिटेड @ 36.38 लाख रुपये प्रति माह (जीएसटी सहित) की मांग कर रही है, जो वर्ष 2024-25 के लिए लगभग 436.56 लाख रुपये होगी। वर्ष 2023-24, 2022-23 के लिए लीज्ड रेंटल के दावों का भी भुगतान नहीं किया गया है (लगभग 673.62 लाख रुपये)।

27 **निफ्ट वाराणसी (केंद्र सरकार का अनुदान: पूंजी):** वर्ष 2024-25 के दौरान अनुदान सहायता (योजना/पूंजी) के तहत 1798.94 लाख रुपये की राशि का उपयोग किया गया है। पिछले वर्ष की शेष राशि 123.05 लाख रुपये में से इसे समायोजित करने के बाद, एनबीसीसी, नोएडा को बदललपुर, वाराणसी में स्थायी परिसर और बादलालपुर, वाराणसी में टीएफसी-सी एंड डी ब्लॉक में अस्थायी परिसर के निर्माण के जमा कार्यों के लिए अग्रिम के रूप में 1543.17 रुपये की राशि का भुगतान किया गया है।

निफ्ट वाराणसी (केंद्र सरकार का अनुदान: राजस्व): वर्ष 2024-25 के दौरान अनुदान सहायता (गैर-योजना/राजस्व) के तहत 247.12 लाख रुपये की राशि का उपयोग किया गया है। 31 मार्च 2025 तक निफ्ट वाराणसी केंद्र से संबंधित पिछले वर्ष की शेष राशि 3.04 लाख रुपये थी, कुल 250.16 लाख रुपये की राशि जमा घाटा शेष है। राजस्व घाटे (वायबिलिटी गैप फंडिंग) के खिलाफ समायोजित अनुदान वर्ष 2024-25 में 241.27 लाख रुपये और पिछले वर्ष 2023-24 में, 31 मार्च 2025 तक निफ्ट वाराणसी केंद्र से संबंधित कुल 242.93 लाख रुपये की राशि जमा घाटा शेष है।

निफ्ट वाराणसी - पीएफएमएस-टीएसए के माध्यम से प्राप्त अनुदान और उपयोग निम्नलिखित हैं - (लाखों में)

एफवाई	स्वीकृत की गई अनुदान	प्राप्त अनुदान	उपयोग किए गए अनुदान	पीएफएमएस-टीएसएके माध्यम से अनुदान वापसी
2023-24	3300.00	2306.09	123.05 (पूंजी)+ 3.04 (राजस्व)+ 2180.00 (एनबीसीसी को जोड़ने पर) =2306.10	993.91
2024-25	3900.00	4893.91	1798.94(पूंजी)+ 247.12(राजस्व)+ 1543.17(एनबीसीसी को अग्रिम) =3589.24	1304.66
कुल	**7200.00**	**7200.00**	**5895.34**	

एनबीसीसी को कुल 3723.17 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान किया गया।

28. एमओटी कार्यालय ज्ञापन 1/7/19-निफ्ट दिनांक 01.06.2021 के अनुसार निफ्ट में ईडब्ल्यूएस कोटा कार्यान्वयन के तहत 18312.30 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा स्वीकृत ईडब्ल्यूएस निधियां, किया गया व्यय और शेष स्थिति निम्नानुसार है:-

वित्त वर्ष 2023-24 से, वस्त्र मंत्रालय के निर्देशानुसार केंद्रीय नोडल एजेंसी की मौजूदा प्रणाली से केंद्रीय क्षेत्र की योजना के तहत धन के प्रवाह के लिए निफ्ट को ट्रेजरी सिंगल अकाउंट सिस्टम में स्थानांतरित कर दिया गया है और निफ्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक के साथ 20 ट्रेजरी सिंगल अकाउंट खोले हैं। नतीजतन, वस्त्र मंत्रालय ने ट्रेजरी सिंगल अकाउंट सिस्टम के माध्यम से ईडब्ल्यूएस योजना के तहत अनुदान और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए फंड की स्थिति को निम्नानुसार मंजूरी दी है।

क्र.सं.	विवरण	राशि (लाख में रुपये)
1	ईडब्ल्यूएस योजना के तहत एमओटी द्वारा स्वीकृत कुल अनुदान- 2250 निफ्ट श्रीनगर परिसर की स्थापना - 2500 निफ्ट वाराणसी परिसर की स्थापना – 4893.91	9643.91
2	व्यापक स्वीकृत आदेश संख्या 1/7/2019-निफ्ट(6)(62) दिनांक -26.12.2024 प्राप्त हुआ	1250
3	व्यापक स्वीकृत आदेश संख्या 1/14/2017-निफ्ट(3)(64) दिनांक 26.12.2024 प्राप्त हुआ	3900
4	व्यापक स्वीकृत आदेश संख्या 1/14/2017-निफ्ट(2)(61)दिनांक 30.05.2024 प्राप्त हुआ	993.91
5	व्यापक स्वीकृत आदेश संख्या 1/7/2019-निफ्ट(6)(62)दिनांक 11.10.2024 प्राप्त हुआ	1000
6	व्यापक स्वीकृत आदेश संख्या 1/46/2009-निफ्ट(पीटी./1)(15)(63) दिनांक 29.11.2024 प्राप्त हुआ	2500
7	उपरोक्त अनुदान में से निफ्ट परिसरों को हस्तांतरित की गई राशि परिसर का नाम / राशि हैदराबाद – 757 दिल्ली – 54 कांगड़ा- 288 बेंगलुरु – 59 कोलकाता –263 मुंबई – 378 वाराणसी – 4893.91 पटना – 74 भोपाल – 203 शिलांग -133 श्रीनगर – 1229.67 **रायबरेली - 191	8523.58
8	उपर्युक्त अनुदान में से किए गए कुल व्यय/प्रतिपूर्ति	6295.72
9	टीएसए नियमों के अनुसार वस्त्र मंत्रालय द्वारा वापस ली गई अनुदान की राशि	3348.19

*56.31 लाख रुपये की राशि निफ्ट सीएनए से निफ्ट होल्डिंग खाते में स्थानांतरित कर दी गई है, जिसे कार्यक्षमता सक्षम होने के बाद कपड़ा मंत्रालय को भेजा जाना बाकी है।

रायबरेली परिसर को दिल्ली कैंपस के अप्रयुक्त ईडब्ल्यूएस ग्रांट बैलेंस यानी शिलांग कैंपस के 26.97 लाख रुपये और 32 लाख रुपये से ट्रेजरी सिंगल अकाउंट सिस्टम के माध्यम से ईडब्ल्यूएस अनुदान के रूप में 58.97 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं।

29. एफ.नं.1 (18)/पीएफएमएस/एफसीडी/2021 दिनांक: 09.03.2022 के माध्यम से भारत सरकार द्वारा केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के धन के प्रवाह के लिए एक नई प्रक्रिया शुरू की गई है। उपरोक्त के अनुपालन में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान को भी वस्त्र मंत्रालय के तहत केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में योजना के लिए सौंपा गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है।

(राशि लाखों में)

सीएनए मॉड्यूल-II के तहत निधि के आवंटन का विवरण											
योजना का नाम टीसीडीएस, एनटीटीएम और पीएम मित्र 01.04.2024 से 31.08.2024 योजना का नाम आईपीडीएस 01.04.2024 से 31.03.2025											
क्र. सं.	**योजना का नाम**	**एमओटी से प्राप्त निधि**		**अर्जित ब्याज**		**दी गई सीमा**		**किया गया व्यय**		**बचा हुआ राशि**	
		वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24
1	राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम)	36800	9670.06	81.85	208.86	25120.96	25655.14	3262.51	4510.60	शून्य	शून्य
2	वस्त्र क्लस्टर विकास योजना (टीसीडीएस)	2898.43	6265.15	5.35	51.01	2328.31	6862.66	2282.30	6016.64	शून्य	शून्य
3	पीएम मेगा एकीकृत टेक्सटाइल रीजन एंड कपड़ा पार्क (पीएम मित्र)	-	-	-	-	-	-	-	-	शून्य	शून्य
4	एकीकृत प्रसंस्करण विकास योजना (आईपीडीएस)	2116.43	3124.05	8.90	32.29	1881.14	2898.75	1632.38	2389.62	शून्य	शून्य
	कुल	**41814.87**	**19059.26**	**96.09**	**292.16**	**29330.41**	**35416.55**	**7177.19**	**12916.86**	**शून्य**	**शून्य**

भारत सरकार ने वाईड सं. एफ. सं.एमओसीटी/पीआरएओ/बीबीए/टेक्स/टीएसए/2022-23/643-658 दिनांक 28.08.2024 के द्वारा ट्रेजरी सिंगल अकाउंट हाइब्रिड अकाउंट (टीएसए हाइब्रिड) के धन के प्रवाह के लिए एक नई प्रक्रिया शुरू की गई है। उपरोक्त के अनुपालन में, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान को भी केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में वस्त्र मंत्रालय के तहत योजना के लिए सौंपा गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:

(लाख में राशि)

टीएसए हाइब्रिड मॉड्यूल के तहत फंड के आवंटन का विवरण											
01.09.2024 to 31.03.2025											
क्र.सं.	**योजना का नाम**	**एमओटी से प्राप्त निधि**		**अर्जित ब्याज**		**दी गई सीमा**		**किया गया व्यय**		**शेष राशि**	
		वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24
1	राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम)	23647.94	-	1.94	-	23341.35	-	6144.96	-	NIL	
2	वस्त्र क्लस्टर विकास योजना (टीसीडीएस)	1947.8	-	0.02	-	1947.8	-	503.5	-	NIL	NIL
3	पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क (पीएम मित्र)	-	-	-	-	-	-	-		NIL	NIL
	कुल	**25595.74**	**0**	**1.96**	**0**	**25289.15**	**0**	**6648.46**	**0**		**0**

वस्त्र मंत्रालय सीएनए और टीएसए हाइब्रिड प्रक्रिया के अनुसार पीएफएमएस में उपरोक्त योजना के लिए सीमा निर्धारित करने के लिए समय-समय पर निर्देश भेजता रहता है और राशि सीएनए/टीएसए हाइब्रिड बैंक खाते में प्राप्त हो गई है। सीएनए/टीएसए हाइब्रिड खाते में निर्धारित सभी सीमा 31.03.2025 को शून्य हो गई है और वस्त्र मंत्रालय के निर्देश के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए नई सीमा निर्धारित की जाएगी। यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि उपरोक्त योजना के लिए राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की लेखा पुस्तकों में कोई लेखांकन प्रविष्टि नहीं ली गई है। उपरोक्त तालिका के अनुसार व्यक्तिगत सीएनए योजना के बैंक खातों में 98.05 लाख रुपये का ब्याज प्राप्त हुआ है, जिसमें से 87.20 रुपये की राशि वापस कर दी गई है और शेष 10.85 लाख रुपये की राशि अभी तक कपड़ा मंत्रालय को वापस नहीं की गई है।

30. वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 210.12 लाख रुपये (वित्त वर्ष 2021-22 100 लाख रुपये) की राशि निफ्ट फाउंडेशन फॉर डिजाइन इनोवेशन (एनआईएफटी के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक धरा-8 कंपनी) को ब्याज मुक्त वित्तीय सहायता के रूप में एनआईएफटी फाउंडेशन फॉर डिजाइन इनोवेशन (एनआईएफटी के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत धारा-8 कंपनी) को हस्तांतरित की गई है।

31. लेखा मानक (एएस) 12 के तहत, जो सरकारी अनुदान के लेखांकन से संबंधित है, जब किसी परिसंपत्ति के अधिग्रहण के लिए अनुदान प्राप्त होता है, तो इसे आमतौर पर आस्थगित आय के रूप में माना जाता है और संबंधित संपत्ति के उपयोगी जीवन पर लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त होती है। तथापि, अनुदान के उपचार में निफ्ट की लेखा पुस्तकों में विसंगति है सरकार से प्राप्त हुआ जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
उपयोग किए गए अनुदान का शेष (ए)	135984.35	128564.37
पूंजी निधि समायोजन (आस्थगित राजस्व) (बी)	38786.43	36137.09
अनुदान का शुद्ध संतुलन (ए-बी = सी)	97197.92	92427.28
अनुसूची 8ए और 8बी (डी) के अनुसार परिसंपत्ति का शुद्ध ब्लॉक	94312.31	88934.40
अंतर (सी-डी)	**2885.61**	**3492.88**

शुद्ध अनुदान और परिसंपत्तियों के शुद्ध ब्लॉक के बीच अंतर इस कारण से है कि निफ्ट ने वित्त वर्ष 2016-17 में एएस 12 को लागू किया था और परिसंपत्तियों की अनुसूची को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया था- केंद्र सरकार के अनुदान से बनाई गई परिसंपत्ति, राज्य सरकार का अनुदान, बंदोबस्ती कोष और अन्य स्रोत। सुलह प्रक्रिया चल रही है।

32. आईसीएआई के SRS4410 के तहत उल्लिखित नियम के अनुसार, "कैग द्वारा लेखापरीक्षित" शब्द को बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते, प्राप्ति और भुगतान खाते और महत्वपूर्ण लेखा नीति और आकस्मिक देनदारियों और खातों पर नोट्स के शीर्षक में डाला गया है।

सम तिथि की हमारी संकलन रिपोर्ट के संदर्भ में
द्वारा संकलित:
एएसए एवं एसोसिएट्स एलएलपी
चार्टर्ड अकाउंटेंट **राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए**
एफआरएन 009571एन/एन500006

हस्ता/-	**हस्ता/-**	**हस्ता/-**	**हस्ता/-**
सीए गौरव भाटिया	**सीए राहुल त्यागी**	**सीएमए बी.के.पांडे**	**तनु कश्यप, आईएएस**
पार्टनर	**उप निदेशक (वित्त एवं लेखा)**	**निदेशक (एफ एंड ए)**	**महानिदेशक**

सदस्यता सं. 521920
स्थान नई दिल्ली
दिनांक: 21.06.2025
युडीआईएन सं. – 255219ZOBMNSMS1009

अनुलग्नक 1: अक्षय निधि/डीडीएफ/सीडीएफ से खरीदी गई संपत्ति। **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
अक्षयनिधि से अर्जित परिसंपत्ति	4096.22	3952.51
डीडीएफ/सीडीएफ से अर्जित संपत्ति	1067.94	1006.18
अन्य निधि (सीएफसी) से अर्जित परिसंपत्ति	0.00	55.71
कुल	**5164.16**	**5014.40**

अनुलग्नक 2: परियोजना देनदारियां **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
"परियोजनाओं से प्राप्त राशि (राशि के साथ परियोजना का नाम)"	2393.16	3127.32
एफ. 01 विविध परियोजना	0.00	0.00
एफ. 03 आरडीटीसी पायलट प्रोजेक्ट	0.00	0.00
एफ.126 एंकर संस्थान	0.00	0.00
एफ.142 जनजातीय महिलाओं के लिए जनजातीय प्रशिक्षण कार्यक्रम वाडा	0.00	0.00
एफ.157 वाइब्रेंट गुजरात फॉर्मल एक्सेसरीज	0.00	0.00
एफ.164 गुजरात के बेड़ा के लिए शिल्प प्रलेखन	0.00	0.00
एफ.164 गुजरात के बेड़ा के लिए शिल्प प्रलेखन	0.00	0.00
एफ.167 एचपीसीएल कर्मचारियों के लिए यूनिफॉर्म डिजाइन	0.00	0.00
एफ.168 डीसीएचसी 2014-15 (एडी कार्यशाला)	0.00	0.00
एफ.169 डीपी 2011-15 (टीडी) कार्यशाला	0.00	0.00
एफ.172 उस्ताद प्रोजेक्ट मुख्यालय	0.00	0.00
एफ.175 उत्पाद विविधीकरण परियोजना- एमपीएचएसवीएन	0.00	0.00
एफ.176 (ए) क्लस्टर क्राफ्ट गतिविधि -डीसी हैंडलूम (मुख्यालय)	0.00	0.00
एफ.176 (बी) क्लस्टर क्राफ्ट एक्टिविटी-डीसी (हस्तशिल्प) मुख्यालय	0.00	0.00
एफ.32 परिधान विकास और प्रशिक्षण केंद्र	0.00	0.00
एफ. 88 फैशन और टेक्सटाइल ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट 2004-08	0.00	0.00
एफ.179 मिट्टी के बर्तनों की कार्यशाला इंडेक्सट सी	0.00	0.00
एफ.180 कढ़ाई कार्यशाला इंडेक्सट सी	0.00	0.00
एफ.182 आभूषण कार्यशाला इंडेक्सट सी	0.00	0.00
एफ.184 कुम्हारों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला (आर्टिशन) इंडेक्सेट सी	0.00	0.00
एफ.186 सोमनाथ ट्रस्ट के लिए परामर्श परियोजना	0.00	0.00
एफ.187 स्रोत भारत सूरत "थीम पैवेलियन"	0.00	0.00
एफ.188 स्टैच्यू ऑफ यूनिटी	0.00	0.00
एफ.189 बुनाई कार्यशाला - इंडेक्सेट सी	0.00	0.00
एफ.190 SSIP- गुजरात नॉलेज सोसाइटी	0.00	0.00
एफ.191 सिलाई कार्यशाला - जीएनआर	0.00	0.00
एफ.192 एगेट वर्कशॉप	0.00	0.00
एफ.193 बांस कार्यशाला - इंडेक्सेट सी	0.00	0.00
एफ.194 पैचवर्क वर्कशॉप - सूरत	0.00	0.00
एफ.195 प्रशिक्षण कार्यशाला - सूरत	0.00	0.00
एफ.196 हाथ कढ़ाई कार्यशाला - सूरत	0.00	0.00
एफ.197 मटीकम (मिट्टी के बर्तन) कार्यशाला - इंडेक्सेट सी	0.00	0.00
एफ.198 हाथ कढ़ाई कार्यशाला - इंडेक्सेट सी	0.00	0.00
एफ.200 पैचवर्क वर्कशॉप - इंडेक्सेट सी	0.00	0.00
एफ. 201 बिक्री और विपणन व्यापार प्रशिक्षण	0.00	0.00

एफ. 202 पॉटरी कार्यशाला	0.00	0.00
एफ. 205 ई कॉमर्स इन क्राफ्ट वर्कशॉप इंडेक्सेट सी	0.00	0.00
एफ. 206 चमड़े के रेक्सिन प्रशिक्षकों के लिए टीओटी - जीआरआईएमएमसीओ	0.00	0.00
एफ. 207 हस्तशिल्प	0.00	0.00
एफ. 208 केवीआईसी एसओ पीएमजीपी – फैशन प्रदर्शन	0.00	0.00
एफ. 209 छवि बनाने की कला	0.00	0.00
एफ. 210 सांस्कृतिक फैशन शो उत्पादन जी20 कार्यक्रम	0.00	0.00
एफ. 211 सांस्कृतिक फैशन शो डिजाइन जी20 कार्यक्रम	0.00	0.00
एफ. 212 शुरुआती के लिए एक दिवसीय फैशन कार्यक्रम	0.00	0.00
एफ. 213 सांस्कृतिक फैशन शो डिजाइन जी20 -18.08.23	0.00	0.00
एफ. 214 बदरवास जैकेट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	0.00	0.00
एफ. 13-युएसटीटीएडी	0.00	0.00
एफ. 30 युपी खादी प्रशिक्षण 2025	0.00	0.00
एफ. 31 खादी आधिकारिक कार्यशाला 2024-25	0.00	0.00
एफ. 27 यूपी निर्यात संवर्धन परिषद	0.00	0.00
एफ. 28 यूपी खादी प्रशिक्षण 2023	0.00	0.00
एफ. 29 रेमंड कार्यशाला 24 मार्च	0.00	0.00
एफ. 25- यूपी खादी प्रशिक्षण-2023	0.00	0.00
जीआई फैशन शो	0.00	0.00
मास्टर दर्जी प्रशिक्षण	0.00	0.00
यूजेएएस (कौशल विकास. प्रशिक्षण) पी-29	0.00	0.00
यूजेएएस (कौशल विकास. प्रशिक्षण) पी-30	0.00	0.00
यूजेएएस (कौशल विकास. प्रशिक्षण) पी-31	0.00	0.00
यूजेएएस (कौशल विकास. प्रशिक्षण) पी-32	0.00	0.00
यूजेएएस (कौशल विकास. प्रशिक्षण) पी-33	0.00	0.00
यूजेएएस (कौशल विकास. प्रशिक्षण) पी-34	0.00	0.00
यूजेएएस (कौशल विकास. प्रशिक्षण) पी-35	0.00	0.00
यूजेएएस (कौशल विकास. प्रशिक्षण) पी-40	0.00	0.00
यूजेएएस (कौशल विकास. प्रशिक्षण) पी-41	0.00	0.00
शक्ति-36	0.00	0.00
शक्ति-37	0.00	0.00
शक्ति-43	0.00	0.00
शक्ति-45	0.00	0.00
शक्ति-47	0.00	0.00
आरआर-48	0.00	0.00
आईपीआर के लिए शिल्प सर्वेक्षण परियोजना	0.00	0.00
ई-सामग्री विकास परियोजना चरण II	0.00	0.00
फैशन जागरूकता में आदिवासी छात्रों के लिए अभिविन्यास (25 जनवरी)	0.00	0.00
कारवां शिल्प के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण	0.00	0.00
यूएसटीटीएडी परियोजना	0.00	0.00
वाया लाइफ के लिए उत्पाद डिजाइन	0.00	0.00
रेजीडेंसी होटल के लिए यूनिफॉर्म डिजाइन	0.00	0.00
विरुधुनगर मेगा क्लस्टर में नैदानिक अध्ययन	0.00	0.00
स्टर्लिंग हॉलिडे रिसॉर्ट्स के लिए डिज़ाइन	0.00	0.00

रेमंड्स के लिए कार्यशाला	0.00	0.00
एसडीआईएस परियोजना	0.00	0.00
क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला	0.00	0.00
निप्पॉन पेंट के लिए रंग रुझान	0.00	0.00
सीआईईएल मॉरीशस प्रशिक्षण परियोजना	0.00	0.00
टीएनएचडीसी क्लस्टर	0.00	0.00
पीटीएसएलपी प्रशिक्षण परियोजना	0.00	0.00
सरावगी वर्दी प्रशिक्षण परियोजना	0.00	0.00
आईआईएसईआर डिजाइन परियोजना	0.00	0.00
उचित मूल्य की दुकान वर्दी डिजाइन	0.00	0.00
कुल	**2393.16**	**3127.32**

अनुलग्नक 3: वस्तुओं और सेवाओं के लिए विविध लेनदार **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
मेस शुल्क देय	0.00	0.00
विविध लेनदारों मुख्यालय	267.50	482.45
विविध लेनदारों दिल्ली	0.00	0.00
विविध लेनदारों कोलकाता	338.61	184.55
विविध लेनदारों चेन्नई	0.00	0.00
विविध लेनदारों हैदराबाद	4.31	0.00
विविध लेनदारों मुंबई	0.00	0.00
विविध लेनदारों गांधीनगर	0.00	0.00
विविध लेनदारों बेंगलुरु	0.00	0.00
विविध लेनदारों रायबरेली	50.15	52.53
विविध लेनदारों शिलांग	108.39	123.63
विविध लेनदारों पटना	106.30	105.16
विविध लेनदारों कन्नूर	41.03	43.18
विविध लेनदारों भोपाल	54.66	85.51
विविध लेनदारों कांगड़ा	0.00	0.00
विविध लेनदारों भुवनेश्वर	99.20	69.15
विविध लेनदारों जोधपुर	0.55	1.18
विविध लेनदारों श्रीनगर	0.00	0.00
विविध लेनदारों दमन	0.00	0.00
कुल	**1070.69**	**1147.34**

अनुलग्नक 4: विविध लेनदार अन्य **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
देय व्यय (कृपया प्रमुख के अनुसार निर्दिष्ट करें)	423.74	434.94
देय राशि (कृपया प्रमुख के अनुसार निर्दिष्ट करें)	2825.11	2717.61
नया प्रवेश ट्यूशन शुल्क (मुख्यालय)	26.29	26.29
कुल	**3275.14**	**3178.85**

अनुलग्नक 5: छात्रों से प्राप्त अग्रिम शुल्क **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
छात्रों से मिली अग्रिम फीस	5231.10	4463.28
छात्रों से प्राप्त अग्रिम ट्यूशन शुल्क	8954.05	8280.39
कुल	**14185.15**	**12743.67**

अनुलग्नक 6: सुरक्षा जमा/ईएमडी/प्रतिधारण **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
सुरक्षा जमा (छात्रावास)	497.10	453.13
सुरक्षा जमा (अकादमिक)	1839.28	1752.62
सुरक्षा जमा (संसाधन केंद्र)	33.52	38.37
सुरक्षा जमा (विक्रेता)	338.94	313.27
ईएमडी	114.30	41.55
प्रतिधारण	60.47	34.81
सुरक्षा जमा (अन्य)	240.14	258.40
सुरक्षा जमा (वापसी योग्य -ब्रिज कार्यक्रम)	9.58	9.09
कुल	**3133.34**	**2901.24**

अनुलग्नक 7: सांविधिक देनदारियां अन्य **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
ईपीएफ देय	229.22	234.47
सीपीएफ	0.00	0.00
जीपीएफ (रिकवरी ऑफ एडवांस)	1.97	1.93
जीपीएफ (रिकवरी ऑफ एडवांस)	0.00	-0.38
वीपीएफ	5.73	6.14
जीएलआईएस	0.57	3.80
ईडीएलआई देय	0.09	0.09
व्यावसायिक कर देय	0.92	0.96
सेवा कर देय	0.00	0.00
वेतन टीडीएस	128.11	133.96
संविदाकार टीडीएस	74.92	90.46
व्यावसायिक सेवा पर टीडीएस	37.44	33.90
किराये पर टीडीएस	1.38	3.12
अन्य टीडीएस	3.90	4.59
अन्य सांविधिक कर और शुल्क	0.02	0.02
सीजीईजीआईएस देय	0.12	0.09
सीजीएचएस देय	0.11	0.13
आवास लाइसेंस शुल्क	0.17	0.17
वेट देय	0.00	0.00
नियमित संकाय/कर्मचारियों पर टीडीएस	0.00	0.00
शिक्षा उपकर टीडीएस	0.00	0.00
एनपीएस नियोक्ता योगदान	0.31	1.73
एनपीएस कर्मचारी योगदान	0.08	0.43
जीएसटी सीजीएसटी देय	4.85	7.66
जीएसटी एसजीएसटी देय	4.83	7.66
जीएसटी आईजीएसटी देय	8.64	18.73
जीएसटी युटीजीएसटी देय	0.01	0.00
जीएसटी मुआवजा उपकर	0.00	0.00
टीडीएस सीजीएसटी देय	10.36	10.39
टीडीएस एसजीएसटी देय	10.33	10.39
टीडीएस आईजीएसटी देय	11.42	13.28
वस्तुओं/सेवाओं की खरीद पर धारा 194Q के तहत टीडीएस	0.01	
ईपीएफ सरकार का हिस्सा देय (कर्मचारी)	0.00	0.01
टीसीएस देय	0.01	0.00
उपदान दावा देय	0.00	4.64
सीजीएसटी देय - 9%	44.20	26.20
देय आईजीएसटी -18%	8.36	5.83

एसजीएसटी/यूटीजीएसटी देय - 2.5%	0.17	12.75
सीजीएसटी देय - 2.5%	0.01	0.01
एसजीएसटी/यूटीजीएसटी देय - 9%	40.57	13.39
सीजीएसटी देय - 6%	0.08	0.00
एसजीएसटी/यूटीजीएसटी देय - 6%	0.08	0.00
देय आईजीएसटी -12%	0.00	
कुल	**628.83**	**646.52**

अनुलग्नक 8: अन्य वर्तमान देनदारियां **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	3 मार्च 1, 2024
देय वेतन	1137.01	1313.43
एचआरए देय	2.16	4.95
अतिथि संकायों को देय राशि	117.03	70.03
एलआईसी वेतन बचत योजना देय	1.83	1.88
वेतन वसूली योग्य अर्थात न्यायालय, ऋण आदि	0.42	0.42
देय पीएलआई	0.00	0.00
प्राप्त अग्रिम आय	181.03	121.79
छात्रवृत्ति और पुरस्कार राशि देय	323.99	325.40
क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला भुवनेश्वर	0.00	0.00
क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला कोलकाता	0.00	0.00
क्षेत्रीय डिजाइन कार्यशाला चेन्नई	0.00	0.00
छात्र बीमा दावा देय	0.00	0.00
जीर्ण चेक	24.98	23.43
आईआरएस (एएसएसओ)	0.00	0.00
क्लस्टर पहल (एमओटी)	1.25	39.32
क्लस्टर पहल एच. लूम	10.04	-25.69
क्लस्टर पहल एच. क्राफ्ट	11.70	-12.91
ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट एच.क्राफ्ट (एमओटी)	3.17	6.41
ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट एच.लूम (एमओटी)	4.81	0.29
निफ्ट डिजाइन सेंटर (एनसीडीपीडी)	0.00	0.00
कर्मचारी दान देय	1000.00	0.00
छुट्टी नकदीकरण दावा देय	0.00	0.21
मुख्यालय से ब्याज मुक्त ऋण	2102.00	3102.00
एलसीएसए देय -उपदान	0.00	0.00
एलसीएसए देय -छुट्टी	0.00	0.00
बीएसईएफसीएल से प्राप्त राशि	2.93	3.02
कुल	**4924.36**	**4973.98**

अनुलग्नक 9: उपदान का प्रावधान **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
उपदान के लिए प्रावधान	0.00	0.00
कर्मचारी समूह उपदान के लिए प्रावधान	0.00	0.00
कुल	**0.00**	**0.00**

अनुलग्नक 10: छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान	0.00	0.00
कर्मचारी समूह छुट्टी नकदीकरण के लिए प्रावधान	8068.72	7206.10
कुल	**8068.72**	**7206.10**

अनुलग्नक 11: डब्ल्यूआईपी **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
डब्ल्यूआईपी के लिए प्रावधान	635.51	395.60
कुल	**635.51**	**395.60**

अनुलग्नक 12: अन्य प्रावधान **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
पेंशन के लिए प्रावधान	-0.07	-0.07
प्रतिनियुक्ति के लिए एलएससी प्रावधान	27.49	15.79
व्यय विक्रेता के लिए प्रावधान	1301.84	1,427.13
सीई कार्यक्रम के लिए प्रावधान	189.00	126.33
अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	63.75	63.75
सांविधिक/आंतरिक/सीएजी ऑडिट शुल्क के लिए प्रावधान	1.81	4.13
कर्मचारियों के खर्च के लिए प्रावधान	463.21	447.72
सीपीडब्ल्यूडी कार्यों के लिए प्रावधान	1.45	4.65
कुल	**2048.48**	**2089.43**

अनुलग्नक 13: माल-सूची **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
क्लोजिंग माल-सूची	0.00	0.00
कुल	**0.00**	**0.00**

अनुलग्नक 14: विविध देनदार **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
पार्टियों से वसूली योग्य राशि	222.47	129.73
एमओटी से वसूली योग्य राशि	29.51	33.19
परियोजना से वसूली योग्य राशि	-12.57	405.23
राज्य सरकार से वसूली योग्य राशि	334.03	182.83
मार्जिन मनी	0.00	0.00
सीपीडब्ल्यूडी जमा कार्य	899.58	1,366.32
अन्य से वसूलने योग्य राशि	742.97	1,072.83
कर्मचारियों से वसूलने योग्य राशि	22.18	35.05
विद्यार्थियों से वसूलने योग्य राशि	1678.41	1,447.32
क्लस्टर पहल हथकरघा प्राप्य	161.36	311.47
क्लस्टर पहल हस्तशिल्प प्राप्य	261.21	711.20
एलआईसी से प्राप्य राशि	26.90	0.00
कुल	**4366.05**	**5695.17**

अनुलग्नक 15: हाथ नकदी **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
हाथ रोकड़/ नकदी	0.58	0.89
कुल	**0.58**	**0.89**

अनुलग्नक 16: खाता जमा **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
यूबीआई के साथ सावधि जमा	80821.24	65,773.65
एक्सिस बैंक के साथ सावधि जमा	463.00	1,075.90
एचडीएफसी बैंक के साथ सावधि जमा	676.00	676.00
आईडीबीआई बैंक में सावधि जमा	1845.09	6,109.79
अन्य बैंकों के साथ सावधि जमा	29919.54	25,816.92
सावधि जमा(अक्षयनिधि)	17211.68	18,555.99
सावधि जमा (सामान्य निधि)	14042.82	14,060.26
सावधि जमा/निवेश ईएफ-बेंगलुरु	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-भोपाल	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-भुवनेश्वर	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-चेन्नई	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-दिल्ली	75.00	75.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-गांधीनगर	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-हैदराबाद	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-बेंगलुरु	0.00	0.00

सावधि जमा/निवेश ईएफ-कांगड़ा	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-कन्नूर	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-कोलकाता	5940.00	3,440.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-मुंबई	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-पटना	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-रायबरेली	1650.00	1,200.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-शिलांग	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-श्रीनगर	0.00	180.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-एचओ	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-पंचकुला	2488.10	1,869.50
सावधि जमा(विभाग विकास निधि)	44.46	40.74
सावधि जमा (निफ्ट विकास निधि)	344.73	344.73
सावधि जमा (भूतपूर्व छात्र एसोसिएशन निधि)	0.44	0.40
निफ्ट सामान्य निधि	0.00	
कुल	**155522.11**	**139218.88**

अनुलग्नक 17: बैंक खाता **लाख रुपये में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
यूबीआई	53033.34	54031.68
एसबीआई	123.28	47.35
एक्सिस बैंक	181.03	85.00
आईडीबीआई बैंक	1915.55	3666.87
एचडीएफसी बैंक	876.09	617.54
एसबीबीजे खाता	121.84	121.84
कोई अन्य बैंक	22.44	0.00
बैंक अक्षयनिधि	83.93	87.35
अन्य बैंकों के साथ सावधि जमा	1503.24	0.10
कुल	**57860.74**	**58657.72**

अनुलग्नक 18: कर्मचारी ऋण **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
त्योहार अग्रिम मुख्यालय	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम दिल्ली	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम मुंबई	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम गांधीनगर	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम बेंगलुरु	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम रायबरेली	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम एसएलजी	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम पटना	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम भोपाल	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम कांगड़ा	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
त्योहार अग्रिम एसएनआर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम मुख्यालय	0.30	0.77
कम्प्यूटर अग्रिम दिल्ली	0.16	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम मुंबई	0.00	0.00

कम्प्यूटर अग्रिम गांधीनगर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम बेंगलुरु	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम रायबरेली	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम एसएलजी	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम पटना	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम भोपाल	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम कांगड़ा	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
कम्प्यूटर अग्रिम एसएनआर	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम मुख्यालय	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम दिल्ली	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम मुंबई	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम मुख्यालय	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम बेंगलुरु	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम रायबरेली	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम एसएलजी	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम पटना	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम भोपाल	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम कांगड़ा	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
स्कूटर अग्रिम एसएनआर	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम मुख्यालय	0.24	0.24
मोटर कार अग्रिम दिल्ली	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम मुंबई	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम गांधीनगर	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम बेंगलुरु	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम रायबरेली	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम एसएलजी	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम पटना	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम बीपीएल	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम कांगड़ा	0.74	0.92
मोटर कार अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
मोटर कार अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम मुख्यालय	0.13	0.29
एचबीए अग्रिम दिल्ली	18.92	21.22
एचबीए अग्रिम कोलकाता	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम मुंबई	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम गांधीनगर	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम बेंगलुरु	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम रायबरेली	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम शिलांग	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम पटना	0.00	0.00

एचबीए अग्रिम कन्नूर	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम भोपाल	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम कांगड़ा	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम भुवेश्वर	0.00	0.00
एचबीए अग्रिम जोधपुर	0.00	0.00
कुल	**20.50**	**23.44**

अनुलग्नक 19: पूंजीगत खातों पर अग्रिम **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
ठेकेदारों को अग्रिम	436.28	304.01
निर्माण एजेंसी को अग्रिम	4595.06	4233.30
कुल	**5031.34**	**4537.31**

अनुलग्नक 20: पूर्व भुगतान **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
पूर्व भुगतान बीमा	62.69	58.58
पूर्व भुगतान एएमसी चार्ज	3.44	4.23
अन्य पूर्व भुगतान (कृपया हेड के अनुसार निर्दिष्ट करें)	39.46	33.63
कुल	**105.60**	**96.44**

अनुलग्नक 21: सुरक्षा का भुगतान **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
हॉल बुकिंग के लिए सुरक्षा भुगतान	0.00	1.01
पेट्रोल की आपूर्ति के लिए सुरक्षा का भुगतान किया गया	1.80	1.80
सुरक्षा भुगतान- विद्युत बोर्ड	217.03	180.32
सुरक्षा भुगतान किया गया- टेलीफोन	6.42	6.59
सिक्योरिटी डिपॉजिट - बेगूसराय एक्सटेंशन सेंटर	1.03	
अन्य- सुरक्षा भुगतान (कृपया हेड वार निर्दिष्ट करें)	104.01	86.83
कुल	**330.29**	**276.54**

अनुलग्नक 22: कर्मचारी अग्रिम राशि **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
एलटीसी अग्रिम मुख्यालय	0.36	0.00
एलटीसी अग्रिम दिल्ली	0.00	0.00
एलटीसी अग्रिम कोलकाता	1.32	0.30
एलटीसी अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
एलटीसी अग्रिम हैदराबाद	0.00	0.75
एलटीसी अग्रिम मुंबई	0.00	0.06
एलटीसी अग्रिम जीएनआर	0.06	0.33
एलटीसी अग्रिम बैंगलुरु	0.00	0.00
एलटीसी अग्रिम रायबरेली	0.00	0.57
एलटीसी अग्रिम एसएलजी	0.00	0.00
एलटीसी अग्रिम पटना	2.40	0.00
एलटीसी अग्रिम कन्नूर	0.00	1.23
एलटीसी अग्रिम बीपीएल	0.00	0.14
एलटीसी अग्रिम कांगड़ा	0.19	1.30
एलटीसी अग्रिम भुवनेश्वर	0.00	0.00
एलटीसी अग्रिम जोधपुर	1.29	0.00
एलटीसी अग्रिम एसएनआर	0.00	0.00
एलटीसी अग्रिम पंचकुला	0.00	0.00
एलटीसी अग्रिम दमन	0.00	
एलटीसी अग्रिम	0.54	1.12
अन्य अग्रिम एचओ	20.40	20.30
अन्य अग्रिम दिल्ली	10.34	7.98

अन्य अग्रिम कोलकाता	8.70	3.33
अन्य अग्रिम चेन्नई	0.00	0.00
अन्य अग्रिम हैदराबाद	2.58	2.58
अन्य अग्रिम राशि मुंबई	0.37	0.13
अन्य अग्रिम गांधीनगर	0.31	0.00
अन्य अग्रिम बेंगलुरू	4.03	0.37
अन्य अग्रिम रायबरेली	0.00	0.15
अन्य अग्रिम एसएलजी	2.39	4.17
अन्य अग्रिम पटना	41.26	30.65
अन्य अग्रिम कन्नूर	0.00	0.13
अन्य अग्रिम बीपीएल	3.08	3.33
अन्य अग्रिम कांगड़ा	2.58	1.91
अन्य अग्रिम भुवनेश्वर	0.83	0.74
अन्य अग्रिम जोधपुर	2.49	2.15
अन्य अग्रिम एसएनआर	0.67	2.40
अन्य अग्रिम पंचकुला	5.47	2.14
अन्य अग्रिम दमन	0.14	0.74
अन्य अग्रिम वारानसी	0.78	
चिकित्सा अग्रिम राशि	14.45	0.00
कुल	**127.02**	**89.00**

अनुलग्नक 23: परियोजनाओं के लिए अग्रिम राशि **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
परियोजनाओं के लिए अग्रिम	347.84	21.35
परियोजना प्रगति पर है	355.69	318.00
कुल	**703.53**	**339.35**

अनुलग्नक 24: अन्य अग्रिम **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
पार्टियों को अग्रिम	77.63	295.56
अग्रिम किराया	1.67	1.67
आपूर्तिकर्ताओं के लिए अग्रिम	5.36	8.87
सेवा प्रदाता के लिए अग्रिम	0.02	0.78
छात्र के लिए अग्रिम	44.24	7.51
ब्याज मुक्त लैपटॉप ऋण	3104.99	3107.70
कैंपस के लिए ब्याज मुक्त ऋण	0.00	0.00
कुल	**3233.91**	**3422.09**

अनुलग्नक 25: एफडीआर पर प्राप्त ब्याज **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
एफडीआर पर अर्जित इंटरेस्ट	8756.28	7158.31
सावधि जमा/निवेश ईएफ-बैंगलुरु पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-बीपीएल पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-बीबीएस पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-चेन्नई पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-दिल्ली पर अर्जित ब्याज	13.60	7.52
सावधि जमा/निवेश ईएफ-गांधीनगर पर अर्जित ब्याज	521.18	483.89
सावधि जमा/निवेश ईएफ-हैदराबाद पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-जेडीपी पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-केजीआर पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-कन्नूर पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-कोलकाता पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-एमयूएम पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-पीटीएन पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00

सावधि जमा/निवेश ईएफ-आरबीएल पर अर्जित ब्याज	5.13	85.57
सावधि जमा/निवेश ईएफ-एसएलजी पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-एसएनआर पर अर्जित ब्याज	22.43	2.98
सावधि जमा/निवेश ईएफ-एचओ पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
सावधि जमा/निवेश ईएफ-पीकेएल पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
कुल	**9318.61**	**7738.28**

अनुलग्नक 26: अन्य पर अर्जित ब्याज **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
कर्मचारियों से वसूली योग्य ब्याज	3.16	3.16
अन्य से वसूली योग्य ब्याज	0.12	0.06
कुल	**3.28**	**3.22**

अनुलग्नक 27: प्राप्य दावे **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
टीडीएस प्राप्य (2010-11) तक	23.03	23.03
टीडीएस प्राप्य (2011-12)	6.98	6.98
टीडीएस प्राप्य (2012-13)	0.00	0.00
टीडीएस प्राप्य (2013-14)	2.85	2.85
टीडीएस प्राप्य (2014-15)	1.87	1.87
टीडीएस प्राप्य (2015-16)	1.12	1.12
टीडीएस प्राप्य (2016-17)	-13.73	-12.16
टीडीएस प्राप्य (2017-18)	15.93	16.04
जीएसटी इनपुट सीजीएसटी	17.19	17.19
जीएसटी इनपुट एसजीएसटी	17.19	17.19
जीएसटी इनपुट आईजीएसटी	67.80	67.80
जीएसटी प्रतिवर्ती शुल्क सीजीएसटी	-2.03	-3.89
जीएसटी प्रतिवर्ती शुल्क एसजीएसटी	-2.03	-3.89
जीएसटी प्रतिवर्ती शुल्क आईजीएसटी	0.00	0.00
जीएसटी प्रतिवर्ती शुल्क युटीजीएसटी	0.00	0.00
सेवा कर वसूली योग्य	0.00	0.00
अन्य कर (वसूली योग्य)	22.56	22.56
टीडीएस प्राप्य (2018-19)	3.84	8.48
टीडीएस - सीजीएसटी प्राप्य (2018-19)	0.00	0.00
टीडीएस - एसजीएसटी प्राप्य (2018-19)	0.00	0.00
टीडीएस - आईजीएसटी प्राप्य (2018-19)	0.00	0.00
टीडीएस प्राप्य (2019-20)	-1.76	0.07
टीडीएस-सीजीएसटी प्राप्य (2019-20)	0.00	0.00
टीडीएस-एसजीएसटी प्राप्य (2019-20)	0.00	0.00
टीडीएस-आईजीएसटी प्राप्य (2019-20)	0.00	0.00
टीडीएस-प्राप्य (2020-21)	0.00	0.17
टीडीएस-सीजीएसटी प्राप्य (2020-21)	0.00	0.18
टीडीएस-एसजीएसटी प्राप्य (2020-21)	0.00	0.18
टीडीएस-आईजीएसटी प्राप्य (2020-21)	0.00	0.00
टीडीएस प्राप्य (2021-22)	48.96	51.66
टीडीएस-सीजीएसटी प्राप्य (2021-22)	0.18	0.00
टीडीएस-एसजीएसटी प्राप्य (2021-22)	0.18	0.00
टीडीएस-आईजीएसटी प्राप्य (2021-22)	0.00	0.00
टीडीएस प्राप्य (2022-23)	0.57	35.95
टीडीएस - सीजीएसटी प्राप्य (2022-23)	0.45	0.00
टीडीएस-एसजीएसटी प्राप्य (2022-23)	0.00	0.00
टीडीएस-आईजीएसटी प्राप्य (2022-23)	0.29	2.53
टीडीएस प्राप्य (2023-24)	0.93	58.12
टीडीएस सीजीएसटी प्राप्य (2023-24)	0.00	0.00
टीडीएस एसजीएसटी प्राप्य (2023-24)	0.00	0.00

टीडीएस आईजीएसटी प्राप्य (2023-24)	0.00	0.00
टीसीएस प्राप्य 2023-24	0.04	
टीडीएस प्राप्य (2024-25)	216.11	
टीडीएस-सीजीएसटी प्राप्य (2024-25)	0.69	
टीडीएस-एसजीएसटी प्राप्य (2024-25)	0.94	
टीडीएस-आईजीएसटी प्राप्य (2024-25)	0.25	
कुल	**430.41**	**314.01**

अनुलग्नक 28: आंतरिक परिसर **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
निफ्ट मुख्यालय	-1406.29	2410.19
निफ्ट बेंगलुरु	-0.32	-892.92
निफ्ट भोपाल	88.07	189.07
निफ्ट भुवनेश्वर	87.32	286.45
निफ्ट चेन्नई	30.32	290.57
निफ्ट गांधीनगर	87.60	-670.53
निफ्ट हैदराबाद	91.86	-495.73
निफ्ट जोधपुर	95.34	494.02
निफ्ट कांगड़ा	97.76	258.44
निफ्ट कन्नूर	70.64	28.55
निफ्ट कोलकाता	94.78	-734.86
निफ्ट मुंबई	86.46	322.14
निफ्ट दिल्ली	-453.65	-2515.44
निफ्ट पटना	41.42	371.31
निफ्ट शिलांग	88.80	192.33
निफ्ट रायबरेली	304.92	177.21
निफ्ट परियोजना प्रकोष्ठ	22.82	30.39
निफ्ट श्रीनगर	210.07	172.40
निफ्ट सूरत विस्तारण	0.00	0.00
निफ्ट एचओ समूह उपदान न्यास ट्रस्ट	-612.51	-670.68
निफ्ट पंचकुला	78.12	29.16
निफ्ट दमन	49.78	57.85
निफ्ट वाराणसी	210.72	
कुल	**-635.96**	**-670.08**

अनुलग्नक: 29 निवेश **रुपये लाख में**

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
निवेश	0.00	0.00
एलआईसी समूह उपदान निधि	0.39	0.39
एलआईसी समूह छुट्टी नकदीकरण निधि	7348.60	6672.59
कुल	**7348.99**	**6672.98**

मेसर्स हेमंत गुप्ता एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट

फोन के लिए: 0120-4785592,9868815592, 8178022722, 7982220290
ईमेल: hemantguptaassociates@gmail.com

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट के ट्रस्टियों को

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने "निफ्ट एम्प्लॉइज ग्रुप ग्रेच्युटी ट्रस्ट" (ट्रस्ट) के साथ दिए गए वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च, 2025 तक की बैलेंस शीट, समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय विवरण और प्राप्ति और भुगतान खाता, और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

ट्रस्ट का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार है जो भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी गैर-कॉर्पोरेट संस्थाओं पर लागू लेखांकन मानकों के अनुसार ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। इस जिम्मेदारी में वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और भौतिक गलत बयान से मुक्त होते हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण।

लेखा परीक्षक दायित्व

हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी ऑडिटिंग पर मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया। उन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का पालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए ऑडिट की योजना बनाएं और प्रदर्शन करें कि वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं या नहीं।

एक ऑडिट में वित्तीय विवरणों में राशियों और खुलासे के बारे में ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं करना शामिल है। चुनी गई प्रक्रियाएं लेखा परीक्षक के निर्णय के विवेक पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो। उन जोखिम आकलन करने में, लेखा परीक्षक आंतरिक नियंत्रण को ट्रस्ट की तैयारी और वित्तीय विवरणों की निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक मानता है ताकि डिजाइन ऑडिट प्रक्रियाओं के लिए जो परिस्थितियों में उपयुक्त हैं, लेकिन ट्रस्ट के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर एक राय व्यक्त करने के उद्देश्य से नहीं। एक ऑडिट में प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना भी शामिल है, साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है।

हमारा मानना है कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वह हमारी ऑडिट राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं:

ए) तुलन पत्र के मामले में, 31 मार्च, 2025 तक ट्रस्ट के मामलों की स्थिति

बी) आय और व्यय खाते के मामले में, 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए ट्रस्ट की आय

सी) उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए ट्रस्ट की प्राप्ति और भुगतान खाते के मामले में।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट:

हम रिपोर्ट करते हैं कि:

क) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारे ऑडिट के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

ख) हमारी राय में, कानून द्वारा आवश्यक खातों की उचित पुस्तकें ट्रस्ट द्वारा रखी गई हैं, जहां तक उन पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।

ग) इस रिपोर्ट के अनुसार बैलेंस शीट, आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाता बही के अनुरूप हैं।

घ) हमारी राय में, आय और व्यय खाता और प्राप्ति और भुगतान खाता इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी गैर-कॉर्पोरेट संस्थाओं पर लागू लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं।

ड़) उपरोक्त के अलावा, हम यह रिपोर्ट करना चाहेंगे कि ट्रस्ट "निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट" को मान्यता प्राप्त ट्रस्ट के रूप में आयकर विभाग से अलग पैन प्राप्त करना आवश्यक है।

हेमंत गुप्ता एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
एफआरएन- 010490सी
दिनांक: 21.06.2025
स्थान: नई दिल्ली
सीए (एडवोकेट) हेमंत गुप्ता
पार्टनर
एम. नं. 400259

निफ्ट कर्मचारी समूह उपदान न्यास

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और खातों के लिए नोटों पर आकस्मिक देनदारियां

1. वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार:

ट्रस्ट के वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत कन्वेंशन के तहत आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार, प्रोद्भवन आधार पर और "द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया" द्वारा जारी लागू लेखांकन मानक पर तैयार किए गए हैं।

2. राजस्व मान्यता:

ट्रस्ट की आय को लेखा मानक 9 के अनुसार मान्यता दी गई है और प्रोद्भवन के आधार पर लेखा पुस्तकों में इसका लेखा-जोखा किया गया है।

3. निवेश:

एलआईसी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, ट्रस्ट का निवेश भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की ग्रुप ग्रेच्युटी नकद संचय योजना में किया गया है।

ग्रेच्युटी योजना के अनुसार चालू वित्त वर्ष के निवेश मूल्य में निवेश पर ब्याज को भी शामिल (पुनर्निवेशित) किया गया है।

4. निवेश व्याज:

निवेश पर ब्याज आय को ट्रस्ट के निवेश में पुनर्निवेश किया गया है।

5. व्यय:

एलआईसी द्वारा प्रस्तुत निधि विवरण के अनुसार प्रोद्भवन आधार पर व्यय जमा किए जाते हैं।

6. कर्मचारी लाभ (उपदान):

एलआईसी द्वारा प्रस्तुत बयान के अनुसार, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लागू लेखा मानक 15 के अनुसार अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके बैलेंस शीट की तारीख के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर भविष्य के ग्रेच्युटी लाभों के लिए ट्रस्ट अपनी देयता का वहन करता है।

7. प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक परिसंपत्तियां:

माप में पर्याप्त मात्रा में अनुमान लगाने वाले प्रावधानों को तब मान्यता दी जाती है जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होता है और यह संभव है कि संसाधनों का बहिर्वाह होगा। आकस्मिक देनदारियों और परिसंपत्तियों को न तो मान्यता दी गई है और न ही नोटों में इसका खुलासा किया गया है।

एलआईसी के अनुसार ग्रेच्युटी का प्रावधान 77.29 करोड़ रुपये होना चाहिए, जबकि ट्रस्ट द्वारा बनाए गए खातों के अनुसार 83.62 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाना चाहिए। इसमें 6.33 करोड़ रुपये का अंतर है। पुस्तकों के अनुसार, ग्रेच्युटी का प्रावधान 6.33 करोड़ रुपये से अधिक कर दिया गया है। जैसा कि हमें बताया गया है, अंतर सुलह के अधीन है।

8. अर्जित निवेश पर ब्याज इस अवधि के लिए एमएफआर और एआईआर में कमी की जाती है और नई पॉलिसी शर्तों के कारण वर्ष के दौरान एलआईसी पर ब्याज में वृद्धि की जाती है। नई नीति के अनुसार एकल दर पर वार्षिक ब्याज।

9. वित्तीय विवरणों में आंकड़े लाखों रुपये में दर्शाए गए हैं। इस प्रयोजन के लिए, आंकड़ों को दो दशमलव बिंदुओं के साथ लगभग लाख तक पूर्णांकित किया गया है।

10. प्रस्तुत किए गए पिछले वर्ष के लिए संबंधित आंकड़ों को वर्तमान वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप जहां आवश्यक हो, फिर से संगठित किया गया है।

11. बैलेंस शीट, आय और व्यय खातों, प्राप्तियों और भुगतान खातों और अनुसूचियों के आंकड़े लाखों रुपये में दिखाए गए हैं। इस प्रयोजन के लिए आंकड़ों को दो दशमलव बिंदुओं के साथ लगभग लाख तक पूर्णांकित किया गया है। कुछ स्थानों पर आंकड़ों का मिलान/मिलान करने के लिए 0.01 लाख रुपये का समायोजन (परिवर्धन/कटौती) किया गया है।

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट
31 मार्च 2025 तक की बैलेंस शीट

रुपये लाख में

देनदारियां	चालू वर्ष 2024-25	पिछला वर्ष 2023-24	परिसंपत्ति	चालू वर्ष 2024-25	पिछला वर्ष 2023-24
उपदान खाता (देनदारियां)			**उपदान खाता (निवेश)**		
अथ शेष	7881.56	7087.78	पीएवी निवेश का समापन संतुलन	7729.14	7307.50
जमा: परिसर से प्राप्त अंशदान और एलआईसी को देय	368.03	548.81	निफ्ट परिसरों से प्राप्त होने वाली राशि	612.51	553.67
जमा/घटा: एलआईसी से संबंधित परिसर के लिए निपटाया/प्राप्य दावा	(427.17)	(278.63)	अन्य प्राप्य	-	-
जमा/घटा: देय अन्य राशि (शुद्ध)	-	(1.17)	बैंक बैलेंस	42.38	20.39
जमा/घटा: बीमांकीय रिपोर्ट के अनुसार समायोजन	-	-			
जमा: वर्ष के दौरान व्यय की तुलना में आय की अधिकता	561.61	524.78			
अग्रिम में प्राप्त प्रीमियम	-	-			
कुल	**8384.03**	**7881.56**	**कुल**	**8384.03**	**7881.56**

हमारी सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

मे. हेमन्त गुप्ता एवं एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन: 010490सी

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट के लिए

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
सीए गौरव भाटिया	तनु कश्यप, आईएएस	सीएमए बी.के.पांडे	कर्नल विक्रांत लखनपाल	गौरव मिश्रा
पार्टनर	महानिदेशक	निदेशक (एफ एंड ए)	पंजीयक	निदेशक (मुख्यालय)

सदस्यता संख्या. 400259
यूडीआईएन: 25400259BMLBIZ1293
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 21.06.2025

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट
समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का लेखा
31 मार्च 2025

रुपये लाख में

व्यय	चालू वर्ष 2024-25	पिछला वर्ष 2023-24	आय	चालू वर्ष 2024-25	पिछला वर्ष 2023-24
प्रशासन एवं अन्य प्रभार			**निवेश पर अर्जित ब्याज/अर्जित**		
मृत्यु दर शुल्क (एमओसी)	-	-	इस अवधि के लिए एमएफआर	-	-
पोल एडमिन शुल्क (पीएसी)	-	-	इस अवधि के लिए एआईआर	-	-
निधि प्रबंधन शुल्क	-	-	एलआईसी इन्वेस्टमेंट फंड पर ब्याज	559.70	522.99
एमओसी, पीएसी और एफएमसी पर सेवा कर	-	-			
बैंक शुल्क	-	-			
			बैंक खाते पर अर्जित ब्याज/अर्जित		
व्यय की तुलना में आय की अधिकता बैलेंस शीट में हस्तांतरित की गई	561.61	524.78	युनियन बैंक ऑफ इंडिया Un	1.91	1.79
कुल	**561.61**	**524.78**	**कुल**	**561.61**	**524.78**

हमारी सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

मे. हेमन्त गुप्ता एवं एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन: 010490सी

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट के लिए

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
सीए गौरव भाटिया	तनु कश्यप, आईएएस	सीएमए बी.के.पांडे	कर्नल विक्रांत लखनपाल	गौरव मिश्रा
पार्टनर	महानिदेशक	निदेशक (एफ एंड ए)	पंजीयक	निदेशक (मुख्यालय)

सदस्यता संख्या. 400259
यूडीआईएन: 25400259BMLBIZ1293
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 21.06.2025

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

रुपये लाख में

रसीद	चालू वर्ष 2024-25	पिछला वर्ष 2023-24	भुगतान	चालू वर्ष 2024-25	पिछला वर्ष 2023-24
अथ शेष	5910.08	5115.11	**व्यय/ भुगतान किए गए शुल्क**		
वर्ष के दौरान निफ्ट परिसरों द्वारा ग्रेच्युटी ट्रस्ट में किया गया योगदान	368.03	548.81	एमओसी शुल्क		
			पीएसी शुल्क/अन्य शुल्क		
एलआईसी से प्राप्त दावा	449.46	204.38	निधि प्रबंधन शुल्क	-	-
			एमओसी, पीएसी और एफएमसी पर सेवा कर	-	-
निवेश पर अर्जित ब्याज/अर्जित			बैंक शूल्क	-	-
एलआईसी इन्वेस्टमेंट फंड पर ब्याज	559.70	522.99	अन्य शूल्क		
इस अवधि के लिए एमएफआर	-	-	एलआईसी उपदान न्यास को भुगतान	427.17	278.63
इस अवधि के लिए एआईआर	-	-			
बैंक खाते पर अर्जित ब्याज/ अर्जित	1.91	1.79	वर्ष के दौरान भुगतान/निपटाए गए उपदान दावे	449.46	204.38
			" अंत शेष"	6412.55	5910.08
कुल	**7289.19**	**6393.09**	**कुल**	**7289.19**	**6393.09**

हमारी सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

मे. हेमन्त गुप्ता एवं एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन: 010490सी

निफ्ट कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी ट्रस्ट के लिए

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
सीए गौरव भाटिया	तनु कश्यप, आईएएस	सीएमए बी.के.पांडे	कर्नल विक्रांत लखनपाल	गौरव मिश्रा
पार्टनर	महानिदेशक	निदेशक (एफ एंड ए)	पंजीयक	निदेशक (मुख्यालय)

सदस्यता संख्या. 400259
यूडीआईएन: 25400259BMLBIZ1293
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 21.06.2025

निफ्ट परिसर

बेंगलुरु

निफ्ट परिसर
नंबर 21, 16वां क्रॉस,
27वां मेन रोड, सेक्टर 1
एचएसआर लेआउट,
बेंगलुरु -560 102
(कर्नाटक)
फो: (080) 22552550 से 55

भोपाल

निफ्ट परिसर
भोपाल इंदौर बाईपास रोड,
भौरी,
भोपाल- 462030 (म.प्र)
फो: (0755) 2493636

भुवनेश्वर

निफ्ट कैंपस,
आईडीसीओ प्लॉट नंबर-24
चंदका इंडस्ट्रियल एस्टेट,
पाटिया भुवनेश्वर-751024,
ओडिशा
फो: (0674)-2305700, 712

चेन्नई

निफ्ट कैंपस,
राजीव गांधी सलाई तारामणि,
चेन्नई - 600 113
तमिलनाडु
फो: +91-44-22542756

दमन

निफ्ट परिसर
ब्लॉक 5 और 6,
राजकीय.
इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर,
मोटा फलिया, वरकुंड,
नानी दमन,
दमन - 396210
फो: (2060)-2994640

गांधीनगर

निफ्ट परिसर
जीएच - 0 रोड, इन्फो सिटी के पीछे,
डीएआईआईसीटी के पास
गांधीनगर-382007, गुजरात
फो: (079) 32365000/02/08

जोधपुर

निफ्ट परिसर
कारवार, जोधपुर - 342037,
राजस्थान
फो: (0291)-2659558, 2659556

हैदराबाद

निफ्ट कैंपस,
हाई-टेक सिटी के सामने,
साइबराबाद पोस्ट,
माधापुर, हैदराबाद - 500 081
तेलंगाना
फो: +91-40-23110842/43

कांगड

निफ्ट परिसर
छेब,
कांगड़ा-176001,
हिमाचल प्रदेश
फो: (01892) 260872

निफ्ट परिसर

कन्नूर

निफ्ट परिसर
धर्मशाला, मंगट्टुपरम्बा,
कन्नूर - 670562
(केरल)
फो: (0497) 2784781/85

कोलकाता

निफ्ट परिसर
प्लॉट नं. 3बी, ब्लॉक - एलए,
एसईसी-3, साल्ट लेक सिटी,
कोलकाता-700106,
पश्चिम बंगाल
फो: (033) 23358350/52890

मुंबई

निफ्ट परिसर
प्लॉट नंबर 15, सेक्टर- 4,
खारघर,
नवी मुंबई - 410210
(महाराष्ट्र)
फो: (022) 27747000/100

नई दिल्ली

निफ्ट कैंपस,
हौज़ खास,
गुलमोहर पार्क के पास
नई दिल्ली - 110016
फो: (011) 26867704, 26542149

पंचकुला

निफ्ट परिसर,
सेक्टर-23,
पंचकुला
हरियाणा-134109
फो: (172) 2801715

पटना

निफ्ट कैंपस
मीठापुर फार्म,
पटना -800001
(बिहार)
फो: (0612) 2366833, 2360078/87

रायबरेली

निफ्ट परिसर
दूरभाष नगर,
सेक्टर - II,
रायबरेली - 229 010 (यूपी)
फो: (0535) 2702422

शिलांग

निफ्ट परिसर
उमसावली, मावपत,
शिलांग -793018,
मेघालय
फो: (0364) 2308818

श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)

निफ्ट परिसर
सिडको औद्योगिक परिसर
ओमपोरा, बडगाम
जम्मू और कश्मीर - 191111
फो: (0195) 1255970

वाराणसी

निफ्ट कैंपस
ब्लॉक - सी एंड डी,
व्यापार सुविधा केंद्र
(दीन दयाल हस्तकला संकुल)
बड़ा लालपुर, चांदमारी,
वाराणसी
उत्तर प्रदेश-221007
फो: (0542)- 2985444/2982444

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY

Ministry of Textiles, Government of India

A Statutory Institute Governed by the NIFT Act 2006